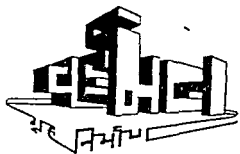


हार्दिक शुभकामनाओ सहित



- वर्धमान-मार्केट - दुकानों-आफिसों, तीन रोड का जक्शन प्लॉट नम्बर-76 सेक्टर-87 वाशी
न्यू बम्बई
- वर्धमान-वेल्लेस - रहने के लिये प्लॉट, प्लॉट न 48 सेक्टर-17 वाशी, न्यू बम्बई
- वर्धमान-पार्क - रहने के लिये प्लॉट प्लॉट नम्बर 49 सेक्टर-17 वाशी, न्यू बम्बई
- गुप्तेश्वर - रहने के लिये प्लॉट प्लॉट नम्बर 14 सेक्टर-4 वाशी, न्यू बम्बई
- निर्माण पार्क - रहने के लिये प्लॉट पप हाउस राजमाता जीजा वाई रोड अन्धेरी। (इस्ट)
- निर्माण नगर - रहने के लिये प्लॉट रेल्वे स्टेशन से तीन मिनट पर नाला सोपारा (वेस्ट)

वुकिंग साइट एवम् आफिस थ्रेण्ट बांध काम के निर्माता

वर्धमान ग्रुप एवं निर्माण ग्रुप

इन्जीनियर्स एव बिल्डर्स

40-41, विशाल प्रॉपिग सेंटर, मर एम वी रोड (अंधेरी कुर्ला रोड) अन्धेरी (इस्ट)

बम्बई-400-069

फोन -6347804, 6323625, 6329917

ओनर्स:-हसमुख राय वी मेहता

फोन -585948

लक्ष्मीचन्द्र एस वर्धन

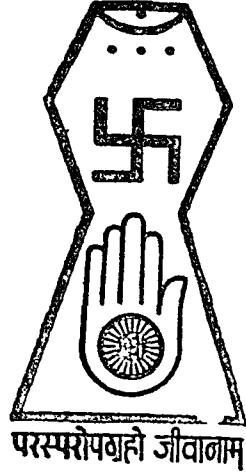
फोन -632 9373

अमृत ए. जैन

फोन-8282238

अहंम्

श्री समग्र जैन चातुर्मास सूची 1986



अ.भा. समग्र जैन सम्प्रदायों (श्वे. मूर्तिपूजक, श्वे. स्थानकवासी, श्वे. तेरापंथी एवं दिगम्बर सम्प्रदाय) के पूज्य मुनिराजों एवं महासतियोंजी म.सा. के चातुर्मासों का वृहद् सूची पत्र

प्रेरक

आगम अनुयोग प्रवर्तक, पं. रत्न श्री कन्हैयालालजी म.सा. "कमल"

निर्देशक

❖ सरधरा रत्न. प्रवर्तक श्री रूपचन्दजी म.सा. "रजत"

❖ सफल वक्ता श्री अजित मुनिजी म.सा. "निर्मल"

❖ सेवा रसिक श्री विनय मुनिजी म.सा. 'वागीस'

❖ श्वे. मूर्तिपूजक तपागच्छ आचार्य श्री देवेन्द्र सागरसूरीश्वरजी म.सा. के सुशिष्य—
सेवाभावी श्री हर्षसागरजी म.सा.

संयोजक-संपादक

बाबूलाल जैन "उज्ज्वल"

बंबई

□ प्रकाशक

ज० भा० समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्

105, तिरुपति अपार्टमेंट, आकुली ग्राम राट नं 1,

कादिबली (पूर्व) बम्बई-400 101

फोन नं 681278

□ प्राप्ति स्थान

1 श्री बाबू लाल जैन 'उज्जवल' (संयोजक)

पना-उपरावन

(केवन पत्र में पोस्ट द्वारा)

2 श्री अमृत लाल कार्बडिया (सत्री)

यू गजुमणी ट्रामपाट वारपोरेशन

टाउन भवन, 14 कर्नाट राट,

बम्बई-400003 (महा)

फोन 328969-347709

3 श्री मुन्ना लाल लोडा "मनन" (महामत्री)

बीर प्रिंटिंग प्रेस, मुराना मार्केट के पास

पानी मारवाड (राज) 306401

4 श्री ज्ञान राज मेहता C A

जी वार मेहता एण्ड व

80 एव-यु राड, बैंगलोर-560002 (कर्नाटक)

फोन 225819-224898

5 श्री बाबू लाल पोरवाल (जैन) (प्रतिनिधि)

26-B-राधा नगर, इन्दौर-452002 (म प्र)

6 श्री एस लालचंद जगमार

80 जायडप्पा नायकन स्ट्रीट

फोन-32695

माहूवार पेठ, मद्रास 600079 (T N) 31252

7 जैन प्रकाश कार्यालय एव श्वे मूर्ति

जैन कान्फेस कार्यालय, गोडी जी

विस्टा, पायघुनी बम्बई में भी उपलब्ध

नोट सम्पूर्ण स्थानवर्तमान जैन सम्प्रदाय के मन-मनियो के चातुर्मास सूची का दा रगा में छपा बडा चाट
उक्त सभी जगहा में नि शुल्क प्राप्त कर सकने हैं। चाट का स्थानको के दरवाज पर अवश्य चिपकावें।

□ आवरण पृष्ठ छायाकार श्री दत्तात्रय वेंकट्यापिन-इ-बीर

श्री जोशी आट, भाई दर-बम्बई

□ मूल्य प्रचागयं अल्प मूल्य दस रुपये (10/-) (चाटें नि शुल्क)

□ प्रकाशन वष अष्टम्

□ वीर मन्त्र 2512 □ विनम मन्त्र 2043 (गुजगती 2042) □ ईस्वी सन् 1986

□ मद्रक नईदुनिया प्रिन्टरी,

60/1 बाबू लालचंद छजलानी माग, इ-दौर-452 009 (म प्र)

फोन नं 61400

सादर

समर्पण...



समग्र जैन सम्प्रदायो (श्वे० मुर्तिपूजक, श्वे० स्थानकवासी, श्वे० तेरापथी एवं दिगम्बर सम्प्रदाय) के सभी प्रातः स्मरणीय, पूजनीय कुल 120 आचार्यों के पवित्र पावन चरण कमलो में सविनय सादर समर्पित—

है एक प्रभु के अनुयायी, सब एक धर्म की शाखाए ।
सहावीर प्रभु के चरणों में, टिक रही सभी की आशाए ॥ 1 ॥
मूर्तिपूजक, स्थानकवासी, तेरापंथी और दिगम्बर ।
जैन धर्म ही सबसे बढकर, बोल रहा जग में अम्बर ॥ 2 ॥
तीजे पदधारी आचारज, जिन धर्म की शान बढाते है ।
आचार्य एक सो बीस गुणी, भविजन को मार्ग दिखाते है ॥ 3 ॥
है प्रथम बार समग्र जैन, सूची यह चातुर्मासो की ।
आगयी प्रकाशित होकर अब, आशिष मिले मुनिराजों की ॥ 4 ॥
छत्तीस गुणो के धारक जो, जितने भी गुणी आचारज है ।
“उज्ज्वल” करता कर कमलो में, “अठम्” पुष्य समर्पित है ॥ 5 ॥

— विनित—

सुखलाल कोठारी

अध्यक्ष



बाबूलाल जैन “उज्ज्वल”

सम्पादक-संयोजक

एवं परिषद के सभी सदस्य गण

आभार

प्रदर्शन

- उन सभी पूज्य मुनिराजों/महासतियोंजी म सा का जिन्होंने हमें हर तरह का सहयोग प्रदान किया है।
- उन सभी महानुभावों, श्री सघों का जिन्होंने सकलन सामग्री, मुद्राव, अभिमान आदि भेजकर हमें सहयोग प्रदान किया है।
- वम्बई, मद्रास, वैगलीर, इन्दौर पाली आदि स्थानों के उन सभी दानवीर महानुभावों का जिन्होंने परिपद के प्रमुख स्तम्भ, संरक्षण आजीवन मदम्य बनने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर परिपद की आर्थिक नींव सुदृढ़ बनाने में पूरा पूरा हार्दिक सहयोग प्रदान किया है। जिनके आर्थिक सहयोग से यह कार्य सफल हो पाया है।
- उन सभी दानवीर विज्ञापनदाताओं का जिनके अर्थ सहयोग ने ही यह कार्य सफल हो पाया है।
- परिपद के सभी पदाधिकारियों, मदस्यों, परामर्श सलाहकारों, प्रतिनिधियों, एवं सहयोगी कार्यकर्ताओं का जिन्होंने हर तरह का तन मन धन का सहयोग परिपद को सहर्ष प्रदान किया जिनके हार्दिक सहयोग से ही यह काम इतना सफल हो पाया है।
- उन सभी पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादकों का जिन्होंने इस कार्य के लिए हर तरह का पूरा सहयोग हमें प्रदान किया है।
- नईदुनिया प्रिन्टरी, इन्दौर के व्यवस्थापकों एवं उनके महयोगियों का जिन्होंने यह कठिन कार्य निरन्तर चौथे वर्ष भी अल्प समय में पूरा करके हमें दिया है।

आपके आभारी
परिपद के सभी सदस्यगण

अनुक्रमणिका

क्र सं	विवरण	पृष्ठ संख्या
भाग प्रथम		
1.	सादर समर्पण	3
2.	आभार प्रदर्शन	4
3.	आशीर्वचन शुभसन्देश	9
4.	कार्य कारिणी सदस्यो का जीवन परिचय	29
5.	समग्र जैन सम्प्रदाय तालिकाए	85
6.	कार्य कारिणी सदस्य सूची	95
7.	आय व्यय का लेखा	96
8.	प्रकाशकीय	97
9.	सम्पादकीय	101
10.	आभार	107
11.	राज्यवार चातुर्मास तालिका	108
12.	परिपद शाखा कार्यालय	109
13.	परिपद के बढ़ते कदम	110
14.	समग्र जैन समुदाय एक विनम्र अपील	111
15.	गाँवो-गहरो का अकरादि क्रम	113

भाग द्वितीय

श्वे. स्थानकवासी सम्प्रदाय

श्रमण संघ समुदाय

16.	आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषि जी म सा.	1
17.	उपाध्याय श्री पुष्कर मुनिजी म सा.	9
18.	उपाध्याय श्री केवल मुनिजी म सा	13
19.	मेवाड संघ गिरो, प्रवर्तक श्री अम्बालाल जी म सा.	20

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
20	अनुयाग प्रवचन श्री क. पैपालानजी म मा 'कमल'	
21	उत्तर भागतीय प्रवचन श्री पटमचणजी म मा	22
22	म. र. प्रवचन श्री माहननानजी म मा	23
23	म. र. प्रवचन श्री स्वप. र. जी म मा	13
24	प. र. प्रवचन श्री उमशमुनिजी म मा 'जगु'	35
25	प्रतिष्ठा कथना श्री मि. जीमनजी म मा 'प्रवचणार्थी'	37
26	सुवाकवि श्री त्रितयमुनिजा म मा 'भीम'	41
27	धमण मधव जय मन मतीया	45

स्वतंत्र सम्प्रदाएँ

28	टनिहाम मातण्ड शाचाय था हर्मीमनजी म मा	49
29	भाचाय श्री जीमनजी म मा	52
30	गमना विभूति आचाय श्री नानानानजी म मा	55
31	गच्छाधिपति तपस्वीराज श्री चपानालजी म मा	66
32	उपाध्याय था जमर मनिजी म मा	75
33	जागुबवि प्रवचन श्री माहननानजी म मा	77
34	प्रसिद्ध कथना श्री मुत्ताननानजी म मा	79
35	तपस्वी र. प्र. श्री तानचणजी म मा	81
36	स्वतंत्र सम्प्रदाय क. जय मन मतीया	91

बृहद् गुजरात सम्प्रदाय

37	श्री गाडन माटा प. म सम्प्रदाय	99
38	श्री निम्बरी माटा प. म सम्प्रदाय	98
39	श्री दरिपापुरी सम्प्रदाय	108
40	श्री निम्बरी गापान राधबी सम्प्रदाय	113
41	श्री जाठ बाटी कच्छ माटा प. म सम्प्रदाय	117
42	श्री जाठ बाटा कच्छ छाटा प. म सम्प्रदाय	121
43	श्री वामाल सम्प्रदाय	124
44	श्री बाटा सम्प्रदाय	126

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
45.	श्रीगोडल सघाणी सम्प्रदाय	128
46.	श्री वरवाला सम्प्रदाय	130
47.	श्री सायला सम्प्रदाय	132
48.	वृहद् गुजरात सम्प्रदाय अन्य संत मतीयों	132

भाग तृतीय

श्वे. तेरापंथी सम्प्रदाय

49	श्री श्वे तेरापंथी सम्प्रदाय	139
50	श्री श्वे. नवतेरापंथी सम्प्रदाय	152

भाग चतुर्थ

श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदाय

तपागच्छ समुदाय

51	आचार्य श्री विजय प्रेम सूरीश्वर जी म मा का समुदाय	155
52.	आचार्य श्री नेमी सूरीश्वर जी म सा का समुदाय	166
53.	आचार्य श्री आनन्दसागरसूरीश्वर जी म मा का समुदाय	174
54	पन्यास श्री धर्म विजय जी म सा (डेहलावाला)	185
55.	आचार्य श्री विजय वल्लभ सूरीश्वर जी म मा	191
56.	आचार्य श्री बुद्धि सागर सूरीश्वर जी म सा	197
57.	आचार्य श्री विजय निती सूरीश्वर जी म सा	201
58	आचार्य श्री लब्धि सूरीश्वर जी म सा	209
59	आचार्य श्री विजय भक्ति सूरीश्वर जी म मा	211
60.	आचार्य श्री कनक सूरीश्वर जी म मा (वागड वाले)	215
61.	आचार्य श्री मोहन सूरीश्वर जी म मा का समुदाय	219
62.	आचार्य श्री विजय केशर सूरीश्वर जी म मा का समुदाय	224
63	श्री मोहनलालजी म मा का समुदाय	228
64	आचार्य श्री विजय सिद्धि सूरीश्वरजी म मा (बापजी) का समुदाय	230
65	आचार्य श्री विजय भद्र सूरीश्वरजी म मा का समुदाय	231

क्र म	विवरण	पृष्ठ संख्या
66	श्री अचल गच्छ समुदाय	217
67	श्री खरतर गच्छ समुदाय	247
68	श्री पाखंचंद्र गच्छ समुदाय	255
69	श्री विमल गच्छ समुदाय	259
70	श्री त्रिस्तुती गच्छ समुदाय	265
71	अथ समुदाय	267
72	अथ सत मनोयी	269

74 आ दिगम्बर सम्प्रदाय

भाग-पचम् दिगम्बर सम्प्रदाय

भाग-षष्ठम् अन्य जानकारीयो

277

71	स्थानकवागी जैन पत्र पत्रिका	281
72	अथ जन पत्र पत्रिका	289
76	स्थानकवागी जैन स्वाध्याय मेष सूची	293
77	स्थानकवागी जैन धार्मिक परिभाषा वाड सूची	275
78	स्थानकवागी जैन छात्रावास सूची	297
79	गिरि शास्त्र पत्रिका जैन वाणी सम्प्रदाय	299
80	राजस्थान क दिगम्बर जैन अविशय शत्रु	301
81	ममदा जैन जांचान उपाध्याय पद्याय गणि प्रवक्तव सूची	303
82	स्था जन सम्प्रदाय न दत्तमान जांचान तात्रिका	311
83	राजस्थान न सम्प्रदाय आंचान और प्रमुख मन तात्रिका	312
84	स्थानकवागी जैन नई शैली सूची	313
85	नरगापी सम्प्रदाय नई शैली सूची	315
86	स्थानकवागी जैन वाच धम सूची	317
87	शत्रु नेरगापी सम्प्रदाय वाच धम सूची	318
88	चानुमानवा 1995 प्राण अभिमत	319
89	मात्रिय समीक्षा	321
90	जांचारी का विशेष जानकारीया	323
91	प्रस्तावना	335
92	द्वन्द्व भाषा	336
93	एक तत्र म	341

भाग-सप्तम

दक्षिण भारत श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन उपाश्रय-भवन निर्माण समिति, मद्रास-600 007



卐 शुभ-सूचना 卐

यह सूचित करते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि हमारी समिति के ट्रस्टियों का पावन लक्ष्य है कि मद्रास शहर से बैंगलौर तक नेशनल हार्ड-वे रोड़ पर लगभग 10-12 कि मी की दूरी पर जगह-जगह जैन साधना एव सेवागृह का निर्माण शीघ्रातिशीघ्र हो । हमारे पूज्य साधु-साध्वियों एव श्रावक-श्राविकाओं को विहार प्रवास में इससे लाभ मिल सकता है । इन भवनों का उपयोग धार्मिक एव सेवा के कार्यों में होगा ।

अत्यन्त प्रसन्नता की बात है कि समिति द्वारा खरीदी हुई भूमि पर प्रथम नवनिर्मित जैन साधना एव सेवागृह का उद्घाटन समारोह सुक्रवारछत्रम् ग्राम में शुक्रवार 16 मई 1986 को सम्पन्न हुआ है । सभी जैन साधना एव सेवागृह का पूर्ण निर्माण एव संचालन का भार हमारी समिति का होगा ।

निर्माणाधीन उपाश्रयों में 16×12 साइज के दो कमरे एव 15×7 साइज का एक वरामदा होगा । इसके अलावा 10×10 साइज का कार्यालय के लिए कमरा, अलग स्नानघर व शौचालय तथा साधु-साध्वियों के परठने हेतु 8×8 साइज का खुली छत वाला कमरा होगा ।

उपरोक्त निर्माण कार्य के लिए रकम की अत्यंत आवश्यकता है। आप स मह्याग की प्रथा है। आप प्रथम मह्याग इस प्रकार दे सकते हैं—

- 51000/ या इसमें अधिक डोनेशन देने वाले का नाम जिलालेख में उपाध्यय के मुख्य द्वार पर (उपाध्यय भवन निर्माण के मुख्य दानदाता के रूप में) होगा।
- 15000/ या इसमें अधिक डोनेशन देने वाले का नाम जिलालेख में कमर के द्वार पर (कमरा निर्माण के दानदाता के रूप में) होगा।
- 2500/ डोनेशन देने वाले का नाम जिलालेख में उपाध्यय निर्माण में दानदाताओं की श्रेणी में आयगा।
- 5000/, 7500/-, 10000/ या इसमें अधिक डोनेशन देने वालों के नाम प्रथम दो, तीन और चार उपाध्यय पर अलग अलग एक एक नाम दानदाताओं की श्रेणी में आयगा।

आप महानुभावों से विनम्र निवेदन है कि उपरोक्त भागीरथ काय में मह्याग देकर पुण्यापाजन करें।

सपक मूल

दक्षिण भारत रवे स्या जन
उपाध्यय भवन निर्माण समिति
मन्टगो आफिस

मुगल हाउस, 18 गमानुज अय्यर स्ट्रीट
माहकारपठ मद्रास 600079 (तमिलनाडू)

भवर्गीय

(सुरेन्द्र एम मेहता)

अध्यय

(एस कुल्लचन्द चोरडिया)

मचिव

नाट—सभी श्रीमठों, महानुभावों से विनम्र निवेदन है कि अपने अपने श्रेणियों में सभी जन स्थानों, उपाध्ययों, मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों के दरवाजे के ऊपर जन प्रतीक एवं रंगीन चण्डा आवश्यक लगान की वृथा करवा ताकि अपने वाले महानुभावों का हृदय ही मालूम पड़ जाये कि यहाँ कोई जन धार्मिक स्थल है। भाइयों और प्रहियों यह तो आप देखते ही हैं कि हर जाति के धर्म स्थलों के दरवाजे पर उनका धर्म का चिह्न या झण्डा लगा रहना है ता फिर हम जन होकर हमारे जन धार्मिक स्थलों पर जन प्रतीक के चण्डा लगान में कीमती निपक महसूस करते हैं। आप सभी महानुभावों श्रीमठों से विनम्र निवेदन है कि कृपा जन प्रतीक एवं पंचरंगी चण्डा आवश्यक लगान की वृथा करें।

चिनित्त—सुरेन्द्र एम मेहता
मद्रास



पारंपरीयशैली जीवाभाम

समग्र जैन सम्प्रदायों के सभी पूज्य मुनिराजों एवं महासतीयोजी म.सा आदि ठाणाओं का 1986
वर्ष का चातुर्मास ज्ञान, दशन, चरित्र एवं तप की आराधना से साँलासमय
वातावरण में सम्पन्न होने की मंगल कामना करते हुए

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—



जगन्नाथ लक्ष्मीनारायण जैन

मु. गम्भीरा पोस्ट धमुण खूर्द,
वाया एव जिला-सवाई माधोपुर (राज.) 322001

शुभेच्छुक :-

लड्डूलाल धर्मचन्द्र जैन

चौथ का वरवाडा-322702

जिला सवाई माधोपुर (राज.)

फोन न. 27 P. P.

बाबूलाल जैन "उज्ज्वल"

संयोजक-अ.भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्, बम्बई

105, तिरुपती अपार्टमेंटम्, आकुर्ली क्रोस रोड नं 1,

कादिवली (पूर्व) बम्बई-400101 (महा.)

फोन न : 681278

卐

बोम्बे जनरल स्टोर्स

प्रो. बाबूलाल सौभाग्यमल जैन

जिव मन्दिर, दुकान न. 3, टोक रोड, स्टेशन, ब्रजरिया,

सवाई माधोपुर-322001 (राज.)

हार्दिक शुभकामनाओ सहित -

ज्ञानचन्द धर्मचन्द बेताला

मोटर फाइनेन्सियर्स

ए टी रोड, गोहाटी-781001 (आसाम)

ग्राम "मगनबाणी" फोन आफिस-27247 निवाम-28157



जनरल मोटर फाइनेस कंपनी

ए टी रोड, गोहाटी-781001 (आसाम)



कंवरलाल धर्मचंद बेताला

बेताला निवास

टोकाबाडी, गोहाटी-781001 (आसाम)



मम्पापत्र-

कंवरलाल बेताला

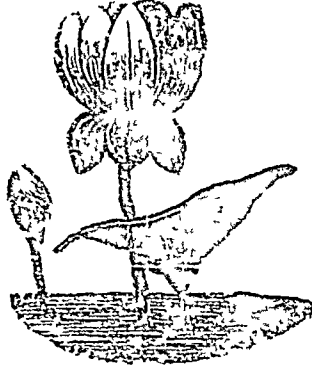
उपाध्यक्ष-अ भा समय जैन चतुर्मास सूची प्रकाशन पत्रिका, बम्बई

डेह (नागौर-राजस्थान)

युग की आवाज—

संवत्सरी एक हो

हार्दिक शुभकामनाओं सहित



सुखलाल कोठारी

अध्यक्ष—अ० भा० समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्, बम्बई

नूतन फर्नाचर मार्ट

3 रा रोड, रेलवे स्टेशन के सामने, बस स्टेण्ड के पास,

खार रोड (वेस्ट) (W. Rly)

बम्बई—400052 (महा०)

फोन न.—आफिस 533919 निवास 542996

ममग्र जैन गायु-माध्वी धर्म गुरुओं में
सगठन एकता महकारी भावना जाग्रत हो
यह हमारी हार्दिक शुभकामना स्वीकार हो ।

वीर प्रिंटिंग प्रेस

पाली जिले का एक मात्र
आकषक व कलात्मक छपाई का प्रसिद्ध केन्द्र
(राजस्थान सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
मुराना मार्केट के पास, पाली-मारवाड, 306401 (राजस्थान)
फोन नं आकिस 20386

सम्बन्धित फर्म

जैन एण्ड सस
पेपस, ग्लेनस, काडस, लिफाफे के धाव विप्रेता
मुराणा मार्केट, पाली मारवाड
(राज०)

लोडा कृषि फार्म
शेषावत फार्म
जाग्रपुर राड, पाली-मारवाड
(राज०)

हार्दिक शुभ कामनाओं सहित
सुरेन्द्र कुमार लोडा
जिताध्यक्ष
पाली जिला युवक नाग्रेम (आड)
(वित्तान प्रकाष्ट) पाली-मारवाड (राजस्थान)

मुन्नालाल लोडा, "मनन"
महामत्री
अ भा ममग्र जैन चातुमाग सूची
प्रकाशन परिपद, बम्बई-400101
अध्यक्ष
भारत जैन महामण्डल, शाखा-पाली
प्रमुख श्री बधमान रथा जैन थायक सभ
चातुमाग समिति, पाली (मारवाड)

निवास-44 लोडा भवन, सोजतीया घास, पाली-मारवाड (राज०)

॥ जय गुरु मधुकर ॥

स्व. श्रमण संघीय युवाचार्य बहुधुत पं. रत्न पूज्य गुरुदेव श्री 1008 श्री मधुकर मुनि जी म.सा.
के अंतेवासी युवा हृदय सम्राट श्री विनय मुनि जी म सा. "भीम" आदि ठाणाओ का उज्जैन एवं
काश्मिर प्रचारिका विदुषी रत्न महा श्री उमराव कुँवरजी म.सा. "अर्चना" आदि ठाणाओ
का खाचरोद मे इस वर्ष 1986 का चातुर्मासहर्षो ल्लास वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चारित्र,
तप की प्रवृत्तियो से ओत-प्रोत सफल बने ऐसी शुभ मंगल कामनाए करते हुए-

With Best Compliments From :

Jethmal Chordia

Partner

Mahaveer Drug House

No 45, 4th Cross, Gandhinagar,
Bangalore 560 009
(Karnatka)

Phone : Off. 71507
74002
Res. 70053
Gram : PITHERJI

धकान के कारण आराम का सुख अनुभव होता है,
भख के कारण भोजन का स्वाद अनुभव होता है,
मृत्यु की विभीषिका के कारण जीवन का सुख प्रतीत होता है,
अधकार के कारण प्रकाश की महता लगती है,

With best compliments from

DUGAR GROUP COMPANIES

Head Office

"DUGAR HOUSE" 7, Peddu Noicken St, Kondithop,
MADRAS-600 001 (T N)

BRANCHES

Raja St, Gudur 524 101 Nellore Dt (A P)
805 Mount Road (Opp LIC Bldg)
MADRAS 600 006 Phone 86688

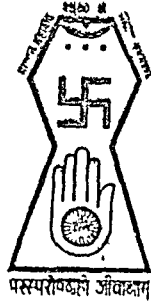
B Nemichand Dugar & Sons
Factory GNT Road TADA 524 101
Sulurpet, Nellore Dt (A P)

B Nemichand Sowcar
Prakash Industrial Corporation
Factory Kovalam 603 112 Chengleput Dt (T N)

N Dugar & Company
Dugar Finance and Investments
Vermiculite Product Private Limited
Regd Office DUGAR House 123, Marshall's Road,
Egmore MADRAS 600 008
Phone 89677 Grams VERMICULITE

Dugar Investment Limited
Regd Office 805, Mount Road, (Opp LIC Bldg)
MADRAS 600 002
Phone 87888 Grams DUG FINANCE

With best compliments from :



*SARDARMAL MUNOT
NAVARATHN S. JAIN*

613. Maker Chambers-V, 221, Nariman Point,
BOMBAY-400 021

Tel No. : OFFICE : 230680 ' 244921
233998 * 232374
RESI : 8224532 * 8281070
8225487 * 8282661

आगम अनुयोग प्रवृत्ता, आगम "तावा", प रत्ता, परम श्रदेय, परम उपतारी
 मुनि श्री कहेयात्रालजी म ना "कमन" आदि ठाणा 2 एव महात्मीयाजी
 श्री दिव्य प्रभाजी म ना , श्री मुनिप्रभा जी म ना आदि ठाणा 10 ता घानेता
 (गुजरात) में उम त्रपं ता चातुर्मास मानस्य
 नीलनामस्य वातावरण में सम्पन्न
 होने की मंगल कामना करते
 हूँ—

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

कृष्णकान्त एच० मेहता

प्रमुख ट्रस्टी · वर्धमान वाल निकेतन, आबू पर्वत (राज०)

8, मोरा, 2 माला, एल० डी० रपारेल मार्ग,

हंगिंग गार्डन के पास

बम्बई—400006 (महा)

फोन नं 8125864
 8223211

भाग-प्रथम

- * आशीर्वचन
- * शुभ सन्देश
- * अन्य जानकारियाँ
- * सारिणियाँ एवं तालिकाएँ

ઘર વિહોણાને ઘર નું ઘર...

નરોડા, ઓઢવ,
નારણપુરામાં
તૈયાર...

- ટેનામેન્ટ્સ
- ફ્લોટ્સ
- દુકાનો

વધુ વિગત માટે રૂબરૂ મળો -



● પાર્શ્વનાથ કન્સ્ટ્રક્શન પ્રા. લિ.

૫૦, હરસિદ્ધ ચેમ્બર્સ, આશ્રમ રોડ, અમદાવાદ-૩૮૦૦૧૪ ફોન ૪૪૬૬૪૭

● પાર્શ્વનાથ શોપીંગ સેન્ટર

પદ્માવતીનગરની સામે, નરોડા, અમદાવાદ ફોન ૮૨૭૩૨૪

● અંબિકાનગર

જી આર્થ ડી સી યાજ્ઞીની ટાકી સામે, ઓઢવ, અમદાવાદ ફોન ૮૮૭૩૨૫ - ૮૮૭૩૨૭

CARE ARE

आशीर्वाचन

आचार्य सत्राट जैन दिवाकर श्री आनन्द ऋषिजी म.सा.

(पूना)

यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि आप इस वर्ष समग्र जैन समुदाय की चातुर्मास सूची प्रकाशित कर रहे हैं। आपका यह कार्य जैन एकता को जोड़ने की कड़ी का कार्य करेगा। आपकी यह सूची भविष्य में एक सच्चा जैन सिद्ध होगा। इस कार्य से सभी को काफी लाभ हो रहा है। आप चतुर्विध सघ की जो सेवा कर रहे हैं वह प्रशंसनीय है। आपका यह कार्य उत्तरोत्तर आगे बढ़ता रहे यही मेरी हार्दिक शुभ कामना है।

सुविशाल गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय रामचन्द्र सूरीश्वर जी म.सा.

(लालबाग-बम्बई)

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि आप जैन एकता रूप के कार्य के लिए इस वर्ष समग्र जैन समुदाय के चारों समुदायों की चातुर्मास सूची प्रकाशित कर रहे हैं। आप अपने कार्य में सफल बने समाज की सेवा करते रहे मेरी बहुत २ शुभकामनाएँ आपके साथ हैं।

गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री विजय मेरुप्रभ सूरीश्वरजी म.सा.

(पायधुनी-बम्बई)

यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि आप इस वर्ष समग्र जैन समुदाय के चारों सम्प्रदायों की चातुर्मास सूची प्रकाशित कर रहे हैं। आपका कार्य भविष्य में जैन इतिहास का कार्य करेगा। आपके कार्य को सफलता मिलती रहे यही मेरी शुभकामना है।

गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री देवेन्द्र सागर सूरीश्वर जी म.सा.

गोडीजी देरासर, पायधुनी (बम्बई)

आपने इस वर्ष समग्र जैन समुदाय की चातुर्मास सूची प्रकाशित करने का जो कार्य हाथ में लिया है वह बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है। आप जिस तरह स्थानकवासी समुदायों की सूचियाँ विगत 7 वर्षों से प्रकाशित करते आ रहे हैं। अब उसी तरह की सूची सभी समुदायों की प्रकाशित होगी जिससे समग्र जैन समुदाय लाभान्वित होगी

आचार्य प्रवर श्री विजय अरिहंत सिद्ध सूरीश्वर जी म.सा.

(अहमदाबाद)

आपका प्रयास अति प्रशंसनीय है। इससे समाज को काफी लाभ पहुँचेगा। आप अपने प्रयास में उत्तम करते रहे यही हार्दिक शुभकामनाएँ।

आचार्य प्रवर श्री विजय प्रेम सूरेश्वरजी म मा

(बोरोवती इन्वर्ड)

श्रावण द्वारा प्रकाशित चातुर्मास सूत्रा न मरणा का वारा नाम का मा। श्रावण का प्रत्येक मंगलनीय है थाप ता तात तात रग न ताता रह यी तिन शुभसामागों।

आचार्य प्रवर श्री सुबोध सागर सूरेश्वर जी म मा

(बीजापुर)

श्रावण प्रथम रत्न ही प्रथमनीय है ता काय गगन का रती मरा तिन शुभसामागों है।

आचार्य प्रवर श्री विजय इन्द्रविश्व सूरेश्वर जी म मा

(आरोला)

मम जन समुदाय क चातुर्मास सूत्रा न काय का रता ता श्रावण का वरम उद्यान है यह बहुत ही प्रथमनीय है। इसम समाज काफी लाभ उद्यानगा। दण काय न तिन र्मागों का 2 मयतसामागों।

आचार्य प्रवर श्री विजय वत्सपूण सूरेश्वर जी म

(माडची-नरह)

मम जन समुदाय ती चातुर्मास सूत्रा का काये वृत्त ती प्रथमनीय है। हमारी शुभ कामनाओं श्रावण साथ है।

अचलगच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री गुणसागर सूरेश्वरजी म मा

(शान्तापूजा इन्वर्ड)

यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि उस रूप थाप समग्र जन मप्रत्यावा क तापु माधिव्या क चातुर्मास सूत्रा प्रकाशित कर रहे है। यह काय वत्त श्रावण या तिनरी श्रावण पूर्ति की है। श्रावण काय उत्तमतर पगति रता रह यही तिन मवासामागों।

गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री विजय विजय सूरेश्वर जी म मा

(पातडी अहमदाबाद)

श्रावण यह समग्र जन समुदाय क चातुर्मास सूत्रा का श्रमसाय वार कामत मंगलनीय है अनमोदीय है। मरी म काय म वत्त 2 शुभसामागों।

आचार्य प्रवर श्री विद्वान्द सूरेश्वर जी म मा

(नरूरवार)

मम जन समाज न मापु साधिव्या क चातुर्मास सूत्रा का यह मप्रथम काय है। इसम मया का काफी लाभ पढेगा। श्रावण काय उत्तमतर श्रावण रता रह यी मया कामागों

गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री विजय भुवने रत्न सूरेश्वर जी म मा

(अहमदाबाद)

श्रावण जामन काया म अयाग परिभम उद्यान है तिनम दृष्टि रखनर जन श्रावण का प्रथम का भागीरम काय तन विया है। यह बहुत ही श्रावण ती बा है। एमी ती उत्तम भावता न श्रावण अयन काया म श्रावण उडते रहा यही श्रावण हृदय म श्रावणीयार्थ है।

युग प्रधान आचार्य प्रवर श्री तुलसीजी म.सा.

(लाड़नू)

समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन का कार्य जानकारी की दृष्टि से बहुत सुन्दर है।
हमारी मंगलकामना ।

खंभात सम्प्रदाय के आचार्य प्रवर श्री कांती ऋषि जी म.सा.

(दादर-बम्बई)

आप विगत 7 वर्षों में स्थानकवामी सूची प्रकाशित करने थे और अब उस वर्ष समग्र जैन
समुदाय की सूची के कार्य को हाथ में लिया है यह कार्य बहुत ही परिश्रमी है। इससे समाज
काफी लाभ उठा सकेगा। आप इस कार्य में उत्तरोत्तर आगे बढ़ते रहे। यही हमारी मंगल कामनाएँ हैं।

आठ फीटि कच्छ मोटा पक्ष के आचार्य प्रवर श्री छोटालालजी महा. सा.

(तलवाणा)

“आप समस्त जैन समाज के सत सतियों की चातुर्मास सूची प्रकट कर रहे हैं यह जान-
कर प्रसन्नता हुई। आपके इस भागीरथ कार्य को सफलता मिले यही शुभकामनाएँ हैं।”

परजाला सम्प्रदाय के आचार्य प्रवर श्री चम्पक मुनि जी म.सा.

(अहमदाबाद)

एक ही लगन, एक ही लक्ष्य, एक ही धुन में समग्र जैन समाज के सत सतियों के
चातुर्मास सूची जैसा भागीरथ कार्य आपने सफलता पूर्वक संपन्न किया। विश्व के सभी गोध-
प्रेमियों के लिए यह पुस्तिका एक अमूल्यनिधि समान बन गई। परिश्रम सफल हुआ। हमारी मंगल
कामना ।

बरियापुरी सम्प्रदाय के आचार्य प्रवर श्री शांतीलाल जी म.सा.

(अहमदाबाद)

आपका प्रयास प्रशंसनीय है, हमारी बहुत २ शुभकामनाएँ।

राजस्थान केशरी उपाध्याय श्री पुष्कर मुनि जी म.सा.

(पाली-मारवाड़)

बालूलाल जैन एक तेजस्वी और प्रतिभा सम्पन्न युवक हैं। उन्होंने अपनी प्रबल प्रतिभा से
उत्प्रेरित होकर इस वर्ष समग्र जैन समुदाय की चातुर्मास सूची का मंगलमय कार्य प्रारम्भ किया। यह कार्य
प्रारम्भ करते समय वामन रूप में था। पर धीरे-धीरे विराट् रूप को धारण कर रहा है। अब
यह चातुर्मास सूची न होकर अनेक चिन्तनीय सामग्री का सकलन है। अन्य कुछ सज्जनों ने
प्रस्तुत सूची की नकल करना तो प्रारम्भ किया, परन्तु वह नकल, नकल रूप में ही रही। उन
नकलों में वे विशेषताएँ नहीं आ पायीं जो विशेषताएँ प्रस्तुत सूची ग्रन्थ में हैं।

प्रबचन केशरी उपाध्याय श्री केवल मुनि जी म.सा.

(उज्जैन)

आप अपनी तेजस्वी प्रतिभा में प्रस्तुत कार्य में सदा आगे बढ़ते रहे और जैन समाज को
नित नूतन सामग्री देते रहे यही मंगल मनीषा है।

उपप्रवर्तक, कविरत्न श्री चन्दन मुनि जी म.सा. (पजावी)

(मण्डी गिदड़वाहा)

बाबूलाल जैन 'उज्ज्वल' के,
चाहे कितना कठिन कार्य हो,

राह्य का क्या कहना है ॥ 1 ॥
करके ही बस रहना है ॥

सात साल तक रहे छापते,
बपं पाठवे नया कार्यक्रम,

रथानकवागी सब चामाम ॥ 2 ॥
लिया हाथ में है मोरलाग ॥

रथानकवागी, नेगपथी,
सब के गन्त मती हे लगभग,

नया दिगम्बर ज्वेताम्बर ॥ 3 ॥
दस हजार के जो भीतर ॥

उनके सारे चामासों का,
देखो प्यारे पाठक ! पढकर,

जो भी लेखा-जोखा है ॥ 4 ॥
कितना सुन्दर-चोखा है ॥

किसी युवक या सस्था ने जो,
अनर्थक धर्म से 'उज्ज्वलजी' ने,

कार्य नहीं बन पाया है ॥ 5 ॥
करके वह दिखनाया है ॥

महावीर के जैन सघ की,
कितना प्यार ! कितना न्यार !

गात्राएँ जो मोटी चार ॥ 6 ॥
गया पिरोया उनका हार ॥

ऊपर से खरबूजे-से ये,
अन्दर से बन एक इन्हो को,

चारो चाहे दिखं अलग ॥ 7 ॥
करना हे जगमग-जगमग ॥

जैन ऐक्य का कितना उत्तम,
किया गया है पेश देख लो,

कितना ऊचा प्यार भाव ॥ 8 ॥
जिसका कोई नहीं जवाब ॥

जिन्हें नहीं हम आर कही भी,
नई निराली शिक्षा वाली,

प्यारे पाठक ! पाने है ॥ 9 ॥
उगमे कितनी बातें है ॥

भेदभाव से खेद-भाव से,
नव्य भव्य इतिहास उमे फिर,

शब्द-शब्द है जिमका मुक्त ॥ 10 ॥
कयो न कहना है उपयुक्त ॥

करी प्रकाशित सूची जिसने,
साधुवाद न कयोकर उसको,

रिपद वोम्बे की रास्ताज ॥ 11 ॥
1 साग जैन समाज ॥

"चन्दन मुनि" पजावी जिसका,
करे कामना अमर रहे यह,

इवाहा' नगर निवास ॥ 12 ॥
सूची चातुर्मास ॥

उपप्रवर्तक श्री सुमति प्रकाशजी म.सा.

(दिल्ली)

श्री बाबूलाल जी जैन 'उज्ज्वल' में जैन गम
नीय है। यदि ऐसी ही भावना वाले कुछ कर्मठ युवक
ला सकते हैं। उग कार्य के लिए हमारी बहुत २ मग

गुठन की जो ललक है वह प्रगम-
ने समाज में बहुत बड़ी कान्ति

साहित्य वाचस्पति, साहित्य शिक्षण मन्त्रि श्री देवेन्द्र मुनि जी म मा (दासी-मारवाड)

एत पूर्वा त्रय उक्त्या नो एव अन्तमात्रं यतीं हातीं । ध्यानं यथा क्व एतं पूर्वा त्रया
न मन्त्रं त्रयं न रूपं म प्रत्या नर्यां प्राय उजाह क माय प्रस्तुतं वाप म प्राति न प्रा-
प्यतीं प्रतिभा म एव अन्तमात्रं पुण तत्र समपितं क्वतं ॥

धर्मण सधाय मन्त्रि डॉ शिव मुनिजी म मा (पूना)

ध्यायता प्रयास प्रार्थनीय ॥ अस्मिन् म भी प्राय भुम्बनी कर्म निवृत्त उरति की प्रा-
यान् उजाह तद्वत्ता नर वहा नात्र भावता ।

मन्त्राहकार मन्त्रप्रवक्ता श्री जीवन मुनि जी म मा (रत्नाम)

ध्याय एत उप तन्त्रं जन तन्त्रप्रणय की ता पूर्वा प्रकाशितं क्व एत इ वर एव भविष्य
म एतन्त्रमिह साय विद्वं हाकं ॥ म मा वरत ० तुभकामनाएँ ।

व्याख्यान वाचस्पति श्री मुद्गगलनाथनी म मा (गिरमा)

ध्यायता एत पुनातं वाप अत्रय तन्त्रनाय इ एव ममात्रं न विण वृद्धुन्व तन्त्रति त्रय
॥ ध्यायता तद्वत्ता क विण विनं त्रया न जी चरणं उमता म वाटिण मत्रं कामना ॥

गायन विधि श्री रामनिवास जी म मा (इबीर)

एत पूर्वा का तन्त्रं जन तन्त्रं न एव प्रयं तदा ताण ता भी क्व अतिव्याक्ति नती
याग । ध्याय विरतं प्राय एत इ एती म मा तुभकामना इ ।

धर्मण सधाय मन्त्राहकार श्री महेंद्र मुनि जी म मा क मल (चित्तौड़गड)

एत तन्त्रं प्रस्ताता इट ति एत उप ध्याय तन्त्रं तत्र तन्त्रात्रं न वातुमात्रं पूर्वा निवात
एत ॥ जन एतता इतु ध्यायती ता एत इट निष्ठा इ एत प्रार्थनीय इ । ध्यायता एत प्रयन
भविष्य म मनात्रं न विण वर्यातं विद्वं ताग ।

गायन तन्त्रप्रणय क बाणोत्सव श्री गिरिजा मुनि जी म मा (जम्मू-कारमौर)

प्रति त्रय की तत्र प्रस्तातं परिपुत्र अटम वर म प्रया नर ॥ इ इ जानकर शक्ति
प्रयप्रता । नाप्रकारिकता न इ एतं स्वातन्त्र्यामी तन्त्रं न विण ध्यायता धम मात्तान विद्वं
ताग । ध्यायता तदा भावता तान, पुण्याय प्रा पूर्वा निष्ठा क माय ता साय कर एत ॥ वर
प्रति प्रार्थनीय ॥ एत तान न वतुविधि श्री मय तानादिन हा तन्त्रं म मय-भाउज ध्याय
एतता न मता ॥ ध्यायता एत वाप निवृत्तं ताग ॥ म मा मातन्त्रमना क नाथ तुभ-
कामना ॥

व्याख्यान वाचस्पति श्री गणेश मुनि जी म.सा. शास्त्री

(उदयपुर)

सूची चातुर्मास की, जब पाई इस बार ।
देख देख कर छा गया, मन मे मोद अपार ।
मन मे मोद अपार, यह धन्य आपका काम ।
जैन जगत मे आपका, हो उज्ज्वल 'उज्ज्वल' नाम
मुनि गणेश कविगय, आप से इतना कहता ।
सूची चातुर्मास की, निकालते हरदम रहना ॥

सूची देखी तो मिला, हमे बहुत मन्तोप ।
पृष्ठ पलट कर पा गये, वैभवशाली कोप ।
वैभव शाली कोप, यहाँ कौन कहा देखा ।
सिमटा है पुस्तक मे, मक्का लेखा-जोखा ।
मुनि गणेश कविगय, बड़े-बड़े मूर्धन्य ।
सूची पाकर हाथ मे, कहते परिपद धन्य ॥

मधुर व्याख्याती श्री दिनेश मुनिजी म. सा "जै शि.वि."

(पाली-मारवाड़)

आपके द्वारा सयोजित चातुर्मास सूची पिछले कई वर्षों से देख रहा हूँ। आप हर वर्ष इसमें नई-नई जानकारीयाँ देकर इसको बहुत ही उपयोगी बनाते जा रहे हैं। यह एक महान कार्य आप कर रहे हैं भविष्य मे यह इतिहास का कार्य करेगा आपकी कुशल बुद्धि का इस मे सर्वत्र उपयोग हुआ है। आप जैसे समाज सेवी युवक नित्य नयी जानकारी देते रहे। जिसमे समाज को नई-नई जानकारी मिल सके।

श्री जिनेन्द्र मुनिजी म.सा. 'काव्यतीर्थ'

(उदयपुर)

सूची चातुर्मास की, निर्माता को धन्य ॥
एतद् परिधम आपसा, कौन करेगा अन्य ॥
कौन कहाँ यह देखकर, मन ने पाया तोप ॥
सचमुच मे यह बन गया, जैन जगत का कोप ॥
नाम पते के साथ मे, विविध भरा है जान ॥
सूची सचमुच खीचती, विज्ञ जनो का ध्यान ॥
सूची चातुर्मास की, की "उज्ज्वल" तैयार ॥
देते साधुवाद हम, तुमको वारम्बार ॥
सयोजक उज्ज्वल बने, होवे अनुपम काम ॥
जैन जगत मे आपका, 'मुनि जिनेन्द्र' हो नाम ॥

लिम्बड़ी मोटा पक्ष सम्प्रदाय के श्री भास्कर मुनिजी म.सा.

(सुर्ई-फच्छ)

ममग्र जैन समाज के चातुर्मास सूची प्रकाशित कर आपने विश्वरे हुए मोतियों को माला मे पिरो दिये हैं। मेरी शुभकामनाएँ ।

प्रयत्न प्रसारक कवि श्री पुण्डरीक मुनि जी म मा 'वचन'

(श्लोक)

एव मा वा जगामास तूर्वा व्यते,
एव क्व एता श्री गङ्गाव वा ।
विरिज नाविसा निद्रा पश्चिम प
श्रवण वन मा मा क्व एव वान वा ॥

प्रयत्न भूषण, कवि श्रीविजय मुनिनां म मा (मवाई माधोपुर)

वनाम वनमान म ए अविद्य म श्रेय ।
निग्वन्ही इति ध्यायन्ती, यथा पाय उहो वा ॥ १ ॥
जन एवमा मा प्रवीर जन ध्यायन् श्रम ।
एवम एवम एवम एवम एवम ॥ २ ॥
वानवानी ते ए ह विरिजसिप ह वाता ।
हागे क्व अन्वम इति ह मनसा विग्वान ॥ ३ ॥
वनिद्या मो उह इति वा म वनी जाय ।
मायान् एव वनी एवम इति गुहाय ॥ ४ ॥
एवमा माय वापना क्व ह एवम ।
एव वन वा एवो इति एवमा ह अन्वम ॥ ५ ॥



सन्देश

‘निजी सचिव
उर्वरक राज्य मंत्री, भारत
नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई, 1986



प्रिय श्री जैन,

कुवर नटवर्गमह, केंद्रीय उर्वरक राज्य मंत्री को प्रेषित आपका पत्र दिनांक 12-7-86 प्राप्त हुआ, धन्यवाद । यह जानकर प्रसन्नता हुई कि इस वर्ष 20 जुलाई, 1986 से प्रारम्भ होने वाले चातुर्मास के अवसर पर आप सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एक पुस्तक का प्रकाशन करने जा रहे हैं जिसमें चातुर्मास का पूरा विवरण तथा जैन समाज की गतिविधियों की सम्पूर्ण जानकारी प्रकाशित की जाएगी ।

पुस्तक के सफल प्रकाशन हेतु मंत्री जी की ओर से शुभकामनाएँ स्वीकार करें ।

साभवादन,

आपका
(सहायक)

कल्याण राज्य मंत्री, भारत
नई दिल्ली-110001
28 जुलाई, 1986



प्रिय श्री बाबूलाल जैन,

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि आप "समग्र जैन चातुर्मास" पुस्तक का प्रकाशन करने जा रहा है जिसमें जैन पूज्य आचार्यों साधु और साध्वियों के चातुर्मास पर प्रकाश डाला जा रहा है । जब-जब भी राष्ट्र को किसी कठिन परिस्थिति से गुजरना पड़ा तब-तब साधु समाज ने राष्ट्र को सही दिशा निर्देश दिया । इस मराह्तीय प्रकाशन के लिए मेरी शुभकामनाएँ ।

भवदीया,

(राजेन्द्र कुमारी जाजपेयी)



नरसारी उच्चम पाठ्य मळा, भांगव
ज्या भवन, नट टिन्की 110011

तातू सव आ पाठ्यर ताह व तिगी भी वस व हा मानव रजाण जेता परम धर
जता व। जे प्रय म व अपा का समतिन जे वन ह। जेन समुदाय हाता भी अपाती समति
न मा वस व जीवामा न रजाण हतु उच्च छात्रां व तिग तात तिग तात रह ह।

पतिपत्र हाता तिग ता ह रजाणा व फायो व तिग मी अभवामनाणे ।

(समता कात तिवागी)



प्रसाजवट मठी सार मदर
६, सफरान सार नट टिन्की 110011
18 जला, 86

प्रिय थी पाठ्यात ती जन

या तावतर प्रयत ही प्रानता हत ति चानुमात प्राग्मन हात व जन वसम पर पतिपत्र
हाता व ता तमज जन चानुमात तुसा का प्रसाजवट तिवा ता हा व।

सव पूा तिग्गात व दि पुस्तर व मभी जन पूज्य प्राचाता मापुसा सार माचिया व
चानुमात का पूा तिग्गात मय तानसा। मभी जागा ता प्राप्त पागी मय जन समात ही गति
विश्रिया व मय समात ता तात मय अहिता का जन वसतान म साती पह्याय पर मादशन
प्रात हाता।

वगास पविता ता पूा सफरता व तिग मेरी हातिन शुभसामनाणे स्वीकार कीजिय।

प्रापवा ।

प्रापवा
(प्रसाजवट मठी)

Mool Chand Daga (M.P.)
Chairman
Committee on Subordinate Legislation
Lok Sabha



140 Parliament House
New Delhi-110001
Dated 17-7-1986

आप जो काम कर रहे हैं, उसके लिए आपको बधाई। समग्र जैन चातुर्मास सूची बनाने में सभी जैन भाइयों को यह सुविधा हो जायेगी कि कौन-कौन साधु-साध्वी कहा-कहा है और लोग उनके दर्शन और प्रवचनों से लाभ भी उठा सकेंगे। आपका यह कार्य अत्यन्त सराहनीय है। इसमें जैन भाइयों में आपस में याना-जाना भी रहेगा और जैन भाई साधु और साध्वियों के उद्देश्यों से लाभान्वित होंगे।

मैं आपके इस कार्य की हृदय से सफलता के लिए ईश्वर से कामना करता हूँ और अपनी शुभकामनाएँ अर्पित करता हूँ।

समस्त शुभकामनाओं के साथ,

आपका,
(मूलचंद डगा)

मंत्री

वित्त, नियोजन, उद्योग और विधि विभाग
महाराष्ट्र शासन मंत्रालय,
मुंबई 400032
दिनांक: 28 जुलाई, 1986

आप पूज्य जैन आचार्य और साधु-साध्वियों के चातुर्मास गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए एक पुस्तक प्रकाशित करने जा रहे हैं, गुनकर बड़ी प्रशंसा हुई

भारत की धार्मिक तथा सांस्कृतिक विरासत की जो उज्ज्वल परम्परा है, उसमें जैन धर्म का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आज दुनिया में मानव-मानव के प्रति, देश-देश के प्रति और प्राण-प्राण के प्रति जो विपलु माहान फैल रहा है उसे रोकने के लिए जैन धर्म का विशाल तन्त्रज्ञान ही उपयोगी हो सकता है। जैन धर्म ने मानवता का महान संदेश नारे विज्व को दिया है। जिसमें कई सान पहने विषय के बड़े साहित्यकार वर्ना जा भी प्रभावित हुए थे।

आपकी पुस्तक जनसाधारण में दया, ज्ञान, मानवता की ज्योति का प्रकाश फैलाएगी यह मुझे आशा है।

मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

(सुशीलकुमार शर्मा)

डालकर जा,
सतसत्य
साक्यभा



32 माना बाग,
नंद दिल्ली 110001
21 7 86

श्री वाकूलात जन, "उज्ज्वल"

आपका पत्र दिनांक 12-7-86 का प्राप्त हुआ। आप एक पुस्तिका का प्रकाशन कर रहे हैं, जिसमें सभी जैन आचार्यों, साधुओं और गार्हस्थ्यों का चातुर्मास का विवरण, हागा, जान कर प्रसन्नता हुई। आपका यह प्रयास सराहनीय है। इसमें धार्मिक व्यक्तियों का चातुर्मास में अपने आचार्यों के पास धर्म नाम के लिए जाने में सुविधा रहेगी।

शुभकामनाओं के साथ,

भापका,
(डाल कर जा)

वसंतराव पाटल
राज्यपति, राजस्थान



राज भवन, जयपुर
दिनांक जुलाई 26, 1986

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि श्री भा. एस. जन चातुर्मास जून्ही प्रकाशन परिषद् बम्बई द्वारा त्रैमासिक की जानकारी के लिए सभी जैन आचार्यों, साधुओं और गार्हस्थ्यों के चातुर्मास विवरण में मुझे एक पुस्तक प्रकाशित की जा रही है।

प्रकाशन की सफलता के लिए मेरी शुभकामनाएँ

(वसंतराव पाटल)

राज्यमंत्री, निर्वाचन, पुनर्वास एवं भाषायी अल्पसंख्यक

जयपुर राजस्थान

22 जुलाई, 86

प्रिय श्री जैन,

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि पूज्य जैन आचार्य और साधु साध्वियों का चातुर्मास दिनांक 20 जुलाई से आरम्भ होने जा रहा है और इस उपलक्ष्य में आप एक पुस्तक का प्रकाशन कर रहे हैं जिसमें सभी जैन पूज्य आचार्यों एवं साधु साध्वियों के चातुर्मास का पूरा विवरण एवं समग्र जैन समाज की गतिविधियों की सम्पूर्ण जानकारी प्रकाशित की जाएगी।

यह एक प्रच्छा प्रयास है और मैं इस पुस्तक की सफलता की कामना करता हूँ एवं आपको बधाई देता हूँ।

आपका,

(बामोदारदास आचार्य)

उपमंत्री, राजस्व

जयपुर, राजस्थान

2 अगस्त, 1986

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि समग्र जैन चातुर्मास सूची नामक एक पुस्तक का प्रकाशन चातुर्मास अवसर पर प्रकाशित किया जा रहा है। आशा है यह पुस्तक जैन सम्प्रदाय के लिए अति उपयोगी सिद्ध होगी।

मैं पुस्तक के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

(धीरू काफ)

राज्यमंत्री, नागरिक सुरक्षा व होमगार्ड

जयपुर राजस्थान

जयपुर, दिनांक ' 22-7-86

प्रिय श्री जैन साहब,

आपका दिनांक 12-7-86 का पत्र प्राप्त हुआ।

यह जानकर हर्ष हुआ कि 20 जुलाई, 1986 में चातुर्मास के अवसर पर आप एक पुस्तक का प्रकाशन कर रहे हैं, जिसमें सभी जैन पूज्य आचार्यों, साधुओं और साध्वियों के चातुर्मास का पूरा विवरण एवं समग्र जैन समाज की गतिविधि की सम्पूर्ण जानकारी का समावेश होगा। मैं इस प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनाएँ भेजता हूँ एवं आशा करता हूँ कि यह पाठकगणों के लिए लाभप्रद सिद्ध होगा।

भवदीय

(मूलचंद सीणा)

राज्यमंत्री, महाराष्ट्रिया एव आरिभ न नाविकी विभाग

जयपुर, राजस्थान
जयपुर, दिनांक २४ ७ ८६

प्रिय श्री चानुमान जन

मुन यह जानार हादिह प्रमधता हट कि परम पूज्य जन आनाया तथा चातुमाधिया ना चातुमाध आपारी महातापी म दिनांक २० जुलाई १९५६ न शुक्र हा रहा ह। जन चाधुआ न तपस्या नर जीवन म योग अनाल म प्ररणा नन ह ह आर अमनाम प्राप्त नरन रह ह। आन न टम भाविक युग म आ चािमिक प्ररचना ना अचना महान ह आा यह अरर नगर-निवातिया के पुत्र ना अरर न कि य ५ माह री तमी अररि नन पूज्य आनाया न चातुमाधौ न अमन तथा प्ररचना ना पान नन अमनाम प्राप्त न अपन जीवन ना सुखमय बना मरग।

जन चातुमाधिया न चातुमान तथा जन समाज री सम्पूर्ण जानरागी जन चाारण ना दन हनु नन नन अरर पर आण द्वारा पुस्तक ना प्ररागन किया जाना एक प्राप्तिय नया अनुकरणिय नरम ह। आपारी परिपट द्वारा अम प्रचार प्रसार हनु किय ना रह प्रयामो म आपारा आगाता मरचना प्राप्त हा यही मग जिनद एव म प्रामना ह।

सप्रम

आपारा,
(रामविरान नर्मा)

(दत्ता नलाबडे)

महानगरपालिका मभागह महानगरपालिका भाग, मुम्बई ४००००१

महापार मम्बई, अरर।

दि २६ नलाई, १९८६

अगिन भारतीय महापार परिपट

अपान भारतिय अमानवताया जन चातुमाध चौकी प्रकाशन परिपट्या" विद्यमान चातुमाधिमिन २० नुल १९८६ गजी चातुमाध अचाव प्रकाशन अररान आगे ह सचन आन नाता नरर त्तम भाविकाना अररिअर उपरुन अरर नरररर मरर नाही परिपट्या ना अरर अररमाग माया हादिह नुनच्छा

(दत्ता नलाबडे)
महापार

मोरारजी देसाई
 मंत्रालय प्रधान मंत्री भवन

क्र.सं. ११०२६
 दिनांक १८-७-१९८६

श्री बाबू लाल जैन

आपका का १२-७-८६ का पत्र मिला। इससे मुझे प्रसन्नता का क्षण है।
 लिखे मेरी सुझावों के साथ है।

आपका

मोरारजी देसाई

J.K. Jain
 Ex Member of Parliament (Rajya Sabha)
 Secretary
 Congress(I) Party in Parliament

16 Park Area,
 New Delhi-110015
 Dated July 18, 1986

Dear Shri Babu Lal Jain,

I thank you for your letter of 12th July, 1986

I am glad to learn that you propose to bring out a volume on the occasion of Chaturmas of Jain Acharyas and saints beginning from 29th July this year.

Chaturmas by Acharyas and Saints has a special significance as it affords an opportunity to them to preach the ideals and messages of religion in earnest, tolerance, peace, non-violence and universal love.

I hope you would try to incorporate useful and inspiring material in the proposed volume.

I send my good wishes for the success of your venture.

With kind regards,

Yours sincerely,

J.K. Jain

Bhiku Ram Jain
Ex Member of Parliament

49, Rajpur Road,
DELHI-110054
21st July, 16

Dear, Shri Babulal,

I am in receipt of your letter dated 12th July, 86 wherefrom I learn about your publishing a book containing a list of Pujya Sadhus & Sadhvi's with places of their 'Chaturmas' etc. I regret I could not reply to you earlier because of my being sick & in the hospital for an operation.

While I appreciate for your venture I only wish to say that with their 'Tap' 'Tapasvya' & 'Sadhna' the Jain Sadhu has created a very high goodwill among the people not necessarily Jains. Even in the present era a Jain Sadhu or a Sadhvi is known for a very high philosophy of 'Dharma' both about the Jains & all others. They not only preach but practice it on themselves which creates confidence & reverence. Wherever I have gone people for all walks of life has a high praise for the Jain monks.

I am sure therefore that the information you want to put through the proposed publication will benefit many to enable them to go & have 'Darshan' of the various saints & Gurus to take advantage of their sermons,

Yours Sincerely
Bhiku Ram Jain

अभय कुमार जैन

सो 47 सुबमाट्टर पत्त
नट सिन्धी 110049
फि 25786

प्रिय वधु

पत्र मिला, जन आचार्या मागुया और माध्विमा वा पुन निवर्ण प्रकाशित कर रहे है यह जानकर प्रमत्ता हूँ।

यह पुस्तक समाज क विपन्न वर्गवासी मित्र होगी। भगो जुम कामनाओं स्वीकार की जाएँ।

सागवा
अभय कुमार जैन

मंगल कामना

डा. महेन्द्र सागर प्रचंडिया
"जैन शोध अकादमी"

मंगल क्लब फोन : 6486
394, सर्वोदय नगर, आगरा रोड,
अलीगढ़ (उप्र)
दिनांक 30-6-86

प्रिय भाई श्री 'उज्ज्वलजी'

यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आप एक समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशित कर रहे हैं। इतने बड़े साधु संघ, इतने बड़े समुदाय का लेखा-जोखा साधारण अथवा आदमी के द्वारा रखना प्रायः संभव नहीं है। यह दर्शनार्थियों के लिए पत्र-व्यवहार एवं समाज की गतिविधियों की जानकारी का भण्डार है। इस प्रकार सूची के प्रकाशन की आवश्यकता अतिशय है। आप इसमें पूर्णतः सफल हों मेरी अनंत मंगल कामनाएँ और भावनाएँ आपके साथ हैं।

आपका
महेन्द्र सागर प्रचंडिया

डॉ निजामुद्दीन

हिन्दी विभाग के प्रधान
इसलामिया कॉलेज,
थीनगर (काश्मीर) 190002
ता 23-7-86

श्री बाबूलालजी "उज्ज्वल"

जैनाचार्यों, मुनियों का वर्षावाम या चातुर्मास जैनधर्म की जानाचार-प्रचार की मौलिक परम्परा है। इस परम्परा को व्यापकता प्रदान करने के लिए अ.भा. स्थानकवासी जैन परिषद् (बम्बई) ने जो चातुर्मास-सूची प्रकाशित करने की योजना बनाई है वह प्रशंसनीय है। वह 'चातुर्मास की डायरेक्टरी' का कार्य करेगी। उससे समस्त भारत में जैनाचार्यों-साधु-साध्वियों द्वारा किये जाने वाले गाँव-नगर सभी स्थानों के चातुर्मास की विशद सूचना प्रकाशित होगी। यह जन-कल्याण का बड़ा कार्य है। इसके द्वारा धर्म-प्रचार का समग्र चित्र प्रस्तुत किया जा सकेगा। आप चातुर्मास का विस्तृत विवरण प्रकाशित करने की योजना में सफल हों इस पर मेरी शुभकामनाएँ स्वीकार करें।

आपका
डॉ. निजामुद्दीन

श्री नितरघ्न जो शास्त्री, सम्पादन आभारमि

(सुधियाना)

आपने जहाँ प्रयाग जन समाज के लिए शीघ्र सेवा कर रहे हैं। एक जन सम्कृति के ऐतिहासिक पक्ष का सुदृढ़ स्थापना। आपने सम्पादन की जिम्मेदारी भी प्रजना की साथ वह समता रही। आपने प्रयाग की उपरता के लिए मान सम्मान करता है।

श्री बन्नाप जन

(दिल्ली)

आपने एक समग्र जन समाज की समुदाय द्वारा प्रकाशित करने का यह है। समाज सम्मेलन समाज में एकता की एक नयी स्तर जागृत होगी और आपकी पुस्तक 'जन एकता' का प्रतीक है। समाजी मंगल कामनाएं स्वीकार करें।

—पारममल चर्चडालिया

(सैताना)

एक सम्पादन सम्पादन

एक वर्ष आपने पूरा जन समाज सम्पादन की समुदाय सूची प्रकाशित करने का महत्वपूर्ण निष्पत्ति दिया है। जन समाज के लिए आपका यह उपचार प्रयाग प्रजातीय एक सम्पादन है। आप अपने शुभ प्रयाग में समाज का योगदान प्राप्त करने रहे, यही मेरी शक्ति श्रमकामना है।

मोहिन्दर सिंह जन

(राणाप्रताप बाग)

(हामी हिमालय वान)

दिल्ली

मैं एक पुस्तक का एक सम्पादन है मने एक प्रमत्त हावा है। हर समय देखने के लिए पुस्तक पर जाती हैं। मुझे सभी सन मनिया के एक एक पुस्तक में घर बैठ ही हो जाना है। आपने फोटो में हा लाना है कि आपने मने में समाज के प्रति काम करने लिये की बड़ी उम्मीदें हैं। आप निरंतर प्रयाग रहने यही आभार एवं मान सम्मान है।

सौभाग्यमल पामेचा

(भदसौर)

आपने एक एक महान् जन समाज की उपलब्धि कर रहे हैं यह समाज का प्रमत्त स्तर है। आपका जन समाज के लिए बहुत से समुदाय बना है।

मोहनलाल सोनी

(बगसौर)

आपने एक वर्ष समग्र जन समुदाय की सूची प्रकाशित कर रहे हो यह स्तर ही समाज की बात है। समाज काफ़ी लाभ उठाया। आपका प्रयाग निरंतर रहने यह यही मेरी शुभ कामना है।

नवरत्नमल जैन श्री युत् बाबूलालजी, बडा गजब का काम । चौथका बरवाड़ा (राज.)
 सूची चातुर्मास की, कर दी यहाँ निर्माण ॥ 1 ॥ जन-जन अभिनन्दन,
 जन्म हुआ गभीरा ग्राम मे, राजस्थान है मूल प्रान्त ।
 है होनहार ये जैन सितारे, चेहग जिनका सौम्य ज्ञान्त ॥ 2 ॥
 जगन्नाथ के नन्द जिन्होंने, इतिहास रचा अद्भुत के साथ ।
 चातुर्मास सूची अब बन गई, सभी सम्प्रदायो की आज ॥ 3 ॥
 चाहे हो स्थाकवासी, मन्दिर मार्गी तेरापथ ।
 चातुर्मास जहा पर हो गये, इसमे देखो वहा का पंथ ॥ 4 ॥
 गुरुहस्ती को फिर बन्दन "नवरत्न" करे इनका अभिनन्दन ।
 पीपाडगहर का चातुर्मास सफल हो ॥ 5 ॥
 छाये वहा आनन्द ।

हरकचन्द पालरेखा, अध्यक्ष

श्री वर्धमान जैन स्वाध्याय संघ-ममदडी

आपने चातुर्मास सूची प्रकाशित करने का जो महान् बीड़ा अपने कंधो पर उठाया है, वह वास्तव मे मराहनीय कदम है। ऐसे जटिल एव श्रमसाध्य कार्य को पूर्ण करना महान् दुष्कर है, किन्तु आपने अपनी तीक्ष्ण बुद्धि के द्वारा इस कार्य को सम्पादित किया है, वह प्रसन्नता का विषय है। आप अपने कार्य को प्रतिपल-प्रतिक्षण अनवरत वृद्धिगत करे, जिनेश्वर प्रभु से यही मंगल-मनीषा ।

दीपक भाई देसाई, राजकोट

आप समग्र जैन समाज चातुर्मास सूची को प्रकाशित करने का भागीरथ कर रहे हैं। आपका यह कार्य निर्विघ्न सम्पन्न हो ऐसी शुभकामना है।

फूलचन्द जैन भ्राता (लुधियाना)

आप हर वर्ष चातुर्मास सूची प्रकाशित कर जैन समाज को जो सेवा कर रहे हैं वह मराहनीय है। आपकी जितनी प्रयत्ना की जाय उतनी ही कम है।

संपादक "जैन दर्पण"

(जयपुर)

बी. कुमार मिश्र

आपकी परिषद् समस्त जैन साधु साध्वी के चातुर्मास के ग्रन्थों को पुस्तिका के रूप में प्रकाशित कर रहे हैं। यह उपयोगी और समन्वय का कार्य है। हमारी शुभ कामनाएँ आपसे साथ हैं।

मोतीलाल चाफना

(गुजरात)

सम्पादक "दिव्यदर दिप्ती"

उन वर्ष आपकी समुदाय ने जो चातुर्मास सूची निकाली वह बहुत ही सुन्दर कार्य है। श्री 'उज्ज्वल' जी का प्रयास मराहनीय है।

श्री जगद्वरण डामा

(दोहा)

आपन मन मे जन पना न निग द न निगडा ह प्रशानीय ह ए प्रयन निश्चिन रूप स
एन हार तो निरुद नाम म भक्ति म चरदान मिड हाण हमारी मयन कामना ।

श्री विजय कुमारजी जन

(भवानी पट्टन उडिसा)

आपना यह काय मचमुच मगदनीय है । हमारी हार्तिन श्रमकामनाएँ ।

लेखक-एस जयामह छाजेड "रत्नेग"

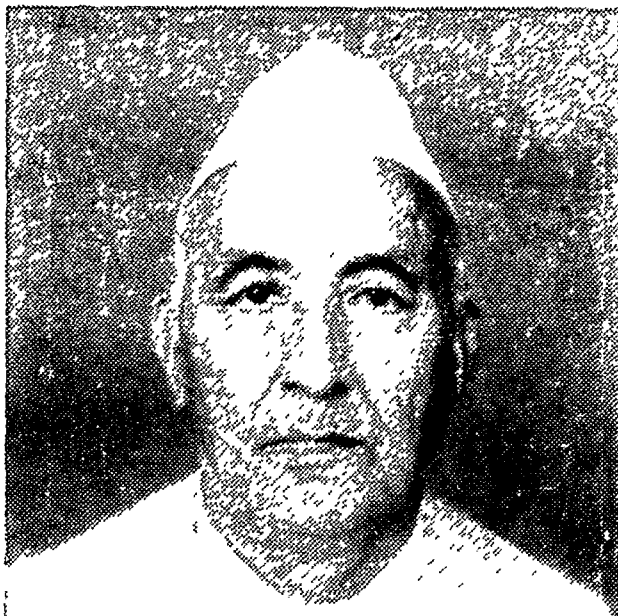
समदडी

मन उर्वीम मा छियामी उम्पी न चौमामा की ।
मूची भय प्रनापित है यह मार मार उपायामा की ॥1॥
उवन था तो नर म तेर उमकी जय आचोपात पया ।
अपनीका नरत ही हमारा, ह्यय रमा नर खिन उडा ॥2॥
मान वप न नय मय यह अद्भुत रमान नर लिखनामा है ।
आन नण्डिया निज जनों न पाकर उम नगवा है ॥3॥
लडन नारे मारना = महामती है मनागाल ।
श्रीर अद्यभ है मुघलालजी प्रयन मुनि कहैवापान ॥4॥
जन जगत की लिय विभक्ति गण्डमन कहलावे ह ।
धमण सध नायक आनज जी जन जन का जा भात है ॥5॥
आशीवाद उही का नेकर, आय नरत जाने है ।
नागीरथ प्रयाम नर मारमच, 'उज्ज्वल' नाम उमात है ॥6॥
विजय नहा कहा नामाग, विवरण माग उमम है ।
श्रीर अनना वानों ना भी, लिखल जो उमम है ॥7॥
अभिनय निवन ही न या का, उपाय मग पया है याध ।
मननाल जन की मारमुच, मूचयन श्रीर महरी या ॥8॥
पुष्पारव प्रयल = किता, अति दुःसाहम मय है काम ।
फिर भी उम सवाक जी, नर रह है प्रयन नाम ॥9॥
अनपम एक उपवन है यह तो, महय रह है उमम फूल ।
जन उनिहाम म प्रवरज का, नर तो फिर मे मभी वयल ॥10॥
मूची व अष्ट प्रनापन पर तो जन अभिनादन स्वीकार कर ।
धमण मय गोरु गरिमा म 'रत्नेग' नार नाता तगा नर ॥11॥

उमके अनामा ती नई स्थापना म पूज्य मुनिनामा की आर म 278 न, पूज्य महामतिया
तो मगा की मार न 123 न एन प्रिय म प्रमी म्यान ताता न मार ६८३ न प्राप्न लुएँ
ह जिहान अरानी २ मगतकामनाएँ शुभ नरत, गुणय आदि निजनाएँ ह समवाभाव, स्थानाभाव
ने नाम नभी का कहा रमान नहीं न पाया है । अत नभी का में ह्यय म उहन २ क्षमा
नामा ह्या एन नभी ना उहन - आना प्रयन नरना ह्या आना नरना हैं वि भविष्य मे भी
आप नभी मार न हार्तिन महारा नर रह्य नमा आया के पाध ।

सम्पादन

कार्यकारिणी के सदस्यगण—



श्री सुखलाल कोठारी

(बम्बई)

अध्यक्ष

जीवन परिचय

आपका जन्म अजमेर जिला मे व्यावर के पास टोडी ग्राम मे हुआ । आप वचपन मे ही बम्बई आगये । आप अभी फर्नीचर का कार्य कर रहे है । कई धार्मिक और सामाजिक सस्थाओ मे आप काफी सक्रिय भाग लेते रहते है । भारत जैन महामण्डल के आप प्रतिनिधि, एव पजाव जैन भ्रातृ सभा के सदस्य है । सभी साधु साधवियो की सेवा करने मे आप हमेशा आगे रहते है । आपने अपनी जन्म भूमि टोडी ग्राम मे जो हाडवे रोड पर स्थित है ठडे पानी की प्याऊ भी बनवाई है । आप बहुत ही खुश हममुख है । चहरे पर कभी उदासी आती ही नही । आपके प्रयत्नो से ही श्री व म्था जैन थावक सघ, खार की स्थापना हुई है जिसके आप अध्यक्ष है । आप कई सस्थाओ को उदार भाव के आर्थिक सहायता भी देते ही रहते है । सभी जैनों की—एक-संवत्मगी एकीकरण के लिए भी आप काफा कार्य कर रहे है ।

आप विगत आठ वर्षों मे परिपद् के सम्थापक एव अध्यक्ष पद पर सुशोभित है । श्री परिपद् को आपका काफी योगदान रहता है । वर्ष परिपद् की आर्थिक स्थिती सुदृढ बनाने हेतु आप डम वर्ष दक्षिण प्रवास के ट्यूर पर गये थे । इसीलिए आज यह परिपद् इतनी उन्नति कर पायी है । आपकी इच्छानुसार डम वर्ष चागे सम्प्रदाय की सूची परिपद् के द्वारा प्रकाशित की गयी है ।

सम्पर्क सूत्र : नूतन फर्नीचर मार्ट

371 रोड, रेल्वे स्टेशन के सामने, खार रोड-(वेस्ट) बम्बई-400052

फोन आफिस 533919

निवास 542906



श्री कँवरलाल बेताला (गौहाटी)

उपाध्यक्ष

जीवन परिचय

एह (नागौर) निचामी मड पुनचन्जी एव थीमती गजावाद जताला के यहा 62 वष पूव आनन्त्यायी समय आया और उहे पुत्र रन की प्राप्ति इडे। हानहार मुदर मुपुव का नाम रवरलाल रखा गया। शिभा समाज सेवा मे अपनी अजित की गड मपति का अश मरुप समपण ररन वाल श्री बेतालाजी जन समाज उम जगत के कवरनाल बन गये नया मपूण भारत के जन समाज म इन रूप मे प्रख्यात बन गए।

बायकाल म व्यवसाय एव मवाधा म प्रतिभा एव मरुज र्जान हान म जतालाजी बटने गए और उमी रूप मे उहेन अपना अजन समाज को मुक्त इस्त म वितरित किया एव प्रगति चरणों पर खुब आग पडे।

आप स्व युवाचाय जीजी क अनन भवन हैं। अपनी जम भूमि इहे नागौर (गज) एव नर मन्वाधो म आपन काफी धामिर नाय दिया है माऽ माधिवयो को सेवा म आप काफी लिनचम्पा नत रहत है।

आप भानकवामा जन मष गौहाटी, आगम प्रकाशन मिति न्यावर, एव मुनि हजारीमल प्रज्ञान मिति न्यावर क अध्यक्ष हैं। भारत जन महामन्द वम्बट क मन्धक ग्रामम प्राल क महाजन माग्वाडो सम्मेलन गौहाटी महिना आप न कोपाध्यक्ष हैं। आप विगत छ वर्षों म अ भा नमप्र जन चानुर्मा म सूची प्रकाशन परिपद वम्बट क मन्म्य, फिर मवी और वतमान म उपाध्यक्ष एव प्रमुख स्तम्भ हैं।

सम्पर्क सूत्र श्री ज्ञानचन्द धमचन्द बेताला

मोटर फाटनमियम, एटी गड

गौहाटी (आसाम) 781001

फोन आफिस 27247 ग्राम मगलवाणी
निचाम 28157



श्री चुन्नीलाल एच. मेहता

(बम्बई)

उपाध्यक्ष

जीवन परिचय

आपका जन्म 31 जुलाई 1926 को सोजत (राज) में हुआ। आपने अपना व्यापार बम्बई, वेलगाँव एव अहमदाबाद से आरंभ किया। तथा अथक मेहनत एव ईमानदारी से बहुत कम समय में आपने थोक व्यापारियों में अपनी एक पहिचान बना ली। आप अपनी दानशीलता एव मानव प्रेम के लिए विख्यात हैं। आप कई सस्थाओं को लाखों रुपये का दान दे चुके हैं। आपके आफिस में रोजाना सुबह से शाम तक दिन दुखियारे, रोगियों, अमहाय वृद्ध, नेत्रहीन व्यक्तियों की लाइन लगी रहती है जिनको आप मुक्त हाथों से दान देते रहते हैं। आप समता विभूति आचार्य प्रवर श्री नानालालजी मसा के प्रमुख भक्तों में से एक हैं। पूज्य गुरुदेव का बोरीवली-बम्बई का 1984 चातुर्मास कराने में आपका काफी योगदान रहा। आप वर्तमान में साधुमार्गी जैन सघ बम्बई एव अभा साधुमार्गी जैन सघ के अध्यक्ष हैं। इनके अलावा आप लगभग 65 में भी अधिक धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक आदि सस्थाओं में किसी न किसी पद पर आसीन हैं। आप अभी विल्डर्स एव कपडे का कार्य करते हैं। आप सच्चे कांग्रेसी नेता भी हैं।

आपका कई श्री सघों द्वारा सार्वजनिक अभिनन्दन भी हुआ है आपके मेहता हाउस कार्यालय में जब भी कोई प्रवेश करता है तो सर्वप्रथम अभिनन्दनों, फोटुओं, एलवम्बो, विज्ञापनों आदि का अम्बार भण्डार दिखायी देता है। कई धार्मिक-सामाजिक, राजनैतिक सस्थाओं द्वारा दिये गये अभिनन्दन एव प्रशस्ती पत्र सामग्री मज-धझ कर अवश्य दिखायी देगी।

आप भी विगत दो वर्षों में परिपद के उपाध्यक्ष एव प्रमुख स्तम्भ बने हुए हैं।

सम्पर्क सूत्र : श्री चुन्नीलाल एच. मेहता,

मेहता हाउस, 3रा माला

भारतीय विद्या भवन के सामने 36, पडिना रमावाड मार्ग, चाँपाटी, बम्बई-400007

फोन आफिस 8224504-8225326

निवास 8225383-8220044



श्री एस लालचन्द वागमार (मद्रास)

उपाध्यक्ष
जीवन परिचय

आपका जन्म राजस्थान में हुआ। आप उत्तम में उठा में मद्रास या गया और अपना अध्ययन करने का व्यापार करने लगे। आप हमसे अधिक मिलनसार व्यक्ति हैं। समाज सेवा करने में आप हमेशा आगे रहते हैं। आप धार्मिक-सामाजिक और शैक्षणिक समस्याओं में किसी न किसी पर सज्जुत हुए हैं। सभी पूज्य मातृ माधियों की आप मन्त्री लगन में सेवा करते रहते हैं। बड़े धार्मिक सामाजिक, शैक्षणिक और साम्प्रदायिकों का आप मुक्त हाथों से मदद दान देने रहते हैं। आप हमेशा स्वयंसेवा वृत्तियों की सहायता में भी उठे निलक्ष्यों में रहते हैं।

आपका इस रूप परिचय का उपाध्यक्ष एवं प्रमुख स्तम्भ बनाया गया है।

सम्पर्क सूत्र एस लालचन्द वागमार, फाइनेंसियल
80 आडव्या नाटन स्ट्रीट, माह्वार पट,
मद्रास 600079 (तमिलनाडु)
फोन ऑफिस 32605
निवास 31252



श्री मुन्नालाल लोढा 'मनन' (पाली-मारवाड़)

महामन्त्री
जीवन परिचय

श्रीमान मुन्नालाल लोढा का जन्म पाली मारवाड में आज से लगभग 71 वर्ष पूर्व थावण सुदी 11 मौन एकादशी को हुआ इसीलिए आपका नाम मुन्नालाल रखा गया। आप धार्मिक ग्रंथों एवं व्यावहारिक बातों का वारीकी से अध्ययन कर उसका निष्कर्ष निकालने में काफी माहिर हैं। अतः आपके नाम के आगे जो, 'मनन' पदवी है वह यथा नाम यथा गुण के साथ उपयुक्त ठहरती है। आप पाली में कई वर्षों से प्रिंटिंग का कार्य करते हैं। अब आपने वृद्धावस्था के कारण व्यापार बहुत कम करके धार्मिक प्रवृत्तियों में काफी रस लेने लगे हैं। आपकी श्रमण सभ के प्रति काफी श्रद्धा है। साधु-साध्वियों, श्रावक-श्राविकाओं के आचार विचार में किसी तरह की गिरावट नहीं आवे यह प्रयत्न आप हमेशा करते रहते हैं। कई पत्र-पत्रिकाओं में आपके लेख प्रायः कर आते रहते हैं। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक सभ चातुर्मास समिति पाली के आप प्रमुख हैं।

भारत जैन महामंडल पाली शाखा के आप अध्यक्ष हैं। चातुर्मास सूची के प्रकाशन कार्य के लिए आप हमेशा साहस बढ़ाते रहते हैं। आपके द्वारा हर वर्ष पाली-मारवाड से विज्ञापन एकत्रित किये जाते रहे हैं आप विगत सात वर्षों से अभा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिपद बम्बई के पहले सदस्य, फिर मंत्री एवं वर्तमान में महामंत्री के पद पर कार्य कर रहे हैं। आप परिपद के प्रमुख स्तम्भों में से एक हैं।

सम्पर्क सूत्र : वीर प्रिंटिंग प्रेस,
सुराना मार्केट के पास,
पाली-मारवाड (राज) 306401
फोन नं. आफिस 30388



श्री अमृतलाल कावडिया (वर्षवर्ड)

मन्त्री
जीवन परिचय

आपका जन्म पाला जिन में मातुले माग्याड में हुआ। आप स्व श्रीमान पुष्पराजजी मा कावडिया के ज्येष्ठ पुत्र हैं। आपका उम्र में टामपाट का व्यापार आरम्भ किया। मम्परा राजस्थान गुजरात में आपका उद जगत् आरम्भ है। आप अभी 'य राजमणी टामपाट कार्पो' के डायरेक्टर हैं और मितनमार महननी उ प्रमत्त मदा स्वभाव र धनी हैं। आपकी धर्मण मघ के प्रति काफी प्रेम्हा है आप भारत जन महामण्डल एवं आमवाल ममाज उम्वर्ड क भी मन्म्य हैं। एवं लगभग 15 अय मस्थायी र भी आप किमी न किमी एवं पर आनीन हैं। आपका अपन पूज्य पिताजी स्व श्री पुष्पराज जी मा कावडिया की स्मृति में हम वय श्री उधमान महावीर कन्द पर आगम अनुयाग प्रनत्त प रत्त श्री कट्यानालजी म मा की न्हाय म लगभग 200 धावन धाविगायो की चन्नी नय एवं आली का कायकम आपकी आर म मम्परा हुआ है।

आप विगत आठ वर्षों में परिपत्त न, मस्थायक गय मन्त्री एवं पर नाय कर रह हैं। और हम वय प्रमुख म्मन उन है। आपका परिश्रम व यागन्तन मही परिपत्त आग बढती चन्नी जा रही है।

सम्पर्क सूत्र 'य राजमणी टामपोट कार्पो'
द्विवल भवन 14 कर्नाट राड,
वम्बई-400003 (महाराष्ट्र)
फोन आरम्भ-328969, 347709



श्री जेठमल चौरडिया (बैंगलौर)

मन्त्री

जीवन परिचय

वाणी मे मधुरता, स्वभाव में नम्रता, हृदय मे उदारता एव व्यवहार मे कुशलता आदि गुणो से ओत प्रोत सेठ श्री जेठमल जी चौरडिया बैंगलौर के जाने-माने सुप्रसिद्ध युवक रत्न है।

मारवाड मे नोखा चन्दावता निवासी श्रीमान गणेशमलजी सा चौरडिया के दस सुपुत्रो मे श्री जेठमल जी सा सातवे सुपुत्र है धार्मिक व सामाजिक कार्यों मे अभिरूचि रखने वाले है। आप शुरू से ही होनहार, परिश्रमी एव उत्साही है आपने सन् 1964 मे "महावीर ड्रग हाऊस" नाम से बंगलौर मे औषधि-वितरण का कार्य शुरू किया आज महावीर ड्रग हाऊस का समस्त कर्नाटक मे प्रथम स्थान है। बैंगलौर मे जेठमल सा की बडी अच्छी प्रतिष्ठा है। आपने पिता श्री की स्मृति मे बैंगलौर मे स्थानक निर्माण मे सर्वाधिक सहयोग प्रदान किया है। समाज सेवा धार्मिक, उत्सवो आदि कार्यों मे दान प्रदान करने मे आप सदैव अग्रसर रहते है।

आपने अपने पिता श्री की स्मृति मे मेडता रोड मे देशी औषधालय का निर्माण करवाया, तथा नोखा चाँदावतो मे अपने कृषि फार्म के बाहर पशुओ के पानी पीने की व्यवस्था सदा के लिए बना रखी है।

आपका परिवार पू. स्वामीजी श्री जोरावर मलजी मसा का परम भक्त रहा है। आप पर स्व स्वामी जी श्री हजारीमल जी मसा की भी अत्यन्त कृपा व वात्सल्य इस परिवार पर रही। तथा जैसी ही कृपा स्व. श्री ब्रजलाल जी मसा एव युवाचार्य स्व श्री मधुकरमुनिजी मसा की रही है। पू गुरुदेवो से सम्बन्धित ऐसा कोई आयोजन नही जिसमे इस परिवार के मदस्य उपस्थित न रहते हो।

स्व युवाचार्य श्री जी की विहार यात्रा, धर्मयात्रा एव साहित्य यात्रा मे तन-मन-धन से महयोग दिया। आप उदार हृदय वाले साहित्य व सस्कृति प्रेमी है।

आप भी इस वर्ष परिपद् के प्रमुख स्तम्भ एव मन्त्री बने है।

सम्पर्क सूत्र :

M/s. Mahavir Drug House, Mahavir Mansion

No 45, 4th Cross, Gandhi Nagar, Bangalore-560009

TelN. Off. : 71507-74002

Res1. : 70053



श्री प्रतापभाई चाँदीवाले (वम्बई)

कापाध्यक्ष

जीवन परिचय

आप चांदी वाले के नाम से उम्बई में प्रसिद्ध हैं। सभी जालान्दर उम्बई में रहते हैं, जो कभी वहाँ पीभाएँ होती है ता चांदी का नाग्रियन व चांदी का घडा आप ही म्प्लाई करते हैं। आप हममुख, मन्की लगन, मन्की थडा महगरी व जीते हैं। आप उग्र तपस्वी भी हैं। लगातार 15 वर्षों में माम खमण करते आये हैं इस वर्ष भी आपने 16वाँ माम खमण सारम्भ कर लिया है। माम खमण में मरम जी विशेषता आपमें यह देखी है कि उपवास व 25 26 व दिन भी आप उमी दिन चर्चा में लग रहते हैं, जमा निय करते हैं, आप ही जग्गे बाजार में प्रताप उग्र चाँदी वाला के नाम से प्रसिद्ध हुमान है। सभी सम्प्रदाया व सन-मनियों के प्रति आपकी प्रगाट उदा है।

आप वर पामिन् मामाजिन, शानिक सम्भारा में किसी न किसी पद में जुट हुए है एन उग्र हत्य म जन आरिन सहयोग भी प्रदान करते रहते है

आप सिगत तीन वर्षों में परिपट व रोपाध्यक्ष एवं आजीवन मरम्य है।

सम्पर्क सूत्र मेसम प्रताप ब्रदस चांदी वाला

जग्गे बाजार, उम्बई 40000 (महा)

फोन आरिस 330833 324066

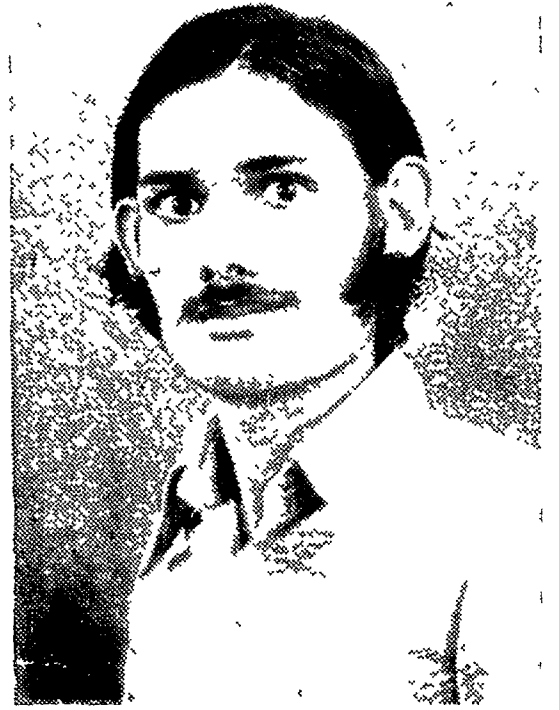
निसाम 8228511 8121491

श्री बाबूलाल जैन "उज्ज्वल"

(बम्बई)

सयोजक-सम्पादक

जीवन परिचय



आपका जन्म राजस्थान प्रान्त मे सवाई माधोपुर के पास गभीरा ग्राम मे सन 1952 मे हुआ। आप श्रीमान जगन्नाथजी जैन—“उज्ज्वल घोल गोत्र”—पोरवाल जैन के द्वितीय सुपुत्र है। पढाई पूर्ण करने के बाद आप जयपुर श्रीसघ के अध्यक्ष एव प्रसिद्ध जौहरी श्रीमान इन्द्रचन्दजी सा हीरावत के यहा सर्विस करने जयपुर आ गये वहा से आपका ट्रांसफर उनकी बम्बई आफिस मे कर दिया गया वहा 7 वर्ष सर्विस करने के बाद आपने अपना स्वतंत्र धन्धा आरम्भ कर लिया। आगम अनुयोग प्रवर्तक प रत्न श्री कन्हैयालालजी म सा 'कमल' के 1979 खार बम्बई चातुर्मास मे उनकी प्रेरणा से इस चातुर्मास सूची एव चार्ट का बीज बोया जो आज विशाल वक्ष की तरह सारे देश मे फैला हुआ है। एव इस वर्ष समग्र जैन समुदाय की चातुर्मास सूची एव चार्ट का प्रकाशित किया है। जिससे आज समग्र जैन समाज काफी लाभ उठा रहा है। यह सब आपकी तीव्र बुद्धि एव बुद्धिमत्ता का ही फल है कि आप विगत आठ वर्षों से निरन्तर एक से बढकर एक हृदयस्पर्शी जानकारियाँ, तालिकाएँ, सारिणीयाँ आदि सूची मे देकर पाठको को मत्त मुग्ध कर देते है। सूची का सम्पूर्ण सारा कार्य आप ही करते है। आप काफी मेहनती, दृढधर्मी, धर्म परायण, कुशल कार्यकर्ता, सच्चे समाज सेवक, धर्म प्रेमी प्रवृत्ति के होनहार नवयुवक है। वचपन से ही आपका झुकाव धर्म की ओर रहा है। सभी सत-सतियों की सेवा करने मे आप अपने आपको धन्य मानते है

आपके इस समाज सेवा के कार्य को महत्व देकर लगभग 42 स्थानो के श्री सघो ने आपको प्रमस्ति-पत्र एव शाले आदि भेटकर आपका मार्वाजनिक हार्दिक अभिनन्दन भी किया है।

समग्र जैन समाज की एकता एव सगठन के लिए आप हमेशा प्रयत्नशील रहते है। और इसलिए इस वर्ष आपने समग्र जैन समुदाय के साधु-माध्वियो के चातुर्मासो की सूची एव चार्ट प्रकाशित किया है। और यही कारण है कि इस चातुर्मास सूची मे कही पर भी साम्प्रदायिकता की वृ तक नही झलकने दी है।

आप विगत 8 वर्षों से परिपद के प्रमुख सस्थापक, प्रमुख स्तभ, सयोजक एव सम्पादक है।

सम्पर्क सूत्र : बाबूलाल जैन "उज्ज्वल"

105, तिरुपती अपार्टमेंट्स, आकूर्ली कास रोड न 1,
कादिवली (पूर्व) बम्बई-400101 (महाराष्ट्र)

फोन 681278



श्री आर प्रसन्नचन्द्र चौरडिया (मद्रास)

मलाहकार
जीवन परिचय

आपका जन्म राजस्थान में हुआ। आप अब श्रीमान् प्रसन्नचन्द्रजी मा व सुपुत्र हैं। आप हमसब बापों में मसूरता स्वभाव में नम्रता आदि गुणों में युक्त हैं। धार्मिक, सामाजिक, श्रमणिक आदि रुपा प्रवृत्तियों में आप हमेशा रुचि रखते हैं। मद्रास की प्रायः सभी धार्मिक सामाजिक आदि स्वस्थ संस्थाओं में आप किसी न किसी पद में जुड़े हुए हैं। आप उदार चरित्रवाली आत्मा हैं। आपका जन्म ही भोजन के लिए है वे खाली लौटकर या निराशा हाथों वापिस नहीं आते हैं। आप मदुभाषी मिननमात्र मन्चे कमठ नवयुवक कायकता हैं। समाज सेवा करने में आप काफी रुचि रखते हैं। अभी आप मद्रास में फाटनेम का कार्य करते हैं। आप यथा नाम यथा गुण के धारी चहर पर हमेशा मुन्सगाहट जनी रहने वाले हानहार कमठ नवयुवक कायकर्ता हैं।

आप भी हमें आप परिचित व प्रमुख मन्म एवं मलाहकार जनाये गये हैं।

सन् १९६० मसूर

M s R Prasannchand Chordia
52, Kalathu Pillay Street
Sowcarpet —Madras 600079 (T N)
Tel No Off—34643
Res—31470

श्री भोपालचन्द पगारिया (बैंगलौर)

सलाहकार

जीवन परिचय

आप भी मूलतः राजस्थान के ही निवासी हैं। सन् 1950 के लगभग आप बैंगलौर आ गये और स्वतंत्र व्यापार आरम्भ कर दिया। आज आप एस भोपालचन्द फर्म के डायरेक्टर हैं। आप मृदुभाषी हसमुख प्रवृत्ति के होनहार व्यक्ति हैं। चिकपेट में पगारिया मार्केट आपने ही बनाया है। जहाँ आपका निवास स्थान भी है। सभी सम्प्रदायों के पूज्य साधु-साध्वियों की आप बहुत ही रूचि एवं दिलचस्पी से सच्ची सेवा करते रहते हैं। स्वधर्मी बंधुओं के आतिथ्य सत्कार में आप अग्रणी रहते हैं। आप प्रसिद्ध दानवीर भी हैं। अभी आप इलेक्ट्रिकल्स सामान के निर्माता एवं गवर्नमेंट को सप्लाई करने वाले विक्रेता कान्ट्रैक्टर हैं। आप शुरू से ही होनहार परिश्रमी एवं उत्साही युवक हैं। बैंगलौर की जितनी भी धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक, स्वास्थ्यक सस्थाएँ हैं उनमें किसी न किसी पद से आप जुड़े हुए हैं। लाइस क्लब इंटरनेशनल की सस्था से भी आप जुड़े हुए हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद के प्रमुख स्तंभ एवं सलाहकार बनाये गये हैं।

सम्पर्क सूत्र :

M/s. S. Bhopalchand
9 B.V.K. Iyengar Street,
New Road Bangalore-5600 23 (Karnatka)
Tel. No. Off. 71533
Resi. 29475



श्री ज्ञानराज मेहता
(बैंगलूर)
महाह्वार
जीवन परिचय

आपका जन्म राजस्थान में पानी मारवाड़ में हुआ। जहाँ से आप उगतौर आ गये। अभी आप एडवोकेट एण्ड टैक्स कन्सल्टेंट (C A) का काम करते हैं। आप मृदुभाषी, प्रगल्भित ज्ञानदायक परिश्रमी एवं उत्साही वायकर्ता हैं। आप श्रीवस्था जन श्रावण मघ, चित्रपट उगतौर में विगत 9 वर्षों से सक्री पट पर रहत हुए श्री मघ का कुशल सचानन करत आये हैं। उगतौर का कोई समाचारकित नहीं हागा जा आपका नहीं जानता हागा। मनी सम्प्रदाया क पूज्य साजु साजिबरो क प्रति श्रद्धा एवं श्राभिस नायों क प्रति आपकी काफी रूचि है। यथा नाम यथा गुण यथा श्राभिस वानों का आपका काफी जान भी है। उगतौर में साठ भी धार्मिक-सामाजिक, ज्ञा शिगर, शिजिर एवं विचार सगुष्टी श्राति का कियो भी तरह का साटै श्रायक्रम हाता है ता श्रात उहा अवश्य उपस्थित रहत है। स्थानरवासो सम्प्रदाय के श्राजिनाश सत मतिया में आपका काफी अरुछा परिचय है। आप स्पष्ट वक्ता, रवि एवं निर्भीक लेखक भी हैं। जन धर्म में आपकी काफी रूचि है।

आप भी परिपद क विगत छ वर्षों से मलाह्वार एवं श्राजीवन मरुत्य है।

सम्पर्क सूत्र

M/s GR Mehta & Co Advocate
80 Avenue Road 1st Floor
Bangalore 560002 (Karnatka)
Tel No Off 225819
Resd 224898

श्री चन्द्रकान्तभाई भणसाली

(बम्बई)

सदस्य

जीवन परिचय

आपका जन्म गुजरात प्रान्त मे पालनपुर मे हुआ। आप वहाँ से बम्बई आ गये और जवाहरात का व्यापार आरभ किया। आप बहुत ही शात स्वभावी, हसमुख, मृदुभापी व कर्मठ कार्यकर्ता है। कई वर्षों तक आप श्री वस्था जैन धावक सघ शान्ताकूड के भी सदस्य रह चुके है। आप बहुत ही शात स्वभावी, मृदुभापी, मिलनसार होनहार परिश्रमी एव उत्साही कार्यकर्ता है। कई धार्मिक सामाजिक शैक्षणिक स्वास्थ्य की सस्थाओं मे किसी न किसी पद से जुडे हुए है।

आप सभी सम्प्रदायो के साधु-साधिवयो की बहुत ही श्रद्धा के साथ सेवा करते रहे है प्राप श्री वर्धमान महावीर वाल निकेतन आचू पर्वत के भी प्रमुख ट्रस्टी है।

आप भी परिपद के इस वर्ष प्रमुख स्तभ सदस्य बने है।

सम्पर्क सूत्र श्री चन्द्रकात भाई भणसाली
1002 प्रसाद चेम्बर्स, ओपेरा हाउस,
बम्बई-400004 (महा.)
फोन न 361532

श्री कृष्णकांत भाई एच. मेहता (बम्बई)

महाम्य

जीवन परिचय

आपका जन्म गुजरात प्रांत में पालनपुर में हुआ था। वहाँ से फिर आप बम्बई आ गये और आपका जवाहरान का स्वतंत्र यात्रा आरंभ किया। आगम अनुयायक प्रवचक थीं रईया लालजी मसा 1930 बालकेश्वर चानुर्मा में उन्नी प्ररणा में ही जामिन प्रवृत्तियों की आपका लगाव उठा। आप मभी सत-सतियों की काफी विलचस्पी में सेवा कर आपका अहाभाव्य मानने हैं। आपू पवन पर थी वजमान जाल निरतन की स्थापना में आपका पूण महयोग रहा है। आप इसमें प्रमुख ट्रस्टी भी हैं।

आपक मदप्रयासों में ही गत वर्ष अभय तर्नीया ने पारन आपू पवन पर सम्पन्न हुए थे। आप पूज्य श्री 'मन' मुनिजी मसा 1 अत्य भवन हैं।

आप भी विगत दो वर्षों में परिपत्र न मन्स एव प्रमुय म्म 2।

सम्पक सूत्र श्री कृष्णकान्त भाई एच मेहता

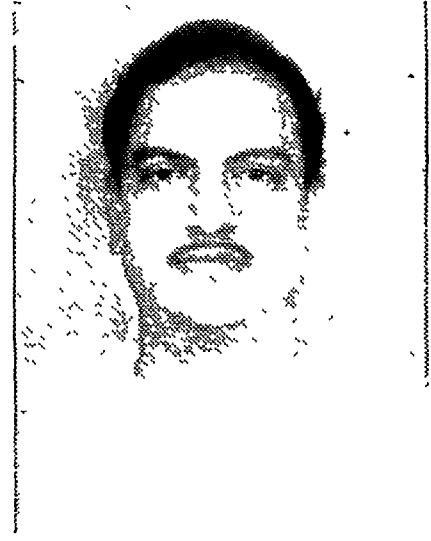
8, मीग, 2 माला, एल डी स्परल माग,

हर्गिय गाडन के पास, जालकेश्वर

बम्बई 400006 फोन न 8125864, 8223211

श्री पन्नालाल सुराना (मद्रास)

सदस्य
जीवन परिचय



आप राजस्थान मे कलावना (विलाडा) निवासी श्रीमान तेजराजजी सुराना के सुपुत्र है।

आपका जन्म तमिलनाडु प्रान्त के कावेरी पाक्कम ग्राम मे सन 1944 को हुआ। आप अभी मद्रास मे "सुराना टायर्स" एव फायनेस का व्यापार करते है। आप बहुत ही मृदुभाषी शांत स्वभाव के होनहार, मिलन स्वभावी, कुशल-कर्मठ कार्यकर्ता है। मद्रास मे जितनी भी धार्मिक सामाजिक शैक्षणिक स्वास्थ्य की सस्थाएँ है उनमे आप किसी न किसी पद से अवश्य जुडे हुए है। आपकी जैनधर्म के प्रति काफी के श्रद्धा है। सभी सम्प्रदायो के साधु-साधिवयो की एव धार्मिक वातावरण मे आप सबसे आगे है। बहुत ही श्रद्धा के साथ सेवा करते रहते है। आप सभी सस्थाओ को मुक्तकठ से आर्थिक सहयोग भी देते रहते है। आप मद्रास के होनहार कुशल-कर्मठ कार्यकर्ता है।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सरक्षण सदस्य बने है।

सम्पर्क सूत्र:-

Shri Tejraj Pannalal Surana,
M/s. Surana Tyres, Surana Castle,
27, Kanadda Mudali Street Sowcarpet.
Madras-600079 (T.N.)



श्री सुरेन्द्रभाई एम मेहता (सद्राम)

सदस्य
जीवन परिचय

आप मूलतः पुनर्जनन व निर्याता हेतु कर्णो म मद्रास म आये । आप स. आर्यागण सा कार्य करते हैं। मद्रास म आपका जन जयमान म प्रमुख स्थान है। आप धार्मिक प्रवृत्ति व प्रवृत्ति हैं। सभी सने मर्तियों सा साक्षात् गर्व व साय मया करते रहते । मद्रास म विगत श्री साह कायक्रमों सा आयाजक ज्ञाता है । तम आपकी प्रस्थिति अत्यन्त रहती है। आप पुनर्जाती जन समाज मद्रास के मुख्य पत्र स.स. मी हैं। समाज में आपका काफी प्रभाव है। आप व सभी उद्योगकार आर मद्रास व जीव म 10-15 जन उपास्य जनाने का कार्य आप म किया है । वहा महागज सा विहार करते हुए वहा उद्धार मर। आप साक्षी पश्चिमो जमाही सायकरता हैं। आप ज्ञान स्वभावी मनुष्यापी एवं समर्थ सायकरता हैं।

आप मी तम रूप परिचित व सम्मान सम्पन्न जन हैं।

सम्पर्क सूत्र श्री सुरेन्द्रभाई एम मेहता

५/0 म बापालान एण्ड पम्पनी ज्वलम

29 जनत राजार मद्रास 600003 (नमिलनाड)

फोन नं. आराम 564397

निताम 564398

श्री एन. ताराचन्द दुगड़ मद्रास (तमिलनाडू)

सदस्य

जीवन परिचय



आपका जन्म मद्रास में 28-10-43 को हुआ। आपका व्यापार बैंकिंग, मार्किटिंग उद्योग-धंधे का है। आप दक्षिण भारत की जानी-मानी फाइनेंसियल कम्पनी मेसर्स दुगड़ इन्वेस्टमेंट्स प्रा लि, के डायरेक्टर हैं। आप काफी सक्रिय कार्यकर्ता हैं। मद्रास की कई धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक संस्थाओं में लगभग 62 पदों पर कार्य कर रहे हैं। श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, कोण्डीतोप के आप अध्यक्ष हैं। सभी सम्प्रदायों के संत-सतियों की सेवा आप काफी दिलचस्पी से करते रहते हैं। आप काफी उदार दान-दाता भी हैं। धार्मिक आयोजनों में आप सेवा करने में सबसे आगे तत्पर रहते हैं।

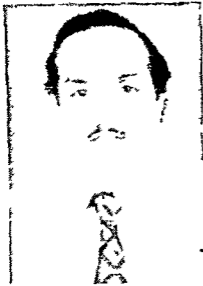
आप भी परिपद के विगत पाँच वर्षों से सदस्य एवं प्रमुख स्तम्भ हैं।

सम्पर्क सूत्र:-

M/s Dugar Investments Limited

Regd. Office : 805, Mount Road, (Opp. L.I.C. Bldg.)

Madras-600 002 Phone 87888 Grams : DUG FINANCE



श्री नृपराज शादीलाल जैन (वस्वर्ड)

मदम्य

जीवन परिचय

आप वस्वर्ड नगर के भनपूव महापोर स्व श्री शादीलालजी जैन के मुपुत हैं। आपन अपन पुत्र पिताथी क गम्त पर चलन का नियम बना रखा है। आप पजाव जैन भातसभा के अध्यक्ष हैं एवं आपन जैन महामण्डल क नवनिवाचित अध्यक्ष हैं। आप अभी वस्वर्ड मे जानी मानी पमित 'वाडन वाट पमित' के आप टायरेक्टर हैं। सभी सम्प्रदायो क माधु-साधिवीयो की सेवा करन एवं सभी गामिक प्रबन्धियो मे आप काफी रुचि के साथ हमेशा अग्रसर रहते हैं। आप अनेक गामिक सामाजिक अ गणिक मन्थायो मे निमी ने निमी पद मे जुडे हुए हैं। आप वरन न जान्न स्वभावा एवं शुन मे ही हानहार परिश्रमी एवं उसाही कायकता है। अखिन भागनवर्षीय श्वताम्बर स्थातकवामी जैन वार्डेमे क नवनिवाचित उपाध्यक्ष भी हैं। आप सामाजिक व गामिक कायो मे उद्वन ही दिलचस्पी मे भाग लेन रहन हैं। आपको समाज के काय करन की उद्वन हा रुचि है सभी सम्प्रदायो क माधु साधिवनो की आप उद्वन ही मन्ची थडा के मान सेवा करन रहन है।

आप विगत चार वर्षो मे परिपद क मदम्य एवं आजीवन मन्स्य हैं।

सम्पक सूत्र —

M/s Lion Pencils Pvt Ltd
Parijat, 95 Marine Drive, Bombay-400002

श्री पुखराजजी लुंकड़
(बम्बई)

सदस्य
जीवन परिचय



मूलत जलगाँव निवासी श्री पी एस लुंकड़ वम्बई में अपनी उदारता, मिलनसारिता और सौजन्यता से केवल व्यापार उद्योग में ही नहीं बल्कि सार्वजनिक क्षेत्र में भी जाने-माने व्यक्तित्व हैं। भारत जैन महामण्डल के प्रधानमंत्री, अ भा स्थानकवासी जैन काफ़ेस, दिल्ली के उपाध्यक्ष एवं देशभर की धार्मिक, सामाजिक अनेक संस्थाओं में आप पदाधिकारी हैं। सुपर 8 एमएम प्रोजेक्टर्स तथा प्रोसीसी 16 सुपर आर्ट फिल्म आपके उद्योग हैं। पी एस लुंकड़ चेरिटेबल ट्रस्ट और दूसरे ट्रस्टों के द्वारा सेवाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

आप भी इस वर्ष परिपद् के संरक्षण सदस्य बनाये गये हैं।

सम्पर्क सूत्र:—

M/s. P,D.R. Vedotronics 99, Old Prabha Devi Road, Bombay-400026
Tel. No. 4226424—4226536—4223565 Factory—681681



श्री वजरगलाल जैन सराफा
सवाई माधोपुर
 सत्य
 जीवन परिचय

आपका जन्म सवाई माधोपुर (गज) के लठवा रम्प में हुआ। पांचवाँ वर्ष में ही आप सवाई माधोपुर छोड़ कर वहाँ पर आपका स्वतंत्र गणना का गणना प्रारम्भ किया। इमानदारी, सत्ये महत्त्व में आप शुरू से ही विख्यात हो गए। उसके अलावा भी आपका हाँस मेजस्टर, इन्वीन्टर “फ्रीजीन्टर” आउट तो भी एक चून्डर घाटि से भी लज्जेमियाँ हैं। आपका पाँच वर्ष पहले जो प्रथम भयान् बनाया है वही पर सट गामिन, बवाहिन सामाजिक आवाजन हान का रहन है। उमा मरान शुरू शहर में लगे नती है। आप मूदुभाषी, हँसमुख, मितनमाग प्रमिति व व्यक्तित्व है। सभी सम्प्रदायों व मत सनियों से मया रचना आप अना अनाभाग समनन है। आपका पन्मावना-गानवान जन समाज में काफी प्रसिद्ध है। आप अभी अनाम्बर स्यातक्यामी जन श्री मघ सवाई माधोपुर के अध्यापक हैं। सवा के हर रूप में आप अध्यापक रहन है।

आप अपना अट बड़ा य परिष्कृत व सभी पट पर ताप कर रहे हैं।

सम्पन्न सूत्र — वजरगलाल महाबोर प्रसाद जन सराफा

सराफा जानार, सवाई माधोपुर (गज) - 322021 फोन नं दुकान 362 घर 407

**श्री नेमनाथ जैन,
(इन्दौर)**

सदस्य
जीवन परिचय



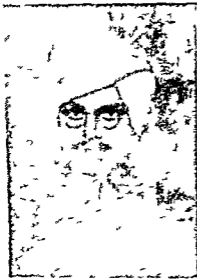
आपका जन्म 54 वर्ष पूर्व रावल पिण्डी मे हुआ। आप वहाँ से इन्दौर आ गये। इजी-नियरिंग, इलेक्ट्रिकल्स, मेकेनिक चायलर की शिक्षा ग्रहण करने के बाद आपने अपना स्वतल व्यापार आरभ किया। आज आप प्रसिद्ध उद्योगपतियो मे गिने जाते है। आपने कुशल प्रवध सचालन के रूप मे "प्रेस्टीज उद्योग समूह" को मध्य प्रदेश के ख्यातनाम उद्योग समूह की पक्ति मे महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है। प्रेस्टीज उद्योग के अन्तर्गत निम्नलिखित कई उद्योग समूह है जिनमे गैस सिलिण्डर, सोयाबीन, सात्वेट, स्टील, टी वी , सावुन, तेल आदि सस्थाओ मे आप किसी न किसी पद पर आसीन है।

आपको 1984 मे "उद्योग पत्र" पुरुष्कार भी उपराष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया गया है। आपकी सभी साधु-साधिवयो के प्रति काफी गहरी श्रद्धा है। आप धार्मिक प्रवृत्ति के हसमुख मिलन-सार व्यक्ति है।

आप भी विगत दो वर्षों से परिपद के सरक्षण सदस्य है।

सम्पर्क सूत्र:-श्री प्रेस्टीज फूड्स लिमिटेड,

33, जावरा कम्पाउण्ड, एम.वाई रोड, इन्दौर-452002 (म प्र)



श्री जी. कन्हैयालाल साहूकार अरकोणम् (तमिलनाडू)

मदस्य

जीवन परिचय

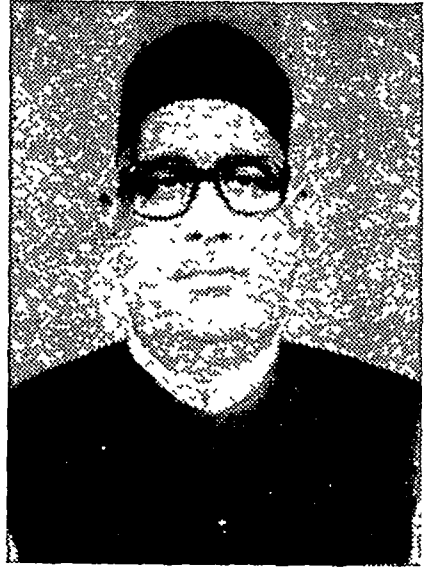
आपका जन्म गुरुमानम गंगल मारुयाम दृष्ट्या। आप 10 वर्ष की आयु में ही अरकोणम् या यत्र अब 25 वर्ष की आयु में ही स्वतंत्र व्यापार आरम्भ कर लिया। अरकोणम् का जन स्थापक आपकी ही उत्साहना ही प्रतीक है। आप सत्य मरुपर रेशमी जो मया एवं प्रवक्तृ या रूपरत्नजी मया व पत्नी भवत है। आप एक मरुशिक्षा व रिमो न रिमो रूप में जुड़ हुए हैं। मरु मरुपर रेशमी की मया व रानी वानुमाम म आपन खर मवा का लाभ लिया आपकी इच्छा है कि परिचित व द्वाग स्वतंत्र निर्भीक जन मध्यस्थता का एक साप्ताहिक पत्र निकाला जाए।

आप विगत का वसा में परिचित व मरुस्य है।

सम्पर्क सूत्र जा कन्हैयालाल साहूकार,
76 गंगार स्ट्रीट,
अरकोणम्-631001
एन ए डिस्ट्रिक्ट (तमिलनाडू)
फोन 396

श्री फूलचन्द जैन-(पोरवाल) [इन्दौर]

सदस्य
जीवन परिचय



आपका जन्म सवाई माधोपुर के पास भूरी पहाडी ग्राम मे सन् 1926 मे हुआ। आप सन् 1938 मे इन्दौर आये थे, और मिठाई नमकीन का व्यवसाय प्रारभ किया। अपने समाज मे जितनी भी धार्मिक और शैक्षणिक सस्थाएँ है उनमे आप कही न कही जुडे हुए है। आप धार्मिक एव पारमार्थिक विचार धारा के व्यक्ति है। आप श्री वर्धमान-स्थानकवासी जैन श्रावक सघ इन्दौर के ट्रस्टी है। कोई भी समारोह या आयोजन होता है तो उसमे आप अवश्य सम्मिलित होते ही है। आपका समाज मे काफी प्रभाव है। बाहर गाँव के दर्शनार्थियो की काफी दिलचस्पी से सेवा करते है।

आपभी विगत दो वर्षों से परिषद के सदस्य एव आजीवन सदस्य बने है।

सम्पर्क सूत्र : श्री पार्श्वनाथ सेव भण्डार,
130, जवाहर मार्ग, इन्दौर-452002
फोन न 22284



श्री मोफत राज मुणोत [बम्बई]

मदम्य

जीवन परिचय

आपका जन्म 1 अक्टूबर 1944 का राजस्थान प्रांत में भागनाड में जापुर जिले के पीपाड मिट्टी में हुआ। आपका जन्म उस में ही अपना कमन्टेशन का प्रथम उम्बई से आरम्भ किया और विद्या तक फटा दिया, आप उस के प्रति भी काफी आग्रह्य है। कई गामिन व सामाजिक मन्त्राओं में आप काफी मन्त्रिय है आप आचार्य श्री हम्मीमन जी महाराज साहब के अनन्य भक्त हैं। आप सम्यग ज्ञान प्रचारक मण्डल के सहायक अध्यक्ष हैं एवं श्रीमदान वसु मन्त्रालय उम्बई के अध्यक्ष हैं।

आप भी इस वष परिषद के सदस्य रहे हैं एवं इस वष पर स्यातकामी जन चातुर्मासि सूची चार का प्रकाशन भी आपका हाथ ही हुआ है।

सम्पर्क सूत्र श्री मोफत राज मुणोत

91 कल्पवृक्ष, 27 वी जी गैर माण,

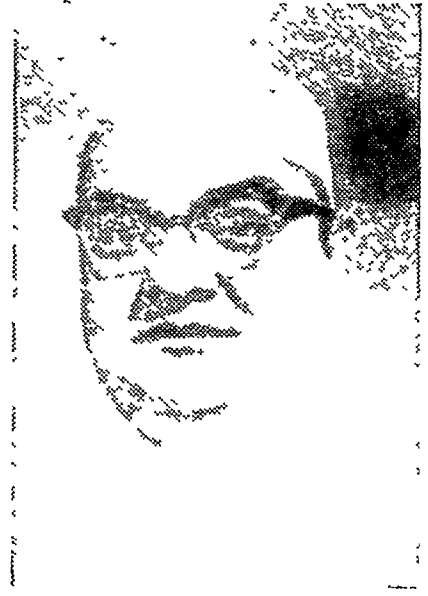
राजनेश्वर, उम्बई-400006

फोन 244123 8125205

श्री संचालाल बाफना [औरंगाबाद]

सदस्य

जीवन परिचय



आपका जन्म महाराष्ट्र मे धुलिया जिले के फागनागाँव मे 9-7-1919 को हुआ। आपने पढाई पूर्ण करने के बाद स्वतंत्र व्यापार आरम्भ कर दिया अभी आप बाफना ग्रुप ऑफ इण्डस्ट्रीज के डायरेक्टर है। धार्मिक -सामाजिक, शैक्षणिक, राजनैतिक कई सस्थाओं के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष मंत्री, परामर्शदात्री सदस्य आदि किसी न किसी पद से अवश्य जुडे हुए है। अ.भा श्वे. स्थानक-वासी जैन काफ्रेस के आप विगत 5 वर्षों से अध्यक्ष पद का कार्य भार सभाले हुए है। आप मृदुभाषी मिलनसार कर्मठ कार्यकर्ता है। आप समाज की काफी सेवा कर रहे है।

आपका समाज मे काफी वर्चस्व है। आप सभी सस्थाओं को दान भी देते रहते है।

आप भी इस वर्ष परिषद के आजीवन सदस्य बने है।

सम्पर्क सूत्र : श्री संचालाल बाफना

श्री कैलाश मोटर्स, जालनारोड,
औरंगाबाद-431001 (महा)

फोन नं - 8529, 8314, 4692, 4384, 4222 8527



श्री फूलचन्द लुणिया [वैंगलौर]

मदस्य
जीवन परिचय

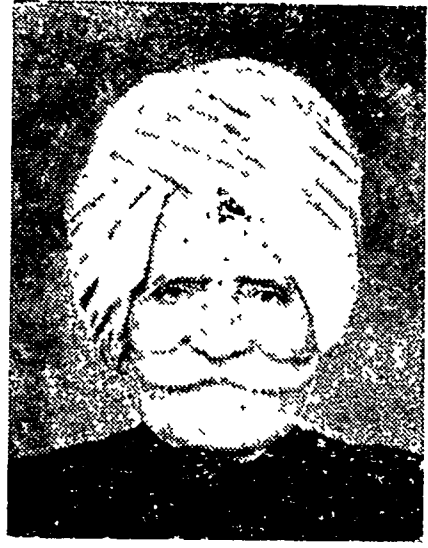
आप मदन राजस्थान के रहने वाले हैं। कट गणों में आप वैंगलौर में रहते हैं। आप वैंगलौर के जाने पहचाने बरिष्ठ टानवीर मठ हैं। आप वैंगलौर के टानवीर मठ का के नाम में प्रसिद्ध हैं। आप जन जी मय के भाष्य प्रवचन भी करते हैं। वैंगलौर में यदि किसी टान का नीचे का मठ सुन्यात रहती है तो आप ही उसका श्रीगणना करते हैं फिर चाहे वे ही किसी मठ के नाम विज्ञा जाते हैं उनका प्रवच्य आपका आत्र भी वैंगलौर में विद्यमान है। आप मठ के गणनागत शान स्वभाव के मठ गणनागत प्रमुख टानवीर समाज हितगी धारक हैं। धर्म के प्रति आपसी मया बढ़ा है। आप वैंगलौर की जिनगी में गामिक सामाजिक श्रमणिक मध्यागें के मन मभा में रहते हैं नुड हुए हैं।

आप भी उस रूप परिचय के मरनाग गणनागत हैं।

मदस्य मय श्री किशोरलाल फूलचन्द लुणिया
गैणन ग विंगलौर, वैंगलौर 560053 (कर्नाटक)

स्व. श्री प्रेमराज जी कामदार बैंगलौर

संक्षिप्त जीवन परिचय



कामदार सा समाज के लब्ध, प्रतिष्ठित, वयोवृद्ध, अनुभवी गहरे जीवन दर्शी एव कुशल कार्यकर्ता थे। धर्म के दृढ सतम्भ समाज गौरव सदा मुस्कराते रहने वाले गुणशाली, विवेक, धैर्य, शान्ति और सतोष के धनी श्री मरूधर केशरजी के विश्वासी और अति निकट के आदर्श श्रावक थे। आपके व्यक्तित्व का निर्माण ही माधुर्य और सौजन्य के अनन्त मधुमय से हुआ था। तीन-तीन ठिकानों की कामदारी में भी उन्होंने अपनी पवित्रता और निर्मलता को सर्वांगीण रूप से उज्ज्वल बनाये रखकर यशस्वी और कीर्तिमय जीवन जीए। राजस्थान के जैन सभ्यता संस्कृति के और प्राचीन आदर्श परम्पराओं की छत्र छाया में और उनके यशस्वी जीवन के प्रताप से समाज में, व्यवसाय में, साधु-सतों में और मित्र मण्डली में सम्माननीय स्थान प्राप्त किया। आपके सुपुत्रों में श्री मीटालालजी एव श्री नेमीचंद जी कामदार अभी बैंगलौर में ही रहते हैं।

आपके सुपुत्र इस वर्ष परिपक्व के संरक्षण एव सदस्य बने हैं।

सम्पर्क सूत्रः--

M/s M M Textile Corporation
5/6, B V.K Iyengar Road
Opp. Abhinay Theatre
Bangalore-560053



सेठ सा. श्री सरदारमल मुणोत (रियावाले) बम्बई

प्रमुख स्तम्भ सदस्य

जीवन परिचय

आपका जन्म सन् 1942 में राजस्थान में कुचामन मिट्टी में हुआ था। आप सन् 1964 में नागपुर में गणित में एम. ए. में प्रथम क्रमांक प्राप्त किया। वहाँ से आप सन् 2001 में बम्बई चले गये। आपका पेशा व्यवसाय एम. ए. में प्रथम क्रमांक प्राप्त किया है। सभी विषयों में आपका काम सफल रहा है। आपके पाँच पुत्र-सुतारमल, सुतारमल, श्री नवरत्नमल, श्री सुतारमल, श्री परममल एम. ए. में प्रथम क्रमांक प्राप्त किया है। एम. ए. में प्रथम क्रमांक प्राप्त किया है। आपका पूरा परिवार जोधपुर प्रकृति में मगन है। हरेक धार्मिक कार्यों में आप सक्रिय भाग लेते हैं। आपकी पत्नी श्री कुचामन मिट्टी में स्कुल, डॉक्टर, अस्पताल, आदि में कार्य करते हैं। आपका पूरा परिवार यहाँ प्रकृति में मगन है। आपका परिवार मारवाड़ में प्रकृति में मगन है। प्राचीन काल में ना कुटो मारवाड़ के टाई घर में आपका जन्म हुआ था। प्राचीन काल में श्री राजा महा... द्वारा आपका सन्तान प्रदान करते हुए हैं।

आपकी सेवाएँ और परिश्रम के प्रमुख स्तम्भ एवं सदस्य हैं।

सम्पर्क सूत्र श्री नवरत्नमल एम. ए. जन

613, मकर चैम्बर नं 5

221, जयमन पाट

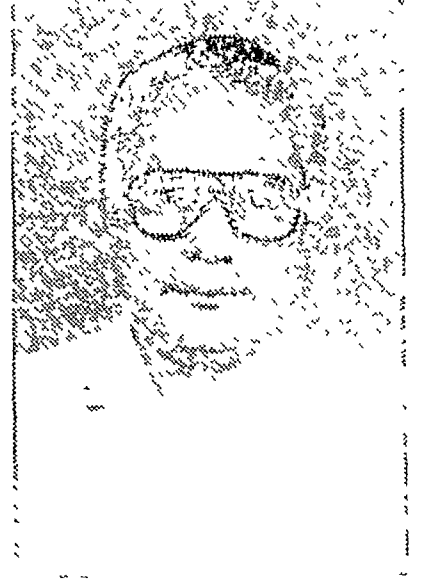
बम्बई-400 021

फोन आश्रित 230680 244921, निवास-8224532, 8225487

श्री हंसमुखभाई वी, मेहता (बम्बई)

सदस्य

जीवन परिचय



आप मूलतः गुजरात के रहने वाले हैं। कई वर्षों से बम्बई में ही रहते हैं। अभी आप बम्बई की जानी-पहचानी बिल्डर्स कम्पनी वर्धमान बिल्डर्स एव निर्वाण ग्रुप बिल्डर्स के भागीदार हैं। आपकी बचपन से ही धार्मिक कार्यों में काफी रुचि रही है। आप कई धार्मिक सामाजिक, शैक्षणिक संस्थाओं में किसी न किसी पद से जुड़े हुए हैं। सभी सम्प्रदाय के साधु-साध्वियों के प्रति आपकी काफी श्रद्धा है। आप बहुत ही विनम्र प्रकृति के होनहार कर्मठ कार्यकर्ता हैं। समाज के सभी कार्यों में मुक्त कंठ से आर्थिक सहयोग भी देते रहते हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सदस्य एवं आजीवन सदस्य हैं।

सम्पर्क सूत्र : श्री हंसमुखभाई वी. मेहता

वर्धमान ग्रुप, 40-41 विशाल शॉपिंग सेंटर, सर एम वी. रोड

अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई-400069

फोन 585948-6347804



श्री सुगालचन्द्र जैन (मद्रास)

महाम्य

जीवन परिचय

आपका जन्म गजस्थान में साजन के पास गियार गांव में आज से 42 वर्ष पूर्व श्रीमान नयमनजी सा जैन के यहां हुआ। आप वहां से मद्रास आये एवं लाटरी का कार्य प्रारंभ किया। अभी आप कई राज्यों की लाटरी के स्टैंडिस्ट व गजट का कार्य करते हैं। आप मट्टभाषी, मुंडाल, हंसमुख चेहरा, हानहार, कमठ, नवयुवन हैं। आप बहूत ही गानवीर मठ हैं। अभी तक आप लगभग 30 लाख रुपये का गान विभिन्न सम्पत्तियों से टूट चुके हैं। सोड आपका यहां से खाली हाथ नहीं आता है। आप मुक्त कठ से मह्य सभी को कुछ न कुछ महायत्ना अवश्य कर रहे हैं। सभी मन-मनियों के प्रति आपकी अगाध मन्वी श्रद्धा है। आनिध्य सेवा भी काफी रूचि में करते हैं। मद्रास की कठ धार्मिक सामाजिक, जन्मणिक स्वास्थ्य सम्पत्तियों में आप किसी न किसी पद में जुटे हुए हैं।

सम्पर्क सूत्र सुगाल लाटरी एजेंसी

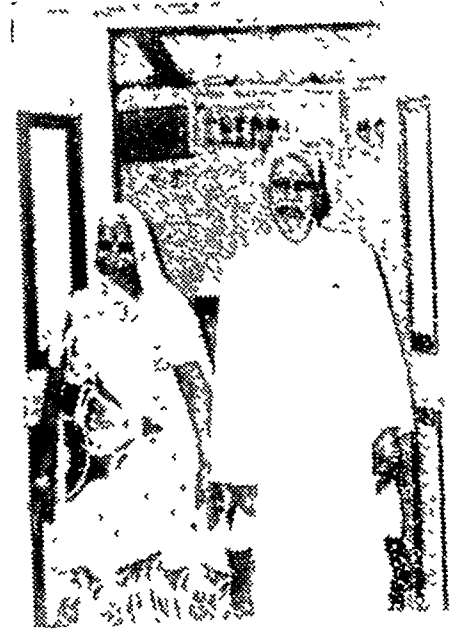
170, ट्रीपली स्ट्रिट हाट गड, मद्रास 600005 (तमिलनाडु)

फोन आफिस 8 45694 841066

फोन निवास 842771

श्री माणकचन्द साँखला [अजमेर]

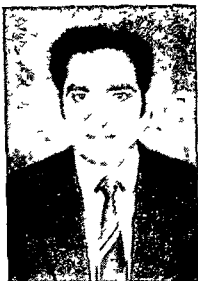
जीवन परिचय



आपका जन्म राजस्थान मे अजमेर जिले मे जेठाना ग्राम मे हुआ। वहाँ से आप अजमेर आ गये और आपके सुपुत्र श्री रतनलालजी सा एव श्री कमलचदजी सा आदि अभी वम्बई मे जवाहरात का व्यापार करते है। आप धार्मिक प्रवृत्तियो मे अच्छी रुचि रखते है। समय-ममय पर धार्मिक एव सामाजिक कार्यों मे सहयोग दिया ही करते है। आप आचार्य श्री नानालालजी स सा. के परम भक्त है। चातुर्मास काल मे आचार्यश्री जी की ही सेवा मे अधिकाश समय विताते है। आपका हरा-भरा पूरा परिवार है। आप सभी धार्मिक सामाजिक कार्यों मे बहुत ही दिलचस्पी से भाग लेते रहते है।

आप भी इस वर्ष परिपद् के प्रमुख स्तभ बने है।

सम्पर्क सूत्र:--श्री माणकचन्द रतनलाल साँखला
मु पो अजमेर (राज)-305001



श्री सुरेशकुमार तालेरा

[पूना]

आजीवन सदस्य

जीवन परिचय

आपका जन्म महाराष्ट्र प्रांत में पूना में सन 1948 को हुआ। पढाई करने के बाद आप हाटल व्यापार में मग्निय हो गये आज सम्पूर्ण पूना शहर में हाटल व्यवसाय में आपका नाम अग्रणी है। आप धार्मिक प्रवृत्ति के व्यवहार कुशल नवयुवक हैं। बड़े धार्मिक, ज्ञानिक, सामाजिक स्वास्थ्य सस्त्राओं से विभी न विभी पत्र में जुड़े हुए हैं। समाज के हर काम में आगे रहते हैं। सत मतियों की काफी रचि में सवा करत रहते हैं। आप पूना जमीज के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद के आजीवन सदस्य बन हैं।

सम्पर्क सूत्र मेसर्स तालेरा होटलीयस प्रा लि 13, मिलमन गाउन, मातीलाल तालेरा मार्ग,
पूना 411001 (महाराष्ट्र) फोन 61414-61616

श्री भैवरलाल गोटावत (बैंगलौर)

सदस्य

जीवन परिचय

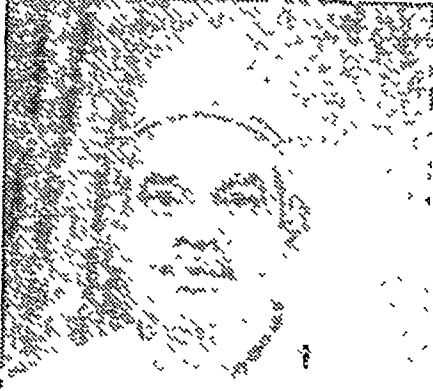
आप मूलतः सोजत सिटी के रहत वाले हैं वहा से आप बैंगलौर आ गये अभी आप बैंगलौर में सिल्क माडियों का व्यापार करत हैं। श्री व स्था जन श्रावक सघ बैंगलौर के आप वनमान में अध्यक्ष हैं। आप बहुत ही मृदुभाषी शात, स्वभावी मृदुभाषी प्रवृत्ति के हैं। आतिथ्य सेवा भी काफी रचि से करते हैं। आपका समाज में काफी वचस्व है। कोई भी काम समाज में होता है वहा आपकी उपस्थिति अनिवाय रहती है। सभी सदस्यों को दान भी देते रहते हैं। सभी सत सतियों के प्रति आपकी काफी अगाढ़ श्रद्धा है।

आप समाज के कमठ काम कर्ता हैं।

आपकी दस वर्ष परिषद के सरक्षण सदस्य बन हैं।

सम्पर्क सूत्र श्री भैवरलाल गोटावत

मेसर्स गोटावत मिक्स एम्पोरियम, राजा मार्केट
चिन्नपेट नास, बैंगलौर-560053 (कर्नाटक)



श्री बद्रीलाल जैन [पोरवाल] (इन्दौर)

आजीवन सदस्य

संक्षिप्त जीवन परिचय

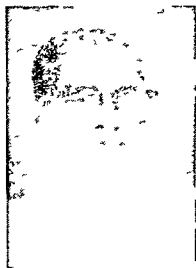
आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के सवाई माधोपुर जिले के अन्तर्गत रावल ग्राम मे संवत् 1990 मे हुआ । आपके पिताजी का नाम श्री कवर लालजी जैन पोरवाल है। सन् 1951 मे आप इन्दौर आये और नमकीन का व्यवसाय प्रारभ किया। आप सन् 1969 से 1973 तक श्री ज्वेताम्बर जैन पदमावती पोरवाल सघ इन्दौर के अध्यक्ष पदपर भी रह चुके है। आपने पोरवाल भवन इन्दौर के कार्य मे एक कमरे का भी निर्वाण अपनी ओर से करवाया है। समाज के हर कार्यक्रम मे आप अग्रणी रहते है। आपके अध्यक्ष पद के कार्यकाल मे सामूहिक विवाह के कार्यक्रम बडे सफल रहे। समाज की जितनी भी धार्मिक सामाजिक सस्थाएँ है उनमे आप किसी न किसी पद से जुडे हुए है। आप श्री वस्था. जैन श्रावक संघ इन्दौर के ट्रस्टी भी है। आपका भी समाज मे काफी वर्चस्व है। आप मृदुभाषी, व्यवहार कुशल, और मिलन सार व्यक्ति है।

आप भी इस वर्ष परिषद के आजीवन सदस्य बने है।

सम्पर्क सूत्र : मेसर्स पोरवाल सेव भण्डार

1/2, शीतलामाता बाजार, गोरा कुंड चौराहा,

इन्दौर-452002 (म.प्र) फोन . 32103



श्री मांगीलाल कोठारी [इन्दौर]

जीवन मद्स्य

जीवन परिचय

आपका जन्म मध्यप्रदेश के खरगोन न पाम ग्राम घाटिया में श्रीमान अजय राजजी कोठारी के यहाँ सन् 1974 में हुआ। शिक्षण समाप्त में पूर्ण करने के बाद आप सन् 1933 में इन्दौर आ गये और अपना स्वतंत्र व्यापार प्रिंटिंग प्रेम का आरम्भ किया। आज आप रीगल इण्डस्ट्रीज के मालिक हैं। लिफाफे स्टेशनरी सामान कब आदि के व्यवसाय में आप सम्पूर्ण में प्र मे व्यापारिता नाम कमा रहे हैं।

आप बहुत ही ज्ञान सरन स्वभाव के कमठ कायस्ता हैं। समाज के हर काम में आप हमेशा आगे रहते हैं। सभी सम्प्रदायों के मत मतिरों में आप बहुत ही मंचि एव थ्रद्धा से सेवा कर अपने आगरा जय मानते हैं।

आप मा एम जग परिषद के आजीवन सदस्य जा हैं।

सम्पर्क सूत्र मेसर्स रीगल इण्डस्ट्रीज

37/1, नाथ राजमाहल्ला इन्दौर 452002 (म.प्र.)

फोन 36534

श्री राजेन्द्र ए. जैन
(बम्बई)

आजीवन सदस्य
जीवन परिचय



मूलतः रतलाम एव वर्तमान मे बम्बई मे रहने वाले उत्साही, कर्मठ, सेवाभावी कार्यकर्ता श्री राजेन्द्र जैन भारत जैन महामण्डल की केन्द्रीय कार्यसमिति के सदस्य है। कई ट्रस्टो एव धार्मिक संस्थाओं से जुडे हुए श्री जैन इस्टेट एजेन्ट एव फायनेन्स व्यापार से जुडे हुए है। उदार, सरल और सबके सुख-दुख मे साथ निभाने वाले श्री राजेन्द्र जैन समाज के कर्मठ व्यक्ति है।
आप भी परिपद के इस वर्ष आजीवन सदस्य बने है।

सम्पर्क सूत्र : श्री राजेन्द्र ए. जैन
907, एरेकेडीया, नरीमन पॉइंट, बम्बई-400 021
फोन : 233368-4308036

श्री सम्पतराज खारीवाल

(मद्रास)

आजीवन सदस्य
जीवन परिचय

आप मूलत राजस्थान प्रान्त क पाली मारवाड के रहन वाले हैं। वहाँ स आप मद्रास आ गये श्री इलेक्ट्रिक सामान का व्यापार आरंभ किया। अभी आपकी मद्राम म तीन दुकान है। आप वा भाद व्यापार का काय एक साज करत ह। सभी कार्यो म काफी रुचि से भाग लेते रहत हैं।

आप भी परिपत्र क डम उप आजीवन सदस्य बन ह। विस्तृत विवरण व फोटो की प्रतीभा म)

सम्पक सूत्र मेसस लक्ष्मी इलेक्ट्रिक स्टोस
नताजी मुभापचंद्र जोस भाग,
साहूकार पठ मद्राम 600079 (तमिलनाडु)

श्रीमान पारसमल बागरेचा

(बैंगलौर)

आजीवन सदस्य

जीवन परिचय

आप मूलत राजस्थान क निवासी हैं। वहाँ स आप बैंगलौर आ गये वहाँ पर स्टील वतनों का व्यापार आरंभ किया। आज चिफपट मे आपकी वतनों की सबसे बड़ी एव विष्वसनीय पुगनी दुकान है। आप बहुत ही मृदुभापी शात स्वभावी एव सुलभ हुए विचारों के होनहार बमठ कायकता ह। आप धार्मिक सामाजिक कार्यो म बहुत ही दिलचस्पी स भाग लेते रहते हैं।

आप भी उम वष परिपत्र क आजीवन सदस्य बन ह।

सम्पक सूत्र

Parasmal Bagrecha

Shah Bhuthaji, Misrimal & Sons Stenless Stell Merchant

No 169, Avenue Road, Bangalore-560002 (Karnatka)

Tel No off 76320 71568 Res: 366534

श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ ट्रस्ट (रजि.) (अशोक नगर, शूले, बैंगलौर)

आजीवन सदस्य

एक संक्षिप्त परिचय

श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ (ट्रस्ट) शूले अशोकनगर बैंगलौर की स्थापना आज से 50 वर्ष पूर्व स्व सेठ सा श्री छगनमलजी सा. मूथा ने अपने सम्माननीय साथियों के सानिध्य में की। अशोक नगर में दो स्थानक हैं एक सत सतियों के चातुर्मास होते हैं तो दूसरे में समाज के मांगलिक एवं समाजोत्थान के कार्यक्रम सम्पन्न होते हैं। पास के धर्मशाला एवं पुस्तकालय एवं धार्मिक पाठशाला भी हैं। यहाँ पर कर्नाटक केशरी स्व. श्री गणेशीलाल जी म सा, श्री धर्मेश मुनि जी म सा महासती जी श्री आनन्द कुँवरजी म सा, महासती जी श्री मैना सुन्दरी जी म. सा, आदि सत सतियों का भी चातुर्मास सम्पन्न हुए हैं। दक्षिण भारत में विचरण करने वाले साधु-साध्वियाँ यहाँ जरूर पधारते रहते हैं।

आज सेठ सा श्रीमान् छगनलालजी सा. हमारे बीच में नहीं हैं परन्तु उनकी अन्तर भावना और उनके उध्दासन आज भी इन इमारतों में प्रतिध्वनित हो रहे हैं।

यह संघ भी इस वर्ष परिषद् का आजीवन सदस्य बना है।

श्री सम्पत राज मरलेचा

अध्यक्ष

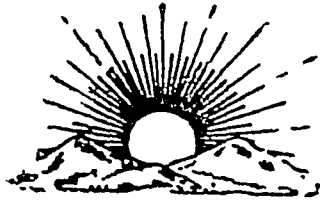
श्री शान्तीलाल चौपडा

मंत्री

सम्पर्क सूत्र:—श्री सम्पत राज मरलेचा, अध्यक्ष

न 6, पुलियार कोयल स्ट्रीट,

अशोक नगर, शूले, बैंगलौर-560025 (कर्नाटक)





स्व० श्री मोहनलालजी
मेडतावाला
(पाली-मारवाड)
जीवन परिचय

आपन सुपुत्र श्रीमान भवरलाल जी मेडतावाला हम वप—परिपत्र न आजीवन सत्स्य जन ह । (विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा में)

सम्पर्क सूत्र श्री मेडतिया दूध भण्डार
खोड का वाम के ग्राहक शनिश्चर मंदिर न मामन जम स्टण्ड गड
पाली-मारवाड (गज)-306401

श्री मोहनलाल वोहरा
(बैंगलौर)

आजीवन मध्य
जीवन परिचय

आप मूलत राजस्थान प्रांत में फूलिया कला की निवासी हैं। वहां से आप बैंगलौर आ गये और अन्वुमीनियम का स्वतंत्र व्यापार आरंभ कर दिया। आप प्रम कबल्स के डायरेक्टर श्रीमान् गणपतलालजी वोहरा के छोट भाता ह। अभी आप समय माहने अन्वुमीनियम प्रा लि की टायरेक्टर हैं। स्वभाव की ज्ञान मृदुभाषी व्यवहार कुशलता की आप धनी ह। धार्मिक कार्यों में मन्त्र अग्रणी रहते ह।

आप भी हम वप परिपत्र के आजीवन सत्स्य जन ह। विस्तृत परिचय एवं फाटा की प्रतीक्षा में)

सम्पर्क सूत्र मेसर्स मोहन अल्बुमीनियम प्रा लि
4 गी रोम गड, गाजीनगर,
जगलार-560024 (कर्नाटक)

श्री बाबूलाल मेघराज मेहता (सादडी भारवाड-मद्रास)

आजीवन सदस्य

जीवन परिचय

आप स्व श्री मेघराजजी सा सादडी वालो के सुपुत्र है। अभी आप मद्रास मे खाली बोटलो का व्यापार करते है। मेसर्स हिन्द बोटल स्टोर्स के नाम से सम्पूर्ण मद्रास में प्रसिद्ध है। स्व श्रीमान् मेघराज जी का गत वर्ष स्वर्गवास हो जाने के बाद परिवार का सारा बोझ आपके ही कंधो पर आ पडा है। आप उनके ही आदर्शों पर चलने को तैयार हो रहे है। आप मृदु-भाषी सरल प्रकृति के मेहनती कर्मठ कार्यकर्ता है। सभी धार्मिक सामाजिक प्रवृत्तियों मे दिलचस्पी से भाग लेते रहते है। विस्तृत विवरण एव फोटो की प्रतीक्षा मे

आप भी इस वर्ष परिषद के आजीवन सदस्य बने है।

सम्पर्क सूत्र : हिन्द बोटल स्टोर्स

115, नाइनप्पा नाइक स्ट्रीट, पी टी.

मद्रास-600003 (तमिलनाडु)

फोन न कार्यालय 31227 निवास 38906



स्व. श्रीमती तुलसीबाई कोठारी (खार-बम्बई) जीवन परिचय

आप परिपद के अध्येत श्रीमान मुखलालजी मा कोठारी की धर्मपत्नी थी। आप 55 वर्ष की अल्पायु में मिनान 6-1-1982 का अपन पीछ भरापूरा परिवार छोडकर स्वर्ग पवारी है। आपके दा मुपुत्र छमोलचन् एव श्री प्रकाशचन्द एव तीन सुपुत्रिया श्रीमती मनोरमाबाई, शोभाबाई एव ललिताबाई है। आप व्यवहार कुशल, सेवाभावी एव धार्मिक प्रवृत्तियों, साधु-माध्वियों के दर्शन करन, व्याख्यान वाणी मुनन आदि का वडा ही शोक था। आपका आगम अनुयोग प्रवक्त श्री कहैयालालजी मसा के प्रति इतना भक्ति भाव था कि वीमारी म वही नही जा सकती थी उस हालत म पूज्य मुनिथी न उनके शिष्य श्री विनय मुनिजी म सा को आपके वहा मगलीन मुनवाने हेतु सायन मे खार भज थे। आप अभी हमारे बीच मे नही हैं। परतु आपका स्नह प्यार वाणी की मृदुलता आज भी हमारे बीच मे आपकी याद दिलाती रहती है।

आपके मुपुत्र नी इम वर्ष परिपद के आजीवन सदस्य बने हैं।

सम्पर्क सूत्र -- श्री नूतन फर्नीचर भाटं

3 रा रोड, रेटवे स्टेशन के सामने,

खार राड (वेस्ट) बम्बई-400052

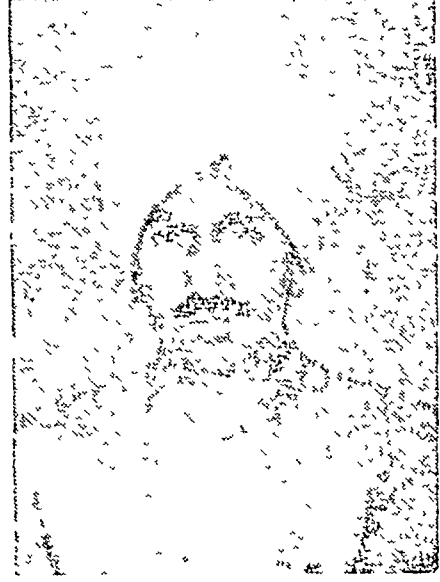
फोन आफिस 533992

निवास 542996

श्री हस्तीमल मुणोत
(सिकन्दराबाद)

परामर्श सलाहकार सदस्य

जीवन परिचय



आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के पाली जिले मे हुआ है। आप बचपन से ही सिकन्दरा-
वाद मे व्यापार के लिए आये। आज आपका व्यवसाय सिकन्दराबाद मे ज्वैलरी, फाइनेन्स आदि
का है। आप विगत पच्चीस वर्षों से पैरो से जूते, चप्पल नही पहनते है, रात्रि भोजन पानी का
का त्याग करते, दिन मे गर्म धोवन पानी का सेवन करते है, व खुले मुँह नही बोलते है।
आपका नाम समग्र जैन समाज मे काफी लोकप्रिय है। थमण सघ की ज्वलत समस्याओ को सुलझाने
मे आप काफी परिश्रम करते है। कही भी कोई समारोह, जन्म जयन्ती, तपोत्सव विमोचन या
कोई भी धार्मिक आयोजन हो वहाँ आप अवश्य शामिल होते ही है। श्री व स्था जैन श्रावक
संघ, सिकन्दरा वाद के आप विगत कई वर्षों से अध्यक्ष पद पर है।

आप विगत आठ वर्षों से परिषद् के परामर्श सलाहकार सहयोगी सदस्य है।

सम्पर्क सूत्र : श्री हस्तीमल मुणोत

7-2-832 पोट मार्केट, सिकन्दराबाद-500003 (आन्ध्रप्रदेश)



श्री मोतीलाल सुराना (इन्दौर)

परामश मन्तव्यकार मन्मथ

जीवन परिचय

यदि आप सम्पूर्ण भारतीय गुणों व दक्षता एवं ही व्यक्ति में एवं साथ करना चाहते हैं तो आपको इन्दौर नगर एक समाज सेवी श्री मोतीलाल सुराना के जीवन का निहारना होगा। मादा जीवन उच्च विचारों का मान्य रूप श्री सुरानाजी में कई विशेषताओं के अद्भुत आगमन में हुआ है। आपका सामाजिक एवं आध्यात्मिक क्षेत्र में विगत अर्ध शताब्दी पूर्व से जो सेवा का कीर्तिमान स्थापित किया है वह समाज सेवकों के लिए निश्चय ही आदर्श व प्रेरणास्पद है।

रामपुरा श्री सुरानाजी की जन्मभूमि है, ता इन्दौर आपकी जन्मभूमि ही है। आपका जन्म 21 जून, 1916 का हुआ।

सामयिक स्वाध्याय आपका जीवन का अंग बन गया है।

येदनी क धनी श्री सुरानाजी समय समय पर रचित वार्ताएँ एवं लघु बोध कथाओं का माध्यम से जन साधारण की चारित्रिक एवं आध्यात्मिक उन्नति की दिशा में प्रगति करते रहते हैं। उन भावनाओं में आत प्राण अतः हजारों से भी अधिक शिक्षार्थी बोध कथाएँ देश की विभिन्न जन पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित व प्रसारित हो चुकी हैं। उपरोक्त की 16 पुस्तकें अभी तक प्रकाशित हो चुकी हैं।

मना और परामशकार आपका जीवन का प्रमुख लक्ष्य रहा है।

आप उन्नत ही सरल स्वभाव वाले, निरभिमानी किन्तु स्वाभिमानी, मृदुभाषी, मारपूर्ण बोलने वाले और अतिथि प्रेमी हैं।

आप भी विगत पात्र वर्षों में परिपक्व परामश महयोगी मन्मथ के रूप में काफी कार्य कर रहे हैं।

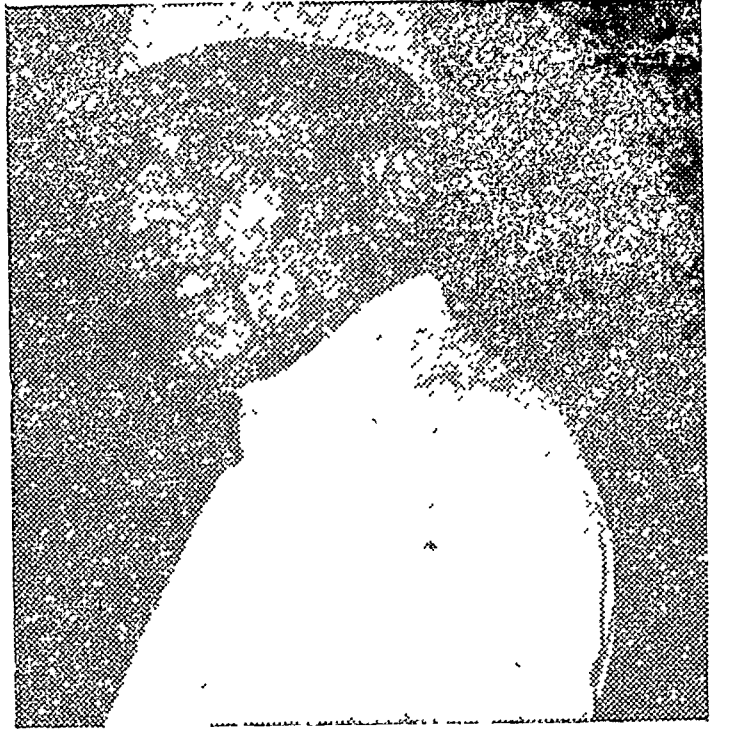
सम्पक सूत्र श्री मोतीलाल सुराना

17/3, चू पलामिया, इन्दौर-452002 (म प्र)

फोन नं 38868

श्री महासुखभाई जे. देसाई (बम्बई)

परामर्श सलाहकार सदस्य
जीवन परिचय



आप कई वर्षों से अभा श्वे स्था जैन काफेन्स द्वारा प्रकाशित जैन प्रकाश पत्र के आप सम्पादक हैं। दशाथी माली पाक्षिक के भी आप भूतपूर्व मानद संपादक रह चुके हैं। आप 82 वर्ष की उम्र में भी काफी उमंग, उत्साह कड़ी मेहनत के साथ कार्य करने के अलावा जयपुर की विश्व विख्यात प्रसिद्ध जौहरी फर्म श्री खेलशकर दुर्लभजी की बम्बई पेढी को सभालते हैं। आप श्री वृहद् बम्बई व स्था जैन महासंघ के मानद मंत्री एवं अभा श्वे स्था जैन काफेन्स के भी मानद मंत्री भी हैं इनके अलावा भी कई धार्मिक संस्थाओं से आप जुड़े हुए हैं। समग्र भारत के जैन समाज के आप जाने-पहचाने सम्पादकों में से एक हैं। कई संस्थाओं की ओर से आपका अभिनन्दन भी हो चुका है। आप धार्मिक प्रवृत्तियों में काफी रूचि रखते हैं।

आप भी विगत दो वर्षों से परिषद के परामर्श सलाहकार सदस्य हैं।

सम्पर्क सूत्र : श्री महासुखभाई जे. देसाई
अ भा. श्वे स्था जैन काफेन्स,
त्रिभुवन भुवन, 3 माला,
1, विजय वल्लभ चौक,
पायधुनी, बम्बई-400003 (महाराष्ट्र)

परिषद् के सहयोगी कार्यकर्ता



श्री बाबूलाल जैन (पारवाल) [कुण्डेरावाला-इन्दौर]

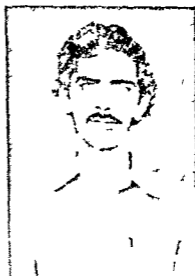
मध्यप्रदेश शाखा प्रतिनिधी
जीवन परिचय

आपका जन्म राजस्थान प्रांत में बहाल मांजापुर जिले के कुण्डेरा गांव में हुआ। आप जीमान राजरीमल जी पारवाल के ज्येष्ठ सुपुत्र हैं। आप यहां के उत्तार छात्रों में 12 वर्षों में नमस्तेन का स्वतंत्र 'बापा' रहते हैं। आप धार्मिक प्रवृत्ति के उद्धारवादी नवयुवक हैं। विगत 7 वर्षों में पृथ्वीराज में स्वाध्याय उत्तमर जान है। आप पारवाल समाज दण्ड जयपुर के भी प्रतिनिधी हैं एवं विगत 2 वर्षों में इस परिषद् के भी मध्यप्रदेश शाखा के प्रतिनिधी एवं महत्वागी कार्यकर्ता हैं।

सम्पर्क सूत्र—बाबूलाल पारवाल (जैन) 6-वीं राजानगर, इंदौर-462002 (म.प्र.)

श्री गोतम चन्द ओस्तवाल [वैंगलौर]

सहयोगी कार्यकर्ता
जीवन परिचय



आप भोपालगढ़ वाले गोतमचन्द्रजी ओस्तवाल के नाम से समाज में जाने जाते हैं। आपका जन्म भोपालगढ़ (राज.) में हुआ वहां से आप बंगलौर आ गये। आप धार्मिक सामाजिक कार्य के क्षेत्रों में अग्रसर रहते हैं। य. भा. जन. रत्न युवक समाज भोपालगढ़ के आप महामंत्री हैं। एवं कई संस्थाओं से जुड़े हुए हैं।

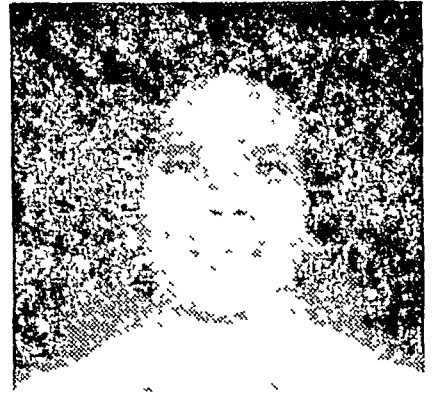
आप भी इस वर्ष परिषद् के कार्यकर्ता महत्वागी सदस्य बन हैं।

सम्पर्क सूत्र—श्री गोतमचन्द्र ओस्तवाल

136 तिममारड्डी राड, अम्पारड्डी पालयम, इंदिरा नगर, बंगलौर 560038 (कर्नाटक)

श्री दिनेश कुमार जैन
[सवाई माधोपुर]

सहयोगी कार्यकर्ता
जीवन परिचय



आप सवाई माधोपुर निवासी श्री मोतीलालजी जैन हलवाई के सुपुत्र हैं। आपका जन्म 3 सितम्बर 1966 में हुआ। आप अभी दुकान पर ही बैठते हैं। धार्मिक कार्यों में काफी रुचि रखते हैं। इस वर्ष आपने परिषद की सूचियों के लेखन का कार्य काफी दिलचस्पी से किया है। आप होनहार नवयुवक कार्यकर्ता हैं। समाज में कुछ कार्य कर दिखाने की भावना है। आप श्री महावीर क्लब सवाई माधोपुर के कार्यालय मंत्री भी हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सहयोगी कार्यकर्ता बने हैं।

सम्पर्क सूत्र:--दिनेशकुमार जैन S/o श्री मोतीलाल जैन हलवाई
पुराना खण्डार रोड,
सवाई माधोपुर (राज) -322021

श्री प्रकाशचंद्र पटवा (अध्यापक)

[बैंगलौर]

सहयोगी कार्यकर्ता
जीवन परिचय

आप बैंगलौर में धार्मिक स्कूल के अध्यापक हैं। आप पहले कर्नाटक जैन स्वास्थ्याय सघ के सयोजक थे। धार्मिक कार्यों में बड़ी दिलचस्पी से भाग लेते रहते हैं। आप धर्म के प्रति काफी श्रद्धावान हैं। मृदुभाषी कर्मठ कार्यकर्ता, परिश्रमी, होनहार नवयुवक हैं। आपने भी परिषद के लिए विज्ञापन आदि एकत्रित करने में काफी सहयोग प्रदान किया है।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सहयोगी कार्यकर्ता बने हैं।

श्री नवरत्नमल जैन [चौथ का वरवाडा]

मह्यागी कार्यकर्ता
जीवन परिचय



सत्य प्रतिभा र वनी—श्री नवरत्न मल जैन का जन्म राजस्थान प्रांत के मवाड सांगो-पुर जिले में चौथ ना परगाडा में 2 फरवरी, 1965 का हुआ। आप कवि अष्ट श्रीमान गोविंद रामजी जैन र द्वितीय मुपुत्र हैं। आपने वीए ध्यानम परीक्षा में सम्पूर्ण राजस्थान र अन्तर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। आप मन्वृत्त में एमए करने हुए श्री मध्यप्रदेश स्वाध्याय मण्डल इन्दौर में प्रथम पद पर उत्तीर्ण हैं। आप सुवि शाली, होनहार र मठ नवयुवक कार्यकर्ता हैं। इस वष आपने मूचियों र लखन काय में काफी योगदान दिया है।

आप भी इस वष परिषद के मह्यागी कार्यकर्ता बने हैं।

सम्पर्क सूत्र श्री नवरत्नमल जैन C/o श्री गोविंदराम नवलक्षोर जैन
मुपा चौथ का वरवाडा 322702 तिला मवाट भाधापुर (राजस्थान)



श्री प्रवीणभाई एच. शाह [गोरेगाँव-वस्वई]

सहयोगी कार्यकर्ता
जीवन परिचय

आपका जन्म 1930 में वस्वट में हुआ। अभी आप वस्वट में गोरगांव में रहते हैं। एव जाती जमान का कार्य करते हैं। आप धार्मिक सामाजिक कार्यों में बड़ी दिलचस्पी में रवि रहते हैं। स्वभावात् सम्प्रदाय व धातान प्रकर श्री कानिष्पिजी में सा श्री नवीन ऋषिजी में सा के आप अनन्य भक्त हैं। उन्हीं की प्रेरणा से आपने परिषद के लिए विनापन एकत्रित करने का कार्य आरंभ किया।

आप भी इस वष परिषद के सहयोगी कार्यकर्ता बने हैं।

सम्पर्क सूत्र—श्री प्रवीणभाई एच शाह 118/17 जवाहर नगर
रोड नं 8, बैंक बाए वडोदा के बाज में, गोरगांव (वेस्ट) वस्वई

अ. भा. स्थानकवासी जैन सम्प्रदायें तालिका 1986

(1) श्रमण संघ,

क्र.स	आज्ञा प्रदाता का नाम	चातुर्मास स्थल	संत	संतियाँजी	कुल ठाणा	श्रमण संघ में प्रतिशत
1.	आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषिजी म.सा.	40	30	142	172	19%
2.	उपाध्याय राज. केशरी श्री पुष्कर मुनिजी म.सा.	14	10	54	64	7%
3.	उपाध्याय प्रवचन केशरी श्री केवल मुनिजी म.सा.	36	51	60	111	12%
4.	मेवाड़ संघ शिरोमणि प्रवर्तक श्री अम्बालालजी म.सा.	6	9	11	20	2%
5.	अनुयोग प्रवर्तक श्री कन्हैयालालजी म.सा. 'कमल'	4	5	1	6	1%
6.	उत्तर भारतीय प्रवर्तक श्री पदमचन्द जी म.सा. 'भण्डारी'	73	90	222	312	34%
7.	मेवाड़ केशरी प्रवर्तक श्री मोहनलालजी म.सा.	7	4	29	33	3%
8.	मरु. रत्न प्रवर्तक श्री रुपचन्दजी म.सा 'रजत'	8	8	24	32	3%
9.	प. रत्न प्रवर्तक श्री उमेशमुनिजी म.सा. 'अणु'	19	13	60	73	8%
10.	दक्षिण केशरी श्री मिश्रीमलजी म.सा. 'खड्गधारी'	20	7	39	46	5%
11.	पुवाकवि श्री विनय मुनिजी म.सा. 'भीम'	8	2	30	32	3%
	अन्य संत-संतियाँजी	19	16	9	25	3%
	कुल	254	245	681	926	100%

(2) स्वतन्त्र सम्प्रदायें

क्र.सं	नाम सम्प्रदायें	चातुर्मास स्थल	संत	संतियाँजी	कुल ठाणा	स्वतन्त्र सम्प्रदाय में प्रतिशत
12.	आचार्य प्रवर श्री हस्तीमलजी म.सा.	9	16	35	51	7%
13.	आचार्य प्रवर श्री जीतमलजी म.सा.	11	7	31	38	5%
14.	आचार्य प्रवर श्री नानालालजी म.सा.	52	46	204	250	34%
15.	तपस्वीराज श्री चम्पालालजी म.सा.	51	38	227	265	36%
16.	उपाध्याय कवि श्री अमर मुनिजी म.सा.	9	17	7	24	3%
17.	आमुकवि प्रवर्तक श्री सोहनलालजी म.सा.	4	4	17	21	3%
18.	प्रसिद्ध वक्ता श्री गुदगोनलालजी म.सा.	6	27	—	27	4%
19.	तपस्वी रत्न श्री नानचन्दजी म.सा.	8	5	19	24	3%
	अन्य संत-संतियाँजी	25	21	15	36	5%
	कुल	175	181	5	736	100%

बृहद् गुजरात सम्प्रदायें

क्र स	नाम सम्प्रदायें	घातुर्माग स्थल	सन	मनिषात्री	कुल ठाणा	बृहद् गुजरात सम्प्रदाय में प्रतिशत
20	श्री गाहन मोटा पन् सम्प्रदाय	66	18	242	260	26%
21	श्री लिम्बडी मोटा पन् सम्प्रदाय	55	18	204	222	23%
22	श्री दरियापुरी सम्प्रदाय	27	14	106	120	12%
23	श्री लिम्बडी गोपाल (मधवी) सम्प्रदाय	14	9	88	97	10%
24	श्री बच्छ आठ काटी मोटा पन् सम्प्रदाय	21	11	71	85	9%
25	श्री बच्छ आठ काटी नाना पन् सम्प्रदाय	14	22	31	53	5%
26	श्री छमात सम्प्रदाय	8	11	33	44	4%
27	श्री बोटाद सम्प्रदाय	7	4	36	40	4%
28	श्री गोडल सधाणी सम्प्रदाय	7	1	30	31	3%
29	श्री बरवाला सम्प्रदाय	6	6	11	17	2%
30	श्री सायला सम्प्रदाय	1	2	—	2	—
	अथ सत-सतिषात्री	7	8	8	16	2%
	कुल	233	127	860	987	100%



अ.भा. श्वे. मूर्तिपूजक जैन सम्प्रदायों की तालिका 1986

(1) तपागच्छ समुदाय

क्रमांक	समुदाय का नाम	आज्ञा प्रदाता का नाम	चातुर्मासि स्थल	संत	सतियाँजी	कुल ठाणा प्रतिशत (%)	तपागच्छ में प्रतिशत (%)
1.	श्री विजय प्रेम सूरीश्वरजी म.सा.	आचार्य श्री विजय रामचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा.	134	409	398	807	16%
2.	श्री विजयनेमी सूरीश्वरजी म.सा.	" श्री विजय मेरु प्रभ सूरीश्वरजी म.सा.	111	166	335	501	10%
3.	श्री आनंद सागर सूरीश्वरजी म.सा.	" श्री विजय देवेन्द्र सागर सूरीश्वरजी म.सा.	133	115	573	688	14%
4.	श्री धर्म विजयजी म.सा. (डेहलावाले)	" श्री विजयराम सूरीश्वरजी म.सा.	62	41	201	242	5%
5.	श्री विजयवल्लभ सूरीश्वरजी म.सा.	" श्री विजय इंद्रदत्त सूरीश्वरजी म.सा.	69	62	189	251	5%
6.	श्री वृद्धिसागर सूरीश्वरजी म.सा.	" श्री विजय सुबोध सागर सूरीश्वरजी म.सा.	38	57	93	150	3%
7.	श्री विजयनीति सूरीश्वरजी म.सा.	" श्री विजय अरिहत प्रभसूरीश्वरजी म.सा.	90	60	320	380	8%
8.	श्री लब्धि सूरीश्वरजी म.सा.	" श्री विजय विक्रम सूरीश्वरजी म.सा.	37	56	143	199	4%
9.	श्री विजयभक्ति सूरीश्वरजी म.सा.	" श्री विजय प्रेम सूरीश्वरजी म.सा.	55	60	163	223	5%
10.	श्री विजय कनक सूरीश्वरजी म.सा. (वागडवाला)	" श्री विजय कलापूर्ण सूरीश्वरजी म.सा.	65	28	451	479	10%
11.	श्री विजय मोहन सूरीश्वरजी म.सा.	" श्री विजय यशोदेव सूरीश्वरजी म.सा.	55	40	179	219	5%
12.	श्री विजय केशर सूरीश्वरजी म.सा.	" श्री विजय भुवन सूरीश्वरजी म.सा.	43	19	155	174	4%
13.	श्री मोहनलालजी म.सा.	" श्री चितानन्द सूरीश्वरजी म.सा.	18	18	40	58	1%
14.	श्री विजय सिद्धि सूरीश्वरजी म.सा.	" श्री विजय भद्रकर सूरीश्वरजी म.सा.	10	25	300	325	7%
15.	श्री भद्र सूरीश्वरजी म.सा.	" श्री ऊँ कार सूरीश्वरजी म.सा.	40	23	140	163	3%
कुल योग			960	1179	3680	4859	100%

क्र सख्या	समुदाय का नाम	असा प्रदाता का नाम	घातुमांस स्थल	सत	सतियाजी	कुल ठाणा
(2)	अचलगच्छ समुदाय अचलगच्छ संप्रदाय—	आचार्य श्री गुणसागर सूरेश्वरीजी म सा	83	40	184	224
(3)	श्री खरतरगच्छ समुदाय खतरगच्छ समुदाय	आचार्य श्री जिन उदय सागरजी म सा	65	19	193	212
(4)	श्री पार्ष्वचंद्रगच्छ समुदाय— पार्ष्वचंद्रगच्छ समुदाय	प रतल श्री, रामचंद्रजी म सा	23	11	67	78
(5)	श्री विमलगच्छ समुदाय— विमलगच्छ समुदाय	आचार्य श्री रवि विमल सरीश्वरजी म सा	10	11	65	76
(6)	श्री त्रिस्तुती गच्छ समुदाय— त्रिस्तुती गच्छ समुदाय	आचार्य श्री विजय हमेन्द्र सरीश्वर जी म सा	18	35	86	121
(7)	अन्य गच्छ समुदाय—		23	35	85	113

क्र स सम्प्रदाय	1986 के घातुमांस			तीनों सम्प्रदाय		
	कुल स्थल	कुल सत	कुल सतिया ठाणा	1985 घाणा	1981 घाणा	1983 घाणा
1 श्रमण संघ	254	245	681	926	35%	915
2 स्वतंत्र सम्प्रदाय	175	181	555	736	28%	639
3 बृहद् गुजराल सम्प्रदाय	231	127	860	987	37%	891
कुल योग	662	553	2096	2649	100%	2655
				2482		2380
						2290

अ. सा. स्थानकवासी जैन सम्प्रदायो की कुल सक्षिप्त तालिका

अ. भा. श्वे. मूर्तिपूजक जैन सम्प्रदायों की कुल संक्षिप्त तालिका 1986

क्र.सं	समुदाय का नाम	चातुर्मास स्थल	सन्त	सतियाँजी	कुल ठाणा	मूर्तिपूजक समुदाय में प्रतिशत
1.	श्री तपागच्छ समुदाय	960	1179	3680	4859	85%
2.	श्री अचलगच्छ समुदाय	83	40	184	224	4%
3.	श्री खतरगच्छ समुदाय	65	19	193	212	4%
4.	श्री पार्श्वचन्द्रगच्छ समुदाय	23	11	67	78	1%
5.	श्री विमलगच्छ समुदाय	10	11	65	76	1%
6.	त्रिस्तुती गच्छ समुदाय	18	35	86	121	2%
7.	अन्य समुदाय	23	35	85	120	3%
कुल योग		1182	1330	4360	5690	100%

अ.भा. श्वेताम्बर तेरापंथ संप्रदायों की संक्षिप्त तालिका 1986

क्र.सं.	समुदाय	चातुर्मास स्थल	श्रमण	श्रमणियाँ	कुल ठाणा	समुदाय प्रतिशत
1.	श्री श्वे. तेरापंथ समुदाय	129	152	547	699	97%
2.	श्री श्वे. नवतेरापंथ समुदाय	5	8	14	22	3%
कुल--		134	160	561	721	100%

अ. भा. विगम्बर सम्प्रदाय के चातुर्मास की संक्षिप्त तालिका 1986

क्र. संख्या	सम्प्रदाय का नाम	चातुर्मास स्थल	संत	सतियाजी	कुल ठाणा
1	विगम्बर सम्प्रदाय	62	118	18	366
	कुल योग	62	318	18	166

नोट—विगम्बर सम्प्रदाय की पूरी सूची प्राप्त नहीं हो सकी अतः जितनी हमें जानकारी मिली उतनी ही दी जा रही है। भविष्य में पूरी सूची प्राप्त होना पर
—सम्पादक
पूरी जानकारी देना प्रयत्न किया जाएगा।

अ. भा. समग्र जैन सम्प्रदाय के सत-सतियों की कुल संख्या 1986

क्र. सं.	जैन सम्प्रदाय का नाम	चातुर्मास स्थल	संत	सतियाजी	कुल ठाणा	अनुमानित कुल योग	समग्र जैन सम्प्रदाय में प्रतिशत
1	श्रे. मूर्तिपूजन जैन सम्प्रदाय	1182	1330	4360	5690	5700	61%
2	श्रे. स्वामिन्वामी जैन सम्प्रदाय	662	553	2096	2649	2660	29%
3	श्रे. तैरापदी जैन सम्प्रदाय	131	160	561	721	725	7%
4	विगम्बर जैन सम्प्रदाय	62	318	18	166	100	1%
	कुल योग—	2040	2661	7065	9126	9185	100%

अ. भा. श्वे. स्थानकवासी जैन सम्प्रदाय पद तालिका 1986

सम्प्रदाये	आचार्य	युवाचार्य	उपाध्याय	प्रवर्तक	सचिव	उप प्रवर्तक	प्रवर्तिनी	उप प्रवर्तिनी
श्रमण संघ	1	---	4	8	4	11	---	21
स्वतन्त्र सम्प्रदायें	3	---	2	2	---	---	---	1
वृहद् गुजरात सम्प्रदाये	5	---	---	---	---	---	---	---
कुल	9	---	6	10	4	11	---	22

नोट—विस्तृत जानकारी अन्यत्र पढे ।

अ. भा. श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन सम्प्रदाय पद तालिका 1986

समुदाय	आचार्य	युवाचार्य	उपाध्याय	पन्यास	गणि	प्रवर्तक	उप प्रवर्तक	प्रवर्तिनी	उप प्रवर्तिनी
तपागच्छ समुदाय	89	---	6	51	27	3	---	9	---
अचलगच्छ "	2	---	---	---	---	---	---	1	---
खरतरगच्छ "	1	---	---	---	---	---	---	1	---
विमलगच्छ "	1	---	---	---	---	---	---	---	---
त्रिस्तुतीगच्छ "	2	---	---	---	---	---	---	---	---
पार्श्वचन्द्रगच्छ "	---	---	---	---	---	---	---	1	---
अन्यगच्छ सम्प्रदायें	2	---	---	---	---	---	---	---	---
कुल—	97	---	6	51	27	3	---	12	---

नोट—आचार्यों को छोड़कर यह संख्या अधिक भी हो सकती है पूर्ण जानकारी प्राप्त नहि होने के कारण जितनी जानकारी हम प्राप्त कर सके उतनी यहाँ दी गयी है । विस्तृत जानकारी अन्यत्र पढे ।

अ भा समग्र जैन सम्प्रदाय तालिका 1986

सम्प्रदायें	जाचाय	युवाचार्य	उपाध्याय	पयास	गण	प्रवक्त	उप प्रवक्त	प्रवर्तिनी	उप प्रवर्तिनी
श्वे मूर्तीपूजक सम्प्रदाय	97	—	6	51	27	3	—	12	—
श्वे स्थानकवासी सम्प्रदाय	9	—	6	—	—	10	11	—	22
श्वे तैरापथी सम्प्रदाय	1	1	—	—	—	—	—	1	—
दिगम्बर सम्प्रदाय	13	—	पूरी सूची प्राप्त नहीं हा मरी			—	—	—	—
कुल -	120	1	12	51	27	13	11	13	22

नोट—श्री श्वे मूर्तीपूजक सम्प्रदाय एवं श्री दिगम्बर सम्प्रदाय में आचार्यों को छोड़कर यह सख्या अधिक भी ही सकती है हमें पूरी जानकारी प्राप्त नहीं हो मरी अत पाठक गण सुधार कर पढे। भविष्य में सही जानकारी देने का प्रयत्न किया जा मकेगा। विस्तृत जानकारियाँ अग्रत दी गयी है वहाँ पढे। —सम्पादक

७२

स्थानकवासी जैन समुदाय के साधु साध्वियों के बड़े-बड़े शहरों की चातुर्मासो की तालिका

शहरों के नाम	चातुर्मास स्थल	सत	मतीया	कुल ठाणा
बम्बई	28	11	145	156
अहमदाबाद	20	21	61	88
दिल्ली	23	28	83	111
राजकोट	14	—	56	56
इंदौर	9	12	23	35
जाधपुर	14	18	52	70
मद्रास	3	4	10	14
भारत में कुल	662	553	2096	2649

नोट—अग्र सम्प्रदायों की पूरी सूचीया प्राप्त नहीं होने से हम उनकी सूची नहीं दे पाये क्षमा करे। —सम्पादक

अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् बम्बई

कार्यकारिणी सदस्य 1986

(1) श्री मुखलाल कोठारी	बम्बई	अध्यक्ष
(2) श्री कँवरलाल बेताना	गीहाटी	उपाध्यक्ष
(3) श्री चून्नीलाल एच. मेहता	बम्बई	उपाध्यक्ष
(4) श्री एस. लालचंद बागमार	मद्रास	उपाध्यक्ष
(5) श्री मुन्नालाल लोढा 'मनन'	पाली-मारवाड़	महामंत्री
(6) श्री अमृतलाल कावड़िया	बम्बई	मंत्री
(7) श्री जेठमल चीरड़िया	बैंगलौर	मंत्री
(8) श्री प्रताप भाई चांदी वाले	बम्बई	कोषाध्यक्ष
(9) श्री बानूलाल जैन 'उज्ज्वल'	बम्बई	संयोजक
(10) श्री आर. प्रसन्नचंद चौरड़िया	मद्रास	सलाहकार
(11) श्री भोपालचंद पगारिया	बैंगलौर	सलाहकार
(12) श्री ज्ञानराज मेहता	बैंगलौर	सलाहकार
(13) श्री चन्द्रकान्त भाई भणसाली	बम्बई	सदस्य
(14) श्री कृष्णकान्तभाई एच. मेहता	बम्बई	सदस्य
(15) श्री पन्नालाल सुराना	मद्रास	सदस्य
(16) श्री सुरेन्द्र भाई मेहता	मद्रास	सदस्य
(17) श्री एन. ताराचंद दुगड़	मद्रास	सदस्य
(18) श्री नूपराज शादीलाल जैन	बम्बई	सदस्य
(19) श्री पुखराज लुकड	बम्बई	सदस्य
(20) श्री बजरंगलाल जैन 'सरफ'	बम्बई	सदस्य
(21) श्री नेमनाथ जैन	इन्दौर	सदस्य
(22) श्री जी. कन्हैयालाल साहूकार	अरकोनम	सदस्य
(23) श्री फूलचंद जैन 'पौरवाल'	इन्दौर	सदस्य
(24) श्री मोफतराज मृगोत (पिपाड)	बम्बई	सदस्य
(25) श्री संचालाल बाफना	औरंगाबाद	सदस्य
(26) श्री किशनलाल फूलचन्द लुणिया	बैंगलौर	सदस्य
(27) श्री मीठालाल कामदार	बैंगलौर	सदस्य
(28) श्री भँवरलाल गोटावन	बैंगलौर	सदस्य
(29) श्री हंसमुख भाई बी. मेहता	बम्बई	सदस्य
(30) श्री सुगातचंद जैन	मद्रास	सदस्य
(31) श्री माणकचन्द सांखला	बजमेर	सदस्य

THE JAIN LIBRARY



परिषद् के परामर्शदाता सहयोगी सदस्य

(1) श्री हस्तीमल मूणोन	गिरावाबाद	वरिष्ठ परामर्शक
(2) श्री मोतीलाल गुरगना	इंदौर	" "
(3) श्री महागुप्त भाई जे दमाई	बम्बई	" "
(4) श्री पकीरचन्द्र मेहता	इंदौर	" "
(5) श्री हस्तीमल येंतावत	इंदौर	" "
(6) श्री चन्दनमल चांद	बम्बई	" "
(7) श्री नवीन भाई रावणोकर	बम्बई	" "

परिषद् के सहयोगी कार्यकर्ता सदस्य

(1) श्री बाबूलाल पारवाल (जैन)	इंदौर	कार्यकर्ता (प्रतिनिधि)
(2) श्री जेठमल टागा	पानी मारवाट	"
(3) श्री दिनेशगुप्तार जैन	मवाई माधोगुप्त	"
(4) श्री गीतमचन्द्र आस्तमाल	बंगलोर	"
(5) श्री प्रकाशचन्द्र पटवा 'अध्यापक'	"	"
(6) श्री नवरत्नमल जैन	चौष का बरगाडा	"
(7) श्री प्रवीण भाई एच चाह	बम्बई	"

चातुर्मास उपलक्ष में प्राप्त सहयोग

1 श्री एम एम जैन मभा, लागावाल	500/-
2 श्री व स्वदा जैन श्रावक मध, रायचूर	100/-
3 श्री नीरमचन्द्र जगराज जैन बगनौर	51/-
	<hr/>
	652/-
	<hr/>

नोट - उपर्युक्त महानुभावा न हमें जो यह हार्दिक सहयोग भित्तवाया है उमने लिए परिषद् आपका बहुत 2 जागर प्रगट करती है। इन जाधिक सहयोग का हमन विनापन रूप म दे दिया है। यानी जिहोने हम महायता रूप म सहयोग प्रदान किया है उनका विनापन भी हमन दिया है। अन हम सभी श्री मधा, दानदानात्री महानुभावा न नम्र निवेदन करते हैं कि परिषद् का कार्य मुनास रूप मे चार मने के लिए आप परिषद् का भी महवाग अग्य करन की कृपा करावे। याद रखिये-नमस्र जैन ममुदास के ळगभग 10,000 माधु-माध्रिया एवं ममाती ममी गतिविधिया की सहा जानकारी दन वाता यही एवमात्र मन्था है तहा अमास्रदायिकता म काय किया जाता है। अन परिषद् का सहयोग करना नमूलें।

प्रमुख स्तम्भ सदस्य

1. श्री सुखलाल कोठारी	बम्बई	8. श्री चन्द्रकान्त भाई भणसाली	बम्बई
2. श्री कंवरलाल बेताला	गुवाहाटी	9. श्री आर. प्रसन्नचन्द्र चौरङ्गिया	मद्रास
3. श्री मुन्नालाल लोढा "मनन"	पाली मारवाड़	10. श्री एन ताराचन्द दुगड़	मद्रास
4. श्री अमृतलाल कावड़िया	बम्बई	11. श्री एस. लालचन्द वागमर	मद्रास
5. श्री जेठमल चौरङ्गिया	बैंगलोर	12. श्री कृष्णकान्त भाई एच. मेहता	बम्बई
6. श्री भोपालचन्द पगारिया	बैंगलौर	13. श्री माणकचन्द साखला	अजमेर
7. श्री चुन्नीलाल एच. मेहता	बम्बई		

संरक्षण सदस्य

1. श्री फूलचन्द लुणिया	बैंगलौर	5. श्री पन्नालाल सुराना	मद्रास
2. श्री मीठालाल कामदार	बैंगलौर	6. श्री सुरेन्द्र भाई मेहता	मद्रास
3. श्री भंवरलाल गोटावत	बैंगलौर	7. श्री नेमनाथ जैन	इन्दौर
4. श्री चन्दनमल बोहरा	बैंगलौर		

आजीवन सदस्य

1. श्री नूपराजजी जैन	बम्बई	17. श्री सुगलचन्द जैन	मद्रास
2. श्री पुखराज लुकड़	बम्बई	18. श्री प्रतापभाई चादीवाले	बम्बई
3. श्री हंसमुख भाई वी मेहता	बम्बई	19. श्री जी. कन्हैयालाल साहकार	अरकोनम
4. श्री संचालाल वाफना	औरंगाबाद	20. श्री मागीलाल कोठारी	इन्दौर
5. श्री बजरगलाल जैन सराफ	सवाई माधोपुर	21. श्री मेडतिया दूध भण्डार	पाली मारवाड़
6. श्री पारसमल बम्ब (शूले)	बैंगलोर	22. श्री वर्धमान पापड़ भण्डार	पाली मारवाड़
7. श्री सोहनलाल सिपानी	बैंगलोर	23. श्री जैन उद्योग पापड़ भण्डार	पाली मारवाड़
8. श्री जे. स्था. जैन मध (शूले)	बैंगलोर	24. श्री चम्पालाल कर्नावट (रीड वाले)	बम्बई
9. श्री भवरलाल मियाल	बैंगलोर	25. श्री सुरेशकुमार तालेरा	पूना
10. श्री पारसमल बागरेचा	बैंगलोर	26. श्री राजेन्द्रकुमार जैन	बम्बई
11. श्री ज्ञानराज मेहता	बैंगलोर	27. श्रीमती तीजीबाई सुराना	खार-बम्बई
12. श्री बाबूलाल मेघराज मेहता (सादड़ी) मद्राम		28. श्री फूलचन्द जैन (पोरवाल)	इन्दौर
13. श्री शान्तीलाल चांधरी	मद्राम	29. श्री बन्नीलाल जैन (पोरवाल)	इन्दौर
14. श्री उमरावमल सुराना	मद्राम	30. श्री चन्दनलाल बोहरा	बैंगलोर
15. श्री सम्पतराज खारीवाल	मद्रास	31. श्री व.स्था जैन श्रावक संघ-खार	बम्बई
16. श्री महावीरचन्द श्री श्रीमाल	मद्रास		

अ. भा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्-बम्बई

चातुर्मास सूची 1985 का आय-व्यय का लेखा विवरण

जाय	रुपये	व्यय	रुपये
विनायन से प्राप्त आय—		पुगनी बाकी (1981 घाटा की कम)	
परिषद् के बम्बई कार्यालय में प्राप्त विनायन हस्ते बाबूलाल जैन 'उज्ज्वल'	15,150-00	छपाई खाने—में गान्धिया मित्रों, दूसरे का पुस्तक व चाट प्रतिया 6100 की छपाई का खर्च	2010-00
शास्त्री कार्यालय पाली में प्राप्त विनायन हस्त श्री सुधापाल लोढा मनन	10,150-00	बाजार खाने—पुस्तक व चाट के लिए बाजार खरीदा एवं खाने का खर्च	10,000-00
श्री मुखलाल नाडारी बम्बई द्वारा प्राप्त विनायन	1,550-00	स्टेशनरी खाने—स्टेशनरी, स्पेड, कागज, जर्नल, सिम-पत्र, पाम्फ्लेट छपाई, निपाया, पत्र, त्रिग तात्त्विकोपस्थापना आदि, प्रका	11,431-00
इन्दौर प्रतिनिधि श्री बाबूलाल पारवाल द्वारा प्राप्त विनायन	970-00	पास्टेल खाने—पुस्तक व चाट पाम्फ्लेट डिपिक्ट जर्नल, त्रिग, डिपिक्ट, निपाया आदि खर्च	1,168-00
श्री व. ग्या जैन धातक मध्य माण्डेगव (राज.) का जार में प्राप्त वार्षिक सहयोग (चातुर्मास चाट छपाई का खर्च बाबत)	1,100-00	वार्डिग मुद्रक खाने—पत्र परिवर्तना की वार्षिक पुस्तक का खर्च	1,414-00
सूची पुस्तकें विना से प्राप्त आय—	1,057-00	यात्रा प्रवास खाने—इन्दौर यात्रा एवं प्रवास, धर्मपाली भाषा व प्रेम खिजा भाडा गादि का परचूत खर्च	417-00
बम्बई न्यायालय में रिश्वी रुपये 110-00	NIL	टांगपाई खाने—ट्रांसपाट व कारखाने टैक्सी आदि खर्च	1,577-00
पाली भाषा कार्यालय में रिश्वी रुपये 110-00		विनायन खाने—नयापाल टाइम्स बम्बई एवं नयापाल पत्र में विनायन का खर्च	205-00
घाटवापर स्थानक में रिश्वी रुपये 290-00			921-00
'यू. रा. पुगनी ट्रांसपाट स रिश्वी रुपये 247-00			
(कुल रिश्वी रुपये 1,057-00)			
चातुर्मास उपकरण में श्री सधा आदि से प्राप्त वार्षिक सहयोग			
वर्ष 1985 में शुद्ध घाटा रहा जिसकी पूर्ति परिषद् व अध्यक्ष श्री मुखलाल नाडारी व महेश खीवार कर मध्ये भट किया	31,982-00		
	2,561-00		
कुल मांग	31,543-00	कुल मांग	34,543-00

प्रकाशकीय

अभा समग्र जैन चातुर्मास सूची 1986 की पुस्तिका आपके सन्मुख प्रस्तुत करते हुए परम प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। यह चातुर्मास सूची का अष्टम पुष्प है।

हम गत 7 वर्षों से सिर्फ स्थानकवासी जैन सम्प्रदाय की ही चातुर्मास सूची एव चार्ट प्रकाशित करते आये हैं जिसमें सम्पूर्ण भारतवर्ष के सभी स्थानकवासी जैन सम्प्रदायों के सत् सतियों एव समाज की सभी गतिविधियों की सही एव पूर्ण जानकारी का सही निर्देशन असा सम्प्रदायिकता से कार्य किया जाता रहा है।

समग्र जैन चातुर्मास सूची - परिपद के सभी सदस्यों एव समग्र जैन सम्प्रदायों के कई मुनिराजों महासतियोंजी म.सा., उन्माहो कार्यकर्ताओं, धर्मप्रेमी महानुभावों का अति आग्रह भरा अनुरोध रहा कि जैन एकता एव संगठन के उद्देश्य का लक्ष्य रखकर समग्र जैन सम्प्रदाय के पूज्य मुनिराजों एव महासतियोंजी म.सा. का चातुर्मास सूची आप ही तैयार कर क्योंकि आप विगत 7 वर्षों से स्थानकवासी सम्प्रदाय का सूचा बहुत ही व्यवस्थित ढंग से प्रकाशित करते आ रहे हैं। यह कार्य बहुत ही कठिन परिश्रम माध्यम रहा था। कारण जब एक तरफ हमारी आर्थिक स्थिति पहले से ही खराब चल रहा है। हर वर्ष जबदस्त घाटा उठाना पड़ रहा है तथा दूसरा यह कि जब हमें एक सम्प्रदाय के कार्य में ही उतनी ज्यादा कठिनाई उठाना पड़ रहा है तो चारों सम्प्रदायों को सूचा निकालने में तो काम और भी चांगुना हो जावेगा। फिर भी जैन एकता के लक्ष्य एव सभी स्वधर्मा महानुभावों के अत्याधिक आग्रह को ध्यान में रखते हुए समग्र जैन सम्प्रदाय का चातुर्मास सूची प्रकाशित करने का वास्तविक माच में ही विज्ञप्ति जारी कर दी और तभी मैं तत्काल सत् कार्य आरम्भ कर दिया गया। प्रिय महानुभावों आज आपको सूचित करते हुए अत्यन्त प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है कि आज हमारा यह स्वप्न पूर्ण रूप से साकार हुआ है। हमारा पहला प्रयास था कि हम एक बार स्थानकवासी सम्प्रदाय की चातुर्मास सूची प्रकाशित कर और वह हम विगत 7 वर्षों से निरन्तर पूर्ण करते आ रहे हैं। हमारा दूसरा प्रयास यह कि हम कुछ आगे बढ़ें और एक बार समग्र जैन सम्प्रदाय की सूची प्रकाशित करें और वह भी इस वर्ष समग्र जैन सम्प्रदायों को चातुर्मास सूची प्रकाशित करने का सफल हुआ है।

विगत 7 वर्षों से स्थानकवासी चातुर्मास सूची का सकल सम्पादन कार्य परिपद के सयोजक कुशल, कर्मठ कार्यकर्ता, समाज सेवक, जन श्रुगाण, धर्म प्रेमी बंधु श्रीमान् बाबू लाल जी जैन 'उज्ज्वल' बम्बई ही करते आ रहे हैं। इस वर्ष जब हमने उनके सन्मुख यह प्रस्ताव रखा कि इस वर्ष सभी का आग्रह है कि समग्र जैन सम्प्रदायों की सूची परिपद द्वारा प्रकाशित की जाय तो वे एक दम तैयार हो गये, सच्चे समाज सेवक जो ठहरे। समाज सेवा करने का जिनके जीवन का प्रमुख अंग जो बन गया है। वे कहने लगे कि आप सभी एव समाज का आग्रह है तो मैं जिन शासन सेवा हेतु इस कार्य को भी पूरा करने की पूरी कोशिश करूंगा और उन्होंने तभी से यह कार्य आरम्भ भी कर दिया। आपने अल्प अवधि में समाज सेवा का लक्ष्य ध्यान से रखकर यह कुशल कार्य कुशल परिश्रम से पूर्ण कर दिखाया है। कई श्री संवों, मुनिराजों, महासतियोंजी म.सा., कई महानुभावों से चातुर्मास सूचियाँ एकत्रित करना, पत्र व्यवहार करना, सकल, प्रेस कापी, इन्दीर प्रेस में रहकर प्रूफ रीडिंग करना चार्ट एव पुस्तकों को पोस्ट करना, चार्ट छपाना

आदि मन उबन वात भागीरज वाय आपन आत आयात म स समय विवालकर निस्थाप भाव म आगारधर्मिन स्य न सचनी समान तमा ता लय ध्यान म रखवर बटी उमानदारो स भर निभाता ह ।

अखिल भारतवर्षीय नाम -हमारा चातुर्मास पूजा के अन्तर्गत जो प्रमुख बात भी चातुर्मास निर्देशिका विचारन आ रहै त परन्तु व निम्न हिन्दी भाषी भावनवागो मम्प्रदाय की ही सूची निराकरे न आर प्रस्ताव के आता तात ह अखिल भारतवर्षीय, यह उनका नामा नहीं है रहा है तमान ता गुमनाह कर रहै है । व निश्चय है कि हमारी ही सूची अंगण म सच्चा जन उन्निहाम भाविन आगे आगे राकी पीटी जय उनरी सूची दखी ता पहल ता व कहा कि यह भी अखिल भारतवर्षीय है किन्तु वर अन्त म पढा ता आताम हो उनर महिना मे पहला प्रश्न यह उठता कि क्या उम वकन गुजरात प्रांत म रहके गुजरात मम्प्रदायो न उन महिना वा अन्तिव ही नही आ । न मम्प्रदाय उन जन मी ही नही आर व धर्म म पढ जाण्य । क्या उन्ना जन उन्निहाम एम विद्या ताण्णा न प्रशासन व आर अखिल भारतवर्षीय की जाण हिन्दी भाषी शब्द लगान म क्या हितविचार है । सच्चा जन समाज मे तमा नहीं स्य रहै है ।

भारत म तमय जन मम्प्रदाया व ता गु माधियया की पूण एव प्रमाणिक जानकरिया दन वाता यही एव सच्चा है । उम सार अतिशयानिक नही है । क्या सूची भविष्य म सच्चा जन उन्निहाम आगिन हागी । यदि सार सच्चा यह तात आपन ज्ञान म तकर पूण उन्ना चाहती हा ता उम सार उनका सत्य सभता भा तकर न । हम सार एनाज नही हाता । हमारा लक्ष्य वा कि समाज म एम आदा प्रस्तुत करना आर उर हम निज ४ वर्षों म निरन्तर करने आ रहै है ।

आधिक सबद -

हम निज नान क्या न जयन्म घाटा उठान चल आ रहै है । हमारी आधिक स्थिति सुदृढ़ नही हात न बाधजद भी हमन उम स्य तमा जन चातुर्मास सूची प्रचारित करन की निरन्तरि निवाल दा वा, साता धा अन्त काम हमारा आर रहत न । हमन मर के अन्त म नभी का निरासन एव भिन्ना स्थि थ । किन्तु जितनी हम उम्माय की आशा व विपरीत ही निरासन प्राप्त ल । सोचा अर क्या कर । परिणत न अक्षय म्प्रदायो एव सवाजन आदि तीना वाय-वना शक्ति भारत न दानवीरा की नारी मनाय बगलार आदि स्थानो पर स्य आर क्या पर जितनी उम्मीद लकर गये वे उन्ना ता नही फिर भी कुछ आधिक सहयोग अवश्य प्राप्त करने म गफन ह्य है ।

आपका मुचित करन एव परम प्रसन्नता हा रही है कि आज भी समाज म एम एम दान वीर महानुभाव है जिहा हमारा इन वाय वा महा मूजानन करन मुक्त तथा स हम अच्छी सन्ध्या म विनासन एव अखिल महवाय प्रदान किया है । उनरो प्रदालन ही हम द्य क्या भी यर स्मारिका गादन का लगभग 450 न अधिक पुष्ठा ती जन इतिहास ग्रथ स्यो समग्र जन चातुर्मास सूची पुस्तिका आपन सामुख पत्र कर रहै है । सभा पूज्य म ता, थी सभा, नभी महानुभाव स तम निवदन है कि चातुर्मास न उपल य म इम परिपद वा भी फन ही ना पावता हा सही कुछ न कुछ नहया अग्रय भिजवान की कृपा कराव ताकि परिणत की आधिक स्थिति सुदृढ़ बन और हम आपका अखिल नय अखिल नया कर तन ।

अन मनी प्रथमी मनुमाना, दानदानाया आर निरापानताया ने हम बहुत-बहुत धानारी है ।

देरी का संकट टला नहीं:-

हमने ममग्र जैन समाज की चातुर्मास सूची प्रकाशित करने के लिए अप्रैल में ही विज्ञप्ति प्रकाशित कर दी थी कि सभी सम्प्रदायों के पूज्य सत-गतियों जी म सा अपने चातुर्मासों की सूचियां ज्येष्ठ सुदी 15 तक तो अवश्य भिजवा ही दें। हमारे पास स्थानकवासी सम्प्रदायों की सूचियां चातुर्मास लगने तक प्रायः करके आ गयी थी एवं बाकी की अन्य सम्प्रदायों की सूचियां चातुर्मास प्रारंभ होने के 20-25 दिन तक भी प्राप्त नहीं हुई फिर भी येन-केन प्रकारण हमने जितनी बनी उतनी पूर्ण कोशिश कर अधिक से अधिक सूचियां प्राप्त करने की पूरी कोशिश की है। यह बहुत ही खुशी की बात है कि समाज का इस ओर ध्यान तो आकर्षित हुआ है। लेकिन हमारी यह सूची सिर्फ स्थानकवासी सम्प्रदाय की सूची होकर ममग्र जैन सम्प्रदाय की सूची है जब तक सम्पूर्ण सूचियां हमें प्राप्त नहीं हो जाती तब तक हम आगे कुछ भी नहीं कर सकते न तालिकाएँ सारिणियां ही बना सकते न प्रतिशत (टकावारी%) ही निकाला जा सकता है, इन ही आगे की छपाई ही आरंभ कर सकते हैं कारण विभाग क्रमांक के अनुसार सूची छपती है। डधर प्रेस कापी करने प्रेस में छपाने का कार्य करना पड़ता है तो उधर सभी जगहों से पत्र आने शुरू हो जाते हैं कि चातुर्मास सूची व चार्ट छप गया ही तो हमें भी भिजवावे।

अतः सभी पूज्य मुनिराजो महासतियों जी म सा. से निवेदन है कि वे भविष्य में अपने चातुर्मासों की घोषणा ज्येष्ठ सुदी 15 तक तो अवश्य करके सूचना हमें भिजवाने की कृपा करावें। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि आप हमें अपने चातुर्मासों की सूचनाएँ चातुर्मास के 25 दिन पहले भी यदि देते हैं तो हम शीघ्र से शीघ्र सूची आपके सम्मुख पेज कर सकेंगे। आपके चातुर्मासों में यदि कुछ फेर-फार चातुर्मास समय तक होता हो तो उस क्षेत्र की सूचनाएँ अलग से पत्र द्वारा सूचित कर दें हम उसमें सुधार कर लेवेंगे। हमारे पास सूचियां ही चातुर्मास प्रारंभ होने के 20-25 दिन बाद प्राप्त होती हो तो क्या प्रेस कापी व छपाने में टाइम नहीं लगता। फिर हम आपको पुस्तक कहा से जल्दी दे सकेंगे। आशा है आप इस ओर अवश्य ध्यान देने की कृपा करेंगे।

चातुर्मास चार्ट:- हम विगत दो वर्षों से स्थानकवासी सम्प्रदाय का चातुर्मास सूची का बड़ा चार्ट प्रकाशित करते आ रहे हैं। जो स्थानकों के दरवाजे पर चिपकाने एवं दर्शनार्थियों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध हुआ है। जिसकी कई महानुभावों ने स्वतः कंठों से काफी प्रशंसा की है। हमारे पास सैकड़ों महानुभावों के पत्र आये हैं एवं आग्रह किया है कि स्थानकवासी सम्प्रदाय का चार्ट तो चालू रखें उसके साथ-साथ मूर्तिपूजक सम्प्रदाय का भी ऐसा ही चार्ट प्रकाशित करें। उनके आग्रह को मान देकर चातुर्मास सूची के अलावा स्थानकवासी सम्प्रदाय का बड़ा चार्ट खूबसूरत दो रंगों में प्रकाशित किया है। मूर्तिपूजक सम्प्रदाय का भी चार्ट निकालने का विचार था परन्तु आर्थिक स्थिति एवं समयाभाव के कारण इस वर्ष प्रकाशित करने में हम अममर्थ हैं भविष्य में सूचियां जल्दी आएँगी और आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रही तो भविष्य में प्रकाशित करने की कोशिश करेंगे। स्थानकवासी सम्प्रदाय के चातुर्मास चार्ट की पूरी आर्थिक सहायता श्री सम्यग्ज्ञान प्रचारक मण्डल के उपाध्यक्ष पिपाड निवासी हाल बम्बई के दानवीर श्री मोफतराज जी सा मुणोन की ओर से उतिहाम मार्गण्ड सामायिक स्वाध्याय के प्रणेता आचार्य प्रवर श्री हस्तीमलजी म सा आदि ठाणाओ के पीपाड निटी चातुर्मास 1986 के मंगलमय साँल्लामपूर्ण वातावरण में पूर्ण होने की मंगलकामनाएँ करते हुए हुई। हम परिपद के सभी सदस्य श्रीमान् मोफतराजजी सा मुणोन के बहुत 2 आभारी हैं जिन्होंने हमें इस आर्थिक संकट की घड़ी में भी यह सहाय देकर हमारा माहन बढ़ाया है। जो श्री संव या महानुभाव ऐसा ही चार्ट अपनी-अपनी सम्प्रदायों का चार्ट

भविष्य में अपनी ओर से प्रकाशित करना तादे वे सभी ने ही परिपद से अम्बक स्थापित करने की इच्छा की। जिसका फल पत्र आवेगा उनके स्वीकृति प्रदान कर दी जावेगी। भविष्य में स्थानकारीनी अम्बक एवं मूर्तिपूजन अम्बक या चातुर्मास चाट हिन्दी एक गुजराती भाषा में भी प्रकाशित करने का विचार है जो सभी ने स्वीकृति देते हुए पत्र व्यवहार करने की इच्छा करावें।

छपाई का बढित कार्य -

चातुर्मास सूचियाँ एकत्रित करने का काम उनकी प्रसूतिका करना और छापने का बहुत बढित कार्य रहता है। मैगजीन मासिक के 450 में अधिक पृष्ठों की पुस्तक एवं इनके 20 चाट का मुद्रण करना हर किमी के कम की बात नही है। पहली बात तो यह है कि कोई प्रेस बात ही नहीं करेगी यदि सभी का काम भी तेज है तो काम का तकाजा रहता है उनकी बड़ी पुस्तक का छापने के लिए वे कम से कम 2 मास का समय तो मागत ही है जब तक का चातुर्मास का 90% समय भी निकल जाता है। आगम अनुयोग प्रकाशक एवं भी कहेंगे कि जो म सा कमल के निर्देश पर भी नन्दनिया प्रिन्टरी इन्डोरे का मालिक मण्डल का अधक प्रयास से यह उनका बड़ा कार्य बन नीत वर्षों में सम्पन्न होता आया है। और उस पर भी मैगजीन मासिक 450 पृष्ठों का मुद्रण काय अल्प समय में करके दिया है। जिसकी हम स्वप्न में भी उम्मीद नहीं करते थे कि 450 पृष्ठों का मुद्रण काय वे सिर्फ 11 दिनों में ही मुदित करके दे देंगे। यह एक मनाला मण्डल की धार्मिक भावना का ही फल है कि उन्होंने समाज सेवा का कार्य ध्यान में रखकर समग्र जन समाज की एक अमूल्य यज्ञ मुद्रित कर अग्रण किया है। अतः हम सभी उनका हृदय में बहुत 2 आभारी हैं।

निःशुल्क भेंट - जन तीन वर्षों में लगातार घाटे का बावजूद चातुर्मास सूचियाँ में एक वर्ष मासिक व पत्र सम्बन्धी बढे जाने में एक बावजूद छपाई मजदूरी आदि के भाग बहुत बढे जाने से तागत खर्च तो बहुत ज्यादा आया है फिर भी सर्वसाधारण का ध्यान रख कर मैगजीन मासिक के 450 में अधिक पृष्ठों की पुस्तक का मूल्य सिर्फ 10/- ही रखा गया है। समग्र जन सम्प्रदायों के सभी पुण्य मन मन्त्रियों की मना की जहाँ वे चातुर्मास में निगलमान है परिपद की ओर से एक एक प्रति एक श्रीमान मोहनराजजी मा मणोल की ओर का चाट की एक एक प्रति निःशुल्क भेंट स्वरूप प्रदान की जा रही है। स्थानिक भजन पर विचारने पर दर्शनार्थी बंध यह चाट पुस्तक प्राप्ति स्थानों में निःशुल्क भावा सकते हैं।

श्री जयलाल जी जैन का अथक सहायण वाचन में परिपद चातुर्मास सूचियाँ का प्रकाशन को साधन एवं सफल माननी है आर सभी सहयोगियों के प्रति कृतज्ञता आभार प्रगट करती है।

अतः मैं हम सभी का यह 2 आभार प्रगट करत हूँ सभी न यही आशा करत हूँ कि भविष्य में भी आप उम्मी तगड़ का हर प्रकार का हार्दिक सहायण हम प्रदान करत रहने की इच्छा करते रहेंगे।

आशा का भाव--

आपके--

सुखानन्द काठार
अध्यक्ष

वैद्यनाथ जना
उपाध्यक्ष

मुनालाल लाल 'मनन'
महासचिव

सम्पादकीय

अखिल भारतवर्षीय समग्र जैन चातुर्मास सूची 1986 का अष्टम पुष्प आपके मन्मुद्र प्रस्तुत करने हुए परम मन्तोष का अनुभव कर रहा हूँ।

गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी धर्म प्रेमी बंधुओं परिषद के मदस्यो, स्नेहीजनों का आग्रह रहा कि इस बार समग्र जैन सम्प्रदायों की चातुर्मास सूची प्रकाशित होनी चाहिए। मेरे लिए स्थानकवासी सम्प्रदाय की सूची का ही इतना कार्य रहता है कि मैं जितनी चाहूँ उतनी जानकारियाँ समयाभाव और स्थानाभाव के कारण उसमें नहीं दे सकता हूँ फिर चाहे सम्प्रदायों की सूची का कार्य तो चांगुना तो मान कर ही चले फिर भी जैन एकता के लक्ष्य एवं समाज सेवा के लक्ष्य को ध्यान में रखकर मुझे सभी को स्वीकृति देनी ही पड़ी और तब से ही यह कार्य हाथ में लेना पड़ा। सभी महयोगी कार्यकर्तियों ने मेरा काफी सहस बढ़ाया और आज परम प्रसन्नता की बात है कि यह इतना बड़ा अमूल्य ग्रंथ आपके हाथों में है।

इस वर्ष समग्र जैन चातुर्मास सूची के प्रकाशन बावत मार्च में ही विज्ञप्ति जारी कर दी थी। इस वर्ष समग्र जैन सम्प्रदायों की सूची होने के कारण सूचियाँ एकत्रित करने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा। स्थानकवासी सम्प्रदायों को तो चातुर्मास सूची की जानकारी मालूम है और उन्होंने तो सूचियाँ चातुर्मास प्रारम्भ तक प्रायः कर सभी ने भिजवा दी थी लेकिन अन्य सम्प्रदायों की खासकर मूर्तिपूजक सम्प्रदाय की सूचियाँ एकत्रित करना टेढ़ी खीर साबित हो रहा थी, तेरापंथी सम्प्रदाय तो एक ही आचार्य की नेश्राय में हैं सो उनकी तो सूची समय पर प्राप्त हो गयी। मूर्तिपूजक सम्प्रदाय के बारे में तो मुझे बिल्कुल भी ज्ञान नहीं था वह मेरे लिए पहली कक्षा बराबर था कितने आचार्य, कौन बड़ा छोटा, गणि पन्थाम क्या होने हैं, सुरीश्वरजी कितने लगाया जाता है आदि 2 बातों का मुझे बिल्कुल भी ज्ञान नहीं था। समग्र जैन सूची की तो सूचना जारी कर दी लेकिन जानकारियाँ शून्य, फिर क्या करना? मूर्तिपूजक सम्प्रदाय के कई आचार्य उपाध्याय प्रवर्तक आदि म.मा. बम्बई विराजते हैं। वहाँ कई मुनिराजों के पास गया उनसे सूची बावत बातचीत की तो कोई कहता हमें तो हमारी सम्प्रदाय के बारे में ही ज्ञान नहीं है पूरे समाज की हम क्या बतावे, किसी ने क्या तो किसी ने क्या जवाब दिया अखिर मैं हिम्मत हार ही रहा था कि चलता चलता नाम सुनते-सुनते गोडीजीजी मंदिर पहुँच गया वहाँ तपागच्छ सागर समुदाय के आचार्य प्रवर श्री देवेन्द्रसागर सुरीश्वरजी म मा एवं उनके शिष्य श्री हर्षसागरजी म मा विराजमान थे उनसे भी मैंने यही प्रश्न पूछा और कहा कि मुझे सूचियाँ एकत्रित करने में सहयोग करे तो मैं समग्र जैन सम्प्रदाय की सूची निकाल सकता हूँ। उन्होंने मेरी अर्जी स्वीकार कर कहा कि मूर्तिपूजक सम्प्रदाय की सूचियाँ मैं एकत्रित कर लूंगा। आप तो बाकी का कार्य करते रहे फिर क्या था वे भी कार्य में जुट गये मैं भी मेरे बाकी कार्य में जुट गया। और आज आपको सूचित करते हुए अति प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है कि प्रायः कर एक दो गच्छ सम्प्रदाय को छोड़कर बाकी सभी सम्प्रदायों की सूचियाँ सही समय पर प्राप्त हो गयी जिसकी मुझे आशा नहीं थी कि उतनी जल्दी प्रथम बार ही पूरी सूचियाँ प्राप्त हो जावेगी। यह भी बहुत ही खुशी की

जान है कि उस छोटे समाज एवं मत मतियों का ध्यान तो आकर्षित हुआ है। यदि इसी तरह न मनी या पहली मिनता रहना तो समाज का आ-गाया न गया जानकारिया के गा-यागा वरम उदान की कागिन नती।

अप की गन पुस्तक म उलुन भारी फी बन्व किया । आगरकर जानकारिया के स्मान पर नहीं म नयी एवं जा खायाया जानकारियां न नती या प्रमुख गा-या दिया गया है ।

अपनी गन जा खायाया एवं नयी जानकारिया थी है वह उन प्रकार है--

- ० उम वय समग्र जन चानुमान सूची हाने व काण पहल स्थानकारामी सम्प्रदाय का दिया गया है कारण स्मानकारामी सम्प्रदायों की सूचियां भर पाम चानुमान प्रारभ तक प्राय व ननी सम्प्रदायों की आ गयी थी अत जा आ गयी उनका ता प्रनाजित कावे उागिण पवम भाग स्मानकारामी का आ एवं मभी मत मतिया व ठाणाया व नाम भी सूचिया म आये है उनका मनी ठाणाया के नाम पता साधन आदि दिय वन व है ।
- ० उम वय तरापय एवं नय तरापय सम्प्रदाय का प्रम लिया गया है कारण उनकी सूची भी नमय पर आ गयी लेकिन मभी ठाणायां की सूची बाट म आयी नव तय सूचिया का मुद्रण भी हो चुका म अत प्रमुख मियाये का नाम ठाणा मद्रा व पता दिया गया है साधन प्राय स्थानववासी सम्प्रदायों व गान, अहरा म है वही उनका है अत ममयाभाव न नती न नरे भविष्य म तेने की पूरी कोशिश की गा मरगी ।
- ० मूतिपूजक सम्प्रदाय की सूचियां पूरी नहीं आने के कारण तपागच्छ ममुदाय में जिन जिन सम्प्रदायों की सूचियां पहले आ गयीं उनको पहले के लिया आर जिन मुदाय की सूचियां नये में आयीं उनका प्रम एक के बाट एक गेमा दिया । हो मकरा है छोट पहले आ गये वट बाट म लेकिन ममयाभाव में जो पहले आय उने पहले के लिया दूसरी बाव किमी किसी सूची म ठाणायां की मया थी नती ही है जोट नगाने म बड़ी दिक्कत हुई फिर भी वाशिश यही रही है कि मभी ठाणायां की मया थी जावे । मभक सूत्र व साधन भी हम नहीं मिते अत मूतिपूजक सम्प्रदाय की सूची म किमी भी नरट की कोट गनी हुई हा तो मरा पहला प्रयान समच कर ममा कर व व एवं भविष्य में मभी जान कारिया भिजवान की गया करग ।
- ० गन वया की तरह उम वय भी ममग्र जन सम्प्रदायों की नाविकाया, मारिणिया एवं अय जानकारिया का प्रगित में (टक्कागी%) म लिखाया गया है ताकि आमानी म पता वन मके कि ममा न अमण अमणी सम्प्रदाय की गतिविधिया की क्या उतनि उट है या अतनि ।
- ० उम वय तक नया अयाय आरम्भ किया है और वह स्थानकारामी सम्प्रदाय म ही गा दिया गया है कारण कि अय सम्प्रदायों की गन वय की नया मरे पाग उपलब्ध नहीं थी वट वट है कि गा सम्प्रदाय का अयाय नहीं कुन टाटन पर उम टाता है वहा एवं मत मनी पुननाम नानिका दी गयी है जिसम मातूम पत्र तक कि जिनत मत मनीया बडे या घट गा विट म नाम ही नहीं आया । आया है वट नया अयाय ता मरा जहा तव अनुमान है मनी को वट ही अरु नया होगा । मूतिपूजक सम्प्रदाय, तरापयी सम्प्रदाय व विगमर सम्प्रदाय म भी वट अयाय भविष्य म प्रनाजित वन का विचार है अत अभी सम्प्रदाय

के मुनिराजो, महासतियोजी म सा, श्री सचौ से निवेदन है कि वे अपनी सूचियाँ बराबर सही करके ही भेजने की कृपा करें।

- ० सभी सम्प्रदायों की गांव, शहरों की अनुक्रमणिका दी गयी है वह राज्यवार दी गयी है यानी जो गांव आपको देखना हो तो पहले उसका प्रान्त मालूम करे फिर उसी प्रान्त में प्रमुक-प्रमुक पृष्ठ पर गांव, शहर की पृष्ठ संख्या मिलेगी।
- ० सभी सम्प्रदायों के चानुमांसो का सम्पर्क सूत्र यातायात के साधन देने का प्रयत्न किया गया है।
- ० सभी सम्प्रदायों की सत मतियों की तालिकाएं दी गयी है जिसमें मालूम पड़ जावे कि किस किस सम्प्रदाय में कितने चातुमांस सत सतीयां कुल ठाणा व प्रतिशत (टकावारी%) क्या क्या है।
- ० सभी सम्प्रदायों में कितने 2 आचार्य, उपाध्याय, पन्यास, गणि, प्रवर्तक प्रवर्तिनीयां आदि कितने कितने है एव उनका कितना प्रतिशत है। इसकी भी तालिका दी गयी है।
- ० बड़े-बड़े शहरों में किस-किस सम्प्रदाय के कितने-कितने सत मतियां हैं। इसकी भी तालिका दी गयी है।
- ० समग्र जैन सम्प्रदाय के कुल कितने सत सतीयां हैं एवं उनका क्या प्रतिशत है। उसकी भी तालिका दी गयी है।
- ० स्थानकवासी सम्प्रदाय में किस-किस राज्य में किस-किस उप सम्प्रदाय में कितने-कितने सत गतीयां हैं। एव उनका क्या प्रतिशत है इसकी भी एक तालिका दी गई है। अन्य सम्प्रदायों की भी ऐसी तालिका देने का विचार था लेकिन उन सम्प्रदायों की पूरी जानकारियां उपलब्ध नहीं होने के कारण यहाँ इस वर्ष नहीं दे पाया हूँ अतः क्षमा करें। आप सभी सम्प्रदायों भविष्य में अपनी पूर्ण सूची भिजवाने की कृपा करावे।
- ० सभी कार्यकारिणी के सदस्यों प्रमुख स्तंभ सदस्यों संरक्षण सदस्यों, आजीवन सदस्यों के फोटों, जीवन परिचय, एव सम्पर्क सूत्र दिया गया है। जिनका फोटो प्राप्त नहीं हो सके उनका सिर्फ जीवन परिचय व सम्पर्क सूत्र ही दिया गया है। भविष्य में सभी का फोटो देने का पूरा ध्यान रखा जावेगा।
- ० इस वर्ष समग्र जैन सम्प्रदाय में जितनी भी पत्र-पत्रिकाएं प्रकाशित होती हैं उनकी सूची दी गयी है। जिस तरह स्थानकवासी सूची दी है। वैसी ही सूची अलग-अलग सम्प्रदायों की देने का विचार था लेकिन पूर्ण एव सही जानकारियां मालूम नहीं होने के कारण यहाँ सिर्फ नाम पना ही दिया गया है। सभी पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादकों से नम्र निवेदन है कि वे अपने अपने पत्र की अवलोकनाथं व अलग-अलग सम्प्रदायों की सूचीयां बनाने बावत एक एक प्रति हमें अवश्य भिजवाने की कृपा करावे ताकि हम भविष्य में अलग-अलग सम्प्रदायों की अलग-अलग सूचीयां व तालिकाएं दे सकें।
- ० उपाध्याय सत्रों, धार्मिक परीक्षा बोर्डों, छात्रावासों, आदि की सूचीयां सिर्फ स्थानकवासी सम्प्रदाय की ही हम दे पाये हैं कारण अन्य सम्प्रदायों की हमें जानकारियां मालूम नहीं

थी था हम इन में शामिल । आता हम निदान है कि प्राप्त भी अपनी-अपना सूचियां शीघ्र भिन्नबाय ।

- o दिग्दर्शक सम्प्रदाय के गुरुद्वारा प्राप्त म विना भी प्रतिपाद्य नोथ शय है उनका पूर्वी क्या दो तयो है अथ जगत् का सूचियां भी भिन्नबाय ।
- o अक्षरों बार नर दो तयो की सूचियां का विहित रूप में प्रकाशित किया गया है । तथा नर दोशार्थों सत तयोका उनका नाम वागुमान सूची में उन्हें असाय म जया सत तयोको न नाम है वहा नरदोशित विज्ञा हुआ है । तथा तत्र त्रै स्थानाभाय क कारण गया किया गया है । स्थानकराना सम्प्रदाय व तयोको सम्प्रदाय का य नर दोश सूची । यहा दो नर है । मतिपूजक एवं दिग्दर्शक सम्प्रदाय की सूची को पूर्वी ज्ञानकारियों मातृम नहीं जान क कारण हम क्या नहीं है कि शमा का पर अभी पूरा मुनिबा, ज्ञानिजाओ म ता व नम निबन्ध है कि दो शाय, ज्ञानाय, वाचयम एवं अथ शक्तिविद्या की पत्रिकाओं हम भी भिन्नबाय की हुआ कारण था म आपकी शक्ति व शक्ति प्राप्त का ज्ञान । आय ही आगो पतननामा की ज्ञानी म शक्ति का प्राप्त नाद का ज्ञान ।
- o सभी सम्प्रदायों क नम प्रकाशना की माहिल्य जमा म विहित में दो नर है । भविष्य म पूर्वी ज्ञानात्न का प्राल किया जा ज्ञान ।
- o अभी सम्प्रदाय क वागु-नायिका, एवं तमत्र उन ज्ञान का वा शि शक्तिविद्यता ज्ञानो है एक क्या क्या ज्ञानात्न है । उन ज्ञानकारियों का यथा प्रवचनय रूप म वा का प्रवचन किया गया है ।
- o अक्षरों बार, एतत् विद्वान्, सम्बोधन विद्या, पञ्चास शक्ति का ज्ञानकारियां नर दोश नर है ।
- o वागुमान चाट शक्ति व शक्तिवत्न या राज म प्रकाशित किया गया है । यह ज्ञान विद्वान् प्राल किया जा हुआ है । भविष्य म मतिपूजक सम्प्रदाय दिग्दर्शक सम्प्रदाय व तयोका सम्प्रदाय का चाट भी छान का विद्या है । एवं तथा सम्प्रदाय व मतिपूजक सम्प्रदाय का चाट गुणाना सम्प्रदाय भी छान का विद्या है ।
- o तत वय 1985 का आय जय का ज्ञानात्न भी यथा प्रकाशित किया गया है वत् ज्ञानात्न का प्रम हम विगत है यथा व निरन्तर ज्ञानात्न क वागुय शक्तुय करन यजे था नर है । नाकि ज्ञानात्न का मातृम ता है कि मन्ती ज्ञानात्न का की प्राप्त म किती ज्ञान हम ज्ञानात्न के यथा बदारय काट छात्रा का नहीं है है ।
- o उन ज्ञानात्न का ज्ञानकारियों हम विगत जया म इन ज्ञान है । व अभी का अभी क्या की यजे है ।
- o उन वय भी वही हुआ जा तत वय हुआ अथवा अथवा ज्ञानात्न व अथवा अथवा सम्प्रदाय क नयन एवं ज्ञान बन बनाय है तय वागुय ज्ञानात्न स्थानात्न एवं आशिक स्थिति के कारण छोड़ना पडा ज्ञानात्न धाडी धाडी ज्ञानात्न वत्न वत्न माजनी ज्ञानात्न क पृष्ठ कि भी 150 की नो पा है ही ज्ञान है । अत नयन का ज्ञानात्न वत्न छोड़ दिया गया । ज्ञानात्न की भी 50% नर करनी पनी है अत शमा कर ।

इसके संकलन कार्य में जिनवाणी, आत्मरश्मि सग्रदर्शन, अमर भारती, जैन मोरभ, स्थानकवासी जैन, जैन जागृति, श्रमण, सुधर्म प्रवचन, मुधर्मा, धर्म ज्योति, जीन की भेरी, तपोधन, जन प्रकाश (हिन्दी एवं गुजराती) श्रमणोपासक, जैन ज्योति, जैन क्रान्ति, जैन रामाज, मुनिघोष, रामता युवा सन्देश, दिवाकर दिल्ली, जेनाम्बर जैन, जैन, धर्म लाग, जैन मित्र, जैन गजद, श्रमण भारती, आदि अनेक पत्र-पत्रिकाओं के माननीय सम्पादकों का भी मुझे विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी काफी हार्दिक सहयोग प्राप्त हुआ है कि उनके हार्दिक सहयोग के बिना यह कार्य मुश्किल था अतः उन सभी पत्र-पत्रिकाओं के माननीय सम्पादकों का भी मैं हृदय से बहुत-बहुत आभारी हूँ ।

मेरे इस कार्य के गुरु से ही प्रेरक आगम अनुयोग प्रवर्तक प. रत्न श्री कन्हैयालाल जी म. सा. रहे हैं । आगे आज भी हैं । आपकी छत्र छाया में ही यह कार्य इस वर्ष भी पूरा हो पाया है । आज मैं जो कुछ भी कर पाया हूँ वह सब आपके ही आशीर्वाद का ही फल है मैं आपके इस महान् उपकार को कभी भी नहीं भूल सकता । अतः पूज्य गुरुदेव आपका भी मैं बहुत-बहुत आभारी हूँ ।

इस वर्ष समग्र जैन चानुर्मास सूची का सम्पूर्ण निदेशन मन्वरा रत्न प्रवर्तक श्री रूपचन्द्रजी म. सा., सफलवचना श्री अर्जितमुनिजी म. सा. निर्मल, सेवा भावी श्री विनय मुनिजी म. सा. "वागीश" एवं मूर्तिपूजक तपागच्छ सम्प्रदाय के आचार्य श्री देवेन्द्र सागर गुरीश्वरजी म. सा. के सुशिष्य सेवाभावी श्री हृषमागरजी म. सा. के द्वारा आप सभी की छत्र छाया में ही पूर्ण हुआ है । अतः आप चारों पूज्य मुनिगणों का भी मैं बहुत बहुत आभारी हूँ ।

गायन निधी प. रत्न श्री रामनिवागजी म. सा., मधुर व्याख्यात्री श्री कमल मुनिजी म. सा., उपप्रवक्त कवि रत्न कवि सम्राट श्री चन्द्रनमुनिजी म. सा. (पजावी) स्वभक्त सम्प्रदाय के श्री नवीन ऋषिजी म. सा. मूर्ति पूजक तपागच्छाधिपति आचार्य श्री रामचन्द्र गुरीश्वरजी म. सा. के सुशिष्यों, आचार्य श्री मेन्द्रप्रभ गुरीश्वरजी म. सा. के सुशिष्यों आदि पूज्य मुनिवरों का भी मुझे इस वर्ष भी लेखन कार्य में बहुत ही ज्यादा योग प्राप्त हुआ है अतः आप सभी का मैं बहुत ही ज्यादा आभारी हूँ ।

कवि हृदय सम्राट श्री चन्द्रनमलजी चाव बम्बई, श्री गोनमचन्द्रजी ओस्तवाल, बंगलार, श्री प्रकाशचन्द्रजी पटवा बंगलार, श्री जेठमलजी डागा पाली, श्री प्रवीण भाई मेहता, गोरगाव बम्बई, श्री महासुख भाई देसाई, श्री नगीन भाई वाडवीकर बम्बई, श्री महेन्द्रभाई सेठ भावनगर, श्रीदोलतमिहजी जैन दिल्ली, श्री दिनेशचन्द्रजी जैन सवाई माधोपुर आदि सभी महानुभावों के हार्दिक सहयोग से ही यह कार्य इतना जल्दी पूर्ण हो पाया है । अतः आप सभी का भी हृदय से बहुत बहुत आभारी हूँ ।

श्रीमान फकीरचन्द्रजी सा. मेहता, श्री मोतीलालजी मुगना, श्री नेमनाथजी जैन, श्री ज्ञानिलालजी मारु, श्री हस्तीमलजी झेलावन, श्री पीरलालजी जैन, श्री नवरत्नमलजी जैन, श्री बाबूलालजी गोरवाल आदि स्वधर्मी बंधुओं का इस वर्ष भी इन्दौर में काफी सहयोग प्राप्त हुआ । महावीर भवन, सेवा मदन, मुद्रन फड जैन धर्मशाला में 20 दिन रहकर मैंने यह कार्य पूर्ण किया अतः इन्दौर श्रीमन् एवं आप सभी महानुभावों का मैं बहुत बहुत आभारी हूँ ।

इन सूची में किसी प्रकार का साम्प्रदायिक भेदभाव नहीं रखा गया है सभी के नाम समान भाव में दिये गये हैं । इन सूची का मुख्य उद्देश्य यही है कि समाज को यही संत सतीशों की सच्चा

एव निर्दिष्टता का ता ज्ञानकारी प्राप्त हो पाय । किन्तु यत्र चतुर्मास म लाभोक्ति ह एव मुमुक्षु भावा म स्थितो स्थितो प्राप्ति ह न कि किंवा नह तागत त पसा का प्रयत्न का श्रयोपाजी करता ।

तदुक्तिया प्रिन्टि उदार क सचालक व्यवस्थापक धा शरणागतता ता सागर, धा अजयनी ता छलानी, श्री धानियावनी ता धा महद्रुमाजी ता उगी एव सचालक मण्डल शक्ति का भी म अचकीचा भी चि हुवाह विहात समाप्त हिन एव चतुर्मास का यत्र प्रान्त म एक 100 त अष्टिक पृष्ठा का यह प्र जनी मुक्ता तावाग्जा, मत्तप, तुद छपाट का ह म अचका वा चाय उप भी तिर 11 तात म हा मुक्ति का न्दिया ह एव प्रयत्न त ही य प्रदान एव एव म प्रस्तुत ह्या त अच आपसा ती बहुत प्रव आभारी ह ।

एव काय म दिया नह सी राट तवता छयन म, सखत तय म रह लो हा, नाम विखन मे हूट ता हा, नाम नीच आ ता हा, ता तिस अय नह ती राट अय तवती एव लो हा ता म चतुर्मास धा मय त शमा चाहता ह ।

अत म प्रव अचाराय प्रयत्न प तन मुनिधा न्ह्यासावजा म या तमय' निर्वच मण्डल तन प्रयत्न ता न्पचकी म ना तन न्हवताता श्री अजीतमुनिजी म ता यया रमित श्री विनयमुनिजी म ता, गोपी एव मया भासा श्री ह्यमाती म ना शक्ति त ती पम अइय पुत्र मुनिजा एव महानतावाजा म न तभी श्री मया तनी स्नही मयानुभासा, तभी विचाप तताया तभा पन्न पविवाया परिपत त उमाही रायचनायो र्चो त मभी पुनर्विचरता तभी प्रयत्नका स्थिधा एम प्रमायया न्ह्युनिया प्रिन्टि त सचालक मण्डल शक्ति का भी प्रव त आभाती = जितान मन ह्य प्रका ता न्ह्याय प्रयत्न किया त एव आया ररता हें ता भविष्य म ना मुय लो नह का एव सत्याय प्रयत्न तन ल्य ।

मै अचरण पूर्वक आप तभी का एव चतुर्मास मय का भी रहत त आभार प्रव ररता ह ।

उसा आशा क सा ।।

मन्द 20 अगस्त 1956

आपता
शरुलाल जन उज्जवन'
सदाजक-सपाक

आर्थिक सहयोग आभार

- मद्रास-बैंगलौर बम्बई-इन्दौर के उन सभी महानुभावों का जिन्होंने परिषद के प्रमुख स्तंभ संरक्षण आजीवन सदस्य बनकर परिषद की आर्थिक नींव सुदृढ़ बनाने में अपना हार्दिक सहयोग प्रदान किया है। उन आप सभी का भी परिषद बहुत बहुत आभार मानती है।
- परिषद के महामंत्री श्री मुन्ना लाल लोढा 'मनन' के प्रयत्नों द्वारा पाली मारवाड (गज.) में परिषद को बहुत अच्छी सख्या में विज्ञापन प्राप्त हुए हैं। उन आपका एवं पाली-मारवाड निवासियों का परिषद बहुत-बहुत आभार मानती है।
- परिषद के अध्यक्ष श्री मुखलाल कोठारी बम्बई के प्रयत्नों से बम्बई में भी काफी विज्ञापन प्राप्त हुए हैं। उन आपका भी परिषद बहुत-बहुत आभार मानती है।
- परिषद के सदस्य श्री जेठमल डागा-पाली-मारवाड के प्रयत्नों में भी रत्नलाम एवं पाली-मारवाड में परिषद को काफी सख्या में विज्ञापन प्राप्त हुए हैं। उन आपका एवं रत्नलाम पाली-मारवाड निवासियों का भी परिषद बहुत-बहुत आभार मानती है।
- परिषद के सयोजक श्री बाबूलाल जी जैन 'उज्ज्वल' बम्बई के प्रयासों द्वारा भी परिषद को काफी विज्ञापन प्राप्त हुए हैं। उन आपका एवं सभी विज्ञापन दानाओं का भी परिषद बहुत-बहुत आभार मानती है।
- श्री बाबूलाल जी पोरवाल (जैन) इन्दौर वालों के प्रयत्नों से भी इन्दौर में काफी विज्ञापन प्राप्त हुए हैं। उन आपका एवं इन्दौर निवासियों का भी परिषद बहुत-बहुत आभार मानती है।
- परिषद के मलाहकार श्रीमान् जानराज जी मेहता बगलार के प्रयत्नों में भी काफी विज्ञापन प्राप्त हुए हैं। उन आपका भी परिषद बहुत-बहुत आभार मानती है।

आगत अनुयोग प्रवर्तक पं. रत्न श्री कन्हैयालाल जी म.सा. "कमल" द्वारा सम्पादित

प्रायश्चित्त-पत्र

नि शुक्ल प्राप्त करें

आत्म जुद्धि के लिए प्रायश्चित्त तप प्रति आवश्यक है, उन प्रायश्चित्त विषयक नामान्य जानकारी के लिए अनुयोग प्रवर्तक मुनि प रत्न श्री कन्हैयालाल जी म सा "कमल" द्वारा सम्पादित प्रायश्चित्त पत्र नि शुक्ल प्राप्त करें। यह पत्र सभी जैन मुनियों तथा महामुनियों जी म सा के लिए मदा साथ रखने योग्य है।

प्राप्ति स्थल : बाबूलाल जैन "उज्ज्वल"

105. निम्पति आर्टमेंट्स. आकली बोग रोड न 1, दादीवनी (पूर्व), बम्बई-400101 (महाराष्ट्र)

श्वे स्थानकवासी जैन सम्प्रदाय की राज्यवार चातुर्मास तालिका 1986

राज्य	श्रमण गण				स्वल्प गणदारण				बृहत् गुजरात गणदारण				कुल गत-नितियां			
	स्त्र	गत	नितियां	कुल	स्त्र	गत	नितियां	कुल	स्त्र	गत	नितियां	कुल	स्वन	गत	नितियां	कुल
राजस्थान	50	63	112	205	91	90	125	115	--	--	--	--	111	151	167	620
मध्यप्रदेश	31	36	94	130	29	24	56	110	1	--	3	3	64	60	181	213
गुजरात	3	2	12	11	3	1	5	9	190	106	666	772	136	109	686	795
महाराष्ट्र	71	47	175	222	16	11	70	54	31	14	150	161	120	75	195	170
पंजाब	32	16	66	102	1	2	--	2	--	--	--	--	13	15	66	101
दिल्ली	22	27	55	112	9	16	1	--	--	--	--	20	29	11	59	112
उड़ीसा	--	--	--	--	1	--	1	1	2	--	5	5	3	--	9	9
हृदियाणा	17	16	59	75	5	15	3	21	1	--	1	1	23	11	63	97
गुजरात	1	--	16	16	6	1	21	25	2	1	5	9	12	5	17	13
असम	1	1	--	1	--	--	--	--	--	--	--	--	1	1	--	1
उ प्रदेश	5	2	13	15	5	5	5	16	--	--	--	--	10	10	21	51
बिहार	2	--	1	1	--	--	--	--	1	--	10	10	3	--	11	11
नामिलना	1	--	15	15	1	--	2	2	1	--	6	6	9	--	13	13
बिहार	3	6	--	6	2	1	1	5	2	1	5	6	7	11	9	20
चण्डीगढ़	1	6	--	6	--	--	--	--	--	--	--	--	1	6	--	6
पंजाब	1	3	--	3	--	--	--	--	1	--	9	9	2	--	11	12
जम्मू-काश्मीर	--	--	--	--	--	--	--	--	1	2	--	2	1	2	--	2
कुल	251	245	661	926	175	181	555	716	231	127	560	987	662	553	2096	2619

अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्-बम्बई

परिषद् के शाखा कार्यालय एवं प्रतिनिधी मण्डल

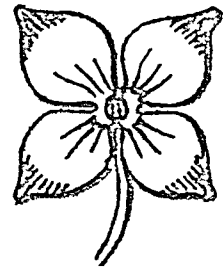
प्रधान कार्यालय:--अ भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्

संयोजक-श्री बाबूलाल जैन "उज्ज्वल"

105, तिरुपति अपार्टमेंट्स, आकुर्ली क्रोस रोड न. 1

कादीवली (पूर्व) बम्बई-400101 फोन न 681278

शाखाएँ	प्रतिनिधि
(1) पाली-मारवाड़ (राज.) श्री मुन्नालाल लोढा "मनन" मुराना मार्केट के पास, पाली-मारवाड़ (राज) 306401	1. श्री बाबूलाल पोरवाल (जैन) 26/बी, राधानगर, इन्दौर-452001 (म प्र)
(2) बैंगलौर (कर्नाटक) श्री ज्ञान राज मेहता 'वकील' c/o जी आर मेहता एण्ड क, 80, एवेन्यू रोड, 1 माला, बंगलौर-560002 (कर्नाटक)	2 श्री जेठमल डागा पाली-मारवाड़ (राज)
(3) मद्रास (तमिलनाडू) श्री एस लालचंद वागमार फाइनैन्सियर्स, 80, ओयडप्पा स्ट्रीट, साहूकार पेठ, मद्रास-600079 (कर्नाटक)	3 श्री प्रकाशचन्द पटवा (अध्यापक) बैंगलौर (कर्नाटक)
(4) गौहाटी (आसाम) श्री कँवर लाल वेताला श्री ज्ञानचंद धर्मचंद वेताला मोटर फाइनैन्सर्स, ए टी रोड, गौहाटी (आसाम) 781001	4 श्री गौतम चन्द ओस्तवाल बैंगलौर (कर्नाटक)
	5 श्री प्रवीण भाई एच शाह गोरेगाँव-बम्बई (महा)



नोट -शाखा कार्यालय एवं प्रतिनिधि के इच्छुक महानुभाव परिषद के प्रधान कार्यालय से सम्पर्क करे ।

परिषद के बढ़ते कदम.

अ भा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद बम्बई द्वारा विगत 7 वर्षों में स्थाननचामी जैन सम्प्रदाया के चातुर्मासों की पुस्तक एक चाट प्रकाशित किये जाते आ रहे हैं। एक ही वर्ष समग्र जैन सम्प्रदाया की सूची पुस्तक एक चाट रूप में प्रकाशित की गयी है।

प्रथम प्रयास—एक भवोभावि विहित है कि 8 वर्ष पूर्व यह निर्मा का नाम तहो का कि आप स्थाननचामी समुदाय में निता माधु गांधिया है एक आका रही 2 चातुर्मास है क्या पता गाग्रन एक समाज की क्या गतिविधिया हमन कठिन परिश्रम के 1979 में ही काय का हाथ में निता एक उमी वर्ष सम्पूर्ण स्थाननचामी सम्प्रदाय की चातुर्मास सूची प्रकाशित करने का था प्राप्त किया वहा क्रम हम आते तन निरन्तर 8 वर्षों में चलाने आ रहे हैं।

द्वितीय प्रयास—यह सम्पूर्ण स्थाननचामी सम्प्रदाय का सूची पुस्तक रूप में ता निता 7 वर्षों में प्रकाशित करवाती आ रहे हैं। निता आ सूची स मभी श्रोतष आवाक-आविष्कार एक स्थानार्थो उता नामाविन नही है पा रहे थ तो हमन 1984 में पुस्तक के माध एक बड़ा सूची चाट भी छपवाता आरंभ किया जा मभी स्थाननचामी आवाक पर एक स्थानार्थिया के साथ रहे एक चाट में मभी आवाक आविष्कारें अधिक लाभायित हुए आ है। यह प्रम हम इन वर्ष भी चातु रम्ब रहे हैं। हमन आना इन वर्ष समग्र जैन सम्प्रदाया के सातु गांधिया का ता तानिकाए व सागिणियां ह उतवा भी चाट प्रबन्धों बाए प्रकाशित किया गया है ताकि समग्र जैन समुदाय श्रद्धा के अधिक जानकारिया प्राप्त कर सकें।

तृतीय प्रयास—मभी सम्प्रदाया, पूज्य मुनिराजा महा मतियों जी मना श्रोतषा हिनपी महानुभावा का आग्रह रहा है कि आप एक बार समग्र जैन समुदाय की सूची का काय भी हाथ में लेकर पूरा करा जा तभी के आग्रह का मान दकर ही वर्ष यह काय हमन हाथ में लिया है। इस वर्ष काय ता हाथ में ले लिया लेकिन आदिन महयाग हम निष स्थाननचामी समुदाय में 84% प्राप्त हुआ है साथ समुदाय में हम निष 2% आदिन महयाग प्राप्त हुआ है

कि भी आरंभ किया गया था प्रथम प्रयास ही ही है कि यह काय हम आप एक वर्ष में पूरा कर आने हाथ में प्रस्तुत कर रहे हैं। आज समाज सूचियां उतवा ताता हुआ है।

चतुर्थ प्रयास की योजना—हम आते हैं कि समग्र जैन समुदाय का एक ऐसा एक आग्रह कर जिता आग्रहप्रतिबन्धा में काय किया जाए। यह आग्रहप्रतिबन्धा में काय काय आ परिषद का एक एक समुदाय में। प्रिय मत्तनुभावा आप हमारे काय के महार का ता परिष्कार का एक हाथ में जता काय किया 7 वर्षों में निरन्तर करने आ रहे हैं। सूची का काय पत्र निकालने समाज में एक नए आका नए जानि लाता चाटने है। निता एक समय की मूर्खता का सामना का उठाना पड रहा है न आदिन महयाग का पड रहा है। हमारे पास काय कर रहे हैं नहीं निर्मा की छत्र छाया। आज की बनी आस्था का काय नहीं कर रही है हमन आनाश्रमिक का एक कठिन परिश्रमिया में उठी महान तरन समाज का निता किया है कि आभा समाज में एक 2 बमड कायकर्ता टिया हुए है जा समाज का कायों उन्नति की राह पर ले ता मरना कायि समाज का पूरा ता मन धन का सहयाग।

स्थान का रजिस्ट्रेशन—अ भा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद बम्बई का शीघ्र ही रजिस्ट्रेशन करवाने का विचार एक स्वतंत्र पत्र प्रकाशित का जान जायत भी भारत सरकार में नाम रजिस्ट्रेशन हेतु आग्रह करने का विचार है। परिषद का रजिस्ट्रेशन शीघ्र ही किया जा रहा है।

अन्य आभा पूज्य मुनिराजा महामतिवार्जो मना आश्रमो, दानतनाश्रो, नितापनताशास, महानुभावा सनम निता है कि परिषद का काय सुचारु रूप में चालू रखने के लिए आप परिषद का तर तरह का हाथि महयाग प्रशय प्रदान करने की कृपा कराए।

इसी आशा के साथ

निषदक
परिषद के मभी सदस्यराज

समग्र जैन समुदाय से एक विनम्र अपील

आपको हमारा यह अष्टम वर्ष का समग्र जैन चातुर्मास सूची का प्रयास कैसा लगा ? यह तो आपको विदित ही है कि हम विगत 7 वर्षों से सिर्फ स्थानकवासी सम्प्रदाय की ही चातुर्मास सूची एव चार्ट का प्रकाशन निरन्तर करते आये हैं। जैन समन्वय एकता वर्ष के उपलक्ष में सभी महानुभावों शुभ चिंतकों के अनुरोध से हमने समग्र जैन सूची का कार्य हाथ में लिया। यह कार्य हमारे लिए एक दम नया, कठिन एव कसौटी जोखिम भरा कार्य था परन्तु देव गुरु धर्म पूज्य मुनिराजो/महासतियोंजी म सा एव आप सभी शुभचिंतकों के आशीर्वाद से यह कार्य पूर्ण हो पाया है पूर्ण भी इतना हुआ है जिसकी हमें कल्पना भी नहीं थी हमें विश्वास ही नहीं था कि हमें प्रथम वर्ष ही पूर्ण सफलता मिल जावेगी आप सब ने हमें जो हार्दिक सहयोग तन मन धन से प्रदान किया है उसका हम आपके बहुत-बहुत आभारी हैं।

स्थानकवासी सम्प्रदाय की जितनी जानकारियाँ हम यहाँ दे पाये हैं उतनी जानकारियाँ इसमें अन्य समुदायों की अबकी बार नहीं दे पाये क्योंकि स्थानकवासी सम्प्रदाय की तो जानकारियाँ हमारे पास विगत 8 वर्षों से निरन्तर प्राप्त होती रही हैं परन्तु अन्य सम्प्रदाय तो हमारे लिए एक दम नये हैं। अन्य सम्प्रदायों की अधिक जानकारियाँ तो क्या पूरे ठाणाओं, स्थलों की चातुर्मास सूचीयाँ भी प्राप्त नहीं हुई। तो भला हम क्या सकलन कर सकते हैं न सारिणीयाँ, तालिकाएँ ही बना सकते हैं न ही टकावारी प्रतिगत ही निकाल सकते हैं फिर भी जितनी हम से हो सकी उतनी ज्यादा नहीं तो थोड़ी ही सही कुछ तो जानकारियाँ प्रथम वर्ष के अवसर पर आपके सन्मुख पेज की हैं।

सभी जैन सम्प्रदायों के सभी पूज्य आचार्यों, मुनिराजो, मास्वीयो जी म सा, श्री सघो, हितेपी धर्म प्रेमी बंधुओं एव सभी कार्यकर्ताओं से नम्र निवेदन है कि भविष्य में अपने अपने समुदायों के चातुर्मासों की सूचियाँ अष्टम मुर्दा 15 तक तो अवश्य तैयार करवाकर भिजवाने की कृपा करावे ताकि हम चातुर्मास प्रारंभ होने तक इस

आपके व समाज के हाथों में प्रस्तुत कर सके दूसरी नम्र विनती आप सभी से यह है कि जिस तरह की स्थानकवासी सम्प्रदाय की सूची है वैसी ही सूची अभी से तैयार करने की कोशिश करे ताकि उस वक्त व्यस्तता से पूरी सूची में वचित नहीं होना पड़े। सभी समुदाय के सभी ठाणाओं के नाम चातुर्मास स्थल, पता, यातायात, दीक्षोत्सव, कालधर्म सूची आदि की सूचनाएँ सूचियाँ अवश्य भिजवाने की कृपा करावे। जब आप अपनी अपनी सूचीयाँ ही चातुर्मास प्रारंभ होने के 20-25 दिन बाद हमें भिजवाते हैं तो क्या सूचियों की प्रेस कापी करने व छापाने में टाइम नहीं लगता है तो फिर हमें क्यों कहते हो कि सूची पुस्तक इतनी लेट क्यों छापी।

तैल तो तिलो से ही निकलेगा जब आप ही देर कर देते हैं तो स्वभाविक ही है गाड़ी लेट होती चली जाती है। आपको शेषकाल का 8 माह का वक्त मिलता है आप होली, महावीर जयंती या अक्षय तृतीया तक तो भावी चातुर्मास का निर्णय ले ही सकते हैं तो फिर देरी करने से क्या फायदा। स्थानकवासी सम्प्रदाय में वृहद् गुजरात सम्प्रदाय में तो चातुर्मास घोषणाएँ शीघ्र ही हो जाया करती हैं। आप उसमें अवश्य मुधार कर लेवे। आप कहेंगे कि चातुर्मास प्रारंभ के दिन तक काफी परिवर्तन हो जाता है तो उसका भी एक उपाय है आप उम क्षेत्र के बारे में अलग सूचना कार्यालय को दे सकते हैं।

हम समझाभाव के कारण जितनी हम जानकारियाँ सूची में देना चाहते हैं उतनी जानकारियाँ आपको नहीं दे पाते हैं। सभी जानकारियाँ बना नहीं पाते बना भी लेते हैं तो अधूरी रह जाती है, या फिर स्थानाभाव समयाभाव के कारण बीच में रोक देनी पड़ती है। हम अममर्थ हो जाते हैं। उधर आपकी सूचियाँ आती हैं, उधर प्रेस कापी करने, छपाने, प्रुफ चेक करने का कार्य रहता है तो उधर समय भी निकलता जाता है। सभी को पुस्तक की इन्तजार रहती है। तो अब आप ही विचार करे कि आपकी देरी के खातिर आगे

का माग काय दर्शनी सर्वा टिळके ने लिखा जुटना चना
 जाता अजिना लाभ समाप्त न। मित्रता बाहिर गमनामात्र
 म तरी मित्र घना। अत आप सभी पूज्य आचार्या, पूज्य
 मुनिगजा/महागजावाजी मया आगया हिनया महानु-
 भावा कायवनामा म नम्र निरन्त ह कि भविष्य म विरपी
 जन्दी म जन्दी हा मव अष्ट मुर्ती 15 तर का आप अपन
 समुदाया के आनुमान की सुविधा एव अत नलनारिया ह म
 भिज्जान का वृथा कराये ही ना ह म आपका अश्वाम दिनान
 ह कि आपका ह म उमम भी उदादा मेरा करन का पूरा काजिज

कान का प्रयत्न करेंगे। हम आजा ही नहीं पूरा विश्वास
 ह कि आप टा आ अत अत दन ही आ करेंगे। म।
 आजा के माय —

दिनान

बाबूलान जन 'उज्ज्वल'

मम्पादर

आमन्त्रण पत्रिका हेतु नम्र विनती

ममग्र जैन मम्प्रदाया क प्रात न्मरणीय पूज्य आचार्या
 मुनिगजा महामनिगजाजी मया, आगया उम प्रमा महान
 भावा, हिनया अथ चितरा आदि महानुभावा म नम्र निरन्त
 ह कि आपक महा पर हान वात दी तामय, तपामय रात
 धम, आचार्य, पत्राम, र्णन प्रवतन पत्रामय प्रतिष्ठा अजन
 शात आदि जा भी आमिक कायत्रम मम्प्रन ज्ञाना हा उमरा
 मूचनाए आमत्रण, निमत्रण पत्रिकाए हमार पाम भी भिज
 जान की वृथा कराय। आप सभी पत्र पत्रिकावा का पत्रिकाए
 भिज्जान ह ता आपका पत्र की टायरी (तानामा ता चापटा) म
 हमार नाम अभी म हानाट तर उन का वृथा कराय। आपकी
 छाटी-छाटी मूचनाजा, जानकायिया म हमारी यट मूचा
 तैयार हा जाती ह। हम आपका अश्वाम दिनान ह कि आपका
 भर्जी हुड आमत्रण पत्रिका एव मचनाए अय म तरी जान
 देंगे, मही उपवाग करन की पूरा काजिज करेंगे।

अत दीक्षाभव, पदा मव एव राटर ममपण तपामव
 कालधम, त्रिमाचना, पदा-त्मय, प्रतिष्ठा, अजन शाला,
 विहार, प्रवश आदि अममग का मूचनाए निमत्रण, आमत्रण
 पत्रिकाए ह म अश्व भिज्जान की वृथा कराये।

उमी आशा क माथ—

।वनील

बाबूलान जन 'उज्ज्वल'

मम्पादर

वीरवाल जैन प्रवृत्ति का सक्षिप्त परिचय

प्रेरक—

श्व श्री मनीर मुनिजी म सा

मस्थापिका—

श्रीमती कमला माताजी जैन

उपा (म प्र)

जैनधर्म म अहिंसा का मित्रान नूतन ही महव ता
 म समा उद्देश्य म अजिन रातन्मान अहिंसा प्रचारक
 जैन मध क नाम की मस्था मन 1958 म स्वीय
 श्री मनीरमुनिजी म सा न स्थापन की थी। उमरा
 मत्र उद्देश्य गरीब जाति का अहिंसावादी प्रानन का ह।

आत पवन स्वीय मनि श्री मनीरमुनिजा म सा
 क मद्रप्रयामा म एव उपा निवागी वीरवाल जाति की
 प्राण नद्वय श्री मनामानाजी की प्रेरणाजा म य परम
 नद्वय मिद्धात्ताचाय श्री कमरमुनिजा म सा के उपदना
 म तगभय 2500 खटाक परिचारा न अहिंसा का गम्ना
 अपनाकर पत्र वाग्वात जैन वनन एव नावान महावीर क
 उपामन उन चुन ह।

अहिंसागर म एव छात्रागाम ना इनक छाट छाट उल्का
 मे धार्मिक न वायवहारिण शिक्षा क लिए 1966 म मद्र
 किया ग। जियम शिक्षाविद्या का भाजन, निवास, दूध,
 नाश्ना तथा रागना, तन, मादुन आदि नि तुक दानदाताओं
 की तरफ म दिया जाता ह। धार्मिक शिक्षण की मुदर
 व्यवस्था भी ह।

अनुक्रमणिका सूची

(1) अ. भा. श्वे. स्थानकवासी जैन सम्प्रदाय के चातुर्मासों के गाँवों/शहरों की अनुक्रमणिका सूची

गाँवों-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँवों-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
	राजस्थान प्रान्त	(झ) झाब	69
(अ) अलवर	50	(ट) टाटोटी	51
अलाय	61	(ड) डूंगला	33
अजमेर	72,77,83,84	डाणियो की कोटडी	34
अकलेरा	43	डवोक	12
(आ) आबू पर्वत	83	(द) देवगढ	63
(उ) उदयपुर	9,11,20,60,61,70	देशनोक	64,68,83
(क) कोटा	18,49	(न) नागौर	52,53
कुशालपुर	53	नानणा	52
कानोड	55	नोखामंडी	58,68,83
कोरणा	69	निम्बाहेडा	17,63
कवलीयास	74	नाई	73
केकड़ी	74	नाथद्वारा	10
कपासन	33	निम्बली	36
कर्मावास	36	(प) पीपाड सिटी	49,50
कुण्डेरा	61	पावटा	50
(ख) खीचन	66,72	प्रतापगढ	6,60
खेमली	2	पाली (मारवाड)	9,10,35,36,46,67,71
खण्डप	11	पाटोदी	67
(ग) गंगाशहर	61,71	पादरु	68
गंगापुर (भीलवाड़ा)	57	(ब) व्यावर	26,57,58,95
गढ़ सिवाना	68	बडीसादडी	16,57
गंगरार	33	वालेसर	63
(च) चिकारड़ा	58	वाडमेर	67
चित्तौड़गढ़	16,63	वावरा	94
चौमहला	43	वालोतरा	41,66,71,96
(ज) जयपुर	79	विलाडा	35
जोधपुर	15,40,46,50,52,53,66,67,71	वीकानेर	55,57
जालौर	47,68	वीगोद	34

गावो-शहरो के नाम	पृष्ठ संख्या	गावो-शहरो के नाम	पृष्ठ संख्या
(भ) भोपाल सागर	59	(उ) उज्जैन	13,17,45
भवानी मंडी	67	(व) वरही	81
मीनासर	57	वडवासा	34
भोपाल	77	(ख) खिडबिया	64
भादसोडा	20	खैरागढ	64
भीटा	21	खाचरौद	40,45
(म) मथानिया	73	(ज) जावरा	14,18,57
मगलवाट	74	(घ) ग्वावा	40
मसूदा	78	(त) ताल	73
मदनगज	1522,33	(द) दुर्ग	70
मेडतामिटी	45	देवाम	39
(र) रायपुर-भारवा	52	(ध) धार	81
रोहट	68	(न) नारायणगट	67
राशमी	16	(प) पिपत्या गाव	56
राणी दशोपुरा	9	(ब) बालोद	70
राजकरेडा	20	बडाद	72
(व) विजयनगर	49,77	वामनिया	39
(श) श्यामपुरा	59	उदनावर	40
(म) सोजतसिटी	71	(भ) भोपाल	73
सोजत रोड	53,56	(म) मन्दासौर	18,56,58
सोमसर	60	महिदपुर	73
मवाईभाधोपुर	15,16,19	मेघनगर	37
मनवाड	66	(र) रायपुर	52
साचोर	72	रतलाम	13,19,37,38,39,56,59
मरेगी	72	रावटी	72
मरवाड	74	रामपुरा	17
सायरा	11	(व) वडवाह	83
ममदडी	9,10	(श) शाजापुर	6
माडेराव	22	शुजालपुर	38
सादडी मारवाड	36,46	शिवपुरी	41
(ह) हरभाडा	22	(म) मरवानिया महाराज	57

मध्यप्रदेश प्रान्त

गाँवो-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँवो-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
सीतामऊ	63	नान्दगाँव	14
सिगोली	15	नागपुर	41
(ह) हरसूद	32	(ब) बम्बई-	2, 11, 14, 28, 43, 82, 91, 92, 93, 96,
हाटपिपल्या	17		102, 103, 105, 106, 110, 111, 113, 114,
हातोद	20		115, 118, 119, 124, 125, 128
महाराष्ट्र प्रान्त		(भ) भिवानी	3
(अ) अनकाई	90	(म) मालेगाव	69
अहमदनगर	1, 27, 18, 43	मिरी	4
अकोला	42	मनमाड	4
(आ) आलन्दी	7	(प) पूना-	7, 13, 14, 25, 31, 37
आश्वी	7	परभणी	42
(उ) उमराणा	70	परली वैजनाथ	42
(ई) इंचलकरजी	3	पीपलगाव बसवंत	41
(औ) औरंगाबाद	37, 41	(फ) फतेहपुर	69
(क) करमाला	63	(य) यवतमाल	42
कोल्हापुर	104	(र) राहूपिपलगाव	5
क्रुडुवाडी	42	राहता	1
(घ) घोडनदी	3, 6, 10, 76	(ल) लोणार	60
घोटी	7	लासूर स्टेशन	70
(च) चादवड	27	(व) वाई	111
(ज) जलगाव	55, 60	वडेल	7
जालना	7, 11	वडगाव शेरी	4
जयसिंगपुर	43	वारशी	43
जयलिंग	104	(श) शोलापुर	48
(द) दोडाइचा	69	(स) सिरपुर	59
देवलाली	6, 43	सटाणा	17
दौड	32	सगमनेर	39
देवला	70	सेदाणा	42
(ध) धूलिया	14	(श्र) श्री रामपुर	50
(न) नंदुरवार	56	श्रीगोदा	4

गाँव-शहरो का नाम	पृष्ठ संख्या	गाँवो शहरो के नाम	पृष्ठ संख्या
	गुजरात प्रांत	(छ) छसरा	120
(ज) अहमदाबाद	99,101,104,105,108,109, 110,111,112,116,125,126	(ज) जामनगर	89,90,91,92,96
अजार	104	जूनागढ	93,94,104
अम्नावाडी		जेतपुर	98
अमरेली	95	जोरावरनगर	113
(आ) आणंद	93	जमनानगर	96
आघोई	101	(ढ) ढसा जक्शन	93
आरीखाणा		(ध) धागे	94
(इ) इटोला	112	घोराजी	95,105
(उ) उपलेटा	90	धोल	91
ऊना	96	धधुवा	92
(क) कालावड शितला	91	ध्रागध्रा	100
वृष्णनगर	105	धानेरा	3,22,47
ककरवा	102	धोलका	102
कलोल	112	(त) तलवाडा	117
काडागरा	117	(द) देशलपुर	121
कपाया	119	दामनगर	127
कुडराडी	121	(थ) थानगट	95
कारागागा	121	(न) नन्दासर	103
(क) कठाड	117	नविनाल	117,121
(ख) खभा	95	नाना भाडिया	118
खभात	93	नवमारी	115
खेडा	125	नविनार	
(ग) गाडल	89,93,128	नडियाद	124
गागादर	100	(घ) वीलखा	93
गुदाला		वगमरा	91
गुदियाला	100	विष्टिया	161
गाधरा	106	वडादा	127, 169
गेलटा	121	वावी	118
गडडा स्वामीनारायण	127	विडदा	119
(ग) चूडा	100	वडवाण शहर	119,113
चौटीला	101	वाकानर	114
		वेराजा	122
		वारारु कच्छ	122

गाँव-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँव-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
			98, 103, 105, 114
दोटाद	126	लिम्बड़ी	101
वरवाला	130	लिमड़ा	109
वोडेली	102	लखतर	117
(भ) भाणवड	92	लुणी	118
भुज	99, 104, 118, 122	लाखापुर	96
भचाऊ	99, 106	लीलियामोटा	89
भावनगर	92, 102, 130	(व) बड़ीया	95
भोजाय	119	वेरावल	94
भुजपुर	119	वीसावदर	115
(म) मनफरा	103	वोडेली	121
माधापुर	105	विरमगाव	64
मोरवी	47, 100	वडाला	90
माँडवी कच्छ	106, 117	वापी	94
मून्द्रा	118	(स) सिद्धपुर	98
मोखाकच्छ	122	सावर कुण्डला	99
माँगरोल	128	रुवई कच्छ	100
(प) पालियादं	92	रामाघोषा	109, 125
पाटण	92	सरा	108
पाटडी	103	साणन्द	111, 113
पालनपुर	108	सूरत	113, 115
प्रान्तीज	112	सायला	122
पीज	110	सुरेन्द्रनगर	130
पत्री	120	साडाऊ	101
प्रतापुर	122	(त्र) त्रम्बो	
प्रगापुर			
			चंदीगढ़ प्रान्त
(र) राजकोट	90, 91, 92, 94, 96, 128, 129	(च) चडीगढ़	23, 30
रव	98		
रताडिया	101		पंजाब प्रान्त
रापर	99	(अ) अहमदगढ़ मर्ठी	32
रतनपुर	106	अमनाह	28
राणपुर	126	अहियापुर	26
(न) लानपुरा	92	(घ) ग्ररड़	30
लाकडिया	98	(ज) जान	

गाव-शहर के नाम	पृष्ठ संख्या	गाव-शहर व नाम	पृष्ठ संख्या
(ड) टेरावर्सा	29	(ट) टोहना	53
(घ) धूरीमडी	30	(भ) भिवानी	24
(भ) भटिण्डा	26,32	(म) मुलाना	27
भार्दरपा	48	(र) रोहतक	28
(म) मालेर काटला	23,30	राहतक मडी	79
मूनक	25	(म) सिरसा	29,79
मडी गिदडवाहा	24	सानीपत शहर	29
मारिण्डा	25	सफीदोमडी	28
(प) पटियाला	31		
(ब) वनूड	30	आसाम प्रान्त	
बलाचार	26	(ग) गुवाहाटी	2
(र) रापड	5		
रायकोट	24	तमिलनाडु प्रांत	
राजपुरा	25	(ड) उटकमड	61
रामामडी	32	(क) कुनूर	65
(ल) लुधियाना	23,28	(घ) मद्रास	17,18,61,47,94
(श) शिवपुरी	24	(त) तिमपतूर	5
(म) सुन्दरजगर	31		
सगरूर	31	उडीसा	
समाना	32	(ख) खरोयार रोड	70
सरदूलगढ	27	(ब) बालेसर	95
		(र) राऊरकेला	101
हरियाणा प्रान्त			
(अ) अम्बाला शहर	23,28	बिहार प्रान्त	
(उ) उकलाणा	80	(भ) भिलाई	14
(क) कंचल	16	(म) मधुवन शिखरजी	2,37
कालका	25	(प) पेटरवाग	89
करनाल	28	(ब) बिरायतन राजगृही	75
कुरक्षेत्र	31	(घ) घनबाद	94
(ग) गझौर	24,28		
गुज्जरखेडी	32	कर्नाटक प्रान्त	
गुडगाव	25,18	(ब) बडूर	5
(ज) जीद	79		

गाँव-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँवो शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
(र) श्रीरामपुरम	59	(छ) छपरोली	73
(व) बैंगलौर	62, 95, 96	(द) दोघट	73
(म) मैसूर	18	(ब) बडोत	62, 27, 79
(स) सिधनूर	45	(म) मेरठ शहर	26
(ह) हुवली	56		
	उत्तर प्रदेश प्रान्त		बंगाल प्रान्त
		(क) कलकत्ता	96
		(भ) भवानीपुर	14
(आ) आगरा	47, 75		दिल्ली प्रान्त
(क) कानपुर	6	(द) दिल्ली	23, 24, 25, 26
कांघला	11		27, 28, 29, 30, 31, 47, 75, 83, 84

(2) अ. भा. श्वे. तेरापंथी एवं नव तेरापंथी सम्प्रदाय के चातुर्मास स्थलों की गाँव-शहरों की अनुक्रमणिका सूची

गाँवों-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँवो-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
	राजस्थान प्रान्त		
(आ) आत्मा	143	गगापुर (भीलवाडा)	143
आमेट	143	गडबोर	143
आसीन्द	144	गोगुन्दा	144
आदर्शनगर (सवाई माधोपुर)	145	(च) चुरू	141
(ई) ईडवा	140	चाडवासा	141
(उ) उदासर	140	(छ) छोटी खाटू	139
उदयपुर	144	छापर सेवा केन्द्र	141
(क) कालू	141	(ज) जोधपुर	139
केलवा	144	जसोल	139
काकरोली	144	जोजावर	139
(ख) खिवडा	140	जयपुर	145
(ग) गंगाशहर	142	(ट) टमकोर	145
श्री गंगानगर	142	टाडगढ़	145

गाँवों शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँवों शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
(ड) डिडवाना	139	रिछेड	143
टुंगरगढ	140,141	राजाजी का करेडा	143
(त) तागा नगर	141	रावलियागडी	144
(थ) थामला	144	रेन मगरा	144
(द) देशनोक	142	(ल) लाडन्	139
देवगढ	143	लाम्बोडी	143
(न) नादेशमा	143	लाछुडा	144
नाथद्वारा	144	नुणकरणमर	140
नोगामण्डी	141	(व) वोरियापुर	143
बोहर	141	(स) सरदारपुर	140
(प) पीपाड निटी	140	समदडी	140
पाली	140	मोजतमिटी	140
पचपदरा	140	सरदार शहर	142,152
पीली बगा	142	मादुलपुर	141
पडिहार	142	मुजानगड	141
पुर	142	सगरियामण्डी	142
पहुना	144	सायरा	143
(फ) फतेहपुर	145	सरदारगढ	144
फिनार	148	मिमोदा	144
(ब) बोराबड	139		
बालोतरा	139		
बीकानेर	142	मध्यप्रदेश प्रान्त	
बाडमेर	139	उज्जैन	145
बीदामर	142	जाउद	145
बरार	143	पेटनावद	145
व्यावर	145	इन्दौर	145
(भ) भीनासर	142	रतलाम	145
भीलवाडा	144		
(म) मोमासर	141	गुजरात प्रांत	
(र) राणावाम	140	उधना (सूरत)	146
राजलदेमर	141	अहमदाबाद	146
राजगढ	141	येड ब्रह्मा	146
रतनगढ	142	भुज	146
राजनगर	143	वाव	146

गाँवों-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँवों-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
महाराष्ट्र प्रान्त		दिल्ली प्रान्त	
शाहदा	146	अणुन्नत नईदिल्ली	149
वम्बई	146	अशोक विहार दिल्ली	149
जालना	146	नेपाल राज्य	
धूलिया	146	विराट नगर	149
पंजाब प्रान्त		बंगाल प्रान्त	
सुनाम	148	कलकत्ता	147
फिलोर	148		
धूरी	148, 152	आसाम प्रान्त	
संगरूर	148, 149	वर पेटा	147
जगराओ	148	गुवाहाटी	147
गोविन्दगढ मण्डी	148	बिहार प्रान्त	
वरनाला	148	पटना	148
अहमदगढ मण्डी	148		
हरियाणा प्रान्त		उत्तरप्रदेश प्रान्त	
नरवाना	148	मुज्जफर नगर	148
भिवानी	149	आन्ध्रप्रदेश प्रान्त	
उकलाना	149	हैदराबाद	147
हाँसी	149	कर्नाटक प्रान्त	
अचाना मण्डी	149	चिक मगलूर	147
सिरसा	149	तमिलनाडु प्रान्त	
कालावाली	149	मद्रास	147
जीन्द	149	उड़ीसा प्रान्त	
हिमार	149, 152	टिटलागढ	147
उमरा	149		



(3) अ भा. मूर्तिपूजक जैन मम्प्रदाय के चातुर्मासो के गाँव, शहरो की अनुक्रमणिका सूची

गाँवो शहरो के नाम	पृष्ठ सख्या	गाँवो शहरो के नाम	पृष्ठ सख्या
(ज) अहमदाबाद	155, 156, 159, 160, 161, 162	(ञ) उज्यपुर	176, 189
163, 164, 165, 166, 167, 168, 169		उज्जैन	181
170, 172, 173, 175, 176, 177, 179,		उरण	204
179, 180, 182, 184, 186, 187, 188,		उमरवाट	192
191, 192, 197, 198, 199, 201, 202,		उनावा	
203, 205, 206, 208, 209, 210, 211,		उना	174, 177
213, 215, 216, 217, 218, 220, 222,		(व) कपडवाज	174, 175, 178, 182
223, 224, 225, 226, 227, 228, 229,		कुतुर	208
230		कनौल	178
अक नेशवर	171	कीम	178
अरणोद	183	कटामण रोड	180
अम्बाना मिटी	192	कानवन	181
अमरेली	194, 226	कमराबद	182
अमरावती	195	कनारगाम	183
अहमदनगर	156, 210	कुनाला	188
अजारकच्छ	217	करवटिया	189
अमलनेर	164	कलकत्ता	159, 204, 220
(भा) आणंद	168, 172	कोशेलाव	206
आलोड	174	कोट बालीमान	207
आदरियाणा	179	कोयम्बतूर	158
आगर	181	कोल्हापुर	161, 165, 210
आहोरा	202	कगारा	
आकाशा	191, 195	कोटहाकच्छ	
आमाद	156	काडागरा	
आप्टा	159	कोडाद कच्छ	
आघाई	217	कोठरा कच्छ	
आगरा	220	कजत	160, 220
औरंगाबाद	222	(घ) खभात	160, 163, 164, 169, 171, 176, 180,
(ङ) इन्दौर	175, 180, 189, 228		216
ईडर	208, 209	खेडा	171

गांवों-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गांवों-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
बोरडी	157	मेमदपुर	213
बढवाण शहर	148,218	महुडी	198,199
बारेजा	159	माणसा	200
बोटाद	160,217	मालगाव	156,201,209
बाडा कच्छ		मधुर नगर	195
बीलीमोरा	224	मद्रास	156
बीकानेर	204	माडवी	215,217
ब्यावर	163	मनफरा	215,218
(भ) भावनगर	166, 167, 168, 222, 225	मुन्द्रा	215,218
भिवणडी	158,179,211	मोटा आसबिया	
भुज कच्छ	182	माडल	
भद्रावती	198	मेराउट कच्छ	
भडारिया	196	मकडा कच्छ	219
भावर	158	(य) येवला	158,161
भरुच	209	(र) राजकोट	155,203,216,222
भिलण्डी यात्री पेढी	161	रतलाम	160,163,176
भचाऊ कच्छ		रामपुरा (म.प्र.)	177
भरुकिया	217	राजगढ़	178
भीमासर कच्छ	217	रोगाव	179
भुजपुर कच्छ	217	रामगजमडी	181
भुज कच्छ	217	रीछेड	182
भीनमाल		राणपुर	184
(म) मोरबी	167,173,216	देवदर	190,202
महुआ	156,176,221	रायपुर	219
मढी	178	रामसीणा	202
मालवाडा	179,186,228	राधनपुर	157,204,216,217
मन्दसौर	181,189	राणी	159
महिदपुर	181	रापर कच्छ	218
महेसाणा	182,199,204,211,213	रायण कच्छ	
	221	रायचूर	
मडवारिया	188	रगपुर	
मंडार	189	राजपुर	231
मालेगाव	194	(ल) लोडाई	218
माडवला	157,201	लोहरा	178
मधुवन शिखरजी	212	लुणावड़ा	189
मागरोल	212	लाठारा	191

गाँवो-शहरो के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँवो-शहरो के नाम	पृष्ठ संख्या
नीमच	181	प्रान्तीज	199
नवखेडा	182	पिशागन	195
निम्नज	188	पिडवाडा	157
नाणातीय	202	पोसालिया	158
नासिक सिटी	157,164	पादरा	160
नखत्राणा	212	पोपनाद	208
नाडील	192	पालोसवा	215
नकोदर	191	प्रागपुर वच्छ	218
नागोदना	193	पिपवाडा	164,204,229
नागपुर	192	पचपादरा	222
नागोर	193,196	(फ) फालना	202
नाणा	196	(ब) बम्बई- 155, 157, 158, 159, 160, 162,	
नडीयाद	156	163, 164, 165, 166, 167, 168, 169,	
नवाडीसा	157,215,216	170, 171, 172, 174, 175, 176, 179,	
नादलोई	157,162	180, 185, 186, 187, 190, 193, 194,	
नर	158,161	197, 198, 204, 205, 208, 210, 211,	
नाकादा	215	212, 219, 221, 222, 223, 225, 226,	
नाणावट	166	227	
नादेण	218	वारसद	159, 171, 175, 217
(घ) पालीताणा-	16, 161,162,164,166,168,	वडोदा-	159, 171, 192, 193, 219, 220,
169, 170, 171, 174, 175, 178, 180			221, 222
182, 183, 184, 189, 192, 193, 194,		वाकानेर	174
195, 198, 200, 201, 202, 205, 206,		वारडोली	160,178
207, 210, 211, 213, 216, 219, 220,		वडोत	180,194
221, 222, 223, 224, 225, 226		बुहारी	183
पालनपुर-	168, 172, 174, 195, 213,	बैल्लारी	227
216,226		बेडा	188
पा नडी	186,188,211	बरलुट	188
पाली मारवाड	228	बडगाव	189
पूना-	156, 159, 160, 175, 191, 194	दामणवाडा तीथ	202
222		त्राली	166,203,206
पाटण-	155, 161, 163, 176, 177, 179,	बीजापुर	197, 199
203,204,217		बटवा	199
पारवन्दर	179	बंगलार	196
पुरण	189	बारमी	196
पाटडी	201		

गांवों-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गावों-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
वोरडी	157	मेमदपुर	213
वढवाण शहर	148,218	महुड़ी	198,199
वारेजा	159	माणसा	200
बोटाद	160,217	मालगाव	156,201,209
बाडा कच्छ		मधुर नगर	195
बीलीमोरा	224	मद्रास	156
बीकानेर	204	माडवी	215,217
ब्यावर	163	मनफरा	215,218
(भ) भावनगर	166, 167, 168, 222, 225	मुन्द्रा	215,218
भिवण्डी	158,179,211	मोटा आसबिया	
भुज कच्छ	182	माडल	
भद्रावती	198	मेराउट कच्छ	
भंडारिया	196	मकडा कच्छ	219
भावर	158	(य) येवला	158,161
भरुच	209	(र) राजकोट	155,203,216,222
भिलण्डी यात्री पेढी	161	रतलाम	160,163,176
भचाऊ कच्छ		रामपुरा (म.प्र.)	177
भरुकिया	217	राजगढ़	178
भीमासर कच्छ	217	रोगाव	179
भुजपुर कच्छ	217	रामगजमडी	181
भुज कच्छ	217	रीछेड	182
भीनमाल		राणपुर	184
(म) मोरवी	167,173,216	देवदर	190,202
महुआ	156,176,221	रायपुर	219
मढी	178	रामसीणा	202
मालवाडा	179,186,228	राधनपुर	157,204,216,217
मन्दसौर	181,189	राणी	159
महिदपुर	181	रापर कच्छ	218
महेसाणा	182,199,204,211,213	रायण कच्छ	
	221	रायचूर	
मडवारिया	188	रगपुर	
मडार	189	राजपुर	231
मालेगाव	194	(ल) लोडाई	218
माडवला	157,201	लोहरा	178
मधुवन शिखरजी	212	लुणावड़ा	189
मागरोल	212	लाठारा	191

गावा शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गावों शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
लुप्रिगाना	191	सुमेरपुर	174,179,202,228
निम्बडी	155 216	मिद्धपुर	176
तुणावा	158 163	मिक् दरावाद	181
लाकडिया	217	सूचा	183
(ब) वामनगर	174, 204	मिग्पुर	183
वामद	179	माचौर	231
वानगर्ट	202	भारिगपुर	
विमलपुर	205	मिगाना	201
विग्मगाव	198	माणद	161,199
वटानी	157,164	मावर वृडना	159,163
वार्ट		मावरकाठा	199
वाव	159,217	मेवाडी	192
वरावन	218	नाम खियाली कच्छ	218
वाट कच्छ		नातलपुर	218
वाली	157,162	मामरार्द कच्छ	
वनमाट	165	सुयवर्द कच्छ	
(श) शाजापुर	181	मरियद	162
शाहपुर		मुल जानपुर	226
शिवगज	203,229	(ह) हामवेट	227
मिहोरी	213	हिम्मत नगर	185,189
शेगडी कच्छ		हस्तिनापुर	192
(स) मूरत 156, 164 169, 171, 174, 175,		हामन	195
179, 183, 188,202, 204, 205, 209,		हालाग	159
221, 225, 228		हि जानमिटी	208
मिराही 167 185 188 205		हलरा कच्छ	218
मुरेन्द्र नगर 157, 164, 168, 173, 224,		हलवद	218
225		हानापुर	
मादडी 229		हदरावाद	224,225



**(4) अ.भा. दिगम्बर सम्प्रदाय के चातुर्मास स्थलों की
गाँव शहरो की अनुक्रमणिका सूची**

गाँवो-शहरो के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँवों-शहरो के नाम	पृष्ठ संख्या
(अ) अहारजी	273	नासिक	274
अजमेर	273,278	निमाज	276,277
अहमदाबाद	276	(प) पाडिचेरी	276,277
(आ) आरा	273	पर्पोराजी	274
(इ) इन्दौर	275	प्रतापगढ	274
(ए) एलोरा	278	पिडावा	
(उ) उदयपुर	273	(फ) फिरोजाबाद	274
उज्जैन	274	(व) वडा	274
उस्मानाबाद	276	वाहुबली (कोल्हापुर)	274
(क) कोटा	275	वाहुबली (महाराष्ट्र)	
काँधला	276	वम्बई	275
कोथली	274	वडौत	277
कूण	277	(म) मधुवन शिखरजी	273,274,275
(ख) खतौली	276	मद्रास	
(ग) गाजियाबाद	271	मुजफ्फरनगर	275
गाधीनगर (गुज)	275	श्री महावीरजी	278
(घ) घाटोल		मण्डला	276
(च) चनानी	274	मदनगज	277
चादखेडी		(र) रत्नजयपुरी	273,277
(छ) छिदवाडा	276	(ल) ललितपुर	276
(ज) जहेर		(ल) विजयनगर	277
(झ) झुमरी तिलैया	276	(श) शिवपुरी	274,277
(ट) टोक	276	शाहपुर	
(ड) डूंगरपुर	275	(ह) हिम्मतनगर	273
डोगरगाव	276	हस्तिनापुर	277,279
(द) देहरादून	273	(स) सुजानगढ़	273
दिल्ली	275	सोनगिर सिद्धक्षेत्र	
(न) नैनवा	275	सिवनी	275
निवाई	277	सेडवाल	273
नागपुर	274	(त्र) त्रापज	214

आवश्यक सूचना

सभी महानुभावों को समग्र जैन चातुर्मास सूची 1986 की पुस्तक एव चार्ट विलम्ब से मिलने के कारण कितना दुःख हो रहा होगा। नईदुनिया प्रिन्टरी, इन्दौर में मं एक माह से निरन्तर रात दिन एक करके भी आपकी जिज्ञासा की पूर्ति नहीं कर पा रहा हूँ। इसी बीच हमारे परिवार में एक घटना घटित हो गयी। मेरे पूज्य काकासा श्रीमान रामनारायण जी सा जैन (हलवाई) का चौथ का बरवाडा में दिनांक 28-8-1986 को अल्पायु में देहावसान हो गया। मुझे भी इन्दौर से चौथ का बरवाडा जाना पडा और पुस्तक एव चार्ट के कार्य का अमत्य समय मुझे कुछ उस कार्य में भी लगाना पडा। फिर भी जितनी हो सकी उतनी जल्दी से जल्दी पुस्तक एव चार्ट आपकी सेवा में प्रस्तुत करने की पूरी कोशिश की गयी है।

अत मुझे सभी महानुभावों से यही आशा है कि मेरी मजबूरी को देखते हुए पुस्तक एव चार्ट विलम्ब के लिए मुझे अवश्य क्षमा प्रदान करेंगे। इसी आशा के साथ।

—दिनित—

दाबूलाल जैन "उज्ज्वल"

सम्पादक-संयोजक

जैसे मातृन घृत ही है पर, तप बर विशुद्ध बन जाता है।
यो तप मे कम जनें तप, जल्मा, परमात्मा बट्वाता है ॥

हादिक शुभकामनाओं सहित—

शान्तीलाल चौरडिया

Phone 22082

M/s. SHANTHI TEXTILES
Wholesale Fancy Piece Goods Merchants
87/5, GODOWN STREET MADRAS 600 001 (T N)

णमो लोए मध्वमाहृण

मे. एस. एस. इटरप्राइजेस

मे श्री महावीर पोली प्लास्ट इडस्ट्रीज

इडिन्टीयल एरिया, 'ए' मकट्ट, सावर राड इन्दौर (मध्यप्रदेश)

जाफिम—118 गिवाजी मार्केट, इन्दौर 452007

टेलीफोन न 21273 22448 452007

21664 33109 31337 21207



भाग-द्वितीय

श्वेताम्बर स्थानकवासी सम्प्रदाएँ

- * श्रमण संघ
- * स्वतन्त्र सम्प्रदाएँ
- * वृहद् गुजरात सम्प्रदाएँ

WITH BEST COMPLIMENTS FROM

**MOHAN ALUMINIUM
PRIVATE LIMITED**
(A PREM GROUP CONCERN)

Regd Office

228, Upper Palace Orchards, Sadashivnagar,
BANGALORE-560 080
Tel 360302 & 365272

Admn Office & Works

9th Mile, Old Madras Road
Post Box No 4976
BANGALORE-560 049
Tel 58961 (3 lines) ● Gram "PREGACOY"

City Office

94, 3rd Cross, Gandhinagar,
BANGALORE-560 009
Tel 28170 & 75082
Gram "CABAGENCY"
Telex 0845 8331 PREM IN

MANUFACTURERS OF ACSR AND ALL ALUMINIUM CONDUCTORS

REGISTERED WITH DGTD & D AND LICENCED
TO USE ISI MARK

Associates in Gujrat, Haryana, Rajasthan & Tamil Nadu

जैनधर्म दिवाकर, राष्ट्र संत, श्रमण संघ के द्वितीय पट्टधर,
महामहिम आचार्य सम्राट पूज्य श्री आनन्द ऋषिजी
म. सा. से आज्ञा प्राप्त संत सतीयाँजी

संत समुदाय

ऋषि सम्प्रदाय एवं अज्ञानवर्ती

1. आदिनाथ सोसायटी—पूना (महाराष्ट्र)

1. जैन धर्म दिवाकर, राष्ट्रसंत, श्रमण संघ के
द्वितीय पट्टधर, आचार्य सम्राट पूज्य
श्री आनन्द ऋषिजी म० सा०

2. नेवामूर्ति श्रीचन्द्र ऋषिजी म.सा.

3. मधुर वक्ता सचिव श्री कुन्दन ऋषिजी म.सा.

4. प्रवृद्ध वक्ता श्री आदर्श ऋषिजी म.सा.

5. प्रवृद्ध विचारक श्री प्रवीण ऋषिजी म.सा.

6. तपस्वी श्री श्रद्धा ऋषिजी म.सा.

7. बाल संगठक श्री कुन्द ऋषिजी म.सा.

8. सेवामात्री श्री कनक ऋषिजी म.सा.

9. विद्यामिलापी श्री अक्षय ऋषिजी म.सा.

10. मधुर गायक श्री प्रज्ञान ऋषिजी म.सा.

11. मधुर गायक श्री महेंद्र ऋषिजी म.सा.

12. आदर्श त्यागी श्री सज्जन ऋषिजी म.सा.

13. विद्यामिलापी श्री दीपक ऋषिजी म.सा.

आदि ठाणा (13)

(माय में उपाध्याय श्री केवलमुनिजी म.सा. के आज्ञा०

श्री हस्तीमलजी म.सा. भी हैं कुल ठाणा (14)

पता:—श्री आदिनाथ स्थानकवासी जैन श्रावक संघ,
आदिनाथ सोसायटी, पूना नतारा रोड,

(पूना—411037 महाराष्ट्र)

फोन नं० 37778

भोजन एवं आवास व्यवस्था:—आदिनाथ सोसायटी में
स्थानक के पास है।

साधन:—बम्बई, मद्रास, बंगलोर, मेन लाइन पर स्टेजल
है, पूना स्टेजल में मिटी बन जाती है।

2. राहता (महाराष्ट्र) :

1. प्रवर्तक पं० रत्न श्री कल्याण ऋषिजी
म० सा०

2. नेवामात्री श्री विवेक ऋषिजी म.सा.

3. विद्यामिलापी श्री तारक ऋषिजी म. सा.

आदिमुनि (3)

पता:—श्री नैनमुखजी सोलंकी,

नृ.पो. राहता जिला अहमदनगर

(महा.) 423107

साधन:—अहमदनगर, पूना, श्रीरामपुर, घोड़नदी तामिक
मनमाड़ में बनें जाती हैं।

3. अहमदनगर (महाराष्ट्र) :

1. तपस्वी रत्न श्री मगन मृतिजी म.सा.

2. तपस्वी रत्न श्री दर्शन ऋषिजी म.सा.

3. नेवामूर्ति श्री प्यारे ऋषिजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

पता:—श्री व. स्या. जैन श्रावक संघ,
जैन स्थानक, नवी पेठ

अहमदनगर (महा.) ४१४००१

साधन:—बम्बई, पूना, मनमाड़, घुमावल, जलगांव,
भोपाल, दिल्ली, सिकन्दराबाद ब्रॉड से सीधी ट्रेन
जाती है।

4. अहमदनगर (महा.) :

1. तपस्वी श्री पुष्य ऋषिजी म.सा.

2. तपस्वी श्री मंगल ऋषिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

4 अहमदनगर (महाराष्ट्र)

1 तपस्वी श्री पुष्प ऋषिजी म मा

2 तपस्वी श्री मगत ऋषिजी म मा

आदि मुनि (2)

पता—श्री विनायक मठ स्या जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड,

परीक्षा बोट भवन, बॉट गाव राट,

अहमदनगर-414001 (महा)

साधन—श्रमांक 3 के अनुसार

5 गुवाहाटी (आसाम)

1 मयूर उक्ता गायक श्री विनोद मुनिजी म मा

मुनि 1

(मयूर उक्ता श्री मुमंग मुनिजी म मा के अस्मान्ना

स्वाभाव के कारण)

पता—श्री कवरनाथजी बेनाथा, बेनाथा निवास

टोकावाही गौहाटी (आसाम) (1)

चातुर्मास स्थल—श्री बद्धमान स्थानरथामों जैन मठ,

“जैन भवन”

बी आर फूकन रोड, रेन्वे गेट न 7

गुवाहाटी-781001 (आसाम)

मा

6 मधुवन गिउरजी (बिहार)

1 तपस्वी श्री मुद्रनाथजी म मा

2 विद्वत् ग्ल साहित्यकार श्री नेमीचंदजी म मा

आदिमुनि (2)

पता—श्री पावननाथ सेवाश्रम, जैन भवन,

गिउरजी (मधुवन)

जिना गिउरीह (बिहार)-815329

चातुर्मास स्थल—ममैत गिउरजी मीनाथ जी तनहटी में

स्थित मधुवन म अथ निधि टूक पर स्थित पावननाथ

सेवाश्रम म उत्तम जैन भवन ह ।

साधन—ग्रनवाद, गिउरीह, गेमुनराय, भागतपुर, पटना,

गली स्टेशनों में वमें जाती हैं ।

7 मधुवन गिउरजी (बिहार)

1 मधुवन केरौरी श्री नवीन मुनिजी म मा

2 सेवामात्री श्री शक्ति मुनिजी म मा

आदिमुनि (2)

पता—श्री पाण्डव कल्याण केन्द्र, मधुवन,

मु पा गिउरजी जिना गिउरीह

(बिहार)-815301

साधन—परोक्ष

8 दादर-बम्बई (महा)

1 विद्याभितार्थी श्री पदम ऋषिजी म मा

2 मधुग वक्ता श्री प्रताप ऋषिजी म मा

आदि मुनि (2)

(ग्रन्थानुसंगदाय के ज्ञानाय श्री कान्ति ऋषिजी

की सेवा में कुन टागा 5)

पता—श्री उम्या जन श्रावक मधु पान मंदिर रोड,

पोर्टगोज चक स्ट्रीट, 12 एम पेन,

दादर (बम्बई) बम्बई-400028 (महा)

साधन—पे बोरिंगली चकगेट एम मेट्टन ग्ल मे वीटी

थाणा कल्याण की ट्रेन में दादर उत्तर बहा में पाट

गोज चक के पास ।

9 खेमली (राज)

1 प्रवचन प्रभावकर, वशि श्री पुष्कर मुनिजी म मा

‘नितिन’

2 सेवामात्री श्री कटैयानाथजी म मा

आदिमुनि (2)

पता—श्री व स्थानकाली जैन श्रावक मधु,

मु पा खेमली जिना उदयपुर (राज)-313201

साधन—चिनाह में उदयपुर जाने वाली रेन्वे साटन पर

खेमली स्टेशन आता है । स्टेशन में गाव 1 कि मी है

उदयपुर में नाथद्वारा मावनी जकान जाने वाली

ममी जमें खेमली होकर जाती है ।

महासनीयाजी समुदाय

10 अहमदनगर (महा)

1 वयोवृद्ध शान्तमूर्ति महा श्री शान्तिबुधरजी म मा

2 सेवामात्री महा श्री विमलबुधरजी म मा

3 सेवामात्री महा श्री मुमन बुधरजी म मा

4 अध्यापन प्रेमी महा श्री दिव्य दगनाजी म मा

5 सेवामूर्ति महा श्री नन्दा दगनाजी म मा

6 सेवामात्री महा श्री पुष्प बुधरजी म मा

7 सेवामूर्ति महा श्री मुनील बुधरजी म मा

आदि म मा (7)

पता—श्री व म्ना जैन श्रावक मधु, जैन स्थानक,

नरी पेठ, अहमदनगर (महा)-414001

11. इचलकरंजी (महा.) :

1. समतायोग साधिका महा. श्री विनयकुंवरजी म.सा.
2. जैन शासन चन्द्रिका विदुषी महा. श्री प्रमोद सुधाजी म.सा. M. A. P. H. D.
3. तत्व चिन्तन प्रिया विदुषी महा. श्री ज्ञानप्रभाजी म सा. "साहित्यरत्न" M. A.
4. अध्यात्म प्रेमी महा. श्री प्रियादर्शनाजी म.सा.
5. सेवामूर्ति महा श्री सम्यग्दर्शनाजी म सा
6. तपस्वी रत्न श्री पुष्पचुलाजी म.सा
7. विद्याभिलाषी महा श्री विराग दर्शनाजी म.सा
8. विद्याभिलाषी महा श्री श्रुति दर्शनाजी म.सा
9. नवदीक्षिता महा. श्री सुप्रियाजी म.सा
10. नवदीक्षिता महा. श्री पुनीत दर्शनाजी म.सा. आदि म.सा. (10)

पता—श्री तेजराजजी रूपराजजी बम्बई, कपडे के व्यापारी, मु. पो. इचलकरंजी जिला कोल्हापुर (महा) 416115

चातुर्मास—श्री व. स्था जैन श्रावक सघ जैन स्थानक, मु.पो. इचलकरंजी, जिला-कोल्हापुर, (महा.)-416115

साधन.—सागली, माधवनगर, कोल्हापुर, मीरज से बस जाती है।

12. घोड़नदी (महा.)

1. स्वाध्याय प्रेमी स्थविरा महा श्री सुशीलकुवरजी म सा
2. विदुषी महा. श्री जयस्मिताजी म.सा.
3. सेवाभावी महा. श्री सयमप्रीतिजी म.हा. आदि म. सा. (3)

पता:—श्री भंवरलालजी जुगराजजी फुफलगर मु.पो घोड़नदी-४१२२१० जिला पूना (महा.) फोन न 63

साधन:—पूना, अहमदनगर के बीच में है। पूना अहमदनगर से हर आधे घण्टे में बस उपलब्ध है।

13. धानेरा (गुजरात)

1. परम विदुषी महा. श्री मुक्ति प्रभाजी म हा. M. A. P. H. D.
2. परम विदुषी महा. श्री दर्शन प्रभाजी म.सा.

3. विदुषी रत्न महा. श्री दिव्यप्रभाजी म.सा. M. A. P. H. D.
4. साधना शीला महा. श्री चारुशीलाजी म.सा.
5. विद्याभिलाषी महा. श्री अनुपमा साधनाजी म.सा.
6. सुलेखिका महा श्री भव्यसाधनाजी म.सा.
7. विदुषी महा. श्री योग साधनाजी म.सा.
8. सेवाभावी महा श्री उत्तम साधनाजी म.सा
9. अध्ययनशीला महा. श्री अपूर्व साधनाजी म.सा.
10. सेवाभावी महा. श्री विराग साधनाजी म.सा.
11. सेवाभावी महा. श्री विरता साधनाजी म.सा आदि म.सा. (11)

पता:—श्री धानेरा श्वे. था जैन संघ, जैन उपाश्रय मु.पो. धानेरा-385310 जिला बनासकाठा (गुज.) साधन.—प.रे. के भीलड़ी, समदड़ी, मेन लाइन पर स्टेशन है। पानलपुर, भाभर, आवू रोड़, मेहसाणा, राधनपुर से भीलडी होकर ट्रेन में जा सकते हैं।

14. भवानी पेठ—पूना (महा.)

1. स्थविरा महा. श्री प्रेमकुवरजी म.सा.
2. सेवाभावी महा. श्री वल्लभकुंवरजी म सा. आदि म.सा. (2)

पता:—श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक, 1349, पालखी विठोभा चौक, भवानी पेठ, पूना-411002 (महा.)

सम्पर्क सूत्र.—श्री रतनचदजी दलीचदजी सर्राफ 406, रविवार पेठ, पूना-411002 (महा.)

साधन.—बम्बई-मद्रास (C.R.) मेन लाइन पर स्टेशन है। पूना रेलवे स्टेशन बस स्टेशन से सिटी बस, तागा, रिक्शा उपलब्ध।

15. पूना—आदिनाथ सोसायटी (महा.)

1. वाणी भूषण महाराष्ट्र सिंहनी महा. श्री प्रीतिसुधाजी म.सा
2. विदुषी महा. श्री अरुण प्रभाजी म.सा.
3. मधुर गायिका महा. श्री मधुस्मिताजी म.सा.
4. साधनाशीला महा. श्री भावप्रीतिजी म.सा.
5. सेवामूर्ति महा. श्री वसंतमालाजी म. स.
6. विदुषी महा. श्री प्रज्ञाजी म.सा.
7. सेवामूर्ति श्री गुणप्रीतिजी म.सा.

- 8 मेवामूर्ति श्री जिनप्रीतिजी म सा
9. महासतीजी श्री आदि म मा (9)

पता—श्री आदिनाथ स्या जैन श्रावक सघ, जैन म्यानक,
पूना मनारा रोड,
पूना-411037 (महा)

साधन—ब्रम्हई, मद्राम, बंगलार में लाइन पर स्टेशन है
पूना स्टेशन से मिटी बस उपलब्ध ।

16 श्री रामपुर (महा)

- 1 विदुषी महा श्री घमशीलाजी म सा
2 व्याख्यात्री महा श्री चरित्रशीलाजी म सा
3 अध्यक्षशीला महा श्री विवेकशीलाजी म सा
4 मेवामूर्ति महा श्री पुष्पशीलाजी म सा
आदि म मा (4)

पता—श्री अम्बालालजी वाफना, मेनरोड,
श्री रामपुर जिला अहमदनगर (हमा) 413009

साधन—अहमदनगर, मनमाड, बम्बई, घाडनदी, पूना,
नामिक से बसें जाती हैं ।

17 बडगांव सेरी (महा)

- 1 शास्त्र विशारद महा श्री इन्द्रकुवरजी म सा
2 विदुषी महा श्री वचनकुवरजी म सा
3 मेवामूर्ति महा श्री किरणकुवरजी म सा
4 विद्याभिलाषणी महा श्री विजयप्रभाजी म सा
5 विद्याभिलाषणी महा श्री सुयगाजी म सा
6 विद्याभिलाषणी महा श्री विचमणाजी म सा
आदि म सा (6)

पता—ब स्या जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक,
मु पो बडगांव सेरी जिला-पूना (महा) 412006

साधन—पूना-जोगावला (C R) के बीच मे रेल्वे
स्टेशन है । बम्बई-पूना के बीच रेल्वे स्टेशन है ।

18 मनमाड (महाराष्ट्र)

- 1 स्वविरा सरनमता महा श्री सूरजकुवरजी म सा
(माताजी)
2 विदुषी महा श्री सुशीलकुवरजी म सा
3 सेवामूर्ति महा श्री सुदधानाजी म सा
4 विदुषी महा श्री सुदाजी म सा

- 5 विदुषी महा श्री सुचेताजी म सा
6 विदुषी महा श्री सुष्पाजी म सा
7 विदुषी महा श्री सुप्रयाजी म सा
8 विदुषी महा श्री यगाजी म सा

आदि म मा (8)

पता—श्री सम्पतराजजी मुराना, मरोंका बाजार,
मु पो मनमाड जिला नामिक (महा)-423104

साधन—मनमाड, पूना, नामिक, बम्बई, जगगाव, अहमद
नगर, चालीमगाव, औरंगाबाद, हदराबाद, जालना,
मूरत, भोपाल, अहमदाबाद, मद्राम मे सीधी ट्रेन
जाती है । सभी ट्रेनें स्वती हैं ।

19 मिरी (महा)

- 1 स्वविरा महा श्री सज्जनकुवरजी म सा
2 व्याख्यात्री महा श्री नवनकुवरजी म सा
3 सेवामूर्ति महा श्री चन्द्रप्रभाजी म सा
4 विद्याभिलाषणी महा श्री सूर्यप्रभाजी म सा
आदि म मा (4)

पता—श्री धनराजजी किशनदामजी महार
मु पो मरी-414501

ता पाषण्डो जिला-अहमदनगर (महा)

साधन—पूना, घाडनदी, पायडो, मनमाड, नामिक,
श्रारामपुर, अहमदनगर मे बस जाती है ।

20 रामचुर (कर्नाटक)

- 1 ब्याबूद स्वविरा महा श्री इन्द्रकुवरजी म सा
2 सेवामावी महा श्री विमलकुवरजी म सा
आदि म सा (2)

पता—भण्डारी श्री राजमलजी खेमराजजी,
कपडे के व्यापारी, एम जी राड,
रायचूर-584101 (कर्नाटक)

साधन—बम्बई, शोलापुर, पूना, मद्रास, अहमदाबाद,
सिक् दारवादा, बंगलोर से सीधी ट्रेन ।
रेल्वे स्टेशन से तागा, रिक्शा मिलता है, जैन स्थानक
जैन मन्दिर या जैन मठ के पास महावीर माग मे है ।

21 श्रीगोंदा (महाराष्ट्र)

- 1 स्वविरा महा श्री पुष्पकुवरजी म सा
2 मघरभापी महा श्री मदनकुवरजी म सा

3. विद्याभिलाषी महा. श्री सुमनकुंवरजी म.सा.
आदि म.सा. (3)

पता:—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक
मु.पो. श्री गोदा जिला अहमदनगर (महा.) 413701

साधन:—बम्बई, पूना, अहमदनगर, नासिक, दौंड, मनमाड,
घोड़नदी श्रीरामपुर से सीधी बसे जाती है।

21. राहू पिपलगाँव (महा.)

1. स्थविरा महा. श्री सुन्दरकुंवरजी म.सा.
2. मधुरभाषी महा. श्री मंगलप्रभाजी म.सा.
3. सेवाभाविनी महा. श्री सुजेष्ठाजी म.सा.
आदि म.सा. (3)

पता:—श्री अमोलकचन्दजी भटवेडा
मु.पो. राहू पिपलगाँव जिला-पूना (महा.)

साधन:—पूना, अहमदनगर, घोड़नदी से बसे जाती है।

23. इन्दौर (मध्यप्रदेश)

1. स्थविरा महा. श्री रामकुंवरजी म.सा
2. सेवामूर्ति महा. श्री लताकुंवरजी म.सा
3. व्याख्यात्री महा. श्री दिव्य ज्योतिजी म.सा.
4. सेवाभाविनी महा. श्री ज्ञानप्रभाजी म.सा
5. सेवाभाविनी महा. श्री चारुशीलाजी म.सा
आदि म.सा. (5)

पता:—श्री शान्तिलालजी मारु,
73/74, सुगन्धी मार्केट,
बड़ा सराफा बाजार,
इन्दौर-452001 (म.प्र.)

साधन:—बम्बई, भोपाल, नागदा, रतलाम, खण्डवा,
महुआ, दिल्ली, अजमेर, चित्तौड़, बीकानेर, जोधपुर,
औरंगाबाद से सीधी ट्रेन जाती है। इन्दौर, रेल्वे
स्टेशन से जैन स्थानक जाने के लिए, टेम्पो, रिक्शा,
तांगा उपलब्ध है।

24. कडूर (कर्नाटक)

1. विदुषी महा. श्री अजितकुंवरजी म.सा.
2. व्याख्यात्री महा. श्री विमलकुंवरजी म.सा.
3. तपस्विनी महा. श्री अभयकुंवरजी म.सा.
4. सेवामूर्ति महा. श्री चन्दनवालाजी म.सा.

5. सेवाभावी महा. श्री पदमाजी म.सा.
आदि म.स. (5)

पता:—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक,
मु.पो. कडूर जिला-चिकमंगलूर
(कर्नाटक)-577548

साधन:—दक्षिण रेल्वे में बैंगलौर-हुबली लाइन पर आरसी-
केरे व वीरूर जं. के बीच रेल्वे स्टेशन आता है। सभी
गाड़ियाँ ठहरती है।

25. रोपड़ (पंजाब)

1. मधुर व्याख्यात्री महा. श्री स्नेहप्रभाजी म.सा.
2. प्रखर व्याख्यात्री महा. श्री नूतनप्रभाजी म.सा.
3. सेवामूर्ति महा. श्री विमलप्रभाजी म.सा.
आदि म.स. (3)

पता:—श्री. एस एस. जैन सभा,
मु.पो. रोपड़-140001 (पंजाब)

साधन:—अम्बाला कैट लुधियाना से सीधी रेल जाती है।
(उ.रे.) पंजाब में हर जगह से बसे जाती है। दिल्ली-
चण्डीगढ़ से बस व रेल सेवा उपलब्ध है।

26. बोरी (महा.)

1. परम विदुषी महा. श्री सन्मतिजी म.सा.
2. सेवामूर्ति महा. श्री प्रियनन्दाजी म.सा.
3. सेवामूर्ति महा. श्री सुमिताजी म.सा.
4. सेवामूर्ति महा. श्री सुप्रभाजी म.सा
आदि म.स. (4)

पता:—श्री केशरचन्दजी चोरड़िया,
मु.पो. बोरी जिला-पूना (महा.) 412411

साधन:—पूना-अहमदनगर से बसे जाती है।

27. तिरुपत्तूर (तमिलनाडु)

1. परम विदुषी महा. श्री शीतलकुंवरजी म.सा.
2. सेवाभाविनी महा. श्री अभिनन्दनकुंवरजी म.सा.
3. नवदीक्षिता महा. श्री मल्लीकुंवरजी म.सा.
आदि म.स. (3)

पता:—श्री व. स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक
मु.पो. तिरुपत्तूर (तमिलनाडु) 635601

साधन:—दक्षिण रेल्वे में मद्रास-कोयम्बतोर रूट पर मद्रास
से 220 कि.मी. है सभी गाड़ियाँ ठहरती है।

कुल चातुर्मास सतों के	9	कुल सत	30
कुल चातुर्मास मतियों के	31	कुल सतिपांजी	142
	—		—
कुल	40	कुल	172

कुल चातुर्मास (40) सत (30) सतिपांजी (142)
कुल टापा (172)



सत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	सत	सतिपांजी
1985 में कुल टापा के	32	145
+ नई दीपावली टूट	—	8
	32	153
— वाचघमं प्राप्त हुए	1	—
	31	153
— अन्य विभागों में दामनर हुए या नाम नहीं आया	2	11
	29	142
+ अन्य विभाग में डम दामनर हुए	1	—
1986 में कुल टापा है	30	142

श्रमण सध में है

1	आचाय	1
2	मुवाचाय	नहीं
3	उपाध्याय	4
4	प्रवक्त	8
5	उपप्रवक्त	11
6	मत्री	4
7	परामादायी मनाहकार	4
8	प्रवर्तनियों	नहीं
9	उपप्रवर्तनियों	21

लीजिए, आधे से भी कम मूल्य में

वरिष्ठ श्री चन्दन मुनिजी (पजाबी) के सत-सत,
मन्त्रिण संगीत

नाम संगीत	अद मूल्य
1 संगीत भगवान पाशुनाथ	6/-
2 " श्री जम्बूवार	10/-
3 " श्री धर्मो ज्ञानिमद्र	8/-
4 " अमरता के दो सही	6/-
5 " मन्त्रिण पवित्र चार चरित्र	8/-
6 " निर्मोहो नृप (नाटक)	3/-
7 " महामती चन्दनबाना	6/-
8 " महामती मदनरेखा	6/-
9 " मती दमपत्नी	6/-
10 " मती उरनुदरी	6/-
11 गीतों की दुनिया (232 गीत)	6/-
12 गीतों की दुनिया (32 कथाएँ)	10/-
13 गीत-नमार् (9 कथाएँ)	6/-
14 चन्दन दोहावली	4/-
15 मनहरण-माना	4/-
16 बारह महीने	4/-
17 संगीत श्री गजमुकुमार (पजाबी में)	7/-
18 मन्त्रा नारी (पजाबी में)	6/-
19 चटकीने छन्द (पजाबी में)	4/-
10 श्री चन्दन मुनि व्यक्ति व कृति व	

— प्राप्ति स्थान —

- (1) जैन मठार, मुकुन्दगुड रोड अम्बाना शहर (हरियाणा)
- (2) सुदमल जैन, जैन स्थानक,
मन्डी गोदहवाहा, जिला, फरीदकोट (पजाब)

राजस्थान केशरी, आध्यात्मिक योगी, विश्वसंत, उपाध्याय
परम श्रद्धेय श्री पुष्कर मुनिजी म. सा. से आज्ञा
प्राप्त संत-सतियाँजी

संत समुदाय

उपलब्ध । बस स्टेशन से 5 मिनट का रास्ता । जैन
स्थानक रूई कटला में है ।

1. पाली-मारवाड़ (राज.)

1. राजस्थान केशरी, आध्यात्मिक योगी,
विश्वसंत, परम श्रद्धेय उपाध्याय
श्री पुष्कर मुनिजी म. सा.

2. समदड़ी (राजस्थान)

1 पण्डित रत्न श्री हीरा मुनिजी म. सा. 'शास्त्री'
2 तपस्वी रत्न श्री प्रवीण मुनिजी म. सा.
आदि मुनि (2)

पता:-श्री सुकनचन्दजी दाती;
मु पो समदड़ी 344001
जिला बाडमेर (राज)

साधन -अहमदाबाद, जोधपुर, वाया, भीलड़ी व बाडमेर
जोधपुर रेल लाइन पर स्टेशन है । लुणी जंक्शन,
बालोतरा पीपाड रोड, पाली, नागौर, उदयपुर,
जोधपुर, भीलडी, बाडमेर से ट्रेन का साधन । बसे
भी जाती है ।

2. साहित्य वाचस्पति, साहित्य शिक्षण सचिव
श्री देवेन्द्र मुनिजी म सा. शास्त्री

3. प रत्नश्री रमेश मुनिजी म सा 'शास्त्री'

4. व्याख्यान वाचस्पति श्री राजेन्द्र मुनिजी म सा.
'शास्त्री' —

5. जैन सिद्धान्त विशारद श्री दिनेश मुनिजी म.सा.
'शास्त्री'

6. तपस्वी रत्न श्री नरेश मुनिजी म सा
आदि मुनि. 6

पता:-श्री सायरमलजी गांधी मंत्री,
घाणेराव कीगली, पाली मारवाड़ (राज.) 306401

चातुर्मास स्थल:-श्री व स्था जैन श्रावक सघ,
आचार्य रघुनाथ स्मृति भवन, रूई कटला,
किलंगा पोल, पाली-मारवाड़ (राज.) 306401

फोन नं. 6741

भोजन व्यवस्था:-स्थानक के सामने आवास गृह मे
भोजन एवं ठहरने की व्यवस्था है ।

साधन:-जयपुर, मारवाड़ जंक्शन, अहमदाबाद, उदयपुर
नागौर, जोधपुर, बीकानेर, आगरा, दिल्ली से सीधी
ट्रेन जाती है । महाराष्ट्र गुजरात की तरफ आने वालो
के लिए रूट इस प्रकार है-अहमदाबाद से जोधपुर
की ट्रेन से सीधा । अहमदाबाद से मारवाड़ जंक्शन
की ट्रेन मारवाड़ जंक्शन से जोधपुर की ट्रेन से पाली
जा सकते है । पाली स्टेशन से तांगा, आटोरिकशा

3. उदयपुर (राजस्थान)

1 प्रसिद्ध साहित्यकार व्याख्यान वाचस्पति
श्री गणेश मुनिजी म. सा. 'शास्त्री'
2 मधुर वक्ता श्री जिनेन्द्र मुनिजी म. सा. 'काव्यतीर्थ'
आदि मुनि (2)

चातुर्मास स्थल एवं सम्पर्क सूत्र -

श्री अमर जैन साहित्य संस्थान, सेक्टर ।

उदयपुर-313001 (राज)

महासतीयाँ समुदाय

4. राणी दसीपुरा (राजस्थान)

1. परम साध्वी रत्न महासती श्री शीलकंवरजी म.सा.
2. सेवा भावी महा. श्री सायर कुंवरजी म. सा.

3 विदुषी महा श्री चन्दनजाजाजी म मा
"जैन सिद्धान्ताचार्या"

4 विद्या प्रेमी महा श्री देवेन्द्र प्रभाजी म मा

5 विद्या प्रेमी महा श्री धर्मज्योतिजी म मा

6 महा श्री मंगल ज्योति म सा

जादि म म (6)

पता—श्री वर्धमान स्थानकवासि जैन श्रावक मय,
मु पो राणीदमीपुरा वाया-ममदडी
जिना-वाडमेर (राज) 344021

साधन—ममदडी, वाडमेर, फरीदी, जीप्रपुर मे वसे
जाती है।

5 पाली-भारवाड (राजस्थान)

1 परम विदुषी माध्वीरत्न महामती श्री कुमुमवतीजी
म मा

2 विदुषी महा श्री दिव्य प्रभाजी म म एम ए

3 विदुषी महा श्री गरिमाजी म मा एम ए

4 विद्या प्रेमी महा श्री अनुपभाजी म मा

जादि म म (4)

पता—उपरोक्त न १

साधन—जयपुर, भारवाड जकशन, अहमदाबाद, उदयपुर,
नागीर, जोधपुर, बीकानेर आगरा, दिल्ली मे सीधी
ट्रेन जाती है। महाराष्ट्र गुजरात को तर्क जाने
वाला के लिए स्ट डम प्रकार है—अहमदाबाद मे
जोधपुर की ट्रेन मे सीधा। अहमदाबाद मे भारवाड
जकशन की ट्रेन भारवाड जकशन मे जोधपुर की ट्रेन
मे पाली जा सकते हैं। पाली स्टेशन मे तागा आटा-
रिक्शा उपलब्ध। वम स्टेशन मे ५ मिनट का
रास्ता है।

6 नायद्वारा (राजस्थान)

1 परम विदुषी माध्वी रत्न महामती श्री पुष्पवतीजी
म मा

2 मधुर व्याख्यात्री महा श्री प्रियदर्शनाजी म सा

3 मेवाभावी महा श्री किरण प्रभाजी म मा
"जे जि शास्त्री"

4 मेवाभावी महा श्री रत्न ज्योतिजी म सा
जैन सिद्धान्ताचार्य"

5 मेवाभावी महा श्री सुप्रभाजी म सा

आदि म मा (5)

पता—श्री कन्हैयालालजी मुराना,
नाल बाजार पा नायद्वारा-313001
जिला उदयपुर (राज)

साधन—उदयपुर म 52 कि मी हर आधे घंटे म वम।
काङ्गानी, चारभूजा, अहमदाबाद, पाली, सान्डी,
राणपुर म वसे जाती है।

(7) समदडी (राजस्थान)

1 स्याबिग महामती श्री उमराव कुवरजी म सा

2 मेवा भावी महा श्री सुकुमकुवरजी म सा

3 मधुर व्याख्यात्री महा श्री मयप्रभाजी म सा

4 महामती श्री मुमिताजी म मा

जादि म मा (4)

पता—श्री सुकनच दजी दाती

मु पो समदडी-344001

जिला-वाडमेर (राज)

साधन—अहमदाबाद, जोधपुर, वाया, भीलडी व वाडमेर,
जोधपुर रेल लाइन पर स्टेशन है। सुणी जकशन
वालातरा, पीपाडगेड, पानी, नागीर, उदयपुर,
जोधपुर, भीलडी वाडमेर मे ट्रेन का साधन है।
वम भी जाती है।

8 धोडनदी (महाराष्ट्र)

1 परम विदुषी महामती श्री कौशल्याजी म सा

2 मेवामूर्ति महा श्री विनयजी म मा "जे जि शा"

3 मेवाभावी महा श्रीमुदगनप्रभाजी म मा
'जे जि शा'

4 विद्या प्रेमी महा श्री मयम प्रभाजी म सा

5 विद्याप्रेमी श्री सुलक्षणा प्रभाजी म मा
आदि म सा (5)

पता—श्री भवर्लालजी जुगराजजी फुफलगर,
मु पो धोडनदी-412210
जिला पूना (महा) फोन न 63

साधन—पूना अहमदनगर के बीच म है। पूना अहमदनगर
मे हर आधे घंटे मे वम उपलब्ध है।

प्रवचन, केशरी, कवि, प्रखर, वक्ता, उपाध्याय श्री केवल मुनीजी म० सा० से आज्ञा प्राप्त संत-सतियाँजी

संत समुदाय

(1) उज्जैन (मध्य प्रदेश)

1. प्रवचन केशरी कवि, प्रखर वक्ता उपाध्याय श्री केवल मुनिजी मा० सा०

2. तपस्वी सध सेवाभावी श्री मोहनलालजी म सा.
- 3 सफल वक्ता श्री अजित मुनिजी म. सा.
4. नवदीक्षित श्री पदम मुनिजी म. सा.

आदि मुनि (4)

(साथ मे स्व. युवाचार्य श्री मधुकर मुनिजी म. सा. के अंतेवासी एवं तपस्वी श्री मोहनलालजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती श्री विनयकुमारजी म. सा. 'भीम' एवं शास्त्री श्री महेन्द्रकुमारजी म. सा. 'दिनकर' आदि ठाणा 2 भी सेवा मे है।

कुल मुनिराज (6)

पता:—श्री सागरमलजी कटारिया,
कलाल शेरी, नमक मंडी,
मु. पो. उज्जैन-456 006 (म. प्र.)

चातुर्मास स्थल.—श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ,
महावीर भवन, नमक मंडी,
उज्जैन-456 006 (म. प्र.)

साधन:—रतलाम, इन्दौर, देवास, बम्बई, दिल्ली, कोटा, बडौदा, अहमदाबाद, महु, नागदा, गुना, आगर से सीधी ट्रेन जाती है। इन्दौर, रतलाम, नागदा, देवास, कोटा, भवानी मंडी, जावरा, मन्दसौर, खाचरोद से सीधी बसे भी जाती है।

2. इन्दौर (मध्यप्रदेश)

1. गायन निधि स्थविर प. श्री रामनिवासजी म. सा.
2. तपस्वी श्री संजय मुनिजी म. सा.

3. सिद्धान्ताचार्य श्री कमल मुनिजी म. सा.

4. मधुर गायक श्री चन्द्रेश मुनिजी म. सा.

आदि मुनि (4)

पता:—श्री शातिलालजी मारु

73/74, बड़ा सराफा बाजार

इन्दौर-452 001 (म. प्र.)

चातुर्मास स्थल.—श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ,

महावीर भवन, इमली बाजार,

इन्दौर-452 001 (म. प्र.)

साधन:—बम्बई, भोपाल, नागदा, रतलाम, खडवा, महुआ, दिल्ली, अजमेर, चित्तौड़, बीकानेर, जोधपुर, औरंगाबाद से सीधी ट्रेन जाती है। इन्दौर रेल्वे स्टेशन से राजबाडा के लिए टेम्पो मे बैठकर महावीर भवन पहुँच सकते है।

3. रतलाम (म. प्र.)

1. स्थविर पद विभूषित प. रत्न श्री इन्दरमलजी म. सा
2. सेवा भावी श्री प्यारचंदजी म. सा.
3. सेवा भावी श्री भेरूलालजी म. सा.

आदि मुनि (3)

पता.—श्री बापूलालजी बोथरा,

48 नीम चौक, रतलाम (म.प्र.)-457 001

फोन नं. 771

चातुर्मास स्थल:—श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ,
जैन स्थानक, नीम चौक, रतलाम (म प्र)

साधन:—दिल्ली, बम्बई मेन लाइन पर अजमेर-खण्डवा, काचीगुड़ा, रतलाम, भोपाल, दिल्ली मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है। सभी ट्रेन रुकती है। रेल्वे स्टेशन से तांगा, टेम्पो, ऑटो रिक्शा से नीम चौक, धान मंडी उत्तरे, पास मे स्थानक है ,।

भोजन एवं आवास व्यवस्था:—नीम चौक, जैन स्थानक के सामने वाले जैन दिवाकर भवन मे की गयी है।

पता - श्री नायूलालजी गांधी
मु पो सिंगौली-488 228
वाया नीमच जिला मदसौर (म प्र)

साधन - जजमेर, खण्टवा, मेन लाइन पर नीमच जीर
मदमार के बीच में रेलवे स्टेशन है। रतलाम, नीमच
जावरा, मदसौर, भोलवाडा, चित्तौड़ में वमें भी
जाती हैं।

17 बालम टाकली (महा)

- 1 पण्डित रत्न मुनि श्री नमीचंद जी म मा
- 2 माहिय रतन श्री यनक मुनि जी म मा आदि मुनि (2)

पता - श्री अमोलकचंद जी छाजेड
म पा बालम टाकली
त शेगाव जिना अहमदनगर (महा)

साधन - अहमदनगर, श्रीरामपुर, पूना, घोडनदी, शेगाव
में उमें उपलब्ध।

18 कथल (हरियाणा)

- 1 मधुर वक्ता श्री धरम मुनि जी म मा
- 2 मेवाभावी श्री राकेश मुनि जी म मा आदि मुनि (2)

पता - एम एस जैन मभा
मु पो कथल
जि कुरुक्षेत्र (हरियाणा)
साधन कुरुक्षेत्र से वमें उपलब्ध

19 चित्तौड़गढ़ (राज)

- 1 वीरवाल मध्यापक स्व प श्री ममीर मुनि जी म
के शिष्य।

वयोवृद्ध श्री शान्ति मुनिजी म मा मुनि। (मकारण)

पता - नन्दूलालजी भडकना
चित्तौड़गढ़ दुग (राज) 312 001

महासतीयां समुदाय

20 बडी सादडी (राजस्थान)

- 1 उप प्रवर्तिनी महासती श्री सज्जन कुवरजी म मा
- 2 धारतपन्विनी श्री मूरज कुवर जी म मा

3 मधुर व्याख्यानी श्री बदाम कुवरजी म मा

4 सेवा भावी श्री केशर कुवर जी म सा

5 मेवाभावी अजब कुवर जी म सा

6 मधुर व्याख्यानी श्री प्रेमवती जी म सा

7 मेवा भावी श्री कचन कुवर जी म मा

आदि म मा (7)

पता - श्री चादमलजी गाग

मु पो बडी सादडी-312 403

जि चित्तौड़गढ़ (राज)

पता - श्री वमन्तीलालजी दक, कपडे के व्यापारी

मु पो बडी सादडी

जिला चित्तौड़गढ़ (राज) -312403

साधन - उदयपुर, नीमच, चित्तौड़गढ़, जोधपुर, मावली,
पाली में सीधी वमें भी जाती हैं। मावली जकन से
उडी सादडी से ट्रेन भी जाती है।

21 राशमी (राजस्थान)

1 उप प्रवर्तिनी महासती श्री नानकुवरजी म सा

2 मेवा भावी श्री हेमकुवरजी म सा

3 व्याख्यानी श्री प्रकाशवती जी म सा

आदि म सा (3)

पता - श्री सोहनलाल जी पोखरना

मु पो राशमी 312 203

जिला चित्तौड़गढ़ (राज)

साधन - चित्तौड़गढ़ भोलवाडा, विजयनगर में वमें जाती
हैं।

22 सवाई माधोपुर (राजस्थान)

1 उप प्रवर्तिनी महासती श्री प्रेमकुवरजी म सा

2 व्याख्यात्री श्री वसंत कुवर जी म सा

3 मेवा भावी श्री मजू कुवर जी म सा

आदि म सा (3)

पता - श्री कपूरचन्द जी जैन, कपडे के व्यापारी

पुराना धण्डार रोड

सवाई माधोपुर (राज) 322 021

साधन - दिल्ली, बम्बई, सवाई माधोपुर, जयपुर, बीकानेर
में लाईन पर स्टेशन है। रेलवे स्टेशन से शहर 5

कि. मी की दूरी के लिए तागा आटो रिक्शा व सिटी बस उपलब्ध ।

23. रामपुरा (म. प्र.)

1. सरलमना श्री लहर कुंवर जी म. सा.
2. व्याख्यात्री श्री शांताकुंवर जी म सा
3. घोर तपस्विनी श्री चौसर कुंवर जी म. सा
4. सेवा भावी श्री ग्यामाकुंवर जी म. सा
आदि म. सा. (4)

पता—श्री संतोपचन्द जी खाबिया
पेट्रोल पम्प मु पो. रामपुरा 458118
जिला मन्दसौर (मध्यप्रदेश)

साधन:—रतलाम, मन्दसौर, नीमच, जावरा, उज्जैन,
नागदा से सीधी बस जाती है ।

24. मद्रास (मैलापुर) (तमिलनाडू)

1. मालव सिंहनी उप. प्रवर्तिनी
महासती श्री कमलावती जी म. सा.
2. मधुर व्या. श्री चन्दना जी म. सा. 'सा. रत्न'
3. तपस्विनी महा. श्री कलावती जी म. सा
4. व्याख्यात्री महा. श्री अक्षय ज्यौती जी म. सा 'शास्त्री'
5. व्याख्यात्री महा. श्री सत्य साधना जी म. सा. 'शास्त्री'
6. तपस्विनी महा श्री अरुण प्रभा जी म. सा.
7. विदुषी महा. श्री कुमुदलता जी म. सा.
8. महासती जी म सा
आदि म. सा. (8)

पता—श्री मोहनलाल जी चौरडिया
54 बाजार रोड मैलापुर मद्रास-600004
(तमिलनाडू) फोन 72431

साधन.—बम्बई, मद्रास, दिल्ली, भोपाल, मद्रास, बैंगलौर,
कलकत्ता से सीधी ट्रेन जाती है। मद्रास सेन्ट्रल
रेलवे स्टेशन उतर जा सकते है ।

25. हाटपीपल्या (मध्यप्रदेश)

1. सेवाभावी महा. श्री रमणीक कुंवरजी म. सा
2. राष्ट्र ज्योति महा श्री चंचल कुंवरजी म सा.
3. विद्याभिलाषी महासती श्री कलावती जी म. सा.
आदि म. सा. (3)

पता—श्री जुहारमलजी केशरीमलजी कांठेड़
मु. पो हाट पिपल्या-455 001
जिला देवास (म. प्र.)

साधन.—देवास, इन्दौर, उज्जैन, नागदा से बसे जाती है ।

26. निम्बाहेड़ा (राजस्थान)

1. उप प्रवर्तिनी तपस्विनी महा श्री मानकुंवरजी म. सा.
2. सरलमना महा श्री ज्ञानकुंवरजी म सा
3. प्रवचन भूषण महा श्री प्रभाकुंवरजी म सा (एम.ए.)
4. प्रवचन प्रभाकर महा. श्री सुशीलाकुंवर जी म. सा.
(एम ए)
5. विद्याभिलाषी महा. श्री कल्पलताजी म.सा.(एम.ए.)
6. नवदीक्षित महा श्री जयश्री जी म. सा.
7. नवदीक्षित महा. श्री विजयश्री जी म. सा.
आदि म. सा. (7)

पता—श्री निर्मलकुमार घासीलालजी लोढ़ा
दिवाकर टेक्सटोरियम, सदर बाजार
मु. पो. निम्बाहेड़ा 312 601
जिला—चित्तौडगड़ (राज.)

साधन:—खण्डवा, इन्दौर, अजमेर, रतलाम, नीमच,
भीलवाडा से सीधी ट्रेन । रेलवे स्टेशन से जैन स्थानक
1 कि मी. है ।

27. उज्जैन (नयापुरा) (मध्यप्रदेश)

1. श्रमणी रत्न विदुषी महासती श्री मदनकुंवरजीम. सा.
2. स्थविरा महा श्री छोगाकुंवरजी म. सा.
3. मधुर व्या महा. श्री विजय कुंवरजी म. सा.
4. नवदीक्षिता महा. श्री ललितप्रभा जी म सा.
आदि म सा. (4)

पता—भेरुलालजी सोनी
घोगली, नयापुरा, उज्जैन (म प्र.) 456 001

साधन:—बम्बई, इन्दौर, नागदा, भोपाल, देवास, गुना,
आगर से सीधी ट्रेन जाती है ।

28. सटाणा (महा.)

1. वयोवृद्धा विदुषी महा. श्री पान कुंवरजी म. सा.
2. घोर तपस्विनी महा. श्री रमणीक कुंवरजी म. सा.
3. सेवाभावी महा. श्री निर्मलकुंवरजी म. सा.
4. व्या. महा. श्री चन्दनबालाजी म.सा.
आदि म.सा. (4)

पता—श्री भाणकचन्द जी भागचदजी राका
मानेगाव रोड मु पो सटाणा
जि नासिक (महा) 423301

चातुर्मास स्थल—श्री व स्या जैन थावक नथ
जैन स्थानक, मु पो सटाणा-423 301
जिला नासिक (महा)

साधन—नासिक, पूना, अहमदनगर रोड मे बसें जाती हैं।

29 जावरा (म प्र)

- 1 स्वविरा महा श्री कचनकुवर जी म
- 2 सेवाभावी महा श्री मूजकुवरजी म सा
आदि म सा (2)

पता—श्री साभायमलजी कोचेट्टा, वकील
10 बजाजखाना, जावरा-457 226
जिला रतलाम (म प्र)

साधन—अजमेर खण्डवा, मेन लाईन पर रतलाम,
मन्दसौर के बीच मे रेलवे स्टेशन है। रतलाम से
बसें भी जाती है।

30 मद्रास (तमिलनाडू)

- 1 मधुर व्याख्यात्री महा श्री शाताकुमारी जी म सा
- 2 तपस्विनी महा श्री कुमुमवती जी म सा
- 3 व्याख्यात्री महा प्रियमाधना जी म सा
- 4 तपस्विनी महा श्री विजयकुवर जी म सा
आदि म सा (4)

पता—उपरोक्त 24 प्रमाक के अनुसार

साधन—बम्बई, कलकत्ता, बंगलार, रापचूर, पूना, भोपाल,
मथुरा, पूना से सीधी ट्रेन जाती हैं।

31 मसूर (कर्नाटक)

- 1 विदुषी महामती श्री पुष्पावती जी म सा
- 2 सेवाभावी महा श्री दिव्यमाधनाजी म सा
- 3 तपस्विनी महा श्री अन्तर साधना जी म सा
आदि म सा (3)

पता—श्री रिखवचन्द जी छत्तापी

1168 अमोर रोड

मु पो मसूर (कर्नाटक) 570001

साधन—बंगलौर, मद्रास, गुटकल, पूना, बम्बई, दिल्ली,
नागपुर, भोपान मे सीधी ट्रेन जाती है।

32 मन्दसौर (म प्र)

वीरवाल मम्प्रदाय के श्व श्री ममोर भुनि जी म सा
की मुष्णियाणें—

- 1 परम विदुषी महामती श्री मरस्वती म सा
- 2 सेवाभावी महा श्री दिवावती जी म सा
- 3 नवदीप्ति महा श्री विनयवती जी म सा
आदि म सा (3)

पता—श्री चादमल जी मुराडिया
जैन दिवाकर टेट हाउस, मन्नाट रोड
मु पो मन्दसौर (म प्र) 458 001

साधन—अजमेर, वाचीगुडा-खण्डवा मेन लाइन पर स्टेशन
है। रतलाम, जावरा, इन्दौर, नागदा, उज्जैन, नीमच
मे सीधी बसें भी जाती हैं। --

33 अहमदनगर (महा)

- 1 विदुषी महामती श्री अर्चना जी म सा
- 2 सेवाभावी महा श्री जराधना जी म सा आदि
आदि म सा (2)

पता—मंगल विराना स्टोर
गुजरजनी
मु पा अहमदनगर (महा) 414 001

चातुर्मास स्थल—नवी पठ जैन स्थानक

साधन—बम्बई, पूना, मनमाड, भसावल, जलगाव, भापाल,
दिन्नी, मिर्चदरावाद रोड से सीधी ट्रेन जाती है।
पूना, मनमाड, घोडनदी, नासिक, श्रीरामपुर, बम्बई
मे सीधी बसें जाती हैं। पूना मे हर आधे घटे मे बस
उपलब्ध। पूना, घोडनदी होती हुई अहमदनगर बस
3 घटे मे पहुँचा देती है।

34 कौटा (राजस्थान)

- 1 तपस्विनी महा श्री सूरज कुवर जी म सा (सकारण)
म सा (1)

पता—पूनमचद जी नानावटी

रामपुरा बाजार

मु पो काटा (राज) 324 001

साधन:—दिल्ली, बम्बई, कोटा, बीना मेन लाईन पर स्टेशन है। राजस्थान, मध्यप्रदेश के प्रमुख नगरे से बसे उपलब्ध है।

35. सवाई माधोपुर (राज.)

1. स्थविरा महा श्री कस्तूरा जी म. सा. (सकारण) म सा. (1)

पता—श्री कपूरचन्द जी जैन

पुराना खण्डार रोड

सवाई माधोपुर (राज) 322021

साधन.—दिल्ली, बम्बई, सवाई माधोपुर, जयपुर, बीकानेर मेन लाईन पर स्टेशन है। रेलवे स्टेशन से शहर 5 कि. मी. की दूरी के लिए तागा, आटो रिक्शा, सिटी बस उपलब्ध है।

36. रतलाम (मध्यप्रदेश)

1. परम विदुषी महासती श्री मधुबाला जी म. सा. (सकारण) म. सा. (1)

पता.—श्री सुजानमलजी चाणोदिया

कपडे के व्यापारी, 25 बजाजखाना

रतलाम (म. प्र.) 457 001

फोन नं. 82

चातुर्मास स्थल—श्री व. स्था जैन श्रावक सघ

जैन स्थानक, चौमुखी पुल रतलाम (म प्र)

457 001

साधन.—दिल्ली, बम्बई, मेन लाईन, अजमेर, खण्डवा, काचीगुडा, रतलाम, भोपाल, दिल्ली, मेन लाईन पर रेलवे स्टेशन है। सभी ट्रेन रुकती है। रेलवे स्टेशन से तागा, टेम्पो, आटो रिक्शा से नीम चौक, धान मण्डी उत्तरे पास में ही स्थानक है।

संत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियाँ
1985 में कुल ठाणा थे	52	60
+ नई दीक्षाएँ हुई	2	5
	54	65
— महा प्रयाण हुए	3	1
	51	64
— दूसरे विभागों में ट्रांसफर हुए	—	2
	51	62
+ दूसरे विभाग में इसमें आये	—	1
	51	63
— गत वर्ष डबल नाम आ गया	—	3
	51	60
1986 में कुल ठाणा है	51	60



तीर सीधा होकर भी कलेजे में चुमकर प्राण हरण कर लेता है, तम्बूरा टेढ़ा होकर भी अपनी मधुर ध्वनि से श्रोता को चित्त आनन्दित कर देता है।

अतः मायावी लोगो की ऊरी सरलता व समता में मत फँसो

—मुनि श्री कन्हैयालालजी 'कमल'

जब तुम परमात्मा से ससार की भोई भी वस्तु माँगते हो तो समझो कि दुःख माँगते हो,

है मानव ! तुम्हारी मजिल तुम हो। तुम्हारी मंजिल की देशकाल से दूरी नहीं है। तुम्हें विवेक का प्रकाश मिला है, जिसका सदुपयोग करो। विवेक के प्रकाश से अपनी जानी हुई बुराई का त्याग करो। तुम्हें जीवन मिलेगा, जो किसी भी वीतराग, अध्यात्मिक महापुरुष को मिला है। इसके आत्म कल्याण के साथ २ सुन्दर समाज का निर्माण भी स्वतः हो जाएगा।

कुल चातुर्मास संतों के	19	कुल मुनिराज	51
कुल चातुर्मास सतियों के	17	कुल सतियाँ	60
कुल	36	कुल	111

कुल चातुर्मास 36 संत 51 सतियाँ 60 कुल ठाणा 111

मेवाड़ संघ शिरोमणी, प्रवर्तक पं० रत्न श्री अम्बालाल जी म० सा० से आज्ञा प्राप्त सत-सतियाँजी

सन्त-समुदाय

3 हातोद (म प्र)

1 कवि रत्न श्री शांति मुनिजी म सा (मकारण)
म मा-1

सम्पर्क सूत्र—श्री व म्या जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक
मु पो हातोद-453 111

जिला-दन्दीर (म प्र)

साधन—पार, उज्जैन, रतलाम, इन्दौर, नागदा, देवास
से वमें जाती हैं।

महा सतिपाँजी समुदाय

4 भादसोडा (राजस्थान)

1 व्याख्यात्री महा श्री मोहन कुँवरजी म सा
2 व्याख्यात्री महा श्री सेणा कुवरजी म सा
3 व्याख्यात्री महा श्री उगम कुवरजी म सा
4 सेवाभावी महा श्री कीर्ति सुधाजी म सा 'विरण'
5 परम विदुषी महा श्री कमलावतीजी म सा
आदि म सा-5

सम्पर्क सूत्र—श्री वधमान स्थानकवासी जैन श्रावक सघ,
नया स्थानक, भादसाडा
जिला-चित्तौडगढ (राज)-312 024

साधन—उपयुक्त त्रमाक 1 अनुसार।

5 उदयपुर (राज)

1 राजस्थान सिंहनी विदुषी महा श्री प्रेमवतीजी म सा
2 सेवाभावी महा श्री दमयन्तीजी म मा
3 सेवाभावी महा श्री राजमतीजी म सा
4 ज्ञान जिनामु महा श्री विजय प्रभाजी म सा
आदि म मा-4

1 भादसोडा (राजस्थान)

1 मेवाड़ संघ शिरोमणी प्रवर्तक प रत्न
श्री अम्बालालजी म सा

2 तपस्वी श्री इन्द्रमलजी म सा

3 प्रवचन भूषण, नात दण्डा श्रमण सघीय मचिव
श्री सोभाग्य मुनिजी म सा 'कुमुद'

4 सेवाभावी श्री दशन मुनिजी म सा

5 युवा भनीपी श्री राजेंद्र मुनिजी म सा 'रत्नेश'

6 नवदीपित श्री सुयण मुनिजी म सा

आदि मुनि-6

सम्पर्क सूत्र—श्री मनाहरलालजी पाखरजा मत्री,
श्री वप्रमान स्थानकवासी जैन श्रावक सघ
नया स्थानक, भादसाडा

जिला-चित्तौडगढ (राज)-312 024

साधन—चित्तौडगढ भीलवाडा उदयपुर, कपासन, निम्बा-
हडा, फनेहनगर से हर समय वसें मिलती हैं।

2 राजकरेडा (राजस्थान)

1 कविरत्न श्री मगन मुनिजी म सा 'रत्निक'

2 व्याख्यान वाचस्पति श्री मरन मुनिजी म मा 'पथिक'

आदि मुनि-2

सम्पर्क सूत्र—श्री मूरच दजी चारडिया,
मु पो राजकरेडा

जिला-भीलवाडा (राज)

साधन—भीलवाडा, कपासन, उदयपुर, निम्बाहेडा,
चित्तौड मे वसें जाती हैं।

पता:—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,
ओसवाल भवन, मुकजी चौक, धानमंडी,
उदयपुर (राज.)-313 001

सम्पर्क सूत्र:—ताराचन्द इन्दरमल जैन,
तीज का चौक, धान मंडी,
उदयपुर (राज.)-313 001

चातुर्मास स्थल:—ओसवाल भवन मे
साधन.—प. रे. दिल्ली, जोधपुर, जयपुर, अहमदाबाद,
बीकानेर, अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़, रतलाम,
इन्दौर, विजय नगर, नीमच से सीधी ट्रेन जाती है।

6. भीटा (राज.) :

1. परम विदुषी, मधुर वक्ता मा. श्री रूपकुंवरजी म.सा.
2. सेवाभावी मा. श्री रतन कुंवरजी म. सा.

आदि म. स.-2

सम्पर्क सूत्र:—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,
मु. पो. भीटा, व्हाया-रायपुर
जिला-भीलवाड़ा (राज.)

साधन:—रायपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ से बसे उपलब्ध।

कुल चातुर्मास संतों के	3	कुल मुनिराज	9
कुल चातुर्मास सतियों के	3	कुल सतियाँजी	11
कुल	6	कुल ठाणा	20

कुल चातुर्मास 6 संत 9 सतियाँजी 11 कुल ठाणा 20

संत-सती संक्षिप्त तालिका

विवरण	संत	सतियाँ
1985 मे कुल ठाणा थे	7	13
+ नई दीक्षाएँ हुई	1	—
— कालधर्म प्राप्त हुए	—	—
	8	13
+ अन्य विभाग से ट्रासफर हुए	1	2
	—	—
	9	11
— लिस्ट मे नाम नहीं दिया गया	—	2
	—	—
1986 मे कुल ठाणा है	9	11

॥ जय महावीर ॥

हार्दिक शुभकामनाओ सहित—

जैन नमकीन भण्डार

श्रेष्ठ नमकीन के निर्माता एवं विक्रेता

411 जवाहर मार्ग (म.प्र.) नन्दलालपुरा इन्दौर-452002

सम्बंधित फर्म:—

श्री 'शिव नमकीन सेंटर

खजूरी बाजार चौराहा, इन्दौर 452002

प्रो० तेजमल लखमीचन्द्र जैन

श्री महावीरायनमः

हार्दिक शुभ कामनाओ सहित

समीरमल पवन कुमार जैन

कपड़े के व्यापारी

अलीगढ़

जिला टौक (राजस्थान)

आगम अनुयोग, प्रवर्तक, प० रत्न आगम रत्नाकर मुनि श्री कन्हैयालालजी म० सा० 'कमल' से आज्ञा प्राप्त संत-सतियाँजी

सन्त-समुदाय

1 धानेरा (गुजरात)

- 1 अनुयोग प्रवर्तक प रत्न मुनि श्री कन्हैयालालजी म सा 'कमल'
- 2 मेवाभावी श्री विनय मुनिजी म सा 'वागीश'
आदि मुनि-2

पता—श्री व स्या जैन श्रावक मध, जैन स्थानक,
मु पो धानेरा-385 310
जिला-वनासकाठा (गुजरात)

साधन—समदडी, भीलडी (प रे) के मेन लाईन पर
स्टेशन है। पालनपुर, भाभर, आबू रोड, महेसाणा,
राधनपुर से भीलडी होकर ट्रेन में जा सकते हैं।

2 साडेराव (राज)

- 1 तप प्रचारक प रत्न मुनि श्री मिश्रीलालजी म सा
'मुमुक्षु'
- 2 मवाभावी श्री चादमलजी म सा
आदि मुनि-2

पता—श्री व स्या जैन श्रावक सध,
जैन स्थानक, वाकलीवास,
बछ्तावरपुरा मु पो साडेराव,
व्हाया पालना जिला-पाली (राज)-306 708
फान 31 एव 32

साधन—दिल्ली-अहमदाबाद मेन लाईन पर पालना रेल्वे
स्टेशन जनरें। वहा स बस द्वारा मुविघाजनक पडता
है। पाली जाग्रपुर, जदयपुर, राणकपुर, सिंगोही,
पालना सादडी, घाणेरगव, आबू से बसें जाती है।
साडेराव बसा के लिए मेन केन्द्र है। फालना से
10 किला मीटर दूर है।

3 हरभाड़ा (राज)

- 1 मधुर वसन्त प रत्न श्री रोशनलालजी म सा
मुनि-1

पता—श्री धर्माचंद प्रवीणकुमार लुणावत,
जनरल मचैण्ट व कमीशन एजेंट,
मु पो हरभाड़ा-305 812 व्हाया, मदनगज
जिला-अजमेर (राज)

चातुर्मास स्थल—श्री बधमान स्थान जैन श्रावक सध,
मु पो हरभाड़ा-305 812 व्हाया मदनगज
जिला-अजमेर (राज)

साधन—अहमदाबाद-दिल्ली व्हाया अजमेर रेल लाईन पर
किशनगड स्टेशन में 15 कि मी दूर है। किशनगड,
अजमेर से बसें उपलब्ध है।

महासतियाँजी समुदाय

4. मदनगज (राजस्थान) ।

- 1 वयोवृद्धा स्वविरा महा श्रीरतनकुवरजी म सा
म सा-1

पता—श्री रतनलालजी मारू
मारू वक्म, मु पो किशनगड-मदनगज,
जिला-अजमेर (राज)

चातुर्मास स्थल—श्री वर्धमान स्थानक जैन श्रावक सध
मदनगज जिला अजमेर (राज)

साधन—जयपुर, अजमेर के बीच में दिल्ली-अहमदाबाद
मेन लाईन पर स्टेशन है। रेल्वे स्टेशन के पास में ही
स्थाक है। जयपुर, व्यावर, अजमेर, पाली, जोधपुर,
भीलवाडा, उदयपुर, विजयनगर से सीधी बसें
उपलब्ध है।

कुल चातुर्मास 4 सत 5 सतियाँजी 1 कुल ठाणा 6

नोट—गत वष की सूची एव इस वष की सूची में कोई
चेंज नहीं है।

उत्तर भारतीय प्रवर्तक, राष्ट्र संत, नवयुग सुधारक, भण्डारी श्री पद्मचन्दजी महाराज से आज्ञा प्राप्त संत-सतियाँजी

संत समुदाय

1. चण्डीगढ़ (के. शा. प्रदेश) :

1. उत्तर भारतीय प्रवर्तक, राष्ट्रसंत, नवयुग,
सुधारक, भण्डारी श्री पद्मचन्दजी म. सा.

2. उत्तर भारत केशरी, प्रवचन भूषण
श्री अमर मुनिजी म. सा.

3. मधुर वक्ता श्री सुव्रतमुनिजी म. सा 'शास्त्री'
'डबल एम ए.'

4. मधुर गायक श्री सुयशमुनिजी म. सा.

5. विद्याभिलाषी श्री सुयोगमुनिजी म. सा.

6. सेवाभावी श्री पंकज मुनिजी म. सा.

आदि मुनि-6

पता.—श्री एस. एस. जैन सभा

सेक्टर 18-डी-चंडीगढ़-160 018

साधन:—दिल्ली, अम्बाला, मथुरा, रीगस, कानपुर,
लखनऊ से सीधी ट्रेन जाती है।

2. लुधियाना (पंजाब) :

1. विद्वद् रत्न श्री रत्नमुनिजी म. सा (पंजाबी)

2. व्याख्यान वाचस्पति श्री क्रांतिमुनिजी म. सा.

3. घोर तपस्वी श्री भगत मुनिजी म. सा.

4. सेवाभावी श्री परमेश मुनिजी म. सा.

आदि मुनि-4

पता.—श्री एस एस जैन सभा

रूपा मिस्त्री गली,

लुधियाना-141 008 (पंजाब)

साधन:—दिल्ली, अमृतसर, लखनऊ, अम्बाला, फिरोजपुर
से सीधी ट्रेन जाती है।

3. मालेर कोटला (पंजाब) :

1. तत्त्व चिंतक, उत्कल केसरी उपाध्याय श्री मनोहर
मुनिजी म. सा.

2. मधुर गायक श्री सुधीर मुनिजी म. सा
आदि मुनि-2

पता.—श्री मंत्री एस एस. जैन सभा,

जैन स्थानक, मोती बाजार,

पो आ. मालेर कोटला-148 023

जिला-संगरूर (पंजाब)

साधन:—लुधियाना, हिसार मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है।

4. त्रिनगर-दिल्ली :

1. गुणनिधि उपाध्याय श्री विशाल मुनिजी
म.सा. एम ए.

2. मधुर व्याख्यात्री श्री विचक्षणजी म. सा. बी. ए.

3. सेवाभावी श्री वरदान मुनिजी म. सा.

4. मधुर गायक श्री यशोभद्र मुनिजी म. सा.

5. सेवाभावी श्री अखिलेश मुनिजी म. सा

6. नवदीक्षित मुनि

आदि मुनि-7

पता:—श्री एस एस. जैन सभा,

जैन स्थानक, त्रिनगर,

शांति नगर, वर्धमान पार्क के पास,

दिल्ली-110 035

साधन.—भारत के सभी प्रांतों से रेल, बस व हवाई मार्ग
से सभी प्रकार के साधन हैं।

5. अम्बाला शहर (हरियाणा) :

1. उप प्रवर्तक, जैन भूषण, तपस्वी रत्न
श्री सुदर्शन मुनिजी म. सा.

- 2 सेवाभावी श्री विवेक मुनिजी म सा
- 3 मेवाभावी श्री राजेश मुनिजी म सा ,
आदि मुनि-3

पता -श्रीमत्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक,
महावीर माग,
मु पो अम्बाला शहर-134003 -
(हरियाणा)

साधन -दिल्ली, बम्बई, मद्रास, पूना, भोपाल, पटना,
आगरा, श्री गगानगर, लुधियाना, जम्मू तबी से
सीधी ट्रेन जाती हैं। सभी ट्रेन ठहरती हैं।

6 गन्नोर (हरियाणा)

- 1 उप प्रवर्तक, प रत्न श्री राम मुनिजी म सा
- 2 विद्यावागीस श्री भद्रमुनिजी म सा
- 3 सेवाभावी श्री सतीश मुनिजी म सा
- 4 मेवाभावी श्री आश्विनी मुनिजी म सा
आदि मुनि-4

पता -श्री एस एम जैन सभा,
मु पो गन्नोर मण्डी (हरियाणा)-131 101

साधन -उत्तर रेलवे से दिल्ली-पानीपत-कालका-अम्बाला
रूट पर सोनीपत पानीपत के बीच रेलवे स्टेशन है।

7 भिवानी (हरियाणा)

- 1 उप प्रवर्तक स्वामी श्री फूलचन्दजी म सा
- 2 मेवाभावी श्री सुमति मुनिजी म सा
- 3 सेवाभावी श्री सत्यप्रकाशजी म सा
आदि मुनि-3

पता -श्री एस एम जैन सभा, जैन स्थानक,
परवा वाली गली, हालु बाजार,
मु पो भिवानी-125 021 (हरियाणा)

साधन -रेवाड़ी, चरखी दादरी, भवानी खेडा, हासी,
हिसार लाईन पर रेलवे स्टेशन है।

8 रायकोट (पंजाब)

- 1 उप प्रवर्तक बयोवद्ध प श्री नोबतरायजी म सा
- 2 सेवाभावी श्री जिनेश मुनिजी म सा
आदि मुनि-2

पता -श्री चमनलालजी जैन, मत्री
एस एस जैन सभा, मु पो रायकोट
जिला-लुधियाना (पंजाब)-141 109

साधन -लुधियाना, बरनाला, बहमदगढ़ मालेर कोटला
से बमें जाती हैं।

9 मडी गिदडवाहा (पंजाब)

- 1 उप प्रवर्तक, कवि चक्रबूडामणि, कवि सम्राट
श्री चदन मुनिजी म सा
- 2 बयोवद्ध श्री खजानचन्दजी म सा
आदि मुनि-2

पता -श्री मत्री-एस एस जैन
सभा जैन स्थानक,
मु पो मडी गिदडवाहा
जिला-फरीदकोट (पंजाब)-152 101

साधन -भटिंडा, श्री गगानगर (उ रे) लाईन पर
रेलवे स्टेशन है। दिल्ली, लुधियाना, अमृतसर,
बीकानेर, मानसा, सिरसा से भी सीधी ट्रेन जाती हैं।

10 शिवपुरी लुधियाना (पंजाब)

- 1 उप प्रवर्तक प रत्नश्री जगदीश मुनिजी म सा
- 2 व्याख्यान श्री जितेंद्र मुनिजी म सा
- 3 मेवाभावी श्री रमन मुनिजी म सा
- 4 सेवा भावी श्री राजीव मुनिजी म सा
आदि मुनि-4

पता -एस एस जैन सभा
शिवपुरी लुधियाना-141008 (पंजाब)

साधन -उपरोक्त

11 करोलबाग (दिल्ली)

- 1 उप प्रवर्तक बयोवद्ध श्री बनबारीलालजी म सा
- 2 व्याख्यान वाचस्पति श्री पारसमुनिजी म सा
आदि मुनि-2

पता -श्री एस एस जैन सभा,
19, प्रेम भवन, पाक एरिया,
करोल बाग, दिल्ली-110 006

साधन:-देश के हर कोने से ट्रेन जाती है।
दिल्ली-जंक्शन से ऑटो रिक्शा उपलब्ध है।

पता -श्री एस एस जैन सभा
मु. पो मोरिण्डा
जिला-रोपड़ (पंजाब)

साधन-उपरोक्त

12. गुडगाँव (हरियाणा) :

- 1 उपप्रवर्तक परम सेवाभावी श्री प्रेमसुखजी म सा.
2. मधुर वक्ता श्री रविन्द्र मुनिजी म. सा
3. मधुर वक्ता श्री रमणीक मुनिजी म. सा.
4. सेवाभावी श्री उपेन्द्र मुनिजी म सा.
- 5 सेवाभावी श्री कौशल मुनिजी म सा.

आदि मुनि-5

पता-श्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक,
मु. पो. गुडगाँव-122 001 (हरियाणा)

साधन-दिल्ली, अम्बाला से बसें जाती है।

13. कोल्हापुर रोड़ (दिल्ली) :

1. उपप्रवर्तक, तपस्वी रत्नश्री सुमतिप्रकाशजी म. सा.
'जै शि. प्रभा'
2. प्रिय व्याख्यानी श्री आशीष मुनिजी म. सा. एम ए.
3. प्रिय व्याख्यानी श्री गोरख मुनिजी म सा
4. विद्याभिलाषी श्री अचल मुनिजी म. सा
5. सगीत रसिक श्री उत्तम मुनिजी म सा.
6. सेवा भावी श्री हर्षवर्धन मुनिजी म. सा
- 7 विद्याभिलाषी श्री मणीभद्र मुनिजी म. सा.
- 8 नवदीक्षित श्री बलभद्र मुनिजी म सा.

आदि मुनि-8

पता -श्री एस.एस. जैन सभा,
5992 कोल्हापुर रोड, कोल्हापुर हाऊस, सब्जी मंडी,
सब्जी मंडी, दिल्ली 10007

साधन -देश के हर कोने से ट्रेन जाती है
दिल्ली जंक्शन मे ऑटो रिक्शा मिटी बस उपलब्ध।

14. मोरिण्डा (पंजाब)

- 1 पजाब केशरी, जैन भूषण श्री ज्ञान मुनि जी म.सा
- 2 सेवाभावी श्री भगवत मुनिजी म.सा

आदि मुनि 2

15. मूनक (पंजाब) :

- 1 मधुर वक्ता पं. रत्न श्री रणसिंह मुनिजी म सा
2. व्याख्यानी श्री विनोद मुनि जी म सा
3. सेवाभावी श्री सुनील मुनि जीम.सा
4. सेवाभावी श्री वीरेन्द्र मुनिजी म सा.

आदि मुनि 4

पता-श्री मंत्री-एस एस जैन सभा

मु. पो मूनक-14001
जिला-संगरूर (पंजाब)

साधन-मालेर कोटला, संगरूर, धूरी मण्डी, हिसार
भटिण्डा, अम्बाला रेल्वे स्टेशन से सीधी बसें जाती हैं।

16. कालका (हरियाणा):-

1. मनोहर व्याख्यानी श्री नेमीचन्द्रजी म.सा.
- 2 विद्याभिलाषी श्री नवीन मुनिजी म सा

आदि मुनि 2

पता-श्री एस एस जैन सभा

मु पो कालका (हरियाणा)-133302

साधन:-उत्तर रेल्वे मे दिल्ली पानीपत कालका कालका
मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है।

17. राजपुरा-(पंजाब) :

1. व्याख्याता श्री शान्तिमुनि जी म.सा.
- 2 तपस्वी श्री प्रीतम मुनिजी म.सा.

आदि मुनि 2

पता-श्री एस.एस जैन सभा

मु पो राजपुरा जिला पटियाला (पंजाब)-140401

साधन -उ रे के मुगलसराय लखनऊ
अम्बाला अमृतसर मेन लाइन पर स्टेशन है।

साधना सदन पूना (महा.)

1. साधु रत्न श्रमण संघीय सचिव डॉ०
श्रीशिव मुनिजी म.सा.

- 2 व्याख्यानी श्री जितेन्द्र मुनि जी म सा
- 3 नवदीनित श्री कमल मुनि जी म सा

जादि मुनि 3

पता—श्री न स्या जैन श्रावक मध,

साधना सदन,
नाना पेठ,

पूना-2 (महा) फोन न 444442

सम्पर्क मूत्र—श्री सम्पतलालजी चादमनजी चौपडा, मधी

9वीं गणेशपट-पूना-411002 (महा)

फोन न 444442

साधन—ब्रम्हर्ट, शोनापुर, गुटकल, वैंगलोर, भोपाल,
दिल्ली, हैदराबाद, जलगाव, मनमाड से सीधी ट्रेन
जाती है।

19 अहियापुर (पजाव)

- 1 मधुर वकना श्री अरविद मुनिजी म सा
- 2 घोर तपस्वी श्री राजेन्द्र मुनि जी म सा

आदिमुनि 2

पता—श्री एम एम जैन समा

मु पो अहियापुर-(पजाव)

जिना—होगियारपुर-144204

साधन—होगियारपुर से वनें जाती हैं।

20 मेरठ (उत्तर प्रदेश)

- 1 तपस्वी श्री जितेन्द्र मुनिजी म सा
- 2 मधुर वकना श्री ज्योति मुनि जी म सा

आदि मुनि 2

पता—श्री मधी एस एस जैन समा, जैन स्थानक,

तीर्थवर महावीर मार्ग, जैन नगर

मु पो मेरठ शहर-250001 (उ प्र)

साधन—दिल्ली, गजियाबाद, महारनपुर (उत्तर रेल्वे)
मेन रेल लाइन पर रेवे स्टेशन है। दिल्ली से वसें
भी जाती है।

21 प्रीतमपुरा दिल्ली

- 1 तपस्वी रत्न श्री सहज मुनि जी म सा
- 2 मवाभावी श्री हितेप मुनि जी म सा

आदिमुनि 2

पता—

साधन—

22 व्यावर (राज०)

- 1 तान दिवाकर, पजाव केशरी श्री विजय मुनि जी
म सा

- 2 मधुर वकना श्री ग्मेग मुनि जी म सा

आदि मुनि 3

पता—श्री लालचंदजी श्रीमाल,

महावीर बाजार, मु पो व्यावर-305901

जिला-अजमेर (राज)

साधन—प रे के दिल्ली अहमदाबाद मेन लाइन पर रत्न
स्टेशन है। मभी ट्रेन रक्ती हैं। रात्र्यान में हर
बडे-बडे शहर से वम उपलब्ध है।

23 यलाचौर (पजाव)

- 1 व्याख्यान वाचस्पति कविरत्न श्री सुरेन्द्र मुनिजी म सा
- 2 व्याख्यानी श्री सुभाष मुनिजी म सा
- 3 मवाभावी श्री मजीव मुनि जी म सा

आदि मुनि 4

पता—श्री एस एस जैन समा

यलाचौर

(पजाव)

साधन—

24 भटिण्डा (पजाव)

- 1 इतिहास केशरी श्री भुमन मुनि जी म सा
- 2 मधुर गायक श्री यशभद्र मुनिजी म सा 'जै सि शास्त्री'
- 3 मवाभावी श्री समतमद्रजी म सा

आदि मुनि 3

पता—श्री एस एस जैन समा

मु पो भटिण्डा (पजाव)

साधन—दिल्ली लुधियाना, अमृतसर, हिसार से सीधी
ट्रेन उपलब्ध।

59. कुरुक्षेत्र (हरियाणा)

1. वयोवृद्ध महा. श्री दीममालाजी म सा.
आदि म.सा. (4)

पता—श्री एस एस जैन सभा,
जैन स्थानक, गली खत्रीयान
मु.पो. कुरुक्षेत्र-132118 (हरियाणा)

साधन:—दिल्ली, अम्बाला, लुधियाना, करनाल, पानीपत,
सोनीपत, जीन्द से ट्रेन जाती है।

60. सुन्दरनगर लुधियाना (पंजाब)

1. व्याख्यात्री महा. श्री महेन्द्राजी म.सा
आदि म सा (3)

पता—श्री एस एस. जैन सभा,
सुन्दरनगर,
लुधियाना-141008 (पंजाब)

साधन:—दिल्ली, अमृतसर, लखनऊ, अम्बाला, फिरोजपुर
से सीधी ट्रेन जाती है।

61. पटियाला (पंजाब)

1. उग्र तपस्विनी महा. श्री सुमित्राजी म. सा.
आदि म.सा (3)

पता:—श्री एस एस. जैन सभा,
कसेरा चौक,
मु.पो पटियाला (पंजाब) 117001

साधन — म

62. अशोक विहार दिल्ली

1. प्रभाविका महा. श्री राजेश्वरी जी म सा.
आदि म.सा. (7)

पता:—श्री एस. एस. जैन सभा,
एफ ब्लोक, फेज नं. 1,
अशोक विहार, दिल्ली-52

साधन—देश के हर कोने से ट्रेन जाती है।
दिल्ली जक्शन से आटो रिक्शा सिटी बस उपलब्ध।

63. कोल्हापुर हाऊस—दिल्ली

1. साध्वी रत्न महा. श्री स्वर्णकुमारीजी म.सा.
आदि म.सा. (7)

पता—श्री एस. एस. जैन सभा,
5992, कोल्हापुर रोड,
कोल्हापुर हाऊस,
सब्जी मण्डी, दिल्ली-10007

साधन:—देश के हर कोने से ट्रेन जाती है।
दिल्ली जंक्शन से आटो रिक्शा, सिटी बस उपलब्ध।

64. पूना (महाराष्ट्र)

1. परम विदुषी महा श्री मंजूश्रीजी म.सा
आदि म सा (4)

पता:—श्री रतनचन्द्रजी दलीचन्द्रजी सर्राफ
406, रविवार पेठ, पूना-411002 (महा)

साधन:—बम्बई, शोलापुर, गुंटकल, बैंगलौर, भोपाल,
दिल्ली, हैदराबाद, जलगाँव, मनमाड़ से सीधी ट्रेन
जाती है।

65. डबीरपुरा—हैदराबाद (आन्ध्रप्रदेश)

1. परम प्रभाविका महा. श्री विजयाश्रीजी म सा
आदि म.सा. (3)

पता—श्री जयन्तलाल मीठालाल कटारिया,
17-6-770, आउट साइड,
डबीरपुरा हैदराबाद
(आन्ध्रप्रदेश) 500023

साधन—बम्बई, अजमेर, इन्दौर, खण्डवा, भीलवाडा से
सीधी ट्रेन।

66. शालीमार बाग—दिल्ली

- 1 तपस्विनी महा. श्री मोहनमालाजी म.सा.
आदि म.सा (8)

पता:—श्री एस. एस जैन सभा,

साधन—देश हर कोने से ट्रेन जाती है।
दिल्ली जंक्शन से आटो रिक्शा, सिटी बस उपलब्ध।

67. संगरूर (पंजाब)

1. तपस्विनी महा. श्री विशालाजी म.सा.
आदि म.सा. (3)

पता -श्री एम एम जैन मभा,
मु पो मयफर (पजाब)

साधन - मा

68 रामामण्डी (पजाब)

1 तपस्विनी महा श्री विनयवतीजी म मा
आदि म मा (2)

पता -श्री एम एम जैन मभा,
म पो रामामण्डी,
(पजाब)

साधन -

69 ममाना (पजाब)

1 मरला मा श्री हर्मकुवर्जी म मा जादि म मा (6)

पता -एम एम जैन मभा,
मु पो ममाना-14701
जिला-मटियाणा (पजाब)

साधन -

70 भटिण्डा (पजाब)

1 तप प्रभाविका श्री कृष्णाजी म मा
जादि म मा (3)

पता -श्री एम एम जैन मभा
मु पा भटिण्डा,
(पजाब)

साधन - मा

71 अहमदगढ मण्डी (पजाब)

1 प्रभाविका महामनी श्री शिमताजी म मा
आदि म मा (4)

पता -श्री मनीशकुमार जैन मत्री,
एम एम जैन मभा, गाँधी चौक व पास,
अहमदगढ मण्डी,-148021
जिला लुधियाना (पजाब)

साधन -उत्तर रून्वे म नुप्रियाना-हिंमार नाइन पर मानेर
कोटना के पास रेल्वे स्टेशन है।

72 गुज्जरखेडी (हरियाणा)

1 प्रभाविका महा श्री मिनशकुमारजी म मा
आदि म मा (4)

पता -श्री एम एम जैन मभा,
मु पो गुज्जरखेडी,
(हरियाणा)

साधन -

73 दौंड (महा)

विदुपी महा श्री मजुश्रीजी म मा आदि ठाणा (4)

पता -श्री चम्पानान प्रेमचन्द शंयानी (वापा)
मु पा दौंड जिला पुणे (महा) 413801

साधन -मे 7 मे दौंड जक्शन स्टेशन है पूना, मनमाड,
अहमदनगर मे ट्रेन, वम उपलब्ध। मा

कुल चातुर्मास सतों के	28	कुल सत	90
कुल चातुर्मास सतियों के	45	कुल सतियाजी	222
	कुल 73	कुल	312

कुल चातुर्मास स्थल 73 सत 90 सतियाजी 222
कुल ठाणा 312

सत सतों तुलनात्मक तालिका

विवरण	सत	सतियाजी
1985 म कुन ठाणा थे	82	202
+ विदुपय श्री रतन मुनिजी म मा के आणा ट्रामफर किये	10	23
	92	225
+ नई दीभायें हुई	6	21
	98	246
-नालघर्म प्राप्त हुए	—	2
	98	244
-विस्ट मे नाम नही जाया	8	22
	90	222
1986 मे कुल ठाणा है	90	222

नोट - हमें चातुर्मास प्रारम्भ होने के 20 दिन बाद भी पूरे
विस्ट प्राप्त नहीं हो सकी अतः सभी के नाम का भी
मिलान नहीं कर सके। जो सूची प्राप्त हुई उसमें भी
बर्कियों के नाम ही नहीं हैं, बर्कियों के पूरे सिंघाणों के
नाम नहीं हैं अतः नाम ऊपर नीचे हो गये हा तो क्षमा
करें। सही सूचना आने पर सूचित कर दिया जावेगा।

मेवाड़ केशरी, प्रवर्तक पद विभूषित, पं. रत्न श्री मोहनलालजी म. सा. से आज्ञा प्राप्त संत-सतीयाँजी

संत समुदाय

1. मदनगंज (किशनगढ़) :

1. मेवाड़ केशरी, प्रवर्तक पद विभूषित, पं. रत्न श्री मोहन लालजी म. सा.

2. व्याख्यान वाचस्पति युवा कवि श्री महेन्द्र मुनि जी म.सा. 'कमल'

3. सेवामूर्ति श्री अरविन्द मुनि जी म.सा.

4. ज्ञान जिज्ञासु तरुण तपस्वी श्री अक्षय मुनि जी म.सा. उपाध्याय श्री केवलं मुनि जी म. सा. के आज्ञा पं. रत्न श्री प्रदीप मुनिजी म.सा भी सेवा में)

आदि मुनि 4

पता—श्री रतनलाल जी मारु,

मारु वर्क्स,

मु.पो किशनगढ़-मदनगंज

जिला-अजमेर (राज) 305801

चातुर्मास स्थल.—श्री व.स्था जैन श्रावक संघ,

जैन स्थानक,

मु.पो मदनगंज-किशनगढ़

जिला-अजमेर (राज.)

साधन—जयपुर-अजमेर के बीच में दिल्ली अहमदाबाद में नार्थन पर स्टेशन है। रेलवे स्टेशन के पास में ही स्थानक है।

महासतियाँजी समुदाय

2. डूंगला (राज.) ।

1. मेवाड़ मिहनी, भारत कोकिला, अहिंसा की उपासिका जिन शासन प्रभाविका महा. श्री जसकुंवर जी म.सा.

2. सेवा भावी महा श्री राजकुंवर जी म.सा.

3. विदुषी महा श्री मैना कुंवरजी म.सा.

4. विदुषी महा. श्री सुधा कुंवर जी म.सा.

5. विद्याभिलाषी महा. श्री विजय प्रभाजी म.सा.

6. विद्याभिलाषी महा. श्री प्रियदर्शना जी म.सा.

7. सेवाभावी महा. श्री पुष्पलताजी म.सा.

8. नवदीक्षिता महा. श्री मणि प्रभाजी म.सा.

आदि म.सा. 8

पता—श्री मोहन लाल जी दक (जैन)

श्री व.स्था जैन श्रावक संघ,

जैन स्थानक,

मु.पो. डूंगला-312402

जिला—चित्तौड़गढ़ (राज.)

साधन—चित्तौड़गढ़, उदयपुर, मावली, भीलवाड़ा से बसें जाती है।

3. कपासन (राज.) :

1. वयोवृद्धा महासती श्री सुगन कुंवरजी म.सा.

2. विदुषी महासती श्री शान्ता कुंवरजी म.सा.

3. विदुषी महासती श्री सुमति कुंवर जी म.सा.

4. मधुरकण्ठी, मधुर भापी महा. श्री मनोहर कुंवरजी म. सा.

आदि म.सा. 4

पता—श्री नाथूलाल जी चण्डालिया

मु.पो. कपासन-31203

जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.)

साधन—चित्तौड़गढ़, उदयपुर से बसें जाती है।

4. गंगरार (राज.)

1. व्याख्यात्री विदुषी महा. श्री मज्जन कुंवर जी म.सा.

2. शास्त्रवाचक महा. श्री लहर कुंवर जी म.सा.

- 3 मेवाभावी महा श्री पारम कुवर जी म मा
4 विद्याभिलाषी महा श्री सुप्रभाजी म मा
आदि म मा 4

पता—श्री जीतमन जी वाफणा
पो ऑ गगराट-312901
जिला चित्तौडगढ़ (राज)

माघन—भीलवाडा चित्तौडगढ़ में वसें मिलती हैं।

5 बृदवासा (म प्र)

- 1 व्याख्यात्री, विदुषी महामती, श्री रमिला कुवरजी
म मा
2 विदुषी महासती श्री लखित कुवर जी म मा
3 व्याख्यात्री महामती, श्री सुशीला कुवरजी म मा
4 सप रवकना महामती श्री ज्ञान कुवरजी म मा
5 मेवाभावी महामती श्री अचना कुवरजी म मा
आदि म मा 5

पता—श्री विजय सिंहजी सुराणा
पो आ बृदवामा, बाया-नीमच-(मिगोली)
जिला मदनौर (म प्र) 458228

साधन—नीमच, मदनौर, मिगोली, रतलाम, चित्तौड,
भीलवाडा में वसें जाती हैं।

6 डाणियों की कोटडी (राज)

- 1 प्रवचन प्रभाविका महा श्री मिट्टकुवरजी म मा
2 विद्याभिलाषी महा श्री विमन कुवर जी म मा
3 विदुषी महामती श्री मुक्ति प्रभाजी म मा
4 नवदीक्षिता महा विनय प्रभाजी म मा
आदि म मा 4

पता—श्री सुजानसिंह पोखरणा
पो आ डाणिया की कोटडी-बाया बीगोद
जिला-भीलवाडा (राज) 311601

साधन—भीलवाडा, चित्तौडगढ़ नीमच में वसें उपलब्ध

7 बीगोद (राज)।

- 1 तपस्विनी मधुर व्याख्यात्री महा श्री प्रेम कुवरजी
म मा
2 व्याख्यात्री महामती श्री रिद्धि कुवर म मा
(राज कुवरजी)

- 3 तपस्विनी महा श्री चारित्रप्रभाजी म मा
(बाना कुवरजी)

- 4 विद्याभिलाषी महा श्री प्रतिभाकुवर जी म मा
आदि म मा 4

पता—श्री मोहनलाल जो वाफणा
पो आ बीगोद-311601
जिला भीलवाडा (राज)

साधन—भीलवाडा, नीमच, चित्तौडगढ़, उदयपुर में वसें
जाती हैं।

कुल चातुर्मास मता के	1	कुन मुनिराज	4
” ” सतीया के	6	” महामतीयाजी	29
	कुन 7		कुल 33

कुन चातुर्मास 7 सत 4 सतीयाजी 29 कुल ठाणा 33

संत सती सुलनात्मक तालिका

विवरण	मत	सतीया
1985 में कुन ठाणा थे	4	27
+ नई दीपार्ण हुई	—	2
—देहावसान हुआ	4	29
	—	—
1986 में कुल ठाणा है	4	29

जीवन को नीतिमय, प्रमाणिक, धार्मिक, तथा उत्तम
बनाने के लिए सब प्रथम सत्यमय बनाना आवश्यक है।

अपना भला चाहते हो तो दूसरों का भला चाहो दूसरों
का दुःख चाहना, अपना दुःख चाहना।

प्रतिभा, विनय, विवेक, शम, शील, सत्य, मन्तीप
अपनाना उपरोक्त गुण जो बनना गुण—नीप।

मरुधरा रत्न, घोर तपस्वी, प्रवर्तक पद विभूषित काव्य मनीषी, श्री रूपचन्दजी म. सा. 'रजत' से आज्ञा प्राप्त सन्त-सतियाँजी

संत समुदाय

(1) बिलाड़ा (राजस्थान)

1. मरुधरा रत्न, घोर तपस्वी, प्रवर्तक पद विभूषित, काव्य मनीषी श्री रूपचन्दजी म. सा. 'रजत'
2. उपप्रवर्तक मधुर व्याख्यानी, मरुधरा भूषण पं. रत्न श्री सुकुन मुनिजी म.सा.
3. सेवाभावी श्री महेन्द्र मुनिजी म.सा.
4. विद्यार्थी श्री भुवनेश मुनिजी म.सा. 'विद्यार्थी'
5. विद्या प्रेमी श्री अमृतचन्द्रजी म.सा. 'प्रभाकर'
6. संगीत रसिक श्री अमरेश मुनिजी म.सा. 'निराला'
7. वैयावच्ची श्री विनोद मुनिजी म.सा.
8. विद्यार्थी श्री सूर्यकुमारजी म.सा.

पता:-1. अध्यक्ष श्री मोहनलालजी भंडारी,
मु.पो. बिलाड़ा
जिला-जोधपुर (राज.)
2. श्री पारसमलजी जांगड़ा,
जांगड़ा मेडीकल स्टोर्स,
मु.पो. बिलाड़ा
जिला-जोधपुर (राज.)

साधन:-जोधपुर, पाली, भोपालगढ़, जयपुर, अजमेर,
कोटा, जेतारण, व्यावर, सोजत मडता से सीधी
बसें जाती हैं।

आदि मुनि (8)

महासतियाँजी समुदाय

2. पाली (राज) :

1. परम विदुषी पण्डिता व्याख्यात्री वयोवृद्धा
महा. श्री जैनमतिजी म. सा.

2. वयोवृद्धा महा. श्री प्रभावतीजी म. सा.
3. व्याख्यात्री महा. श्री रामकुँवरजी म. सा.
4. विद्याप्रेमी महा. श्री इन्द्रप्रभाजी म. सा.

आदि म. सा. (4)

पता:-श्री सायरचन्दजी गांधी मंत्री,
श्री व. स्या. जैन श्रावक संघ,
घाणेराव की गली, पाली मारवाड़
(राज.)-306 401

साधन:-जोधपुर, नागौर, पीपाड़, जयपुर, वीकानेर,
लुणी, अहमदाबाद, उदयपुर, तरलाम, खंडवा से
सीधी ट्रेन।

3. बिलाड़ा (राज.) :

1. परम विदुषी जिन शासन चन्द्रिका महा.
श्री सज्जनकुँवरजी म. सा.
2. स्वाध्यायी प्रेमी महा. श्री पुष्पावतीजी म. सा.
3. मधुर व्याख्यात्री महा. श्री राजमतीजी म. सा.
4. मधुर गायिका महा. श्री धर्मप्रभाजी म. सा.
5. विद्याप्रेमी महा. श्री जानप्रभाजी म. सा.

आदि म. सा. (5)

पता:-पारसमलजी जांगड़ा,
जांगड़ा मेडीकल स्टोर
मु. पो. बिलाड़ा
जिला-जोधपुर (राज.)

साधन:-उपरोक्त।

4. इन्दौर-जानकी नगर (म. प्र.) :

1. मरुधरा श्रमणीरत्न, विदुषी श्री तेजकुँवरजी म. सा.
"जै. शि. प्रभा"
2. वयोवृद्धा महा. श्री मनोहरकुँवरजी म. सा.
3. आगम प्रेमी महा. श्री धनकुँवरजी म. सा.

- 5 मगीत रसिका महा श्री इन्द्रप्रभाजी म सा
6 विद्याप्रेमी महा श्री प्रीतिमुधाजी म सा
आदिम मा (6)

पता—श्री गदल चंदजी महता,
श्री जानकी नगर, जैन श्रावण मध, नवनवा मेनरोट,
इन्दौर-452 001 (म प्र)
फोन न 5826-4011 पी पी

साधन—य २ के प्रम्वर्द्ध, इन्दार, अजमेर, खडवा कांचीगुडा
मेन गार्डन पर रोजे स्टेशन ह।

5 निम्बली (राज)

- 1 धर्मणी भूपण परम विष्णु महामती श्री गुणवताजी
म सा
2 मधुर व्याख्यात्री श्री विमलावतीजी म सा
3 सेनाभावी महा श्री पवनबुवरजी म सा
4 विद्याप्रेमी महा श्री नवज्योतिजी म सा
आदिम मा (4)

पता—श्री व म्या जैन श्रावण मध,
मु पा निम्बली व्हाया राणावास
जिनापाली (राज)

साधन—मारवाड, पाली, राणावाम साजह से वमे
उपलब्ध।

6 सादडी मारवाड (राजस्थान)

- 1 वयोवृद्धा स्वविरा महासती श्री तन्हाजी म सा
(मकारण)
म सा (1)

पता—श्री सवाईमलजी वानूलानजी प्रममिया,
मु पो मादडी-मारवाड-306 702
वाया फालना जिला-पाली (राजस्थान)

साधन—मारवाड जकशन, जोधपुर, उदयपुर, पाली,
साडेराव स्टेशन, फानना वाली, राणवपुर, नाथद्वारा
से सीधी वमे जाती ह।

7 पाली-मारवाड (राजस्थान)

- 1 वयोवृद्धा स्वविरा महा श्री विदामबुवरजी म मा
(मकारण)

- 2 वयोवृद्धा स्वविरा महा श्री मायरबुवरजी म सा
3 वयोवृद्धा महा श्री वणवार बुवरजी म मा
म मा (3)

पता—श्री नायरचंदजी गाधी,
बायना के विप्रेना, घाणेरान क, मती
पाली-मारवाड (राज) 306 401

साधन—जयपुर, मारवाड, जकशन, नागार, अहमदाबाद
से सीधी रेन मेना म राजस्थान के हर प्राणा म वमे
उपलब्ध।

8 कर्मावास (राजस्थान)

- 1 वयोवृद्धा महा श्री ववसुजी म मा (मकारण)
म मा (1)

पता—श्री व म्या जैन श्रावण मध, जैनस्थानक
मु पो कर्मावास जिला जडमर (राज)

साधन—ममदटा, जडमेर, बाजोतरा, फलीदी म
वम जाती है।

कुल चातुर्मास सती के	1	कुल सत	8
कुल चातुर्मास सतिया के	7	कुल सतियाजी	21
कुल	8	कुल	32

कुल चातुर्मास 8 सत 8 सतियाजी 24 कुल 32

सत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	सत	सतिया
1985 मे कुल ठाणा थे	8	25
+ नई दोस्तारें हुई	—	—
—वालधम प्राप्त हुए	8	25
—	—	—
—	8	25
— इम वष की सूची म नाम नहीं ह	—	1
—	—	—
—	8	24
1986 मे कुल ठाणा ह	8	24
—	—	—

नाट—महा श्री उगमबुवरजी म मा (पाली) वा नाम
सूची मे नहीं आया है।

प्रवर्तक पद विभूषित, आत्मार्थी, पं. रत्न, सुलेखक, कविवर्य
श्री उमेश मुनिजी म. सा. 'अणु' से आज्ञा
प्राप्त संत संतियाजी

संत समुदाय

1. मेघनगर (म. प्र.) :

प्रवर्तक कविवर्य शास्त्रज्ञ स्व. श्री सूर्य मुनिजी म सा के
सुशिष्य—

- 1- शान्तमूर्ती पं रत्न श्री रूपेन्द्र मुनिजी म.सा
2. आध्यात्मिक योगी, संत शिरोमणी, प्रवर्तक
पद विभूषित सुलेखक पं. रत्न श्री उमेश
मुनिजी म. सा. 'अणु'
3. व्याख्यानी प रत्न श्री महेंद्र मुनिजी म सा.
4. सेवाभावी श्री चैतन्यमुनिजी म सा

आदि मुनि (4)

पता—श्री रणजीतसिंह बाफना,
मु. पो. मेघनगर
जिला-नावादा (म. प्र.)-457 779

साधन.—पश्चिमी रेल्वे लाईनपरमेघनगर स्टेशन है।
वसे भी मिलती है। दिल्ली, बम्बई, रतलाम से
सीधी ट्रेन मिलती है।

2. मधुवन-शिखरजी (बिहार) :

मालव केशरी स्व. श्री सौभाग्यमलजी म सा. के प्रधान
शिष्य

- 1 पंडित रत्न व्याख्यानी श्री हुकममुनिजी म. सा.
'सकारण)
2. पं. रत्न समाज सेवी श्री अनुपममुनिजी म. सा.
आदि मुनि (2)

पता—मैनेजर, जैन भवन
श्री पार्श्वनाथ सेवाश्रम
मु. पो. शिखरजी (मधुवन)
जिला-गिरिडीह-715 329

साधन—पूर्व रेल्वे धनबाद, गिरीडीह, वेगुसराय, भागलपुर,
पटना, राची स्टेशनो से सीधी वसे मिलती है।

3. रतलाम (म. प्र.) :

मालव केशरी महाराष्ट्र विभूषण जैन सुधारक प्रसिद्ध
वक्ता. श्री सौभाग्यमलजी म.सा के अंतेवासी सुशिष्य—

- 1 सलाहकार आदर्श सेवामूर्ति प. रत्न प्रवचन दिवाकर
मधुर वक्ता श्री जीवनमुनिजी म. सा.
- 2 घोर तपस्वी श्री कमलमुनिजी म. सा
3. वक्ता लेखक पं. रत्न श्री प्रकाशमुनिजी म. सा.
'निर्भय' शास्त्री एम ए.
- 4 सेवाशील गायन रसिक श्री कीर्तिमुनिजी म सा.
आदि मुनि (4)

पता—धर्मदास जैन मित्र मडल,
80, नौलाईपुरा-रतलाम (म प्र.)-457 001

साधन—बम्बई, दिल्ली, भोपाल, इन्दौर, अजमेर, जोधपुर,
मारवाड आदि से सीधी ट्रेने मिलती है।

4. औरंगाबाद (महाराष्ट्र) :

1. सत रत्न श्री प्रमोदमुनिजी म सा. "मधु"
- 2 नवदाक्षित श्री गोतममुनिजी म. सा
आदि मुनि (2)

पता—श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ,
जैन स्थानक, मु. पो. औरंगाबाद (महाराष्ट्र)
411 001

साधन—रतलाम, इन्दौर, खण्डवा, जालना, हंदराबाद,
बम्बई, नासिक, जलगाँव से सीधी ट्रेन जाती है।
महाराष्ट्र मे हर जगह सीधी वसे जाती है।

५. पूना (महाराष्ट्र) :

1. तपोकेसरी व्याख्यानी श्री प्रेम मुनिजी म. सा.
मुनि (1)
(डॉ. विद्वान श्री शिवमुनिजी म.सा की सेवा मे)

पता—श्री व म्मा जैन श्रावक सघ,
जैन स्थानक 1349 पालखी विठामा चाक
भवानी पंठ पूना-411 002 (महाराष्ट्र)

साधन—बम्बई मद्राम (म रेल्वे) मेन लाइन पर स्टेशन
है। पूना रेल्वे स्टेशन बस स्टेशन से मिट्टी बस,
तागा, रिकशा उपलब्ध।

महासतियोंजी समुदाय

5 रतलाम (मध्य प्रदेश)

- 1 वयावद्धा महा श्री वेशरकुवरजी म सा (संसारण)
- 2 भवामूर्ति महा श्री दिलमुख कुवरजी म सा
- 3 संगीत प्रेमी महा श्री प्रमोदसुधाजी म सा
- 4 अद्ययनशीला महा श्री रमणीक कुवरजी म सा
आदि म सा (4)

पता—श्री व स्या जैन श्रावक सघ,
जैन स्थानक, चामुखी पुल,
रतलाम (म प्र)-457 001

साधन—प रे. के बम्बई-दिल्ली मेन लाइन एव अजमेर,
बाबोसुटा मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन ह।

7 गुजालपुर (मध्य प्रदेश)

- 1 महाराष्ट्र मागम समता मिथु महा श्री चाडकुवरजी
महाराज सा
- 2 शानि प्रेमी व्यवहार कुशल महा श्री शानिकुवरजी
म सा
- 3 सवाभावी महा श्री कुसुम कुवरजी म सा
- 4 विनयशील प्रिय वरुणी महा श्री सुमनप्रभाजी म सा
- 5 तपामूर्ति महा श्री कमलप्रभाजी म सा
“मिद्धाचाय शास्त्री”
- 6 गायन प्रवीण महा श्री प्रवीणजी म सा सि शास्त्री
- 7 संगीत रसिका महा श्री सुवर्णाजी म सा
मिद्धाचाय शास्त्री
- 8 स्वाध्याय रसिका महा श्री ज्योतिषुधाजी म सा
मिद्धाचाय शास्त्री
- 8 स्वाध्याय रसिका महा श्री ज्योतिषुधाजी म सा
मिद्धाचाय शास्त्री

- 9 समय रुचिका महा श्री समयप्रभाजी म सा
सिद्धाचार्य प्रभाकर
- 10 चारित्र्य रसिका महा श्री चारित्र्यप्रभाजी म सा
सिद्धाचार्य प्रभाकर
- 11 नवदीक्षिता महा श्री चन्द्रप्रभाजी म सा
आदि म सा (11)

पता—श्रीविज्ञानशालाजी भोजीलासजी चौधरी
बडा बाजार, गुजालपुर-465 331 (म प्र)

साधन—

8 इंदौर (म प्र)

- 1 वयावृद्धा स्वविरा पद विभूषित महा श्री साहन-
कुवरजी म सा (मवारण)
- 2 मेवाशीला महा श्री मज्जनकुवरजी महा सा
- 3 व्याख्यात्री महा श्री कमलाकुवरजी म सा
- 4 व्याख्यात्री महा श्री तारा कुवरजी म सा
- 5 तपस्विनी महा श्री मधुमाताजी म सा
- 6 ज्ञान पिपामु मवारत श्री धैर्यप्रभाजी म सा
आदि म सा (6)

पता—श्री दयालालजी हजारीलालजी भटेवरा,
61 पीपली बाजार, इंदौर-452 002 (म प्र)

साधन—बम्बई, भोपाल, अजमेर, खडवा, नागदा दिल्ली
उज्जैन रतलाम, आदि स्टेशनों से ट्रेन जाती है।

9 इंदौर (म प्र)

- 1 वयोवृद्धा महा श्री चंपाकुवरजी म सा (संवारण)
- 2 साध्वोरत्न डॉ महा श्री ललितप्रभाजी म सा
एम ए पीएच डी
- 3 सेवाशील महा श्री कतिमुधाजी म सा
आदि म सा (3)

पता—राधा जैन स्थानक, 153 आडा बाजार,
इंदौर-452 002 (म प्र)

साधन—बम्बई, भोपाल, अजमेर, खडवा, नागदा, दिल्ली,
उज्जैन, रतलाम आदि स्थानों से ट्रेन जाती है।

10 रतलाम (मध्यप्रदेश)

- 1 विदुषी व्याख्यात्री महासती श्री मोहनकुवरजी म सा
- 2 विद्याभिलाषणी महा श्री साधनाकुवरजी म सा

3. विद्या रसिक महा. श्री विमलज्योतिजी म. सा.
आदि म. सा. (3)
पता.—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जालीवाला स्थानक
चौमुखी पुल-रतलाम (म.प्र.)-457 001
साधन.—बम्बई, दिल्ली, भोपाल, इन्दौर, अजमेर, जोधपुर,
मारवाड आदि से सीधी ट्रेन जाती है।

11. बामनिया (मध्य प्रदेश) :

1. विदुषी व्याख्यानी महा. श्री कंचनकुंवरजी म. सा.
(सकारण)
2. सेवाभावी महा. श्री सूर्यप्रभाजी म सा.
आदि म. सा. (2)
पता:—श्री मागीलालजी भंडारी,
मु. पो. बामनिया
जिला-झाबुआ-457 770
साधन:—दिल्ली, बम्बई, रतलाम से सीधी ट्रेन जाती है।

12. रतलाम (म. प्र.) :

1. वयोवृद्धा शास्त्रज्ञाता महा. श्री सौभाग्यकुंवरजी म.सा.
2. व्याख्यात्री विदुषी महा. श्री मदनकुंवरजी म. सा.
3. गायनप्रेमी मधुर व्याख्यात्री महा. मगनकुंवरजीम.सा.
4. विद्याप्रेमी महा. श्री कल्पनाकुंवरजी म. सा.
आदि म. सा. (4)

चातुर्मास स्थल:—श्रीकृष्ण कला केन्द्र,
चाँदनी चौक

पता:—चाँदमलजी भरगट,
चाँदनी चौक
मु. पो. रतलाम (म. प्र.)-457 001

साधन.—बम्बई, दिल्ली, भोपाल, इन्दौर, अजमेर, जोधपुर,
मारवाड आदि से सीधी ट्रेन जाती है।

13. देवास (मध्यप्रदेश) :

1. वयोवृद्धा स्थविरा महा श्री मनोहर कुंवरजी म.सा.
2. वयोवृद्धा स्थविरा महा. श्री मोहनकुंवरजी म. सा.
3. प्रखर व्याख्यात्री महा. श्री शांतिकुंवरजी म. सा.
4. व्यवहार कुशल महा. श्री रमणीककुंवरजी म. सा.
5. व्याख्यात्री महा. श्री मृदुलाजी म. सा.

6. सेवाभावी महा. श्री मंगलप्रभाजी म. सा.
7. विद्याभिलाषी महा श्री नूतनप्रभाजी म. सा.
आदि म. सा. (7)

पता:—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ उपासना गृह
बडे राजवाड़े के सामने
मु. पो. देवास-455 001 (म प्र.)

साधन.—इन्दौर, उज्जैन, नागदा, भोपाल से सीधी ट्रेन
मिलती है। रतलाम, इन्दौर, उज्जैन, नागदा से
सीधी बसे मिलती है।

14. सिकन्दराबाद (आन्ध्र प्रदेश) :

1. व्याख्यानी विदुषी महा. श्री रमणीककुंवरजी म. सा.
2. सेवाभावी महा. श्री मगनकुंवरजी म सा.
3. व्याख्यात्री मह श्री प्रगतिसुधाजी म. सा.
4. सेवाशीला महा. श्री सन्मत्तिसुधाजी म. सा.
आदि म. सा. (4)

पता:—श्री हस्तीमलजी मुणोत,
7-2-832 पोट मार्केट,
मु पो. सिकन्दराबाद-500 003 (आं. प्र)

चातुर्मास स्थल —श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,
जैन स्थानक, लाल बाजार,
सिकन्दराबाद-500 003 (आ. प्र)

साधन.—राजस्थान की ओर से आने वाले काचीगुड़ा
उतरे। बम्बई, बैंगलौर, पूना, शोलापुर, वाड़ी,
रायपुर, भोपाल, औरंगाबाद, रतलाम, अजमेर से
आने वाले सिकन्दराबाद उतरे। सिकन्दराबाद रेल्वे
स्टेशन से आँटो रिक्शा से 1 किलोमीटर से कम है।

15. संगमनेर (महाराष्ट्र) :

1. शामन प्रभाविका महा श्री आदर्शज्योतिजी म. सा.
'एम. ए.'
2. स्वाध्यायशीला महा. श्री सुगनकुंवरजी म. सा.
3. तपस्विनी महा. श्री कल्पलताजी म. सा.
4. व्याख्यात्री महा श्री कुमृदलताजी म सा 'एम ए.'
5. व्याख्यात्री महा. श्री धर्मलताजी म. सा 'एम. ए.'
6. सेवाशीला महा. श्री सुधाकुंवरजी म. सा.
आदि म. सा. (6)

पना—श्री व स्या जैन श्रावक सघ
जैन स्थानक, मु पो पिपलगाव-बसवत
त निफाड जिला नासिक (महा) 422209

साधन—नामिक, मनमाड, टीट, पूना, अहमदनगर,
निफाड, येवला, चानीमगाव, नाद गाव से बसे
जाती है ।

6 सोंदाणा (महाराष्ट्र)

1 मेवाभाविनी मोन साधिक्रा महा श्री धनकुंवर जी
म सा

2 शाम्भू तत्वज्ञाता महा श्री पुष्पा कुंवरजी म सा
'जै शि विशा'

3 मनीन प्रेमी महा श्री दगन प्रभा जो म सा "जै
शि विशा" आदि म सा (3)

पना—श्री व स्या जैन श्रावक सघ
मु पो सोंदाणा जिला नासिक (महा)

साधन—नामिक मानमाड, चानीमगाव नादगाव, धुने
से बसे जाती है ।

7 यवतमाल (महा) -

1 शातमती मेवाभावी महा श्री विरज कुंवरजी म सा
'जै सिद्धांताचाय'

3 व्याख्यात्री महा श्री प्रकाश कुंवरजी म सा 'जै शि'

4 सेवाभाविनी महा श्री सुशील कुंवरजी म सा
'जै शि शास्त्री'

5 मेवाभावी महा श्री रिद्धिसुवाची म सा 'जै शि
विशा' आदि म सा (5)

पना—श्री देवजी धरमसी निमर जैन धम स्थानक
राजेन्द्र नगर, यवतमाल (महा) 444001

साधन—नागपुर, बर्धा, जकाला, धामनगाव से बसे द्वारा
पूना जलपान नामिक, अहमदनगर, जालना,
औरंगाबाद से भी बसे द्वारा ।

8 परभणी (महाराष्ट्र) -

1 गायन प्रेमी महा श्री प्रतिभा कुंवरजी म सा
'जै शि आ'

2 मेवाभावी महा श्री प्रफुल कुंवरजी म सा
'जै शि प्रभा'

3 मेवाभावी महा श्री मिद्धि सुधाजी म सा "जै
शि विशा" आदि म सा (3)

पना—श्री व स्थानकवामी जैन श्रावक सघ
जैन स्थानक मु पो परभणी जिना-औरंगाबाद
(महा) 431001

साधन—हैदराबाद, जालना, औरंगाबाद, मनमाड,
जयगान, छण्टवा, रतलाम, भीनवडा, अजमेर
से भी जाती है ।

9 कुडूवाडी (महाराष्ट्र) -

1 विदुषी महा श्री प्रमोद कुंवरजी म सा 'जै शि आ'

2 विद्याभिलाषी महा श्री ज्योती सुधाजी म सा

3 ज्ञानपिपासु महा श्री गुलाब कुंवरजी म सा

4 विद्यासिन्धवी महा श्री साधना कुंवरजी म सा
आदि म सा (4)

पना—श्री व स्या जैन श्रावक सघ
जैन स्थानक मु पो कुडूवाडी
जिना शालापुर (महा) 413207

साधन—वम्बई, अहमदनगर, शालापुर, रायचूर, पूना,
मनमाड से ट्रेन जाती है । पूना और शालापुर के
बीच म रेलवे स्टेशन है ।

10 अकोला (महा) -

1 व्याख्यात्री महा श्री विरण सुधाजी म सा
"जैन सिद्धान्ताचाय"

2 मेवाभावी महा श्री प्रभात कुंवरजी म सा
"जै शि विशा"

3 मेवाभावी महा श्री जय कुंवरजी म सा
आदि म सा (3)

पना—श्री कल्याणजी केशवजी जैन भवन,
गोयनका नगर, मु पा अकाला-422601
जिला जहमदनगर (महा)

साधन—अहमदनगर, दांड, पूना, से बसे जाती है ।
वम्बई, बनवत्ता, नागपुर, बर्धा से ट्रेन द्वारा भी

11 परती बजनाय (महा) -

महा श्री होरा कुंवरजी म सा श्री सुशिव्याए-

1 अध्ययनशीला महा श्री उज्ज्वल कुंवरजी म सा

2. विद्याभिलाषी महा श्री किर्ती सुधाजी म. सा.
आदि म. स. (2)

पता—श्री व. स्था जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक
मु. पो. परली वैजनाथ जिला परभणी (महा.)
431515,

साधन.—जालना, परभणी, औरंगाबाद, हैदराबाद, मनमाड
कामारेड्डी से सीधी ट्रेन मिलती है।

12. घाटकोपर (श्रमणी विद्यापीठ) बम्बई (महा.):—

1. विदुषी महा श्री चम्पा कुँवरजी म. सा
2. विद्याभिलाषणी महा श्री किरण प्रभाजी म. सा.
आदि म स (2)

पता:—श्री श्रमणी विद्यापीठ जैन स्थानक के पास,
हीगवाला लेन, घाट कोपर (पूर्व) बम्बई 77

साधन.—सेन्ट्रल रेलवे में बम्बई थाना की लोकल ट्रेन से
घाटकोपर।

13. वार्शी (महाराष्ट्र):—

1. वयोवृद्ध महा जगत कुँवरजी म. सा (सकारण)
म स. (1)

पता.—श्री व स्थानक जैन श्रावक सघ,
जैन स्थानक, मु. पो वार्शी—413401
जिला शोलापुर (महा.)

साधन.—कुर्डुवाडी, शोलापुर, लातूर दौण्ड से ट्रेन।

14. अहमदनगर (महा.)

1. वयोवृद्ध महा. श्री प्रेम कुँवरजी म. सा म. स. (1)

पता—श्री वा. स्था जैन श्रावक सघ नवी पेठ,
अहमदनगर (महा.) 414001

साधन—पूना से बस उपलब्ध

15. हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)

1. वयोवृद्ध महा श्री पानकुँवरजी म सा. म. स. (1)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन सघ,
जैन भवन, 3-5-141/2—ए रामकोट
इडन बाग, हैदराबाद—500001 (आ. प्र.)
फोन नं—57749

साधन.—बम्बई, वैगलोर, मद्रास, रायचूर, पूना, शोलापुर
अजमेर, रतलाम, खण्डवा, औरंगाबाद, अहमदाबाद
से सीधी ट्रेन आती है।

16. जयसिंगपुर (महाराष्ट्र)

1. वयोवृद्ध महा श्री हस कुँवरजी म. सा (सकारण)
म. स. (1)

पता—श्री व स्था जैन श्रावक सघ,
जैन स्थानक, मु. पो. जयसिंगपुर
जिला—(कोल्हापुर (महा.)

साधन—कोल्हापुर मीरज, सागली से बस द्वारा

17. अकलेरा (राज.)

1. स्व. श्री गोडीदासजी म. सा की सुशिष्या
वयोवृद्ध महा श्री दया देवी देवी जी म. सा.
आदि म. स. (1)

पता.—श्री माणकचन्द्रजी जैन कोठारी
मु. पो अकलेरा जिला झालावाड (राज.)
साधन.—झालावाड से बसे उपलब्ध

18. चौमहला (राजस्थान)

1. वयोवृद्ध महा. श्री केशर कुँवरजी म. स.

नोट.—महासतिजी 66 वर्ष की है एवं आँखों से अधी है
सेवा के लिए सतिर्याँजी चाहिए।

म. स. (1)

पता.—श्री वापूलालजी वसन्तीलालजी जैन,
मु. पो. चौमहला—326515 जिला झालावाड (राज.)
साधन—(प. रे) बम्बई दिल्ली मार्ग-मार्ग पर नागदा
व शामगढ के बीच रेलवे स्टेशन है।

19. देवलाती-नासिक (महाराष्ट्र)

1. वयोवृद्ध महा. श्री हुलास कुँवरजी,
2. महा. श्री कमल प्रभाजी म. सा.
3. महा. श्री मरदार कुँवरजी म. सा.
4. महा श्री सुशील कुँवरजी म. सा

म. स. (4)

पता:—श्री वर्धमान सेवा केन्द्र
नाम रोड, मनोर बाग, देवलाती केम्प
नासिक (महा) 425401

साधन—श्रमई जनगाँव में ट्रेन द्वारा देवलाली केम्प या
नासिक रोड उतरे वहाँ में बस रिक्सा द्वारा

20 महाराष्ट्र में (महा)

1 महा श्री शान्ति मुद्राधी म स

म मा (1)

कुल चातुर्मास सतो के	4	कुल सतत	7
" " सतीयों के	16	कुल सतीयोंजी	39
कुल	20	कुल	46

कुल चातुर्मास 20 सत 7 सतीयोंजी 39 कुल ठाणा 46

सत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	सत	सतीयोंजी
1985 में कुल ठाणा थे	6	37
+ नई सीधायें हुई	—	1
	6	38
—कालधम प्राप्त हुए	—	1
	6	37
+ शय विभाग म नाम ट्रांसफर किये गये	1	2
	6	37
	7	39
1986 म कुल ठाणा है	7	39



— मोतियो की माला —

- १ मनुष्य रोत हृय पदा होना है, शिनायों करते हुए जाना है और निराग होकर मर जाना है ।
- २ हमारे दाहिने हाथ में धन और बाएँ हाथ में मफलता है ।
- ३ धन वह है जो हाथ में हो, मित्र वह है जो बिनती में हमेशा साथ दे रूप वह है जहाँ गुण हो, विनाम वह जहाँ धर्म हो ।
- ४ जैम नहीं बहती है धार लाटकर नहीं आती, उसी तरह रात और दिन मनुष्य की आयु लेकर चले जाते हैं, फिर नहीं घान ।
- ५ जीवन वह नफर है जो गुलाब न फूल की तरह काटो में पलकर अपनी सुगंध से दुनिया को महानता रहे ।
- ६ अग्ने जीवन म मंग पान की चिन्ता करना उगार जाना है उसी जीवन में आचरण द्वारा स्वग बनाना श्रष्टव का प्रतीक है ।
- ७ अग्ने नभी के साथ श्रच्छा मन्त्र ध बनाये रखना चाहते हैं तो एव नियम याद रखो—नभी किसी को निंदा मत कर ।
- ८ सम्पत्ति, मरस्वती, मदाचार, मत्य, और सत्सगती ये पाच साकर धर में हो वह धन स्वग से बडकर है ।
- ९ मूय पर जैसे बादलों का आवरण आते हैं, हट जाते हैं । फिर आते हैं, फिर हट जाते हैं । जीवन में सुख-दुख और सफ-नाश्रमफलता की भी इससे अधिन महत्व नहीं देना चाहिए ।
- १० वह धन क्या काम का, जिससे जान पर जाचिम आती हो ।
- ११ वायवर्ता सम्मान नहीं, सफलता की आशा से काम कर । अपमान और असफलता का सामना करने की तैयारी रखें ।
- १२ जो मित्र एक बार शत्रु बन गया हो, दुगारा उस पर कभी भी विश्वास करना खतरनाक होना है ।
- १३ घर की खिडकिया बन्द करके बठने वाला न प्रनाम पा सकता है, न ताजी हवा और धूप । अगर बाहर की धूप हवा चाहिए तो खिडकिया खोल दो । अगर ज्ञान का प्रनाम और अनुभव की ताजी हवा चाहिए तो जिनासा की खिडकिया खुली रखो ।

स्व. श्रमण संघीय युवाचार्य, बहुश्रुत, पं. रत्न श्री मधुकर
मुनिजी म. सा. के अंतेवासी अंतेवासीनीयाँ संत
सतियाँजी म. सा. के चातुर्मास

संत समुदाय

१. उज्जैन (मध्यप्रदेश)

1. युवा हृदय सम्राट, युवाकवि श्री विनय
मुनिजी म. सा. 'भीम'

2. युवा धर्म प्रचारक श्री महेन्द्र मुनिजी म सा 'दिनकर'
आदि मुनि (2)
(तपस्वी सघ सेवाभावी श्री मोहनलालजी म सा की
सेवा मे कुल ठाणा (6))

चातुर्मास—श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ, महावीर
भवन, नमक मण्डी, उज्जैन-456006 (म प्र)

सम्पर्क सूत्र:—श्री सागरमलजी कटारिया
कलालगोरी, उज्जैन-456006 (म प्र)

साधन.—बम्बई, भोपाल, रतलाम, नागदा, कोटा, सूरत,
इन्दौर, अहमदाबाद, दिल्ली से सीधी ट्रेन मिलती
है। इन्दौर से हर आधे घंटे मे बस उपलब्ध। इन्दौर
से उज्जैन 1 घंटे का रास्ता है।

महासतियाँजी समुदाय

2. सिन्धनूर (कर्नाटक)

1. वयोवृद्धा महा. श्री कान कुवरजी म.सा.
2. मधुर व्याख्यात्री महा श्री चम्पाकुंवरजी म.सा.
"सि.आ."
3. सेवाभाविनी महा. श्री बसन्तकुवरजी म.सा
4. विदुषी महा. श्री कंचनकुंवरजी म.सा
5. विदुषी महा. श्री चेतन प्रभाजी म सा.
6. सेवाभाविवी महा. श्री चन्द्रप्रभाजी म सा.

आदि म सा. (6)

पता—गा रिखवचन्द सोहनलाल
मेन रोड, सिन्धनूर जिला-रायचूर
(कर्नाटक) 584128

फोन न 32

साधन—बम्बई, मद्रास, रेल्वे लाईन मार्ग पर रायचूर
स्टेशन उतरकर वहा से बस द्वारा सिन्धनूर आ
सकते हैं। बसों का साधन काफी मात्रा मे उपलब्ध।

3. मेड़ता सिटी (राजस्थान)

1. शासन चन्द्रिका महा. श्री झणकार कुंवरजी म सा.
2. विदुषी महा श्री मनोहरकुंवरजी म सा
3. तपस्विनी महा. श्री जयमालाजी म.सा.
4. मधुर व्याख्यात्री महा. श्री आनन्द प्रभाजी म.सा.
5. सेवाभावी श्री चन्दनबालाजी म सा.
6. विधाभिलाषणी महा श्री तरुण प्रभाजी म.सा
7. विधार्थिनी महा. श्री चन्द्रप्रभाजी म.सा.

आदि म सा. (7)

पता—मन्त्री श्रीमान पुखराजजी मेहता
श्री व स्था जैन श्रावक सघ
मेहता सिटी जिला नागौर (राज)
फोन नं 88 पी पी.

साधन.—मेहता रोड रेल्वे स्टेशन से सिटी 6 कि.मी. है,
बस व ट्रेन जाती है। जैतारण, ब्यावर, अजमेर,
जोधपुर, पाली से सीधी बस मिलती है।

4. खाचरौद (म.प्र.)

1. काष्मीर प्रचारिका, मालव ज्योति, श्रमणी रत्न,
प्रवचनकार, विदुषी महा. श्री उमराव कुवरजी
म सा "अर्चना"
2. सेवाभावी महा. श्री सेवावन्तीजी म.सा.

3 विदुषी महा श्री सुप्रभाजी म मा "माहियरुन"
"मिद्धा"

4 साहिय प्रमी महा श्री उदिन प्रभाजी म मा
'मिद्धान्ताचाया'

5 मवाभावी महा श्री विजय प्रभाजी म मा 'विशा'

6 मगातरमीव महा श्री हमप्रभाजी म सा 'विशारद'

पता - 1 मथा मन्नापकुमार चारडिया एटावेठ
लभमी निवेतन, जैन स्थानक व सामन
मु पा खाचराद जि उज्जैन (म प्र)

2 इन्दरमलजी चाष्टानिया

51, जमाहर भाग

मु पा खाचराद जि उज्जैन (म प्र)

चातुर्मास स्थान - गणेश दवली, जन वद्व्याधम म ।

साधन - रन्दार म खाचराद आन ने त्रिण् स्नीत्रा भ्तेगन
म माटर खाचराद की मित्रणी ।

मद्रास मे आन के त्रिण् क्षापाल म खाचराद की टेन
86 अप वेस्टने रेल्वे 112 अप मिलती ह राजस्थान
म -कार, वम, द्वारा आने वान वाया जात्रग
होकर खाचराद जाय ।

खाचराद-ब्रम्हड ट्ट्नी भाग वस्टन रेल्व रत्नाम
नागदा के बीच ह ।

5 इंदौर जानकी नगर (म प्र)

1 तपस्विनी महा श्री उम्मदकुवरजी म सा
'मिद्धान्ताचाया' (मकारण)

2 विदुषी महा श्री कचनकुवरजी म सा
'मिद्धान्ताचाया'

3 मवाभावी महा श्री प्रतिभाजी म मा
'मिद्धान्ताचाया'

4 विदुषी महा श्री मुशीलाजी म सा 'मा त्रिणा'
आदिम म (4)

पता - श्री दादलचन्दजी शाह महता

प्रवाश दाल मील,

वाम्बे जागरा रोड-नवलखा चाराहा

इन्दौर (म प्र) पान न 62011

साधन - प र के रम्पड, रन्दार, अजमेर, खण्डवा, वाचीगुडा
मन नाउन पर रेल्व स्टेशन ह ।

6 जोधपुर-फठोर स्थानक (राज)

1 वयावुड महा श्री गवराजी म सा

2 मवा भावी महा श्री मायर कुवरजी म सा

3 मवाभावी महा श्री विमन कुवरजी म सा

आदि म मा (3)

पता - श्री जगतराजजी पनहचन्दजी,

वपडा वाजार जोधपुर

312001 (राज)

7 सादडी मारवाड (राज)

1 विदुषी महा श्री माहन कुवरजी म सा

2 व्यात्रापी महा श्री वमन प्रभाजी म सा

3 मेराभावी महा श्री मदनताजी म सा

आदि म म (3)

पता - श्री मवादीविह वापूलात पूनमिया,
मु पा सादडी मारवाड-306702
बाया फालना जिला पाली (राज)

8 पाली-भावाड (राज)

1 वयावुड महा श्री उगम कुवरजी म सा (मकारण)
म मा (1)

पता - श्री जुगराजजी ज्ञानराजजी मथा
गुजरानी वटला, पाली मारवाड
(राज) 306401

साधन - मारवाड जवशन, जोधपुर, मडता रोड, नागौर
(उ र) अप पर स्टेशन ह ।

कुल चातुर्मास सतों के	1	कुल मुनिराज	2
" " सतीयो के	7	कुल सतीयाजी	30
	—		—
कुल	8	कुल	32

कुल चातुर्मास 8 सत 2 सतीयाजी 30 कुल ठाणा 32

नोट - सत सती तालिका पृष्ठ 48 पर देखिए ।

श्रमण संघ के अन्य संत सतियाँजी

सन्त-समुदाय

1. मिन्ट स्ट्रीट मद्रास (तमिलनाडु)

1. विदर्भ केजरी, वाणी भूषण श्री रतन मुनिजी म.ना.
2. मेवाभावी श्री सतीष मुनिजी म. ना. 'गत्य'
3. तपस्वी श्री शुक्ल मुनिजी म ना 'शुभ'
4. मेवाभावी श्री रमण चन्द्रजी म ना. 'स्नेह'
आदि ठाणा (4)

चातुर्मास स्थल—श्री व स्थानकवामी जैन श्रावक संघ,
1-18 मिन्ट स्ट्रीट, माहूकार पेठ मद्रास—600079
(त ना)

सम्पर्क सूत्र—श्री महावीर टेक्नोटार्टिंग,
50, एलीफेंट गेट स्ट्रीट, माहूकार पेठ.
मद्रास—6000079 (तमिलनाडु)
फोन . 38783—34051

साधन—बम्बई, दिल्ली, पूना, बैंगलोर, कलकत्ता, भोपाल
अहमदाबाद में सीधी ट्रेन / रेलवे स्टेशन में मिन्ट-
स्ट्रीट 1 कि. मी. है, आटो रिक्शा उपलब्ध । पैदल
10 मिनट का रास्ता है ।

2. महाराष्ट्र में योग्य स्थल

श्री तारा ऋषिजी म ना. मुनि (1)
(गन वषं चातुर्मास कृकाना (महा.) में था

3. महाराष्ट्र में योग्य स्थल

श्री भानव केजरी श्री गोभाग्य मल जी म ना.
के नृसिंघ श्री प्रदीप मुनि जी मा न मुनि—(1)

4. महाराष्ट्र में योग्य स्थल (महा.)

श्री देवेन्द्र मुनि जी म. ना. मुनि—(1)

5. पंजाब में योग्य स्थल

श्री जैन मुनि जी म ना मुनि—(1)

6. राजस्थान में योग्य स्थल

श्री देवीकांत जी म ना मुनि—(1)

7. धरनेरा (गुजरात)

श्री निरंजन मुनिजी म ना मुनि—(1)
(श्री नरसिंहाचार्यजी म श्री देवा में)

8. विदर्भ में योग्य स्थल (महा.)

श्री बाबूलाल जी म. ना. मुनि (1)

9. महाराष्ट्र में योग्य स्थल

श्री वर्धमान जी म. ना. मुनि (1)

10. पंजाब में योग्य स्थल

जैन भूषण श्री विमल मुनिजी म. ना
आदि मुनि (3)

महासतियों समुदाय

11. मोरवी (गुजरात)

वयोवृद्धा आगमजती महा श्री चेतन्य देवी जी म ना.
म न (1)

पता—श्री स्थानकवामी जैन नथ, जैन उपाध्वय,
मू पो मोरवी—363641 जिना—राजकोट (गज.)

12. गांधी नगर-दिल्ली (सकारण)

वयोवृद्धा महा श्री कान्ताजी म. ना म. न. (1)
पता—जैन मिलारि स्कूल, जैन गर्वा, नेताजी मार्ग,
स्वप्नपुरा नं 1 गांधीनगर, दिल्ली, 31

13. मानपाड़ा आगरा (उ. प्र.)

वयोवृद्धा महा श्री चम्पाकुंवरजी म ना (सकारण)
म न (1)

पता—श्री व रथा जैन श्रावक संघ, मानपाड़ा
मू पो आगरा—282002 (उ प्र)

14. मोहा मण्टी-आगरा (उ. प्र.)

वयोवृद्धा महा श्री जति चोखरी म ना (सकारण)
म न (1)

पता—श्री व रथा जैन श्रावक संघ, जैन श्रावक
संघात मण्टी आगरा 282002 (उ प्र)

15. जाहीर के आगवाण (राज.)

वयोवृद्धा महा श्री पारसजी म ना (सकारण) म न (1)

16 मारवाड में योग्य स्थल (राज)
वयोवृद्धा महा श्री गवर्जी म मा (मवारण)
म न (1)

17 गुडगाव (हर्षियाणा)
वयोवृद्धा महा श्री बेनीजी म मा (गवारण) म म (1)
पता—श्री एम एम जैन मभा, जैन स्थानक
म पो गुडगाव-122001 (हर्षियाणा)

18 भाई रूपा (पजाव)
महा श्री गुणमताजी म मा म म (1)

19 शोनापुर (महा)
वयोवृद्धा महा श्री मनाहर कुँवरजी म मा म म (1)
पता—श्री चादमन जी मुपोत, 65 माधरपठ,
शाहापुर 413001 (महा)

कुल चानुर्माण सती के	10	कुल सत	16
" " सतीयो के	9	कुल सतीया	9
कुल	19	कुल	25

कुल चानुर्माण 19 सत 16 सतीयांजी 9 कुल ठाणा 25

नोट—गन वय मयी गहन विहारी सत मनिया वा
(1) स्वतंत्र सम्प्रदाय म तिथा वा तैकिन हमारे पाम
वटे मुनिराजो महामतीयाजी के पत्र भावे कि ह्म ता
रागण विषय मे एकन विहारी ह्म आना आचाय
श्री श्री की हो मयवाने ह्म ह्मारा नाम स्वतंत्र मे
वया लिखा दिना जत उनके मुझान वों मानकर
ह्मन बापिम उनको श्रमण सघ जय म सम्मिनन
कर दिया है ।

(2) वटे ठाणावा क नाम ह्म विषय 5 वया ग चार-
पाच ठाणाओ म नाम सूची मे प्रकाशित करने आ
ए न तकिन ह्मारे का उता कि वे है ही नहीं ह्म
उप उनका नाम मेमे ही तिथा जा रहा है अत
ह्मने उन वय जिनके बारे मे मही जानबारी मिनी
उनका ही तिथा ह्म वारी का वही भी नहीं तिथा ।

(3) बाणी भयण दिदम वगरी श्री रतन मुनिजी म मा
जी स्व युनाचान श्री मधुकर मुनिजी म मा श्री
सम्प्रदाय मे जुटे हुए है उम वय उहने उम विभाग
मे नाम बदलकर श्रमण सघ अय म प्रकाशित करने
का आदेश फरमाया है अत उनका नाम अय म
दिना गया है ।
—सम्पादक

श्रमण सघ के कुल

कुल चानुर्माण सती के	87	कुल सत	245
" " सतीयो के	167	कुल सतीया	681
कुल	254	कुल	926

कुल चानुर्माण	254	सत	245	सतीयांजी	681
कुल ठाणा 925					

सत सती सुलनामर तालिका

दिवरण	सत	सतीया
1985 म कुल ठाणा मे —नई शोभाएं हुई ह	236	680
	10	38
—वान उम प्राप्त हुए	246	718
	4	7
	242	711

+ जय विभाग मे मे उम विभाग
मे सम्मिनन निय गये

	3	-
	245	711

—हम विभाग के अय विभाग
म ट्रामकर भिदे गये

	-	30
1986 म कुल ठाणा विराजमान ह ।	245	681

शेष पृष्ठ 46 का मेटर
सत सती सुलनामर-तालिखा

दिवरण	सत	सतीयांजी
1985 मे कुल ठाणा मे + नई शोभाएं हुई ह	6	29
	-	-
—वानघमें प्राप्त हुए	6	29
	-	-
	6	29
+ नाम उमर विभाग म ट्रामकर हुए	-	1
	-	-
	6	10
—नाम उम विभाग मे हमरे मे ट्रामकर हुए	4	-
	-	-
	2	20
1986 मे कुल ठाणा ह	2	30



स्वतंत्र सम्प्रदायें

"जय गुरु माना"

समता विभूति, धमपाल प्रतिबोधक समीक्षण ध्यानयागी आचाय प्रवर परमपूज्य
गुरुदेव, श्री नानालालजी म सा आदि ठाणा 8 एव परम विदुषी महासतीजी
श्री भवर बुवरजी म सा आदि ठाणा 9 का जनर्गाव (महा) का
चातुर्मास मंगलमय सम्पूर्ण धार्मिक यातावरण म हर्षोत्सास सहित
सम्पन्न हा ऐसी भगल वामनाआ के साथ

हार्दिक शुभकामनाओ सहित :

चुन्नीलाल एच, मेहता

अध्यक्ष-अ भा साधुमार्गी जैन सघ,

अध्यक्ष-साधुमार्गी जैन सघ, बम्बई

मेहता हाउस, 3 माला, 36 पडिता रमायार्ई मार्ग,
Opp, भारतीय विद्या भवन, बम्बई-400007 (महा)

फोन-आफिस-8224504-8224326

निवास-8224383-8220044

CABLE-'EKSOTAKA'-BOMBAY

श्री रत्न वंशीय परम्परा के सप्तम् पट्टधरः—
आगम महोदधि इतिहास मार्तण्ड, सामायिक स्वाध्याय
के प्रणेता, पं. रत्न महामहिम आचार्य प्रवर पूज्य
श्री हस्तीमलजी म. सा. से आज्ञा प्राप्त संत सतियाँजी

संत समुदाय

1. पीपाड सिटी (राजस्थान)

1. इतिहास मार्तण्ड, सामायिक स्वाध्याय के प्रणेता, आगम महोदधि चारित्र चूड़ामणी, महामहिम, आचार्य प्रवर पं रत्न मुनि श्री हस्तीमलजी म. सा.
2. आगमज्ञ, मधुर व्याख्यानी, ओजस्वी वक्ता श्री हीरामुनिजी म सा
3. कुशल सेवामूर्ति श्री शीतल मुनिजी म.सा.
4. तपस्वी श्रीवसन्त मुनिजी म सा.
5. तत्व जिज्ञासु श्री चंपक मुनिजी म सा.
6. प्रिय व्याख्यानी श्री ज्ञान मुनिजी म.सा
7. महान अध्यवसायी श्री महेन्द्र मुनिजी म.सा.
8. विद्याभिलाषी श्री गोतम मुनिजी म सा.
9. काव्य रसिक श्री धन्ना मुनिजीजी म सा
10. थोकड़ो के ज्ञाता श्री दयामुनिजी म.सा.

आदि मुनि (10)

सम्पर्क सूत्र.—श्री अमृतलालजी कटारिया मंत्री
मंत्री श्री रत्न हितेपी जैन श्रावक संघ
मु. पो पीपाड सिटी
जिला-जोधपुर (राज) 342601

चातुर्मास स्थल.—श्री जैन रत्न हितेपी श्रावक संघ,
मु. पो पीपाड सिटी जिला जोधपुर (राज.)

साधन—मेड़ता रोड जोधपुर मार्ग पर पिपाड रोड से
पिपाड सिटी रेल द्वारा जाया जा सकता है ।
जोधपुर से ट्रेन दिन मे एक बार शाम 6 बजे तथा
वसे हर घंटे उपलब्ध होती है ।

2. विजय नगर (राजस्थान)

1. मधुर व्याख्याता, मधुर वाणी,
प. रत्नश्री मानमुनिजी म.सा.
2. घोर तपस्वी श्री प्रकाश मुनिजी म.सा.
3. विद्याभिलाषी श्री प्रमोद मुनिजी म.सा.

आदि मुनि (3)

पता:—श्री गुलाबचन्दजी लुणावत
श्री मोहनलालजी सौभाग्यमलजी
महावीर बाजार
मु. पो. विजयनगर-305624
जिला अजमेर (राज.)

साधन:—अजमेर, भीलवाडा, चित्तौड़, उदयपुर, जावरा,
आगरा, रतलाम, इन्दौर, जोधपुर से सीधी ट्रेन
मिलती है । राजस्थान में सभी बड़े शहरों से बसे
उपलब्ध ।

3. कोटा (राज.)

1. मधुर व्याख्यानी पं. रत्न श्री शुभेन्द्र मुनिजी म सा
2. विद्या विनोदी श्री नन्दीषेण मुनिजी म.सा.
3. मेवाभावी श्री हरिश्च मुनिजी महा सा.

आदि मुनि (3)

पता—पारसमलजी धारीवाल अध्यक्ष,
श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ जैन स्थानक,
रामपुरा बाजार मु. पो. कोटा (राज.) 324001

साधन—दिल्ली, बम्बई, कोटा, बीना मेन लाइन पर
स्टेशन है राजस्थान मध्यप्रदेश के प्रमुख नगरों से बसे
उपलब्ध है ।

युगप्रणेता आचार्य प्रवर श्री जयमलजी म. सा.
की सम्प्रदाय के नवम् पट्टधरः—
महामहिम. आचार्य प्रवर, प रत्न श्री जीतमलजी म सा.
के अज्ञानुवर्ती सत-सतोयाजी

सत सम्प्रदाय

महासतिपात्री सम्प्रदाय

1 नागौर (राजस्थान)

- 1 महामहिम, आचार्य प्रवर, प रत्न
श्री जीतमलजी म सा
- 2 आगम व्याख्याता प रत्न उपाध्याय
श्री लालचंदजी म सा
- 3 स्वामीवय श्री शुभचन्द्रजी म सा
- 4 सेवाभावी श्री पाश्र्चाण्डजी म सा 'परम'
- 5 कमठ अध्यक्षमायी श्री गुणवतनुमारजी
म सा 'गुणी'
- 6 बवि हृदय श्री भद्रबकुमारजी म सा 'भद्रवर'
आदि मुनि (6)

पता—श्री हृन्नीमलजी नलबाणी,
बोहरावाडी
मु पा नागौर
(राजस्थान)-341 001
फोन न 597

साधन—जयपुर, मेढता रोड, पीपाडा गड, जाधपुर,
अहमदाबाद, बीकानेर, आगरा से मोधी ट्रेन।

2 रायपुर (मध्यप्रदेश)

- 1 तपस्वी रत्न श्री ऋषभमुनिजी म सा
म सा (1)

पता—श्री जालमचंदजी हनुमचंदजी साड
गोल बाजार
रायपुर (मध्यप्रदेश)

साधन—मोपाल, नागपुर, कटगी, बालाघाट से सीध
ट्रेन मिलती है।

3 रायपुर (भारवाड)

- 1 विदुषी महा श्री नन्दकुवरजी म सा
- 2 विदुषी महा श्री मदनकुवरजी म सा
- 3 मयाभावी महा श्री मताप कुवरजी म सा
आदि म सा (3)

पता—श्री भवरनालजी तावेड,
मु पा रायपुर-भारवाड,
जिला-भारती (राज)-306 301

साधन—पाली, जाधपुर, नागौर, राजत, ब्यावर मे बग
जाती है।

4 नानणा (राजस्थान)

- 1 विदुषी महा श्री लक्ष्मीप्रवाशजी म सा
- 2 तपस्विनी महा श्री शान्तिपुरजी म सा
- 3 विदुषी महा श्री दग्गियाबकुवरजी म सा
- 4 सेवाभावी महा श्री विदुप्रभाजी म सा
आदि म सा (4)

पता—श्री श्वे स्वा जयमल जैन श्रावक सघ,
माफत श्री जवरीनालजी भमानी
मु पा नानणा,
बाया-मेढडा
जिला-पाली (राज)

साधन—अजमेर, ब्यावर, सोजत, किशनगड, विजयनगर,
मेढडा म हाती हुई वस नानणा जाती है।

5 जोधपुर (राजस्थान)

- 1 परम विदुषी महा श्री सुगन कुँवरजी म सा
- 2 विदुषी महा श्री सुमति कुँवरजी म सा

3. व्याख्याती महा. श्री उगम कुँवरजी म. सा. (बड़े)
4. व्याख्यात्री महा. श्री निर्मल कुँवरजी म. सा.
5. सेवाभावी महा. श्री उगम कुँवरजी म. सा. (छोटे)
6. कोकिल कंठी महा. श्री चेतना कुँवरजी म. सा.
7. विदुषी महा. श्री नीतिप्रियाजी म. सा.
8. सेवाभावी महा. श्री जय प्रभाजी म. सा.
9. सेवामूर्ति महा. श्री रवि प्रभा श्री म. सा.
10. सेवाभावी महा. श्री इन्द्रप्रभाजी म. सा.
11. सेवाभावी महा. श्री

आदि म. स. (11)

पता:—श्री श्वे. स्था. जयमल जैन श्रावक संघ
श्री चम्पालालजी सोमचंदजी वागरेचा
कटला बाजार
मु. पो जोधपुर (राजस्थान) 3420001

साधन:—अहमदाबाद, दिल्ली जयपुर, अजमेर, खण्डवा,
वीकानेर, आगरा, लखनऊ, उदयपुर, नागौर पाली
से सीधी ट्रेन जाती है।

(6) नागौर (राजस्थान)

1. वयोवृद्धा महा. श्री पतास कुँवरजी म. सा
2. वयोवृद्धा महा. श्री नन्दकुँवरजी म. सा
3. विदुषी महा. श्री शीलप्रभा जी म. सा.
4. सेवाभावी महा. श्री चरण प्रभाजी म. सा

आदि म. स. (4)

पता:—हस्तीमल जी ललवाणी, बोहरा वाड़ी
मु पो नागौर (राज.) 341001
फोन नं. 597

साधन:—जयपुर-मेड़ता रोड, पीपाड़ रोड, जोधपुर,
अहमदाबाद, वीकानेर, आगरा से सीधी ट्रेन।

(7) जोधपुर-उपरलावास (राजस्थान)

1. व्याख्यात्री महा. श्री अक्ल कुँवरजी म. सा.
2. विदुषी महा. श्री दरियाव कुँवर जी म. सा.
3. सेवा भावी महा. श्री विजय कुँवरजी म. सा.

आदि म. सा. (3)

पता:—श्री श्वे. स्था. जयमल जैन श्रावक संघ
श्री चम्पालालजी खोमचन्दजी वागरेचा
कटला बाजार,
मु. पो. जोधपुर (राजस्थान) 342001

साधन.—अहमदाबाद, दिल्ली, जयपुर, अजमेर, खण्डवा,
वीकानेर, आगरा, लखनऊ, उदयपुर, नागौर, पाली
से सीधी ट्रेन जाती है।

(8) टोहना (हरियाणा)

1. मधुर व्याख्यात्री, विदुषी महा
श्री शारदाकुँवरजी म. सा.
2. विदुषी महा. श्री सयम प्रभाजी म. सा.—
3. सेवाभावी सन्तोष कुमारी जी म. सा

आदि म. स. (3)

पता.—श्री गुलाब चन्द जी जैन सैकेट्री,
श्री एस. एस. जैन सभा,
मेन शास्त्री बाजार,
टोहना सिटी,
जिला-हिसार, (हरियाणा)

साधन:—हिसार, दिल्ली, चण्डीगढ, रोहतक, अम्बाला
से बसे।

9. कुशालपुर (राज.)

1. वयोवृद्ध महा. श्री कुसुमकुँवरजी म.सा. म.सा. 1
- पता.—श्री भंवरलालजी पगारिया
मु.पो. कुशालपुर-306305
जिला-पाली (राज.)

साधन —सोजत, व्यावर, जैतारण से बस मिलती है।

10. सोजत सिटी (राजस्थान)

1. वयोवृद्धा महा. श्री चाँदकुँवरजी म.सा.

म.सा. (1)

पता.—श्री श्वे. स्था. जयमल जैन श्रावक संघ
मार्फत श्री माणकचन्दजी गोटावट,
मु पो सोजत सिटी
जिला-पाली (राज.) 306104

11. सोजत रोड़ (राजस्थान)

1. वयोवृद्धा महा. श्री धापूकुँवरजी म.सा.

म.सा. (1)

पता—श्री धमचन्द्री टाइम्स,
मदर बाजार,
मु पा साजत रोड
जिना-माली (राजस्थान) 306101
साधन—प रे के अहमदाबाद-दिल्ली मेन लाइन पर रेल्वे
स्टेशन है। मभी ट्रेन ठहरती है। मान रोड म मिटी
जान क लिए स्टेशन से मिटी, वस मिलती है।

जहा मभी फामुर् जोग जुत्तो
नखत-नारागण-परिवुडप्पा
खे सोहर् विमले ध्र-भमुक्के,
एव गणी सोहड भिक्नुभग्ने ॥

जिम प्रनाग मेघयुवन विमल धाकास मे नक्षत्र धीर तारा गण
से परिवृत नातिक पूणिमा मे उदिन चन्द्रमा शाभित होता है,
उमी प्रकार भिक्षुया के जीव गणी (ध्रावाय) गोभित
होता है।

न चातुर्मास सतो के	2	कुल सत	7
न चातुर्मास सतियो के	9	कुल सतियाजी	31
	कुल	11	कुल
			38

—भ महावीर

स चातुर्मास 11 सत 7 सतियाजी 31 कुल ठाणा 38

सत सती तुलनात्मक तालिका

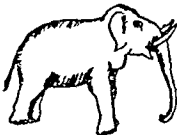
खरण	सत	सतिया
1985 म कुल ठाणा थे	8	30
+ नई दीक्षाए हुई	—	—
	8	30
—बालप्रम प्राप्त हुए	1	—
	7	30
जय विभाग म ट्रामकर किय गये	—	—
	7	31
1986 म कुल चातुर्मास ह	7	31

मत्य की सनन अनुसधित्या जिनका जीवन ब्रत है।
उन नान यागी गुरदेन का शत शन अभिनदन

जा जपल १ अनुकूल भोगों को टुकरा दता है, वही वास्तव मे
त्यागी है।

—भ महावीर

नाट—महा श्री दरियाकुवरजी म मा का नाम दा वार
आया है।



यदि आप माल भर के 365 दिन मे स 8 दिन धम क
नाम पर द सकते हों तो कृपया स्वाध्यायी बनकर जहाँ साधु-
माधरी का चातुर्मास न हा बटा किसी भी स्वाध्याय सध को
माफत जाकर धर्म ध्यान का वानाकरण तयार करें। प्रागामी
वप के लिए मामाधिक प्रतिक्रमण, यदि याद न हों ता कठस्थ
कर लें तथा धामिन प्रवचन देने का प्रकिटम कर स्वाध्याय
भय की धावन्न पत्र भेज दीजिये कि प्रागामी वप स्वाध्यायी
बनकर जाऊंगा। स्वाध्यायी सध के पते इसी पुस्तक मे
अ यत्र न्यिये गये हैं।

—मोतीलाल मुरगना, इन्दौर

श्री साधुमार्गी जैन संघ के आचार्य प्रवर श्री हुकमचंदजी म.सा.
की सम्प्रदाय के अष्टम् पट्टधर
समता विभूति, आगम निधि, जिन शासन प्रधोत्तक, धर्मपाल
प्रतिबोधक, समीक्षण ध्यान योगी, आचार्य प्रवर
श्री नानालालजी म. सा. के अज्ञानवर्ती संत-सतियाजी

संत समुदाय

1. जलगाँव (महाराष्ट्र)

1. समता विभूति, धर्मपाल प्रतिबोधक, चारित्र
चूडामणि, जिनशासन प्रधोत्तक, समीक्षण
ध्यान योगी, आचार्य प्रवर श्री नानालालजी
म. सा .

2. विद्वदर्य मुनि श्री प्रेमचन्दजी म सा
3. आदर्श त्यागी विद्वदर्य मुनिश्री सम्पत मुनिजी म सा.
4. सेवाभावी मुनि श्री नरेन्द्र मुनिजी म सा
5. तपस्वी विद्वान मुनि श्री राम मुनिजी म सा
6. सेवाभावी मुनिश्री प्रकाश मुनिजी म सा
7. सेवाभावी विद्यानुरक्त मुनिश्री जितेश मुनिजी म सा.
8. सेवाभावी विद्याभिलाषी मुनिश्री चन्द्रेशमुनिजी म सा.

आदि मुनि (8)

चातुर्मास स्थल —नवजीवन मंगल कार्यालय
जयकिशनजी वाड़ी जलगाँव

सम्पर्क सूत्र.—श्री मोहनलाल सी मुणोत,
निवास 256, भवानी पेठ,
जलगाँव-425001 (महा)
फोन 5529

पता:—श्री जैन सागरमलजी वस्तीमलजी साखला,
साखला विल्डिंग, साखला मंगल कार्यालय के पास,
जलगाँव (महा) 425001 फोन 3163-5208

भोजन-आवास व्यवस्था —नवजीवन मंगल कार्यालय एवं
साखला मंगल कार्यालय मे रखी गयी है ।

साधन —बम्बई-भुसावल (से.रे) की मेन लाइन पर
स्टेशन है ।

2. कानोड़ (राजस्थान)

1. दीर्घ तपस्वी, शासन प्रभावक श्री ईश्वरचन्दजी म.सा।
2. घोर तपस्वी सेवामूर्ति श्री बलभद्रजी म सा

आदि मुनि (2)

पता —श्री मोतीलालजी धींग, धींगो की घाटी,
मु पो कानोड (राज) 313604
वाया मावली, जिला उदयपुर

साधन.—मावली, बडी सादडी लाइन पर रेल्वे स्टेशन है ।
उदयपुर, मावली, मारवाड, चित्तौड से भी सीधी
ट्रेन जाती है ।

3. बीकानेर (राजस्थान)

1. धायमातृ पदालकृत, कमठ सेवाभावी श्री इन्द्रचन्द्रजी
म सा
2. विद्वदर्य, कविरत्न श्री विरेन्द्र मुनिजी म.सा
3. आत्मार्थी श्री हुलाशचन्दजी म सा
4. आदर्श त्यागी श्री जिनेन्द्र मुनिजी म सा.
5. तपस्वी श्री प्रमोद मुनिजी म.सा
6. सेवाभावी श्री कालि मुनिजी म सा

आदि मुनि (6)

पता —श्री रामलालजी वाठीया,
मार्फत श्री विमल एण्ड कम्पनी, डागा चौक,
मु.पो. बीकानेर-334001 (राज.)

माधन—जयपुर, जागरा, अटमदावाद, पीपाड रोड, भेडता रोड, नागीर, जोधपुर, मबार्ट माधोपुर, उदयपुर, दिन्ली मे सीधी ट्रेन जाती है ।

4 रतलाम (मध्यप्रदेश)

- 1 विद्वदय श्री मेवत मुनिजी म मा
- 2 विद्वदय श्री विजय मुनिजी म मा
- 3 सेवाभावी श्री गोविन्द मुनिजी म मा
- 4 विद्यानुरक्त श्री मुमति मुनिजी म मा
- 5 विद्याभिनापी श्री धीरज मुनिजी म मा

आदि मुनि (5)

पता—श्री रत्नवच दजी कटारिया,
74, नौलार्डपुरा,
रतलाम-457001 (म प्र)

चातुर्मास स्थल—समता भवन, 81, नौलार्डपुरा, रतलाम
माधन—प रे के बम्बई, दिन्ली एव अजमेर, काचीगुडा
मेन लाइन पर स्टेशन है ।

5 पिपल्यामडी (मध्यप्रदेश)

- 1 घोर तपस्वी आदश त्यागी मुनि श्री अमरचदजी म मा
- 2 घोर तपस्वी मुनि श्री मूलचन्दजी म मा
- 3 मधुर व्याख्याती मुनि श्री अजीतकुमारजी म मा

ठाणा (3)

सम्पक सूत्र—श्री छोगमलजी वृद्धिच दजी पामेचा,
पो पिपल्यामडी जिना मदसौर (म प्र)

माधन—रतलाम, जावरा, मदमार, नीमच, जजैन म
वस द्वारा ।

6 नदुरवार (महा)

- 1 तपस्वी विद्वदय मुनि श्री शक्तिमुनिजी म मा
- 2 तपस्वी सेवाभावी मुनि श्री भूपन्द्रकुमारजी म मा

ठाणा (2)

सम्पक सूत्र—श्री आमकरणजी गुलावच दजी मिर्मोदिया
विजय कण्डे वी दुबान—नदुरवार
जिना धुने (महाराष्ट्र)

माधन—मुरल-भुमावन माग पर रेल्वे स्टेशन है । सभी
ट्रेनें रतती है ।

7 मदसौर (म प्र)

- 1 मधुर व्याख्याता मुनि श्री कँवरच दजी म मा
- 2 सेवाभावी मुनि श्री रतनच दजी म मा
- 2 सेवाभावी मुनि श्री रमेशच दजी म मा
- 3 विद्वदय मुनि श्री रमेशच दजी म मा

ठाणा (3)

सम्पक सूत्र—

श्री क हैयातालजी मेहता श्री साभाग्यमलजी पामेचा
सरफिा वाजार् मार्फत पामेचा स्टेशनरी माट
मदसौर (म प्र) कालिदाम माग,
458002 पो मदसौर (म प्र) 458002

माधन—रतलाम, इंदौर, चित्तौड़, भोलवाडा, अजमेर,
उदयपुर, खण्डवा, हैदरावाद मे सीधी ट्रेन ।

चातुर्मास स्थल—स्वाध्याय समता भवन, नई आबादी,
मदसौर

8 सोजत रोड (राज)

- 1 विद्वदय श्री पाञ्च मुनि जी म मा
- 2 तृष्ण तपस्वी श्री पदम मुनिजी म मा

जादि मुनि (2)

पता—श्री मगलच दजी गाधी,
मु पा माजत रोड,
जिला-पाली (राज) 306104

माधन—प रे के अहमदावाद दिल्ली मेन लाइन पर रेल्वे
स्टेशन है सभी ट्रेन ठहरती है । सोजत रोड से मिटी
जाने के निग स्टेशन से मिटी बस उपलब्ध ।

9 हुबली (कर्नाटक)

- 1 विद्वान आदश त्यागी मुनि श्री धर्मेश मुनिजी म मा
- 2 कविरत्न मुनि श्री पोतमकुमारजी म मा
- 3 विद्वान मुनि श्री प्रभामकुमारजी म मा

आदि मुनि (3)

सम्पक सूत्र—श्री जीबराज कटारिया

माधन—बैंगलूर, गुदकल, रायचूर, नागली, मिक्द्राबाद
मे सीधी ट्रेनें मिलती हैं ।

आचार्य श्री नानालालजी म. सा.

10. सरवानिया महाराज (म.प्र.)

1. आदर्श त्यागी तपस्वी मुनिश्री रणजीतकुमारजी म.सा.
2. महास्थवीर तपस्वी मुनिश्री रवीन्द्रकुमारजी म.सा.
ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री ऊँकारलालजी नपावलिया
पो सरवानिया महाराज वाया नीमच
जिला-मन्दसौर (म प्र) 458220

साधन.—नीमच, मन्दसौर, रतलाम, उज्जैन, चित्तौड़,
भीलवाड़ा से बसे जाती है : मा.

11. जावरा (मध्यप्रदेश)

1. मधुर व्याख्यानी श्री महेन्द्र मुनिजी म.सा
2. घोर तपस्वी मुनि श्री पुष्पचन्द्रजी म.सा.
आदि मुनि (2)

पता—श्री सौभाग्यमलजी कोचट्टा, अध्यक्ष
10, बजाजखाना, जावरा-457226
जिला-रतलाम (म.प्र.)

साधन:—प.रे. अजमेर, खण्डवा, काचीगुड़ा मेन लाइन
पर रतलाम के पास स्टेशन है। मध्यप्रदेश के सभी
जगहो से बसे जाती है।

12. गंगापुर (राज.)

1. आदर्श त्यागी श्री सौभाग्य मुनिजी म सा.
2. तपस्वी श्री पंकज मुनिजी म सा.
आदि मुनि (2)

पता—श्री सुन्दरलालजी सिघवी,
सदर बाजार,
मु पो. गंगापुर जिला भीलवाड़ा (राज.) 311801

साधन:—भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, विजयनगर से बसे
जाती है।

13. व्यावर (राजस्थान)

1. विद्वदर्य मुनि श्री ज्ञान मुनिजी म.सा.
2. विद्वान मुनि श्री विनय मुनिजी म.सा.
आदि मुनि (2)

पता:—श्री आनन्द भवन,
मार्फत श्री जैन जवाहर मित्र मण्डल,
महावीर बाजार, मु.पो. व्यावर-305901
जिला-अजमेर (राज.)

साधन:—प.रे के दिल्ली-अहमदाबाद मेन लाइन पर रे.
स्टेशन है। राज के सभी बड़ो शहरो से बस उपल

14. भीनासर (राज.)

- 1 तपस्वी श्री मोतीलालजी म.सा.
2. प. रत्न श्री ऋषभ मुनि जी म सा.
आदि मुनि (2)

पता:—श्री झूमरमलजी सेठिया,
मु.पो. भीनासर-334403
जिला-बीकानेर (राज.)

साधन:—बीकानेर, नागीर, जोधपुर, पाली, नोखा, चू.
व्यावर से बस द्वारा।

15. बड़ी सादड़ी (राज.)

1. तरुण तपस्वी श्री अशोक मुनिजी म.सा.
2. सेवामूर्ति मुनि श्री धर्मेन्द्र मुनिजी म.सा
आदि मुनि (2)

पता:—श्री सुजानमलजी मारु,
महादेवजी की गली,
मु पो. बड़ी सादड़ी
जिला-चित्तौड़गढ़ (राज) 312403

साधन:—उदयपुर, नीमच, चित्तौड़गढ़, जोधपुर, मावली,
पाली से सीधी बसजाती है।

महासतियाँजी समुदाय

16. बीकानेर (राज.)

1. स्थविरा पद विभूषिता सरलमना महासती श्री
सिरेकँवरजी म.सा
- 2 स्थविरा पद विभूषिता सरलमना महासती श्री
घाणुकँवरजी म.सा
- 3 विदुपी महासती श्री सुलक्षणा श्रीजी म.सा.
4. सेवाभाविनी महासती श्री किरणप्रभाजी म.सा
5. विद्याभिलाषिनी महासती श्री अरुणा श्रीजी म.सा.

- 6 मेवाभाविनी महासती श्री रक्षिता श्रीजी म मा
7 तरुण तपस्विनी महामती श्री मद्रुना श्रीजी म मा
8 विद्याभिलाषिनी महासती श्री वीणा श्रीजी म मा
जादि म मा (8)

सम्पन्न सूत्र —चातुर्मास क्रमांक 3 में देखें।

पता—साधन —उपरोक्त क्रमांक 3 के अनुसार। मा

17 मदनौर नई आबादी (म.प्र)

- 1 स्यविरा पद विभूषिता, विदुषी महामती
श्री बन्धु कुवरजी म मा
- 2 स्यविरा पद विभूषिता महा श्री गुलाबकुवरजी म मा
- 3 स्यविरा पद विभूषिता महा श्री बन्धु कुवरजी म मा
- 4 स्यविरा पद विभूषिता महा श्री पानकुवरजी म मा
- 5 विद्याभिलाषिणी महा श्री शान्ता कुवरजी म मा
- 6 विदुषी महा श्री शा तप्रभाजी म मा
- 7 मेवाभाविनी महा श्री रविप्रभाजी म मा
आदि म मा (7)

पता —श्री सोभाग्यमलजी पामेचा,
मेसम पामेचा स्टेशनरी मार्ट, बालिदान मार्ग,
मु पो मदनौर (म.प्र) 458002

साधन —य रे के अजमेर, खण्डवा, काञ्चीगुडा मेन लाइन
पर रेल्वे स्टेशन है। मध्यप्रदेश व राज मे सीधी
बसें भी जाती हैं।

18 चिकारडा (राज)

- 1 शासन प्रभाविका परम विदुषी महामती
श्री पान कुवरजी म मा
- 2 स्वाध्याय प्रेमी महामती श्री चन्द्रकुवरजी म मा
- 3 विदुषी महामती श्री मुनीलाकुवरजी म मा
- 4 तपस्विनी महामती श्री हूलासकुवरजी म मा
- 5 विदुषी महासती श्री प्रमोद श्रीजी म मा
- 6 विदुषी महामती श्री कमल श्रीजी म मा
- 7 विद्याभिलाषिनी महामती श्री मित्रमणिजी म मा
आदि म मा (7)

सम्पन्न सूत्र —श्री मदनलालजी कोठागे,
मु पो चिकारडा
जिला बित्तोडगढ़ (राज) 312024

साधन —चित्तौडगढ़, उदयपुर, पानी, मिरोही से सीधी
ट्रेन जाती है।

19 व्यावर (राज)

- 1 कमठ सेवाभाविनी विदुषी महामती श्री
सम्पन्न कुवरजी म मा
- 2 स्यविरा पद विभूषिता शासन प्रभाविका महामती
श्री गुलाबकुवरजी म मा
- 3 स्यविरा पद विभूषिता महा श्री कबु कुवरजी म मा
- 4 स्यविरा पद विभूषिता महा श्री लाडकुवरजी म मा
- 5 तपस्विनी विदुषी महामती श्री सरदारकुवरजी म मा
- 6 स्यविरा पद विभूषिता महा श्री जानकुवरजी म मा
- 7 सेवाभाविनी महामती श्री तेजप्रभाजी म मा
- 8 विदुषी महामती श्री ललिता श्रीजी म मा
- 9 तरुण तपस्विनी महामती श्री जयनश्रीजी म मा
- 10 विद्याभिलाषिनी महासती श्री अमिता श्रीजी म मा
- 11 विद्याभिलाषिनी महामती श्री मुचिता श्रीजी म मा
- 12 विद्याभिलाषिनी महामती श्री सुप्रतिभा श्रीजी म मा
- 13 विद्याभिलाषिनी श्री महामती महिमाश्रीजी म मा
- 14 विद्याभिलाषिनी महासती श्री मजुला श्रीजी म मा
आदि म मा (14)

पता —श्री आनंद भवन,
माफत श्री जैन जवाहर मित्र मण्डल,
महावीर बाजार, मु पो व्यावर-305901
जिला-अजमेर (राज)

साधन —य रे के दिल्ली-अहमदाबाद मेन लाइन पर रेल्वे
स्टेशन है। राज मे मर्भा बडे शहरा मे बसें भी
उपलब्ध।

20 नौपामढी (राज)

- 1 शासन प्रभाविका महा श्री केशरकुवरजी म मा
- 2 विदुषी महा श्री नन्दकुवरजी म मा
- 3 तपस्विनी विदुषी श्री चन्द्रप्रभाजी म मा
- 4 तरुण तपस्विनी महा श्री विद्यावतीजी म मा
आदि म मा (4)

पता —श्री केशरीचन्दजी मूलचन्दजी पारेय,
मु पा नौपामढी 334803
जिला-बीकानेर (राज)

साधन:—त्रीकानेर, देशनोक, बाडमेर, गगाशहर, नागौर,
जोधपुर, पीपाड से बसे जाती है । मा.

21. भोपाल सागर (राज.)

1. शासन प्रभाविका महा. श्री धापू कुंवरजी म.सा.
2. सेवाभाविनी महा श्री गुलाबकुंवरजी म सा.
3. विदुषी महा श्री शान्ताकुवरजी म सा.
4. विदुषी महा. श्री सुमनप्रभाजी म सा.
आदि म.सा (4)

पता:—श्री धनराज जी बाफना,
मु पो भोपाल सागर जिला चित्तौडगढ़ (राज.)

साधन.—चित्तौड, भीलवाडा, नीमच से बसे उपलब्ध ।

22. श्यामपुरा (राज.)

1. शासन प्रभाविका कर्मठ सेवाभाविनी विदुषी महासती
श्री पैप कुवरजी म सा
2. सेवाभाविनी महा. श्री फूलकुवरजी म.सा
3. सेवाभाविनी महा. श्री लीलावतीजी म.सा.
4. विदुषी महासती श्री इन्दुबालाजी म सा
5. विद्याभिलाषणी महा. श्री तरुलताजी म.सा.
आदि म.सा. (5)

चातुर्मास स्थल का पता:—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,
जैन स्थानक, मु.पो. श्यामपुरा,
जिला-सवाई माधोपुर (राज.) 322001

सम्पर्क सूत्र —श्री भंवरलालजी जैन,
मार्फत श्री मनोहरलालजी भवरलालजी जैन
कपडे के व्यापारी, मु.पो श्यामपुरा
जिला-सवाई माधोपुर (राज.) 322001

साधन.—सवाई माधोपुर रेल्वे स्टेशन से बस द्वारा ।
वरसात मे बस रावल तक जाती है । मोखेली स्टेशन
से 4 मील पैदल जाना पडता है । मोखेली स.मा. से
दिल्ली की ओर दूसरा ही स्टेशन है । पैसेजर गाड़ियाँ
ठहरती है ।

23. श्री रामपुर बंगलौर (कर्नाटक)

1. शासन प्रभाविका परम विदुषी तपस्विनी महा.
श्री नानू कुवर जी म.सा.

2. विदुषी महा. श्री सुमनलता जी म.सा.
3. सेवाभाविनी महा. श्री स्नेहलता जी म.सा.
4. विदुषी तपस्विनी महा. श्री सुलमाश्रीजी म.सा.
5. विदुषी तपस्विनी महा. श्री सरिता श्री जी म.सा.
6. आदर्श त्यागिनी महा. प्रभावना श्री जी म.सा.
7. तपस्विनी महा. श्री अर्पणा श्री जी म.सा.
आदि म.सा. (7)

पता:—श्री सम्पतराजजी कोठारिया,
जैन ज्वैलर्स, 64, 3 फ्लोर
श्री रामपुरम (बैंगलौर) 560021

साधन:—देश के हर कोने से ट्रेन जाती है ।

24. सिरपुर (महा.) :

1. शासन प्रभाविका महासती श्री कंचन कुंवर जीम.सा.
2. विदुषी महा. श्री केशर कुवर जी म.सा.
3. विदुषी महा. श्री सोमप्रभाजी म.सा.
4. विद्याभिलाषणी महा. श्री विरक्ता श्री जी म.सा.
आदि म.सा. (4)

सम्पर्क सूत्र.—मार्फत श्री हंसराजजी सरदारमलजी बुंड
पो. सिरपुर जिला धुले (महाराष्ट्र)
फोन . 113

साधन:—अहमदाबाद से आने वाले सूरत, भुसावल लाइन
पर नरडाना उतरे नरडाना से बसे मिलती है 45
मिनट का रास्ता है । बम्बई की तरफ से आने वाले
धूलिया उतरे वहा से नरडाना होकर शिरपुर जा
सकते है ।

25. रतलाम (म.प्र.)

1. शासन प्रभाविका महा. श्री सूरज कुंवर जी म.सा.
2. सेवाभाविनी महा. श्री रोशन कुंवर जी म.सा.
3. विदुषी तरुण तपस्विनी महा.
श्री पदम श्री जी म. सा.

आदि म.सा. (3)

पता व साधन:—क्रमांक 4 के अनुसार ।

26 जलगाँव (महा)

- 1 शासन प्रभाविका विदुषी महासती
भवरकवरजी म सा
- 2 सेनाभाविकी महामती श्री इचरज कुवरजी म सा
- 3 शा प्र विदुषी महासती श्री ज्ञान कुवरजी म सा
- 1 विदुषी महासती श्री सुशोला कुवरजी म सा
- 5 विदुषी महासती श्री ताराकुवरजी म सा
- 6 तपस्विनी त्रिदुषी महासती श्री प्रीतिसुधाजी म सा
- 7 तरुण तपस्विनी महासती श्री उर्मिला कुवरजी म सा
- 8 विद्याभिलाषणी महामती श्री सुमद्रा श्रीजी म सा
- 9 त्रिदुषी महासती श्री चन्द्रा श्रीजी म सा

आदि म सा (9)

चातुर्मास स्थल - श्री. द. स्वा. जैन धावन मघ,
नागर भवन, मुभाय चौक-जलगाँव (महा)

गम्यक सूत्र - माहनलालजी मुणात,
256, मरानी पठ, मुणोत निवान
जलगाँव-125001 (महा)
फाल 5529

साधन - ब्रम्हई, मुभावल, (सिरे) की मेन लाइन पर
स्टेशन है।

27 प्रतापगढ़ (राज)

- 1 शासन प्रभाविका विदुषी महासती
श्री सम्पत कवरजी म सा
- 2 विदुषी महासती श्री सम्पत कुवरजी म सा
- 3 सेनाभाविकी महासती श्री वमला कवरजी म सा

आदि म सा 3

गम्यक सूत्र - श्री हार्माँव दर्जीवमन्तीलातर्ज, देशौरिया
पो प्रतापगढ़ जिला चित्तौडगढ़ (राज)

साधन - मदनौर, रतलाम, नीमच, चित्तौडगढ़, 'जाचरी',
सेनाधी वसें जाती हैं।

28 उदयपुर (राज)

- 1 त्रिदुषी महासती श्री गायर कवरजी म सा
- 2 त्रिदुषी महासती श्री चेतना श्रीजी म सा
- 3 त्रिदुषी महासती श्री प्रतिमाजी म सा

- 4 विदुषी तरुण तपस्विनी, महासती
श्री सूर्यमणिजी म सा

(आदि म सा (4)

पता - श्री वीरेंद्र सिंहजी लोढा सी ए एडवाकेट,
आनमण्डो मु पो उदयपुर (राज) 313001

साधन - जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़,
रतलाम जाधपुर, अहमदाबाद इन्दौर से ट्रेन व बसें
मिलती है।

29 सोमेसर (राज)

- 1 शासन प्रभाविका विदुषी
महामती श्री चादकवरजी म सा
- 2 सरल स्वभावी महासती श्री सुमति कवरजी म सा
- 3 त्रिदुषी महामती श्री सुदना श्रीजी म सा
- 4 विद्याभिलाषणी महामती श्री गरिमा श्रीजी म सा
- 5 " " महासती श्री हम श्रीजी म सा

गम्यक सूत्र - श्री जसराजजी, भीखराजजी दुगाड
मु सोमेसर पो सेतरावा
त जेरगड जिला जाधपुर (राज)

साधन - जोधपुर से बसें मिलती हैं

30 लोणार (महा)

- 1 शासन प्रभाविका विदुषी महामती
श्री इन्द्रकुवरजी म सा
- 2 तपस्विनी विदुषी महा श्री प्रेमलता जी म सा
- 3 सेनाभाविकी महा श्री गंगावतीजी म सा
- 1 तरुण तपस्विनी महा श्री रजना श्री जी म सा
- 5 विद्याभिलाषणी महा श्री हृषिकेशीजी म सा
- 6 तरुण तपस्विनी महा श्री ज्योत्स्ना श्रीजी म सा
- 7 विद्याभिलाषणी महा श्री साधना श्री जी म सा
- 8 " " सिद्ध प्रभाजी म सा
- 9 " " विशाल प्रभाजी म सा
- 10 नवदीक्षिता महा श्री पियूष प्रभा जी म सा
- 11 " " रिद्धि प्रभा जी म सा
- 12 " " समय प्रभाजी म सा
- 13 " " वैभव प्रभाजी म सा
- 14 " " पुण्य प्रभाजी म सा

15. नवदीक्षिता महा. श्री गृभप्रभा जी म.सा.
आदि म.सा. (15)

पता:—श्री भंवरलाल जी सिंगी, महावीर मेडिकल स्टोर,
बस स्टेशन, मु.पो. लोणार जिला बुलढाणा
(महा.) 443302 फोन : 36

साधन—बुलढाणा से बसे मिलती है

31. गंगा शहर (राज.) :

1. तपस्विनी महासती श्री बदाम कुँवरजी म.सा.
2. स्थविर पद विभूषित महा. श्री विरदी कुँवरजी म.सा.
3. विद्याभिलाषणी महा. श्री ललित प्रभा जी म.सा.
आदि म.सा. (3)

पता.—श्री छगनलालजी सोनावत, पुरानी लाइन,
मु.पो. गंगाशहर जिला बीकानेर (राज.)- 334409

साधन.—बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर, नोखा मण्डी से बसे जाती है।

32. कुण्डेरा (राज.) :

1. विदुषी महा. श्री रोशन कुँवरजी म.सा.
2. तपस्विनी विदुषी महा. श्री सुशीला कुँवर जी म.सा.
3. सेवाभाविनी महा. श्री राजिमती जी म.सा.
4. विद्याभिलाषणी महा. श्री विकास श्री जी म.सा.
आदि म.सा. (4)

सम्पर्क सूत्र.—श्री राम प्रताप जी जैन
मु.पो. कुण्डेरा,
जिला-सवाई माधोपुर (राज.)

साधन:—सवाई माधोपुर बस जाती है। सवाई
माधोपुर से दिल्ली लाइन पर मखौली रेलवे
स्टेशन उतरे वहाँ से 2 कि. मी. पैदल जाना
पड़ता है।

33. उटकमंड (तमिलनाडु) :

1. परम विदुषी महासती श्री अनोखा कुँवर जी म.सा.
2. विदुषी महासती श्री वसुमती जी म.सा.
3. विदुषी महासती श्री कुमुद श्री जी म.सा.
4. सरल स्वाभाविनी महासती श्री सुरेखा श्रीजी म.सा.
5. तपस्विनी महासती श्री चित्राश्री जी म.सा.

6. तपस्विनी महासती श्री निरूपणा श्री जी म.सा.
आदि म.सा. (6)

पता:—श्री एच. सोभाचन्द्रजी कोठरी,
हिन्दू स्टोर, एयर बाजार
मु.पो. उटकमंड (तमिलनाडु) 643001

34. अलाय (राज.)

1. तपस्विनी महासती श्री झमकू कँवरजी म.सा.
2. विद्याभिलाषिनी महासती श्री वासुमति श्रीजी म.सा.
3. ,, महासती श्री लक्ष्यप्रभाजी म.सा.
3. ,, महासती श्री मीता श्रीजी म.सा.
आदि म.सा. (4)

सम्पर्क सूत्र.—श्री पूनमचन्द्रजी मेघराजजी सुखलेचा
पो अलाय जिला-नागौर (राज.)

साधन.—जोधपुर, नागौर, विलाडा, भोपालगढ़, पाली से
से बसे जाती है

35. सैदापेठ-मद्रास (तमिलनाडु)

1. विदुषी महासती श्री सूर्यकान्तार्जी म.सा.
2. विदुषी महासती श्री पुष्पावती जी म.सा.
3. विदुषी तपस्विनी महासती श्री विजय लक्ष्मी जी म.सा.
4. आदर्श त्यागिनी तपस्विनी महा
श्री प्रेरणा श्रीजी म.सा.
5. विद्या विनोदी महा. श्री गुणरंजना श्रीजी म.सा.
6. तपस्विनी विद्याभिलाषणी महा.
श्री मुक्ता श्रीजी म.सा.
आदि म.सा. (6)

पता:—श्री गुलाबचन्द्र जी बोरा ,
नं. 1 आदिथापा नामकेन स्टील
15 सैदापेठ मद्रास 600007

साधन—देश के हर कोने से ट्रेन मिलती है।

36. उदयपुर (राज.) :

1. तपतेजस्विनी आदर्श त्यागिनी महासती श्री कस्तूर
कँवरजी म.सा.
2. विदुषी तपस्विनी महासती श्री चन्दनवालाजी म.सा.

- 3 तपस्विनी विदुषामहासती श्री प्रिदक्षणजी म सा
- 4 विदुषी महामती श्री नम्रता श्रीजी म सा
- 5 विदुषी महामती श्री मुक्ता श्रीजी म सा
- 6 विद्याभिलाषिनी महामती श्री शारदा श्रीजी म सा
- 7 त्रिप्राभिलाषिनी महामती श्री कल्पना श्रीजी म सा

आदि म सा (7)

मम्पक मूत्र -ब्रीरेद्रसिहजी, चाटड एकाउन्टेन्ट
धानमण्टी, उदयपुर (राज) पिन-313001
फोन नं 23302
27326 पी पी

37 इंदौर (म प्र)

- 1 तपस्विनी महामती श्री पारसवैरजी म सा
 - 2 विदुषी महामती श्री मुलोकनाथजी म सा
 - 3 , श्री महामती, कल्पना श्रीजी म सा
 - 4 त्रिप्राभिलाषिनी महामती श्री पूर्णिमा श्रीजी म सा
 - 5 , महामती श्री जिनप्रभाजी म सा
- ठाणा (5)

मम्पक मूत्र -सागरमनजी लनरानी
5/1 महेश नगर इंदौर-2
इन्दौर 452002 (म प्र) समता भवन
चातुर्मास स्थान -जैन स्थानक, निहालपुरा
इंदौर-452002 (म प्र)

माधन -बम्बई, अजमेर, जाधपुर, उदयपुर, चित्तौड़,
मीसवाडा, दिल्ली, भोपाल, उज्जैन, खण्डवा,
रतनाम, दयाम, आरगापद, हैदराबाद, मे सीधी
ट्रेन। तिनव नगर गल स्कून के पास महावीर
भवन ह।

38 अलमुर-बगलौर (कर्नाटक)

- 1 आदेश त्यागनी विदुषी महामती श्री जयश्रीजी म सा
 - 2 विदुषी तपस्विनी महा श्री कल्याण कौबरजी म सा
 - 3 विदुषी महा श्री बनकश्रीजी म सा
 - 4 विद्याभिलाषिनी महा श्री लब्धिश्रीजी म सा
 - 5 " " श्री ज्योतिश्रीजी म सा
 - 6 " " श्री चित्तरजनश्रीजी म सा
- आदि म सा (6)

साधन -बम्बई, दिल्ली, मद्रास, मैसूर, गुटकक, भोपाल
मे सीधी ट्रेन

39 नागदा ज (म प्र)

- 1 विदुषी महामती श्री मगला कौबरजी म सा
 - 2 जादश त्यागिनी तपस्विनी महा श्री सूरज
कौबरजी म सा
 - 3 विदुषी मह श्री काताश्रीजी म सा
 - 4 विदुषी महा श्री चदनशालाजी म सा
 - 5 विद्याभिलाषिनी मह श्री मधुशालाजी म सा
- ठाणा (5)

मम्पक मूत्र -श्री मियाचंददी काठेड
आ 32 मे मियाचंद माणक चंद एण्ड क
44 पी पी लक्ष्मीबाई साग, पो नागदा जवशन
(म प्र) पिन 456335

माधन -बम्बई वडादा रतलाम, इंदौर, काटा, दिल्ली
मे सीधी ट्रेन मिलती ह।

40 धिलिपुरम (तमिलनाडु)

- 1 तपस्विनी विदुषी मधुरव्याख्याश्री महा शकुतलाजी
म सा
 - 2 तपस्विनी महा श्री चमेली कौबर जी म सा
 - 3 तपस्विनी महा श्री निमला श्रीजी म सा
 - 4 तपस्विनी महा श्री चेलनाश्रीजी म सा
 - 5 विदुषी महा श्री इन्द्रप्रभा जी म सा
- आदि म सा (5)

पता -श्री पारस मलजी दुग्ड
183 वामराज स्ट्रीट वित्तीपुरम जिला
605602 (तमिलनाडु)
फोन 2436-2936

माधन -

- 1 विद्याभिलाषणी महा श्री पक्त्र श्री जी म मा
आदि म मा (4)
- पता—श्री चुध्रीलाल जी मोहनलालजी मायला
मु पो वात्रेसर जिला जोधपुर
(राज) 342023
- माघन—जोधपुर, नागौर, पाली, मात्रन मे घम द्वारा ।
- 47 खरागढ (म प्र)
- 1 विदुषी मह श्री ताग कुँवरजी म मा
2 विदुषी महा श्री मराज कुँवरजी म सा
3 विदुषी महा श्री चंचल कुँवरजी म मा
4 विदुषी महा श्री वसुम लता जी म मा
5 विद्याभिलाषणी महा श्री हलता जी म मा
6 तरुण तपस्विनी महा श्री तिनय श्री जी म मा
आदि म मा (6)
- पता—श्री चंदनमलजी रेखचंदनी मायला,
मु पा खैरागढ जिला राजनादगाँव
(म प्र 491881
फोन 57
- माघन—
- 48 देशभोक् (राज)
- 1 विदुषी महामती श्री भँवर कुँवरजी म मा
2 विदुषी महामती श्री प्रभावती जी म मा
3 तपस्विनी महामती श्री वीतिथी जी म सा
4 तरुण तपस्विनी महामती श्री सुयशमणि जी म मा
5 तरुण तपस्विनी महामती श्री मयव मणि जी म मा
आदि म मा (5)
- पता—श्री माहनलालजी लूणिया
मु पा देशनाव जिना बीरानर
(राज) 334809
- माघन—जयपुर, आगरा, सर्वाई माधोपुर, पीपाड राड,
मेटना रोड, पाली, नागार, उदयपुर, दिल्ली मे
सीधी ट्रेन जाती है ।
- 49 खिडकिया (म प्र)
- 1 विदुषी महा श्री ललित प्रभाजी म सा
- 2 तरुण तपस्विनी विदुषी महा श्री अज्ञात श्री जी म मा
3 विदुषी महा श्री महा आ मुप्रभाजी म मा
4 विदुषी महा श्री महा श्री दर्शना श्री जी मा
आदि म मा (4)
- पता—श्री भीष्मचन्द जी भण्डारी, मेरारड
मु पा खिडकिया जिना हांगाबाद
(म प्र) 461141
फोन 51 पीपी
- माघन—वालाघाट, दुर्ग, हांगाबाद, राजनादगाँव से
बसें मिलती है ।
- 50 फनीवी (राज)
- 1 विदुषी महा श्री मुनीना कुँवरजी म मा
2 विदुषी महा श्री मुक्ति प्रभा जी म मा
3 विद्याभिलाषणी महा श्री मधुवाला जी म मा
4 विद्याभिलाषणी महा श्री बरुणा श्री जी म मा
आदि म मा (4)
- पता—भीमराज जी मार्फत श्री भँवरनालजी चौरविया
मरदारपुरा फनीवी, जिला जोधपुर (राज)
- माघन—जोधपुर, पोवरण, जैमलमेर रेल्वे लाइन पर
घोचन और रामदेवरा स्टेशन के बीच मे स्टेशन
है, जोधपुर से हर घंटे में घम मिलती है ।
- 51 वापी (गुज)
- 1 विदुषी महामती श्री निरजना श्री जी म मा
2 तपस्विनी महामती श्री मजुला श्री जी म मा
3 विदुषी महामती श्री प्रतिभा श्री जी म मा
4 विदुषी महामती श्री अचना श्री जी म मा
5 वद्याभिलाषणी महामती श्री मणि प्रभा जी म मा
आदि म मा (5)
- पता—श्री दीपचंदजी मूधा, जैनस्थानव, उपाध्य प्लाट
नं 345 गुजन मिनेमा के पाम, शांतिपेन्टर के पाम
मु पो वापी (गुज)
- माघन—म रे के उम्पई सूरत के बीच मे बलमाड के
पाम रेलवे स्टेशन है ।

52. कुन्नूर (तमिलनाडु)

1. तपस्विनी महा श्री पारस कुँवरजी म सा
2. विदुषी तपस्विनी महा श्री राज श्री जी म. सा.
3. विदुषी तपस्विनी महा. श्री शशीकान्ताजी म. सा.
4. तपस्विनी महा श्री सुवर्णा श्री जी म सा
आदि म सा (4)

पता:-श्री जम्बू कुमार जी बाफना
मार्फत श्री महावीर क्लॉथ स्टोर
मु पो कुन्नूर, माउण्ट रोड (तमिलनाडु) 643102
साधन.-

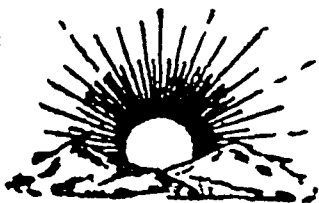
कुल चातुर्मास स्थल संतों के	15	कुल मुनिराज	46
" " ,, सतियों के	37	,, सतियों जी	204
		कुल	250

कुल चातुर्मास 52 संत 46 सतियोंजी 204 कुल ठाणा 250

संत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	सत	सतियों
1985 मे कुल ठाणा थे	46	203
+ नई दीक्षाएं हुई	---	6
	46	209
-काल धर्म प्राप्त हुए	---	5
	46	204
1986 मे कुल ठाणा है	46	204

हु शि हु चौ श्री जग नाना ।
लाल चमक रहे भानु समाना ॥



हार्दिक शुभकामनाओ सहित

कटारिया केसरीमल समरथमल
(कलमोड़ा वाला)

कपास्या खली, भनाज के विक्रेता
एवं कमीशन एजेन्ट

भगतपुरी, रतलाम (म. प्र.) 457001

फोन नं 907

हार्दिक शुभकामनाओं सहित-

सुजानमल चाणोदिया

प्रतिष्ठान:--

चाणोदिया लालचंद चांदमल

कपड़े के होलसेल व्यापारी

बजाज खाना, रतलाम (म.प्र.) 457001

फोन : 83

दिवाकर प्लास्टिक

इण्डस्ट्रीज

जी/२ इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, रतलाम

447001 (म. प्र.)

फोन नं. 802

ज्ञान गच्छोधिपति, तपस्वीराज, प. रत्न श्री चम्पालाल जी म० सा० से आज्ञा प्राप्त संत-सतियाँजी

सत समुदाय

1 जोधपुर (राजस्थान)

1 ज्ञान गच्छोधिपति प रत्न श्री चम्पालाल जी म सा

- 2 व्याख्यानी श्री रोजनलालजी म सा
- 3 वयोवृद्ध श्री मातीलालजी म सा (बड़े)
- 4 विद्वद रत्न श्री वसन्तीलालजी म सा
- 5 विद्याभिलाषी श्री पारम मुनिजी म सा
- 6 नवनीत श्री श्रीगमुनिजी म सा (छाटे)

आदि मुनि (6)

पता—श्री जैन नान श्रावक भव, नान भवन, गयपुर हाउस
कपडा बाजार, जोधपुर 312001 (राज)

माधन—ब्रह्मदाशर नागौर पानी, जयपुर इन्दौर,
वीरानर आगरा रत्नलाल जजमेर मे गीधी देन।

2 बालोतरा (राज)

- 1 मया मारी श्री सामाय्यमनजी म सा
- 2 वयोवृद्ध श्री सुशालचंदजी म सा
- 3 श्रुतवर प श्री प्रनाथ मुनिजी म सा
- 4 प्रिय व्याख्यानी श्री तजराजजी म सा
- 5 महात्माजी श्री जयलाललालजी म सा
- 6 विद्याभिलाषी श्री लक्ष्मीलालजी म सा
- 7 व्याख्यानी श्री चिनय मुनिजी म सा
- 8 सनाभारी श्री प्रवीण मुनिजी म सा

आदि मुनि (8)

(गाडल सम्प्रदाय व श्री वीरेजमुनिजी, म श्री राजेश
मुनिजी, म श्री भावेश मुनिजी म सा ठाणा 3 मी
साथ म ह कुल ठाणा (11))

पता—श्री धनराजजी गोपडा मारी
श्री व न्था जैन धावन मध

म पा जालोनगर 314022 जिला वाडमेर (राज)

माधन—जाधपुर, ममदडी, गारमर, जमलमेर, मारवा
ज, मोहन मे गीधी देन जाती है।

3 सनवाड-मेवाड (राज)

- 1 आत्मर्था प रत्न श्री लालचंदजी म सा (बड़े)
- 2 तपस्वी श्री मागमनजी म सा
- 3 व्याख्यानी श्री जगराजजी म सा
- 1 आत्मर्था श्री हनुमानचंदजी म सा
- 5 मेवाभाषी श्री वनन मुनिजी म सा

आदि मुनि (5)

पता—श्री विशन्तलालजी तातड

मु पा मनवाड वाया पौहनगर
जिला-उदयपुर (राज) 313206

माधन—नाथदारा, उदयपुर, भावनी ज प पतहनगर म
यस आदि व माधन।

पतहनगर, उदयपुर, चिनाड रेन्ने माग पर
स्थित है।

4 पौंचन (राजस्थान)

- 1 वीरपुत्र, प रत्न श्री घेवरचंदजी म सा
- 2 प्रवर व्याख्याता श्री गातममुनिजी म सा
- 3 मेवाभाषी श्री जोहरी मुनिजी म सा
- 4 मेवाभाषी श्री इमकलालजी म सा
- 5 नवदोषिन श्री मिनन मुनिजी म सा

आदि मुनि (5)

पता—श्री पुळीराज गाननचंदजी मारू
मु पो पौंचन वाया पचानी
जिला जोधपुर (राज) 342303

साधन—जोधपुर, जैसलमेर से सीधी ट्रेन उपलब्ध है।
नागौर, जोधपुर आदि से सीधी बस जाती है।

5. पाली (राज.)

- 1 मधुर व्याख्यानी श्री उत्तम मुनिजी म.सा.
- 2 सेवाभावी श्री धन्ना मुनिजी म.सा.
- 3 नवदीक्षित श्री हीरामुनिजी म.सा (वडे)
- 4 नवदीक्षित श्री राजेन्द्र मुनिजी म.सा.

आदि मुनि (4)

पता—श्री निहालचन्द्रजी पदमचन्द्रजी धानमंडी,
मु.पो पाली मारवाड (राज) 306401

साधन—उदयपुर, अहमदाबाद, अजमेर, बीकानेर से
सीधी ट्रेन आती है।

6. नारायणगढ़ (म.प्र.)

- 1 धर्मोपदेष्टा श्री मथुरा मुनिजी म.सा.
- 2 सेवाभावी श्री झब्बालालजी म.सा.

आदि मुनि (2)

पता—श्री कन्हैयालालजी चादमलजी छिगावत,
किराणा मर्चेन्ट
मु.पो नारायणगढ़ जिला मन्दासौर
(म.प्र.) 458553

साधन.—मन्दासौर, नीमच, रतलाम, जावरा, चित्तौडगढ़
से बसे जाती है।

7. भवानीमंडी (राज.)

- 1 व्याख्यानी श्री ताराचन्द्रजी म.सा.
- 2 प. रत्न श्री मोती मुनिजी म.सा (छोटे)
- 3 सेवाभावी श्री रतन मुनिजी म.सा.

आदि मुनि (3)

पता—श्री व. स्या जैन श्रावक सघ,
श्री रतनलालजी मुरजमलजी बीजावत,
मु.पो भवानी मण्डी
जिला झालावाड (राज.) 326502

साधन—बम्बई, रतलाम, उन्दीर, कोटा, सवाई माधोपुर,
दिल्ली, अहमदाबाद, बर्डोदा, अमृतसर से सीधी ट्रेन
जाती है।

8. बाड़मेर (राज.)

- 1 मधुर व्याख्यानी श्री अमृत मुनिजी म.सा.
- 2 विद्याभिलाषी श्री नव रत्न मुनिजी म.सा.
- 3 नवदीक्षित श्री मोहनमुनिजी म.सा.

आदि मुनि (3)

पता—श्री चन्दनमलजी पुखराजजी वाठिया
लक्ष्मी बाजार, मु.पो. बाड़मेर (राज) 344001

साधन—समदडी, लूणी, पाली, वालोतरा, जोधपुर,
नागौर से सीधी ट्रेन मिलती है।

9. पाटोदी (राज.)

- 1 व्याख्यानी श्री लालचन्द्रजी म.सा (छोटे)
- 2 सेवाभावी श्री रमेशमुनिजी म.सा.

आदि मुनि (2)

पता—श्री चम्पालालजी मीठालालजी वागमर,
मु.पो वाया वालोतरा
जिला-बाड़मेर (राज)

साधन—जोधपुर, वालोतरा, फलोदी, बाड़मेर से बस
द्वारा।

महासतीयाँजी समुदाय

10. जोधपुर (राज.)

- 1 वयोवृद्ध स्वामिनी महा श्री पन्नेकुंवरजी म.सा.
- 2 विदुषी स्वामिनी महा श्री वसन्त कुंवरजी म.सा.
- 3 महा श्री विनय कुंवरजी म.सा.
- 4 महा. श्री प्रसन्न कुंवरजी म.सा.
- 5 महा श्री चंचल कुंवरजी म.सा.
- 6 सेवाभावी महा. श्री मदन कुंवरजी म.सा.
- 7 विदुषी महा श्री झणकार कुंवरजी म.सा.
- 8 महा श्री ज्ञान प्रभाजी म.सा.
- 9 महासतीजी श्री कमलावतीजी म.सा.
- 10 महा श्री ललित यज्ञाजी
- 11 नवदीक्षित महा. श्री सुब्रताजी
- 12 नवदीक्षित महा. श्री पुष्पाजी म.सा.

आदि म.सा. (12)

पता—साधन-उपरोक्त क्रमांक के 1 अनुसार

11 देशनोक (राज)

- 1 विदुषी महासती श्री मगनकुवर्जी म मा
- 2 विदुषी महासती श्री सुंदर कुवर्जी म मा
- 3 व्याख्यात्री महामती श्री इंदर कुवर्जी म मा
- 4 सेवाभाविनी महा श्री मन्ताप कुवर्जी म मा
आदि म मा (1)

पता—श्री भवरनाथजी भूरा जवाहर विद्यापीठ के पाम
मु पा देशनोक-334901
जिला बीकानेर (राज)

साधन—बीकानेर मेडता राड जाधपुर पानी नागौर
पीपाड, जयपुर से मीघी ट्रेन जाती है।

12 गढ़ सिवाना (राज)

- 1 विदुषी महा श्री मायर कुवर्जी म मा
- 2 विदुषी महा श्री चम्पानुवर्जी म मा
- 3 विदुषी महा श्री अणकार कुवर्जी म मा
- 4 विदुषी महा श्री भागवती कुवर्जी म मा
- 5 सेवाभावी महा श्री मरम्बनीजी म मा
- 6 विद्याभिलाषी महा श्री चन्द्रकाताजी म मा
- 7 सेवाभाविनी महा श्री दक्षत्र प्रभाजी म मा
आदि म मा (7)

पता—श्री बेगरीमतीजी काठारी,
बानूमा जैन पीपध शाला,
मु पा गढ़ सिवाना जिला बाडमेर
(राज) 343044

चातुमांस—दुडिया जैन म्यानव, सिवाना

साधन—बाडमेर, बालातरा, जाधपुर, नागौर, मेटना
रोड जालौर म मीघी बसें जाती है।

13 नोडामडी (राजस्थान)

- 1 विदुषी महा श्री प्रेमकुवर्जी म मा
- 2 विदुषी महा श्री आणदकुवर्जी म मा
- 3 विद्याभिलाषणी महा श्री प्यारकुवर्जी म मा
- 4 सेवाभाविनी महा श्री कमलेश कुवर्जी म मा
- 5 नवदीगित महा श्री लीलावतीजी म मा

आदि म मा (5)

पता—श्री दीपचंदजी पावूदानजी पीचा,
मु पा नाग्रामडी-331803
जिला बीकानेर (राज)

साधन—बीकानेर, दशनाक, बाडमेर, तागौर, जाधपुर,
पीपाड, जमनमर मे घमें जाती ?।

14 रोस्ट (राज)

- 1 विदुषी महा श्री स्नहननाजी म मा
- 2 व्याख्यात्री महा श्री गुग्गुजी म मा
- 3 विदुषी महा श्री रतनकुवर्जी म मा
- 4 व्याख्यात्री महा श्री मजुला कुवर्जी म मा
- 5 नवदीगित महा श्री पुष्प कुवर्जी म मा
- 6 नवदीगित महा श्री पिम्ना कुवर्जी म मा
आदि म मा (6)

पता—श्री बीजरामजी बानरामजी पारेख,
मु पा राहट जिला पाली (राज) 306421

साधन—मारवाड ज पाली जोधपुर, स ट्रेन मिलती है।
जाधपुर तुणी पाली से बस का भी साधन ?।

15 जालौर (राज)

- 1 विदुषी महा श्री पुष्पानुवर्जी म मा
- 2 विदुषी महा श्री गुमनवतीजी म मा
- 3 व्याख्यात्री महा श्री मजुलाजी म मा
- 4 विद्याभिलाषणी महा श्री सुनीताजी म मा
- 5 सेवा भाविनी महा श्री मणि प्रभाजी म मा
आदि म मा (5)

पता—श्री हस्तीमतीजी पारेख अध्यक्ष,
श्री व स्या जैन श्रावक मठ, पालम्बाम,
मु पो जालौर (राज) 343001

साधन—जाधपुर, रानोवाडा, अहमदाबाद से सीधी ट्रेन
मिलती है।

16 पावण (राजस्थान)

- 1 विदुषी महा श्री रतनकुवर्जी म मा
- 2 सेवाभाविनी महा श्री माहनकुवर्जी म मा
- 3 सेवाभाविनी महा श्री महेन्द्रकुवर्जी म मा
- 4 सेवाभाविनी महा श्री विवाम प्रभाजी म मा

आदि म मा (4)

पता:—श्री पारसमलजी भंवरलालजी जैन
मु पो पादरू जिला बाडमेर
(राज.) 344801

साधन—जोधपुर, समदड़ी, बाडमेर-वालोतरा आदि से
बस उपलब्ध ।

17. कोरणा (राजस्थान)

1. विदुषी महासती श्री सूर्यकान्ताजी म सा
2. विदुषी महा श्री कंचनकुंवरजी म सा
3. महा श्री जय प्रभाजी म सा

अदि म सा (3)

पता—अध्यक्ष, श्री व. स्था जैन श्रावक सघ,
मु पो. कोरणा जिला जोधपुर
(राज.) 344001

साधन—जोधपुर से बस मिलती है ।

18. झाव (राजस्थान)

1. विदुषी महा. श्री मदनकुवरजी म.सा.
 2. विद्याभिलाषणी महा. श्री उदय प्रभाजी म सा
 3. व्याख्यात्री महा श्री कमलेश कुवरजी म सा
- आदि म. सा 3

पता:—श्री व. स्था जैन श्रावक सघ
मु. पो झाव जिला-जालौर
(राज.) 343041

साधन.—साचौर, जालौर, रानीवाडा, जोधपुर से बस
मिलती है ।

19. मालेगाँव (महा.)

1. विदुषी महासती श्री कंचन कुँवरजी म. सा.
2. विदुषी महासती श्री कुसुम कान्ताजी म. सा.
3. व्याख्यात्री महा. श्री मंजुला कुँवरजी म सा
4. व्याख्यात्री महा श्री कमलेश प्रभाजी म. सा.
5. व्याख्यात्री महा. श्री शकुन्तलाजी म. सा
6. विदुषी महा. श्री अर्चना जी म. सा.
7. विदुषी महा. श्री अंगूर वालाजी म. सा
8. व्याख्याती महा. श्री सुरेखा जी म. सा
9. विद्याभिलाषणी महा. श्री अनुजाजी म. सा.

आदि म. सा. (9)

पता:—मालू कारपोरेशन, पो. वॉ. नं. 9

मु. पो. मालेगाँव जिला नासिक (महा)

साधन:—वस्वई, मनमाड़, नासिक, इन्दौर, जलगाँव,
धूलिया, चालीस गाँव से बसे मिलती है ।
मनमाड़ से ट्रेन का साधन ।

20. बुलढाणा (महाराष्ट्र)

1. विदुषी महा. श्री उर्मिला कुँवरजी म. सा.
 2. विद्याभिलाषणी महा. श्री नम्रता जी म. सा.
 3. सेवाभाविनी महा. श्री रम्य दर्शना कुँवरजी म. सा
 4. सेवा भाविनी महा. श्री शारदा कुँवरजी म. सा
- आदि म. सा. (4)

पता:—उत्तम चन्दजी कुन्दनमलजी,
क्लाँथ मर्चेन्ट,

मु पो. बुलढाणा जिला नासिक (महा)

साधन:—नासिक मनमाड अहमदनगर से बसे मिलती है ।

21. दोण्डाइचा (महा.)

1. विदुषी महासती श्री अरुण प्रभाजी म. सा.
 2. व्याख्याती महा. श्री सुशीला कुँवर जी म. सा.
 3. सेवा भाविनी महा श्री प्रिय दर्शना जी म. सा.
 4. सेवा भाविनी महा. श्री गुडीया जी म. सा.
- आदि म. सा. (4)

पता:—श्री शातिलाल कातिलाल एण्ड कम्पनी,

मु पो. दोण्डाइचा जिला—धूलिया (महा—424508

साधन—अहमदावाद, सूरत, भूसावल, जलगाँव से सीधी
ट्रेन मिलती है ।

22. फतेहपुर (महा.)

1. विदुषी महा. श्री शशीकान्ता जी म. सा.
 2. विदुषी महा. श्री कैलाश कुँवरजी म. सा
 3. विदुषी महा. श्री सुबोध प्रभाजी म. सा
 4. अध्ययन शीला महा श्री सुयशाजी म सा
- आदि म. सा (4)

पता:—श्री माँगीलाल जी भीकमचंदजी,

मु पो फतेहपुर वाया जामनेर

जिला जलगाँव (महा.) 424 208

साधन:—जलगाँव, जामनेर से बसे मिलती है ।

23 देवता (महा)

- 1 व्याख्यात्री महा श्री चंद्रकाता जी म मा
- 2 मवाभाविनी महा श्री मुदमनाजी म मा
- 3 मेवाभाविनी महा श्री चंद्रकाताजी म मा
- 4 मेवाभाविनी महा श्री मंगल वाताजी म मा
जदि म मा (4)

पता—श्री गुदाबचदनी, छामनाजी बूचट
मु पो देवता जिता नामिक (महा)

माघन—मनमाट, तामिच, मूरन मे टेन मिनती ह ।

24 उमराणा (महा)

- 1 विदुषी महामती श्री शिखरीण जी म मा
- 2 विदुषी महामती श्री निमच कुँवरजी म मा
- 3 मवाभाविनी महामती श्री चंचरा ची म मा
जदि म मा (3)

पता—वधमान गण्ड कम्पनी,
मु पा उमराणा जिता नामिक (महा)

माघन—मानेगाव, चाँखट म वन मिनती ह ।

25 लामूर स्टेशन (महाराष्ट्र)

- 1 विदुषी महामती श्री प्रवीण कुँवरजी म मा
- 2 विदुषी महामती श्री धीरज कुँवरजी म मा
- 3 विदुषी महामती श्री मरिता कुँवरजी म मा
- 4 मेवाभाविनी महामती श्री जयवी जी म मा
- 5 मेवाभाविनी महामती श्री गजनी जी म मा
जदि म मा (5)

पता—श्री हर्ष चदनी पूनवराजी जनरल मर्चेंट
मु पा लामूर स्टेशन जि जामगायाद (महा)-
423702

माघन—मनमाट वाघोड्डा, परमारी, जानता, आरगा-
बादे म ट्रेन क। माघन उपनगर ।

26 वाताद (म प्र)

- 1 व्याख्यात्री महा श्री जामण कुँवरजी म मा
- 2 विदुषी महा श्री नीर वाताजी म मा
- 3 विद्या प्रेमी महा श्री शम्भुनाजी म मा

4 नवदीक्षिता महा श्री रजना जी म मा
जदि म मा (4)

पता—श्री के एम जैन एटवॉकेट
मु पो वाताद जिता-मुंग (म प्र)-441226
ताग्रन—दुा मे वसें जाती ह ।

27 छरीयार रोड (उडौसा)

- 1 व्याख्यात्री महा श्री चंद्रकाताजी म मा
- 2 विद्याप्रेमी महा श्री मधुवाता जी म मा
- 3 मवाभाविनी महा श्री अनना जी म मा
- 4 विद्याभितार्पिणी महा श्री चन्द्रिका जी म मा
जदि म मा (4)

पता—श्री पारममनजी ननगज जी वॉएदिया
मु पा खरीयार गट जिता वाताहाराडी (उडौसा)
766104

माघन—रायपुर (म प्र) मे टेन मिनती ह ।

28 दुग (म प्र)

- 1 विदुषी महामती श्री मुनीर कुँवरजी म मा
- 2 विदुषी महामती श्री मुया प्रभाजी म मा
- 3 मेवाभाविनी महामती श्री जेतन प्रभाजी म मा
- 4 व्याख्यात्री महा श्री मनीषा कुँवर जी म मा
- 5 मेवाभाविनी महा श्री दशना जी म मा
जदि म मा (5)

पता—श्री मानूनाच चन्दजी वाकर,
बदना, 12 टिदरा मार्केट,
मु पा दुग (म प्र) 491001

माघन—जहमदावाद, बम्बर्ट, दिल्ली, कनकना, नागपुर
मे नीजी ट्रेन उपनगर ।

29 उदयपुर (राज)

- 1 विदुषी महामती श्री विमल कुँवरजी म मा
- 2 महामती श्री प्रमोद प्रभाता म मा
- 3 महामती श्री राजेश कुँवरजी म मा
- 4 महामती श्रीअचिता माता जी म मा
- 5 महामती श्री अनिता कुँवरजी म मा
- 6 महामती श्री मृदुला कुँवर जी म मा

जदि म मा (6)

पता:—श्री किशनलालजी सोनी, महावीर ट्रेडिंग कम्पनी
तेल बाजार, धानमडी, उदयपुर
(राज) 313001

साधन—मारवाड जंक्शन, जोधपुर, दिल्ली, अजमेर,
चित्तौड़, जयपुर, रतलाम, इन्दौर, अहमदाबाद से
ट्रेन जाती है ।

30. सोजत सिटी (राजश)

- 1 विदुषी महासती श्री निर्मल कुँवर जी म सा
 2. महासती श्री गुण वाला जी म सा
 - 3 महासती श्री सरला जी म सा
 4. महासती श्री हर्षदा जी म. सा
 - 5 महासती श्री अरुण कुँवर जी म सा
 6. महासती श्री रेणुका जी म सा
 - 7 महासती श्री सजीता जी म सा
- आदि म. सा (7)

पता:—श्री गाढमलजी चम्पालालजी जैन, किराना मर्चेण्ट,
मु पो सोजत सिटी जिला पाली
(राज) 316101

साधन:—अहमदाबाद, जयपुर, दिल्ली, मारवाड जंक्शन,
जोधपुर से सीधी ट्रेन मिलती है ।

31. पाली (राज.)

- 1 सेवाभावी महासती श्री भीकम कुँवरजी म सा
 2. नवदीक्षिता श्री विमला कुँवरजी म सा
 - 3 महामती श्री प्यार कुँवरजी म सा.
 4. महासती श्री सूरज कुँवर जी म सा
 - 5 महासती श्री प्रकाश कुँवर जी म. सा
 - 6 महासती श्री कीर्तिप्रभाजी म सा.
 7. महासती श्री जी म सा
- ठाणा (7)

पता:—3 साधन क्रमांक 5 के अनुसार

32. महामन्दिर जोधपुर (राज.)

- 1 विदुषी महामती श्री कन्वर कुँवरजी म सा
- 2 महासती श्री कान्ताजीजी म सा
- 3 महामती श्री रश्मीकान्त जी म सा.

4 महासती श्री कान्ता जी म. सा.

5 महासती श्री सुशीला जी म. सा.

आदि म. सा. (5)

पता:—श्री नेमीचंद जी सचेती, बोरा का वास,
मु पो. महामन्दिर जोधपुर (राज.) 342001

साधन:—अहमदाबाद, नागौर, पाली, जयपुर, इन्दौर,
वीकानेर, आगरा, रतलाम, अजमेर से सीधी ट्रेन
उपलब्ध, जोधपुर उत्तर कर महा मंदिर बस द्वारा ।

33. गंगाशहर (राज.)

- 1 विदुषी महासती श्री मनोहर कुँवरजी म सा.
- 2 महासती श्री पतासा कुँवर जी म सा.
- 3 महासती श्री सुमति कुँवरजी ग. सा.
- 4 महासती श्री आनन्द कुँवर जी म. सा.
- 5 महासती श्री कचन कुँवर जी म सा (छांटे)
- 6 महासती श्री तारामती जी म सा.
- 7 महासती श्री पुष्पा कुँवरजी म. सा
8. महासती श्री मुमन कुँवर जी म सा.
- 9 महासती श्री सरलाजी म सा.
- 10 महासती श्री

आदि म सा. (10)

पता—श्री धेवरचन्द्रजी रामलाल जी बोथरा,
बोथरा की नई लेन, मु. पो गंगा शहर
जिला वीकानेर (राज) 334401

साधन—जोधपुर, मेडना, नागौर, वीकानेर, से ट्रेन का
साधन उपलब्ध है ।

34. बालोतरा (राज.)

- 1 विदुषी महा. श्री कमलेश कुँवरजी म सा
2. महासती श्री पुष्पा कुँवर जी म. सा.
3. महासती श्री लक्ष्मीजी म. सा.
4. महासती श्री भावना जी म. सा.
5. नवदीक्षिता महामती श्री सवित्री कुँवर जी म सा.
6. नवदीक्षिता महामती श्री रमिता कुँवर जी म. सा.
7. नवदीक्षिता महामती श्री रंजना कुँवर जी म. सा.
8. महासती श्री म. सा.

9 महामती श्री म मा
आदि म सा (9)

पना—व माघन—प्रमाण 2 के अनुसार

35 साचौर (राज)

1 विदुषी महा श्री पुष्पा कुँवर जी म मा
2 महा श्री मजूना श्री जी म मा
आदि म मा (4)

पना—श्री हरक चद जी डोसी,
मु पो साचौर जिला जालौर (राज) 343041
माघन—ब्राह्मण, मिश्री, जातौर, रानीवाडा, माक नगर,
मे सीपी वम उपलब्ध ।

36 खौचन (राज)

1 मेवा भाविनी महा श्री नमी कुँवर जी म मा
2 मेवा भाविनी महा श्री प्रेमरत्ना जी म मा
आदि म मा (4)

पना—माघन—प्रमाण 4 के अनुसार

37 सरेरो (राज)

1 महामती श्री आशा कुँवर जी म मा
2 महामती श्री जीत कुँवर जी म मा
आदि म मा (5)

पना—श्री व म्हा जैन धावक मध
मु पा मग्गे बाया विजयनगर
जि जजमर (राज)

माघन—जजमर विजयनगर व्यावर मे वमें उपलब्ध ।

38 रावटी (म प्र)

1 विदुषी महामती श्री महद्र कुँवर जी म मा
2 विदुषी महामती श्री चन्द्रकाना जी म मा
आदि म मा (4)

पना—श्रीमदनरान जी मतीरान जैन
मु पो रावटी जिला नराम
(म प्र) -57001

माघन—नराम मे रावटी के लिए वम का माघन उपलब्ध

39 अजमेर (राज)

1 बयोबद्धा महामती श्री प्रेम कुँवर जी म सा
2 विदुषी महामती श्री नैवर कुँवर जी म सा
3 विदुषी महामती श्री भँवर कुँवरजी म सा
4 विदुषी महामती श्री निगला कुँवर जी म सा
5 विदुषी महामती श्री वनावती जी म सा
6 विदुषी महामती श्री राजमती म सा
7 विदुषी महामती श्री पुष्पाकुँवर जी म सा
8 महामती श्री सूर्य शोभा जी म सा
9 महामती श्री प्रजाजी म सा
10 महामती प्रभावना जी मे सा
11 महामती श्री चन्दना जी म सा
आदि म सा (14)

चातुर्मास म्यन—

लाखन कोटडी, अजमेर

पना—श्री लक्ष्मीचन्द जैन दशन मण्डार, बडा स्थानक,
लाखन कोटडी, अजमेर (राज) 305001

माघन—दिल्ली, अहमदाबाद, अजमेर, खण्डवा, काचीगुडा,
मेन राइन पर रेल्वे स्टेशन है । वमे राजस्थान के हर
कोने मे तथा रतलाम, नीमच, इन्दौर, अहमदाबाद,
दिल्ली, आगरा, मथुरा मे भी जाती है । वम
स्टुशन रेले स्टेशन मे तागा, आटो, रिक्शा
उपलब्ध है ।

40 बडौद (म प्र)

1 व्याख्यानी महा श्री सुमन कुवरजी म मा
2 महामती श्री शिरोमणि म मा
3 महामती श्री मनीषा कुवरजी म मा
4 महामती श्री अर्ण प्रभाजी म मा
5 महामती श्री तरुण प्रभाजी म मा
आदि म सा (5)

पना—श्री दोलतरामजी मादी, अद्यक्ष व्यापारी सध
मु पो बडौद जिला शाजापुर
(म प्र) 465550

माघन—उज्जैन, आगरा इंदौर नागदा, मे वमे
मिलती है ।

41. महिदपुर (म.प्र.)

1. विदुषी महासती श्री रंभाकुंवरजी म सा.
2. महासती श्री कमल प्रभाजी म सा
3. महासती श्री रजन प्रभाजी म सा
4. महासती श्री मधुवालाजी म.सा
5. महासती श्री कुसुम कान्ताजी म.सा.

आदि म.सा. (5)

पता—श्री धनसुखलालजी कोठारी, जवाहर मार्ग,
मु पो महिदपुर जिला उज्जैन (म प्र) 456001

साधन:—रतलाम, कोटा, दिल्ली, बम्बई, से ट्रेन मिलती है। स्टेशन से 19 कि मी शहर है। स्टेशन से बस का साधन उपलब्ध है।

42. ताल (म.प्र.)

1. मधुर व्याख्यानी महा श्री अरविन्द कुंवरजी म.सा
2. महासती श्री प्रकाश कुंवरजी म.सा
3. महासती श्री सुदेश प्रभाजी म सा
3. महासती श्री राजेश प्रभाजी म.सा.
5. महासती श्री साधनाजी म.सा

आदि म सा (5)

पता—श्री हजारीमलजी वक्तावरमलजी पितालिया -
मु पो. ताल जिला रतलाम (म प्र) 455118

साधन—अजमेर, खण्डवा लाइन के मध्य स्थित जावरा स्टेशन से बस मिलती है।

43. दोघट (उ.प्र.)

- 1 विदुषी महासती श्री शुभमतीजी म.सा

आदि म.सा (4)

पता:—श्री एस.एस. जैन सभा, जैन स्थानक

मु पो. दोघट जिला मेरठ (उ प्र.) 250622

साधन.—बडोत, दिल्ली, वागपत, सहारनपुर (उ.रे.) लाइन पर स्टेशन है।

44. छपरोली (उ.प्र.)

1. विदुषी महामती श्री कुमुद प्रभाजी म सा
2. विदुषी महामती श्री शारदाजी म.सा.

आदि म.सा. (4)

पता—श्री एस. एस. जैन सभा, जैन स्थानक
मु पो छपरोली जिला मेरठ (उ.प्र.)

साधन.—दिल्ली, सहारनपुर, (उ.रे.) लाइन पर बडोत रेलवे स्टेशन है।

वहा से छपरोली के लिए बस का साधन उपलब्ध है।

45. मथानिया (राज.)

- 1 विदुषी महासती श्री निर्मल कुंवरजी म सा.
2. व्याख्यात्री महा. श्री अमर कुंवरजी म सा
3. सेवाभाविनी महा. श्री उमराव कुंवरजी म.सा

आदि म सा (3)

पता:—श्री पृथ्वीराजजी गिडिया

मु पो. मथानिया जिला जोधपुर

(राज) 342325

साधन:—जोधपुर से रेल व बस का साधन उपलब्ध।

46. भोपाल (म.प्र.)

1. विदुषी महासती श्री शिरोमणीजी म.सा.
2. महा श्री शशीप्रभाजी म.सा.
3. महा श्री कमलेशजी म.सा

आदि म सा. (9)

पता.—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक

85, मारवाडी रोड,

मु पो भोपाल 462001 (म प्र.)

साधन.—इन्दौर, रतलाम, उज्जैन, बम्बई, जलगांव, नासिक, दिल्ली, खंडवा, वीना, नागदा से सीधी ट्रेन मिलती है।

47. नाई (राज.)

- 1 विदुषी महासती श्री तारामतीजी म.सा.
- 2 महासती श्री सुबोध प्रभाजी म.सा
3. महासती श्री हेमप्रभाजी म.सा.
4. महासती श्री रंजनाजी म.सा.
5. नवदीक्षित महा. श्री विमला कुंवरजी म.सा.

आदि म.सा. (5)

पता—श्री जैन श्रावक मध,
श्री धर्मचन्द्रजी महलोन
मु पा नाई लट्ट गिर्वा
जिना उदयपुर (राज) 313001
साधन—उदयपुर मे वम का साधन उपलब्ध है।

48 सरवाड (राज)

1 महामती श्री मणिप्रभाजी म मा
आदि म मा (4)

पता—श्री व स्या जैन श्रावक मध, जैन म्यातक
मु पो सरवाड जिना भीनवाडा 305403 (राज)
साधन—ब्यावर, अनभेर, भीनवाडा, विनय नगर म
वर्गे मित्ती है।

49 कवलीपाम (राज)

1 महामती श्री चन्द्रमतीजी म मा
आदि म मा (4)

पता—श्री व स्या जैन श्रावक मध,
श्री अमोलकचन्द्रजी मुराणा
मु पो कवलीपाम
जिना भीनवाडा 311001 (राज)
साधन—भीनवाडा, विनयनगर, चित्तौड, ब्यावर म वम
का साधन उपलब्ध है।

50 केकडी (राज)

1 विदुषी महामती श्री हनुमतीजी म मा
आदि म मा (4)

पता—श्री धनराजजी नाहटा,
मन्नी श्री म स्या जैन श्रावक मध
मु पा केकडी-305404 (राज)
साधन—जयपुर, जनमर, ब्यावर टॉक, कौटा, जोधपुर
म मीयो वम उपलब्ध है।

51 मगलवाड (राज)

1 महामती श्री शाल्ताजी म मा
2 महामती श्री दिव्याजी म मा

3 महामती श्री विभावनाजी म मा
4 महामती श्री निमलाजी म मा
आदि म मा (4)

पता—श्री मवाँलालजी जैन,
अप्यक्ष श्री वर्टमान स्या जैन श्रावक मध,
वाया भादनांग
मु पो मालवाट
जिना चित्तौडगट (राज) 312024
साधन—उदयपुर, चित्तौड मे वम का साधन उपलब्ध है।

कुल चातुर्मास सत्रों के	9	कुल मुनिराज	38
कुल चातुर्मास सतियों के	42	कुल सतियात्री	227
कुल	51	कुल	265
कुल चातुर्मास 51 सत 38 सतियात्री	227	कुल ठाणा	265

सत-मती तुलनात्मक तालिका

विवरण	सत	सतिया
1985 मे कुल ठाणा थे	35	217
+ मई दीनाएँ हूँ	4	13
	39	230
+ मध मे पुन प्रवेश हुए	1	—
	40	230
—कात्थम प्राप्त हुए	—	4
	40	226
—मध मे वाहर घोषित किया	2	—
	38	226
+ नाम अधिक लिखा गया	—	1
	38	227
1986 मे कुल ठाणा विरजने ह	38	227

नोट—सूची म पूरे ठाणाका के नाम प्राप्त नहीं हाने के कारण सभी ठाणाओं के नाम नहीं दे सके, हृषया क्षमा करें।

आसुकवि, मधुरवक्ता, मरुधरा कवि, प्रवर्तक पद विभूषित,
श्री सोहनलालजी म. सा. से आज्ञा प्राप्त
संत सतियाँजी का चातुर्मास

सन्त-समुदाय

1 भोपालगंज-भीलवाड़ा (राज.)

1 स्वाध्याय शिरोमणी, आसुकवि, मधुरवक्ता,
मरुधरा कवि, मधुर वक्ता, प्रवर्तक
श्री सोहनलालजी म सा.

2. आत्मार्थी श्री वालमुनि जी म सा
3. विद्यार्थी श्री वल्लभ मुनि जी म सा "प्राज्ञ किकर"
4. स्वाध्याय प्रेमी तपस्वी श्री चान्द मुनि जी म सा.
आदि मुनि (4)

पता:-श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ

शान्ति भवन

मु पो. भोपालगज भीलवाड़ा (राज) 311001

साधन -चित्तौड़गढ़. उदयपुर, अजमेर, जयपुर, रतलाम
इन्दौर, आगरा, बीकानेर, जोधपुर से सीधी ट्रेन
मिलती है ।

शान्ति भवन स्टेशन व बस स्टैण्ड के पास ही है ।

महासतीयाँजी समुदाय

2. विजयनगर (राज.)

- 1 परम श्रद्धेया विदुषी, साध्वी, प्रमुखा महा.
श्री उमराव कुँवरजी म. सा.
- 2 वयोवृद्धा महा. श्री दीपकुँवरजी म सा
- 3 वयोवृद्धा महा श्री सूरज कुँवरजी म. सा
- 4 वयोवृद्धा महा. श्री विदाम कुँवरजी म. सा.
5. वयोवृद्धा व्याख्यात्री महा. श्री घेवर कुँवर जी म. सा.

6. वयोवृद्धा महा. श्री आनन्द कुँवरजी म. सा.

7. वयोवृद्धा व्याख्यात्री महा. श्री मैना कुँवरजी म सा.
आदि म. सा. (7)

पता:-श्री व. स्था जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक

मु पो विजयनगर जिला अजमेर

(राज) 305624

साधन -प रे के दिल्ली, अहमदाबाद रूट पर रेल्वे स्टेशन
है । सभी ट्रेने रुकती है । अजमेर व्यावर, भीलवाड़ा,
चित्तौड़, पाली, जोधपुर, जयपुर से सीधी बस
उपलब्ध ।

3. महावीर कालोनी-अजमेर (राज.)

1. वयोवृद्धा व्याख्यात्री महा श्री जयवन्त कुँवर जी
म. सा
2. वयोवृद्धा महा. श्री सन्तोष कुँवर जी म. सा.
- 3 विद्यार्थिनी सेवा भावी महा. श्री रतन कुँवर जी
म. सा
- 4 परम विदुषी व्याख्यात्री श्री कमला कुमारी जी म. सा
"एम. ए हिन्दी"
5. सेवाभावी विद्यार्थिनी श्री मानकुँवर जी म. सा.

आदि म. सा. (5)

पता -श्री सुगन चदजी रतनलालजी राका,

महावीर कालोनी, पुष्कर रोड,

मु पो अजमेर, (राज.) 305001

साधन -दिल्ली, अहमदाबाद एव अजमेर खण्डवा,
काचीगुडा मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है । राज.
मध्य प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, प्रदेशो के
प्रमुख शहरो से बसे भी उपलब्ध ।

4 मनुवा (राज)

- 1 विदुषी व्याख्यात्री महा श्री नान लताजी म मा
"प्राज्ञ वदना" एम ए (मस्त्रिन) जैन मि रत्ना"
- 2 विदुषी महा श्री दशन लताजी म मा "प्राज्ञ-
नदना" एम ए 'मि रत्ना'
- 3 विदुषी महा श्री चारित्रलता जी म मा "प्राज्ञ
वदना" एम ए 'मि श्यात्री
- 4 विद्यार्थिनी महा श्री कीर्तिलताजी म मा
- 5 विद्याभिलाषी महा श्री कल्पलता जी म मा
जादि म मा (5)

पता—श्री गजमनजी भँवरान जी तातेड

मू पो मनुवा-305623

चिना अजमेर (राज)

गायन—अजमेर, ब्यानर, विजयनगर, कचडी, जयपुर,
टाक म उम जाती है ।

कुल चातुर्मास सतो के	1	कुल मुनिराज	4
" " सतियों के	3	" सतिया जी	17
			—
कुल	4	कुल	21

कुल चातुर्मास	4	सत	4	सतियाजी	17	कुल	21
---------------	---	----	---	---------	----	-----	----

सत-सती दुलनात्मक तालिका

प्रियरण	सत	सतिया
1985 म कुन ठाणा थे	4	18
+ मटे दीणाएँ हुटे	—	—
	—	—
	4	18
—नाथम प्राण हुगे	—	1
	—	—
	4	17
1986 म कुन ठाणा विराजन है	4	17
	—	—

उपदेश हजारो सुनते है,
जो जमल में इन को लाते ।

अनुपम नफा कमाते है,
उत्पान वही कर पाते ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

शा० कन्हैयालाल उत्तमचंद रूतवाल

न 172, शिवाजी रोड
बैंगलौर-560051 कर्नाटक

तेरा मेरा मिथ्याभिमान जब,
निकल हृदय से जाता है ।
निजानन्द अनुभव जीवात्मा,
उसी समय कर पाता है ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित -

शा० सुगनमल गणेशमल भण्डारी

के० एन० एक्सपेशन,
6 वी क्रोस, यशवतपुर
बैंगलौर-560022
(Karnatka)
Tel No 363329

प्रसिद्ध वक्ता, पं. रत्न श्री सुदर्शनलालजी म. सा.
से आज्ञा प्राप्त संत-सतियाँजी

संत समुदाय

1. सिरसा (हरियाणा)

1. शासन प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता, पं रत्न
श्री सुदर्शनलालजी म. सा

2. शान्त मूर्ति श्री शान्तीमुनिजी म सा
3. मधुर व्वाख्यानी श्री राम मुनि जी म सा
4. मधुर गायक श्री राकेश मुनि जी म सा 'शास्त्री
'सा. रत्न'
5. सेवाभावी श्री राज कुमार जी म सा.
6. नवदीक्षित श्री सुनील मुनि जी म. सा
7. नवदीक्षित श्री राजेश मुनि जी म सा
आदि मुनि (7)

पता—श्री एम. एस. जैन सभा, रोडी बाजार,
मु पो सिरसा (हरियाणा) 125055

साधन—हिसार, चुरू, राजगढ़, भटिण्डा से सीधी ट्रेन
जाती है।

2. रोहतक मण्डी (हरियाणा)

1. महास्यविर भंडारी श्री बलवन्त राय जी म. सा.
2. सेवाभावी श्री विनय मुनि जी म सा
3. मधुरवक्ता श्री नरेश मुनि जी म सा
4. तपस्वी श्री सुधीर मुनि म सा
आदि मुनि (4)

पता—श्री मन्त्री—एस एस. जैन सभा, जैन स्थानक
वावरा मौहल्ला, रेल्वे रोड,
मु पो रोहतक मण्डी 124001 (हरियाणा)

साधन.—उ रे के दिल्ली, फिरोजपुर मेन लाइन पर रेल्वे
स्टेशन है। सभी ट्रेन रुकती है।

3. जीन्द शहर (हरियाणा)

1. महान तपस्वी वयोवृद्ध श्री बदरी प्रसाद जी म सा
2. कुशल मूर्ति श्री प्रकाश चन्द जी म सा
3. पंडित रत्न श्री रामप्रसाद जी म सा
4. सेवाभावी श्री सुन्दर मुनि जी म सा
आदि मुनि (4)

पता—एस एस जैन सभा रामराय गेट

जैन स्ट्रीट, जीन्द शहर (हरियाणा) 126102

साधन—उ रे के जीन्द पानीपत रोहतक रूट पर स्टेशन है।

4. जयपुर (राजस्थान)

1. ओजस्वी वक्ता श्री प्रकाश मुनि जी म. सा
2. सेवाभावी श्री सत्य प्रकाश मुनि जी म सा
3. विद्या प्रेमी श्री अचल मुनि जी म सा
4. नवदीक्षित सेवाभावी श्री लाल चन्द जी म सा
आदि मुनि (4)

पता—श्री गुमानमलजी चौरडिया, मन्त्री, श्री व स्था.
जैन श्रावक संघ, लाल भवन, चोडा रास्ता
मु पो जयपुर (राज) 302003

साधन—दिल्ली, अजमेर, अहमदाबाद, लखनऊ, जोधपुर,
बीकानेर, मवाई माधोपुर लुहारु मेन मार्गपर जयपुर
जक्शन है। सिटी बस, टेम्पो, आटो रिक्शा से चोडा
रास्ता उतरे वहाँ से त्रिकुल समीप ही लाल भवन
स्थानक है।

5. बड़ौत शहर (उत्तर प्रदेश)

1. मनोहर व्याख्यानी श्री पदम चन्द जी म सा 'शाम्त्री'
2. सेवाभावी श्री राजेन्द्र मुनि जी म सा शाम्त्री
'मा रत्न'
3. परम प्रतापी श्री अग्रण मुनि जी म सा. 'विशारद'

4 नवदीप्ति मेवाभावी श्री अजीत मुनि जी म सा
आदि मुनि (4)

पता—एस एम जैन समाज, जैन स्थानक नया बाजार
नेहरू मूर्ति के पास,
मू पो उडान शहर 250611 जिला मेरठ (उ प्र
माधन—दि ली, चागपल, सहारनपुर (उ रे) लाइन
पर रवे स्टेशन है।

With best compliment from

**J. PARASMULL
MANAKCHAND
KOTHARI**

No 105, Brigade Road
Ashok Nagar-Shaoolay
BANGALORE-560025 (Karnatka)

Tel Off 5715913
Res 574618 567130

6 उकलाणा (हरियाणा)

- 1 विद्वद्रत्न व्याख्यान श्री जयमुनिजजी म सा
- 2 लक्ष्मी श्री नरद्व, मुनि जी म सा
- 3 नव दीप्ति मेवाभावी श्री मुशील मुनि जी म सा
आदि मुनि (3)

पता—एस एम जैन समा
उकलाणा मण्टी
जिला—हिसार—126009
(हरियाणा)

माधन—उ र के बुधियाला हिसार लाइन पर हिसार व
जावन के बीच रवे स्टेशन है मदी गाडियाँ
ठहरती है।

With best compliments from

**SHAH
CHAMPALAL
CHAITAN
PRAKASH
DUNGARWAL**

Pawn Broker

No 61 Nagarathpet,
Bangalore-560002 (Karnatka)
Tel Phone No 222443

कुल चातुर्मास सता का	6	कुल मुनिराज	27
	—		—
	कुल 6		कुल 27
कुल चातुर्मास 6	सत 27		कुल ठाणा 27

सत सतो सक्षिप्त सतिक्षा

विवरण	सत	सतिषां
1985 मे कुल ठाणा ये	21	—
+ नट दोषाएँ हई	6	—
	27	—
— नान धम हण	—	—
	27	—
1986 मे कुल ठाणा विरगत ह	27	—

श्रीमद् धर्मदासजी महाराज की सम्प्रदाय के गण प्रमुख
पूज्यपाद प्रवर्तक श्री उमेशमुनिजी म. सा. से आज्ञा प्राप्त:---
तपस्वीरत्न, पं. श्री लालचंदजी म. सा. के
आज्ञानुवर्ती संत-सतियाँजी

संत समुदाय

(1) राजमोहल्ला-इन्दौर (म.प्र.):-

1. तपस्वीरत्न, पं. रत्न श्री लालचंदजी म. सा.
2. तपस्वी रत्न श्री कानमुनिजी म. सा.
3. पं. रत्न श्री गुलाबमुनिजी म.सा.

आदि मुनि (3)

चातुर्मास पता:—श्री धर्मदास कृष्ण स्मृति जैन भवन
37 साउथ राजमोहल्ला, इन्दौर-452002 (म.प्र.)

सम्पर्क सूत्र:—श्री सागरमलजी भण्डारी
13/14 नार्थ राजमोहल्ला
इन्दौर-452002 (म.प्र.)

साधन—बम्बई, अजमेर, खण्डवा, काचीगुड़ा, औरंगाबाद,
भीलवाड़ा, रतलाम, उदयपुर से सीधी ट्रेन ।

2. परदेशीपुरा-इन्दौर (म.प्र.)

1. तपस्वी रत्न श्री मान मुनिजी म.सा
2. तपस्वी रत्न श्री पारस मुनिजी म. सा.

आदि मुनि (2)

चातुर्मास स्थल.—शान्तीनाथ भवन,
परदेशीपुरा, क्लर्क कालोनी, इन्दौर

सम्पर्क सूत्र:—श्री माणकचन्दजी पोखरणा,
225 क्लर्क कालोनी,
परदेशीपुरा इन्दौर-452003 (म.प्र.)

साधन.—बम्बई, अजमेर, खण्डवा, काचीगुड़ा, औरंगाबाद,
भीलवाड़ा, रतलाम, उदयपुर, जौधपुर से सीधी
ट्रेन ।

महासतियाँ समुदाय

3. धार (म.प्र.)

1. साध्वी प्रमुखा विदुषी महासतीजी
श्री मैनाकुंवरजी म.सा.
2. सेवाभावी महासतीजी श्री शांताकुंवरजी म.सा.
3. सेवाभावी महासतीजी श्री सोनाकुंवरजी म.सा.

आदि म.सा. (3)

चातुर्मास स्थल.—श्री ओसवाल जैन संघ भवन, धार

सम्पर्क सूत्र:—श्री पारसमलजी वकील
मंत्री श्री ओसवाल जैन संघ,
181 गाधी मार्ग राजवाड़ा चौक के पास
धार-454001 (म.प्र.)

साधन.—रतलाम, उज्जैन, नागदा, इन्दौर, देवास, नीमच,
मन्दसौर से बसे जाती है ।

4. करही (करी कस्बा) (मध्यप्रदेश)

1. विदुषी महासतीजी श्री कौसल्या कुंवरजी म.सा.
2. विदुषी व्याख्यात्री महासतीजी श्री जयाकुंवरजी
म.सा.
3. सेवाभावी महासतीजी श्री मंजुला कुंवरजी म.सा.

आदि म.सा. (3)

चातुर्मास स्थल:—महावीर भवन-करही (म.प्र.)

सम्पर्क सूत्र:—श्री अमोलकचन्दजी छाजेड़
मु. पो करही (करी-कस्बा)

वाया बड़वाह—जिला खरगौन (म.प्र.) 451220
(प. निमाड़)

साधन—इन्दौर, रतलाम में बने मित्रता है।
धामनोद में एव बड़वाह में भी बसें मित्रता है।

5 हरमूद (मध्यप्रदेश)

- 1 विदुषी महामतीजी श्री सुजीला कुवरजी म मा
- 2 विदुषी महामतीजी श्री रजनाकुवरजी म मा
- 3 नवदीपिता महा श्री पिन्ना कुवरजी म मा
- 4 सेवामावी महा श्री मर्मपिता कुवरजी म मा
आदि म मा (4)

पता—श्री फनेहच दजी माण्ड, मेनगट
मू पा हरमूद फोन 24
जिला-बघववा 450116 (म प्र)

साधन—भुमावल, खण्डवा, इटागरी में सीधी ट्रेनें जाती है।

6 दहीसर (बम्बई)

- 1 विदुषी महामती श्री कचनकुवरजी म मा
- 2 व्याख्यानी महासती श्री रेवतीकुवरजी म मा
- 3 सेवामावी महामती श्री गीताकुवरजी म मा
आदि म मा (3)

पता—श्रीबावमाई गोगरी,
श्री वर्पमान स्यानववामी जैन मघ,
शिवगविन कम्पेकम,
एम बी राड,
मू पा दहीसर-बम्बई 400068 (महा)

साधन—एम बी रोड, दहीसर, बम्बई-400068
(महा)

7 परदेशीपुरा-इन्दौर (मध्यप्रदेश)

- 1 विदुषी महामती श्री जयवती कुवरजी म मा
- 2 व्याख्यात्री महामती श्री विजयवतीजी म मा
- 3 सेवामावी महामती श्री अज्ञानिकुवरजी म मा
आदि म मा (3)

पता व साधन—कमाक 2 के अनुसार

8 भारीजाणा (गुज)

- 1 पूग्य महामती श्री मुधाकुवरजी म मा

- 2 सेवामावी महामती श्री भानुबुवरजी म मा
- 3 विद्याभिलाषीणी महामती श्री चम्पाकुवरजी म मा
आदि म मा (3)

पता—श्री रायचन्द भाई भारमन गाह
मू पा भारीजाणा-361170
जिला जामनगर (गुज)

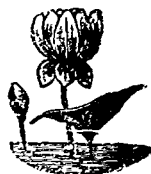
साधन—

कुल चातुर्मास सतों के	2	कुल सत	5
कुल चातुर्मास सतियों के	6	कुल सतीया	19
	8		24

कुल चातुर्मास 8 सत 5 सतियोंको 19 कुल ठाणा 24

सन-मती तुलनात्मक तालिका

विवरण	सत	सतियों
1985 में कुल ठाणा थे	5	19
+ नई दीक्षाएँ हुई	—	—
	5	19
—नालधम प्राप्त हुए	—	—
	5	19
1986 में कुल ठाणा हैं	5	19



स्वतंत्र सम्प्रदायों के अन्य संत सतियाँ ती

(ए) विद्वदरत्न श्री रामकृष्णजी म. सा. के
आज्ञा से

1. चांदनी चौक दिल्ली

1. विद्वद् रत्न जैन शासन सूर्य पं. रत्न श्री रामकृष्णजी म.सा.
2. सेवाभावी मुनि श्री शिवचंदजी म सा.
3. प्रवचन भास्कर श्री सुभद्रमुनिजी म सा.
4. सेवाभावी श्री रमेशमुनिजी म सा.
5. सेवाभावी श्री अरुण मुनिजी म.सा
आदि मुनि (5)

पता:—श्री श्वे. स्था. जैन श्रावक प्रबंधक समिति
1417 महावीर भवन (बरादरी) चांदनी चौक,
बैंक आफ इण्डिया के ऊपर दिल्ली-110006

कुल चातुर्मास 1 संत 5

(बी) स्व. आचार्य श्री घासीलालजी म. सा.
के सुशिष्य

2. बड़वाह (म.प्र.)

स्व. आचार्य आगमज्ञाता श्री घासी लाल जी
म.सा. के सुशिष्य.—
आगम ज्ञाता व्याख्यानी श्री कन्हैया लाल जी म.सा.

मुनि (1)

(सी) ज्ञानगच्छाधिपति तपस्वी राज श्री चम्पा-
लालजी म. सा. के सुशिष्य संत सतियाँ ती
(आज्ञा बाहर)

3. आबू पर्वत (राज.)

1. श्री त्रिलोक मुनिजी म ना.

मुनि (1)

4. कर्नाटक में योग्य स्थल (कर्नाटक)

1. श्री कंवरमुनिजी म.सा.

मुनि (1)

5. महाराष्ट्र में योग्य स्थल (महा.)

श्री भवर मुनि जी म. सा.

मुनि (1)

6. नोखामंडी (राज.)

श्री मागीलाल जी म. सा.

मुनि (1)

7. दिल्ली में योग्य स्थल (दिल्ली)

श्री रामेश्वर मुनि जी म. सा.

मुनि (1)

8. गुजरात में योग्य स्थल (गुज.)

श्री रामचन्द मुनि जी म. सा.

मुनि (1)

9. देशनोक (राज.)

महा श्री केसर कुँवर जी म. सा.

आदि म. सा. (2)

कुल चातुर्मास 7 संत 6 सतियाँ ती 2 कुल ठाणा 8

(डी) स्व. प्रवर्तक श्री हगामीलालजी म. सा. के
सुशिष्य-सुशिष्याएं

10. अजमेर (राज.)

1. मधुर व्याख्यानी श्री अभय मुनि जी म. सा.
2. सेवाभावी श्री छीतर मल जी म सा.

आदि मुनि (2)

पता.—श्री लक्ष्मीन्दु जैन दर्शन भण्डार, बड़ा स्थानक
लाखन कोटडी अजमेर (राज) 305001

11 अजमेर के आसपास (राज)
महासती श्री जतन बुचर जी म सा
आदि म सा (2)

12 अजमेर (राज)
महासती श्री कमला देवी जी म सा
म सा (1)

पता—गुर हगामी लाल जैन छात्रावास,
रामनगर, पुष्कर राड
अजमेर (राज) 305001

कुल चातुर्मास 3 सत 2 सतिया जी 3 कुल ठाणा 5

(इ) अहंत सघ के आचार्य श्री सुशीलकुमारजी
के सुशिष्य-सुशिष्याए

13 डिफेस कालोनी नई दिल्ली—
सेवाभावी श्री धम किर्ती जी म सा
मुनि (1)

पता—अहत् सघ, अहिमा विहार,
सी-599 चेतना मार्ग, डिफेस कालोनी,
नई दिल्ली 110024 फोन न 616688

14 शकर रोड—नई दिल्ली
व्याख्यानी श्री बन्तूर मुनि जी म सा
मुनि (1)

पता—अहत् सघ, अहिमा भवन
यू राजे द्र नगर, शकर रोड
नई दिल्ली-110060

15 के जी एक (फर्नाटक)
1 साध्वी श्री साधना जी म सा
2 साध्वी श्री गुरु छाया श्री जी म सा
आदि म सा (2)

पता—श्री एवे जैन स्थानक रोड
रायसा पट, के जी एक-
563122 (फर्नाटक)

16 अशोक पार्क—दिल्ली
1 वयोवृद्धा महा श्री राजकसी जी म सा
2 सेवाभाविनी महा श्री सरला जी म सा
आदि म सा (2)

पता—श्री अहम् सघ
अशोक पार्क नईदिल्ली-110001

17 तारैन्स रोड दिल्ली
1 साध्वी श्री सुधा जी म सा
2 साध्वी श्री पूजा जी म सा
आदि म सा (2)

पता—श्री अहम् सघ
तारैन्स रोड नई दिल्ली 110036

नाट—अहत् सघ के आचार्य एव विदेशा मे जैन धम
प्रचारक श्री सुशील कुमार जी म सा श्री
अमरेद्र मुनि जी म सा ठाणा 2

यू जर्सी अमरीका मे एव श्री सोभाग्य मुनि जी म सा
श्री दिनेशमुनिजी म सा
ठाणा—2 केलिफोर्निया म भ्रमण करने गये है।

कुल सत 2 सतियाजी 6 कुल ठाणा 8

नोट—साध्वी श्री साधनाजी के जी एक में मिफ 50 रोज
ही ठहरेगी फिर मद्रास आवेगी।

(एफ) अन्य सत सतियाजी

18 दिल्ली मे योग्य स्थल (दिल्ली)
श्री ज्ञान मुनिजी म सा
श्री जव मुनि जी म सा
आदि मुनि (2)

19 उदयपुर के आसपास (राज)
श्री केशव मुनि जी म सा
मुनि (1)

20 मेवाड मे (राज)
श्री चांद मुनि जी म सा
मुनि (1)

21. जोधपुर के आस पास (राज.)

श्री मगन मुनि जी म. सा.

मुनि (1)

जोधपुर में चार जगह अग-अललग विराजते हैं-

22. वयोवृद्धा महा. श्री वसुजी म. सा.

म. सा. (1)

23. वयोवृद्धा महा. श्री राजकुंवरजी म. सा.

म. सा. (1)

24. वयोवृद्धा महा. श्री विमल कुंवरजी म. सा.

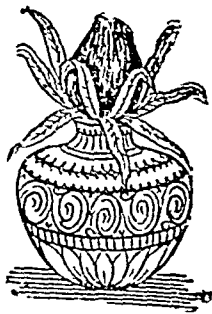
म. सा. (1)

25. वयोवृद्धा महा. ज्ञानकुंवर जी म. सा.

म. सा. (1)

कुल चातुर्मास संतों के	15	कुल मुनिराज	21
कुल चातुर्मास सतियों के	10	कुल सतियाँ जी	15
	—		—
कुल	25	कुल	36

कुल चातुर्मास 25 संत 21 सतियाँजी 15 कुल 36



स्वतंत्र सम्प्रदायों के कुल

कुल चातुर्मास संतों के	60	कुल मुनिराज	181
कुल चातुर्मास सतियों के	115	कुल सतियाँजी	555
	—		—
कुल	175	कुल	736

कुल चातुर्मास 175 संत 181 सतियाँजी 555 कुल ठाणा 736

स्वतंत्र सम्प्रदायों की
संत-सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियाँ
1985 मे कुल ठाणा थे + नई दीक्षाएं हुई	192 4	577 26
—	—	—
—कालधर्म प्राप्त हुए	196 1	603 11
—	—	—
—इस विभाग मे से दूसरे विभागो मे ट्रांसफर किये गये	195 18	592 37
—	—	—
—दूसरे विभागो मे से इस विभाग मे सम्मिलित किये	177 4	555 —
—	—	—
—	181	555
—	—	—
1986 मे कुल ठाणा है	181	555

विदेशों में जैन धर्म प्रचारक

1. सिद्धांचल न्यूजर्सी अमेरिका (U.S.A.)

1. अर्हत् संघ के आचार्य श्री सुशील कुमार जी म.
2. श्री अमरेन्द्र मुनि जी

पता—सिद्धांचल, R.D.No 4, BOX 374

Blairstown, न्यूजर्सी. 078250 (U.S.A)

phone— 201. 362-9793

-9830

2. कैलिफोर्निया (U.S.A.)

1. श्री सोभाग्य मुनि जी म.
2. श्री दिनेश मुनि जी म

आदि (2)

पता- Acharya Suhsil Jain Meditaion centre

3/25 E ocean Blvd Long Beach

california 90803 (U.S.A)

Phone—213-438-8368

उपाध्याय कवि रत्न

श्री केवल मुनिजी महाराज का

रोचक एवं महत्त्वपूर्ण साहित्य

	मूल्य		मूल्य
जैन दिवाकर (जीवन चरित्र)	3-00	सगम	5-00
		भटका पक्षी नीड पाया	5-00
		अकम्प दीप	5-00
कहानियां		वीसा बोली	5-00
पुनर्मिलन (अप्राप्य)	2-00	एंकाक्षी	6-00
परिवर्तन	3-00	काच का दरवाजा	6-00
छाया	6-00	भाग्य जाग उठा	6-00
दो आंसू	5-00	निराली	6-00
निक्षीय के नक्षत्र	5-00	स्नेह सरिता	6-00
फिर दीप जले	5-00	वचन का तीर	6-00
		तू डाल-डाल मै पात-पात	8-00
उपन्यास		नौमंजिला महल	(प्रकाशनाधीन)
साधना	5-00	निबन्ध	
उद्बोधन	5-00	काटो की छाया	5-00
अंधेरा उजाला	4-00	जीने की कला	6-00
हार जीत	4-00	दिव्य आलोक	6-00
सोने के कंगन	6-00	नाटक	
कुवलय माला	5-00	भैया क्षमा करना	(प्रकाशनाधीन)
राग-विराग	4-00	पापा सच कहते हैं	6-00
जीवन के रंग	4-00	चार भाई चार मित्र (पद्य)	
चतुर परीक्षक	4-00	सोने के कंगन	
धूप-छाव	4-00	जैन दिवाकर स्मृति ग्रंथ	30-00
उज्ज्वल रेखा	5-00	मगल ज्योति	1-50
छोटी सी बात	5-00	मुक्तक	
यात्री	5-00	अमृत की बूदे	3-00
आसू बन गये मोती	5-00	प्राप्ति स्थान—	
दो हंस	4-00	श्री जैन दिवाकर कार्यालय	
भूला राही-घर आया	5-00	महावीर बाजार, व्यावर (राज.)	
आखिरी खेल	5-00		

सुलेखक प्रवर्तक श्री रमेश मुनिजी म सा का महत्त्वपूर्ण साहित्य

- 1 मुनि द्वय अभिताम्य प्रथम
- 2 मुनि श्री प्रताप अभिताम्य द्वय
- 3 जैन दिवाकर सम्मन्ता के आचार्य
- 4 कर्णिकर केवरी जीवत द्वय
- 5 तथा कर्णिकरदत्तो म जीवत द्वय
- 6 न महावीर का पावन प्रयोग
- 7 तपस्वी वसन्त मुनि जीवत द्वय
- 8 पूज्य कर्णिकरदत्तो म जीवत द्वय
- 9 विद्वान के आचार्य म
- 10 विद्वान के मुकुट स्वर
- 11 विधि के विधाय (उपचार)
- 12 कर्णिकर का राम (उपचार)
- 13 मानव महिनी महा मर्णिकी
- 14 ध्यानित्य के प्रति विषय
- 15 दिवाकर दिव्य मुक्ताकर
- 16 प्रताप मुक्तामणि
- 17 प्रताप मुनि स्मृति स्मारिका
- 18 हीरक स्मारिका
- 19 चार एकाका
- 20 पन्नाथ मन्त्र (गौतम मुनि प्रथम)
- 21 प्रताप प्रस्तावर मन्त्र (गौतम मुनि प्रथम)
- 22 प्रताप कथा कामुनी भाग 1 से 18 तक
- 23 गौतम व मागी (प्रेम म)
- 24 गौतम के मागी (प्रेम म) मुनि गौतम प्रथम

प्रवर्तक श्री रमेश मुनिजी जीवत द्वय

प्राप्ति स्थल

प्रकाशक-श्री प्रताप मुनि ज्ञानाश्रम

स्टेशन रोड

मु. पो. वही गादही तिला बिलीरगढ़

(राज.) J12403

30 नवंबर 1986

पुस्तक संख्या- 1000 से 10000 तक, न
या के अलावा विभिन्न पुस्तकें व
उपहार से शक्ति प्राप्त होगी

पोरवाल

होम

इन्डस्ट्रीज

3, मालमज चौक, इरौर (म.प्र.) 452002

प्रो० लक्ष्मण मधुसूतल जैन देवरी वालें

मात्र-रुका हूँ हूँ मुझे निरर्थक, विद्या निरर्थक, निर्णी
हूँ, विद्या धर्मिता विद्या स्वयं मताया सादि
हय समय तैयार मिलता है





वृहद् गुजरात सम्प्रदायें

समग्र जैन समाज के पूज्य साधु-माध्वियों के
1986 वर्ष के चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य
तप की आराधना से सील्लामपूर्ण
वात्सावरण में सम्पन्न होने की
मंगल कामना करते हुए

हार्दिक शुभकामनाओं सहित



चन्द्रकान्तभाई भणशाली

1002 प्रसाद घेम्पसं
ओपेरा हाउस, घम्पई-100001

फोन 386648-361532

संत समुदाय

1. वड़ीया (गुजरात)---

1 तप सम्राट श्री रतीलालजी म. सा.

2. सेवाभावी श्री राजेन्द्र मुनिजी म. सा

आदि मुनि (2)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन सघ,

जैन पाठशाला , मु. पो. वड़ीया-364480

जिला भावनगर (गुज.)

साधन:—भावनगर , अमरेली, राजकोट, धारी, गोडल,
धोराजी, अहमदाबाद से बसे जाती है ।

2. पेटरबार (बिहार)

1. परम दार्शनिक श्री जयन्ती लाल जी म. सा.

मुनि (1)

पता:—श्री जैन भवन, मु. पो. पेटर बार,

जिला गिरीडीह (बिहार) 829121

साधन—पूर्व रेल्वे के कटनी चितरंजन भाग से गिरीडीह
रेल्वे स्टेशन उतरे वहाँ से बसे जाती है ।

3. जम्मू (J. & k.)

1 वाणी भूषण श्री गिरीश मुनि जी म. सा.

2. सेवाभावी श्री जिग्नेश मुनि जी म. सा.

आदि मुनि (2)

पता:—श्रीमंत्री, एस एस. जैन सभा,

जैन स्थानक, जैन बाजार,

जम्मू तवी 180001 (जम्मू-काश्मीर)

साधन—देश के हर कोने के बड़े शहरो से सीधी ट्रेन जाती
है । ठहरने की व्यवस्था आनन्द ऋषिजी भवन, विमल
मुनि रोड, (राणी तलाब) जम्मू मे है ।

4. गोंडल (गुज.)

1. मधुर व्याख्यानी श्री जसराज जी म. सा.

2. स्पष्ट वक्ता श्री कान्ती मुनि जी म. सा.

3 सेवाभावी श्री देवेन्द्र मुनि जी म. सा.

4. सेवाभावी श्री प्रकाश मुनि जी म. सा.

आदि मुनि (4)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन संघ

पूँजाणी पोषधशाला,

गोडल-360311 (गुज) राजकोट

साधन:—राजकोट, सुरेन्द्र नगर, अहमदाबाद, जूनागढ
लिम्बडी , जामनगर, विरमगाँव से सीधी ट्रेन मिलती
है ।

5. जामनगर (गुज.)

1. व्याख्यानी श्री जनक मुनि जी म. सा.

2. सेवाभावी श्री मनोहर मुनि जी म. सा.

आदि मुनि (2)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन संघ

जैन उपाश्रय, मु. पो. जामनगर (गुज) 361001

साधन:—राजकोट लिम्बडी अहमदाबाद, विरमगाँव,
ढसा पोरबन्दर से ट्रेन मिलती है ।

6. सांगली के पास (महा.)

1 मधुर वक्ता श्री जगदीश मुनि जी म. सा.

2. सेवाभावी श्री शान्ती मुनि जी म. सा.

आदि मुनि (2)

7 आषाढी (महाराष्ट्र) -

1 तत्व जिज्ञासु श्री हंसमुख मुनिजी म सा

मुनि (1)

पता -श्री नदकिशार बस-तीलान जैन,
मुपो अनवार्डी या येवना
जिला नासिक (महाराष्ट्र)-423401

साधन -जलगॉव, नामिक, मनभाड, येवला, अहमदनगर,
पाचोरी से सीधी बसें जाती है।

8 सिद्धपुर (गुज) -

1 श्री हरिश्च मुनि जी म सा

मुनि (1)

(लिम्बडी सधवी सम्प्रदाय के श्री दिनेश मुनिजी
म के साथ मे कुल ठाणा 2)

पता -श्री जयन्तीलाल सुदरजी भाई,
जूना गज बाजार सिद्धपुर
जिला बनास वाठा (उ गुजरात)

साधन -मेहमाणा, पालनपुर, अहमदावाद, कलोल,
वनास वाठा से बस जाती है।

9 बालोतरा (राज) -

1 व्याख्यानो श्री धीरज मुनि जी म सा

(श्री ज्ञान गच्छ सम्प्रदाय के
श्री सीभाग्यमलजी म सा की मेवा मे)

मुनि (3)

पता -श्री धनराजजी चौपडा मनी, श्री व स्था जैन
श्रावक सध

मुपो बालोतरा जिला बाडमेर (राज) 344022

साधन -जोधपुर, समदडी, वाडमेर, जैसलमेर, मारवाड
जक्शन सोजत से सीधी ट्रेन जाती है।

महासतिर्याजी समुदाग

10 राजकोट प्रह्लाद प्लाट (गुज)

1 वयावडा महा श्री समर्थ वाई म सा

आदि म सा (3)

पता -श्री श्याम वामी जैन मध,

सधाणी जैन सध उपाश्रय, प्रह्लाद प्लोट शेरीन 17,
राजकोट-360001 (गुज)

साधन -पर के विरम गांव हापा मेन लाइन पर स्टेशन
है। चम्बर्ट, अहमदावाद, सुरेद्र नगर, जामनगर,
लिम्बडी से सीधी ट्रेन मिलती है।

11 राजकोट (गुज) -

1 महा श्री नवल बाई म सा

2 महा श्री पुष्पावाई म सा

आदि म सा (7)

पता -श्री स्थानक वासी जैन सध, रेवा विहार,
6, धमजीवी सोसायटी, राजकोट-360001
(गुज)

साधन -श्रमाक 10 के अनुसार-

12 उपलेटा (गुजरात) -

महा श्री कुंदा बाई म सा

आदि म सा 6

पता -श्री स्थानक वासी जैन सध, जैन उपाश्रय,
मुपो उपलेटा
जिला-राजकोट-460490 (गुज)

साधन -राजकोट, जामनगर, सुरेद्र नगर से बसें जाती है।

13 जामनगर (गुजरात) -

1 विदुषी महा श्री वखतवाई म सा

1 महा श्री प्रभावाई म सा

आदि म सा (8)

पता -श्री स्थानकवासी जैन, मध,
जैन उपाश्रय, बैंक कॉलोनी,
जामनगर (गुज)-361001

साधन -राजकोट, निम्बडी, अहमदावाद, विरमगाव,
ठसा पोरबन्दर से ट्रेन जाती है।

14 बलकत्ता (प बगाल) -

1 विदुषी रत्न महा श्री हीरावाई म सा

आदि म सा (9)

पता.—श्री स्थानक वासी जैन संघ, गुजराती, जैन स्थानक,
27, पोलीक स्ट्रीट,
कलकत्ता (प.बंगाल)-700001.

साधन.—देश के हर कोने से ट्रेन जाती है।

15. कालावड-शितला (गुजरात):—

1. विदुषी महा. श्री इन्दूबाई म.सा.

आदि म.सा. (5)

पता —श्री स्थानकवासी जैन संघ,
मु पो कालावड-शितला-361160.
जिला-जामनगर (गुजरा)

साधन —जामनगर, घोराजी, पड़घरी, जूनागढ, राजकोट,
अहमदाबाद से बसे जाती है।

16. बगसरा (गुजरात):—

1. विदुषी महा. श्री दयाबाई म सा.

आदि म.सा. (5)

पता —श्री स्थानकवासी जैन उपाश्रय,
मु पो बगसरा-364440
जिला-अमरेली (गुजरात).

साधन —ढसा, घोराजी, अमरेली, राजकोट, जूनागढ,
जेतपुर से बसे जाती है।

17. ध्रोल (गुज.):—

1. विदुषी महा. श्री हँसाबाई म सा. 'मोटा'

आदि म.सा (2)

पता:—श्री स्था. जैन उपाश्रय,
मु.पो. ध्रोल-362210 (गुज).

साधन.—राजकोट, सुरेन्द्र नगर, जामनगर से बसे जाती है।

18. मलाड-बम्बई (महा.):—

1. विदुषी महा श्री हंसा बाई म सा (नाना),

आदि म.सा. (2)

पता—श्री दशा श्रीमाली नगर,
नर्सिंग लाइन एन.एन. हाई स्कूल के सामने,
मलाड (वेस्ट)
बम्बई-64 (महा)

साधन —देश के हर बड़े शहरो से ट्रेन जाती है। बोरीवली
से चर्चगेट वाली लोकल ट्रेन से मलाड उतर सकते है।

19. राजकोट (गुज.):—

1. वयोवृद्धा महा. श्री चंपाबाई म.सा.

2. महा. श्री विमला बाई म.सा,

आदि म.सा. (2)

पता —श्री स्थानकवासी जैन उपाश्रय,
सदर उपाश्रय,
राजकोट-360001 (गुज)

साधन:—क्रमांक 10 के अनुसार

20. राजकोट (गुज.):—

1. वयोवृद्धा महा. श्री शान्ता बाई म.सा.

आदि म.सा. (3)

पता —श्री स्थानक वासी जैन उपाश्रय,
जक्शन प्लोट,
राजकोट-360001 (गुज)

साधन —क्रमांक 10 के अनुसार

21. राजकोट (गुजरात):—

1. वयोवृद्धा महा श्री हीराबाई म.सा. (मोटा)

आदि म.स. (5)

पता.—श्री स्थानकवासी जैन पोषध शाला,
बोघाणी शेरी,
राजकोट-360001 (गुज.)

22. राजकोट (गुजरात):—

1. महासतीजी श्री इन्दू बाई म सा.

आदि म.स (6)

पता.—श्री स्थानकवासी जैन पोषधशाला,
रेसकोर्स, श्रेयाश सोसायटी,
राजकोट-360001 (गुज)

साधन:—क्रमांक 10 के अनुसार

23. जामनगर (गुजरात):—

1. वयोवृद्धा महा श्री धन कुँवर जी म.सा

आदि म.म. (1)

- पता—श्री म्या जैन उपाध्य, मु पा जामनगर-360001 (गुज)
- 24 माडवी चौक राजकोट (गुजरात) -
1 वयावृद्धा महा श्री जैकुंवरदाई म सा
आदि म मा (4)
- पता—श्री म्यानकवासी जन उपाध्य,
माडवी चाक उपाध्य,
राजकोट-360001 (गुज)
- 25 भावनगर कृष्णनगर (गुजरात) -
1 महासतीजी श्री वनिता बाई म सा
आदि म मा (5)
- पता—श्री म्यानकवासी जैन मध,
गामानिया पापघशाला, मेधाणी मक्कन,
कृष्ण नगर भावनगर (गुज) 364001
साधन—सुरद्र नगर, अहमदाबाद, मूरत, राजकोट,
वाटाद मे सोधी ट्रेन बस जाती है ।
- 26 धधुका (गुज) -
महासतीजी श्री निमला बाई म सा
आदि म मा (6)
- पता—श्री म्यानकवासी जन मध,
मु पा धधुका-382460
जिला-अहमदाबाद (गुजरात)
साधन—अहमदाबाद, वोटाद, पारवदन, भावनगर,
बेरावन म सोधी ट्रेन जाती है ।
- 27 पालियाद (गुज) -
महामनीजी श्री ललिताबाई म सा
आदि म मा (5)
- पता—श्री म्यानकवासी जैन मध, जैन उपाध्य,
मु पो पालियाद वाया वाटाद
जिला भावनगर (गुजरात) 364720
साधन—अहमदाबाद पालानाणा, राजकोट, भावनगर
स बसें जाती है ।
- 28 भाणवड (गुज) -
महासतीजी श्री प्रफुल्ला बाई म सा
आदि म मा (4)
- पता—श्री म्यानकवासी जैन उपाध्य,
मु पा भाणवड-360510
जिला-राजकोट (गुज)
साधन—राजकोट, भावनगर, वोटाद, अहमदाबाद स
मीधी म जाती है ।
- 29 सालपुर (गुजरात) -
महामतीजी श्री हर्षिदा बाई म सा
आदि माणा (5)
- पता—श्री म्यानकवासी जैन मध, जैन उपाध्य,
मु पा लानपुर-301170
त कानानुम
जिला-जामनगर (गुज)
साधन—जामनगर, सुरेद्रनगर, राजकोट से बसें जाती है ।
- 30 जामनगर (गुजरात) -
महामतीजी श्री लाल कुंवरजी म सा
आदि म मा (3)
- पता—श्री म्यानकवासी जैन मध “मुवास”
रणजीन नगर श्रीनिवास कॉलोनी, शेरों न 2
मुमेर क्लब रोड,
जामनगर-361005 (गुजरात)
- 31 घाटकोपर-बम्बई (महाराष्ट्र) -
1 विदुषी महा श्री भानुदाई म सा
आदि म सा (2)
- पता—श्री व म्या जैन धावक मध,
जागरा रोड, श्रेयाशतटॉनीज के पीछे, गाडन स्टार्टिंग,
सघाणी इस्टे घाटकापर (वेस्ट) बम्बई 86
- 32 पाटण (गुज) -
महामनीजी श्री ज्योती बाई म सा
आदि म मा (3)

पता—श्री दरियापुरी स्थानकवासी जैन संघ,

उभी बाजार,

मु.पो. पाटण-384265

जिला-मेहसाणा, (गुजरात)

साधन:—प.रे. के मेहसाणा, काकोसी, मेत्राणा रोड मार्ग के बीच में स्टेशन है।

. बीलखा (गुज.):-

महासतीजी श्री कनकलताबाई म सा

आदि म.स (5)

पता—श्री स्थानकवासी जैन संघ,

मु पो. बिलखा-362110,

जिला-राजकोट (गुज)

साधन:—राजकोट, जामनगर, भावनगर, सुरेन्द्रनगर से बस जाती है।

. जूनागढ़ (गुज.):-

वयोवृद्धा महा श्री चम्पा कुँवर जी म सा.

आदि म.स. (2)

पता—श्री स्थानकवासी जैन संघ,

उपरकोट, जूनागढ़ (गुज) 362001

साधन:—पश्चिम रेलवे में राजकोट-वैरावल एवं जनागढ़ रुट पर स्टेशन है।

. खंभात (गुजरात):-

महासतीजी श्री सविताबाई म सा

आदि ठाणा (6)

पता—श्री स्थानकवासी जैन संघ,

जैन उपाश्रय,

मु पो खंभात,

जिला-खेड़ा (गुज)-388620

साधन:—प रे के आणन्द खंभात में लाइन पर स्टेशन है गोधरा नडियाद अहमदाबाद से भी सीधी ट्रेन जाती है।

36. गोंडल (गुज.):-

महासती जी श्री विजया बाई म.सा

आदि ठाणा (5)

पता—श्री स्थानकवासी जैन पोषध शाला,

भोजराजपुरा,

मु पो. गोंडल-361311.

जिला-राजकोट (गुज.)

साधन:—राजकोट, सुरेन्द्र नगर, अहमदाबाद, जूनागढ़, लिम्बडी, जामनगर, गाँधीनगर, विरम गाँव से सीधी ट्रेन।

37. ढसा जंक्शन (गुज.):-

महासतीजी श्री इन्दुबाई म सा

आदि म.स. (3)

पता—श्री स्थानक जैन संघ,

मु पो ढसा जंक्शन-394740

जिला-भावनगर (गुजरात)

साधन—भावनगर, अहमदाबाद, सुरेन्द्रनगर, राजकोट, जेतलसर, धोराजी, पोरबन्दर, विरम गाव से भी सीधी ट्रेन। बसे भी जाती है।

38. मलाड़-बम्बई (महा.):-

महासती जी श्री अनिला बाई म सा.

आदि म.स (4)

पता—श्री व स्था जैन धर्म स्थानक,

मामलतदार वाडी, क्रोस रोड न. 1

मालाड (वेस्ट) बम्बई-400064 (प.रे)

साधन—चर्चगेट बोरीवली वोकण ट्रेन से मरवाड़ उतरे।

३९. आणन्द (गुज.):-

महासती जी श्री जयाबाई म सा

आदि म.स. (5)

पता—श्री स्थानकवासी जैन संघ,

मु पो आणन्द-388001

जिला-खेड़ा (गुज.)

साधन—बम्बई, अहमदाबाद, (वेस्टर्न रेलवे) मुख्यमार्ग पर रेलवे स्टेशन है। सभी गाडियाँ ठहरती हैं।

40 जूनागढ़ (गुज) -

महामतीजी श्री गुलाम कुँवरजी म सा

आदि म सा (6)

पता -श्री स्थानववासी जैन मघ,

उपर कोट पोपणशाला,

जूनागढ़ (गुज)

साधन -उपरान्त

41 राजकोट (गुजरात) -

महामतीजी श्री वाता वार्डे म सा

आदि म सा (3)

पता -श्री स्या जैन पापघ गाला

वापानी मेरी (राजकोट)-360001 (गुजरात)

साधन -श्रमाक 10 के अनुसार

42 राजकोट (गुज) -

महासतीजी श्री भानुबाई म सा

आदि म सा (1)

पता -श्री स्या जैन उपा 1य,

आनन्द नगर सामायटा उपाश्रय,

राजकोट-360001 (गुज)

साधन -श्रमाक 10 के अनुसार

43 धनबाद (बिहार) -

महासतीजी श्री प्राण कुँवर बाई म सा

आदि म सा (5)

पता -श्री श्रवताम्बर स्थानववासी जैन स्थानन

जैन भवन, फाटक बाजार मु पा

धनबाद-826001 (बिहार)

44 हैबराबाद (आंध्रप्रदेश)

महामतीजी श्री ललिता बाई म सा

आदि म सा (10)

पता -श्री स्थानववासी जैन सघ,

जैन भवन, 3 5-141/2-ए रामकाट

इडनबाग, हदरावा द-500001 (आ प्र)

फोन न 57749

माया -श्रम्वई, बगलार, मद्राम, रायपूर, पूना, शानापुर,
अजमेर, रतनाम, पण्डवा, आरगाबाद, अहमदाबाद
म गीधी ट्रेन आती है ।

45 मद्रास (तमिलनाडु)

महामतीजी श्री तन्नावाड म सा

आदि म सा (6)

पता -श्री व स्थानववासी जैन श्रावक सघ,

46 सावर कुण्डला (गुजरात)

महामतीजी श्री गुप्पाबाई म सा

आदि म सा (5)

पता -श्री स्थानववासी जैन सघ, जैन उपाश्रय,

मु पा सावर कुण्डला-364515 (गुज)

साधन -प रे के महुआ-दमा लाइन पर स्टेशन है । भाय
नगर, अमरली, ताठी, जूनागढ़ मे भी सीधी बस
जाती है ।

47 धारो (गुजरात)

महामतीजी श्री मुक्ताबाई म सा

आदि म सा (8)

पता -श्री स्थानववासी जैन सघ,

जैन स्थानव, मु पा धारो

जिला राजकोट (गुज) 364640

साधन -राकोट, जनागर, जामनगर, गौदन, सुरेद्रनगर
मे बस जाती है ।

48 बीसाबदर (गुजरात)

महासतीजी श्री रूपलबाई म सा

आदि म सा (3)

पता -श्री स्थानववासी जैन सघ, जैन उपाश्रय,

मु पा बीसाबदर-362130 (गुजरात)

साधन -राकोट, सुरेद्रनगर मे बस जाती है ।

49 चावरा (राजस्थान)

महामतीजी श्री प्रभाबाई म सा

आदि म सा (3)

पता.—श्री कुन्दनमलजी खीवसरा,

पो बावरा, जिला पाली 306101 (राज)

साधन:—पाली, सोजत, जेतारण, नागौर, जोधपुर, मेडता, जालौर से सीधी बसें ।

. वेरावल (गुजरात)

महासतीजी श्री भद्राबाई म.सा.

आदि म.सा (6)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन संघ,

स्टेशन रोड, वेरावल-362265

जिला-जूनागढ़ (गुज.)

साधन.—धारी, जूनागढ़, राजकोट, अमरेली, भावनगर, सुरेन्द्रनगर, अहमदाबाद से ट्रेन जाती है । बसों का अच्छा प्रबन्ध ।

. खांभा (गुजरात)

महासतीजी श्री सन्मतीबाई म सा

आदि म सा (5)

पता —श्री स्थानकवासी जैन संघ,

मु.पो खभा-364650

वाया-चलाला, जिला अमरेली (गुज)

साधन —अमरेली, चलाला, जूनागढ़, राजकोट, भावनगर, ठसा, गोंडल, लिम्बडी से सीधी बस जाती है ।

. धोराजी (गुजरात)

महासतीजी श्री सुमतीबाई म सा

आदि म सा (6)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन संघ,

मु पो धोराजी-360410

जिला-राजकोट (गुज.)

साधन —धोल, जेतलसर, जाम जोधपुर, पोरबन्दर रूट पर रेल्वे स्टेशन है ।

. बालासोर (ओरीस्सा)

महासतीजी श्री दर्शनाबाई म.सा.

आदि म.सा (2)

पता —

साधन.—

54. ब्यावर (राज.)

महासतीजी श्री वसुमतीबाई म.सा.

आदि म.सा. (3)

पता —श्री व स्था जैन श्रावक संघ

पिपलिया बाजार, ब्यावर (राज.) 305901

साधन:—प रे. के दिल्ली-अहमदाबाद मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है । सभी ट्रेन रुकती है । राजस्थान के हर बड़े शहरों से बसे उपलब्ध है ।

55. बैंगलौर-चिकपेट (कर्नाटक)

महासती श्री लीलमबाई म सा.

आदि म.सा. (5)

पता —श्री व. स्था जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक,

चिकपेट, बैंगलौर-560053 (कर्नाटक)

साधन.—बम्बई, मद्रास, मैसूर, भोपाल, पूना, शोलापुर, दिल्ली से सीधी ट्रेन । रेल्वे स्टेशन से रिकशा से चिकपेट उतरे वहाँ गली में स्थानक है ।

56. अमरेली (गुजरात)

महासतीजी श्री समजुबाई म सा.

आदि म.सा. (2)

पता —श्री स्थानकवासी जैन संघ,

मु पो अमरेली-364601 (गुज.)

साधन —धारी, वीसावदर, तलाला, वेरावल, देलवाड़ा, जूनागढ़ से सीधी ट्रेन ।

57. थानगढ़ (गुजरात)

महासतीजी श्री उषाबाई म सा.

आदि म.सा. (5)

पता —श्री स्थानकवासी जैन संघ,

मु.पो थानगढ़-363550

जिला-सुरेन्द्रनगर (गुज.)

साधन —सुरेन्द्रनगर, मोरवी, राजकोट, लिम्बडी, चौटीला, अहमदाबाद से सीधी बसे जाती है ।

- 58 माणेरपुर-वसई (महा)
महामतीजी श्री नानगीनबाई म मा
वादि म मा (5)
पना श्री व स्या जैन धावक मघ,
स्टेशन राड, गुजराती स्कूल पामे,
माणेरपुर-वसई स्टेशन रोड (महा) (वेस्टन गेल्ब)
- 59 ऊना (गुजरात)
महामतीजी श्री नवावाई म मा
आदि म मा (3)
पना -श्री स्यानकवामी जैन मघ, जैन उपाश्रय,
मु पा ऊना (गुज)
- 60 राजकोट (गुजरात)
महामतीजी श्री माधनावाई म मा
आदि म मा (3)
पना -श्री स्यानकवामी जैन उपाश्रय, महावीर नगर,
राजकोट-360001 (गुज)
- 61 राजकोट (गुज)
महामतीजी श्री उमिनावाई म मा
आदि म मा (2)
पना -श्री स्यानकवामी जैन मघ
मदर उपाश्रय, राजकोट-360001 (गुज)
- 62 लीलीया मोटा (गुजरात)
महासतीजी श्री ममजूबाई म मा
आदि म मा (2)
पना -श्री स्यानकवामी जैन मघ,
जैन उपाश्रय लीलीया मोटा (गुज)
- 63 जामनगर (गुज)
महामतीजी श्री नवावाई म मा
आदि म मा (1)
पना -श्री स्यानकवामी जैन मघ,
वारियानो डेलो, जामनगर (गुज)
- 64 जमनानगर (हरियाणा)
महामतीजी श्री सवितावाई म मा
आदि म मा (2)
पना -एस एम जैन सभा,
मु पो जमनानगर (हरियाणा) मा
- 65 बगलौर (कर्नाटक)
महामतीजी श्री भारतीबाई म मा
आदि म मा (4)
पना -श्री व स्या जैन धावक मघ,
तुखिया भवन, बैंगलौर (कर्नाटक)
साधन -ब्रम्हट्टे, गुटबल, टुदराबाद, भोपाल, पूना, मद्रास,
रायचूर, मीरज, मागली, मे मीधी ट्रेन जाती ह ।
- 66 राजकोट (गुजरात)
महामतीजी श्री उमिनावाई म मा
आदि म मा (2)
पना -श्री स्यानकवामी जैन पायधशाला,
मदर उपाश्रय, राजकोट (गुज) 360001

ॐ

कुल चातुर्मास सतों के	9	कुल सत	18
" " सतिपाों के	57	कुल सतिपांजी	242
कुल	66	कुल	260

कुल चातुर्मास 66 सत 18 सतिपांजी 242 कुल ठाणा 260



संत सती तुलनात्मक तालिका

र	संत	सतियाँजी
85 में कुल ठाणा थे	18	241
नई दीक्षायें हुईं	1	7
	---	---
	19	248
कालधर्म प्राप्त हुए	1	1
	---	---
	18	247
लिस्ट में नाम नहीं है	---	5
	18	242
86 में कुल ठाणा हैं	18	242

—श्री गोंडल मोटा पक्ष की चातुर्मास सूची हमें जो प्राप्त हुई है वह बिलकुल अधूरी है उसमें ठाणाओं की संख्या कहीं पर भी नहीं दी है सिर्फ म.स का नाम जरूर लिखा है कि अमुक गाँव में इनका चातुर्मास है। लास्ट में कुल जोड़ लगा दिया कि कुल ठाणा 242 हैं। हम किसको कितना ठाणा लिखें टोटल कैसे मिलावें समस्या खड़ी हो गयी है। हमने इस सम्प्रदाय की सभी महासतियाँजी म.सा. के आगे जो ठाणा लिखे हैं कल्पना से ही लिखे हैं अतः हमारी विवशता को ध्यान में रखकर आप सुधार कर पढ़ें। कहीं कोई यह नहीं सोचें कि हम ज्यादा थे, कम लिख दिया हमने पूरा प्रयत्न किया कि पूरी सूची मिले, पाँच-पाँच पत्र, एक तार देने के बाद भी पूरी सूची हमें प्राप्त नहीं हुई अतः हमें क्षमा करें और आशा करता हूँ कि भविष्य में श्री गोंडल सरक्षण कमेटी के पदाधिकारी सही सूची भिजवाने की कोशिश अवश्य करने की कृपा करावें।—सम्पादक



अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् बम्बई के महामंत्री श्री मुञ्जालाल लोढ़ा 'मनन' पाली (राज.) के हार्दिक हृदय उद्गार—

मैंने स्थानकवासी जैन श्रमण सघ को सुदृढ़ बनाने के विषय में व सामाजिक कुरूपतियों एवं श्रावक संघों को संगठित करने के लिए काफी लेख लिखे हैं। अब मेरी अवस्था 72 वर्ष की है इसलिए मेरी जैसी भावना है वैसी सेवा करने में अब असमर्थ हूँ फिर भी जहाँ तक संभव होगा सेवा करने की हार्दिक सद्भावना रखने की वीर प्रभू से प्रार्थना करता हूँ। मैंने जो लेख आदि दिये हैं उसमें व्यक्तिगत किसी का भी नाम व आक्षेप रूप में नहीं लिखे हैं। फिर भी किसी साधु-साध्वीजी का या श्रावक श्राविका का या चतुर्विध श्री सघ की मेरे द्वारा कुछ कटु शब्दों से आत्मा में ठेस पहुँची हो तो आज मैं शुद्ध आन्तरिक हृदय से सभी से क्षमा याचना करता हूँ। आप सबका शुभआशीर्वाद सदा बना रहे यही मेरी हृदय की सच्ची कामना है।

जैन धर्म के बारे में कोई भी साहित्य प्रकाशित करावे उसमें सबसे पहले "नवकार महामंत्र" जरूर लिखने का प्रयत्न करें। यह हमारा जैन धार्मिक महामंत्र है। जेनेतर समाज में भी पहले उनके धर्म के प्रतीक का नाम लिखा जाता है तो फिर हम क्यों नहीं लिखते हैं प्रयत्न अवश्य करें। जो भी जैन साहित्य लिखा जावे उसमें सर्व प्रथम नवकार मंत्र अवश्य लिखें।

—सम्पादक

रोचक, धार्मिक, बाल युवा चरित्र निर्माता की कहानियाँ
—की मासिक पत्रिका—



नूतन जैन पत्रिका

अवश्य पढ़ें

वार्षिक शुल्क 20/-
सेम्पल कापी 2/-

—डाक टिकट भेजकर मगवाइए

सम्पादक—नूतन जैन पत्रिका

बी-8-426—लुधियाना—141008

सत समुदाय

1 जेतपुर (गुजरात)

- 1 गादीपती, प रत्न, श्री चुन्नोत्तालजी म सा
- 2 सेवाभा श्री निरजन मुनिजी म सा
- 3 सेवाभावी श्री जेतन मुनिजी म सा

आदि मुनि (3)

पता—श्री जेतपुर स्थानकवासी जैन लिम्बडी सघ,
जैन उपाश्रय, महादेव शेरी,
जेटपुर-360370
बापा गोडल जिला राजकोट (गुज)

साधन—परे के धोला, जेतलसर, पीरवदर लाइन पर
रेल्वे स्टेशन है।

2 लाकडिया (गुजरात)

- 1 मधुर व्याख्यानी श्री नृसिंह मुनिजी म सा
- 2 उग्र तपस्वी श्री रामचन्द्रजी म सा
- 3 सेवाभावी श्री ललितचन्द्रजी म सा
- 4 सेवाभावी श्री नेमीचन्द्रजी म सा
- 5 विद्याभिलाषी श्री प्रकाशचन्द्रजी म सा
- 6 सेवाभावी श्री विरागचन्द्रजी म सा

आदि म सा (6)

पता—श्री स्थानकवासी छ कोटी जैन सघ,
मु पो लाकडिया-370195
जिना भुज कच्छ (गुजरात)

साधन—परे के गाधीधाम पालनपुर हट पर रेल्वे
स्टेशन है।

3 लिम्बडी (गुजरात)

- 1 गरलस्वभावी श्री लाभचन्द्रजी म सा
(भारीक वारण)

मुनि (1)

पता—सेठ श्री नानजी डगरमी स्था मोटा उपाश्रय जैन सघ
टाकी पामे, मु पा लिम्बडी-363421
जिला सुरेद्रनगर (गुजरात)

साधन—परे के सुरेद्रनगर, भावनगर में लाइन पर
रेल्वे स्टेशन है।

4 रव कच्छ (गुजरात)

- 1 वाणीभूषण प रत्न श्री भावचन्द्रजी म सा
- 2 सेवाभावी श्री विमलचन्द्रजी म सा
- 3 सेवामूर्ति श्री शान्तिचन्द्रजी म सा
- 4 महान वैरागी श्री विदेकचन्द्रजी म सा

आदि मुनि (4)

पता—श्री स्थानकवासी छ कोटी जैन सघ,
मु पो रव-370165

तालुका रापर (पूर्व कच्छ) जिना भुज (गुज)

साधन—भुज, लाकडिया, रापर, सामखियारी में बस द्वारा।

5 मुवई-कच्छ (गुजरात)

- 1 प रत्न, सुलेखक श्री भास्कर मुनिजी म सा
- 2 विद्याभिलाषी श्री धर्मेशचन्द्रजी म सा
- 3 प्रिय व्याख्यानी श्री परिमलचन्द्रजी म सा
- 4 तत्त्वचिंतक श्री चितनचन्द्रजी म सा

आदि मुनि (4)

पता—श्री स्थानकवासी छ कोटी जैन सघ,
मु पो मुवई कच्छ-370165
ता रापर जिला भुज (गुजरात)

साधन.—भुज, रापर, लाकड़िया, राजकोट, मोरबी, भचाऊ हलवद, अजार से सीधी बसे जाती है ।

महासतियाँजी समुदाय

6. समाघोघा (गुजरात)

1. शात स्वभावी वयोवृद्ध महा. श्री रतनबाई म.सा. (स.का.)
2. विदुषी महासतीजी श्री सूरजबाई म.सा.
3. सेवाभावी महा. श्री प्राणकुवरबाई म.सा.
4. महासतीजी श्री सुलोचनाबाई म.सा.
5. ,, श्री प्रियदर्शिनीबाई म.सा.
6. ,, श्री नमृताबाई मे.सा.
7. ,, श्री उन्नतीबाई म.सा.
8. नवदीक्षित महा. श्री क्षमाकुमारीबाई म.सा. आदि म.स. (8)

पता.—श्री स्थानकवासी छ. कोटी जैन संघ,
मु.पो. समाघोघा-370405
ता. मून्द्रा जिला-भुज-कच्छ (गुजरात)

नोट.—समग्र जैन समुदाय के सत-सतियों में सबसे बड़े वयो-वृद्ध संत-सतियों में महा. श्री रतनबाई म.सा. ही सबसे वयोवृद्ध हैं जिनकी आयु 99 वर्ष है अगले वर्ष शताब्दी वर्ष का आयोजन किया जावेगा ।

साधन.—भुज, सामखियाली, सुरेन्द्रनगर, जामनगर, धोराजी, भावनगर, राजकोट से बसे जाती है ।

7. रापर-कच्छ (गुजरात)

1. शिष्यावृन्द शिरोमणि महा. श्री वेलबाई म.सा.
2. विदुषी महासती श्री उज्ज्वलकुमारीबाई म.सा.
3. सेवाभावी महासती श्री मुक्ताबाई म.सा.
4. सेवाभावी महासती श्री निर्मलाबाई म.सा.
5. महासतीजी श्री चंदनबाई म.सा.
6. ,, श्री कुसुमबाई म.सा.
7. ,, श्री अरुणाबाई म.सा.
8. ,, श्री दर्शिताबाई म.सा.
9. ,, श्री पारसबाई म.सा.

10. महासतियाँजी श्री चेतनाबाई म.सा.

आदि म.सा. (10)

पता.—श्री स्थानकवासी छ. कोटी जैन संघ,
जैन उपाश्रय, बाजार में,
मु.पो. रापर-कच्छ-370165
जिला-भुज कच्छ (गुजरात)

साधन.—परे. के पालनपुर, अहमदाबाद, समदड़ी से गाधीधाम उतरे वहाँ से बसे जाती है ।

8. नवा वाड़ज-अहमदाबाद (गुजरात)

1. विदुषी महासतीजी श्री समजूबाई म.सा.
2. महासतीजी श्री पुष्पाबाई म.सा.
3. ,, श्री हंसाबाई म.सा. (मोटा)
4. ,, श्री उर्मिलाबाई म.सा.
5. ,, श्री रक्षाबाई म.सा.
6. ,, श्री मनीषाबाई म.सा.

आदि म.सा. (6)

पता —श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,
चपकनगर फ्लेट, नवावाड़ज,
अहमदाबाद-380013 (गुज)

9. भुज-कच्छ (गुजरात)

1. विदुषी महासतीजी श्री रक्षणीबाई म.सा.
2. महासतीजी श्री मीनाबाई म.सा.
3. ,, श्री निरंजनाबाई म.सा. मा.
4. महासतीजी श्री अंजनाबाई म.सा.
5. ,, श्री रोहिणीबाई म.सा.

आदि म.सा. (5)

पता:—श्री स्थानकवासी छ.कोटी जैन संघ,
जैन उपाश्रय, वाणियावाड़,
मु.पो. भुज-कच्छ-370001 (गुज)

साधन —राजकोट, अहमदाबाद, बम्बई, सुरेन्द्रनगर, पालनपुर, गांधीधाम, कान्दला से सीधी ट्रेन ।

10. भचाऊ-कच्छ (गुजरात)

1. सरल स्वभावी महासतीजी श्री मणीबाई म.सा.

- 2 महामतीजी श्री कर्तिप्रभाजी म मा
- 3 ,, श्री कविताबाई म मा
- 4 ,, श्री ध्वनिबाई म मा
- 5 ,, श्री रचनाबाई म मा
- 6 ,, श्री विगुद्धिबाई म मा

आदि म मा (6)

पता—श्री स्थानववासी छ कोटा जैन मघ, जन स्थानव,
मु पा भजाऊ-370140
जिला भुज-रज्ज (गुज)

साधन—बिरमगांव, अहमदवाट, बम्बई, गार्धोधाम मे
सौधी ट्रेन जाती है।

11 गुदिवाला (गुजरात)

- 1 विदुषी महामतीजी श्री भानुमतिबाई म मा
- 2 महामतीजी श्री सरस्वतीबाई म मा

आदि म मा (2)

पता—श्री स्थानववासी जैन सघ,
मु गुदिवाला
पाण्ट रामपुरा बाया जागवरनगर,
जिला-मुरद्रनगर (गुजरात)

साधन—मुरद्रनगर-जागवरनगर से बने जाती है।

12 चूडा (गुजरात)

- 1 नाथ्यमूर्ति महामतीजी श्री चंदनबाई म मा (माटा)
- 2 महामतीजी श्री मरुताकुमारीबाई म मा
- 3 ,, श्री इन्दुकुमारीबाई म मा
- 4 ,, श्री विपयनायाड म मा
- 5 ,, श्री जयश्रीबाई म मा

आदि म मा (5)

पता—श्री स्थानववासी जन सघ,
c/o श्री दलीचंदमाई मगनान वारा, ओइल मिन्म,
मु पो चूडा-363410 ता लिम्बही
जिला-मुरद्रनगर (गुज)

साधन—मुरेद्रनगर, भारतवी, धानगड, राजकाट, अहमदा
बाद, मेहसाणा म बने जाती है।

13 गागोवर-रज्ज (गुजरात)

- 1 विदुषी महासतीजी श्री विमलाबाई म मा
- 2 महामतीजी श्री शाननाबाई म मा
- 3 ,, श्री तमनाबाई म मा
- 4 ,, श्री जिनासाबाई म मा
- 5 ,, श्री अनिसाबाई म मा

आदि म म (5)

पता—श्री स्थानववासी छ कोटी जैन मघ,
मु पा गोगोदर बाया चित्ताड
जिला भुज-रज्ज-370165 (गुज)

साधन—भुज, भवाऊ, लावडिया, सामघियारी से बने।

14 सरा (गुजरात)

- 1 विदुषी महामतीजी श्री सूरजवाट म मा (नाना)
- 2 महामतीजी श्री तारामतीबाई म मा
- 3 ,, श्री जमरलताबाई म मा
- 4 महामतीजी श्री भक्तिकुमारीबाई म मा
- 5 ,, श्री हीतनाबाई म मा

आदि म स (5)

पता—श्री स्थानववासी जैन सघ,
मु पा सरा-बाया हलवद
जिला-मुरद्रनगर (गुजरात) 363330

साधन—धागघ्रा, हलवद, मालीया, मोरवी से सीधी बने
जाती है।

15 मोरवी (गुजरात)

- 1 विदुषी महासतीजी श्री चंद्रावतीबाई म मा
- 2 महासतीजी श्री हसाकुमारीबाई म मा
- 3 ,, श्री प्रतिमाकुमारीबाई म मा
- 4 ,, श्री मराबाई म मा
- 5 ,, श्री नीरुपमाबाई म मा

आदि म सा (5)

पता—श्री स्थानववासी जैन सघ,
जन स्थानव, सोनी बाजार,
मु पो मोरवी 363641
जिला-मुरेद्रनगर (गुजरात)

साधन:-प.रे. के बांकानेर-नवलखी लाइन पर स्टेशन है ।

16. रताड़िया-कच्छ (गुजरात)

1. विदुषी महासतीजी श्री दमयंतीबाई म.सा.
2. महासतीजी श्री कलावतीबाई म.सा.
3. ,, श्री विभूतिकुमारीबाई म.सा.
4. ,, श्री आराधनाबाई म.सा.
5. ,, श्री शीतलकुमारीबाई म.सा.

आदि म.सा. (5)

पता -श्री स्थानकवासी छ. कोटी जैन संघ,
मु.पो. रताड़िया-कच्छ तालुका गुन्डाला
जिला-भुज 370410

साधन.-गुन्डाला, भुज, सामखियारी से बसे जाती है । मा.

17. राउरकेला (औरीस्सा) उड़ीसा

1. विदुषी महासतीजी श्री विनोदिनी बाई म.सा.
2. महासतीजी श्री दिव्यप्रभाबाई म.सा.
3. ,, श्री करुणा बाई म.सा

आदिम.स. (3)

पता.-श्री गुर्जर जैन संघ, जैन उपाध्यय,
कचेरी रोड, उदितनगर

मु पो राउरकेला-769012 (औरीस्सा)

साधन -

18. त्रंबो-कच्छ (गुजरात) :

1. विदुषी महासतीजी श्री प्रभावती बाई म सा
2. महासतीजी श्री कचन बाई म सा.
3. महासतीजी श्री आशाबाई म. सा.
4. ,, श्री चम्पकलता बाई म सा.
5. ,, श्री अश्विनाबाई म सा.

म सा. (5)

पता.-श्री स्थानकवासी छ कोठी जैन संघ
मु पो त्रंबो तालुका रापर (पूर्व कच्छ)
जिला-भुज (गुज)-370165

साधन.-भुज भचाऊ, लाकड़िया, समाघोषा
से बसे जाती है ।

19. आघोई-कच्छ (गुज.) :-

1. सरलस्वभावी महासतीजी श्री मंजुलाबाई म सा.

2. महासतीजी श्री गुणवंताबाईम.सा.

3. ,, श्री नयनाबाई म.सा.

4. ,, मधुस्मिताबाई म.सा.

आदि म स. (4)

पता:-श्री स्थानकवासी छ. कोटी जैन संघ,
मु.पो आघोई-कच्छ वाया सामखियारी
जिला-भुज (गुज.)-37

साधन.-सामखियारी होकर आघोई जा सकते है ।
लाकड़िया, भुज, भी बसे जाती है ।

20. लिमड़ा (हनुमाना) गुजरात)

1. विदुषी महासतीजी श्री लीलावती बाई म सा.
2. महासतीजी श्री कलावती बाई म.सा.
3. ,, श्री प्रज्ञाबालावती बाई म.सा.

आदि म.स. (3)

पता:-श्री लिमड़ा स्थानकवासी जैन संघ,
मु.पो. लिमड़ा 364740
वाया ढसा जिला.-भावनगर, गुजरात.

साधन.-प. रे. के ढसा जक्शन उतरे वहाँ से बस द्वारा
पहुंचे.

21. अम्बावाड़ी-अहमदाबाद (गुजरात) :-

1. विदुषी महासतीजी श्री विजया कुमारी बाई म.सा.
2. श्रीमहासती इन्दूबाई म सा.
3. ,, श्री तरुलताबाई म सा
4. ,, श्री मेहुलाकुमारी बाई म सा.
5. ,, श्री झरणाबाई म सा
6. ,, श्री हितेच्छा बाई म.सा.

आदि म.स. (6)

पता:-श्री स्थानकवासी जैन संघ-अम्बावाड़ी,
64, माणिक बाग, सोसायटी, स्मृति प्लेट पास,
सुरेन्द्र मंगल दास रोड, अम्बावाड़ी
अहमदाबाद-3800015 (गुज)

22. चोटीला (गुजरात) :-

1. विदुषी महासतीजी श्री राजेमती बाई म.सा.
2. महासतीजी श्री पद्माबाई म.सा

साधन—मे रे म धम्मई वी टी दादर मे बन्धाण लोचन
ट्रेन से जा मक्ने ह ।

36 विछिया (गुजरात)

- 1 विदुपी महासतीजी श्री पुनिताबाई म मा
- 2 महामतीजी श्री सरिता बाई म मा
- 3 महासतीजी श्री उदीताबाई म मा
- 4 महासतीजी श्री प्रणीताबाई म मा

आदि म मा (4)

पता—श्री स्थानकवासी जैन सघ

मु पा विछिया वामा वाटाद जवशन
जिला राजकोट 360055 (गुज)

साधन—राजवाट, अमरेली, वीरपुर, काठारी, धाराजी,
वाटाद सुरे ब्रनगर से बसे जाती है ।

37 कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

- 1 विदुपी महासतीजी श्री रश्मिनाबाई म मा
- 2 विदुपी महासतीजी श्री धनिकुमारीबाई म मा
- 3 विदुपी महासतीजी श्री आरतीबाई म मा
- 4 विदुपी महामतीजी श्री निवृत्तिबाई म मा
- 5 विदुपी महासतीजी श्री तत्वनाबाई म मा

आदि म मा (5)

पता—श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन सघ,
वमा जामनगर वाला उपाध्य, शाहपुरी,
पो ओ कोल्हापुर-416001 (महाराष्ट्र)

साधन—मागली मिरज बम्बई, पूना, सतारा से सीधी ट्रेन

38 भुज-क्छ (गुजरात)

- 1 विदुपी महासतीजी श्री भीताकुमारीबाई म मा
- 2 महासतीजी श्री भद्राकुमारीबाई म मा
- 3 महासतीजी श्री वपाबाई म मा
- 4 महामतीजी श्री मुक्तीबाई म मा

आदि म मा (4)

पता—श्री स्थानकवामी छ वाटी जैन सघ, वाणिया शेरी,
मु पो भुज-क्छ (गुज) 370001

साधन—राजकोट, अहमदाबाद, सुरे ब्रनगर वानन्दा
गाधीधाम से सीधी ट्रेन जाती है ।

39 जर्वालंग (कोल्हापुर) (महा)

- 1 महामतीजी श्री मृगान्तीबाई म मा
- 2 महासतीजी श्री प्रगतिनुमारी बाई म मा
- 3 महामतीजी श्रीमहिमा कुमारीबाई म मा
आदि म मा (3)

पता—श्री व म्या जै भ्रावन सघ, जै स्थानक
मु पो जर्वालंग (कोल्हापुर) 416001

साधन—उपर्युक्त क्रमांक 37 अनुसार

40 घाटलोडीया-अहमदाबाद (गुज)

- 1 विदुपी महासतीजी श्री मृगनाबाई म मा
- 2 महासतीजी श्री अचनाबाई म मा
- 3 महासतीजी श्री जल्लासीबाई म मा
- 4 महासतीजी श्री श्रेयणीबाई म मा
- 5 महासतीजी श्री अभिलाषी बाई म मा
आदि म मा (5)

पता—श्री स्थानकवासी जैन सघ

10 मजुश्री सोसायटी, रत्नापाव
घाटलोडीया, अहमदाबाद 380061 (गुज)

41 जूनागढ़ (गुजरात)

- 1 विदुपी महामतीजी श्री विद्युनप्रभा बाई म मा
- 2 महामतीजी श्री प्रतीक्षाबाई म मा
- 3 महासतीजी श्री धर्मच्छाबाई म मा
आदि म मा (3)

पता—श्री स्थानकवामी जैनगघ

उपर वाटनी जय्या मा राममन्दिर पामे
जनागढ (गुज)

साधन—म रे के राजकोट जेतलसर घेरावल रत्वे
साइन पर रेल्व स्टेशन ह ।

42 अजार क्छ (गुजरात)

- 1 विदुपी महासतीजी श्री उर्वशाबाई म मा
- 2 महासतीजी श्री वलयाणीबाई म मा
आदि म मा (2)

पता—श्री स्थानकवासी छ कोटी जैन सघ
गगाबाजार, अजार-कच्छ
जिला भुज (गुज) 370110

साधन—भुज, रापर, भचारु, लाकडीया रव से बसे जाती
है ।

43. माधापर-कच्छ (गुजरात)

1. विदुषी महासतीजी श्री पियुशाबाई म सा
 2. महासतीजी श्री पदमनीबाई म सा
 3. महासतीजी श्री तारीणीबाई म सा
- आदि म सा (3)

पता.—श्री स्थानकवासी छ कोटी जैन सघ,
नवावास, स्वामीनारायण मंदिर पासे,
माधापर-कच्छ वाया भुज जिला भुज (गुज)

साधन —भुज, भचारु, लाकडीया से बस द्वारा

44. कृष्णनगर-अहमदाबाद (गुज.)

1. विदुषी महासतीजी श्री हर्षिताबाई म सा
 2. महासतीजी श्री ज्यौत्सनाबाई म सा
 3. महासतीजी श्री विपुलाबाई म सा
- आदि म सा (3)

पता —श्रीकृष्ण नगर स्थानकवासी जैन सघ,
ब्लोक नं बी-541868 कृष्णनगर सेजपुर बोधा,
नरोडा रोड अहमदाबाद
382346 (गुज)

45. कालीना-बम्बई (महाराष्ट्र)

1. विदुषी महासतीजी श्री मीनलबाई म सा
 2. महासतीजी श्री तरलाबाई म सा
 3. महासतीजी श्री अखीलाबाई म सा
 4. महासतीजी श्री उपासनाबाई म सा
- आदि म सा (4)

पता —श्री व. स्थानकवासी जैन सघ
बन्स अपार्टमेन्टस, प्लाट न सी टी एम 5835
कालीना कुर्ला रोड, केनरा बैंक पास
कालीना बम्बई-29 (महा)

46. चिचपोकली-बम्बई (महाराष्ट्र)

1. विदुषी महासतीजी श्री साधनाबाई म सा
 2. महासतीजी श्री स्मिताबाई म सा
 3. महासतीजी श्री सुनीताबाई म सा
- आदि म.सा (3)

पता —श्री व स्था जैन श्रावक सघ
64 आम्बेडकर रोड ओ पी. पी वोल्टाज
चिचपोकली बम्बई-12 (महा)

47. गुन्दा (गुजरात)

1. विदुषी महासतीजी श्री कोकीलाबाई म सा
 2. महासतीजी श्री मृदुलाबाई म.सा
 3. महासतीजी श्री परीजाबाई म सा.
 4. महासतीजी श्री रूचीताबाई म.सा
- आदि म सा (4)

पता —श्री स्थानकवासी छ: कोटी जैन सघ
मु पो गुन्दाला-370410
जिला भुज कच्छ (गुज)

साधन.—भुज लाकडीया, अजार मून्दा कान्दला
राज टेट से बसे जाती है ।

48. लिम्बड़ी (पंच महाल) (गुजरात)

1. विदुषी महासतीजी श्री दीनमणीबाई म.सा
 2. महासतीजी श्री सुलसाबाई म.सा
 3. महासतीजी श्री प्रतीजाबाई म सा
- आदि म.सा (3)

पता —श्री स्थानकवासी जैन सघ
मु पो लिम्बड़ी (पंचमहाल) 389180
जिला गोधरा (गुज)

साधन —प रे गोधरा उत्तरे वहा से बस द्वारा

49. जीवराजपार्क-अहमदाबाद (गुजरात)

1. विदुषी महा श्री चितामणीबाई म सा
 2. महासतीजी श्री जितपूर्णाबाई म सा
 3. महासतीजी श्री विस्तीर्णाबाई म.सा
- आदि म सा (3)

पता—श्री स्यानकवामी जैन मघ
नवा सारंग मंदिर राउ, पोस्ट आफिम फाम
जीवराज पाव, अहमदाबाद-380051 (गुज)

50 बोट-बम्बई (महाराष्ट्र)

- 1 विदुषी महा श्री अनुलाकुमारीबाई म मा
 - 2 महासतीजी श्री विश्वानिबाई म मा
 - 3 महामतीजी श्री जयबाई म मा
- आदि म मा (3)

पता—श्री व स्या जैन श्रावक सघ
100/102 राजार गेट स्ट्रीट फोट
बम्बई-400001 (महा)

51 रतनपर (जोरावर नगर) (गुज)

- 1 विदुषी महा श्री बनीनाबाई म मा
 - 2 महामतीजी श्री मीनाबाई म मा
 - 3 महामतीजी श्री भारतीबाई म मा
 - 4 महासतीजी श्री चांदनीबाई म मा
 - 5 महामतीजी श्री रोशनीबाई म मा
 - 6 महामतीजी श्री सुव्रताबाई म मा
- आदि म मा (6)

पता—श्री श्वे स्यानकवामी जैन सघ
रतनपुर पोस्ट जोरावर नगर-363020
जिला सुरेन्द्र नगर (गुज)

साधन—सुरेन्द्र नगर, वाटाद, धोला, सीहार, भावनगर,
मायना से सीप्री ट्रेन जाती है।

52 माण्डवी-कच्छ (गुज)

- 1 विदुषी महा श्री पूर्णिमाबाई म मा
 - 2 महामतीजी श्री स्मृतिबाई म मा
 - 3 महासतीजी श्री राजेसतीबाई म मा
 - 4 महामतीजी श्री यशोमतीबाई म मा
- आदि म मा (4)

पता—श्री स्यानकवामी जैन सघ
वारीवावा नावा फाम

माण्डवी-कच्छ-370465 (गुजरात)

साधन—भुज, गजार, जामनगर, रोहा, गपर मे वम
जाती है।

53 गोधरा (गुजरात)

- 1 विदुषी महा श्री वामुदीबाई म मा
 - 2 महामतीजी श्री जगनिबाई म मा
 - 3 महामतीजी श्री प्रतीभाबाई म मा
- आदि म मा (3)

पता—श्री स्यानकवामी जैन सघ
स्टेशन रोड, रायणवाटी सामायटी
गोधरा-389001 (गुज)

साधन—य रे के बम्बई दिल्ली गन नाइन पर बडीदा
रतलाम के बीच मे जकरान स्टेशन है।

54 भाण्डुप-बम्बई (महा)

- 1 विदुषी महा श्री वैशालीबाई म मा
 - 2 महामतीजी श्री विदिता कुमारीबाई म मा
 - 3 महामतीजी श्री श्रेताबाई म मा
- आदि म मा (3)

पता—श्री व स्या जैन श्रावक सघ
जैन भुवन, जवाहर नगर, एल बी शास्त्री मार्ग
भाण्डुप (वेस्ट) बम्बई 400078 (महा)

55 श्रमणी विद्यापीठ भवाऊ (गुज)

- 1 विदुषी महा श्री दशनाबाई म मा
 - 2 महासतीजी श्री देवागिनीबाई म मा
 - 3 महासतीजी श्री प्रेक्षाबाई म मा
 - 4 महामतीजी श्री देशनाबाई म मा
- आदि म मा (4)

पता—श्री स्यानकवामी जैन श्रमणी विद्यापीठ
मु पा भवाऊ-360110 कच्छ
जिला भुज (गुज)

साधन—य रे के विरमगाव गाधीधाम मेन लाइन पर
रेल्वे स्टेशन है।

कुल चातुर्मास एवं ठाणा

कुल चातुर्मास मुनिवरों के 5	कुल मुनिराज	18
कुल चातुर्मास सतीयो के 50	महासतीयांजी	204
---	---	---
कुल 55	कुल	222

कुल चातुर्मास 55 संत 18 सतीयांजी 204 कुल ठाणा 222

संत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियाँ
1985 में कुल ठाणा थे	17	204
+ नई दीक्षाएं हुई	2	5
---	---	---
---	19	209
—कालधर्म प्राप्त हुए	—	1
---	---	---
---	19	208
लिस्ट मे नाम नही आया	1	4
---	---	---
---	18	204
1986 मे कुल ठाणा है	18	204

नोट —श्री जगदीश मुनिजी म सा. का नाम गत वर्ष की सूची मे था इस वर्ष वे एकल विहारी है अत गुजरात अन्य मे लिखा है ।



श्री मूलचंद जैन, डोंडी लोहारा (म. प्र.)

सूची क्या है संत-समाज दर्शन है । इसमे कही पर भी सकीर्णता, लघुता, साम्प्रदायिकता आदि दृष्टिगोचर नही होती । चातुर्मास समाप्ति पर भी यह अनावश्यक नहि होती, पते, रिकार्ड देखने एव पुस्तकालयों , मे सग्रहणीय हो जाती है । इसके माध्यम से एकता का माध्यम भी बनता है ।

चातुर्मास सूची यह, सचमुच सच्चा साथ । दर्शन यात्रा सुखद बने, जो रखे इसको पास ॥

जैन प्रकाश (गुजरात) बम्बई

अ भा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् बम्बई, द्वारा विगत 7 वर्षों से इस चातुर्मास सूची का प्रकाशन किया जाता आ रहा है ।

नोट—अ भा. जैन संत-सति चातुर्मास प्रकाशन समिति-जोधपुर के सयोजक श्री महेन्द्र कोठारी सूचित करते हैं कि हमारी इस समिति की तरफ से भी सिर्फ हिन्दी भाषी स्थानकवासी संत-सतियों के चातुर्मास की इस वर्ष निर्देशिका पुस्तक रूप मे प्रकाशित की जा रही है ।

श्री अ.भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्-बम्बई द्वारा सम्पूर्ण भारत वर्ष के समग्र जैन सम्प्रदायो के (मारवाडी, गुजराती, पंजाबी, हिन्दी भाषी) के साधु-साध्वियों के चातुर्मासों की सूची कई तरह की हृदयी स्पर्शी आश्चर्यजनक जानकारियों के साथ विगत 7 वर्षों से प्रकाशित की जाती रही है । और इस वर्ष 1986 मे भी प्रकाशित की जा रही है ।

तब सिर्फ हिन्दी भाषी स्थानकवासी जैन संत-सतियों के चातुर्मासों की पुस्तिका अलग प्रगट करने की क्या कोई खास जरूरत रह जाती है । —सम्पादक जैन प्रकाशन

सत दर्शनार्थ जाने वाले भाई-बहिनों को कम से कम रात्रि भोजन नही करना चाहिए । भोजन से पूर्व पांच नवकार मंत्र गिनना चाहिए, ऊपर से नमक नही लेना चाहिए । झूठा नही छोडना चाहिए ।

—मोतीलाल सुराणा, इन्दौर

संत समुदाय

1 नवरगपुर (अहमदाबाद)

- 1 आचार्य प्रवर, प रत्न, श्री शान्तीलालजी म सा
- 2 प्रिय व्याख्यानी श्री विरेन्द्रमुनिजी म सा
- 3 विद्वदय श्री अपूत मुनिजी म सा
- 4 विद्वदय श्री अल्केग मुनिजी म सा
- 5 मेवाभावी श्री भावश मुनिजी म सा
- 6 सनाभावी श्री गिरोग मुनिजी म सा
- 7 नवशीतल श्री प्रकाश मुनिजी म सा

आदि मुनि (7)

पता—श्री व स्वानकवामी जैन उपाध्यय,
स्वानकवासो सातापटी,
नारायणपुरा क्रामिग पाम,
अहमदाबाद-38003 (गुज)

साधन—दश के हए रान मटेन उपलब्ध ।

2 पातनपुर (गुजरात)

- 1 प्रिय वक्ता श्री राजेन्द्र मुनिजी म सा
- 2 मेवाभावी श्री रवीन्द्र मुनिजी म सा
- 3 प्रिय व्याख्यानी श्री मधु मुनिजी म सा
- 4 मेवाभावी श्री तजेन्द्र मुनिजी म सा

आदि मुनि (4)

पता—श्री दरियापुरी स्वानकवामी जैन मधु
जीवा वाडी

फाउण्डेशन-385001

जिना जनाग काठा (गुजरात)

मात्रन—प रे के जहमदाबाद-दिल्ली मेल लाइन पर
रुन्वे स्टेशन है ।

ममी गाडिया ठरहती है ।

3 छोपापोल अहमदाबाद (गुज)

- 1 मेवाभावी श्री हृषदमुनिजी म सा
- 2 अग्रयनशीत श्री जिनेश मुनिजी म सा
- 3 विद्याभिलाषी श्री जयेन्द्रमुनिजी म सा

आदि मुनि (3)

पता—साधन उपरान्त

महासतियाँजी समुदाय

4 छोपापोल अहमदाबाद (गुजरात)

- 1 बिदुपी महा श्री वसन्तवाई म सा
- 2 महा श्री दीपुवाई म सा
- 3 महा श्री चम्पावाई म सा
- 4 महा श्री हनावाई म सा

आदि म सा (4)

पता—साधन उपरान्त

5 सूरत (गुजरात)

- 1 महासतीजी श्री जसव तीवाई म सा
- 2 महासतीजी श्री कुसुमवाई म सा
- 3 महामतीजी श्री प्रफुल्लावाइ म सा
- 4 महामतीजी श्री नलिनीवाई म सा

आदि म सा (4)

पता—श्री स्वानकवामी जैन सय

मधामपुरा, गुननी के पाम मे हलदिया गेरी,
सूरत-395003 (गुज)

साधन:-बम्बई-दिल्ली, अहमदाबाद-बम्बई, सूरत,
भुसावल मेन लाइन पर स्टेशन है।

6. साणन्द (गुज.)

1. महासती जी श्री हीराबाई म. सा.
2. महासती जी श्री इन्दिरा बाई म. सा.
3. महासती जी श्री प्रतिभा बाई म. सा.
4. महासती जी श्री विशाखा बाई म. सा.
5. महासती जी श्री विग्नता बाई म. सा.
आदि म. सा. (5)

पता.-श्री नानचद कातीलाल स्थानकवासी जैन संघ
नानूभाई नुडहेलु,
मु. पो. साणन्द-382110
जिला अहमदाबाद (गुजरात)

साधन -प रे. के अहमदाबाद, विरम गाँव रेल्वे मेन
लाइन पर साबरमती के पास स्टेशन है। अहमदाबाद
से बस भी मिलती है।

7. बड़ौदा (गुजरात)

1. महासतीजी श्री विमला बाई म. सा.
2. महासती जी श्री मनोरमा बाई म. सा.
3. महासती जी श्री सूर्या श्री बाई म. सा.
4. महासती जी श्री मौनिका बाई म. सा.
आदि म. सा. (4)

पता -श्री दरियापुरी स्थानकवासी जैन संघ,
जोगी दास विट्ठलदजी पोल, राघवपुरा,
बड़ौदा गुज) 390001

साधन.-अहमदाबाद-बम्बई मेन लाइन पर रेलवे स्टेशन है।

8. लखतर (गुजरात)

1. महासती श्री इन्दु बाई म. सा.
2. महासती श्री उपा बाई म. सा.
3. महासती श्री चारु बाई म. सा.
4. महासती श्री अनिलता बाई म. सा.
आदि म. सा. (4)

पता:-श्री स्थानक वासी जैन संघ,
मु. पो. लखतर
जिला-सुरेन्द्र नगर-382775, (गुज.)

साधन -पश्चिम रेल्वे के विरम गाँव, राजकोट, हापा
मेन लाइन पर केशतिया रोड, बगरंगपुरा के बीच
मे स्टेशन है।

9. विरमगाँव अहमदागाद (गुजरात)

1. महासती जी श्री सुशीला बाई म. सा.
2. महासती जी श्री अर्पणा बाई म. सा.
3. महासती जी श्री हंसाबाई म. सा.
4. महासती जी श्री कविज्ञना बाई म. सा.
आदि म. सा. (4)

पता -श्री दरियापुरी स्थानकवासी जैन संघ,
संघवी स्थानक मु. पो. विरमगाँव
जिला-अहमदाबाद
(गुजरात) 342150

साधन -पश्चिम रेल्वे के बम्बई-विरम गाँव मेन लाइन
पर रेल्वे स्टेशन है।

10. स्नेहलता गंज-इन्दौर (म. प्र.)

1. महासती जी श्री सुलौचना बाई म. सा.
2. महासती जी श्री दक्षा बज्जई म. सा.
3. महासती जी श्री धर्माज्ञानाबाई म. सा.
आदि म. सा. (3)

पता.-श्री गुजराती स्था जैन मण्डल, जैन भवन
16/4 स्नेहलता गज,
इन्दौर-452002 (म. प्र.)

साधन -रतलाम, भोपाल, बम्बई, बड़ौदा, नागदा,
उज्जैन से सीधी ट्रेन जाती है।

11. गिरधर नगर -अहमदाबाद (गुज.)

1. महासती जी श्री हंसा बाई म. सा.
2. महासती जी श्री हर्पा बाई म. सा.
3. महासती जी श्री अनुपमा बाई म. सा.
आदि म. सा. (3)

पता—श्री दरियापुरी स्थानक वामी जैन मठ,
सुभाष नगर, सोसायटी, शाही बाग राड,
गिरधर नगर, अहमदाबाद-380004 (गुज)
साधन—उपरोक्त

12 शाहपुर-अहमदाबाद (गुज)

- 1 महासती जी श्री जवेरी बाई म सा
- 2 महासती जी श्री वर्षा बाई म सा
- 3 महासती जी श्री रजना बाई म सा
- 4 महामती जी श्री नविना बाई म सा
आदि म सा (4)

पता—श्री दरियापुरी स्थानक वामी जैन मठ,
सुनाराना खाचा, शाहपुर
अहमदाबाद 380001 (गुज)

13 पीज (गुजरात)

- 1 महासती जी श्री धीरज बाई म सा
- 2 महामती जी श्री प्रेरणा बाई म सा
आदि म सा (2)

पता—श्री दरियापुरी स्थानक वामी जैन मठ, जैन उपश्राय,
मु पा पीज 387230
जिना-खेडा (गुजरात)

साधन—रटलाद, आपाद, नाडियाद, अहमदाबाद मेन
नाशन पर स्टेशन है।

14 सरसपुर-अहमदाबाद (गुज)

- 1 महामती जी श्री नारणी बाई म सा
- 2 महामती जी श्री हीरा बाई म सा
- 3 महामती जी श्री सुन दा बाई म सा
- 4 महासती श्री सद्गुणा बाई म सा
आदि म सा (4)

पता—श्री दरियापुरी स्थानक वामी जैन मठ,
शाखदा बाई अस्पताल के पास,
सरसपुर, अहमदाबाद 380018 (गुज)

साधन—दश के हर वान म ट्रेन का साधन सुलभ।

15 मणीनगर अहमदाबाद (गुज)

- 1 महासती जी श्री दमयती बाई म सा
- 2 महासती जी श्री प्रफुल्ला बाई म सा
- 3 महासती जी श्री करुणा बाई म सा
- 4 महासती जी श्री रेखा बाई म सा
- 5 महामती जी श्री दशिता बाई म सा
- 6 महासती जी श्री धर्मिष्ठा बाई म सा
- 7 महासती जी श्री मिट्ठी बाई म सा
आदि म सा (7)

पता—श्री मणीनगर स्था जैन मठ,
पटेल भवन, राधा बल्लभ बालोनी, वस स्टैण्ड के
नामने मणीनगर, अहमदाबाद 380009

साधन—उपरोक्त

16 अघेरी (वेस्ट) बम्बई (महा)

- 1 महासती जी श्री दीक्षिता बाई म सा
- 2 महासती जी श्री ममिला बाई म सा
- 3 महासती जी श्री निमला बाई म सा
- 4 महामती जी श्री मनीता बाई म सा
- 5 महामती जी श्री दीपिका बाई म सा
- 6 महासती जी श्री चेतना बाई म सा
- 7 नवदीक्षिता महामती जी श्री शरणा बाई म सा
आदि म सा (7)

पता—श्री व म्या जन श्रावक मठ,
उपाश्रय लेन, जहु गली, स्वामी विवेका नद भाग,
अघेरी (वेस्ट) बम्बई-400058 (महा)

साधन—

17 द्रांगम्रा (गुजरात)

- 1 महासती जी श्री हीराबाई म सा
- 2 महामती जी श्री मधुला बाई म सा
- 3 महासती जी श्री ज्योत्सना बाई म सा
- 4 महासती जी श्री चन्द्रिका बाई म सा
- 5 महासती जी श्री पूर्णिमा बाई म सा
- 6 महासती जी श्री भानु बाई म सा
- 7 महासती जी श्री अमिया बाई म सा
- 8 महामती जी श्री निमिष्ठा बाई म सा

9. नवदीक्षित महा जी श्री श्वेता बाई ज
10. नवदीक्षित महा. जी श्री सुधा बाई
आदि म. सा .(10)

पता -श्री स्थानकवासी जैन मोटा संघ,
ग्रीन चौक मु पो ध्रागंध्रा-363310
जिला सुरेन्द्र नगर (गुजरात)

साधन -सुरेन्द्र नगर, हलवड, विरम गाँव, जोरावर नगर,
राजकोट से सीधी ट्रेन जाती है ।

18. बोरीवली-बम्बई (महा.)

1. महासती जी श्री प्रवीणा बाई म.सा
 2. महासती जी श्री मीनाक्षी बाई म. सा
 3. महासती जी श्री हर्षिताबाई म. सा.
 4. महासती जी श्री रश्मिता बाई म. सा
 5. महासती जी श्री निपुणा बाई म. सा.
 6. नवदीक्षित महासती श्री रिद्धिबाई म.सा.
- आदि .म सा. (6)

पता:-श्री व स्था. जैन श्रावक संघ,
डायमण्ड सिनेमा के सामने, लोकमान्य तिलक रोड
रेल्वे स्टेशन के पास बोरीवली (वस्ट) बम्बई
(महा.)-400092

साधन.-

19. सावरमती-अहमदाबाद (गुजरात)

1. महासती जी श्री तरुलता बाई म. सा.
 2. महासती जी श्री जय श्री बाई म. सा
 3. महासती जी श्री पुष्पा बाई म सा
 4. महासती जी श्री भारती बाई म. सा.
- आदि म सा. (4)

पता -श्री स्थानकवासी जैन संघ, हिराणी नगर, रामनगर
सावरमती, अहमदाबाद-380005 (गुज)

साधन:-उपरोक्त

20. सायला (गुज.)

1. महासती जी श्री विन्दुला बाई म. सा
2. महासती जी श्री मंजुलाबाई म. सा.

3. महासती जी श्री दर्शना बाई म. सा.
 4. महासती जी श्री फाल्गुनी बाई म. सा.
- आदि म. सा. (4)

पता -श्री दरियापुरी स्थानकवासी जैन संघ,
मु. पो सायला-3634430
जिला-सुरेन्द्र नगर (गुज.)

साधन -प. रे के जोरावर नगर सामला रूट पर स्टेशन
है ।

21. पालड़ी अहमदाबाद (गुज.)

1. महासती जी श्री सुभद्रा बाई म सा
 2. महासती जी श्री मधुबाई म. सा.
 3. महासती जी श्री भावना बाई म. सा.
 4. महासती जी श्री प्रेक्षा बाई म. सा.
 5. नवदीक्षिता रतनना बाई म सा.
- आदि म. सा. (5)

पता -श्री स्थानकवासी जैन संघ जैन उपाश्रय,
कामधेनु उपाश्रय, ठक्कर कालेज के पीछे,
पालड़ी अहमदाबाद-380006 (गुज.)

साधन -देश के प्रमुख नगरो से ट्रेन बस साधन
उपलब्ध ।

22. बाई (महा.)

1. महासती जी श्री मंजुला बाई म. सा.
 2. महासती जी श्री इन्दिरा बाई म सा
 3. महासती जी श्री जागृति बाई म. सा.
 4. महासती जी श्री सुभना बाई म. सा.
 5. महासती जी श्री मगला बाई म. सा
- आदि म. सा. (5)

पता -श्री व स्था. जैन श्रावक संघ
मु. पो बाई
जिला-पूना (महा)

साधन.-पूना, अहमद नगर, नासिक.से बसे जाती है ।

23 कलोन (गुजरात)

- 1 महामती जी श्री मधुबाई म मा
 - 2 महामती जी श्री प्रवीणा बाई म मा
 - 3 महासती जा श्री प्रीति बाई म मा
 - 4 महामती जी श्री अमिता बाई म मा
- आदि म मा (4)

पता—श्री दरियापुरी स्थानकवामी जैन मध, जैन उपाध्यय
मु पो कनौच-382721 जि अहमदाबाद (गुज)

माधन—अहमदाबाद मे 27 कि मी है। दिल्ली अहमदाबाद
मेन नाउन पर रेलवे स्टेशन ह। अहमदाबाद मे हर
बाघे घटे म उस उपलब्ध।

24 प्रान्तीक (गुजरात)

- 1 महामती जी श्री लविता बाई म मा
 - 3 महामती जी श्री वीणा बाई म मा
 - 3 महामती जी श्री अजली बाई म मा
- आदि म मा (3)

पता—श्री दरियापुरी स्थानकवामी जैन मध, जैन उपाध्यय
नवा बाजार, मु पो प्रांतीक 383205
जिला वनाम बाठा (गुज)

साधन—य र के अहमदाबाद ग्रहखेडा लाइन पर अमर-
पुर, हिम्मन नगर के बीच म स्टेशन है।

25 गांधी नगर—अहमदाबाद (गुज)

- 1 महामती जी श्री मोती बाई म मा
 - 2 महामतीजी श्री भवता बाई म मा
 - 3 महामती जी श्री काला बाई म मा
 - 4 महामती जी श्री धारिणी बाई म मा
- आदि म मा (4)

पता—श्री स्थानकवामी जैन उपाध्यय
गांधीनगर, अहमदाबाद (गुज)

माधन—उपरोक्त

26 इटोसा (गुजरात)

- 1 महामती जी श्री प्रननाबाई म मा
- 2 महामती जी श्री अरणा बाई म मा

- 3 महामती जी श्री चंद्रिका बाई म मा
- आदि म मा (3)

पता—श्री दरियापुरी स्थानकवामी जैन मध
मु पो इटोसा, बाया मियागाव
जिला-खडौदा (गुज)

माधन—बडादा, मूरन, मियागाव मे बम जाती ह।

27 गुजरात मे योग्य स्थल

- महासती जी श्री आगनी बाई म मा
- आदि म मा (3)

(नोट इनके अनावा महा श्री काता बाई म मा
महा श्री भावना बाई म मा आदि ठाणा (3) का
चातुर्मास स्थल पात नहीं हा मका।

कुल चातुर्मास सतों के	3	कुल सत	14
कुल चातुर्मास सतीयो के	24	कुल सतीयांजी	106
	कुल		कुल
	27		120

कुल चातुर्मास 27 सत 14 सतीयाजी 106 कुल ठाणा 120

सत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	सत	सतियां
1986 मे कुल ठाणा थे	14	105
+ नई दीक्षाएँ हुई	—	3
	14	108
— का न घमें प्राप्त हुए	—	2
	14	106
1986 म कुल ठाणा है	14	106

श्री लिम्बड़ी गोपाल संघवी (छोटा पक्ष) सम्प्रदाय के संत-सतियाँजी

संत समुदाय

1. सुरेन्द्र नगर (गुज.)

- 1 तपस्वी रत्न श्री रामजी मुनिजी म. सा
- 2 प्रिय व्याख्यानी श्री देवेन्द्र मुनि जी म सा
- 3 सेवा भावी श्री धर्मेन्द्र मुनि जी म सा
- 4 सिद्धान्त प्रेमी श्री उत्तम मुनि जी म. सा
- 5 सेमूर्ति श्री हसमुख मुनि जी म सा

आदि मुनि (5)

पता—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय, केरीवाजार
मु. पो सुरेन्द्र नगर-3630001 (गुजरात)

साधन:—प. रे. के सुरेन्द्र नगर, भाव नगर रूट पर,
अहमदाबाद, बोटाद, वैरावल, गाँधी धाम,
राजकोट, जाम नगर से सीधी ट्रेन मिलती है।

2. शान्ताक्रुज-वम्बई (महाराष्ट्र)

- 1 अध्यात्म प्रेमी श्री केवल दास जी म सा
- 2 सुलेखक श्री धन्य कुमार जी म सा

आदि मुनि (2)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन श्रावक सघ,
फिरोजशाह रोड, रेल्वे स्टेशन के पास,
शान्ताक्रुज-(W) वम्बई-400054 (महा)

साधन—चर्च गेट—बोरीवली अँधेरी की लोकल ट्रेन से।
शान्ताक्रुज उतरे।

3. बढवाण शहर (जुज.) ज

- 1 सरल स्वभावी श्री रतन मुनि जी म सा.
- 2 तपस्वी श्री हर्षद मुनि जी म सा.

आदि मुनि (2)

पता—श्री स्थानकवासी जैन उपाश्रय, बाजार मे, मस्जिद
चौक, मु. पो. बढवाण शहर-363030

जिला सुरेन्द्र नगर (गुजरात)

साधन—सुरेन्द्र नगर, जोरावर नगर, गोडल, थानगढ़
चौटीला, जामनगर, अहमदाबाद से बसे जाती है।

महासतियाँजी समुदाय

4. जोरावर नगर (गुज.)

स्व महाविदुषी महा. श्री लीलावती बाई म. सा.
सभी की शिष्याएँ है।

- 1 परम विदुषी महा श्री मंजुला बाई म. सा
- 2 सेवाभावी महा. श्री मगलाबाई म सा
3. महासती जी श्री श्रीमालती बाई म सा
- 4 महासती जी श्री जयश्री बाई म सा.
- 5 विद्या प्रेमी महा श्री राजुला बाई म सा
- 6 नवदीक्षित महा श्री नदिता बाई म सा

आदि म सा (6)

पता—श्री स्था जैन उपाश्रय, जैन उपाश्रय

मु. पो जोरावर नगर (गुजरात) 363020

साधन—सुरेन्द्र नगर, बोटाद, धोला, सिहोर, भावनगर,
अहमदाबाद, सायला से सीधी ट्रेन जाती है।

5. माटुंगा-वम्बई (महाराष्ट्र)

- 1 परम विदुषी महा श्री मुक्ता बाई म. सा.
- 2 महा. श्री मधु बाई म सा
- 3 महा श्री रक्षा बाई म सा
4. महा. श्री किरण बाई म. सा
5. महा श्री उषा बाई म सा.
6. महा. श्री निरजना बाई म सा.

- 7 महा श्री नम्रता वाई म सा
- 8 महा श्री सुजाता वाई म सा
- 9 महा श्री कौमुदी वाई म सा
- 10 महा श्री ज्योति वाई मे सा
- 11 महा श्री हितम्बिनी वाई म सा

आदि म सा (11)

पता—श्री व स्या जैन श्रावक सघ, जैन स्यानक,
तेलग श्रास रोड न 2-3 महेश्वरी उद्यान के पाम
गली मे माटूंगा, किंग मफल, बम्बई-19 (महा)

साधन—स रे के बी टी थाणा कुली लोकल से ट्रेन
मे माटूंगा उतरे। प रे से जाने वाले माटूंगा रोड
उतरे वहाँ मे पुल चढ़कर पास्ट आफिम के पाम गली
मे स्यानक है।

6 लिम्बडी (सौराष्ट्र) (गुजरात)

- 1 शान्त स्वभावी महा श्री जमवतीवाई म मा
- 2 महा श्री जयतिका वाई म सा
- 3 महा श्री किरतिदा वाई म सा
- 4 महा श्री भाविनी वाई म सा
- 5 महा श्री अनुगना वाई म सा

आदि म सा (5)

पता—श्री सधवी धारसी खाभाई स्या जैन सघ
छासोया पुरा, एम जी रोड,
मु पा लिम्बडी-363421
जिला-भुरेद्र नगर (गुजरात)

साधन—पू र के मुग़द्र नगर भावनगर, मेन लाइन पर
रेल्वे स्टेशन है

7 बडवाण शहर (गुजरात)

- 1 तत्व धानी महा श्री तागवाई म मा
- 2 महा श्री मगला वाई म सा
- 3 महा श्री मधु वाई म सा
- 4 महा श्री मनारमा वाई म सा
- 5 महा श्री निरपया वाई म सा
- 6 महा श्री अरिना वाई म सा

- 7 महा जी निराली वाई म सा
- 8 महा जी कृपाली वाई म सा
- 9 महा जी भाविनी वा ई म सा
- 10 महा श्री मतिज्ञना वाई म सा
- 11 महा श्री निमजनावाई म सा

- 12 नवदीक्षित महा श्री निसीता वाई म सा

आदि म सा (12)

पता—श्री स्यानवासी जैन उपाध्यय, बाजार मे, मज्जिद
चौक मु पा बटवाण शहर-363030
जिला-भुरेद्र नगर (गुजरात)

साधन—रामाक 3 के अनुमार

8 बालकेशवर-बम्बई (महा)

- 1 विदुषी महा श्री हीरा वाई म सा
- 2 विदुषी महा श्री प्रियदशना वाई म सा
- 3 महा श्री मनीषा वाई म सा
- 4 महा श्री पूर्णिता वाई म सा
- 5 महा श्री सुधा वाई म सा
- 6 महा श्री धारिणीवाई म सा
- 7 महा श्री स्वाती वाई म सा
- 8 महा श्री कितना वाई म सा
- 9 महा श्री कल्पना वाई म सा

आदि म सा (9)

पता—श्री व स्या जैन श्रावक सघ,
जमनादास मेहता माग, तीन बत्ती,
वालकेश्वर, बम्बई-400006 (महा)

साधन—बम्बई सेंट्रल म 63 चक्रगेट से 122-106वीं टी
स्टेशन से 101-103 पायघुनी से 101-102-
103-104-105-106 न की बस का अंतिम
स्टाप उतर।

9 बाकानेर (गुज)

- 1 तपस्विनी महा श्री कचन वाई म सा
- 2 महा जी परिजा वाई म सा
- 3 महा जी सुलोचना वाई म सा
- 4 महा जी जागृति वाई म सा

5. महा. ज्ञी चन्द्रिका बाई म. सा
 6. महा ज्ञी नलिनी बाई म सा.
 7. महा. श्री कोसल्या बाई म. सा
 8. महा. श्री हर्षाबाई म सा
 9. महा. श्री हर्षिता बाई म. सा.
 10. महा. श्री शास्वती बाई म. सा.
 11. महा. श्री कल्याणी बाई म सा
 12. महा श्री अनुपमा बाई म सा
 13. महा श्री निधी बाई म. सा
 14. नवदीक्षित महा श्री शीतल बाई म सा
 15. नवदीक्षित महा श्री ऋतुता बाई म सा
- आदि म. सा. (15)

पता—श्री स्थानकवासी जैन सघ,
श्री शाह बाबूलाल भीकम चद मार्ग, बाजार मे
मु पो बाँकानेर-363621
जिला-राजकोट (गुजरात)

साधन.—राजकोट, सुरेन्द्र नगर, जामनगर, मौरवी से
सीधी ट्रेन व बसे मिलती है।

10. वीरमगाँव (गुजरात)

1. उग्रतपस्वी महा. श्री कमलाबाई म सा
 2. महा सती जी श्री भारती बाई म सा
 3. महासती जी श्री जिज्ञासा बाई म सा.
 4. महासती जी श्री अमिता बाई म सा
 5. महासती जी श्री अरुणा बाई म सा
- आदि म. सा (5)

पता—श्री छकोटी स्थानक वासी जैन उपाश्रय, मोटो
भाटवाड़ो विरमगाँव-382150 (गुज.) जिला-
अहमदाबाद।

साधन—बम्बई, विरम गाँव, हापा, ओखा, मेन लाइन
पर स्टेशन है।

11. सुरेन्द्र नगर (गुजरात)

1. तपस्विनी महा श्री रमा बाई म सा
2. महासतीजी श्री कुसुम बाई म सा
3. महासतीजी श्री निर्मला बाई म सा

4. मसासती जी श्री हर्ष बाई म. सा.
 5. महासती जी श्री सरोज बाईजम. सा.
 6. महासती जी श्री निवृत्ती बाई म. सा
 7. महासती जी श्री परागिनी बाई म सा.
 8. महासती जी श्री परिज्ञाबाई म. सा.
 9. महासती जी श्री प्रफुल्ला बाई म. सा.
 10. महासती जी श्री गीता बाई म. सा.
- आदि म. सा. (10)

पता.—श्री स्थानकवासी जैन समाज,
जेवरचद मेघाणी मार्ग, भारत सोसायटी, सुरेन्द्र नगर
(गुज) -3630001

साधन—प. रे के सुरेन्द्र नगर, भावनगर, रूट पर अहमदा-
बाद, वाटोद, गाँधी धाम रूट पर स्टेशन है।

12. सायन-बम्बई (महाराष्ट्र)

1. विदुषी महा श्री सुयशा बाई म. सा
 2. महासतीजी साधना बाई म. सा.
 3. महासति जी श्री कनक प्रभा बाई म. सा.
 4. महासति जी श्री अर्पिता बाई म.सा.
 5. महासति जी श्री मनोज्ञा बाई म. सा
 6. महासति जी श्री अभिज्ञा बाई म सा
 7. महासती जी श्री सुज्ञा बाई म सा.
- आदि म सा (7)

पता—श्री जैन भुवन, जैन सोसायटी रोड रोड न. 25,
प्लोट 79, सायन (ईस्ट) बम्बई-400022 (महा.)

साधन.—से. रे मे सायन स्टेशन उत्तरे बस स्टॉण्ड के पास

13. नवसारी (गुजरात)

1. विदुषी महा श्री रंजन बाई म. सा
 2. महा श्री प्रतिमा बाई म सा.
 3. महा श्री रश्मिता बाई म. सा.
 4. महा श्री अर्पिता बाई म. सा
- आदि म सा (4)

पता—श्री वनास काठा स्था जैन सघ, जैन उपाश्रय
महादेव सोसायटी, दरजीनी वाड़ी पास,
आशानगर, नवसारी-396445 जि वलसाड (गु)

साधन - भुज, नालीया, समराइ, लाकडीया, स बस द्वारा ।

7 नाना भाडिया-क्वच्छ (गुजरात)

- 1 महामतीजी श्री लक्ष्मीबाई म सा
- 2 महासतीजी श्री इन्दुमती म सा
- 3 महासतीजी श्री सुनन्दाबाई म सा
- 4 महामतीजी श्री निपुणाबाई म सा

जादि म सा (4)

पता - श्री स्यानकवासो जैन मघ

मु पा नाना भाडिया 382463
जिला भुज कच्छ (गुज)

साधन - गुज, जजार, भचाऊ लाकडीया रापर म बसे जाती ह ।

8 कादाबाडो बम्बई (महाराष्ट्र)

- 1 महामतीजी श्री मणीबाई म सा
- 2 महासतीजी श्री जयाबाई म सा
- 3 महासतीजी श्री भावनाबाई म सा
- 4 महासतीजी श्री शारदाबाई म सा
- 5 महामतीजी श्री उज्जववाबाई म सा
- 6 महामतीजी श्री नीताबाई म सा
- 7 महामतीजी श्री भीताबाई म सा
- 8 महासतीजी श्री नीलाबाई म सा
- 9 महामतीजी श्री शरणाबाई म सा
- 10 महा जी श्री चिन्ताबाई म सा
- 11 महा जी श्री अञ्जनाबाई म सा
- 12 महा जी श्री समद्विगाई म सा
- 13 महा जी श्री तोरन बाई म सा
- 14 महा जी श्री निधिबाई म सा
- 15 महा जी श्री निरालीबाई म सा

जादि म सा (15)

पता - व स्या जन थापक मघ, जन स्थानक

170 कादाबाडो छाडील कर राड

बम्बई 4, 400001 (महा)

साधन - प र ब चवगेट-बोगवली लाकल ट्रेन से चली रोड जनर बहा म पाम म ह ।

9 लाखापुर (गुजरात)

- 1 महासतीजी श्री स्वमणीबाई म सा
- 2 महासतीजी श्री माग्यवतीजी म सा
- 3 महामतीजी श्री प्रतिभाबाई म सा

आदि म सा (3)

पता - श्रीव स्वा जैन थापक मघ

जैन उपाश्रय,

मु पा लाखापुर-क्वच्छ

जिला भुज (गुज) 370001

साधन - भुज, कपाया, चित्ताड, भचाऊ से बस द्वारा ।

10 भुज-क्वच्छ (गुजरात)

- 1 महासतीजी श्री मूरजराड म सा
- 2 महामतीजी श्री निरजनाबाई म सा
- 3 महामतीजी श्री उपाबाई म सा
- 4 महामतीजी श्री चदनाबाई म सा

आदि म सा (4)

पता - श्री छ काटि स्यानकवासो जन बाणियाबाड,

मु पो भुज-क्वच्छ (गुज) 370001

साधन - राजकाट, जहमदाबाद, सुरद्रनगर, पालनपुर,

कान्दला, गाधीधाम से ट्रेन मिलती ह ।

11 बाकी-क्वच्छ (गुजरात)

- 1 महासतीजी श्री मणीबाई म सा
- 2 महासतीजी श्री प्रभाकुवरजी म सा
- 3 महासतीजी श्री कम्णाबाई म सा
- 4 महामतीजी श्री मनीपाबाई म सा
- 5 महामतीजी श्री कविताबाई म सा

आदि म सा (5)

पता - श्री जाठ काटि कच्छ स्थानकवासी जन मघ

मु पा बाकी-क्वच्छ-370425 जिला भुज (गुज)

साधन - भुज गाधीधाम रापर लाडीया, वाटला, जजार

स जम जाती ह ।

12 सूडा-क्वच्छ (गुजरात)

- 1 महामतीजी श्री हम्बुवर म सा

2. महासतीजी श्री इन्दिराबाई म सा.
आदि म सा (2)

पता—श्री स्थानकवासी जैन उपाश्रय,
मु पो मुन्द्रा-370421
जिला भुज-कच्छ (गुजरात)

साधन—भुज, कादला, भचाऊ, अजार से बसे जाती है।

13. विदडा-कच्छ (गुजरात)

1. महासतीजी श्री प्रभावती म सा
2. महासतीजी श्री अर्चना म सा.
आदि म सा (2)

पता—श्री स्था. जैन सघ, जैन उपाश्रय
मु पो विदडा-कच्छ-370435 (गुज)

साधन.—भुज, अजार, रापर से बस द्वारा।

14. भोजाय कच्छ (गुजरात)

1. महासतीजी श्री दमयतीबाई म सा
2. महासतीजी श्री रत्नमणीबाई म सा
3. महासतीजी श्री रूक्मणीबाई म सा
4. महासतीजी श्री विपुलाबाई म सा
5. महासतीजी श्री हितुलाबाई म सा
आदि म सा (5)

पता—श्री स्थानकवासी जैन उपाश्रय
मु पो भोजाय-कच्छ (गुज.)

15. घाटकोपर-श्रमणी विद्यापीठ-बम्बई (महाराष्ट्र)

1. महासतीजी श्री तारामतीबाई म सा
2. महासतीजी श्री नयनाबाई म सा
3. महासतीजी श्री रेखाबाई म सा
4. महासतीजी श्री चदनाबाई म सा
आदि म सा (4)

पता—श्री श्रमणी विद्यापीठ, जैन उपाश्रय के पास
हीगवाला लेन, घाट कोपर (वेस्ट) बम्बई-77

साधन—से रे के वी टी थाणा की लोकल ट्रेन से।

16. भुजपुर-कच्छ (गुजरात)

1. महासतीजी श्री केसरबाई म.सा.

2. महा जी श्री लीलावतीबाई म सा.

3. महा जी श्री गीताबाई म.सा

4. महा जी श्री महेश्वरीबाई म.सा

आदि म.सा (4)

पता—जैन उपाश्रय, मु पो भुजपुर-कच्छ
जिला भुज (गुजरात) 370405

साधन—भुज, अजार, लाकडीया से बसे जाती है।

17. मुलुण्ड-बम्बई (महाराष्ट्र)

1. महासतीजी श्री मजुलाबाई म.सा.
2. महासतीजी श्री विमलाबाई म सा.
3. महासतीजी श्री वैशालीबाई म सा.
4. महासतीजी श्री मीताबाई म सा
आदि म सा. (4)

पता—व स्था जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक
137 ए सेवाराम ललवाणी रोड

पोपट मार्ग मु पो मुलुण्ड (W) बम्बई-80
Tel-595766 P P.

साधन—उपरोक्त

18. कपाया-कच्छ (गुजरात)

1. महासतीजी श्री निर्मलाबाई म.सा
2. महासतीजी श्री नन्दीताबाई म सा
आदि म सा (2)

पता—श्री स्थानकवासी जैन संघ

मु पो कपाया-कच्छ 370415 (गुज)

साधन—भुज, अजार, भचाऊ, लाकडीया से बस द्वारा।

19. महालक्ष्मी तिरूपति-बम्बई (महा.)

1. महासतीजी श्री सुभद्राबाई म.सा
2. महासतीजी श्री कोकिलाबाई म.सा
3. महासतीजी श्री स्मिताबाई म सा
4. महासतीजी श्री पुनिताबाई म.सा
5. महासतीजी श्री सद्गुणाबाई म सा.
6. महासतीजी श्री सुयशाबाई म.सा
7. महासतीजी श्री सुरभि बाई म.सा.
आदि म.सा. (7)

पता -श्री न स्या जन श्रावण मघ
 निरूपनि अगाटमेटम् महानक्षत्री मन्दिर के सामन
 बम्बई-400036 (महा)

साधन -उपरागत।

20 पनी कच्छ (गुजरात)

- 1 महामतीजी श्री कम्पूरवाट म मा
- 2 महामतीजी श्री गामनावाट म मा
- 3 महामतीजी श्री गुलमावाट म मा

जादि म मा (3)

पता -श्री स्याकवामी जैन मघ,

मु पा पनी-कच्छ

जिला भुज (गुज) 370425

साधन -गाधीधाम, भुज, भवाऊ रापर मे म द्वारा।

21 छसरा कच्छ (गुजरात)

- 1 महामतीजी श्री वीरमणीवाट म मा
- 2 महामतीजी श्री रमिनावाट म मा
- 3 महामतीजी श्री मुनीनावाट म मा

जादि म मा (3)

पता -श्री स्याकवामी जैन उपा मघ

मु पा छसरा-कच्छ जिला भुज (गुज) 370001

साधन -भुज नवाऊ जगार म मने जाता ह।

सत-मती तुलनात्मक तालिका

विवरण	सत	तियां
1985 मे कुल ठाणा धे	14	69
+नई दीशाए हई	-	4
	14	73
—कालबम प्राप्त हए	-	2
	14	71
1986 मे कुल ठाणा ह	14	71



सामूहिक विवाह का सबसे ज्यादा प्रचलन आजकल मवाई माधोपुर शत्र मे पागवान जैन समाज म तो है ही लेकिन वहाँ जितनी भी जातीयां हैं और उनमे इसका प्रचार प्रसार जोर शोर मे चल रहा है। प्रति वष कई जातीयां सामूहिक विवाह करने लग गये हैं और यह दिन इतना गत चौगुना सफरता की सीटियों पर पहुँचता जा रहा है। पोरवाल जैन समाज का तो यह अभिनव अग वन चुका है। समाज का बाँ चाहे वह छोटा हो या बड़ा सबसे मज बढी खुशी व ध्यान के साथ इनमे सम्मिलित होकर विवाह करते हैं। इनकी स्थापना 1977 मे और मे हई थी और अतक करीबन जन 800 मे ज्यादा जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न हो चुका ह। वष म 4 5 बार जन भी अवार आना है पोरवाल श्री मघ के सानिध्य म यह सामूहिक विवाह सम्पन्न होता ह।

मेरा समस्त जन समाज न निवेदन ह कि इम महाई के जमाने में ब्यथ खर्चा न करक समाज हित का ध्यान रखने हुए अमीर गरीब सभी साथ होकर सामूहिक विवाह सम्पन्न करें।

कुल चातुर्मास सनों के	5	कुल मुनिराऊ	14
कुल चातुर्मास सतिया के	16	कुल सतियाची	71
कुल	21	कुल	85

कुल चातुर्मास 21 सत 14 सतिया (71) कुल ठाणा 85



श्री कच्छ आठ कोटि छोटा पक्ष सम्प्रदाय के संत-सतियाँजी

संत समुदाय

1. वडाला-कच्छ (गुजरात)

1. आचार्य प्रवर पं. रत्न श्री रामजी स्वामी
म. सा.

2. श्री हीरजी म सा
3. श्री गोविन्दजी म.सा.
4. श्री दामजी म.सा.
5. श्री सुरेन्द्रजी म सा.
6. श्री नाना लालजी म.सा.

आदि मुनि (6)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय
मु. पो. वडाला कच्छ (गुज) 370001

साधन:—माडवी, भुज, भचाऊ से बसे जाती है ।

2. नवीनाल-कच्छ (गुजरात)

1. श्री भाणजी म सा.
2. श्री लक्ष्मीचन्दजी म.सा.
3. श्री देवेन्द्रजी म.सा

आदि मुनि (3)

पता —श्री स्थानकवासी जैन संघ उपाश्रय,
मु. पो. नवीनाल जिला भुज (गुज.) 370001

साधन:—हलवद, रापर, कान्दला, भुज से बस द्वारा

3. कुंडरोड़ी-कच्छ (गुजरात)

1. श्री खीमजी (भीमजी) म.सा.
2. श्री वशनजी म.सा.

आदि मुनि (3)

पता —श्री स्थानकवासी जैन संघ
मु. पो. कुंडरोड़ी जिला भुज कच्छ (गुज.)

4. गेलडा-कच्छ (गुजरात)

1. श्री राघवजी म.सा.
2. श्री कुंवरजी म.सा.
3. श्री हरीलालजी म.सा.

आदि मुनि (3)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन संघ
मु. पो. गेलडा-कच्छ जिला भुज (गुज.)

साधन:—मांडवी, भुज लाकडिया से बसे उपलब्ध

5. कारागोगा कच्छ (गुजरात)

1. श्री शीवजी म.सा.
2. श्री गांगजी म.सा
3. श्री मूलचन्दजी म.सा.

आदि मुनि (3)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन संघ,
मु. पो. कारागोगा-कच्छ जिला भुज (गुज.)

साधन:—उपरोक्त

6. देशलपुर-कच्छ (गुजरात)

1. श्री सूरजजी म.सा.
2. श्री टोकरशी म.सा.
3. श्री कल्याणाजी म सा
4. श्री प्रेमजी म सा.

आदि मुनि. (4)

पता —श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,
मु. पो. देशलपुर 370001 कच्छ (गुज.)

साधन:—उपरोक्त

महासतिवाजी समुदाय

7 भुज-क्वच्छ (गुजरात)

- 1 पदवीधर पूज्य महा श्री लक्ष्मीबाई म सा 'द्वितीय'
- 2 महा जी श्री खेनवाई म सा
- 3 महा जी श्री मन्तूरवाई म सा 'द्वितीय'
- 4 महा जी श्री विमलाबाई म सा
- 5 महा जी श्री चन्द्रिकाबाई म सा

आदि म सा (6)

पता—श्री स्थानकवामी जैन मण,

मु पो भुज-क्वच्छ (गुज) 370001

साधन—राजकोट, अहमदाबाद, सुरेन्द्र नगर, पालनपुर,
कादला, गाधीघाम म ट्रेन मिलती है।

8 प्रतापुर-क्वच्छ (गुजरात)

- 1 महामतीजी श्री रतनबाई म सा 'प्रथम'
- 2 महा जी श्री कुवरबाई म सा
- 3 महा जी श्री रतनबाई म सा 'द्वितीय'

आदि म सा (3)

पता—श्री स्थानकवामी जैन मण

मु पा प्रतापुर जि भुज-(क्वच्छ) (गुज)

साधन—

9 प्राणपुर-क्वच्छ (गुजरात)

- 1 महामतीजी श्री भर्वाबाई म सा
- 2 महा जी श्री देवकुवरबाई म सा
- 3 महा जी श्री सुनीताबाई म सा
- 4 महा जी श्री हमलताबाई म सा

आदि म सा (3)

पता—श्री स्थानकवामी जैन सप्त जैन उपाध्रम,

मु पा प्राणपुर-क्वच्छ (गुज)

साधन—भवाळ, ताकटिया भुज मे बसे उपलब्ध।

10 साडाऊ-क्वच्छ (गुजरात)

- 1 महामतीजी श्री तवेरीबाई म सा
- 2 महा जी श्री भानुबाई म सा
- 3 महा जी श्री साकरबाई म सा 'द्वितीय'
- 4 महा जी श्री प्रतीताबाई म सा

- 5 महा जी श्री दीनाबाईजी म सा

आदि म सा (5)

पता—श्री स्थानकवामी जैन उपाध्रम,

मु पो साडाऊ-क्वच्छ (गुज) 370001

साधन—उपरोक्त स्थानो मे

11 बेराजा-क्वच्छ (गुजरात)

- 1 महामतीजी श्री रक्ष्मीबाई म सा 'प्रथम'
- 2 महामतीजी श्री हेम प्रभाबाई म सा
- 3 महामतीजी श्री देवकीबाई म सा

आदि म सा (3)

पता—श्री स्थानकवामी जैन सप्त

मु पो बेराजा-382425

जिला-गाधी नगर (गुजरात)

साधन—अहमदाबाद, कलोल, प्रिसनगर, खेरालु,
महेमाण, गाधीनगर मे सीधी बस जाती है।

12 बारोई-क्वच्छ (गुजरात)

- 1 महामतीजी श्री साकर बाई म सा 'प्रथम'
- 2 महामतीजी श्री मेगबाई म सा
- 3 महामतीजी श्री वन्तूरबाई म सा 'प्रथम'
- 4 महामतीजी श्री नाराबाई म सा 'द्वितीय'

आदि म सा (4)

पता—श्री स्थानकवामी जैन उपाध्रम,

मु पो बारोई-370001 जिला-भुजक्वच्छ (गुज)

साधन—भुज, अजार, भचाळ, कादला, लाकडीया से
बस जाती है।

13 मोखा-क्वच्छ (गुजरात)

- 1 महामतीजी श्री कमलाबाई म सा
- 2 महामतीजी श्री ताराबाई म सा 'प्रथम'
- 3 महामतीजी श्री कुसुम बाई म सा

आदि म सा (3)

पता—श्री स्थानकवामी जैन उपाध्रम

मु पो मोखा-क्वच्छ जिला भुज (गुज)

साधन—भचाळ, भुज ताकटिया मे बसे उपलब्ध।

14. मांडवी-कच्छ (गुजरात)

मंगल कामना

1. महासती जी श्री नीनाबाई म. सा.
2. महासती जी श्री निर्मला बाई म. सा. 'प्रथम'
3. महासती जी श्री रतन बाई म. सा. 'तृतीय'
4. महासती जी श्री निर्मला बाई म. सा. 'द्वितीय'
आदि म. सा. (4)

अध्यक्ष है "सुखलाल", महामंत्री "मुन्नालाल", संयोजक "बाबूलाल" काम करे भारी है ॥1॥
भागीरथी है प्रयाश, समग्र जैन समाज, सभी संति-सतियों की, मिले जानकारी है ॥2॥
कहाँ कौन-सा ठिकाना, कैसे श्रावक को जाना पूरा पता पाते साधु, सत नर नारी है ॥3॥
'पारदर्शी' की बधाई, आठवा वर्ष सुखदाया, जैन चातुर्मास सूची, ज्ञान की पिटारी है ॥4॥

पता.-श्री स्थानकवासी जैन सघ,
मु. पो. मांडवी-कच्छ-370465 जिला भुज (गुज.)
साधन -भुज, नालीया, समराई, -लाकडीया, रांपर से
बस द्वारा

-छंदराज पारदर्शी-निम्बोहड़ा

कुल चातुर्मास संतों का	6	कुल मुनिराज	22
कुल चातुर्मास संतियों का	8	कुल सतियाँ जी	31
कुल	14	कुल	53

D

कुल चातुर्मास 14 संत 22 सतिया जी 31 कुल ठाणा 53

यह हमारा आठवाँ वर्ष का प्रकाशन है, जितनी हमें जानकारी मिली है निष्पक्ष, असाम्प्रदायिक भेदभाव से हम यह आपके सन्मुख रख रहे हैं। इसमें कई तरह की सारिणीयाँ हम और दे सकते थे लेकिन सभी का बराबर सहयोग हमें नहीं मिल रहा है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ यदि मुझे सभी जानकारियाँ मिल जावे तो जिस तरह क्रिकेट का रिकार्ड हर तरह से सुनाया जाता है उसी तरह की तालिकाएँ सारिणीयाँ कम से कम 200 तरह की बनाकर समाज के सामने प्रस्तुत कर सकता हूँ लेकिन चाहिए पूर्ण जानकारियाँ और आप सबका सहयोग मैं यह कार्य बिना पारिश्रमिक, सिर्फ समाज सेवा, सच्ची समाज सेवा से करने को तैयार हूँ। आशा है आप इस ओर अवश्य ध्यान देवेंगे।

निवेदक--बाबूलाल जैन 'उज्जवल'

संत-सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियाँ
1985 में कुल ठाणा थे	22	31
+ नई दीक्षाएं	—	—
— देहावसान हुए	—	—
	22	31
1986 में कुल ठाणा है	22	31

बुँद-बुँद से तालाव भरता है उसी प्रकार आपकी छोटी से छोटी-सी जानकारी (जैसे दीक्षोत्सव, तपोत्सव, जयन्तियाँ बिहार, समाचार, धार्मिक, सामाजिक, शिक्षण नेत्र, स्वास्थ्य शिविरों, चातुर्मास की लिस्ट आदि) से यह पुस्तक तैयार हो जाती है। जितनी हो सकी है इन वर्ष हर जानकारी को विस्तृत रूप से आपके सामने रखी है। लेकिन जिस चीज को हमें जानकारी ही नहीं मिल हम भला क्या कुछ कर सकते हैं। आपसे निवेदन है कि आपके वहाँ होने वाले हरेक कार्यक्रम की हमें सूचना अवश्य भेजने की कृपा करेंगे तो हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि इससे भी बेहतर सेवा हम आपकी कर सकेंगे।

बाबूलाल जैन, 'उज्जवल'

—सम्पादक

सत सतुदाय

1 शहर-बम्बई (महाराष्ट्र)

- 1 महानत्यागी, भागम शाता, शाचायं प्रवर
आरनायो, प रत्न श्री चाम्नी प्रपित्री
म सा
- 2 मधुर व्याख्यात्री श्री सर्वांग करित्री म सा
- 3 मेवाभावी श्री मातर मूनि जी म सा
- 4 विद्याभितारी श्री त्रिभुज मूनि जी म सा

आदि मुनि (4)

पता—श्री य स्या ज्ञान व्यासक मय शात मदि र राठ,
पाटनीन चष मूनि, 12 एग सा, दादर (बम्बई)
बम्बई 400028 (महा)

साधन—य र. वारीवर्मा, चषमट एव मेट्टुन रत्न म
वी टी पाता कल्याण की ट्रा म सादर उपरे वही
से पाट मीन चष के पास।

2 शीतल छाता भ्रमदायार (गुज)

- 1 मधुर व्याख्यात्री श्री अरिन्द मूनि जी म सा
- 2 मेवा भारी श्री प्रशास मूनि जी म सा
- 3 मेवा भारी श्री भोजन मूनि जी म सा
- 4 माहिय रिशास, श्री मरुद करि म सा
- 5 मेवाभावी श्री दशन मूनि जी म सा

अदि मुनि (5)

पता—श्री स्यातव चामी ज्ञान छ काटी मय, जैन उपाश्रय,
शैलनपात सागरपुर, अहमदाबाद
380001 (गुज)

साधन—मरुदभावा, जेजे मेट्टुन चष मेट्टुन म रिक्सा
मिरी चष उस्ताद, ई।

3 मरिदाय (गुजरात)

- 1 चित्त व्याख्यात्री श्री कर्मांग मूनि जी म सा
 - 2 मरुभावी श्री मूनि जी म सा
- पता—श्री स्या ज्ञान मय
मू पा मरिदायवा बाबा (गुज)

साधन—बरोडा भ्रमदायार भगत म चषमेट्टुन उपाश्रय।

महामतियांजी समुदाय

4 घाटकारर-बम्बई (महा)

- मय महा श्री शरदा बार्द म सा श्री मुनिप्याणें—
- 1 त्रिभुवी महामती श्री चणुकी बार्द म सा
 - 2 महामती श्री द्दिशा बार्द म सा
 - 3 पातभितारी श्री मंडाविनी बार्द म सा
 - 4 महामती श्री श्री मदीना बार्द म सा
 - 5 महामती श्री श्री हापिना बार्द म सा
 - 6 महामती श्री श्री माधना बार्द म सा
 - 7 महामती श्री श्री भावना बार्द म सा
 - 8 महामती श्री श्री गुजरात बार्द म सा
 - 9 महामती श्री श्री पूर्विका बार्द म सा
 - 10 महामती श्री श्री सुरथा बार्द म सा
 - 11 महामती श्री श्री वरेना बार्द म सा
 - 12 महामती श्री श्री विष्णी बार्द म सा
 - 13 महामती श्री श्री रीता बार्द म सा
 - 14 महामती श्री श्री ए. व बार्द म सा

आदि म सा (14)

7. महासतीजी श्री भारतीवाई म.सा
8. नवदीक्षित महा श्री मीनावाई म सा
आदि म सा (8)

पता -श्री स्थानकवासी जैन संघ
स्थानकवासी सोसायटी नारायणपुरा क्रोसीग पासे
अहमदाबाद-380013 (गुजरात)

साधन:-उपरोक्त

5. बड़ौदरा (गुजरात)

- 1 महासतीजी श्री मधुवाई म.सा
2 महासतीजी श्री हंसावाई म.सा
3 महासतीजी श्री रेणुकावाई म सा
4. महासतीजी श्री दीपीकावाई म सा
आदि म सा. (4)

पता -श्री स्थानकवासी जैन संघ
जैन उपाश्रय
मु. पो वड़ौदा-390001 (गुजरात)

साधन -दिल्ली-वम्बई, अहमदाबाद-वम्बई मेन लाइन
पर रेल्वे स्टेशन है ।

6. गढ़डा स्वामीनारायण (गुजरात)

1. महासतीजी श्री रसीलावाई म सा
2 महासतीजी श्री गुणवतीवाई म सा
3. महासतीजी श्री वसुवाई म.सा.
4. महासतीजी श्री श्रद्धावाई म.सा
5. महासतीजी श्री रोशनीवाई म.सा
6. महासतीजी श्री अचनीवाई म.सा.
आदि म सा (6)

पता -श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय
मु पो गढ़डा स्वामीनारायण-364750
जिला भावनगर (गुजरात)

साधन -अहमदाबाद से धंधुका होकर निगाला स्टेशन से
गाडी बदलकर जा सकते हैं ।

7. दामनगर (गुजरात)

1. महासतीजी श्री अजलावाई म सा.
2 महासतीजी श्री प्रफुल्लावाई म.सा

3. महासतीजी श्री चंदनावाई म.सा
4. महासतीजी श्री वंदनावाई म सा.
5. महासतीजी श्री विरलवाई म.सा

पता.-श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय
मु. पो दामनगर-364220
जिला अमरेली (गुजरात)

साधन -प रे मे ढसा जंक्शन महुआ लाइन पर रेल्वे
स्टेशन है । अमरेली भावनगर लिम्बड़ी धोराजी
बोटद से सीधी ट्रेन भी जाती है ।

कुल चातुर्मास संतो के	1	कुल मुनिराज	4
" " सतीयो के	6	" महासतीयाजी	36
	कुल 7		कुल 40

कुल चातुर्मास 7 संत	4 सतीयाजी 36	कुल ठाणा	40
---------------------	--------------	----------	----

संत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियाजी
1985 में कुल ठाणा थे	4	35
+ नई दीक्षाएं हुई	-	1
	-	-
	4	36
---कालधर्म हुए	-	-
	-	-
	4	36
1986 मे कुल ठाणा है	4	36

(पेज 125 का शेष)

संत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतिया
1985 में कुल ठाणा थे	11	33
+ नई दीक्षाएँ हुई	-	1
	-	-
	11	34
---कालधर्म प्राप्त हुए	-	1
	-	-
	11	33
1986 मे कुल ठाणा है	11	33

सत सन्नुवाय

1 राणपुर (गुजरात)

- 1 प्रिय व्याख्यानी, भाष्यारिखर योगी, प रत्न
श्री तथोपमुनिजी म मा
- 2 मधुर व्याख्यानी श्री अर्थाचर्य, म मा
- 3 मधुर बटी सन्नुवायुनिजी म मा
- 4 तान्त्री श्री द्विप मुनिजी म मा

आदि मुनि (4)

पता—श्री स्थानकवासी जैत गण
जैन उपाध्यप, बसानो जैरी
मु बो राणपुर 363610
त्रिना गुजरातर (गुजरात)

साधना—य र के गुजरातर भाषांतर सेत सादा पर
बाटाद क पाठ कर रहत है । यभा मारिणा
ठहुरता है । बागान से वर भी ताती है ।

महासतिर्वांजी समुदाय

2 बौद्ध (गुजरात)

- 1 तपस्विनी महा श्री जगदीश म मा
- 2 महा मनीजी श्री अरुण बाइ म मा
- 3 महामनीजी श्री इन्दिराबाइ म मा
- 4 महामनीजी श्री स्मृतिबाई म मा
- 5 महामनीजी श्री राजुबाबाई म मा
- 6 महामनीजी श्री चान्दीबाई म मा

आदि म मा (6)

पता—प रा, रजवासी जैत गण
महारा मंदिर के पास प 4
मु बो बागान 364710
त्रिना भावना (गुजरात)

साधना—य र के गुजरातर भाषांतर सेत सादा पर
बाटाद क पाठ कर रहत है । यभा मारिणा
ठहुरता है । बागान से वर भी ताती है ।

3 महराज का बाबा अहमदाबाद (गुज)

- 1 महराजी श्री इन्दिराबाई म मा
- 2 महामनीजी श्री जगदीश
- 3 महामनीजी श्री जगदीश म मा
- 4 महामनीजी श्री जगदीश म मा
- 5 महराजी श्री जगदीश म मा
- 6 महामनीजी श्री जगदीश म मा
- 7 महामनीजी श्री जगदीश म मा

आदि म मा (7)

पता—श्री गौरीबाइ स्थानकवासी जैत गण
तप गड का बाबा, पी काटा राइ
अहमदाबाद 380001 (गुजरात)

साधना—बम्बई अहमदाबाद, अहमदाबाद मारिणा
सादा पर मुद्र कर रहत है । यर के हर बाल
म सीधा दुत ।

4 मारावजपुरा अहमदाबाद (गुजरात)

- 1 महामनीजी श्री जगदीश म मा
- 2 महामनीजी श्री सुनीलबाई म मा
- 3 महामनीजी श्री गुणबाई म मा
- 4 महामनीजी श्री ज्योत्सनाबाई म मा
- 5 महामनीजी श्री ज्योतिबाई म मा
- 6 महामनीजी श्री गुजराबाई म मा

7. महासतीजी श्री भारतीबाई म सा
8. नवदीक्षित महा श्री मीनाबाई म सा
आदि म सा (8)

पता—श्री स्थानकवासी जैन संघ
स्थानकवासी सोसायटी नारायणपुरा क्रोसीग पासे
अहमदाबाद-380013 (गुजरात)

साधन:—उपरोक्त

5. बड़ौदरा (गुजरात)

1. महासतीजी श्री मधुबाई म सा
2. महासतीजी श्री हंसाबाई म.सा
3. महासतीजी श्री रेणुकाबाई म सा.
4. महासतीजी श्री दीपीकाबाई म सा.
आदि म.सा. (4)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन संघ
जैन उपाश्रय
मु पो बड़ौदा-390001 (गुजरात)

साधन:—दिल्ली-बम्बई, अहमदाबाद-बम्बई मेन लाइन
पर रेल्वे स्टेशन है।

6. गढ़डा स्वामीनारायण (गुजरात)

1. महासतीजी श्री रसीलाबाई म.सा
2. महासतीजी श्री गुणवतीबाई म.सा
3. महासतीजी श्री वसुबाई म.सा.
4. महासतीजी श्री श्रद्धाबाई म.सा.
5. महासतीजी श्री रोशनीबाई म.सा
6. महासतीजी श्री अवनीबाई म.सा
आदि म सा (6)

पता.—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय
मु. पो. गढ़डा स्वामीनारायण-364750.
जिला भावनगर (गुजरात)

साधन—अहमदाबाद से धंधुका होकर निगाला स्टेशन से
गाड़ी बदलकर जा सकते हैं।

7. वामनगर (गुजरात)

1. महासतीजी श्री अजलाबाई म सा.
2. महासतीजी श्री प्रफुल्लाबाई म.सा

3. महासतीजी श्री चंदनाबाई म.सा
4. महासतीजी श्री चंदनाबाई म सा.
5. महासतीजी श्री विरलबाई म.सा.

पता—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय
मु पो वामनगर-364220
जिला अमरेली (गुजरात)

साधन—प. रे. मे ढसा जंक्शन महुआ लाइन पर रेल्वे
स्टेशन है। अमरेली भावनगर लिम्बड़ी धोराजी
बोटद से सीधी ट्रेन भी जाती है।

कुल चातुर्मास संतो के	1	कुल मुनिराज	4
” ” सतीयो के	6	” महासतीयाजी	36
	—		—
कुल	7	कुल	40
कुल चातुर्मास 7 सत 4 सतीयांजी 36 कुल ठाणा 40			

संत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियांजी
1985 में कुल ठाणा थे	4	35
+ नई दीक्षाए हुई	—	1
	—	—
—कालधर्म हुए	4	36
	—	—
1986 में कुल ठाणा हैं	4	36

(पेज 125 का शेष)

संत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियां
1985 में कुल ठाणा थे	11	33
+ नई दीक्षाए हुई	—	1
	—	—
—कालधर्म प्राप्त हुए	11	34
	—	1
1986 में कुल ठाणा हैं	11	33
	11	33

सत समुदाय

1 घाटकोपर बम्बई (महा)

- 1 मधुर व्याख्यानी, प रत्न श्री नरेन्द्रमुनिजी म सा

मुनि (1)

पता—श्री व म्या जैन थावक मघ
आगरा रोड, श्रेयाग टासीज के पीछे, गाटन जैन,
मघाणी इन्टे घाटकोपर (वेन्ट) बम्बई -86
साधन—रादर-बन्धाग थापा-बम्बई की लावन ट्रेन से
घाट कोपर उनरें ।

महासतिपाँजी समुदाय

2 गोडल (गुजरात)

- 1 विदुषी महासती श्री चम्पा बाई म मा
 - 2 महासती श्री जया बाई म मा
 - 3 महासती श्री विजया बाई म मा
 - 4 महासती श्री काता बाई म मा
- आदि म मा (4)

पता—श्री मघाणी स्थानकवाणी जैन मघ, जैन उपाश्रय
मघाणी घेरी मु पा गोडल-360311
निवा राजकोट (गुजरात) फोन न 813
साधन—राजकोट, सुरेंद्र नगर, अहमदाबाद, जामनगर,
बम्बई, बडौदा से मीधी ट्रेन जाती है ।

3. गोडल (गुजरात)

- 1 महासती श्री नीलाजार्द म सा
- 2 महासती श्री वनिता बाई म सा

- 3 महासती चन्द्रिका बाई म मा
 - 4 महासती श्री प्रभा बाई म मा
 - 5 महासती श्री मीना बाई म मा
 - 6 महासती श्री मालती बाई म मा
 - 7 महासती श्री मोनल बाई म सा
- आदि म सा (7)

पता व साधन—त्रयाव 2 के अनुमार ।

4 भांगरोल (गुजरात)

- 1 विदुषी महासती श्री ज्योत्सना बाई म सा
 - 2 महासती श्री मजुला बाई म सा
 - 3 महासती श्री भक्ति बाई म मा
- आदि म सा (3)

पता—श्री स्थानकवासी जैन सघ
मु पा भांगरोल -362225
जिना जूनागड (गुजरात)

साधन—जनागड, बेरावल, पारबदर, सोमनाथ से सीधी
त्रें जाती है ।

5 राजकोट (गुज)

- 1 व्याख्यानी विदुषी महा श्री उपा बाई म सा
- 2 महासती श्री विरग बाई म सा
- 3 महासती श्री उमिला बाई म सा
- 4 महासती श्री भारती बाई म सा
- 5 महासती श्री जागुनि बाई म सा
- 6 महासती श्री हूमा बाई म सा
- 7 महासती श्री मीरा बाई म मा

आदि म मा (7)

पता—श्री स्थानकवासी जैन पोपधमाला
मु पा राजकोट (गुज) 360001

साधन:-विरमगाँव बम्बई, बड़ौदा अहमदाबाद से सीधी ट्रेन विरमगाँव हापा मेन लाइन पर स्टेशन है

संत-सती तुलनात्मक तालिका

6. राजकोट (गुजरात)

1. व्याख्यात्री विदुषी महा. श्री साधना वाई म. सा
2. महासती श्री राजुल वाई म. सा
3. महासती श्री चंदना वाई म. सा
4. महासती श्री राजे श्री वाई म सा
5. महासती श्री वर्षा वाई म. सा.
6. महासती श्री अरुणा वाई म. सा

आदि म. सा. (6)

पता:-श्री स्थानकवासी जैन पोषध शाला,

भक्ति नगर सोसायटी, राजकोट-360001 (गुज)

साधन -विरम गाँव, बम्बई, हापा, अहमदाबाद, बड़ौदा, से सीधी ट्रेन जाती है। विरम गाँव हापा मेन लाइन पर स्टेशन है।

विवरण	संत	सतियाँ जी
1985 मे कुल ठाणा थे	1	30
+ नई दीक्षाएँ हुई	—	—
	—	—
	1	30
	—	—
काल धर्म प्राप्त हुए	—	—
	1	30
1986 मे कुल ठाणा है	1	30

7. राजकोट (गुजरात)

1. व्याख्यात्री विदुषी महा. श्री जय श्री वाई म सा
2. महासती श्री उषा वाई म सा
3. महासती श्री भावना वाई म. सा

आदि म सा (3)

पता:-श्री स्थानकवासी जैन संघाणी सघ, जैन उपाश्रय

10 दीवानपुरा, राजकोट-360001 (गुज)

सत्य-अहिंसा का अधिकाधिक प्रचार हो

चातुर्मास काल मे या शोखेकाल मे प्रायः एक-एक गाँव मे दो-दो तीन-तीन साधुजी और तीन-तीन, चार-चार साध्वीजी विराजते है। पर कहीं-कहीं बहुत बड़ी संख्या मे साधुजी या साध्वीजी रहते है। शहर बहुत बड़ा हो या अन्य किसी विशेष कारण से बड़ी संख्या मे एक गाँव मे रहे तो उचित ही है, पर यदि अधिक संख्या मे अकारण एक-एक स्थान पर रहे तो हमारे देश के बहुत से स्थान जहाँ की बड़ी संख्या में जैनियों के घर हैं वे स्थान खाली रह जाते है यदि इस और उचित ध्यान दिया गया तो वह कदम स्तुत्य होगा तथा भगवान महावीर के सत्य अहिंसा के सिद्धान्तों का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार हो सकेगा।

-मोतीलाल सुराना, इंदौर

कुल चातुर्मास संतों के	1	कुल संत	1
कुल चातुर्मास सतियों के	6	कुल सतियाँजी	30
कुल	7	कुल	31

कुल चातुर्मास 7 संत 1 सतियाँजी 30 कुल 31

धन्य है ऐसे लाल को

सम्पूर्ण भारत वर्ष मे C.A. चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट की परीक्षा मे प्रथम डिभिजन से प्रथम नम्बर पर उत्तीर्ण विद्यार्थी श्री प्रमोद मुनिजी म साने 15-12-1983 को जयपुर मे पूज्य आचार्य प्रवर श्री हस्तीमल जी म. सा. के सन्मुख भागवती दीक्षा अंगीकार करके एक अनोखा रिकार्ड स्थापित किया है। यह इतिहास मे पहला ही अवसर है। जब कोई उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाला सत-मतियाँजी बनने का मार्ग चुने। परिपक्व की ओर से बहुत-बहुत मंगलकामना।



सत समुदाय

1 अहमदाबाद (गुज)

1 आचार्य प्रवर, प रत्न श्री चम्पक मुनिजी
म सा

2 व्याख्यानो श्री सरदार मुनिजी म सा

3 तपस्वी श्री पारम मुनिजी म सा

4 तपस्वी श्री तरुण मुनिजी म सा

5 सेवामावी श्री सवाई मुनिजी म सा

6 विद्याभिलाषी श्री मुकेश मुनिजी म सा

आदि मुनि (6)

पता—श्री राजस्थान स्थानक जैन सघ,

हठीमार्दनी चार्डी सामे, दिल्ली दरवाजा बाहर

शाहीबाग रोड, अहमदाबाद-380004 (गुज)

साधन—अहमदाबाद रेल्वे स्टेशन—वस स्टैण्ड से रिक्शा,

सिटी बस द्वारा दिल्ली दरवाजा उतरें वहाँ समीप

ही राजस्थान स्थानक उपाश्रय है।

महासतियाँजी समुदाय

2 भावनगर (गुज)

1 विदुषी महा श्री माधीबाई म सा (स्थिरवात)

2 सेवामावी महा श्री हीराबाई म सा

आदि म सा (2)

पता—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन स्थानक,

भक्तिबाग, कालुमा रोड, जीवन भुवन के पास,

भावनगर-364001 (गुज)

माधन—अहमदाबाद, चोटाद, सूरत, राजवाट,
मुरेद्रनगर से बस य देरें जाती है।

3 खमात (गुजरात)

1 विदुषी महा श्री जवेरीबाई म सा (स्थिरवात)

2 सेवामावी महा श्री रतनबाई म सा

आदि म सा (2)

पता—श्री भोगीलाल त्रिभोजनदाम ग्राह,

कटा चोटडी, जुनी मटार्द

मु पो खमात 388620 जिला खेडा (गुज)

साधन—पर बाणद, खमात मार्ग पर स्टेशन है।

अहमदाबाद, नाडियाद, गोधरा से भी सीधी ट्रेन
जाती है।

4 बरवाला (गुज)

1 विदुषी महा वयोवृद्ध श्री सुभद्राबाई म सा

म सा (1)

पता—श्री स्थानकवासी जैन उपाश्रय, जैन स्थानक,

वाजार मे।

मु पो बरवाला (घेलासाह) 382450

वाया धागधा जिला अहमदाबाद (गुज)

माधन—पर मे जामनगर और लादन पर स्टेशन है।

5 सगेली (गुज)

1 विदुषी महा श्री कचनबाई म सा

2 विदुषी महा श्री प्रेमीलाबाई म सा

3 सेवामावी महा श्री हुमाबाई म सा

आदि म सा (3)

पता—अध्यक्ष श्री सागरमलजी बागरेवा,

मु पो सगेली जिला पचमहाल, (गुज)

साधन—

6. राजस्थान सोसायटी-अहमदाबाद (गुज.)

1. मधुर व्याख्यात्री महा. श्री अंगूरप्रभाबाई म.सा.
2. सेवाभावी महा. श्री नीताबाई म.सा.
3. नवदीक्षिता महा. श्री छायाबाई म.सा
आदि म.सा. (3)

पता:—राजस्थान सोसायटी,
पुलिस कमीशनर के पास, शाहीबाग,
अहमदाबाद (गुज.) 380004

साधन:—उपर्युक्त क्रमांक 1 अनुसार । मा.

कुल चातुर्मास संतों के	1	कुल संत	6
कुल चातुर्मास सतियों के	5	कुल सतियाँजी	11
कुल	6	कुल	17
कुल चातुर्मास 6 संत 6 सतियाँजी	11	कुल ठाणा	17

संत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियाँ
1985 में कुल ठाणा थे + नई दीक्षाएं हुई	6	10
	—	1
	6	11
— कालधर्म प्राप्त हुए	—	—
	6	11
1986 में कुल ठाणा हैं	6	11



विघ्न सुहं पि वाणं होई, कुपत्ताम्भि असुह फलमेव ।
सप्पस्स जहा विनं खीरं, पि विसत्तण उयेई ॥

जैसे सर्प को पिलाया हुआ मधुर एवं निर्मल दूध भी विष-रूप ही परिणमता है उसी प्रकार कुपात्र को दिया हुआ उत्तम दान भी लाभ प्रदायक नहीं होता है । अर्थात् सचेथा कुपात्र को कितना भी उत्तम दान दिया जाय तथापि सर्प को दुग्ध पान कराने के समान निष्फल ही है ।

लद्धुण माणुसत्तं जस्स, न धम्मे सया हवईचित्तं ।
तस्स किर करयलत्थं अभयं नट्ठं चिय नरस्स ॥

भावार्थ—अत्यन्त दुर्लभ उत्तम मानव जीवन को प्राप्त करके भी जिसका निरस्तर धर्म मे चित्र तल्लीन नहीं रहता है उसका मनुष्यत्व हथेली पर रखे हुए अमृत के समान व्यर्थ ही प्रतिक्षण व्यतीत हो रहा है जैसे हथेली पर रखा हुआ अमृत बिन्दु २ रूप मे टपककर व्यर्थ चला जाता है वैसे ही अमृत-तुल्य मानवदेह धर्म के विना निरर्थक व्यतीत हो जाता है ।

हादिक शुभकामनाओं सहित -

मैसर्स-सूरजमल
डॉगी एण्ड सन्स

फेन्सी कपड़ों के थोक व्यापारी
5/6, पोरवालों का वास रतलाम (म.प्र.)

सत समुदाय

- 1 मायला (गुजरात)
- 1 दयोवृद्ध प रत्न श्री बलभद्रमुनिजी म सा
- 2 नवदीक्षित श्री विश्रम मुनिजी म सा
आदि मुनि (2)
- पता—श्री सायला स्थानकवासी जैन श्री सप,
मेघमुनि उपाश्रय, राजपूत औरा पामे,
मु पो मायला जि सुरेद्रनगर(गुज) 363430
- साधन—पर के जारावर नगर सायला स्ट पर स्टेशन ह ।

कुल चातुर्मास 1 सत 2 — कुल 2

आपको यह हमारा प्रयास कैसा लगा ? अन्को बार समय की अस्तव्यस्तता के कारण अधिक जानकारीयाँ होते हुए भी हम आपके सम्मुख प्रस्तुत नहीं कर सके । परिपद् वा काय सुचारु रूप से चालू रखने के लिए आप अधिक से अधिक सहयोग प्रदान करने की वृत्ता करे । परिपद् वा उद्देश्य समाज से पसा बटोरना न होकर सच्ची लगन, सच्चे दिल से समाज की सेवा करना है । आप भी इसके सहभागी बने और समाज की सेवा का काम उठावें ।

सम्पादक—

बाबूलाल जैन "उज्जवल"



वृहद् गुजरात सम्प्रदायो के अन्य सत-सतियाँजी

सत समुदाय

- 1 प्लोट उपाश्रय जामनगर (गुज)
आठ फोटी वच्छ नानी पक्ष सम्प्रदाय के स्व आचाय
प्रवर श्री लानजी म सा के मुशिष्य—
- 1—प्रिय व्याख्यान श्री केशव मुनिजी म सा
- 2 नवा भार्वा श्री नानजी म सा
आदि मुनि (2)
- पता—श्री स्थानकवासी जैन सप "सुवाम" रणजीतनगर,
श्रीनिवास कालाणी, गैरी न 2 सुमर वनव राड,
मु पा जामनगर-361005 (गुज)
- 2 सिद्धपुर (गुज)
- 1—कच्छ मोटापक्ष के श्री दिनेश मुनिजी म सा
(साय मे गौडल सम्प्रदाय के श्री हरिशमुनिजी म भी है)
- कुल ठाणा (2) आदि मुनि (1)
- पता—स्थानक जैन सप जैन उपाश्रय,
मु पो सिद्धपुर जिला भुज-कच्छ (गुज)
- 3 महाराष्ट्र मे—
खभात सम्प्रदाय के श्री धर्मेन्द्र मुनिजी म सा
मुनि (1)
- 4 लिम्बडी के आसपास (गुज)
निम्बडी सम्प्रदाय के श्री जगदीश मुनिजी म सा
मुनि (1)

5. देवलाली नासिक (महा.)

1. श्री शान्ति मुनिजी म.सा.
(लिम्बडी नानी पक्ष)
2. श्री भरत मुनिजी म.सा.
3. श्री अमृत मुनिजी म सा

आदि मुनि (3)

पता:—श्री वर्धमान महावीर सेवा केन्द्र,
312, देवलाली केम्प, लाम रोड,
जिला-नासिक (महा.) 422401

सहासतियाँजी समुदाय

6. माणेकपुर-बम्बई (महा)

विदुषी महा. श्री रुक्मणीबाई म.सा.

आदि म.सा.

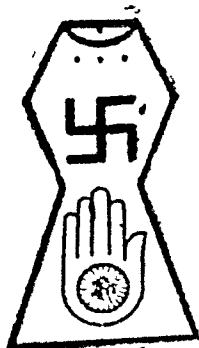
पता:—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक, (5)
मु पो माणेकपुर वाया बसई (महा.)
साधन.—प.रे मे विरार-दहाणु के बीच मे रेलवे स्टेगन है

7. गुजरात में (गुजरात)

विदुषी महा श्री कमलावतीजी म.सा. आदि म.सा. (3)

कुल चातुर्मास संतों के	5	कुल संत	8
कुल चातुर्मास सतियों के	2	कुल सतियाँजी	8
कुल	7	कुल	16

कुल चातुर्मास 7 संत 8 सतियाँजी 8 कुल ठाणा 16



संत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियाँ
1985 में कुल ठाणा —थे	5	8
+ नई दीक्षाएं हुई	—	—
— कालधर्म प्राप्त हुए	5	8
+ अन्य विभागों में से ट्रांसफर हुए	3	—
	8	8
1986 में कुल ठाणा है।	8	8

नोट:— लिम्बडी मोटा सम्प्रदाय के श्री जगदीश मुनिजी म सा एव श्री भरतमुनिजी म, श्री अमृत मुनिजी म सा अन्य विभागों में से इस विभाग में आये हैं।

बृहद् गुजरात सम्प्रदायों के कुल

कुल चातुर्मास संतों के	कुल मुनिराज	127
कुल चातुर्मास सतियों के	कुल सतियाँजी	860
		987

कुल चातुर्मास संत 127 संतियाँजी 860 कुल ठाणा 987

कुल संत-सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियाँजी
1985 में कुल ठाणा थे	123	847
+ नई दीक्षाएं हुई	3	26
	126	873
— कालधर्म हुए	1	7
	125	866
+ अन्य विभागों में आये	2	—
	127	866
— जिनके बारे में कोई सूचना नहीं मिली	—	6
	127	860
1986 में कुल ठाणा है	127	860

With Best Compliments From :

S. S. JAIN & CO.

OPP GANI GARAGE,
DHARAVI MAIN ROAD,
BOMBAY 400025

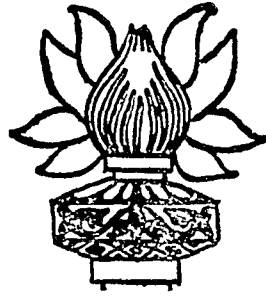
Tel 481992

**SHATI PLASTIC
INDUSTRIES**

50' K T HOUSE, Nagusyaki Wadi,
New PRABHADEVI ROAD,
BOMBAY-400025

Tel 4221705

इन्द्रियों पे मन की प्रभुता है, सस्तिस्क उसी का दफतर है ।
इस मन को जो वश में कर ले, कब्जा उसका सब तन पर है ॥



Phone : 343579
329050
Resi : 5610933

J. K. IMPEX CORPORATION

Exporters-Importers

408, Yogeshwar
135/37, Kazi Sayed Street,
Khand Bazar,
BOMBAY-400003.

हे पुत्र वही जो माता पिता की, आज्ञा पर डट जाता है ।
हर सूरत से जीवन भर उनको, पूरण सुख पहुँचाता है ॥

With best compliments from



D. CHANDRA & CO.

Exporters of

□ **Semi-Precious Stones** □ **Agate Articles**

Pith Sutarwada Gandhi Road
CAMBAY-388 620 (India)

Phone 2550

Gram "HONESTY CAMBAY"

भाग-तृतीय

- * श्वेताम्बर तेशपंथी सम्प्रदाएँ
- * श्वेताम्बर नव तेशपंथी सम्प्रदाएँ

ममग्र जैन समाज के सभी मुनिवरों एवं महासतीयांजी म सा का 1986 वर्ष का चातुर्मास
हर्षोल्लास वातावरण में ज्ञान दर्शन चारित्र्य तप की प्रवृत्तियों से अति प्रोत्साहन प्राप्त करने
ऐसी शुभकामनाएँ करते हुए---

With Best Compliments From :

S. Lalchand Bagmar

Financier

Office
80, Audiappa Narcken Street
Sowcarpet Madras-600 079

Phone
Office 32605
31252

Resi
Kadambari
41, Ritherdon Road,
Vepery Madras-600 007

Resi 37118
663271

* श्वेता २ पं

युग प्रधान आचार्य प्रवर श्री तुनमीजीम सा आदि ठाणाओ ऱा लाडनू (राज) मे 1986
चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चारित्र, तप की आराधना मे ओतप्रोत सम्पन्न होने की मंगल कामना
करते हुऐ—

हार्दिक शुभकामनाओ सहित—

ललित कुमार प्रकाशचन्द जैन
मदनलाल ललित कुमार साँखला

अनाज के व्यापारी एव कमीशन एजेंट

मु पो जावला बाया डेगाना जिला नागोर (राज)

सम्बन्धित फर्म—

JAIN Cloth Emporium
Sales Corporation
Synthetics

Mfg. Art Silk, Terivoiles, Cambric, Printed
Sarees

369, Shaikh Memon Street, 55, Dubash Market,
1st FLR, BOMBAY-400 002

Phone Res 622026
694383
Off 338331

1

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्म संघ के नवम् अधिष्ठाताः—
युग प्रधान आचार्य श्री तुलसीजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती श्रमण
एवं श्रमणीयों की 1986 वर्ष की चातुर्मास सूची

(क) राजस्थान प्रान्त-जोधपुर संभाग—

कुल चातुर्मास 19 श्रमण 51 श्रमणी 120

कुल ठाणा 171

1. लाड़नूं

जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्म संघ के नवम्
अधिष्ठाता युगप्रधान आचार्य प्रवर
श्री तुलसी जी म. सा.

युवाचार्य श्री महाप्रज्ञ जी म. सा.

श्रमण (33)

पता.—जैन विश्व भारती लाड़नूं (राज.) 341306

2. बोराबड़

श्री जशकरणजी म सा. (सुजानगढ़)

श्रमण (4)

पता.—जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,

मु.पो. बोराबड़ (राज) 341502

3. सरदारपुरा-जोधपुर

श्री बुद्धमलजी म.सा. (शादुलपुर)

श्रमण (4)

पता.—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,

तातेड़ भवन, छठीपाल रोड,

सरदारपुरा, जोधपुर-342003

4. छोटी खाटू

श्री अजरचन्दजी म सा. (गादणा)

श्रमण (3)

पता —श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,

मु पो. छोटी खाटू-341302

5. जोधपुर

श्री सागरमलजी म.सा. 'श्रमण'

श्रमण (3)

पता.—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,

जाटावास,जोधपुर-342001 (राज.)

6. जसोल

श्री मोहनलालजी म.सा. (आमेट)

श्रमण (4)

पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,

मु पो. जसोल-344024 (राज)

7. लाड़नूं

साध्वी श्री कनकप्रभाजी म.सा.

श्रमणी (64)

पता:—उपरोक्त क्रमांक 1 अनुसार

8. डीडवाना

साध्वी श्री रामकुमारीजी म.सा. (चाडवास)

पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,

मु.पो. डीडवाना-341303

9. जोजावर

साध्वी श्री सिरिकुमारीजी म. सा. (श्रीडुकुरगढ़)

श्रमणी (4)

पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,

मु.पो. जोजावर जिला पाली-306022

श्रमणी (6)

10. बालोतरा

साध्वी श्री मोहनकुमारीजी म.सा. (रामगढ़)

श्रमणी (5)

पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,

मु पो. बालोतरा-344022 (बाडमेर)

11. बाड़मेर

साध्वी श्री रामकुमारीजी म.सा. (रतनगढ़)

श्रमणी (5)

पता -श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
मु पो बाडमेर-344001

12 पीपाड सिटी

साध्वी श्री केशरजी म सा (सरदार शहर)
श्रमणी (5)

पता -श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
मु पो पीपाड सिटी-342601

13 ईडवा

साध्वी श्री छगनाजी म सा (सरदार शहर)
श्रमणी (4)

पता -श्री जयचन्दलाल कोठारी,
मु पो ईडवा 341503

14 खिवाडा

साध्वी श्री लजितप्रभाजी म सा (सरदार शहर)
श्रमणी (4)

पता -श्री रूपचंदजी जैन, बछावरमलजी जैन,
मु पो खिवाडा (पाली)

15 समदही

साध्वी श्री पानकुमारीजी म सा (श्रीहृगरगढ़)
श्रमणी (5)

पता -श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
मु पो समदही-344021 प

16 पाली

साध्वी श्री मोहनकुमारीजी म सा (श्रीहृगरगढ़)
श्रमणी (5)

पता -श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
मु पो पाली (राज)

17 राणावास

साध्वी श्री सुबोधकुमारीजी म सा (बीदासर)
मा श्रमणी (5)

पता -श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
मु पो राणावास (राज)

18 सोजत रोड

साध्वी श्री गुलाबकुमारीजी म सा (सरदार शहर)
श्रमणी (4)

पता -श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
साजन रोड (राज) 306103

19 पचपदरा

साध्वी श्री कमलप्रभाजी म सा (ताटनू)
श्रमणी (4)

पता -श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
मु पो पचपदरा (राज) 344032

(ख) बीकानेर सभाग

कुल चातुर्मास 29 श्रमण 33 श्रमणी 144 कुल ठाणा 177

1 सुणवरण सर

श्री मोहनलालजी म सा (राजगड)
श्रमण (3)

पता -श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
मु पो सुणवरणसर-334603

2 उदासर

श्री गुणचंदजी म सा (पचपदरा)
श्रमण (3)

पता -श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
मु पो उदासर-334022

3 श्री डूगरगढ़

श्री गणेशमलजी म सा (गगाशहर)
श्रमण (5)

पता -श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,
मु पो श्री डूगरगढ़ (चुह) 331803

4 सरदार शहर

श्री हृगरमलजी म सा (सरदार शहर)
श्रमण (8)

पता -श्री पूनमचंदजी सेठिया,
मु पो सरदार शहर (चुह) 331403

5. चुरु
श्री छत्रमलजी म.सा. (चुरु)
श्रमण (4)
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
मु.पो. चुरु-331001
6. छापर सेवा केन्द्र
श्री विनयकुमारजी म.सा. “आलोक”
7
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
मु.पो. छापर-331502
7. सादुलपुर
श्री मोहनलालजी म सा. “शार्दूल”
श्रमण (3)
पता:—श्री केसरीचन्दजी जयसुखलालजी सेठिया,
मु पो. सादुलपुर (राजगढ़) 331023
8. मोमासर
साध्वी श्री संतोकाजी म सा. (लाड़नू)
श्रमणी (6)
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
मु.पो. मोमासर-331801
9. आडसर
साध्वी श्री मनखुखाजी म.सा. (मोमासर)
श्रमणी (5)
पता:—श्री तेरापंथ महिला मंडल,
मु.पो. आडसर (चुरु)
10. सुजानगढ़
साध्वी श्री रूपाजी म सा. (सरदार शहर)
श्रमणी (6)
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
मु.पो. सुजानगढ़-331507
11. चाड़वास
साध्वी श्री मनोहराजी म.सा. (सुजानगढ़)
श्रमणी (6)
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
12. राजलेदसर
साध्वी श्री पानकुंवरजी म.सा. (सरदार शहर)
श्रमणी (20)
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
मु.पो. राजलेदसर-331802
13. राजगढ़
साध्वी श्री रतनकुमारीजी म सा. (लाड़नू)
श्रमणी (5)
पता:—श्री शुभकरणजी श्यामसुखाजी,
मु.पो. राजगढ़ (सादुलपुर) 331024
14. नोखा मंडी
साध्वी श्री सूरजकुमारीजी म.सा. (जयपुर)
श्रमणी (5)
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
मु.पो. नोखा मंडी-334803
15. कालू
साध्वी श्री रूपाजी म सा. (लाडनू)
श्रमणी (4)
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
पो. कालू-334602
16. श्री डूंगरगढ़
साध्वी श्री हर्ष कुमारीजी (सरदार शहर)
श्रमणी (4)
पता —श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
पो श्री डूंगरपुर-331 803
17. तारानगर
साध्वी श्री कमलाकुमारीजी (सरदार शहर)
श्रमणी (5)
पता —श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
पो. तारानगर-331 304
18. नोहर
साध्वी श्री भीखाजी (सरदार शहर)
श्रमणी (4)
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा

- 19 बीवासर
साध्वी श्री सूरजकुमारीजी (सरदार शहर)
श्रमणी (21)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो बीवासर-331 501
- 20 गगाशहर
साध्वी श्री साहनकुमारीजी (छापर)
श्रमणी (9)
पता—अखिल भारतीय तेरापथ युवक परिषद
पो गगाशहर-334 401
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो गगाशहर-334 401
- 21 पीलीबघा
साध्वी श्री माहनाजी (तारानगर)
श्रमणी (5)
पता—श्री केशरीचन्द्रजी बाठिया
पा पीलीबघा-335 803
- 22 मगरिया मंडी
साध्वी श्री तीजार्जी (सरदार शहर)
श्रमणी (4)
पता—श्री मत्तारचन्द्रजी बाठिया
पा मगरिया मण्डी-335063
- 28 रतनगढ़
साध्वी श्री सुप देवाजी
चुह (राज)
श्रमणी (5)
पता—श्री भूरामलजी विजयमिहजी आचलिया, रतनगढ़
श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो रतनगढ़-331022
- 24 सरदारशहर
साध्वी श्री लिछुमाजी (शादुलपुर)
श्रमणी (8)
पता—श्री जन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो सरदारशहर
श्री पूनमच दजी सेठिया
पो सरदारशहर-331403
- 25 भीनासर
साध्वी श्री भीषाजी (श्री डूगरगढ)
श्रमणी (5)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पा भीनासर-334403
- 26 श्रीगगानगर
साध्वी श्रीमान कुमारीजी (सरदार शहर)
श्रमणी (5)
पता—श्री हरिश्चंद्रजी जैन
जैन ट्रेडिंग कम्पनी, मोहरा न 109
धानमंडी, फान 22163 श्रीगगानगर
- 27 देशनोक
साध्वी श्री भागवतीजी (श्री डूगरगढ)
आदि श्रमणी (4)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो देशनोक-344801 (राज)
- 28 बीकानेर
साध्वी श्री आनन्दश्रीजी (गगाशहर)
आदि श्रमणी (4)
पता—1 श्री नथमल ताराचंद बोधरा
बोधरा मोहल्ला, पो बीकानेर
2 श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
बोधरा मोहल्ला, पो बीकानेर
- 29 पडिहारा
साध्वी श्री स्वणरखाजी (श्री डूगरगढ)
आदि श्रमणी (4)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो पडिहारा-331505
(म) उदयपुर सभाग -
- 30 पुर
मुनि श्री उगमराजजी (देवरिया)
आदि श्रमणी (3)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो पुर (भीलवाडा)-311802

31. आत्मा
मुनि श्री हनुमानमलजी (सरदार शहर)
आदि श्रमण (3)
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
पो. आत्मा वाया-केलवा-313334
32. सायरा
मुनि श्री हनुमानमलजी “हरीश” आदि
श्रमण (3)
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
पो सायरा-313704
33. बोरियापुर
मुनि श्री वालचन्दजी (आसीद)
आदि श्रमण (2)
पता.—श्री जैन श्वेताम्बर तेरा पंथी सभा
पो. बोरियापुर (भीलवाड़ा)
34. गंगापुर
मुनि श्री सुमेरमलजी “सुमन”
श्रमण (3)
पता—श्री गणपत लाल भंवरलाल हिरण
पो. गंगापुर-311801
पता.—श्री देवेन्द्रकुमार हिरण
पो गंगापुर-311801
35. आमेट
मुनि श्री सुखालालजी (सुजानगढ)
श्रमण (3)
पता:—श्री तुलसीदास रीखवदास वोहरा
पो आमेट-313332
36. वरार
मुनि श्री जतनमलजी (लाडनू)
श्रमण (2)
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
पो वरार (भीलवाड़ा)
37. राजनगर
साध्वी श्री नजरकुवरजी वाम
आदि श्रमणी (5)
- पता.—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
पो. राज नगर-313326
38. देवगढ़
साध्वी श्री जतनकुंवरजी म.सा. (राजगढ़)
श्रमणी (5)
पता.—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
पो देवगढ़-313331
39. रीछेड़
साध्वी श्री टमकूजी (लाडनू)
श्रमणी (5)
पता.—श्री मगनलाल भंवरलाल धीग
पो. रीछेड़, वाया-चारभुजा-313333
40. राजाजी का करेड़ा
साध्वी श्री पानकुंवरजी (पचपदरा)
श्रमणी (5)
पता.—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
पो. राजाजी का करेड़ा-311804
41. गडबोर
वीसा श्री गुलावाजी (भादरा)
श्रमणी (5)
—श्री भंवरलाल रंगलाल पटावारी
पो. गडबोर (चारभुजा)-313333
42. नांदेशमा
साध्वी श्री पन्नाजी (देरासर)
श्रमणी (5)
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
पो. नान्देशमा, वाया-गोगन्दा-313704
43. लाम्बोड़ी
साध्वी श्री रायकुमारीजी (राजलेदमर)
श्रमणी (5)
पता.—श्री गुलावचन्दजी वाफणा,
श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
पो लाम्बोड़ी वाया-चारभुजा-313333

- 44 रावलिया बडी
साध्वी श्री राजकुमारीजी (राजनेदमर)
श्रमणी (4)
पता—जैन श्वेताम्बर तेरापथी मभा
पो रावलिया बडी (उदयपुर)
- 45 नाथद्वारा
साध्वी श्री धानन्दकुमारीजी (मीमगर)
श्रमणी (5)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी मभा
पो नाथद्वारा-313301
- 46 यामला
साध्वी श्री सतीबाजी (राजगढ)
श्रमणी (4)
पता—श्री डानबन्द वज्रोडीमल
पो यामला बाया-मावली ज-313203
- 47 आसीद
साध्वी श्री भीमजी (नोहर)
श्रमणी (5)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी मभा
पो आसीद-311301 (भीमवाडा)
- 48 बेलवा
साध्वी श्री मुखादेवाजी (सरदार शहर)
श्रमणी (5)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी मभा
पो बेलवा-213334
- 49 सरदारगढ़
साध्वी श्री जतानुमारीजी (सरदार शहर)
श्रमणी (4)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी मभा
पो लावा सरदारगढ़-313330
- 50 गोगुदा
साध्वी श्री इंदुजी (साडनू)
श्रमणी (5)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी मभा
पो गोगुदा
- 51 साछूडा
साध्वी श्री रतनकुमारीजी (सरदार शहर)
श्रमणी (4)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी मभा
पो साछूडा
- 52 भीलवाडा
साध्वी श्री वचानुमारीजी (उदयपुर)
श्रमणी (4)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी मभा
पो भीलवाडा (राज)
- 53 बांबरोली
साध्वी श्री राजीमतीजी (रतनगढ़)
श्रमणी (6)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी मभा
पो बांबरोली-313324
- 54 तिसोबा
साध्वी श्री रतनश्रीजी (साडनू)
श्रमणी (4)
पता—श्री चतुर्भुज हजारीमल धावड
पो तिसोबा बाया-नाथद्वारा
- 55 उदयपुर
साध्वी श्री जयश्रीजी (राजनेदमर)
श्रमणी (6)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी मभा
भामाशाह भाग
पो उदयपुर-313001
- 56 पडुना
साध्वी श्री यशोमतीजी राजगढ
श्रमणी (4)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी मभा
पो पडुना (चित्तौड)-312206
- 57 रेलमगरा
साध्वी श्री सुमन श्रीजी (वीदासर)
श्रमणी (4)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी मभा
पो रेलमगरा 313329

(जयपुर संभाग)

58. टमकोर

साध्वी श्री चादकुंवरजी (मोमानर)

श्रमणी (4)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा

पो. टमकोर

59. आदर्शनगर (स. माधोपुर)

साध्वी श्री मोनाजी (डीडवाना)

श्रमणी (5)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा

आदर्शनगर पो. माहनगर-322022

60. फतेहपुर

साध्वी श्री मोहनाजी (डीडवाना)

श्रमणी (5)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा

पो. फतेहपुर-332301

61. जयपुर

साध्वी श्री कानकुमारीजी (सरदार शहर)

श्रमणी (5)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा

मिलाप भवन, कुन्दीगर के भेन्जी का रान्ता

जीहरी बाजार पो. जयपुर

62. जयपुर (सी स्कीम)

साध्वी श्री मोमलताजी (गंगाशहर)

श्रमणी (5)

पता—श्री मन्नालाल मुराणा

"मुराणा हाउस" सी-स्कीम

पथ जयपुर (फोन-72850)

(अजमेर संभाग)

63. रवावर

साध्वी श्री कंचनकुमारीजी (राजतगर)

श्रमणी (5)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा

पो. रवावर जिला-अजमेर-305901

64. टाडंगढ़

साध्वी श्री कमलाकुमारीजी (उज्जैन)

श्रमणी (5)

पता—हजारीमलजी रंगलालजी कोठारी

पो. टाडंगढ़-305924

(मध्यप्रदेश प्रान्त)

65. उज्जैन

मुनि श्री जीहरीमलजी (वीदासर)

श्रमण (3)

पता—श्री नरेन्द्रकुमारजी छाजेड़-एडवोकेट

नयापुरा, पो. उज्जैन-456001

66. पेटलावद

साध्वी श्री हुलसाजी (गंगाशहर)

श्रमणी (5)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा

पो. पेटलावद, जिला-झाबुआ

पिन-457773

67. रतलाम

साध्वी श्री मेणरयाजी (पेटलावद)

श्रमणी (5)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा

नं. 42 घान बाजार, रतलाम-457001

68. जावद

साध्वी श्री नवय प्रभाजी (सरदार शहर)

श्रमणी (4)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा

पो. जावद-458330

69. इन्दौर

साध्वी श्री चारिद्र श्रीजी (मुन्नागड़)

श्रमणी (5)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा

जीभमन घाटोली, मुन्नागड़,

पो. इन्दौर-452002

(घ) (गुजरात प्रांत)

70 उधना (सुरत)

मुनि श्री पूनमचंदजी (गंगामहर्)

श्रमण (3)

पता—श्री चन्द्रप्रवास गणेशमन वाफगा
मेन रोड, पो उधना-399210

71 शाहीबाग (अहमदाबाद)

मुनि श्री मगनमलजी "प्रामोद"

श्रमण (3)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर तैरापची मभा
तैरापची भवन, शाही बाग, पुलिस चाकी
के पास, अहमदाबाद-380004

72 छेडब्रह्मा

मुनि श्री शुभवरणजी (सरदार शहर)

श्रमण (2)

पता—श्री बोभमल डानाद, वतन के व्यापारी
स्टेशन रोड, पो छेडब्रह्मा
जिना मावरवाठा (गुज)

73 भुज

मुनि श्री ताराचन्दजी (रामोसर)

श्रमण (3)

पता—श्री माधवजी जयमलजी महना
कमीशन एजेट, भीड बाजार
पो भुज, कच्छ-370001

74 अहमदाबाद

माधवी श्री धनकुमारीजी (सरदार शहर)

श्रमणी (5)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर तैरापची मभा
नवरगपुरा, दिनेश हात के पास
आश्रम रोड, अहमदाबाद 380009

75 बाय

माधवी श्री भगवतीजी (बाय)

श्रमणी (4)

पता—श्री अशोकभाई गपवी

द्वारा—श्री उदमचंदजी गपवी जैन

पा बाब जिना जनामवाठा 385575

(गुजरात)

(ङ) महाराष्ट्र प्रांत

76 शाहदा

मुनि श्री जयानन्दी (मान्)

श्रमण (3)

पता—श्री जमुनामानजी रघुनाथमलजी गेलरा
पा शाहदा 125109
जि धूलिया

77 मरीन ड्राइव चम्बई

मुनि श्री गणेशकुमारजी (मुजानगड)

श्रमण (3)

पता—अणुग्रन ममिति
तैरापच मभाज, अणुग्रत ममागार
राजहग रिडिंग, 88-जी रोड
मरिन ट्राइव, पा चम्बई 100002

78 जालना

मुनि श्री रोशनलालजी (सरदार शहर)

श्रमण (3)

पता—श्री मोहनलालजी बिरघीचन्दजी सेठिया
नेहरू रोड, पो जानना-431203

79 धूलिया

माधवी श्री सोहना जी (लाडनू)

श्रमणी (5)

पता—श्री पूनचन्दजी सेगनावी
1690, गली न 4
पास्ट धूलिया 424001

85 घाटकोपर

माधवी श्री मचनप्रभाजी (मुजानगड)

श्रमणी (5)

पता—श्री देवीलालजी कच्छारा
जणुग्रन ज्योति, जीवदया नेन
घाटकोपर (चम्बई) 400086

2. भिवानी

मुनि श्री मूलचन्द्रजी (गंगा शहर)

श्रमण (3)

पता 1. श्री परसराम दुलीचन्द्र जैन
हालु बाजार, पो. भिवानी-1250212. केशव जैन, तेरापंथ युवक परिषद्, लोहड बाजार
भिवानी, हरियाणा

3. उकलाना

साध्वी श्री आशाजी (राजलदेसर)

श्रमणी (5)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
वजीर देवी कालोनी पो. उकलाना मण्डी
हिसार-126009

4. हांसी

साध्वी श्री जतनकुमारीजी (राजलदेसर)

श्रमणी (4)

पता.—नूनियामल सुरेशकुमार जैन
सराफा बाजार, पो. हांसी-125033

5. अचाना मण्डी

साध्वी श्री विनय श्रीजी (श्री डूगरगढ़)

श्रमणी (5)

पता.—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
पो अचाना मण्डी, जीन्द-125115

6. सिरसा

साध्वी श्री भीष्मांजी (लाडनू)

श्रमणी (5)

पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
भादरा बाजार, पो. सिरसा-125055

7. कालांबाली

साध्वी श्री क्षमा श्रीजी (सरदार शहर)

श्रमणी (5)

पता:—बाबूलाल गोंयन
श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
पो कालांबाली-125201

8. जींद

साध्वी श्री रायकुमारीजी (सुजानगढ़)

श्रमणी (4)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
पो जीन्द-126102

9. हिसार

साध्वी श्री कनक श्रीजी (लाडनू)

श्रमणी (5)

पता—श्री ओ. पी जिदल
जिदल स्टील प्राइवेट लिमिटेड, देहली गेट
पो हिसार-1250012. नन्दकुमार जैन, 30 पदमप्रभु कालोनी
ऋषि नगर, हिसार

10. उमरा

साध्वी श्री रामकुमारीजी (सरदार शहर)

श्रमणी (4)

पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
पो. उमरा-132137 वाया-हांसी
जिला-हिसार

(15) दिल्ली केन्द्र

1. अणुव्रत—नई दिल्ली

मुनि श्री सगीतकुमारजी (टमकोर)

श्रमण (5)

पता—श्री अणुव्रत विहार

नं-210 दीनदयाल उपाध्याय मार्ग
नईदिल्ली-110002

2. अशोक विहार दिल्ली

साध्वी श्री सरोजकुमारीजी (बम्बई)

श्रमणी (5)

पता—उपरोक्त

(16) नेपाल विदेश

1. विराट नगर

साध्वी श्री विद्यावतीजी (श्री टूंगरगढ़)

श्रमणी (5)

ବାନମିଳ ବାଣୀ *

ବାନମିଳ ପ୍ରସିଦ୍ଧି * *

ବାନମିଳ ଉପାଦେୟ * *

ବାନମିଳ ଉପା ନିବନ୍ଧମାଳା * *

ବାନମିଳ ଉପାଦେୟ * *

ବାନମିଳ ଉପାଦେୟ * *

ବାନମିଳ ଉପାଦେୟ * *

ମୁଦ୍ରାକାର କଳାକୃତ୍ୟ ରଚନାପଦ୍ଧତି

କୃତ୍ୟ-ମାଳା

୦

श्री श्वेताम्बर जैन नवतेरापथ सम्प्रदाय के सद्य प्रमुख
आध्यात्मिक योगी मुनि श्री चन्दनमलजी म. सा के
आज्ञानवर्ती श्रमण-श्रमणी समुदाय

श्रमण समुदाय

- 1 सरदार शहर (राजस्थान)
सद्य प्रमुख अध्यात्मिक योगी मुनि श्री
चन्दनमलजी म सा
आदि ठाणा (5)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर नव तेरापथी सभा
मु पो सरदार शहर जिला बीकानेर
(राज)-331403

- 5 सरदार शहर (राजस्थान)
साध्वी श्री मजु श्री जी म सा
आदि ठाणा (6)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर नव तेरापथ सभा
मु पो सरदार शहर जि बीकानेर-331403
(राजस्थान)

- 2 धुरी (पंजाब)
महास्थिवर मुनि श्री धनराज जी म सा
आदि ठाणा (3)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर नव तेरापथ सभा
मु पा धुरी-148024 जिला मगूर (पंजाब)

कुल चातुर्मास स्थल श्रमणों के	2	कुल श्रमण	8
कुल चातुर्मास स्थल श्रमणीयों के	3	कुल श्रमणीयाँ	14
	—		—
	कुल 5		22
	—		—

कुल चातुर्मास 5 श्रमण 8 श्रमणीया 14 कुल ठाणा 22

श्रमणी समुदाय

श्री श्वे जैन तेरापथ एव नवतेरापथ सम्प्रदाय
के कुल श्रमण श्रमणीया

- 3 हिसार (हरियाणा)
सद्य प्रवर्तिनी श्री साध्वी श्री मजुला जी म सा
आदि ठाणा (4)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर नव तेरापथ सभा
मु पो हिसार (हरियाणा)-125001

- 4 सगरूर (पंजाब)
साध्वी श्री माहना जी म सा
आदि ठाणा (4)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर नव तेरापथी सभा
मु पो सगरूर, (पंजाब)-148001

विवरण	चातुर्मास स्थल	श्रमण	श्रमणी	कुल ठाणा
1 श्वे तेरापथ सम्प्रदाय	129	152	547	699
2 श्वे नवतेरापथ सम्प्रदाय	5	8	14	22
	—	—	—	—
कुल	134	160	561	721
	—	—	—	—

भाग-चतुर्थ

श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक सम्प्रदाएँ

- ★ तपागच्छ समुदाय
- ★ अचलगच्छ समुदाय
- ★ खरतरगच्छ समुदाय
- ★ पार्श्वचन्द्र गच्छ समुदाय
- ★ विमलगच्छ समुदाय
- ★ त्रिस्तुती समुदाय
- ★ अन्य समुदाय

समग्र जैन समाज के सभी पूज्य मुनिराजो महासतियोजी म सा का वर्ष 1986 का
चातुर्मास हर्षोल्लास वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य तप की
प्रवृत्तियो से ओत-प्रोत बने ऐसी शुभ मंगल
कामनाएँ करते हैं ।



हार्दिक शुभकामनाओ सहित-

श्री एस.एस. जैन सभा

जैन स्थानक

लोगोवाल जिला सगरूर (पजाब)

* तपागच्छ समुदाय

फूल खिलते हैं बहुत पर, सुगंध देता है कोई कोई ।
पूजा करते हैं बहुत पर, पूजनीय होता है कोई कोई ॥

हार्दिक शुभकामनाओ सहित —



KARNAWAT
SUITINGS • SHIRTINGS & SAREES

जवरीलाल चम्पालाल जैन (करनावट)
(रोडवाला)

जे सी. फेब्रिक्स
जे सी सिन्थेटिक्स

साडी, सूटिंग, शर्टिंग के होलसेल व्यापारी एव निर्माता

करसनदास मुलजी विल्डिंग, 1-ए, ओल्ड हनुमान पहली क्रॉस लेन

१ला माला, दुकान न 9, बम्बई-400 002

सिद्धान्त महोदधि कर्म साहित्य निष्णात आचार्य प्रवर श्री विजय
प्रेम सूरेश्वरजी म. सा. का समुदाय

1

शासन प्रभावक, व्याख्यान वाचस्पति सुविशाल गच्छाधिपति
आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय रामचन्द्र सूरेश्वरजी म. सा.
आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वीयाँजी म. सा.

संत समुदाय

1. लाल बाग (बम्बई) महाराष्ट्र

1. शासन प्रभावक, व्याख्यान वाचस्पति
सुविशाल-गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्रीमद्
विजय रामचन्द्र सूरेश्वरजी म. सा.

2. आचार्य प्रवर श्री महोदय सूरेश्वरजी म. सा.

3. उपाध्याय श्री महिमा विजयजी म. सा.

1. गणिवर्य मनि श्री

आदि ठाणा (19)

पता:—श्री मोतीबा लालबाग जैन उपाश्रय

भुनेश्वर, माधव बाग के पास,

बम्बई-100001 (महा)

2. पान्डी-अहमदाबाद (गुज)

1. आचार्य प्रवर श्री विजय भुवन सूरेश्वर जी म सा

2. आचार्य प्रवर श्री विजय मुदगंन सूरेश्वर जी म सा.

आदि ठाणा (5)

पता:—श्री नरनी संकरीन उपाश्रय, मास्ती बन वन स्टेशन

पले नारायण नगर रोड, पान्डी

अहमदाबाद-7 (गुज)

3. उभोई (गुजरात)

1. आचार्य प्रवर श्री संमान सूरेश्वरजी म सा.

2. आचार्य प्रवर श्री संमान सूरेश्वरजी म सा.

आदि ठाणा (1)

पता—श्री मन्तर संकरीन उपाश्रय, सेवारी टावर,

उभोई-393113 (गुज)

4. राजकोट (गुजरात)

1 आचार्य श्री विजय जयत शेषर मुरीश्वर जी म. सा.

2 पन्थास श्री नित्यानन्द विजय जी म. सा.

आदि ठाणा (1)

पता.—नूतन जैन उपाश्रय, वर्धमान नगर, हज़र पेवेश रोड,

राजकोट-360001 (गुज)

5. जूनागढ़ (गुजरात)

1 आचार्य प्रवर श्री विजय हिमाणु सूरेश्वरजी म.सा.

2 आचार्य प्रवर श्री विजय नवरत्न सूरेश्वर जी म. सा.

आदि ठाणा (4)

पता.—सेठ हेमा भाई ती धर्मशाला, ऊपर कोट जूनागढ़

(गुज)

6. पाटन (गुजरात)

आचार्य श्री विजय राजतिलक सूरेश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा (7)

पता.—नरान भाई पोपधशाला, पंचाम राजीनी मंग.

पाटन-384265 (गुज)

7. विलेपार्लो-बम्बई (महा.)

आचार्य प्रवर श्री विजय भुवन भानुसूरेश्वरजी

म सा.

आदि ठाणा (19)

पता—श्री करमचन्द भायस्मिन टावर, र्ना श्रीज, एम पी.

रोड, विलेपार्लो (पॉन्थम) बम्बई

8. निम्बडीन (गुजरात)

1 आचार्य श्री विजय भानुसूरेश्वरजी म सा.

2 पन्थास श्री हरि वन विलेपार्लो म सा.

- 3 पयाम श्री रविप्रभ विजय जी म सा
4, पयाम श्री सुधाशु विजय जी म सा
जादि ठाणा (12)
- पता - श्री पूर आई नौ प्रमशाला, माटा दरामर
निम्बडी-363421 (सौराष्ट्र-गुज)
- 9 मालेगाव (महाराष्ट्र)
1 आचाय श्री विजय रग सूरेश्वर जी म सा
2 आचाय श्री विजय धनपान सूरेश्वरजी म सा
जादि ठाणा (9)
- पता - जन उपाध्य, तिलक राड, मु पा मालेगाव
त्रि नामिक (महा)
- 10 अहमदनगर (महाराष्ट्र)
आचाय श्री विजय गुणानंद सूरेश्वरजी म सा
जादि ठाणा (8)
- पता - जन उपाध्य, नना वापट बाजार,
अहमदनगर 414001 (महा)
- 11 कालुपुर-अहमदाबाद (गुजरात)
आचाय श्री विजय प्रचानंद सूरेश्वर जी म सा
जादि ठाणा (11)
- पता - दान सूरेश्वरजी ज्ञान मंदिर, कालुपुर,
अहमदाबाद (गुज)
- 12 सूरत (गुजरात)
आचाय श्री विजय मिनानंद सूरेश्वरजी म सा
जादि ठाणा (6)
- पता - ल ल जन पापशाला, छापरिया पेरी,
महिधरपुर, सूरत-395003 (गुज)
- 13 महुवा (सौराष्ट्र-गुज)
1 उपाध्याय श्री सुरेंद्र विजय जी म सा
2 पन्थास धा मणिरस्त विजय जी म सा
जादि ठाणा (2)
- पता - जन उपाध्य, मु पा महुवा (सौराष्ट्र-गुजरात)
- 14 जामाद (गुजरात)
पयाम श्री ललित विजय जी म सा
जादि ठाणा (3)
- पता - जन उपाध्य, मु पा जामाद
जिला मन्च-392110 (गुज)
- 15 रिलिफ रोड-अहमदाबाद (गुज)
पयाम श्री यशोभद्र विजय जी म सा
जादि ठाणा (6)
- पता - सवेगी जन उपाध्य,
हाजी पटेल पाल रिलिफ राड अहमदाबाद
- 16 पूना केम्प (महाराष्ट्र)
पयाम श्री विचक्षण विजय जी म सा
जादि ठाणा (4)
- पता - श्री वामुपूज्य स्वामी जन टेम्पल,
657, साचा पीर स्ट्रीट, पूना केम्प 411001
(महा)
- 17 शाहीबाग-अहमदाबाद (गुज)
पयाम श्री जिन प्रभ विजय जी म सा
जादि ठाणा (7)
- पता - जन उपाध्य, गिरधरनगर,
शाही बाग अहमदाबाद-4
- 18 साहूकार पेठ मद्रास (तमिलनाडू)
पयाम श्री मद्र गुप्त विजय जी म सा
जादि ठाणा (3)
- पता - जन आगरना भुवन,
51 मीट स्ट्रीट, मद्रास 600079
- 19 अहमदाबाद (गुज)
पयाम श्री धम विजय जी म सा
जादि ठाणा (15)
- पता - जन उपाध्य, शाहीनगर सात्तायटी, आश्रम राट,
अहमदाबाद-13
- 20 नडीयाद (गुजरात)
पयाम श्री राजेंद्र विजयजी म सा
जादि ठाणा (4)
- पता - जन उपाध्य, दव चवला नडीयाद
(गुज) J87001

21. मांडवाला (राजस्थान)
पन्यास श्री महायश विजयजी म. सा.
आदि ठाणा (2)
पता:—जैन उपाश्रय, मु. पो. मांडवाला (राज.)
22. धारागिरी (गुजरात)
पन्यास श्री चन्द्रशेखर विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (6)
पता.—तपोवन सस्कार धाम,
मु. धारागिरी पो. कवीलपोर ता नवसारी
(गुज) 396424
23. घाटकोपर-बम्बई (महा.)
पन्यास श्री हेमचन्द्र विजयजी म.सा
आदि ठाणा (12)
पता—श्री मुनिसुव्रत जैन उपाश्रय,
नवरोजी लेन, घाटकोपर () बम्बई-86
24. नवाडीसा (गुजरात)
पन्यास श्री जयशेखर विजयजी म.सा
आदि ठाणा (3)
पता.—श्री जैन उपाश्रय,
रीसाला बाजार, नवाडीसा-385535 (गुज.)
25. बडाली (गुजरात)
पन्यास श्री जगतचन्द्र विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (5)
पता.—जैन उपाश्रय,
मु. पो. बडाली-383235 (गुज.)
26. नाडलाई (राजस्थान)
गणि श्री जितेन्द्र विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (4)
पता—जैन उपाश्रय,
मु. पो. नाडलाई स्टेशन फालना (राज.)
27. बोरडी (महाराष्ट्र)
गणि श्री ललित शेखरविजयजी म सा
आदि ठाणा (4)
पता—जैन उपाश्रय, मु पो. बोरडी जि. थाणा (महा)
28. जालौर (राजस्थान)
गणि श्री गुण रत्नविजयजी म.सा.
आदि ठाणा (14)
पता:—जैन उपाश्रय, मु. पो. जालौर (राज.)
29. जामनगर (गुजरात)
गणि श्री प्रभाकर विजयजी म सा
आदि ठाणा (4)
पता—हालारी जैन उपाश्रय,
45 दिग्विजय प्लॉट, जामनगर (गुज)
30. पिंडवाड़ा (राजस्थान)
गणि श्री वीर शेखर विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (5)
पता—जैन धर्मशाला, मु. पो. पिंडवाडा (राज.)
31. राधनपुर (गुजरात)
गणि श्री जयकुंवर विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (6)
पता—सागरगच्छ जैन उपाश्रय,
मु पो राधनपुर-385340 (गुज)
32. सुरेन्द्रनगर (गुजरात)
गणि श्री किर्तीमिन विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (3)
पता—नूतन आराधना भुवन,
विट्टल प्रेस रोड़, सुरेन्द्रनगर (गुज) 363001
33. नासिक (महा.)
गणि श्री महाबल विजयजी म.सा
आदि ठाणा (6)
पता—जैन उपाश्रय,
दहीपुल, पगडबंध लेन, नासिक (महा) 422001
34. वापी (गुजरात)
गणि श्री अमरगुहा विजयजी म.सा
आदि ठाणा (5)
पता—जैन उपाश्रय,
मु पो. वापी (गुज) वे रे 396191

- 35 लुणावा (राजस्थान)
श्री भाव विजयजी म मा
आदि ठाणा (4)
पता -जन उपाश्रय, मु पा लुणावा (राज)
- 36 पोसातिया (राजस्थान)
श्री पुष्पादय विजयजी म मा
आदि ठाणा (3)
पता -जैन उपाश्रय, मु पा पामातिया
स्ट जवाई बाप जि मिगही (राज)
- 37 बड़वाड शहर (गुज)
श्री महाप्रभ विजयजी म मा
आदि ठाणा (2)
ता -गवगा जन उपाश्रय,
बड़वाड शहर (गुज) 36303
- 38 नयसारी (गुज)
श्री जयधन विजयजी म मा
आदि ठाणा (3)
पता -जन जाराधना भवन,
र जी जम्पतान माम, स्टेशन राड
नवसारी (गुज) 396145
- 39 कादिवली बम्बई (महा)
श्री नयभद्र विजयजी म मा
आदि ठाणा (5)
पता -गकर नन, कादिवली (बम्बई) 2म्बई-67
- 40 कालुपुर-अहमदाबाद (गुज)
श्री गायत्री विजयजी म मा
आदि ठाणा (4)
पता -जन विद्यामाला, उशीवाडाना पाल,
कालुपुर अहमदाबाद (गुज)
- 41 बालकेश्वर-बम्बई (महा)
श्री हिरण्यप्रभु विजयजी म मा
आदि ठाणा (4)
पता -जन उपाश्रय, चदनशाना जपाटमट,
ज.र.ज.र. ठक्कर माग
रोज राड शानकेश्वर 2म्बई-6
- 42 कायम्बतूर (तमिलनाडू)
श्री धम विजयजी म मा
आदि ठाणा (5)
पता -राजम्वान जैन मध उपाश्रय,
207 जार जा स्ट्रीट, कायम्बतूर 641001
- 43 भाभर (गुजरात)
श्री कर्तीमान विजयजी म मा
आदि ठाणा (2)
पता -जैन उपाश्रय, भाभर-385320
जिता बनामवाडा (गुज)
- 45 बालकेश्वर-बम्बई (महा)
श्री नाम विजयजी म मा
श्री नयधन विजयजी म मा
आदि ठाणा (4)
पता -जन दरामर श्रीमाननार,
12 जमनादास महगा माा 2म्बई-6
- 16 नौवण्डी (महा)
श्री नन्दी प्रया विजयजी म मा
आदि ठाणा (3)
पता -जामवाल जन जाराधना भवन,
जजता कम्पाउण्ड, धामणकर नामा
भिरण्डी (महा) 421305
- 47 देवला (महा)
श्री चन्द्रकर्ती विजयजी म मा
आदि ठाणा (3)
पता -जैन उपाश्रय, मु पा यवला जिता नामिक (महा)
- 18 नेर (महाराष्ट्र)
श्री विद्यानंद विजयजी म मा
आदि ठाणा (2)
पता -जन उपाश्रय, मु पा नर जिता धलिया
(महा) 124303

49. वाव (गुजरात)
श्री वारिपेण विजयजी म.सा
आदि ठाणा (3)
पता.—जैन उपाश्रय,
मु. पो. वाव जिना वनासकाठा (गुज.)
50. हालार (गुजरात)
श्री महामेन विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (4)
पता—जैन उपाश्रय, मु. पो. हालार (गुज.)
51. नीजामपुरा-वडोदा (गुज.)
श्री जयगुण विजयजी म.सा
आदि ठाणा (3)
पता—जैन उपाश्रय,
हाडवे रोड, नीजामपुरा वडोदा (गुज.)
52. तलेगाव (महाराष्ट्र)
श्री किर्तीरत्न विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (2)
पता—जैन उपाश्रय, मु. पो. तलेगाव (ढमढेरा)
जि. पूना (महा.)
53. पूना (महाराष्ट्र)
श्री विनयचन्द विजयजी म.सा
आदि ठाणा (2)
पता—जैन उपाश्रय,
नवान्नी पेठ, पूना-पानर (महा.)
54. नायन-चम्बई (महा.)
श्री जयनाथ विजयजी म.सा
आदि ठाणा (2)
पता—जैन उपाश्रय, 197-ग.
नायन हांगीटिन, नायन चम्बई-22
55. बानेता (गुजरात)
श्री जयनाथ विजयजी म.सा
आदि ठाणा (2)
पता—जैन उपाश्रय,
मु. पो. बानेता-332325 (गुज.)
56. धंधुका (गुजरात)
श्री चरणप्रभ विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (2)
पता—हेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञान मंदिर,
धंधुका-382460 (गुज.)
57. कलकत्ता (प. बंगाल)
श्री भद्रशील विजयजी म.सा
आदि ठाणा (4)
पता—96 केनिंग स्ट्रीट, जैन उपाश्रय,
कलकत्ता-700001 (द. बंगाल)
58. राणी (राजस्थान)
श्री नयरत्न विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (2)
पता—जैन उपाश्रय,
मु. पो. राणी जि. पाली (राज.) 306115
59. आण्टा (मध्यप्रदेश)
श्री अश्वमेन विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (2)
पता—जैन उपाश्रय,
मु. पो. आण्टा (म.प्र.) 466166
60. सावर कुण्डला (गुज.)
श्री नरवाहन विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (2)
पता—जातीदाम धर्मदाम नी. पेडी,
सावर कुण्डला-361515 (गोंगाष्ट्र)
61. बोरसद (गुजरात)
श्री भुवनचन्द विजयजी म.सा
आदि ठाणा (2)
पता—जैन उपाश्रय, काशीपुरा बोरसद (गु.) 388510
62. मुलुण्ड-चम्बई (महाराष्ट्र)
श्री देवगुण विजयजी म.सा
आदि ठाणा (2)
पता—जैन उपाश्रय, 54-55, बंसी राड,
मुलुण्ड (W. R.) चम्बई-80

- 63 बोटाद (गुजरात)
श्री पूनचन्द विजयजी म मा
आदि ठाणा (3)
पता -जैन उपाश्रय, पत्र नगरी, पोसायटी,
नरवज राड, पालडी अहमदाबाद-7 (गुज)
- 64 मलाड-बम्बई (महा)
श्री हूमरल विजयजी म मा
आदि ठाणा (5)
पता -जैन उपाश्रय,
मु पो बोटाद 361710 (गुजरात)
- 65 दादर बम्बई (महा)
श्री जयमुन्दर विजयजी म मा
आदि ठाणा (8)
पता -जाराधना भवन, १११ वी वाजे रोड,
दादर बम्बई-28
- 66 खभात (गुजरात)
श्री धेयाशश्रम विजयजी म मा
आदि ठाणा (3)
पता -जैन अमर शाला, टेकरी,
खभात (गुजरात) 388620
- 67 रतनाम (गुज)
श्री वमनरन विजयजी म मा
आदि ठाणा (4)
पता -नूतन जैन जाराधना भवन, पोराणा का वाम,
रतनाम (म प्र) 457001
- 68 जामनगर (गुज)
श्री धमन विजयजी म मा
आदि ठाणा (2)
पता -शाली भवन, जैन उपाश्रय, जाणन्दी बाबा ना
चकलो, जामनगर (गुज) 361001
- 69 पालडी-अहमदाबाद (गुज)
श्री चन्द्रजीत विजयजी म मा
आदि ठाणा (8)
पता -जैन उपाश्रय, पत्र नगरी, पोसायटी,
नरवज राड, पालडी अहमदाबाद-7 (गुज)
- 70 पावरा (गुजरात)
श्री जिनया विजयजी म मा
आदि ठाणा (2)
पता -जैन उपाश्रय, मु पो पादरा 391440 (गुज)
- 71 पूना (महाराष्ट्र)
श्री भुवनचन्द्र विजयजी म मा
आदि ठाणा (2)
पता -श्री सुरेश भाई गी ग्राह, 155 बुद्धवार पठ
बमल टाकोज पूना-411002 (महा)
- 72 चोपाटी बम्बई (महा)
श्री गुण सुन्दर विजयजी म मा
आदि ठाणा (2)
पता -नल्याण पारवनाथ देरासर,
35-सी फेइल, चोपाटी बम्बई-7 (महा)
- 73 घाट रोड-बम्बई (महा)
श्री राजरत्न विजयजी म मा
आदि ठाणा (2)
पता -जैन उपाश्रय, भारत नगर, घाट रोड,
बम्बई-7
- 74 कजत (महा)
श्री विजवान् विजयजी म मा
आदि ठाणा (2)
पता -जैन उपाश्रय, मु पो कजत
जिना धाणा (महाराष्ट्र)
- 75 बारडौली (गुजरात)
श्री यशाभूषण विजयजी म मा
आदि ठाणा (8)
पता -जैन उपाश्रय, स्टेशन,
मु पो बारडौली जि बडौदा (गुज) 391601

76. मरोली (गुजरात)
श्री मेघदर्शन विजयजी म सा
आदि ठाणा (5)
पता—जैन उपाश्रय, मु पो मरोली (गुज) 396130
77. धुलिया (महाराष्ट्र)
श्री चतुर विजय जी म सा.
आदि ठाणा (2)
पता—श्री शीतलनाथ जैन सस्थान,
तेलगली, धुलिया (महाराष्ट्र)-424 001
78. भीलडीयाजी पेढी (गुजरात)
श्री अजित सेन विजय जी म सा.
आदि ठाणा (3)
पता.—जैन देरासर पेढी,
मु पो भीलडीयाजी पेढी, वाया नवाडीसा
जिला बनासकाठा (गुजरात)
79. साणन्द (गुजरात)
श्री मनोगुहा विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री जेठावणा नो उपाश्रय,
मु. पो. साणन्द जिला अहमदाबाद (गुजरात)
80. पालड़ी-अहमदाबाद (गुजरात)
प्रवर्तिनी साध्वी श्री जया श्री जी म
आदि ठाणा (20)
पता—दशा पोरवाड सोसायटी पालड़ी,
अहमदाबाद-7 (गुजरात)
81. गिरधर नगर-अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री वनमाला श्री जी म
आदि ठाणा (4)
पता—जैन उपाश्रय, गिरधर नगर, शाहीबाग,
अहमदाबाद-4 (गुजरात)
82. आश्रम रोड, अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री नन्दीरेखा श्री जी म
आदि ठाणा (6)
पता—शान्ती नगर सोसायटी, आश्रम रोड,
अहमदाबाद-380013 (गुज)
83. पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री सुमगला श्री जी म
आदि ठाणा (4)
पता—महाराष्ट्र भुवन, तलेटी रोड,
पालीताणा-(गुजरात)
84. कोल्हापुर (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री उत्तम गुणा श्री जी. म.
पता—जैन उपाश्रय, गुजरी बाजार, कोल्हापुर
(महा) 416001
85. नेर-खानदेश (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री रत्नलता श्री जी म.
आदि ठाणा (4)
पता—जैन उपाश्रय मु पो नेर-खानदेश
जिला-जलगाँव (महा)
86. येवला-(महाराष्ट्र)
साध्वी श्री हस किर्तीश्री जी म.
आदि ठाणा (7)
पता—जैन उपाश्रय, मु पो येवला जिला नासिक (महा)
87. पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री इन्द्र प्रभा श्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता—श्री मोहनलाल उत्तमचद धर्मशाला,
मु पो पाचन जिला बनासकाठा (गुज)
88. पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री जयलता श्री जी म.
आदि ठाणा (3)
पता—आपीश सोसायटी, रजमहेन रोड,
मु पो. पाटन 384265 (गुज.)

साध्वीयाँजी समुदाय

- 89 सरोयद (गुजरात)
माध्वी श्री पूषा प्रभाश्री जी म
पता—नी जैन उपाश्रय, मु पा सरोयद बाया पाटन
जिना महामाता (उ गुज)
आदि ठाणा (3)
- 90 जालोर (राज)
माध्वी श्री पुष्य उपाश्री जी म
पता—जैन उपाश्रय, मु पा जालोर (राज)
आदि ठाणा (21)
- 91 नी पी टेंक-बम्बई (महाराष्ट्र)
माध्वी श्री पुष्य प्रभाश्री जी म
पता—बदवाडी गाडाउन, नी पी टेंक राड,
बम्बई-400004 (महाराष्ट्र)
आदि ठाणा (9)
- 92 सुतारगली बम्बई (महाराष्ट्र) -
माध्वी श्री धर्मनता श्री ना म
आदि ठाणा (2)
पता—ट्टणा भुवन, 1 माते, 1 ना, सुतारगली
बम्बई-2 (महाराष्ट्र)
- 93 घाटकोपर-बम्बई (महाराष्ट्र)
माध्वी श्री विमल विनीजी म
आदि ठाणा (6)
पता—जैन उपाश्रय, पत नगर, घाटकोपर
बम्बई-77
- 94 मलाड-बम्बई (महाराष्ट्र)
माध्वी श्री तम्लता श्री ना म
आदि ठाणा (5)
पता—रत्नपुरी, गीणाना जैन, मलाड (पूर्व) बम्बई-77
- 95 बालकेरवर-बम्बई (महाराष्ट्र)
माध्वी श्री मुलोचना श्री ज्ञा म
आदि ठाणा (3)
पता—विमल मामावटी, बाणगाण बालकेरवर,
बम्बई-64
- 96 वापी (गुज)
माध्वी श्री परम प्रभा श्री जी म
पता—जैन उपाश्रय, मु पा वापी जिना जन्माड (गुज)
- 97 दयाल शाहू का किल्ला (राजस्थान)
माध्वी श्री पुष्पनता श्री जी म
आदि ठाणा (2)
- 98 नाटलाई (राजस्थान)
माध्वी श्री ताम्य उपाश्री जी म
आदि ठाणा (4)
पता—जैन मंदिर पट्टा, मु पा नाटलाई जिना पाली
(राज)
जिना पाली (राज)

कुल साध्वीयाजी

131

- 1 पालीताणा (गुजरात)
प्रजतिनी-माध्वी श्री हम श्री जी म
आदि ठाणा (24)
पता—बागी केर वापी वाला नी धमशाला, तनेटी राड
पालीताणा (गुजरात) 364270
- 2 कालपुर-अहमदाबाद (गुजरात)
माध्वी श्री विष्णु पूर्णा श्री जी म
आदि ठाणा (5)
पता—विकानो जैन उपाश्रय, कालुशोनी पोल,
कालपुर अहमदाबाद (गुजरात)
- 3 पालडी-अहमदाबाद (गुजरात)
माध्वी श्री रजन श्री जी म
आदि ठाणा (7)
पता—मास्ती जपाटमटसु जेसर पाव जम स्टेण्ड नामे,
पालडी-अहमदाबाद-(गुजरात)
- 4 पालडी-अहमदाबाद (गुजरात)
माध्वी श्री रतीप्रभा श्री जी म
आदि ठाणा (5)
पता—धाविना जैन उपाश्रय,
रज माण मीनावटी, पी टी बाबा राड
पालडी-अहमदाबाद-7 (गुजरात)

5. बालकेश्वर-बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री रम्यकचन्द्रा श्री जी म.
आदि ठाणा (7)
पता.—श्राविका उपाश्रय, सुलसा अपार्टमेंटस्
रतीलाल ठक्कर मार्ग रीज रोड,
बालकेश्वर बम्बई-5 (महा.)
6. सावर कुण्डला (गुजरात)
साध्वी श्री त्रिलोचना श्री जी म.
आदि ठाणा (14)
पता—जैन विद्याशाला, जैन मंदिर सामे
सावर कुण्डला सौराष्ट्र-(गुजरात)
7. माधवबाग-बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री ज्योतीप्रभाश्री जी म
आदि ठाणा (8)
पता.—सोनारीका बिल्डिंग, फ्लेट न 14, 1 माला
चदावाडी सी. पी टैंक माधवबाग, बम्बई-4
8. मलाड-बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री भद्रपूर्णा श्री जी म.
आदि ठाणा (6)
पता.—मोहनलाल काटा वाला नी चाल, धनजी पाडी
कवारी रोड, मलाड बम्बई-97
9. लुणावा (राजस्थान)
साध्वी श्री नित्योदया श्री जी म.
आदि ठाणा (5)
पता.—चैटानो उपाश्रय मु पो लुणावा
स्टेशन फालना जिला पाली (राज)
10. व्यावर (राजस्थान)
साध्वी श्री लब्धगुणा श्री जी म.
आदि ठाणा (5)
पता—जन उपाश्रय मु.पो. व्यावरा जिला अजमेर
(राज.)
11. रतलाम (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री सर्व भद्रा श्री जी म.
आदि ठाणा (6)
पता—श्राविका उपाश्रय, पोरवाड का वास,
रतलाम (म. प्र.) 457001
12. खंभात (गुजरात)
साध्वी श्री भव्यरत्ना श्री जी म.
आदि ठाणा (6)
पता—शांति विहार जैन उपाश्रय, चौकसी पोल नाके
खंभात (गुजरात) 388620
13. पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री हर्ष पूर्णा श्री जी म
आदि ठाणा 11
पता—रूक्षमणी वाई जैन पोपधशाला पचासराजी
चौक-पाटन (गुजरात)
14. पाटन-(गुजरात)
साध्वी श्री सूर्य माला श्री जी म.
आदि ठाणा (7)
पता—बारी नो उपाश्रय, कोकानो पाडो,
गोलशेरी, मु पो पाटन (गुजरात) 384265
15. गिरधर नगर-अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री किर्ती प्रभा श्री जी म.
आदि ठाणा (2)
पता—विकानो उपाश्रय, गिरधर नगर जैन मंदिर
अहमदाबाद-4
16. जामनगर-(गुजरात)
साध्वी श्री पद्मयशा श्री जी म.
आदि ठाणा (2)
पता—ओसवाल कालोनी जामनगर (गुज)

સાધ્વીયોગી સમુદાય

1 યજ્ઞાત (ગુજરાત)

1 પ્રવૃત્તિ સાધ્વી યજ્ઞાત યોગી મ
જાદિ ઠાળા (4)

વડા-જીવા જીવા જન ડાક ઈ, ૪૪૧ ૧૪૪૪, ૬ ૩૪
જાદિ યજ્ઞાત (ગુજરાત) ૩૪૬૫૦૨૦

2 વાલકો નૃમલાચાર (ગુજરાત)

સાધ્વી યોગી યોગી યોગી મ
જાદિ ઠાળા (1-)

વડા-જીવન વાલકો નૃમલાચાર જન ઈ (૪૪૪),
જાદિ નૃમલાચાર (ગુજ)

3 યજ્ઞાત (ગુજરાત)

સાધ્વી યોગી યજ્ઞાત યોગી યોગી મ
જાદિ ઠાળા (5)

વડા-જીવન યજ્ઞાત, યુવા ઈ. જી. જી. યજ્ઞાત ઈ. ઈ.
જિલ્લા ગાદિ યજ્ઞાત (ગુજરાત)

4 પાટણવર ચમ્પરૂ (મહારાષ્ટ્ર)

સાધ્વી યોગી યજ્ઞાત યોગી યોગી મ
જાદિ ઠાળા (13)

વડા-જીવન યજ્ઞાત યજ્ઞાત ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ.
જી. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ.

5 મુરત (ગુજરાત)

સાધ્વી યોગી યુવ યજ્ઞાત યોગી યોગી મ
જાદિ ઠાળા (5)

વડા-જીવન યજ્ઞાત યજ્ઞાત ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ.
મહિંદપુરા, મુરત-૩૯૫૦૦૩ (ગુજરાત)

6 તામિક (મહારાષ્ટ્ર)

સાધ્વી યોગી યજ્ઞાત યોગી યોગી મ
જાદિ ઠાળા (8)

વડા-જીવન યજ્ઞાત યજ્ઞાત ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ.
તામિક (મહા) 122001

7 તામિક (મહારાષ્ટ્ર)

સાધ્વી યોગી યજ્ઞાત યોગી યોગી મ
જાદિ ઠાળા (3)

વડા-જીવન યજ્ઞાત યજ્ઞાત ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ.
તામિક (મહા) 122001

8 તામિક (મહારાષ્ટ્ર)

સાધ્વી યોગી યજ્ઞાત યોગી યોગી મ
જાદિ ઠાળા (4) યજ્ઞાત યજ્ઞાત ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ.
તામિક (મહા) 122001

9 પ્રમુખ (મહારાષ્ટ્ર)

સાધ્વી યોગી યજ્ઞાત યોગી યોગી મ
જાદિ ઠાળા (3)

વડા-જીવન પ્રમુખ યજ્ઞાત યજ્ઞાત ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ.
પ્રમુખ (મહા) 122001

10 મુરત (ગુજરાત)

સાધ્વી યોગી યજ્ઞાત યોગી યોગી મ
જાદિ ઠાળા (6)

વડા-જીવન મુરત યજ્ઞાત યજ્ઞાત ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ.
મુરત (ગુજ) 301001

11 વાલક ચમ્પરૂ (મહારાષ્ટ્ર)

સાધ્વી યોગી યજ્ઞાત યોગી યોગી મ
જાદિ ઠાળા (13)

વડા-જીવન વાલક ચમ્પરૂ યજ્ઞાત યજ્ઞાત ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ.
વાલક ચમ્પરૂ યજ્ઞાત ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ.

12 વાલકોચાર (ગુજરાત)

સાધ્વી યોગી યજ્ઞાત યોગી યોગી મ
જાદિ ઠાળા (7)

વડા-વાલકોચાર યજ્ઞાત યજ્ઞાત ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ. ઈ.
વાલકોચાર (ગુજરાત) 364270

13 વિપવચાર (રાજસ્થાન)

સાધ્વી યોગી યજ્ઞાત યોગી યોગી મ
જાદિ ઠાળા (6)

पता:—जैन पेढ़ी मु. पो पिंपवाडा स्टेशन सिरोंही रोड,
जिला सिरोंही (राज.)

20. सुतारगली-बम्बई (महाराष्ट्र)

साध्वी श्री दिव्य प्रजाश्री जी म

आदि ठाणा (4)

पता—कृष्ण भवन, 1 माला, 1 सुतारगली बम्बई-1

कुल चातुर्मास 20 साध्वीयाँ 146

14. साबरमती अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री किरण प्रज्ञा श्री जी म.

आदि ठाणा (16)

पता.—मिश्रीमलजी अचलदास जी जैन मंदिर के पीछे
मैना भवन, साबरमती, रामनगर अहमदाबाद (गुज.)

15. दादर-बम्बई (महाराष्ट्र)

साध्वी श्री चदन वाला जी म.

पता.—श्री कानजी रतनशी बोहरा, वरकाणा भुवन, 1
1 माला, भवानी शंकर रोड, दादर (वेस्ट)
बम्बई-28

कुल चातुर्मास संतों के 79 कुल संत 409

कुल चातुर्मास साध्वीयो के 55 कुल साध्वीयाँजी 398

कुल 134 807

कुल चातुर्मास 134 संत 409 साध्वीयाँजी 398

कुल ठाणा 807

16. झीझुवाड़ा (गुजरात)

साध्वी श्री हितसेना श्री जी म.

आदि ठाणा (2)

पता.—जैन उपाश्रय, मु. पो. झीझुवाडा वाया
विरमगांव (गुज.)

संक्षिप्त पद तालिका

17. अहमदाबाद (गुज.)

साध्वी श्री महानन्द श्री जी म.

आदि ठाणा (3)

पता:—जैन श्राविका उपाश्रय, देरासर के सामने
काका भट्ट नी पोल अहमदाबाद (गुजरात)

आचार्य 18

उपाध्याय 2

पन्यास 17

गणि 10

प्रवर्तक नहीं

प्रवर्तिनिया 3

सन्त 409

साध्वीया 398

कुल ठाणा 807

18. कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

साध्वी श्री विमल प्रभाश्री जी म.

आदि ठाणा (6)

पता.—श्री आत्मानन्द जैन सेवा समिति
पद्मा टॉकीज सामे, लक्ष्मीपुरी, कोल्हापुर-416001
(गुज.)

19. बलसाड़ (गुजरात)

साध्वी श्री मोहलता श्री जी म

आदि ठाणा (3)

पता.—जैन उपाश्रय, देरासर, मोटा बाजार बलसाड़
(गुज) 396001



शासन सम्राट, तपागच्छाधिपति सूरीचक्रवर्ती आचार्य प्रवर
श्री नेमिसूरीश्वरजी म सा के समुदाय के सत-सतियाँजी म सा.

गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री विजय मेरुप्रभसूरीश्वरजी
म सा के आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वीयाँजी म सा

सत समुदाय

- 1 पापधुनी बम्बई (महाराष्ट्र)
 - 1 गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री विजय मेरु-
प्रभसूरीश्वरजी म सा
 - 2 प नाम श्री मानस विजयजी म सा
 - 3 प नाम श्री इन्द्रगण विजयजी म सा
आदि ठाणा (12)

पता—श्री आदिशंकर पर ज्ञान धर्मशास्त्र, पापधुनी,
बम्बई 3 फोन 5511970
- 2 बल्याण बम्बई (महाराष्ट्र)
 - आचार्य श्री विजय दश सूरीश्वरजी म सा
आदि ठाणा (1)

पता—राज ज्ञान गण, हजारी भवन, शंकरराज गार
जि ठाणा (महा)
- 3 चित्तेपार्लो बम्बई (महाराष्ट्र)
 - 1 आचार्य श्री विजय दश सूरीश्वरजी म सा
 - 2 आचार्य श्री विजय हनुमन्त सूरीश्वरजी म सा
आदि ठाणा (5)

पता—श्री चिन्तामणी वासुदेवाय दरामर,
47, एम जो राड विलपाला (पूर्व) बम्बई-57
- 4 बाली (राजस्थान)
 - आचार्य श्री विजय गुणोत्तम सूरीश्वरजी म सा
आदि ठाणा (6)

पता—श्री जन दरामर उपाश्रय,
मु गा प्राणी स्थान फालता जिना पाला (राज)
- 5 पानोताणा (गुजरात)
 - आचार्य श्री विजय प्रवाण्ड सूरीश्वरजी म सा
प्रवर्तक श्री हरिभद्र विजयजी म सा
आदि ठाणा (3)

पता—श्री रामा गण ज्ञान मंदिर
पाणी ताणा-नागापट्ट (गुज) 361270
- 6 जहूमदाबाद (गुजरात)
 - आचार्य श्री विजय प्रियवर सूरीश्वरजी म सा
आदि ठाणा (2)

पता—श्री तागजी भूधरजी नी पाल,
उपाश्रय, माटोनी गार जहूमदाबाद 1
- 7 भावतगर (गुजरात)
 - आचार्य श्री तुभार सूरीश्वरजी म सा
आदि ठाणा (3)

पता—श्री दादा साहब उपाश्रय,
पाला नाला, भावागर (साराष्ट्र-गुज)
- 8 नाणावट-सूरत (गुजरात)
 - 1 आचार्य श्री विजय कुमुद चन्द सूरीश्वरजी म सा
 - 2 आचार्य श्री विजय प्रवाधचन्द सूरीश्वरजी म सा
आदि ठाणा (7)

पता—श्री सवेगी जन उपाश्रय,
बडा चाटा, नाणावट सूरत (गुज)
- 9 भायपलता बम्बई (महा)
 - आचार्य श्री विजय चन्द्रादय सूरीश्वरजी म सा
आदि ठाणा (10)

पता—श्री मातीशा जन मंदिर,
म 80 सवलता, भायपलता, बम्बई 27

10. अहमदाबाद (गुजरात)

आचार्य श्री विजय किर्तीचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा
पन्यास श्री जयकिर्ती चन्द्र सूरीश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

पता—श्री किर्तीचन्द्र सूरीश्वर ज्ञान मंदिर,
पारूल नगर शोला रोड, भूयंगदेव चार रास्ता
अहमदाबाद-61

11. पालडी-अहमदाबाद (गुज.)

आचार्य श्री विजय महिमा प्रभ सूरीश्वरजी म.सा
आदि ठाणा (3)

पता—श्री महिमा प्रभ सूरीजी ज्ञान मंदिर,
शांतीवन वस स्टेण्ड पास नारायणपुर रोड
पालडी, अहमदाबाद-7

12. भावनगर (गुजरात)

आचार्य श्री विजय सूर्योदय सूरीश्वरजी म.सा
आदि ठाणा (7)

पता—नूतन उपाश्रय, राधनपुरी बाजार,
नानभा शेरी, भावनगर (गुज)

13. विलेपार्ला-बम्बई (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री विजय अशोकचक्र सूरीश्वरजी म.सा
गणी श्री सोमचन्द्र विजयजी म.सा
आदि ठाणा (11)

पता—महासुख भवन,
सरला सर्जन, उपाश्रय ओ पी पी
साउथ पाण्डु रोड विलेपार्ला (W) बम्बई-56

14. माटूंगा-बम्बई (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री विजय विशालसेन सूरीश्वरजी म.सा
पन्यास श्री राजशेखर विजयजी म.सा गणी
आदि ठाणा (7)

पता—श्री जीवन अवजी ज्ञान मंदिर,
जगेरा सिनेमा पामे, माटूंगा किग्म. मर्कल
बम्बई-19

15. मोरवी (गुजरात)

आचार्य श्री विजय नय प्रभ सूरीश्वरजी म.सा
पन्यास श्री यशोदेव विजयजी म.सा गणी
आदि ठाणा (4)

पता—श्री जैन देरासर दरवार गढ पामे, मोरवी
(सौराष्ट्र) (गुज)

16. कृष्णनगर-अहमदाबाद (गुज.) :

आचार्य श्री विजयचन्द्र सूरीश्वर जी म.सा.
आदि ठाणा (3)

पता—श्री जैन देरासर उपाश्रय,
सेजपुरा बोधा, कृष्णनगर, नरोडा रोड,
अहमदाबाद-3

17. मलाड-बम्बई (महाराष्ट्र) :

आचार्य श्री विजय सदगुरु सूरीश्वर जी म. सा.
आदि ठाणा (3)

पता—श्री सदगुणसूरी ज्ञान मंदिर,
शातिनाथ देरासर, एस. वी. रोड सुन्दरनगर
मलाड (वेस्ट) बम्बई-64

18. सिरोही (राजस्थान) :

उपाध्याय श्री चन्दनविजय जी म. सा.
आदि ठाणा (2)

पता—श्री जैन मंदिर जैन उपाश्रय,
सिरोही (राजस्थान)

19. सिरोही (राजस्थान) :

उपाध्याय श्री विनोद विजय जी म. सा
आदि ठाणा (2)

20. ध्रागंध्रा (गुजरात) :

पन्यास श्री प्रमोदचन्द्र विजय जी म. सा
आदि ठाणा (2)

पता—श्री तपागच्छ जैन उपाश्रय,
ध्रागंध्रा (गुजरात)

- 21 पालीताणा (गुजरात)
पयाम श्री दयचन्द्र त्रिजय जी म सा
जादि ठाणा (2)
पता—माण्डेराव, जैन धर्मशाला के पीछे
पालीताणा-364 270 (गुजरात)
- 22 शान्ताकुल-बम्बई (महाराष्ट्र)
पयाम श्री अजितचन्द्र विजय जी म सा
पयास श्री विनितचन्द्र विजय जी म सा
जादि ठाणा (2)
पता—श्री कृष्णाथ जन
ऐन्ड्रुय राड, एम वी रोड,
शान्ताकुल (वेन्ट) बम्बई-54
- 23 अहमदाबाद (गुजरात)
पयाम श्री महावल विजय जी म सा
जादि ठाणा (3)
पता—पाजरापोल,
रिलीफ रोड, अहमदाबाद-380 001 (गुजरात)
- 24 अहमदाबाद (गुजरात)
पयाम श्री श्यामचन्द्र विजय जी म सा
जादि ठाणा (2)
पता—श्री हठीभाइनीबाई उपाध्यय,
दिल्लीदग्बाजा वाहर, शाहीबाग रोड,
अहमदाबाद-1
- 25 मोलवाड बम्बई (महाराष्ट्र)
पयाम श्री पारवचन्द्र विजय जी म सा
जादि ठाणा (2)
पता—श्री गानवाड जन उपाध्यय,
पाजरापाठ गली, बम्बई-2
- 26 सुरेन्द्रनगर (गुजरात)
पयास श्री कुडुकुद विजय जी म सा
जादि ठाणा (3)
पता—श्री शेट जाणदजी कल्याणजी पेटी,
धोमण साग, सुरेन्द्र नगर (गुजरात)
- 27 नवमारो (गुजरात)
पयाम श्री पदयुम्न त्रिजय जी म सा
जादि ठाणा (2)
पता—मधुमती जैन उपाध्यय,
नवमारी, जि बलमाड (गुजरात)-196 145
- 28 भावनगर (गुजरात)
पयाम श्री शीलचन्द्र विजय जी म सा
जादि ठाणा (2)
पता—श्री गोडीजी जैन उपाध्यय,
भावनगर (मोराष्ट्र-गुजरात)
- 29 अहमदाबाद (गुजरात)
पयास श्री दान विजयजी म सा
जादि ठाणा (2)
पता—श्री नमोसुरी ज्ञानशाला,
पाजरापाल रिलीफ राड अहमदाबाद-380 001
(गुजरात)
- 30 आणद (गुजरात)
पयाम श्री चन्द्रमेन विजयजी म सा
जादि ठाणा (3)
पता—श्री जैन उपाध्यय,
स्टेशन पाम, आणद जि खेडा (गुजरात)
- 31 नावनगर (गुजरात)
पयाम श्री भद्रमेन विजय जी म सा
जादि ठाणा (2)
पता—श्री जन उपाध्यय,
बडवा, भावनगर (गुजरात)
- 32 भावनगर (गुजरात)
गणीवर्य श्री धम ध्वज विजय जी म सा
जादि ठाणा (4)
पता—श्री कृष्णनगर जैन उपाध्यय,
टायमड चौक, भावनगर (गुजरात)
- 33 पालनपुर (गुजरात)
गणीवर्य श्री हीनारत्न विजय जी म सा
जादि ठाणा (2)

- पता—लीम्बडानो उपाश्रय,
पालनपुर जि वनासकाठा (गुजरात)
34. दोलतनगर-बम्बई (महाराष्ट्र) :
गणीवर्य श्री सिंहसेन विजय म सा
आदि ठाणा (3)
पता—श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ पेढी,
दोलतनगर, बोरीवली (ईस्ट) बम्बई-66
35. अंधेरी-बम्बई (महाराष्ट्र) :
गणीवर्य श्री पुष्पचन्द्र विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—शातावाडी, जैन उपाश्रय,
अंधेरी (वेस्ट) बम्बई-58
36. रिलीफरोड-अहमदाबाद (गुज.)
प्रवर्तक श्री निरजन विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री निरजन ज्ञानमंदिर,
शेखनो पाडो, रिलीफ रोड अहमदाबाद (गुज)
37. पालीताणा (गुजरात) :
श्री विद्यानन्द जी म सा आदि ठाणा (2)
पता—श्री जितेन्द्र सूरी ज्ञान मंदिर,
ओपीपी पो ओ, गली मे, पालीताणा
(सौराष्ट्र-गुजरात)
38. दादर-बम्बई (महाराष्ट्र) :
श्री जस विजय जी म. सा आदि ठाणा (1)
पता—श्री शांतिनाथ जैन देरासर,
भवानी शकर रोड, कवूतरखाना,
दादर, बम्बई-28
39. पालीताणा (गुजरात) :
श्री जिनचन्द्र विजय जी म. सा आदि ठाणा (2)
पता—श्री केशरियाजी नगर,
तलेटी रोड, पालीताणा-364270 (गुजरात)
40. सूरत (गुजरात) :
श्री नय किर्ती विजयजी म सा आदि ठाणा (1)
पता—श्री जैन देरासर,
कतारगाम, सूरत (गुजरात)
41. जैसर (गुजरात) :
श्री नयचन्द्र विजय जी म. मा आदि ठाणा (2)
पता—श्री जैन उपाश्रय,
मु पो जैसर वा सावारकुडला (सौराष्ट्र) (गुज.)
42. तलेगाँव (महाराष्ट्र) :
श्री विद्याचन्द्र विजय जी म. सा आदि ठाणा (2)
पता—श्री जैन देरासर उपाश्रय,
मु पो तलेगाँव ता डाभडा जि थाणा
43. मणीनगर-अहमदाबाद (गुजरात) :
श्री रत्नप्रभ विजय जी म. सा आदि ठाणा (2)
पता—श्री मणीनगर जैन देरासर उपाश्रय,
स्टेशन के पास, अहमदाबाद -8 (गुजरात)
44. सूरत (गुजरात) :
श्री हितचन्द्र विजय जी म. सा आदि ठाणा (2)
पता—श्री हरिपुरा जैन उपाश्रय,
शीतलनाथ देरासर के पास, सूरत (गुजरात)
45. खंभात (गुजरात) :
श्री स्थुलीभद्र विजय जी म सा आदि ठाणा (2)
पता—श्री लाडवाडो उपाश्रय,
मु पो खंभात जि खेडा (गुजरात)
46. भावनगर (गुजरात) :
श्री दर्शन विजय जी म. सा आदि ठाणा (6)
पता—मेरु उद्यान, शास्त्रीनगर, विजयराज नगर,
भावनगर (गुजरात)
47. पालीताणा (गुजरात) :
श्री कुशलचन्द्र विजय जी म. सा
आदि ठाणा (2)

- પાતા -શ્રી મુસ્લિમના ધર્મગાથા,
ત્રણદી ગાઢ, પાતાનાના (ગુજરાત)
- 18 અહમદાબાદ (ગુજરાત)
શ્રી ન ત્રીપણ વિજય ગો મ મા આદિ ઠાણા (2)
પાતા -શ્રી ગમગી મુઘરગી ગી પાત
ગાળેન તાત અહમદાબાદ ।
- 49 નવજીવન પમ્પર્ક (મહારાષ્ટ્ર)
શ્રી મહાપગ વિજય ગો મ મા આદિ ઠાણા (3)
પાતા -નવજીવન સોગપદી,
સ્નાત ન 17 1, તમાપટા ગાઢ, રમ્બર 4
- 50 યરતો-રમ્પર્ક (મહારાષ્ટ્ર)
શ્રી મુમન વિજય ગા મ મા આદિ ઠાણા (3)
પાતા -શ્રી મમનનાથ ડન દેરાગર,
પાત્ર મ પાન મુદ્ધ મદિર પાને, પર્તો (ગાતા)
રમ્પર્ક 14
-
- સાધ્યોર્થાંજી સમુદાય**
- 1 માધ્વી શ્રી પદ્મા શ્રી ગો મ મા
માધ્વી શ્રી પ્રમાદ શ્રી ગો મ મા
આદિ ઠાણા (12)
પાતા -રાદાભાઈ માવનગર (ગુજ)
- 2 માધ્વી શ્રી તયપૂના શ્રી ગો મ મા
આદિ ઠાણા (5)
પાતા -રાદાભાઈ માવનગર, (ગુજરાત)
- 3 માધ્વી શ્રી વિરુણ પાતા શ્રી ગો મ મા
આદિ ઠાણા (2)
પાતા -રાદાભાઈ માવનગર, (ગુજરાત)
- 4 માધ્વી શ્રી વિરુણપ્રભા શ્રી ગો મ મા
આદિ ઠાણા (8)
પાતા -રાદા ભાગાર, માવાગર (ગુજરાત)
- 5 શ્રી રાજગો શ્રી ગો મ મા
આદિ ઠાણા (16)
પાતા - ગાગ રાગાર, માવાગર (ગુજરાત)
- 6 માધ્વી શ્રી કલ્યા પાતા શ્રી ગો મ મા
આદિ ઠાણા (3)
પાતા -ભીરીધર્મગાથા, તમાપટા (ગુજરાત)
- 7 માધ્વી શ્રી વિરુણ શ્રી ગો મ મા
આદિ ઠાણા (5)
પાતા -તોટા પત્રીસ, માવનગર, (ગુજરાત)
- 8 માધ્વી શ્રી કુન્દ પાતા શ્રી ગો મ મા
આદિ ઠાણા (4)
પાતા -સ્નાતક, ગામંત ગોર માવાગર (ગુજરાત)
- 9 માધ્વી શ્રી વાના શ્રી ગો મ મા
આદિ ઠાણા (2)
પાતા -રાવનગરી ગાગર, માવાગર (ગુજરાત)
- 10 માધ્વી શ્રી વિરુણ શ્રી ગો મ મા
આદિ ઠાણા (5)
પાતા -રત ઉપાધય, માવાગર (ગુજરાત)
- 11 માધ્વી શ્રી રાજગાથા શ્રી ગો મ મા
આદિ ઠાણા (5)
પાતા -જાસ્તીનગર, માવાગર (ગુજરાત)
- 12 માધ્વી શ્રી રાજક્રમ શ્રી ગો મ મા
આદિ ઠાણા (8)
પાતા -ગજરાત મ (ગુજરાત)
- 13 શ્રી સનિત પ્રભા શ્રી ગો મ મા
આદિ ઠાણા (2)
પાતા -વનમ વિહાર, પાલીતાણા, (ગુજરાત)
- 14 માધ્વી શ્રી પુષ્પાદેરી શ્રી ગો મ મા
આદિ ઠાણા (1)
પાતા -પાલીતાણા (ગુજરાત)

- 15 साध्वी श्री समययशा श्री जी म. सा.
आदि ठाणा (1)
पता.—पालीताणा (गुजरात)
16. साध्वी श्री भाग्य यशा श्री जी म. सा
आदि ठाणा (1)
पता:—पालीताणा (गुजरात)
17. साध्वी श्री हर्षलता श्री जी म सा.
आदि ठाणा (1)
पता.—पालीताणा (गुजरात)
18. साध्वी श्री मजुला श्री जी म सा.
आदि ठाणा (1)
पता.—पालीताणा (गुजरात)
19. साध्वी श्री पुष्पा श्री जी म. सा.
आदि ठाणा (12)
पता.—चपा प्रज्ञा भण्डार, खभात (गुजरात)
20. साध्वी श्री पद्मा श्री जी म. सा.
आदि ठाणा (1)
पता —लक्षपोल, खभात (गुजरात)
21. साध्वी श्री रविन्द्रप्रभा श्री जी म. सा
आदि ठाणा (3)
पता.—लक्षपोल, खभात (गुजरात)
22. साध्वी श्री चन्द्रप्रभा श्री जी म. सा.
आदि ठाणा (3)
पता.—लक्षपोल, खभात (गुजरात)
23. साध्वी श्री सुशीला श्री जी म. सा.
आदि ठाणा (2)
पता —. . . ., खभात (गुजरात)
24. साध्वी श्री पूर्णभद्रा श्री जी म. सा.
आदि ठाणा (10)
पता —जीरालापाड़ा, कीर्तिशाला, खभात (गुजरात)
25. साध्वी श्री सौभ्यलता श्री जी म. सा
आदि ठाणा (1)
पता.—खेड़ा (गुजरात)
26. साध्वी श्री ललित दर्शन श्री जी म. सा.
आदि ठाणा (1)
पता:—श्रीमाली वगमो, बोरसद (गुजरात)
27. साध्वी श्री सूर्यप्रभा श्री जी म सा.
आदि ठाणा (9)
पता —प्रवीण पोपधशाला, बडौदा (गुजरात)
- 28 साध्वी श्री हर्ष प्रभा श्री जी म सा.
आदि ठाणा (5)
पता.—अकलेश्वर (गुजरात)
29. साध्वी श्री मयणरेहा श्री जी म सा.
आदि ठाणा (3)
पता.—सूरत (गुजरात)
30. साध्वी श्री कल्पपूर्णा श्री जी म सा.
आदि ठाणा (4)
पता.—सूरत (गुजरात)
- 31 साध्वी श्री रविन्द्रप्रभा श्री जी म. सा.
आदि ठाणा (10)
पता.—कल्याण-बम्बई (महाराष्ट्र)
32. साध्वी श्री प्रवीणा श्री जी म. सा.
आदि ठाणा (13)
पता.—माटूगा किंग्स सर्कल, बम्बई
33. साध्वी श्री चन्द्रलता श्री जी म. सा.
आदि ठाणा (6)
पता —विलेपार्ला (पूर्व) बम्बई
34. महा. श्री विमलयशा श्री जी म. सा
आदि ठाणा (2)
पता.—आराधना भुवन,
विलेपार्ला (वेस्ट) बम्बई
35. महा. श्री सौभ्यप्रभा श्री जी म. सा.
आदि ठाणा (7)
पता.—शातावाड़ी, अधेरी, बम्बई

- 36 महा श्री विद्यालनदी श्री जी म मा
जादि ठाणा (2)
पता -भाहिम, बम्बई
- 37 महा श्री रजन श्री जी म मा
जादि ठाणा (2)
पता -ज्ञातिनाथ दरामर, पायधुती म्बई
- 38 महा श्री हहमन्ना श्री जी म मा
जादि ठाणा (12)
पता -नवमरी (यजूरल)
- 39 महा श्री चन्द्रादया श्री जी म मा
जादि ठाणा (3)
पता -जाणद (गुजरात)
- 40 महा श्री चन्द्रान्ना श्री जी म मा
जादि ठाणा (3)
पता -गुमापाग्बनी पान, अहमदाबाद
- 41 महा श्रीमनी श्री जी म मा
जादि ठाणा (4)
पता -गुमा पाग्बनी पान अहमदाबाद
- 42 महा श्री घृतिवशा श्री जा म मा
जादि ठाणा (3)
पता -धना मुभार पाल, अहमदाबाद
- 43 महा श्री कुमुद श्री जी म मा
जादि ठाणा (5)
पता -दादा वनियानी पान, अहमदाबाद
- 44 महा श्री सुवणप्रभा श्री
जादि ठाणा (6)
पता -देवीवमत स्वाध्याय मंदिर, अहमदाबाद
- 45 महा श्री मूयप्रभा श्री जा म मा
जादि ठाणा (10)
पता -लाडा पाग्बनी पान, अहमदाबाद
- 16 महा श्री स्वयप्रभा श्री जी म मा
जादि ठाणा (7)
पता -गाति वन, अहमदाबाद
- 17 महा श्री दशयशा श्री जी म मा
जादि ठाणा (10)
पता -जैन नगर, रग वपा मामावटी, अहमदाबाद
- 48 महा श्री पुण्यप्रभा श्री जी म मा
जादि ठाणा (4)
पता -छाटीया चार रास्ता, अहमदाबाद
- 49 महा धा जयवाता श्री जी म मा
जादि ठाणा (7)
पता -कृष्ण नगर, नराटा राड, अहमदाबाद
- 50 महा श्री सुवण प्रभा श्री जी म मा
जादि ठाणा (5)
पता -वाघेश्वरी पाल, अहमदाबाद
- 51 माध्वी श्री नतश्री जी म मा
जादि ठाणा (3)
पता -शामनानी पाल, अहमदाबाद
- 52 माध्वी श्री शीतगुणा श्री जा म मा
जादि ठाणा (6)
पता -चार गान्ना, नवरगपुग, अहमदाबाद
- 53 साध्वी श्री चरित्र श्री जी म मा
जादि ठाणा (9)
पता -पदमनगर, नावरमती, अहमदाबाद
- 54 साध्वी श्री मयणयशा श्री जी म मा
- - -
- - -
- 54 साध्वी श्री मयणयशा श्री जी म मा
जादि ठाणा (7)
पता -नावरमती, अहमदाबाद (गुजरात)
- 55 साध्वी श्री ग्यणयशा श्री जी म मा
जादि ठाणा (5)
पता -पालनपुर (गुजरात)

56. साध्वी श्री कान्तगुण श्री जी म सा.

आदि ठाणा (6)

पता:—ध्रागंध्रा (गुजरात)

57. साध्वी श्री विद्युत्प्रभा श्री जी म. सा

आदि ठाणा (15)

पता.—मोरवी (गुजरात)

58. साध्वी श्री धर्मिष्ठा श्री जी म सा

आदि ठाणा (3)

पता.—सुरेन्द्रनगर (सौराष्ट्र) (गुजरात)

59. साध्वी श्री विनितयशा श्री जी म सा

आदि ठाणा (12)

पता.—सुरेन्द्रनगर (सौराष्ट्र) (गुजरात)

59. साध्वी श्री विनितयशा श्री जी म सा.

आदि ठाणा (12)

पता.—सुरेन्द्रनगर (सौराष्ट्र) (गुजरात)

60. साध्वी श्री ज्ञातयशा श्री जी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता—सुरेन्द्रनगर (सौराष्ट्र) (गुजरात)

61. साध्वी श्री मनोरमा श्री जी म सा. आदि ठाणा (4)

पता—नरोडा, अहमदाबाद (गुजरात)

कुल चातुर्मास संतों का 50 कुल संत 166

कुल चातुर्मास साध्वीयो का 61 कुल साध्वीयों 335

कुल 111 कुल 501

कुल चातुर्मास 111 संत 166 साध्वीयों 335 कुल 501

संक्षिप्त पद तालिका

आचार्य	19
उपाध्याय	3
पन्यास	18
गणि	5
प्रवर्तक	2
मूनि	166
साध्वीया	335
कुल ठाणा	501

ज्ञान रूप गंगा के अन्दर, जो जन कोई नहाता है ।
कर्म मैल से मुक्त होय तब, विश्वनाथ बन जाता है ॥

With best compliment from :

Shah Parasmal

Shantilal Daga

**M/s. Rajendra
Jewellers**

437, Sampige Road, Malleshwaram
Bangalore-560003 (Karnatka)

Tel. No 369312
363776

आराम, अगर तुम चाहते हो, तो ऐमालो पर ध्यान करो ।
अच्छे का बदला अच्छा है, यह नीति वाक्य परमान करो ॥

With best compliments from :

M/s. Inder

Jewellery Mart

86 Sampige Road, Malleshwaram
Bangalore-560003 (Karnatka)

Tel. No. 36479

आगमोद्धारक आचार्य प्रवर श्री आनन्दसागर सूरीश्वरजी म सा का समुदाय

गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री देवेन्द्र सागर सूरीश्वरजी म सा.
के आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वीयाँजी म सा

सत समुदाय

- 1 गोडोजी बम्बई (महाराष्ट्र)
गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री देवेन्द्रसागर
सूरीश्वरजी म सा
जादि ठाणा (7)
पता—दा गाडाजा जन उपाश्रय,
12 पायडुनी, विजय वनम चाण, बम्बई 1
- 2 मुमरपुर (राजस्थान)
आचार्य श्री गगन सागर मुराश्वर जा म सा
जादि ठाणा (3)
पता—दा बासु पूज्य स्वामा जन पढ़ी
मुमरपुर, जि पाला (राजस्थान)
- 3 कपडवज (गुजरात)
आचार्य श्री चिनाम दगागर मुराश्वर जा म सा
जादि ठाणा (4)
पता—श्री जन उपाश्रय, शातीनावनी पडरी,
हल्ली चकला, कपडवज
- 4 पालनपुर (गुजरात)
आचार्य श्री कचन सागर मुराश्वर जा म सा
जादि ठाणा (2)
पता—श्री तपागच्छ जन उपाश्रय,
गठामण दरदाज, पालनपुर (राजस्थान)
- 5 पालीताणा (गुजरात)
आचार्य श्री सूर्योदय सागर मुराश्वरजी म सा
जादि ठाणा (7)
पता—साण्डराय भवन, जन उपाश्रय, पालीताणा (गुज)
- 6 ऊक्षा (गुजरात)
पयाग श्री अनय सागर जी म सा
जादि ठाणा (2)
पता—जा महाजन पदा जा उपाश्रय, ऊक्षा (गुजरात)
- 7 बाकानेर (गुजरात)
पयाग श्री गोभाग्य सागर जी म सा
जादि ठाणा (1)
पता—श्री तपागच्छ जा मघ, जा उपाश्रय,
बाकार (राजस्थान)
- 8 जोरावर नगर (गुजरात)
पयाग श्री नरत्र सागर जा म सा
जादि ठाणा (2)
पता—श्री जैन उपाश्रय, तत्याणजी आणन्दजी पढ़ी,
जारावरनगर (गुजरात)
- 9 जालोट (राजस्थान)
पयाग श्री ग्रेत सागर जी म सा
जादि ठाणा (2)
पता—श्री जन उपाश्रय, गाधी चौक, जालोट (राज)
- 10 सूरत (गुजरात)
पयाग श्री हिमाशु सागर जा म सा
जादि ठाणा (3)
पता—श्री जन उपाश्रय,
सधामपुरा, सूरत (गुजरात)

11. बोरसद (गुजरात) :
पन्याम श्री यशोभद्र सागर जी म सा
आदि ठाणा (4)
पता—श्री वीशा श्रीमाली जैन उपाश्रय,
वाजार मे, बोरसद (गुजरात)
12. पालड़ी-अहमदाबाद (गुजरात) :
पन्याम श्री अभ्युदय सागर जी म. सा
आदि ठाणा (7)
पता—भगवान नगर नो टेकरो, पालड़ी,
अहमदाबाद (गुजरात)
13. पूना (महाराष्ट्र) :
पन्यास श्री नरदेव सागर जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता:—श्री गोडीजी पार्श्वनाथ जैन मंदिर,
गुस्वार पेठ, पूना-2 (महाराष्ट्र)
14. कपडवंज (गुजरात) :
गणि श्री जितेन्द्र सागर जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री मि. गु जैन उपाश्रय,
दलालवाडा, कपडगंज जि (गुजरात)
15. सूरत (गुजरात) :
गणि श्री अशोक सागर जी म. सा
आदि ठाणा (4)
पता—जैन उपाश्रय,
नानपुरा अडवागेट, सूरत (गुजरात)
16. नारायणपुरा-अहमदाबाद (गुजरात) :
गणि श्री कल्याण सागर जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री जैन उपाश्रय,
जवेरी पार्क, नारायणपुरा, अहमदाबाद-13 (गुज.)
17. अंधेरी-बम्बई (महाराष्ट्र) :
गणि श्री महायश सागर जी म. सा.
आदि ठाणा (4)
18. जामनगर (गुजरात) :
गणि श्री निरजन सागर जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री वामा श्रीमाली जैन पाठशाला,
जामनगर (गुजरात)
19. राजकोट (गुजरात) :
गणि श्री जिनचन्द्र सागर जी म. सा
आदि ठाणा (4)
पता.—श्री जैन उपाश्रय,
माडवी चौक, राजकोट-360 001 (गुजरात)
20. इन्दौर (मध्यप्रदेश) :
गणि श्री हेमचन्द्र सागर जी म सा
आदि ठाणा (6)
पता—श्री जैन मंदिर उपाश्रय,
पीपली वाजार, इन्दौर-452 001 (म प्र)
21. सूरत (गुजरात) :
गणि श्री चन्दानन सागर जी म सा
आदि ठाणा (4)
पता.—श्री ने मे. वाडी, जैन उपाश्रय, सूरत (गुजरात)
22. जामनगर (गुजरात) :
श्री गुण सागर जी म सा.
आदि ठाणा (2)
पता—देववाग जैन उपाश्रय, जामनगर (गुजरात)
23. विलेपार्ला-बम्बई (महाराष्ट्र) :
श्री अमरेन्द्र सागर जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता:—श्री घेलाभाई करमचंद जैन सेनेटोरियम,
विलेपार्ला (वेस्ट) बम्बई
24. पालीताणा (गुजरात) :
श्री गोतम सागर जी म सा.
आदि ठाणा (2)

- पता - श्री जैन उपाश्रय, गिरी विहार, पालीताणा (गुज) 32 उभात (गुजरात)
श्री नरचंद्र सागर जी म मा जादि ठाणा (2)
- 25 मूरत (गुजरात)
श्री नन्दीमण सागर जी म मा जादि ठाणा (2)
पता - श्री न मे बाडी जैन उपाश्रय,
गापीपुरा मूरत (गुजरात)
- 26 अहमदाबाद (गुजरात)
श्री नियवधन सागर जी म मा जादि ठाणा (2)
पता - श्री जैन सामायटी, प्राच्य विद्या भवन पामे,
अहमदाबाद (गुजरात)
- 27 बालकेश्वर-बम्बई (महाराष्ट्र)
श्री रविंद्र सागर जी म मा जादि ठाणा (2)
पता - श्री मुषाश्वनाथ जैन उपाश्रय, बालकेश्वर, बम्बई-6
- 28 चाणम्मा (गुजरात)
श्री मोम श्रेष्ठ सागर जी म मा जादि ठाणा (3)
पता - श्री जैन उपाश्रय,
माटी वाणियावा चाणम्मा (गुजरात)
- 29 पाटण (गुजरात)
श्री रत्न गेखर सागर जी म मा जादि ठाणा (2)
पता - श्री सागर गच्छ जैन उपाश्रय,
पाटण, (उ गुजरात)
- 30 गोडल (गुजरात)
श्री मुधम सागर जी म मा जादि ठाणा (2)
पता - श्री जैन देरामर, गाउन (माराष्ट्र-गुजरात)
- 31 डभोई (गुजरात)
श्री किर्तीवधन सागर जी म मा जादि ठाणा (2)
पता - श्रीमाली वागा, जैन उपाश्रय, डभोई, (गुजरात)
- 32 उभात (गुजरात)
श्री नरचंद्र सागर जी म मा जादि ठाणा (2)
पता - श्री श्रीमा जोसवाल जैन उपाश्रय,
माणिक चौक, उभात (गुजरात)
- 33 अहमदाबाद (गुजरात)
श्री जिन रत्न सागर जी म मा जादि ठाणा (3)
पता - श्री जैन उपाश्रय,
वाय सेंटर, खानपुर, अहमदाबाद (गुजरात)
- 34 उदयपुर (राजस्थान)
श्री जयरत्न सागर जी म मा जादि ठाणा (2)
पता - श्री अजितनाथजी जैन धर्मशाला,
मालदा स्ट्रीट, उदयपुर (राजस्थान)
- 35 महवा (गुजरात)
श्री कुसल सागर जी म मा जादि ठाणा (1)
पता - श्री जैन उपाश्रय,
केरीन चौक, महवा (गुजरात) (मौराष्ट्र)
- 36 मलाड-बम्बई (महाराष्ट्र)
श्री पायवर्धन सागर जी म मा जादि ठाणा (3)
पता - श्री जैन उपाश्रय,
वेनागन स्ट्रीट, मलाड, बम्बई-64
- 37 सिद्धपुर (गुजरात)
श्री अनुपमसागर जी म मा जादि ठाणा (2)
पता - श्री जैन उपाश्रय, सिद्धपुर (गुजरात)
- 38 रतलाम (मध्यप्रदेश)
श्री कमल सागर जी म मा जादि ठाणा (1)
पता - श्री जैन उपाश्रय, रतलाम (म प्र)

साध्वीयाँजी समुदाय

39. अहमदाबाद (गुजरात) :
साध्वी श्री मंगल श्री जी म
साध्वी श्री मोहजीता श्री जी म आदि ठाणा (9)
पता:—जैन उपाश्रय, पांजरापोल, अहमदाबाद (गुजरात)
40. अहमदाबाद (गुजरात) :
साध्वी श्री खेती श्री जी म
आदि ठाणा
पता.—विजयनगर, रेलवे क्रासिंग सामे,
नारायणपुरा, अहमदाबाद-13
41. सूरत (गुजरात) :
साध्वी श्री मृगेन्द्र श्री जी म
आदि ठाणा
पता:—मंरछु दीपचन्द धर्मशाला,
गोपीपुरा, पाली फ्लीयु, सूरत (गुजरात)
42. रामपुरा (गुजरात) :
साध्वी श्री निपुणा श्री जी म आदि ठाणा
पता—जैन उपाश्रय, स्टेशन भकाडो रामपुरा
विरमगाव (गुजरात)
43. पाटन (गुजरात) :
साध्वी श्री निरूपमा श्री जी म आदि ठाणा
पता:—जैन उपाश्रय,
खडा कोटडी नो पाटो पंचासरा पासे पाटन (गुजरात)
44. पाटन (गुजरात) :
साध्वी श्री मलया श्री जी म आदि ठाणा
पता—श्री राजेन्द्रकुमार माणेकलाल के बंगले मे,
बहाई सेटर, अहमदाबाद (गुजरात)
45. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री प्रवीण श्रीजी म.
आदि ठाणा
- पता—नयन नगर, बगला मे, कृष्णनगर,
— सेजपुर बोधा,
नरोडा रोड, अहमदाबाद (गुज.)
46. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री राजेन्द्र श्रीजी म.
आदि ठाणा
पता:—लक्ष्मीवंधंक सोसायटी जैन देरासर सामे,
विहार फ्लेट अहमदाबाद (पालड़ी विस्तार)
47. ऊंझा (गुजरात)
साध्वी श्री सद्गुणा श्रीजी म
आदि ठाणा
पता:—श्री जैन उपाश्रय,
मु पो ऊंझा जिला मेहसाना (गुज.)
48. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री सुतारा श्रीजी म.
आदि ठाणा (6)
पता:—जैन उपाश्रय,
ओ पी पी. जैन दूरोसर अहमदाबाद (गुज.)
49. जामनगर (गुजरात)
साध्वी श्री मोक्षानन्द श्रीजी म.
आदि ठाणा
पता—श्री बीसा श्रीमालीनो उपाश्रय,
लालबाग सामे, जामनगर (गुज.)
50. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री नीरंजनाश्रीजी म.
आदि ठाणा
पता:—श्री जयप्रेम उपाश्रय,
अहमदाबाद (गुजरात)
51. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री रोहिता श्रीजी म.
आदि ठाणा
पता:—जैन उपाश्रय, निर्णय नगर,
अहमदाबाद (गुज.)

- 52 कलोल (गुजरात)
साध्वी श्री नित्यानन्द श्रीजी म
आदि ठाणा
पता—जैन उपाश्रय,
जैन देरामर कलोल (गुज)
- 53 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री मुरन्दश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—गगन विहार, जैन उपाश्रय,
खानपुर, अहमदाबाद
- 54 दीयोदर (गुजरात)
साध्वी श्री जित दश्रीजी म
आदि ठाणा (8)
पता—जैन देरामर उपाश्रय,
मु पो दीयोदर जि बनासकाठा (गुज)
- 55 सोहरा (गुजरात)
साध्वी श्री पूर्णानन्दश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—श्री जैन उपाश्रय, वीमनगर (गुज)
- 56 राजगढ़ (म प्र)
साध्वी श्री सुयशाश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—जैन श्वेताम्बर उपाश्रय,
मु पो राजगढ़ (म प्र)
- 57 वारडोली (गुजरात)
साध्वी श्री कल्पलताश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—जैन उपाश्रय,
मु पा वारडोली जिला मूरत (गुज)
- 58 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री सुशीलाश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—अमारि विहार धर्मशाला,
तलेटी रोड पालीताणा (गु)
- 59 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री वरुणाश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—अमणी विहार,
रूम न 7, पालीताणा (गुज)
- 60 कपडवज (गुजरात)
साध्वी श्री केवल्यश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—माढना उपाश्रय,
दलाल बाडा, कपडवज (गुज)
- 61 कोम (गुजरात)
साध्वी श्री प्रणमश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—श्री जैन उपाश्रय,
जैन देरामर पास, कोम (गुज)
- 62 वीसनगर (गुजरात)
साध्वी श्री तत्वानन्दश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—श्री जैन उपाश्रय, वीमनगर (गुज)
- 63 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री जेष्ठाश्रीजी म
आदि ठाणा (8)
पता—श्वेतल पलेट, बहाई मॅट्टर,
खानपुर अहमदाबाद (गुज)
- 64 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री प्रणमगुणा श्रीजी म
आदि ठाणा
पता—जैन उपाश्रय,
देवकीनन्दन सोसायटी
अहमदाबाद (गुज)
- 65 मढी (गुजरात)
साध्वी श्री मृगलक्ष्मीश्रीजी म
आदि ठाणा

- पता:—जैन उपाश्रय,
मु.पो. मढ़ी जिला सूरत (गुज.)
66. सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री चारुशीलाश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
- पता:—जैन उपाश्रय, चादला गली,
गोपीपुरा सूरत (गुज.)
67. सुमेरपुर (राजस्थान)
साध्वी श्री प्रशमशीलाश्रीजी म.
आदि ठाणा (10)
- पता:—श्री वासुपूज्य स्वामी जैन पेढी,
मु.पो. सुमेरपुर स्टे. जवाई बाध
जिला पाली (राज.)
68. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री कल्पज्ञाश्रीजी म
आदि ठाणा
- पता —जैन उपाश्रय, केशवनगर,
आश्रम विस्तार, अहमदाबाद (गुज.)
69. मालवाड़ा (राजस्थान)
साध्वी श्री विजेताश्रीजी म.
आदि ठाणा
- पता —जैन उपाश्रय, मु.पो मालवाड़ा
जिला जालोट (राज.)
70. रोगाँव (गुजरात)
साध्वी श्री वरधर्माश्रीजी म.
आदि ठाणा (7)
- पता:—जैन उपाश्रय, मु.पो. रोगाँव (गुज.)
71. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री भाविताश्रीजी म
आदि ठाणा
- पता —जैन उपाश्रय, दरवाजानो खाचो,
शाहपुर, अहमदाबाद (गुज.)
72. पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री सुधर्माश्रीजी म.
आदि ठाणा
- पता.—श्री चम्पालाल जैन पाठशाला,
तबोली वाडो, पाटन (गुजरात)
73. चाणस्मा (गुजरात)
साध्वी श्री सुरज्याश्रीजी म.
आदि ठाणा
- पता:—जैन उपाश्रय, जैन देरासर पासे चाणस्मा
जिला मेहसाना (गुज.)
74. आदरियाणा (गुजरात)
साध्वी श्री आत्मज्याश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
- पता.—जैन उपाश्रय, मु.पो. आदरियाणा
वाया विरमगाँव (गुज.)
75. सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री धर्मज्ञाश्रीजी म.
आदि ठाणा
- पता:—नानपुरा पोषधशाला,
अडवा गेट, सूरत (गुज.)
76. सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री सविज्ञाश्रीजी म.
आदि ठाणा
- पता:—बहिनो का उपाश्रय,
बड़ाचौटा, सूरत (गुज.)
77. अंधेरी-बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री सुशीमाश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
- पता.—श्री मनसुखलाल पोपटलाल, वर्मा नगर,
विल्डिंग न. 1, ब्लोक 12, 1 माला,
अंधेरी (पूर्व) बम्बई
78. भिवण्डी (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री सुनयज्ञाश्रीजी म. आदि ठाणा (14)

- पता -श्री जैन उपाध्य, गिरी विहार, पारसीनाणा (गज)
- 25 मूरत (गुजरात)
श्री नन्दीनेण मागर जी म सा
जादि ठाणा (2)
- पता -श्री न मे चाटी जैन उपाध्य,
गोपीपुरा, मूरत (गजरात)
- 26 अहमदाबाद (गुजरात)
श्री नित्यवधन मागर जी म सा
जादि ठाणा (2)
- पता -श्री जैन मामावटी, प्राच्य विद्या भवन पामे,
जहमदाबाद (गजरात)
- 27 बालकेश्वर-बम्बई (महाराष्ट्र)
श्री रविद्र मागर जी म सा
जादि ठाणा (2)
- पता -श्री मुसावनाथ जैन उपाध्य, नानकेश्वर, बम्बई-6
- 28 चाणम्मा (गुजरात)
श्री मोम शेखर मागर जी म सा
जादि ठाणा (3)
- पता -श्री जन उपाध्य
मार्टी वाणियावाड चाणम्मा (गुजरात)
- 29 पाटण (गुजरात)
श्री रत्न शेखर मागर जी म सा
जादि ठाणा (2)
- पता -श्री मागर गच्छ जैन उपाध्य,
पाटण, (उ गुजरात)
- 30 गाडल (गुजरात)
श्री मुद्रम मागर जी म सा
जादि ठाणा (2)
- पता -श्री जन देगमर, गाडल (मौराष्ट्र-गुजरात)
- 31 डभोई (गुजरात)
श्री किर्तीवदन मागर जी म सा
जादि ठाणा (2)
- पता -श्रीमाली वागा, जैन उपाध्य, डभोई, (गुजरात)
- 32 प्रभात (गुजरात)
श्री नरचन्द्र मागर जी म सा
जादि ठाणा (2)
- पता -श्री बीमा जामनाथ जैन उपाध्य,
माणिक चौक, प्रभात (गजरात)
- 33 अहमदाबाद (गुजरात)
श्री जिन नान मागर जी म सा
जादि ठाणा (3)
- पता -श्री जैन उपाध्य,
नाथ गेट, नानपुर, जहमदाबाद (गुजरात)
- 34 उदयपुर (राजस्थान)
श्री जयरत्न मागर जी म सा
जादि ठाणा (2)
- पता -श्री अजितनाथजी जैन धर्मशाला,
मालवा स्ट्रीट, उदयपुर (राजस्थान)
- 35 महुवा (गुजरात)
श्री कुमल मागर जी म सा
जादि ठाणा (1)
- पता -श्री जैन उपाध्य,
वेलीन चौक, महुवा (गुजरात) (मौराष्ट्र)
- 36 मलाड-बम्बई (महाराष्ट्र)
श्री न्यायवधन मागर जी म सा
जादि ठाणा (3)
- पता -श्री जैन उपाध्य,
वेनाएन स्ट्रीट, मनाड, बम्बई-64
- 37 सिद्धपुर (गुजरात)
श्री अनुपममागर जी म सा
जादि ठाणा (2)
- पता -श्री जैन उपाध्य, सिद्धपुर (गुजरात)
- 38 रतलाम (मध्यप्रदेश)
श्री कमल मागर जी म सा
जादि ठाणा (1)
- पता -श्री जन उपाध्य, रतलाम (म प्र)

Handwritten scribbles and marks at the top of the page, possibly including a date or initials.

साध्वीयाँजी समुदाय

39. अहमदाबाद (गुजरात) :

साध्वी श्री मंगल श्री जी म

साध्वी श्री मोहजीता श्री जी म. आदि ठाणा (9)

पता—जैन उपाश्रय, पाजरापोल, अहमदाबाद (गुजरात)

40. अहमदाबाद (गुजरात) :

साध्वी श्री खेती श्री जी म

आदि ठाणा

पता:—विजयनगर, रेलवे क्रासिंग सामे,

नारायणपुरा, अहमदाबाद-13

41. सूरत (गुजरात) :

साध्वी श्री मृगेन्द्र श्री जी म.

आदि ठाणा

पता:—मरछु दीपचन्द धर्मशाला,

गोपीपुरा, पाली फलीयु, सूरत (गुजरात)

42. रामपुरा (गुजरात) :

साध्वी श्री निपुणा श्री जी म

आदि ठाणा

पता—जैन उपाश्रय, स्टेशन भकाडो रामपुरा

विरमगाव (गुजरात)

43. पाटन (गुजरात) :

साध्वी श्री निरूपमा श्री जी म

आदि ठाणा

पता:—जैन उपाश्रय,

खडा कौटडी नो पाटो पंचासरा पासे पाटन (गुजरात)

44. पाटन (गुजरात) :

साध्वी श्री मलया श्री जी म

आदि ठाणा

पता—श्री राजेन्द्रकुमार माणेकलाल के बंगले मे,

बहाई सेटर, अहमदाबाद (गुजरात)

45. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री प्रवीण श्रीजी म.

आदि ठाणा

पता—नयन नगर, वंगला मे, कृष्णनगर,

—सेजपुर बोधा,

नरोडा रोड, अहमदाबाद (गुज.)

46. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री राजेन्द्र श्रीजी म.

आदि ठाणा

पता:—लक्ष्मीवर्धक सोसायटी. जैन देरासर सामे,

विहार प्लेट अहमदाबाद (पालडी विस्तार)

47. ऊंझा (गुजरात)

साध्वी श्री सद्गुणा श्रीजी म

आदि ठाणा

पता:—श्री जैन उपाश्रय,

मु.पो. ऊंझा जिला मेहसाना (गुज.)

48. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री सुतारा श्रीजी म.

आदि ठाणा (6)

पता—जैन उपाश्रय,

ओ पी पी. जैन दूरोसर अहमदाबाद (गुज)

49. जामनगर (गुजरात)

साध्वी श्री मोक्षानन्द श्रीजी म.

आदि ठाणा

पता—श्री वीसा श्रीमालीनो उपाश्रय,

लालवाग सामे, जामनगर (गुज.)

50. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री नीरंजनाश्रीजी म.

आदि ठाणा

पता.—श्री जयप्रेम उपाश्रय,

अहमदाबाद (गुजरात)

51. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री रोहिता श्रीजी म.

आदि ठाणा

पता.—जैन उपाश्रय, निर्णय नगर,

अहमदाबाद (गुज.)

साध्वीयाँजी समुदाय

39. अहमदाबाद (गुजरात) :

साध्वी श्री मंगल श्री जी म.

साध्वी श्री मोहजीता श्री जी म आदि ठाणा (9)

पता:-जैन उपाश्रय, पाजरापोल, अहमदाबाद (गुजरात)

40. अहमदाबाद (गुजरात) :

साध्वी श्री खेती श्री जी म.

आदि ठाणा

पता:-विजयनगर, रेलवे कार्सिंग सामे,

नारायणपुरा, अहमदाबाद-13

41. सूरत (गुजरात) :

साध्वी श्री मृगेन्द्र श्री जी म

आदि ठाणा

पता:-मंरछु दीपचन्द धर्मशाला,

गोपीपुरा, पाली फलीयु, सूर

(गुजरात) :

श्री निपुणा श्री जी म

य, स्टेशन भका

जरा)

पता:-नयन नगर, वगला मे, कृष्णनगर,

— सेजपुर बोधा,

नरोडा रोड, अहमदाबाद (गुज.)

46. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री राजेन्द्र श्रीजी म.

आदि ठाणा

पता:-लक्ष्मीवर्धक सोसायटी जैन देरासर सामे,

विहार प्लेट अहमदाबाद (पालडी विस्तार)

47. ऊंजा (गुजरात)

साध्वी श्री सद्गुणा श्रीजी म

आदि ठाणा

श्री जैन उपाश्रय,

पो ऊंजा जिला मेहसाना (गुज.)

अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री सुतारा श्री

आदि ठाणा (6)

न उपाश्रय,

पी. पी. जैन क

नगर (गुजर

श्री श्री मो

आदि ठाणा

श्री वीसा श्री

लाल सा

ज)

आदि ठाणा

म.

आदि ठाणा



ता

ख०

पाटन (गु

साध्वी श्री

ता-श्री <

वहाई

अहमदाबाद

साध्वी श्री

- पता - श्री जन उपाश्रय, मिरी विहार, पालीताणा (गुज) 32 छ मात (गुजरात)
श्री नरचंद्र मागर जी म सा आदि ठाणा (2)
- 25 सूरत (गुजरात)
श्री नन्दीमण मागर जी म सा आदि ठाणा (2)
पता - श्री न मे बाडी जैन उपाश्रय,
गोपीपुरा, सूरत (गुजरात)
- 26 अहमदावाद (गुजरात)
श्री नित्यवधन मागर जी म सा आदि ठाणा (2)
पता - श्री जैन उपाश्रय,
ग्राय सेटर, खानपुर, अहमदावाद (गुजरात)
- 27 बालकेश्वर बम्बई (महाराष्ट्र)
श्री रविंद्र सागर जी म सा आदि ठाणा (2)
पता - श्री सुभाश्वनाथ जैन उपाश्रय, बालकेश्वर, बम्बई-6
- 28 चाणम्मा (गुजरात)
श्री मोम शेखर सागर जी म सा आदि ठाणा (3)
पता - श्री जैन उपाश्रय,
मोटी बाणियावाड चाणम्मा (गुजरात)
- 29 पाटण (गुजरात)
श्री रत्न शेखर सागर जी म सा आदि ठाणा (2)
पता - श्री मागर गच्छ जैन उपाश्रय,
पाटन, (उ गुजरात)
- 30 गोडल (गुजरात)
श्री सुधम सागर जी म सा आदि ठाणा (2)
पता - श्री जन देरामर, गाडल (सौराष्ट्र-गुजरात)
- 31 उभोई (गुजरात)
श्री किर्तीवधन सागर जी म सा आदि ठाणा (2)
पता - श्रीमाली बागा, जन उपाश्रय, उभोई, (गुजरात)
- 32 छ मात (गुजरात)
श्री नरचंद्र मागर जी म सा आदि ठाणा (2)
पता - श्री बीसा ओमवाल जैन उपाश्रय,
माणिक चौक, खमात (गुजरात)
- 33 अहमदावाद (गुजरात)
श्री जिन रत्न सागर जी म सा आदि ठाणा (3)
पता - श्री जैन उपाश्रय,
ग्राय सेटर, खानपुर, अहमदावाद (गुजरात)
- 34 उदयपुर (राजस्थान)
श्री जयरत्न सागर जी म सा आदि ठाणा (2)
पता - श्री जजितनाथजी जैन धमशाला,
मालदा स्ट्रीट, उदयपुर (राजस्थान)
- 35 महुवा (गुजरात)
श्री कुसल सागर जी म सा आदि ठाणा (1)
पता - श्री जैन उपाश्रय,
केलीन चौक, महुवा (गुजरात) (गौराष्ट्र)
- 36 मलाड बम्बई (महाराष्ट्र)
श्री न्यायवधन सागर जी म सा आदि ठाणा (3)
पता - श्री जैन उपाश्रय,
रेलागन स्ट्रीट, मलाड, बम्बई-64
- 37 सिद्धपुर (गुजरात)
श्री जनुपमसागर जी म सा आदि ठाणा (2)
पता - श्री जन उपाश्रय, सिद्धपुर (गुजरात)
- 38 रतलाम (मध्यप्रदेश)
श्री वमल सागर जी म सा आदि ठाणा (1)
पता - श्री जैन उपाश्रय, रतलाम (म प्र)

साध्वीयाँजी समुदाय

39. अहमदाबाद (गुजरात) :
साध्वी श्री मंगल श्री जी म
साध्वी श्री मोहजीता श्री जी म आदि ठाणा (9)
पता:—जैन उपाश्रय, पाजरापोल, अहमदाबाद (गुजरात)
40. अहमदाबाद (गुजरात) :
साध्वी श्री खेती श्री जी म
आदि ठाणा
पता:—विजयनगर, रेलवे क्रासिंग सामे,
नारायणपुरा, अहमदाबाद-13
41. सूरत (गुजरात) :
साध्वी श्री मृगेन्द्र श्री जी म
आदि ठाणा
पता:—मंरछु दीपचन्द धर्मशाला,
गोपीपुरा, पाली फलीधु, सूरत (गुजरात)
42. रामपुरा (गुजरात) :
साध्वी श्री निपुणा श्री जी म आदि ठाणा
पता—जैन उपाश्रय, स्टेशन भकाडो रामपुरा
विरमगाव (गुजरात)
43. पाटन (गुजरात) :
साध्वी श्री निरूपमा श्री जी म आदि ठाणा
पता—जैन उपाश्रय,
खडा कोटडी नो पाटो पंचासरा पासे पाटन (गुजरात)
44. पाटन (गुजरात) :
साध्वी श्री मलया श्री जी म आदि ठाणा
पता—श्री राजेन्द्रकुमार माणेकलाल के वगले मे,
वहाई सेटर, अहमदाबाद (गुजरात)
45. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री प्रवीण श्रीजी म.
आदि ठाणा
- पता—नयन नगर, वंगला में, कृष्णनगर,
— सेजपुर वोधा,
नरोडा रोड, अहमदाबाद (गुज.)
46. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री राजेन्द्र श्रीजी म.
आदि ठाणा
पता:—लक्ष्मीवर्धक सोसायटी जैन देरासर सामे,
विहार फ्लेट अहमदाबाद (पालडी विस्तार)
47. ऊंझा (गुजरात)
साध्वी श्री सद्गुणा श्रीजी म
आदि ठाणा
पता:—श्री जैन उपाश्रय,
मु पो. ऊंझा जिला मेहसाना (गुज.)
48. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री सुतारा श्रीजी म.
आदि ठाणा (6)
पता:—जैन उपाश्रय,
ओ. पी पी. जैन दूरोसर अहमदाबाद (गुज)
49. जामनगर (गुजरात)
साध्वी श्री मोक्षानन्द श्रीजी म.
आदि ठाणा
पता—श्री वीसा श्रीमालीनो उपाश्रय,
लालवाग सामे, जामनगर (गुज.)
50. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री नीरंजनाश्रीजी म.
आदि ठाणा
पता.—श्री जयप्रेम उपाश्रय,
अहमदाबाद (गुजरात)
51. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री रोहिता श्रीजी म.
आदि ठाणा
पता:—जैन उपाश्रय, निर्णय नगर,
अहमदाबाद (गुज.)

- 52 कलोल (गुजरात)
साध्वी श्री नित्यानन्द श्रीजी म
आदि ठाणा
पता—जैन उपाश्रय,
जैन देरासर कलाल (गुज)
- 53 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री मुग्गे ब्रथीजी म
आदि ठाणा
पता—मगन विहार, जैन उपाश्रय,
खानपुर, अहमदाबाद
- 54 दोयोदर (गुजरात)
साध्वी श्री जितेन्द्रश्रीजी म
आदि ठाणा (8)
पता—जैन देरासर उपाश्रय,
मु पो दीयोदर जि बनासकाठा (गुज)
- 55 लोहरा (गुजरात)
साध्वी श्री पूर्णानन्दश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—जैन श्वेताम्बर उपाश्रय,
मु पो राजगड (म प्र)
- 56 राजगड (म प्र)
साध्वी श्री सुयशाश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—जैन श्वेताम्बर उपाश्रय,
मु पो राजगड (म प्र)
- 57 वारडोली (गुजरात)
साध्वी श्री कल्पलताश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—जैन उपाश्रय,
मु पो वारडोली जिला सूस्त (गुज)
- 58 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री सुशोलाश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—अमारि विहार धर्मशाला,
तनेटी रोड पालीताणा (गु)
- 59 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री कश्याश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—धम्मणी विहार,
म न 7, पालीताणा (गुज)
- 60 कपडवज (गुजरात)
साध्वी श्री केवल्यश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—माढनो उपाश्रय,
दलाल वाडा, कपटाज (गुज)
- 61 कीम (गुजरात)
साध्वी श्री प्रशमश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—श्री जैन उपाश्रय,
जैन देगसर पास, कीम (गुज)
- 62 बोसनगर (गुजरात)
साध्वी श्री तत्वानन्दश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—श्री जैन उपाश्रय, वीननगर (गुज)
- 63 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री जेष्ठाश्रीजी म
आदि ठाणा (8)
पता—श्वेतल फ्लेट, वहाँई सेंटर,
खानपुर अहमदाबाद (गुज)
- 64 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वीश्री प्रशममुणा श्रीजी म
आदि ठाणा
पता—जैन उपाश्रय,
देवकीनन्दन सोसायटी
अहमदाबाद (गुज)
- 65 मढी (गुजरात)
साध्वी श्री मगलक्ष्माश्रीजी म

- पता.—जैन उपाश्रय,
मु.पो. मढी जिला सूरत (गुज.)
66. सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री चारुशीलाश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
- पता:—जैन उपाश्रय, चादला गली,
गोपीपुरा सूरत (गुज)
67. सुमेरपुर (राजस्थान)
साध्वी श्री प्रशमशीलाश्रीजी म
आदि ठाणा (10)
- पता:—श्री वासुपूज्य स्वामी जैन पेढी,
मु.पो. सुमेरपुर स्टे जवाई वाध
जिला पाली (राज.)
68. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री कल्पज्ञाश्रीजी म.
आदि ठाणा
- पता.—जैन उपाश्रय, केशवनगर,
आश्रम विस्तार, अहमदाबाद (गुज.)
69. मालवाड़ा (राजस्थान)
साध्वी श्री विजेताश्रीजी म.
आदि ठाणा
- पता.—जैन उपाश्रय, मु.पो. मालवाड़ा
जिला जालोट (राज.)
70. रोगांव (गुजरात)
साध्वी श्री वरधर्माश्रीजी म.
आदि ठाणा (7)
- पता —जैन उपाश्रय, मु.पो. रोगांव (गुज.)
71. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री भाविताश्रीजी म.
आदि ठाणा
- पता —जैन उपाश्रय, दरवाजानो घाचो,
साहपुर, अहमदाबाद (गुज.)
72. पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री सुधर्माश्रीजी म
आदि ठाणा
- पता:—श्री चम्पालाल जैन पाठशाला,
तवोली वाडो, पाटन (गुजरात)
73. चाणस्मा (गुजरात)
साध्वी श्री सुरज्याश्रीजी म.
आदि ठाणा
- पता.—जैन उपाश्रय, जैन देरासर पासे चाणस्मा
जिला मेहसाना (गुज.)
74. आदरियाणा (गुजरात)
साध्वी श्री आत्मज्याश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
- पता.—जैन उपाश्रय, मु.पो. आदरियाणा
वाया विरमगाँव (गुज.)
75. सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री धर्मज्ञाश्रीजी म.
आदि ठाणा
- पता:—नानपुरा पोपधशाला,
अडवा गेट, सूरत (गुज.)
76. सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री सविज्ञाश्रीजी म.
आदि ठाणा
- पता:—बहिनो का उपाश्रय,
वड़ाचौटा, सूरत (गुज.)
77. अंधेरी-बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री सुशीमाश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
- पता:—श्री मनसुखलाल पोपटलाल, वर्मा नगर,
विल्डिंग न. 1, ब्लोक 12, 1 माला,
अंधेरी (पूर्व) बम्बई
78. भिवण्डी (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री सुनयज्ञाश्रीजी म. आदि ठाणा (14)

- पता—श्री भवरलाल वादलिया,
96, खडगपुर राड, समत्व सासायटी,
गोकुलनगर, भिवण्डी,
जिला ठाणा (महा)
- 79 वासद (गुजरात)
साध्वी श्री मोक्षरताश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
- पता—जैन उपाश्रय, जैन दरारसर पास,
मु पो वासद (गुजरात)
- 80 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री महाप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा
- पता—सुभाष ब्रीज, धनश्याम आश्रम विस्तार
अहमदाबाद (गुजरात)
- 81 पोरबन्दर (गुजरात)
साध्वी श्री विदितरत्नाश्रीजी म
आदि ठाणा
- पता—जैन सध ट्रस्ट, जैन देरासर पट्टी,
पारख चकलो, पोरबन्दर (गुजरात)
- 82 फटोसण रोड (गुजरात)
साध्वी श्री नवरत्नाश्रीजी म
आदि ठाणा
- पता—जैन उपाश्रय,
मु पा फटोसण रोड (गुज)
- 83 छभात (गुजरात)
साध्वी श्री सुबोध्याश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
- पता—जैन उपाश्रय,
भोपरा पावो, चभात (गुज)
- 84 बम्बई (गुजरात)
साध्वी श्री सामितगुणाश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
- पा—रविन्द कुज,
ताडदव एयर कडीरान मार्केट,
क सामन बम्बई (महा)
- 85 पालाताणा (गुजरात)
साध्वी श्री ध्यानश्रीजी म
आदि ठाणा (14)
- पता—वल्लभ विहार, रुम न 11,
पालीताणा (गुज)
- 86 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री पुष्पाश्रीजी म
आदि ठाणा (1)
- (श्रमणी विहार)
- 87 इंदौर (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री तत्पज्ञाश्रीजी म
आदि ठाणा (14)
- पता—सुन्दरवाई पापधशाला,
शांतिनगर, इन्दौर (म प्र)
- 88 देवास (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री कमलप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
- पता—श्री आदिनाथ जैन मंदिर,
बडा बाजार, देवास (मध्यप्रदेश)
- 89 बडौद (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री महेन्द्रश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
- पता—जन उपाश्रय,
मु पो बडौद (मध्यप्रदेश)
- 90 इंदौर (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री हेमप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
- पता—गुलिया उपाश्रय,
घास बाजार, इंदौर (म प्र)

91. उज्जैन (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री कुसुमश्रीजी म.
आदि ठाणा (4)
पता.—जैन उपाश्रय, खारा कुआ,
श्रीपाल मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)
92. उज्जैन (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री विमलप्रभाश्रीजी म.
आदि ठाणा (6)
पता:—श्री हीरसूरी बडा उपाश्रय,
श्रीपाल मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)
93. आगर (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री धैर्यताश्रीजी म
आदि ठाणा (6)
पता:—जैन उपाश्रय,
मु.पो. आगर (मध्यप्रदेश)
94. शाजापुर (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री विनयप्रभाश्रीजी म.
आदि ठाणा (4)
पता:—जैन उपाश्रय,
मु.पो. शाजापुर (म.प्र.)
95. रामगंजमण्डी (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री सूर्योदयाश्रीजी म
आदि ठाणा (7)
पता.—जैन उपाश्रय,
मु.पो. रामगजमण्डी (राज.)
96. मन्दसौर (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री करुण्योदयाश्रीजी म.
आदि ठाणा (7)
पता.—जैन उपाश्रय,
पोरवाल का मंदिर मन्दसौर (म.प्र.)
97. चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)
साध्वी श्री सौम्ययशाश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
- पता—श्री गुमानजी का मंदिर,
जैन उपाश्रय सघ, चित्तौड़गढ़ (राज.)
98. कानवन (राजस्थान)
साध्वी श्री दमिताश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
पता.—श्री जैन उपाश्रय, मु.पो कानवन,
जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)
99. महिदपुर (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री प्रियदर्शनाश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
पता.—श्री शान्तिनाथ जैन मंदिर,
जैन उपाश्रय, मु. पो. महिदपुर
जिला धार (म.प्र.)
100. सिकन्दराबाद (आन्ध्रप्रदेश)
साध्वी श्री पुण्योदयश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता.—श्री कथुनाथ जैन मंदिर एम.जी. मार्ग,
सिकन्दराबाद-3 (आन्ध्रप्रदेश)
101. नीमच (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री मदनरेखाश्रीजी म
आदि ठाणा (5)
पता.—जैन उपाश्रय,
मु.पो नीमच जि मन्दसौर (म.प्र.)
102. डग (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री शीलरेखाश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
पता.—जैन उपाश्रय,
मु.पो. डग (मध्यप्रदेश)
103. छोटी सादड़ी (रजस्थान)
साध्वी श्री विरवप्रज्ञाश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)

- पता—जैन उपाश्रय, मु.पो. छोटी सादडी,
जिला चित्तौड़गढ़ (राज)
- 104 तखतगढ़ (राजस्थान)
साध्वी श्री निमलगुणाश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
- पता—जैन उपाश्रय,
मु.पा. तखतगढ़ जिला धार (म.प्र.)
- 105 नवखेडा (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री पूर्णयशाश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
- पता—श्री जैन उपाश्रय, मु.पा. नवखेडा,
जिला साजापुर (म.प्र.)
- 106 कसरावद (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री मुक्तिदशनाजी म
आदि ठाणा (3)
- पता—जैन उपाश्रय, मु.पा. कसरावद
जिला खरकन (म.प्र.)
- 107 रोछेड (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री चाखरताश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
- पता—जैन उपाश्रय,
मु.पा. रोछेड (म.प्र.)
- 108 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री गुणताश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
- पता—बल्लभ विहार, पालीताणा (गुजरात)
- 109 महेसाणा (गुजरात)
साध्वी श्री तीर्थरत्नाश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
- पता—श्राविकाना का उपाश्रय,
महेसाणा (गुज)
- 110 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री चेलणाश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
- पता—गिरां विहार, पालीताणा (गुज)
- 111 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री विचक्षणश्रीजी म
आदि ठाणा (12)
- पता—बल्लभ विहार पालीताणा (गुज)
- 112 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री यशाधराश्रीजी म
आदि ठाणा (12)
- पता—धमणा विहार, पालीताणा (गुज)
- 113 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री निलकंठीजी म
आदि ठाणा (2)
- पता—जैन नगर, पालडी,
अहमदाबाद (गुज)
- 114 भुज-कच्छ (गुजरात)
साध्वी श्री विपुलयशाश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
- पता—तपागच्छ जन पढी,
भुज-कच्छ (गुज)
- 115 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री मयणाश्रीजी म
आदि ठाणा (6)
- पता—जैन उपाश्रय,
रखीवाल अहमदाबाद (गुज)
- 116 कपडवज (गुजरात)
साध्वी श्री पदमलताश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
- पता—मचना उपाश्रय,
होली चकला कपडवज (गुज)

117. पालीताणा श्रमणी विहार (गुजरात)
साध्वी श्री शुभंकरश्रीजी म.
आदि ठाणा (2)
118. पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री निरुपमाश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
साध्वी श्री सुभोध्याश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता—मोती सुखीयानी धर्मशाला,
पालीताणा (गुज)
119. सूया (गुजरात)
साध्वी श्री मनकश्रीजी म
आदि ठाणा (6)
पता:—धनाजी उपाश्रय,
ओपीपी थीहलवाडी, सूया (गुज.)
120. पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री स्नेहप्रभाश्रीजी म.
आदि ठाणा (4)
पता—श्रमणी विहार पालीताणा (गुज)
121. पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री कनकप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता.—सूर्य शिशु साधना सदन,
पालीताणा (गुज.)
122. पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री हेमेन्द्रश्रीजी
आदि ठाणा (5)
पता—हजारी निवास पालीताणा (गुज.) मा
123. बृहारी (गुजरात)
साध्वी श्री निरजनाश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता—जैन उपाश्रय, मु.पो बृहारी
जिना सूरत (गुज)
124. सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री आत्मज्ञाश्रीजी म.
आदि ठाणा (4)
पता:—जैन उपाश्रय,
सग्रामपुरा सूरत (गुज)
125. पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री आत्मप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
पता.—हजारी निवास रूम न 22,
पालीताणा (गुज)
126. कतारगाम सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री हेमप्रभाश्रीजी म.
आदि ठाणा (2)
पता—जैन उपाश्रय,
कतारगाम सूरत (गुज.)
127. अरणोद (राज.)
साध्वी श्री आभानन्दश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
पता:—जैन उपाश्रय, अरणोद (राज)
128. चौटीला (गुजरात)
साध्वी श्री प्रमितज्ञाश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता—जैन उपाश्रय, मु.पो चौटीला
भुज-कच्छ (गुज.)
129. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री वीरभद्राश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
पता:—नाथीवाई का उपाश्रय,
पतामा पोल, अहमदाबाद (गुज)
130. शिरपुर (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री कल्पगुणाश्रीजी म
आदि ठाणा (2)

- पता - जैन उपाश्रय,
जैन माली शिरपुर (महाराष्ट्र)
- 131 जहमदाबाद (गुजरात)
माध्वी श्री जयतन्त्रीनाथीजी म जादि ठाणा (5)
पता - जैन उपाश्रय,
जोडप, जहमदाबाद (गुज)
- 132 पालीताणा (गुजरात)
माध्वी श्री चेलनाथीजी म जादि ठाणा (3)
पता - गिरी बिहार, जाराघना केन्द्र,
पालीताणा (गुज)
- 133 राणपुर-सौराष्ट्र (गुजरात)
माध्वी श्री जजनाथीजी म जादि ठाणा (9)
पता - जैन उपाश्रय,
राणपुर (सौराष्ट्र-गुजरात) मा

कुल चातुर्मास सता के	38	कुल सत	115
कुल चातुर्मास सतियों के	95	कुल साध्वियां	573
कुल	133	कुल	688

कुल चातुर्मास 133 सत 115 साध्विया 573 कुल ठाणा 688

सत सती पद तालिका

जाचाय	5
उपाध्याय	-
पंचाय	8
गणि	8
प्रवतक	-
मुनिराज	115
साध्वियां	573
कुल ठाणा	688

नाट - साध्विया की सूची म कुल चातुर्मास म जादि ठाणा म की सख्या पाव नहीं हा सकी फिर भी कुल ठाणा की सख्या यही दी गयी है अत पाठकगण उन क्षेत्र की सख्या अन्यत्र देखें ।

-सम्पादक

समग्र जैन समाज के सभी पूज्य मुनिवरों
महामतीयोंजी म ना के चातुर्मास
हर्षोल्लाम वातावरण में ज्ञान दर्शन
चारित्र्य तप की प्रवृत्तियों से ओत-प्रोत
सफल बने ऐसी शुभ मंगल कामनाएँ
करते हैं

हादिक शुभ कामनाओ सहित-

Amarchand Rajendra Kumar

Wholesale Handloom &
Readymade Cloth Merchants

20, Mohan Market, GUWAHATI

781001 (Assam)

Phone 26992



पूज्य पन्थास प्रवर श्री धर्म त्रिजयजी म. सा.
(डहेलावाला) का समुदाय

आचार्य प्रवर श्री विजय रामसूरीश्वर जी म. सा. के
आज्ञानुवर्ती संत-सतियाँजी म. सा.

संत समुदाय

1. बालकेश्वर-वम्बई (महा.)
1. आचार्य प्रवर श्री विजय रामसूरीश्वरजी म. सा.
2. आचार्य प्रवर श्री विजय अभयदेव सूरीश्वरजी म. सा.
आदि ठाणा (9)
पता—बाबू अमीचंद पन्नालाल जैन, आदिश्वर टेम्पल 41 रीज रोड-तीन बत्ती बालकेश्वर-वम्बई (महा.) 400006
2. कांदीवली (वेस्ट) वम्बई (महा.)
आचार्य श्री विजय अशोक चन्द्र सूरी जी म. सा.
आदि ठाणा (2)
पता:—जैन देरासर उपाश्रय भुला भाई देसाई रोड, मु. पो. कादीवली -वेस्ट वम्बई-400067
3. हिमंतनगर (गुजरात)
आचार्य श्री विजयभद्रमेन सूरीजी म. सा.
आदि ठाणा (2)
जैन उपाश्रय, देरामरी पेढी, मु. पो. हिमंत नगर जिला वनामकाठा (गुज.)
4. पायधुनी वम्बई (महा.)
आचार्य श्री विजय महानन्द सूरीजी म. सा.
आदि ठाणा (3)
5. मलाड (वेस्ट) वम्बई (महा.)
आचार्य श्री विजय जयदेव सूरी जी म. सा.
आदि ठाणा (3)
पता—देवकरण मूलजी जैन देरासर, स्टेशन रोड (आनन्द रोड) मलाड वेस्ट वम्बई-400064
6. कोट-वम्बई (महा.)
आचार्य श्री विजय यशोभद्र सूरीजी म. सा.
आदि ठाणा (4)
पता—श्री शान्तिनाथ जैन देरासर, वीरा वाजार, कवूतर खाना, कोट वम्बई-400001 (महा.)
7. कांदीवली (वेस्ट) वम्बई (महा.)
गणि श्री हरिभद्रविजयजी म. सा.
आदि ठाणा (2)
पता—श्री वर्धमान भक्ति श्वे मूर्तिपूजक जैन संघ, ईरानी वाडी, शान्तिलाल मोदी क्रोस रोड नं. 2 कादीवली-वेस्ट वम्बई-400067
8. सिरोही (राज.)
गणि श्री विमल विजय जी म. सा.
आदि ठाणा (4)

- पता—हीरमूरीस्वरजी जैन उपाश्रय
मानारवाडा
मु पा सिराही (राज)
- 9 मालवाडा (राजस्थान)
मुनि श्री वलभद्र विजयजी म सा
आदि ठाणा (2)
- पता—श्री जैन उपाश्रय,
मु पो मालवाडा
वाया रानीवाडा जिला जालौर (राज)
- 10 गुजरात मे—(गुज)
मुनि श्री अमून विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)
- पता—उपरोक्त
- 11 पालडी अहमदाबाद (गुज)
मुनि श्री कीर्तिराज विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)
- पता—श्री जन उपाश्रय,
दसा पोरनाल जैन सोमायटी
पालडी बस स्टॉप के पीछे
पालडी-अहमदाबाद (गुज)
380007
- 12 अहमदाबाद (गुज)
मुनि श्री राजचंद्र विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)
- पता—डहेलावाग जन उपाश्रय,
डोशी बाडानीपोल
अहमदाबाद (गुज) 380001
- 13 कांदीयली (वेस्ट) बम्बई (महा)
मुनि श्री वाति विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)
- पता—श्री जन उपाश्रय, महावीर नगर, गकर तेन
कांदीयली-(वेस्ट) बम्बई-400067
- 14 जघेरी (ईस्ट) बम्बई (महा)
मुनि श्री नरपानद विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)
- पता—श्री गजेश्वर पाररनाथ जैन दरामर,
जुना नारा दाम राण,
अत्रेगी-(ईस्ट)
बम्बई (महा) -4000069
-
- साध्वीयांजी समुदाय
-
- 15 बालकेश्वर-बम्बई (महा)
माध्वी प्रमुदा श्री रजन श्री जी म सा
आदि ठाणा (3)
- पता—उपरोक्त क्रमांक 1 अनुनाग
- 16 पायधुनी-बम्बई (महा)
साध्वी श्री सरस्वती श्री जी म
आदि ठाणा (3)
- पता—श्री गाडीजी जन उपाश्रय,
12 पायधुनी, बम्बई-3
- 17 दावर बम्बई (महा)
माध्वी धा हपहान्ना श्री जी म
आदि ठाणा (3)
- पता—श्री भान्नीनाथ जन दरामर, कवूतर घाना के पास,
भवानी शंकर राड, दावर (वेस्ट) बम्बई-28
- 18 बालकेश्वर-बम्बई (महा)
माध्वी श्री मृगलाचना श्री जी म
आदि ठाणा (3)
- पता—कृष्ण कुच, प्राउन्ड फनीग, व्हास्ट हाउस के पास
बालकेश्वर, बम्बई-6
- 19 मलाड-बम्बई (महा)
साध्वी श्री ज्योती पूणा श्री जी म
पता—मणी नुवन, जितन्द्र रोड, मलाड (पूर्व)
बम्बई-64

20. कादिवली-वम्बई (महा.)
साध्वी श्री कल्पयशा श्री जी म.
आदि ठाणा (2)
पता—महावीर नगर, जैन उपाश्रय,
शकर गली, कादिवली (वेस्ट) वम्बई-67
21. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री रमणीक श्री जी म
आदि ठाणा (3)
पता—जैन उपाश्रय दोशीवाड़ा नी पोल, कसुवावाड,
अहमदाबाद-1
22. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री प्रिती श्री जी म.
आदि ठाणा (2)
पता—जैन उपाश्रय, जूना महाजन वाडा,
कटकियावाड, अहमदाबाद-1
23. अहमदाबाद (गुजरात)
1. साध्वी श्री चन्द्रा श्री जी म.
2. साध्वी श्री अमृतलता श्री जी म.
आदि ठाणा (12)
पता—जैन उपाश्रय, शान्तीनाथजी पोल, हाजी पटेल
नी पोल आरेडीनो, अहमदाबाद-1
24. रिलिफ रोड-अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री चतक श्री जी म.
पता:—श्री जैन उपाश्रय, धना सुवार नी पोल, रिलिफ रोड
अहमदाबाद-1
25. अहमदाबाद-(गुज.)
साध्वी श्री विचक्षणाश्री जी. म.
आदि ठाणा (5)
पता—जैन उपाश्रय, पंच भाई नी पोल, की काटा रोड,
अहमदाबाद-1
26. नवावाड़ज-अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री मुलोचना श्री जी म.
आदि ठाणा (2)
- पता—शान्ता बेहन माणकलाल शाह
12 मीना पार्क नवावाड़ज, भरवाड़वास पासे
अहमदाबाद-13
27. शाहपुर-अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री ललिता श्री जी म. सा.
आदि ठाणा (2)
पता.—जैन उपाश्रय, मंगल पारेख नो खाचो, ,
शाहपुर, अहमदाबाद-1
28. सारंगपुर-अहमदाबाद (गुज.)
साध्वीश्री सुरलता श्री जी म.
ठाणा (1)
पता.—जैन उपाश्रय, तलिया नी पोल, सारंगपुर,
अहमदाबाद-1
29. वासणा-अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री सुलोचना श्री जी म.
पता—मृदग आपर्टमेट्स, वी—65, खाड़ा में वसणा,
अहमदाबाद-3
30. नाराणपुरा-अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री सुव्रतप्रभाश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
पता.—जैन उपाश्रय, देशना अपार्टमेट्स,
मीराम्बीका रोड, नाराणपुरा
अहमदाबाद-13
31. शाहपुर-अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री किर्तीपूर्णा श्री जी म.
आदि ठाणा (3)
पता:—जैन उपाश्रय, मंगल पारेख नो खाचो, क्यालीदास नी
पोल, शाहपुर-अहमदाबाद-1
32. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री विमला श्री जी. म.
आदि ठाणा (8)

- 33 पालडो-अहमदाबाद (गुज)
साध्वी श्री प्रसन्नप्रभा श्री जी म
आदि ठाणा (6)
पता—दशा पारबाल मोसायटी, आयबिल शाला उपाश्रय,
पालडो वम म्टाप के पीछे, पालडी अहमदाबाद
(गुज)
- 34 वासणा रोड-अहमदाबाद (गुज)
साध्वी श्री विमला श्री जी म
आदि ठाणा (5)
पता—शीलपालय वी-35, महादय जैन स्वाध्याय मंदिर
वासणा राड, अहमदाबाद-7
- 35 साबरमती-अहमदाबाद (गुज)
साध्वी श्री चन्द्रावया श्री जी म
पता—श्री जैन उपाश्रय, वरसाटा नी चाल, रामनगर,
साबरमती, अहमदाबाद-5,
- 36 साबरमती-अहमदाबाद (गुज)
साध्वी श्री निमला श्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता—भूरी बाई जैन उपाश्रय, हीरा सासायटी
रामनगर साबरमती अहमदाबाद-5
- 37 साबरमती-अहमदाबाद (गुज)
साध्वी श्री पूणमाला श्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता—गीताजली नगर, महूद्र श्री जी जाराधना भवन,
डी के पास साबरमती, अहमदाबाद-5
- 38 बेंडा (राजस्थान)
साध्वी श्री धमप्रभाश्री जी म
आदि ठाणा (1)
पता—जैन उपाश्रय मु पा बेंडा
स्टेशन मोरो बेंडा जिला पाली (राज)
- 39 सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री समयपूर्णा श्री जी म
आदि ठाणा (9)
पता—8/1220 साहली अपाटमटम्, वशाला व
राजू म, शमाला, गोपीपुरा, काजी वा मंदान,
सूरत (गुज)
- 40 टोटोई-(गुजरात)
साध्वी श्री अनिल प्रभा श्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता—जैन उपाश्रय, जैन देरासर पढी मु पा टिटोई
वाया माडामा जिला भावरकाठा (गुज)
- 41 कुवाला (गुज)
साध्वी श्री मालिकरत्नाश्री जी म
आदि ठाणा (3)
पता—जैन उपाश्रय, मु पा कुवाला ता दिआवर जिला
वनासकाठा (गुज)
- 42 मडवारिया (राज)
साध्वी श्री कल्पकला श्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता—जैन उपाश्रय मडवारिया जिला सिराही (गुज)
- 43 सिराही (राजस्थान)
साध्वी श्री मुक्ति पूणाश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता—जैन उपाश्रय, जैन वी सी सानारवाडे
मु पा सिराही (राज)
- 44 निम्बज (राज)
साध्वी श्री प्रिय यशा श्री जी म
आदि ठाणा (3)
पता—जैन उपाश्रय, आवू राड, मु पा निम्बज
वाया दातराई जिला सिराही (राज)
- 45 बरतेज (गुज)
साध्वी मुंन्द्र श्री जी म
आदि ठाणा (3)
पता—जैन उपाश्रय, मु पो बरतेज
जिला भावनगर (गुजरात)

46. पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री पदमलता श्री जी म.
आदि ठाणा (8)
पता—मोतीसुखीया जैन धर्मशाला
पालीताणा—(गुज.)
47. इन्दौर (मध्य प्रदेश)
साध्वी श्री जयती श्री जी म.
आदि ठाणा (14)
पता.—वकुला वेन सेवतीलाल जैन पोषध शाला
जेलरोड़ तोपखाना गली न. 3
इन्दौर—(मध्यप्रदेश)
48. वरलुट (द्वजस्थान)
साध्वी श्री चारित्रपूर्ण श्री जी म.
आदि ठाणा (3)
पता:—जैन उपाश्रय, मु. पो. वरलुट
जिला सिरोही (म. प्र.)
49. चाणस्मा (गुजरात)
साध्वी श्री रत्नप्रभा श्री जी म
ठाणा (1)
पता—जैन उपाश्रय, मोटी वाणिया वाड, मु. पो. चाणस्मा
जिला रेहसाना (गुज.)
50. पुरण (राज.)
साध्वी श्री सूर प्रभा श्री जी म.
पता.—जैन उपाश्रय मु. पो. पुरण वाया मालवाडा
जिला जालौर (राज.)
51. करवटिया (गुजरात)
साध्वी श्री जयलता श्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता.—श्री जैन उपाश्रय मु. पो. करवटिया
ता खेरालु जिला महेसाना (गुज.)
52. लुणावाड़ा (राज.)
साध्वी श्री वसत श्री जी म
आदि ठाणा (4)
पता—जैन उपाश्रय, दहेरा फली, मु. पो. लुणावाडा
जिला पच महल (गुज.)
53. मंडार (राज.)
साध्वी श्री मजुला श्री जी म.
आदि ठाणा (4)
पता:—जैन उपाश्रय, मु. पो. मंडरा वाया आवू रोड
जिला सिरोही (राज.)
54. हिम्मतनगर (गुज.)
साध्वी श्री मोक्षरत्ना श्री जी म.
आदि ठाणा (4)
पता.—वहिनो का उपाश्रय जूना बाजार, छोटे देरासर के
वाजू मे हिम्मत नगर (गुज.)
55. वाकडिया-वड़गाँव (गुज.)
साध्वी श्री सवेग पूर्णा श्री जी म.
आदि ठाणा (3)
पता.—जैन उपाश्रय, मु. पो. वाकडिया-वड़गाँव
वाया राणीवाड़ा जिला जालौर (राज.)
56. उदयपुर (राज.)
साध्वी श्री विमला श्री जी म.
आदि ठाणा (16)
पता.—श्री अजितनाथजी जैन धर्मशाला,
मालदास महरी, उदयपुर (राज.)
57. डूंगरपुर (राज.)
साध्वी श्री भद्रपूर्णा श्री जी म.
आदि ठाणा (5)
पता—श्री चादमलजी दावड़ा
c/o श्री आदिनाथ जैन क्लोथ स्टोर्स
मु. पो. डूंगरपुर (राज.)
58. मन्दसौर (म. प्र.)
साध्वी श्री शील कान्ता श्री जी म.
पता—श्री सुरेन्द्र सूरीजी ज्ञान मंदिर ट्रस्ट
मंडल पचायत के सामने नई आवादी मन्दसौर (म. प्र.)

59 रेवदर (राजस्थान)

माध्वी श्री तीर्थ प्रभा श्री जज म

आदि ठाणा (3)

पता—जैन उपाश्रय, मु पा रेवदर बाया जावू राड,
जिला सिराही (राज)

हादिक शुभ कामनाओं सहित—

60 बिहोर (गुज)

साध्वी श्री कुसुम प्रभा श्री जी म सा

आदि ठाणा (3)

पता—जैन उपाश्रय मु पा बिहार बाया तणसा
जिला भावनगर (गुज)गुमानचंद देवराज
टांढिया

कपडे के व्यापारी

सदर वाजार जबलपुर (म प्र) 482002
फोन न 21867

61 जावाल (राज)

साध्वी श्री सुयप्रभा श्रीजी म

आदि ठाणा (5)

पता—जैन उपाश्रय मु पो जावाल
जिला सिराही (राज)

62 ठाकुरद्वार-बम्बई (महा)

साध्वी श्री गुण वक्षा श्री जी म

आदि ठाणा (2)

पता—श्री शान्तीनाथजी जैन देरासर

जीतकर वाडी सामे ठाकुर द्वार राड बम्बई-2

हादिक शुभकामनाओं सहित—

कुल चातुर्मास सती के	14	कुल सत	41
” ” सतीयो के	48	कुल सतिया	201
	कुल 62		242

कुल चातुर्मास 62, सत 41, सतीयां 201, कुल ठाणा 242

सत सती पद तालिका

आचाय	7
उपाध्याय	नहीं
पयास	नहीं
गणि	2
प्रवक्त	नहीं
मुनिराज	41
सध्वीया	201
कुल ठाणा	242

सोभागमल
सुरेन्द्र कुमार
गाढिया

रतलाम (म०प्र०)

457001

पंजाब केशरी युगवीर आचार्य प्रवर श्री विजय वल्लभ-
सूरीश्वरजी म. सा. के समुदाय के साधु-साध्वियाँजी

परमार क्षत्रियोद्धारक आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय इन्द्रदिन्न
सूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वियाँजी

संत समुदाय

1. आकोला (महा.)

1. परमार श्रत्रियोद्धारक आचार्य देव श्रीमद्
विजय इन्द्र दिन्न सूरीश्वरजी म. सा.

गणिवर्य जगच्चन्द विजयजी म. सा

आदि ठाणा (18)

पता - आदिनाथ जैन मंदिर, ताजना पेठ,
जुना भाजी बाजार, आकोला-444001

2. पूना (महा.)

प्रतिबोधक आचार्य श्रीमद् विजय
जनकचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा

आदि ठाणा (2)

3. अहमदाबाद (गुज.)

पन्यास श्री दर्शनविजयजी म.सा

आदि ठाणा (1)

पता - जैन उपाश्रय, नृणसा बाडा,
अहमदाबाद (गुजरात)

4. नकोदर (पंजाब)

पन्यास श्री जयविजयजी म सा

आदि ठाणा (4)

पता - जैन उपाश्रय, नकोदर, जिला-जालंधर.

पंजाब-111310

5. जोधपुर (राज.)

गणिवर्यश्री जयंत विजयजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता - जैन क्रिया भवन, आहीर की हवेली के पास,
जोधपुर (राज)

6. पूना (महा.)

गणिवर्यश्री रत्नाकर विजयजी म सा.

आदि ठाणा (4)

पता - आदिश्वर जैन मंदिर,
786, शुक्रवार पेठ,
पूना-2 (महाराष्ट्र)

7. अहमदाबाद (गुज.)

गणिवर्यश्री नित्यानन्दविजयजी म सा

प्रवचनकार मुनिश्री धर्मधुरंधर

विजयजी म सा

आदि ठाणा (4)

पता - मुनि सुव्रतस्वामी जैन मंदिर, पोस्ट आफिम के
पीछे, नवरगपुरा अहमदाबाद (गुजरात)

8. खीमेल (राज.)

मुनिश्री मुक्तिविजयजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता: - मु. पो खीमेल जैन उपाश्रय, वाया-रानी स्टेशन
जिला-पाली (राज)

9. लाठारा (राज.)

मुनिश्री रामविजयजी म सा

आदि ठाणा (1)

- पता—जैन उपाश्रय, लाठारा,
स्टेशन फालना (राज)
- 10 जहमदाबाद (गुज)
मुनि श्री हीरविजयजी म सा
जादि ठाणा (1)
- पता—श्री आत्मवल्लभ उमग म्वाध्याय मंदिर,
सावरमती, रामनगर बहमदाबाद-5 (गुजरात)
- 11 नाडोल (राज)
मुनि श्री हिम्मतविजयजी म सा
जादि ठाणा (1)
- पता—जैन उपाश्रय, नाडोल
स्टेशन रानी (राज)
- 12 अहमदाबाद (गुज)
मुनि श्री निरजनविजयजी म सा
जादि ठाणा (2)
- पता—जैन उपाश्रय मगल पारेखनो खान्वा,
शाहपुर, अहमदाबाद (गुजरात)
- 13 बडोदा (गुज)
मुनि श्री चंद्रोदयविजयजी म सा
जादि ठाणा (1)
- पता—25, शिवरूपा मात्तायटी, मानसपुर राड
तालगांग बडोदा (गुजरात)
- 14 अम्बाला सिटी (हरि)
मुनि श्री जितेन्द्रविजयजी म सा
पता—जैन उपाश्रय, हनुवाई बाजार
जम्बाला सिटी (हरियाणा)
जादि ठाणा (1)
- 15 हस्तीनापुर (यू पी)
प पू मुनि श्री नन्दविजयजी म सा
जादि ठाणा (1)
- पता—आत्मानन्द जैन वाश्रय, हस्तीनापुर
जिला मरठ (यू पी)
- 16 पालीताणा (गुज)
मुनि श्री बद्धमानविजयजी म सा
जादि ठाणा (1)
- पता—वल्लभ विहार,
पालीताणा, सीराष्ट्र (गुजरात)
- 17 सेवाडी (गुज)
मुनि श्री विशुद्विजयजी म सा
जादि ठाणा (2)
- पता—जैन उपाश्रय,
सेवाडी वाया-फालना,
जिना पानी (राजस्थान)
- 18 उमरकोई (गुज)
मुनि श्री सुशीलविजयजी म सा
जादि ठाणा (1)
- पता—जैन मंदिर, उमरकोई पो मढवारियाद,
ता नसवाडी, जिला-बडोदा (गुजरात)
- 19 बडोदा (गुज)
मुनि श्री गौतमविजयजी म सा
जादि ठाणा (2)
- पता—जैन उपाश्रय, पुलिस चौकी के सामन,
मामा की पोल, रावपुरा बडोदा (गुजरात)
- 20 नागपुर (महा)
मुनि श्री वीरेन्द्रविजयजी म सा
जादि ठाणा (4)
- पता—श्री श्वेताम्बर तपागच्छ मठ, गुनाल सावगली
भाजी मण्डी, इतवारी बाजार, नागपुर-2
- 21 जगाधारी (हरियाणा)
मुनि श्री जयशेखरविजयजी म सा
जादि ठाणा (1)
- पता—जैन उपाश्रय टेम्पन,
जगाधारी (हरियाणा)
- 22 टेम्बोनाका (महा)
मुनि श्री यशोभद्रविजयजी म सा
जादि ठाणा (3)
- पता—मुनि सुव्रतस्वामीजी जैन मंदिर,
टेम्बोनाका, जिला धाना (महाराष्ट्र)

23. नागोठना (महा.)

मृनिश्री रवीन्द्रविजयजी म सा.

आदि ठाणा (2)

पता:-जैन धर्मशाला मु पो नागोठना
जिला रायगढ तह. रोहा (महा)

साध्वीजी समुदाय

1. बड़ौदा (गुज.)

1. प्रवर्तिनी साध्वीश्री विनीताश्रीजी म.सा,
2. साध्वी श्री मृक्तिश्रीजी, म. सा.
3. साध्वीश्री चन्द्रयशा श्रीजी म. सा
4. साध्वी श्री कुशलश्रीजी म सा.

आदि ठाणा (10)

पता:-जैन महिला उपाश्रय, जानीशेरी,
घडियाली पोल, बड़ौदा (गुजरात)

2. पालीताणा (गुज.)

साध्वीश्री विद्याश्रीजी म स,
साध्वीश्री विनयश्रीजी म. सा.

आदि ठाणा (5)

पता:-श्रमणी विहार तलाठी गेड़ पालीताणा,
सौराष्ट्र (गुजरात)

3. अहमदाबाद (गुज.)

साध्वीश्री भद्राश्रीजी, म
साध्वीश्री सुज्ञानश्रीजी म सा

आदि ठाणा (5)

पता:-आत्म वल्लभ समुद्र स्वाध्याय मंदिर,
जैन मंदिर के पीछे,
रामनगर, सावरमती (अहमदाबाद)

4. दिल्ली

जैन भारती स्व साध्वीश्री मृगावतीजी म.सा.
की नुशिण्याएं

आदि ठाणा (4)

पता:-आत्मवल्लभ जैन भवन, 2/82, रूपनगर,
दिल्ली-110007

5. अहमदाबाद (गुज.)

साध्वीश्री सुभद्राश्रीजी म.

आदि ठाणा (3)

पता -वहनों का उपाश्रय, लुणसावाड़ा,
मोटी पोल, अहमदाबाद (गुजरात)

6. अहमदाबाद (गुज.)

साध्वीश्री सुधर्माश्रीजी म.

आदि ठाणा (1)

पता -सेठ का उपाश्रय, बाधणपोल
झांवेरी वाड, अहमदाबाद (गुजरात)

7. पालीताणा (सौराष्ट्र)

साध्वीश्री प्रविणश्रीजी म.

आदि ठाणा (3)

पता:-पंजावी धर्मशाला, तलाठी रोड़,
पालीताणा, (सौराष्ट्र)

8. बलकेश्वर वम्बई (महा.)

साध्वीश्रीओमकारश्रीजी म.
साध्वीश्री कमलश्रीजी म.

आदि ठाणा (7)

पता:-वावू अमीचन्द पन्नालाल देरासर,
41, रीज रोड, बालकेश्वर, वम्बई-6

9. पालीताणा (सौराष्ट्र)

साध्वीश्री जितेन्द्रश्रीजी

आदि ठाणा (3)

पता:-गिरी विहार, पालीताणा (सौराष्ट्र)

10. पालीताणा (सौराष्ट्र)

साध्वीश्री जयश्रीजी म.
साध्वीश्री पद्मनत्ताश्रीजी म.

आदि ठाणा (7)

पता:-खेतलावीर यांत्रिक भवन,
नलाटी रोड, पालीताणा (सौराष्ट्र)

11. नागौर (राज.)

शामन दीपिका साध्वीश्री सुमंगलाश्रीजी

आदि ठाणा (9)

पता:-त्रोरावाड़ी जैन उपाश्रय, नागौर (राज)

- 12 बालकेश्वर बम्बई (महा)
साध्वीश्री प्रशातश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता -वधमान बिल्डिंग, मानव मंदिर रोड,
बालकेश्वर, बम्बई-400 006
- 13 बडौत (यू पी)
साध्वीश्री मुक्तिश्रीजी,
साध्वीश्री चित्तरजनाश्रीजी
आदि ठाणा (7)
पता -श्री जन श्वेताम्बर मंदिर, सराफा बाजार,
बडौत जिला मेरठ (यू पी)
- 14 भायदर (महा)
साध्वीश्री रजनश्रीजी म
साध्वीश्री प्रमोदश्रीजी म
आदि ठाणा (10)
पता -जन मंदिर, देवचन्दनगर, भायदर (वेस्ट)
जिला धाना (महाराष्ट्र)
- 15 पालीताण (सौराष्ट्र)
साध्वीश्री चरणश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता -हजारी निवाम घमभाला,
पालीताणा (सौराष्ट्र)
- 16 पूना (महा)
साध्वीश्री चंद्रोदयाश्रीजी म
आदि ठाणा (7)
पता -आदिश्वर जैन सोसायटी
पूना सातारा रोड, पूना (महाराष्ट्र)
- 17 मालेगांव (राज)
साध्वीश्री हेमेश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता -सुमतिनाथ जैन मंदिर,
मु पो मालेगांव, जिला सिरोंही (राज)
- 18 कादियली बम्बई (महा)
साध्वीश्री रवीप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता -आराधना जैन मंदिर, शांतिलाल मादी रोड
न 2, ईगनी पाठी, कादियली, बम्बई-67
- 19 बालकेश्वर बम्बई (महा)
साध्वीश्री वचनश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता -प्रकाश अपार्टमेंट
बालकेश्वर, बम्बई- 100 006
- 20 अमरेली (सौराष्ट्र)
साध्वीश्री मुसोमाश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता -जैन उपाश्रय, जामनडोरणा,
जिला-अमरेली (सौराष्ट्र)
- 21 पालीताण (सौराष्ट्र)
साध्वीश्री कनकप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (5)
पता -श्रमणी त्रिहार तलाठी रोड
पालीताणा (सौराष्ट्र)
- 22 लुधियाना (पंजाब)
साध्वीश्री जगवतश्रीजी म
आदि ठाणा (6)
पता -मुराता बाजार, लुधियाना (पंजाब)
- 23 मलाड बम्बई (महा)
साध्वीश्री वीरेद्रश्रीजी म
आदि ठाणा (9)
पता -देवकरण मुलीजी जैन, मंदिर
आनन्द रोड, मालाड (वेस्ट)
बम्बई-400064
- 24 टेम्बी नारका (महा)
साध्वीश्री निमलाश्रीजी म
आदि ठाणा (5)

- पता:—मुनि सुव्रतस्वामीजी जैन मंदिर
टेम्ब्री नाका, जिला थाणा (महा.)
25. पालीताणा (सौराष्ट्र)
साध्वीश्री कनकप्रभाश्रीजी म.
आदि ठाणा (2)
पता—वल्लभ विहार तलाटी रोड़,
पालीताणा (सौराष्ट्र)
26. आकोला (महा.)
शासन ज्योति साध्वीश्री सुमति श्री जी म.
आदि ठाणा (5)
पता:—आदिश्वर जैन मंदिर, जूना भाजी बाजार
ताजना पेठ, अकोला-444001
27. पालनपुर (गुज.)
साध्वीश्री चन्द्रकलाश्रीजी म.
आदि ठाणा (1)
पता.—हरिसुरि जैन उपाश्रय,
हनुमान जेरी, पालनपुर,
जिला वनासकाठा (गुजरात)
28. मधुरनगर (गुजरात)
साध्वीश्री दर्शनश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
पता—जैन उपाश्रय, मु.पो. मधुरनगर
वाया-हड़वद, जिला सुरेन्द्रनगर
पिनकोड-363 351 (गुज.)
29. डगारा (गुज.)
साध्वीश्री जगतश्रीजी म.
आदि ठाणा (5)
पता—मानकुवा जैन उपाश्रय,
मु.पो डगारा, स्टे कनीयाला,
जिला भुज (कच्छ-गुजरात)
30. पालनपुर (गुज.)
साध्वीश्री विचक्षणश्रीजी म.
- पता—जैन उपाश्रय काजीवास,
खोड़ा लीमडा के पास
पालनपुर, जिला-वनासकाठा (गुज.)
31. अमरावती (महा.)
साध्वीश्री यशकीर्तिश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
पता—राजीवाई धर्मशाला
भाजी बाजार, अमरावती (महा.)
32. जोधपुर (राज.)
साध्वीश्री सुशिलाश्रीजी म.
आदि ठाणा (5)
पता.—जैन उपाश्रय, भेरू वाग,
जोधपुर (राज.)
33. पिसांगन (राज.)
साध्वीश्री देवेन्द्रश्रीजी म.
आदि ठाणा (2)
पता.—जैन उपाश्रय,
मु पो. पिशागन, जिला अजमेर (राज.)
34. पालीताणा (सौराष्ट्र)
साध्वीश्री कमलयशाश्रीजी म.
आदि ठाणा (5)
पता—समुद्र विहार ठडा भवन
तलाटी रोड़, पालीताणा (सौराष्ट्र)
35. जालना (महा.)
साध्वीश्री सुमिताश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
पता—चन्द्र व भूजी जैन मंदिर
सदर बाजार, जालना (महा.)
36. हासन (कर्नाटक)
साध्वीश्री रत्नयशाश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
पता—स्वेतावर मंदिर,
हासन कर्नाटक-573 201

37 बाहोब (गुज)	पता -जन उपाध्य साध्वीश्री गुणप्रभाश्रीजी म	पता -जन उपाध्य मु भडारिया, जिना भावनगर (माराष्ट्र)		
	आदि ठाणा (5)	44 जाधपुर (राज)		
पता -जैन उपाध्य दाहोद, जिला पंचमहाल (गुज)		साध्वीश्री पुष्पाश्रीजी म		आदि ठाणा (1)
38 नाणा (सौराष्ट्र)		पता -जन धमशाला नटनारा बाजार, जाधपुर (राज)		
साध्वीश्री दशनश्रीजी म	आदि ठाणा (3)	45 जोधपुर (राज)		
पता -जन उपाध्य, मु पो नाणा जिला भावनगर (सौराष्ट्र)		साध्वीश्री भर्मातृणाश्रीजी म		आदि ठाणा (4)
39 बगलोर (कर्नाटक)		पता -भेस्वाग जन मंदिर भेस्वाग रोड जोधपुर (राज)		
साध्वीश्री प्रवाणश्रीजी म	आदि ठाणा (5)	46 नागोर (राज)		
पता -जैन उपाध्य जयनगर, बेंगलोर (कनाटक)		साध्वी श्री कुसुमप्रभाश्रीजी म		आदि ठाणा (3)
40 जसर (गुज)		पता -जन उपाध्य कचेरा जिला नागार (राज)		
साध्वीश्री नरद्रश्रीजी म	आदि ठाणा (3)			
पता -जन उपाध्य, मु जसर वाया-सावरकुडला, जसर-364510 (गुज)				
41 बालापुर (महाराष्ट्र)				
साध्वीश्री सुप्रज्ञाश्रीजी म	आदि ठाणा (2)			
पता -गाडीजी पाश्वनाथ मंदिर, जात्मवल्लभ भवन, बालापुर जिला अकोला (महा)				
42 वारणो (महा)				
साध्वीश्री रक्षितप्रज्ञाश्रीजी म	आदि ठाणा (2)			
पता -श्री जैन श्वताम्बर ऋषभदेव पटी, वारणो जिला सोलापुर (महा)				
43 भडारिया (सौराष्ट्र)				
साध्वीश्री महाप्रभाश्रीजी म	आदि ठाणा (2)			

कुल घातुर्मास सती के	23	कुल सत	62
” ” साध्वियों के	16	कुल साध्विया	189
	कुल 69	कुल	251

कुल घातुर्मास 69 सत 62 साध्विया 189 कुल ठाणा 251

सत सती पद तालिका

भाचार्य	3
युवाचार्य	नही
उपाध्याय	नही
पन्यास	3
गणि	4
प्रवक्तृ	नही
प्रवर्तिनी	1
सत	62
साध्विया	189
कुल ठाणा	251

योग्यनिष्ठ आचार्य प्रवर श्री बुद्धिसागर सूरीश्वरजी
म. सा. का समुदाय

आचार्य प्रवर श्री सुबोधसागर सूरीश्वरजी म. सा. के
आज्ञानुवर्ती साधु-साधिवयाँजी:—

संत समुदाय

1. वीजापुर (गुजरात)
1. आचार्य प्रवर श्री सुबोधसागर सूरीश्वरजी
म. सा.
आदि ठाणा (8)
पता—श्री समाधि मंदिर
मु. पो वीजापुर (उ गुजरात)
2. घाटकोपर-बम्बई (महा.)
आचार्य प्रवर श्री दुर्लभसागर सूरीश्वरजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता:—श्री जैन उपाश्रय, सघाणी इस्टेट
मु पो घाटकोपर बम्बई (महा.)
3. नवसारी (गुजरात)
आचार्य श्री कल्याण सागर सूरीश्वरजी म.सा.
आदि ठाणा (2)
पता.—श्री जैन उपाश्रय
महावीर नगर सोसायटी
मु. पो. नवसारी (गुजरात)
4. सावरमती-अहमदाबाद (गुज.)
आचार्य श्री पद्मसागर सूरीश्वरजी म सा.
आचार्य श्री भद्रबाहु सागर सूरीश्वरजी म. सा.
आदि ठाणा (9)
पता:—श्री जैन उपाश्रय, रामनगर
मु. पो. सावरमती अहमदाबाद (गुज)
5. खंडाला (महा.)
पन्यास श्री सुभद्रसागरजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता:—जैन उपाश्रय
मु पो खंडाला (महा)
6. अहमदाबाद (गुज.)
पन्यास श्री धरणेन्द्रसागरजी म.सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री जैन उपाश्रय, देवकीनन्दन सोसायटी, नवरंगपुरा
मु. पो. अहमदाबाद-7 (गुज)
7. अहमदाबाद (गुज.)
पन्यास—श्री सुदर्शन सागरजी म सा.
आदि ठाणा (3)
पता:—श्री जैन उपाश्रय
आमली पोल, जवेरी वाड़
अहमदाबाद (गुज)
8. अहमदाबाद (गुज.)
गणि श्री वर्धमान सागरजी म.सा
आदि ठाणा (5)
पता:—श्री जैन उपाश्रय, विजयनगर
मु पो अहमदाबाद (गुज)
9. जूना डीसा (गुजरात)
श्री राजकीर्ति सागरजी म.सा.
आदि ठाणा (2)
पता:—श्री जैन उपाश्रय
मु. पो. जूना डीसा (गुजरात)

- 10 पालीताना (सौराष्ट्र)
श्री लावण्य सागरजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री जन उपाश्रय, लावण्य विहार
मु पा पालीताना (सौराष्ट्र) 364270
- 11 लोणार (महा)
श्री कस्तुरसागरजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री जन उपाश्रय
मु पो लोणार जिला बुलढाणा (महा)
- 12 अहमदाबाद (गुज)
श्री जम्नादय सागरजी म सा
आदि ठाणा (3)
पता—श्री जैन उपाश्रय, जवाबाडी
माणकबाग अहमदाबाद (गुज)
- 13 गारेगाव-बम्बई (महा)
श्री कचन सागरजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री जन उपाश्रय, जवाहर नगर
गारेगाव बम्बई (महा) 62
- 14 अहमदाबाद (गुज)
श्री देवद्र सागरजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री जैन उपाश्रय, नारायणपुरा
चार रास्ता, अहमदाबाद (गुज)
- 15 अहमदाबाद (गुज)
श्री निमल सागरजी म सा
आदि ठाणा (4)
पता—श्री महावीर जन जाराघना वेद्र, कावा
गाधीनगर अहमदाबाद (गुज)
- 16 दहेगाम (अहमदाबाद) (गुज)
श्री सयम सागरजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री जैन उपाश्रय, मु पा दहेगाम
जिला अहमदाबाद (गुज)
- 17 विरमगाव (गुज)
श्री अनंति सागरजी म सा
आदि ठाणा (3)
पता—श्री जैन उपाश्रय, मु पो विरमगाव
जिला अहमदाबाद (गुज)
- 18 महुडो (गुजरात)
श्री जय सागरजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री जैन उपाश्रय
महुडो (गुज) जिला महसना
-
- साध्वी समुदाय**
-
- 19 सावरमती अहमदाबाद (गुज)
साध्वी श्री कुसुमश्रीजी म सा
आदि ठाणा (5)
पता—श्री जैन उपाश्रय
मु पा सावरमती अहमदाबाद (गुज)
- 20 सावरमती अहमदाबाद (गुज)
साध्वी श्री हृषीकेशजी म सा
आदि ठाणा (6)
पता—जैन जयविल भवन,
सावरमती अहमदाबाद (गुज)
- 21 अहमदाबाद (गुज)
साध्वी श्री जसवन्तश्रीजी म सा
आदि ठाणा (5)
पता—श्री जैन उपाश्रय, जामली पाल, जवरीवाड
अहमदाबाद (गुज)
- 22 अहमदाबाद (गुज)
साध्वी श्री इन्द्रश्रीजी म सा
आदि ठाणा (7)

- पता—श्री जैन उपाश्रय, गोलवाड उपाश्रय,
अहमदावाद-1 (गुज.)
23. अहमदावाद (गुज.)
साध्वी श्री वसन्तश्रीजी म सा
आदि ठाणा (10)
पता:—श्री जैन उपाश्रय, कल्याण सोसायटी
अहमदावाद (गुज.)
24. अहमदावाद (गुज.)
साध्वी श्री कीर्तिप्रभा श्रीजी म सा
आदि ठाणा (4)
पता:—श्री जैन उपाश्रय, नारायणपुरा
अहमदावाद-14 (गुज.)
25. साणन्द (गुज.)
साध्वी श्री किरण, प्रभाजी म. सा
आदि ठाणा (4)
पता:—श्री जैन मागरगच्छ उपाश्रय, मु. पो. साणन्द (गुज.)
26. हिमत नगर (गुज.)
साध्वी श्री चिन्तामणि श्रीजी म सा.
आदि ठाणा (4)
पता—श्री जैन उपाश्रय, महावीर नगर सोसायटी
मु. पो हिम्मतनगर
जिला सावरकाठा (गुज.)
27. बीजापुर (गुज.)
साध्वी श्री सुमित्रा श्रीजी म सा
आदि ठाणा (6)
पता—श्री जैन उपाश्रय, समाधि मन्दिर
मु पो बीजापुर (गुज.)
28. बीजापुर (गुज.)
साध्वी श्री राजेन्द्र श्रीजी म सा
आदि ठाणा (5)
पता—श्री जैन उपाश्रय, माडी वाडा नो उपाश्रय
बीजापुर (गुज.)
29. प्रांतिज (उत्तर गुजरात)
साध्वी श्री कुमुद श्रीजी म सा
आदि ठाणा (8)
पता—श्री जैन श्राविका उपाश्रय
मु. पो. प्रातिज (उत्तर गुज.)
30. महेसाणा (गुज.)
साध्वी श्री रतिश्रीजी म सा.
आदि ठाणा (6)
पता—श्री जैन उपाश्रय,
मु. पो. महेसाणा (गुज.)
31. महेसाना (गुज.)
साध्वी श्री जयप्रभाश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (5)
पता—श्री जैन उपाश्रय, सीमंधर स्वामी मन्दिर
मु पो महसाना (गुज.)
32. महुडी (गुज.)
साध्वी श्री सुलसाश्रीजी म सा.
आदि ठाणा (2)
पता:—श्री जैन देरासर पेढी
मु पो महुडी (गुज.)
33. बटवा (गुज.)
साध्वी श्री विवोधश्रीजी म सा.
आदि ठाणा (2)
पता:—श्री जैन उपाश्रय, मु. पो. बटवा मणी नगर
अहमदावाद (गुज.)
34. दहेगाम (गुज.)
साध्वी श्री मुजंलाश्रीजी म मा
आदि ठाणा (4)
पता.—श्री जैन उपाश्रय
मु पो दहेगाम जिला अहमदावाद
35. अहमदावाद (गुज.)
साध्वी श्री अरुणप्रभा श्रीजी म मा.
आदि ठाणा (3)

पता - श्री जैन उपाश्रय, माणक बाग
मु पा जावावाडी, जहमदाबाद (गुज)

36 पालीताना (सीराष्ट्र)
माळी श्री स्वयंप्रभा श्रीजी म मा
आदि ठाणा (2)

पता - श्री जैन उपाश्रय, नन्दा नुन
मु पो पानीताना (सीराष्ट्र)

37 धोराजी (सीराष्ट्र)
माळी श्री म्हालता श्री जी म मा
आदि ठाणा (3)

पता - श्री जैन उपाश्रय, हवेली शेरी
मु पो धोलाजी गांव मा (सीराष्ट्र)

38 माणसा (गुज)
माळी श्री कैवय श्रीजी म मा
आदि ठाणा (2)

पता - श्री जैन उपाश्रय
म पा माणसा (गुज)

कुल चातुर्मास सता के	18	कुल सत	57
" " साध्विया के	20	कुल साध्विया	93
कुल	38	कुल	150

कुल चातुर्मास 38 सत 57 साध्विया 93 कुल ठाणा 150

सत सती तुलनात्मक तालिका

आचार्य	6
मुवाचार्य	नही
उपाध्याय	नही
पन्यास	3
गण	1
प्रवचन	नही
प्रवर्तिनी	नही
मत	57
साध्विया	93
कुल ठाणा	150

दुर्गुण दुष्गुणी देखता है, सद्गुर्णा को गुण दिखलाता है ।
जैसी जिसकी भावना है वह नर, वैसा ही बन जाता है ॥

जय महावीर । ॥ श्री ॥ जय गुह हस्ती ॥

स्वाध्याय चिन्तन केन्द्र

बंगलोर-560038

(कर्नाटक)

मम्यक चारिय, सम्यक् दशन, जीर मम्यक् ज्ञान निभाजा तुम ।
यह सच्चे सुत्र क माधन है, इनसे मच्चा सुख पाजा तुम ॥

॥ श्री वीतरागाय नम ॥

दक्षिण भारत में पहली बार जैन साहित्य बिक्री
शोघ लाभ लेवें ।

श्री जैन साहित्य भण्डार

136, अप्पारेडो पालयम्, इन्दिरा नगर,

बंगलोर-560038

Phone-560535 P P

तीर्थोद्धारक आचार्य प्रवर श्री विजय निती सूरेश्वरजी
म. सा. का समुदाय

आचार्य प्रवर श्री अरिहंत सिद्ध सूरेश्वरजी म. सा.
के आज्ञानुवर्ती संत-सतियाँजी

सन्त-समुदाय

1. अहमदाबाद (गुजरात)

स्व. गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री विजय
मंगल प्रभ सूरेश्वरजी म. सा. के सुशिष्य-
आचार्य प्रवर श्री अरिहन्त सिद्ध सूरेश्वरजी
म. सा.

आदि ठाणा (4)

पता:—श्री जैन उपाश्रय वीर नो उपाश्रय,
भट्टी नो वारी, अहमदाबाद (गुज.)

2. एलीस ब्रीज-अहमदाबाद (गुज.)

आचार्य प्रवर श्री भानुचन्द्र सूरेश्वर जी म. सा.
पन्यास श्री सुबोध विजय जी म सा

आदि ठाणा (8)

पता:—खुशाल भवन जैन उपाश्रय, मादलपुर,
एलीस ब्रीज, अहमदाबाद (गुज.)

3. मालगाँव (राजस्थान)

आचार्य प्रवर श्री पदम सूरेश्वर जी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता:—जैन उपाश्रय, मु. पो. मालगाँव
वाया आव् रोड, जिला सिरोही (राज.)

4. खिवान्दी (राज.)

पन्यास श्री हेमप्रभ विजय जी म. सा.

आदि ठाणा (6)

पता:—जैन उपाश्रय मु. पो. खिवान्दी स्टेशन जवाई बाध
जिला सिरोही (राज.)

5. पालीताणा (गुजरात)

श्री सुशील विजय जी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता:—जामनगर की धर्मशाला पालीताणा (सीराष्ट्र गुज.)

6. माणेकचौक-अहमदाबाद (गुज.)

श्री दक्षप्रभ विजयजी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता.—लवार की पोल, माणेक चौक
अहमदाबाद (गुज.)

7. सिवाना (राज.)

श्री मणिप्रभ विजय जी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता:—तपागच्छ जैन उपाश्रय मु. पो. गढ़ सिवाना
जिला वाडमेर (राज.)

8. रायपुर-अहमदाबाद (गुज.)

श्री रेवत विजयजी म सा.

आदि ठाणा (2)

पता.—जैन उपाश्रय शामलानी पोल

रायपुर-अहमदाबाद (गुज.)

9. चांदूर (राजस्थान)

श्री तेज प्रभ विजय जी म. सा

आदि ठाणा (2)

पता:—जैन उपाश्रय मु. पो. चांदूर वाया रायसेन जिला
जालौर (राज.)

10. मांडवला (राज.)

श्री राजप्रभ विजय जी म. सा.

आदि ठाणा (2)

- पता—जैन उपाश्रय मु पा माडवारा
जिला जालौर (राज)
- 11 पालीताणा (गुजरात)
श्री हंस विजय जी म सा
आदि ठाणा (5)
- पता—माडेराव जिनेन्द्र भुवन, हस्ती माहन वृद्धाश्रम
के पीछे, पालीताणा (गुज)
- 12 वामणवाडा तीर्थ (राज)
श्री मिथानन्द विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)
- पता—जैन उपाश्रय वामणवाडा तीर्थ बाया
जिला सिराही (राज)
- 13 नाणा तीर्थ (राज)
श्री प्रताप विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)
- पता—जैन उपाश्रय नाणा तीर्थ जिला सिराही (राज)
- 14 धन्नारी (राज)
श्री प्रमाद विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)
- पता—जैन उपाश्रय मु पा धन्नारी बाया सरूपगज
जिला मिराही (राज)
- 15 सुमेरपुर (राज)
श्री ललित विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)
- पता—जैन उपाश्रय मु पो सुमेरपुर जिला पाली (राज)
- 16 शाहपुर-अहमदाबाद (गुज)
श्री विमल विजय जी म सा
अदि ठाणा (2)
- पता—शाहपुर घाटानो जैन उपाश्रय, शाहपुर
अहमदाबाद (गुज)
- 17 आहोर (राज)
श्री महिमा विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)
- पता—जैन उपाश्रय मु पा आहोर
जिला जालौर (राज)
- 18 अहमदाबाद (गुजरात)
श्री मानतृण विजय जी म सा
आदि ठाणा (3)
- 19 रेवदर (राजस्थान)
श्री वीर विजयजी म सा
आदि ठाणा (2)
- 20 पालीताणा (गुजरात)
श्री सुरप्रभ विजयजी म मा
ठाणा (1)
- पता—गिरी बिहार पालीताणा (गुज)
- 21 अहमदाबाद (गुज)
श्री विनय विजय जी म सा
ठाणा (1)
- पता—अज्ञान भवन अहमदाबाद
- 22 फालना (राज)
श्री पुण्योदय विजय जी म सा
ठाणा (1)
- 23 रामसीण (राज)
श्री प्रवीण विजय जी म सा
ठाणा (1)
- पता—जैन उपाश्रय मु पो रामसीण
जिला जालौर (राज)

साध्वीयांजी समुदाय

- 24 मूरत (गुज)
विदुषी साध्वी प्रमुखा श्री लावण्य श्री जी म
आदि ठाणा (18)
- पता—अमरीवाई का उपाश्रय, गोंपीपुरा मूरत (गुज)
- 25 बालराई (गुजरात)
साध्वी श्री रमणिक श्री जी म
आदि ठाणा (6)

- पता:—जैन उपाश्रय मु. पो. वालराई
26. शाहपुर-अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री मणी श्री जी म.
आदि ठाणा (4)
पता:—जैन उपाश्रय शाहपुर कुवावाली पोल अहमदाबाद
27. वाली (राज.)
साध्वी श्री सुशीला श्री जी म.
आदि ठाणा (30)
पता:—श्री जैन उपाश्रय, मु. पो. वाली नवापुरा
स्टेशन फालना जिला पाली (राज.)
28. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री सुनन्दा श्री जी म.
आदि ठाणा (6)
पता:—घाचीनी पोल, माणेक चौक,
अहमदाबाद (गुज.)
29. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री निर्भया श्री जी म.
आदि ठाणा (7)
पता:—सामयानी पोल, बाल खियानो खाचो अहमदाबाद
30. खिवान्दी (राज.)
साध्वीजी ज्ञान श्री जी म.
आदि ठाणा (12)
पता:—नाणावटी मंगल भुवन मु. पो. खिवान्दी
स्टेशन जवाई वाध जिला सिरोही (राज.)
31. शिवगंज (राज.)
साध्वी श्री महिमा श्री जी म.
आदि ठाणा (4)
पता:—नितक भवन शिवगंज (राज.)
32. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री पूर्ण भद्रा श्री जी म.
आदि ठाणा (11)
पता:—मरठारी उपाश्रय पनामानी पोल अहमदाबाद
33. राजकोट (गुज.)
साध्वी श्री मनहर श्री जी म.
आदि ठाणा (4)
पता:—जैन उपाश्रय प्रहलाद प्लोटज. 37,
राजकोट (गुज.)
34. खिवान्दी (राज.)
साध्वी श्री दानलता श्री जी म.
आदि ठाणा (6)
पता:—उपरोक्त
35. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री चन्द्रा श्री जी म.
आदि ठाणा (8)
पता:—सुरदास सेठनी पोल, मकेडवीनी पोलमा
अहमदाबाद (गुज.)
36. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री जयलता श्री जी म.
आदि ठाणा (5)
पता:—जैन उपाश्रय पाडा पोल अहमदाबाद (गुज.)
37. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री स्नेहलता श्री जी
आदि ठाणा (2)
पता:—जैन उपाश्रय शाहपुर सुनारा नो खाचा अहमदाबाद
38. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री सूर्योदय श्री जी म.
आदि ठाणा (5)
39. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री सुलोचना श्री जी म.
आदि ठाणा (3)
पता:—रूपा मूरचंदनी पोल, अहमदाबाद
40. पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री निरूपमा श्री जी म.
आदि ठाणा (8)

- पता—नाल शेरी बाजार का पाडा पाटन (गुज)
- 41 बीकानेर (राज)
साध्वी श्री भास्कर यशा श्री जी म
आदि ठाणा (5)
पता—बहिना का उपाश्रय काचाला का चौक बीकानेर
(राज)
- 42 उरण (गुज)
साध्वीजी राजेन्द्र श्री जी म
आदि ठाणा (8)
पता—बहिनी का उपाश्रय मु पो उरण
त कोकरेज जि बनासकाठा (गुज)
- 43 पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री चन्द्रकला श्री जी म
आदि ठाणा (4)
पता—कलासाना पाडा साकली शेरी पाटन (गुज)
- 44 पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री कनक प्रभाश्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता—सीम्बडी ना पाडा पाटन (गुज)
- 45 पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री चन्द्र प्रभाश्री जी म
आदि ठाणा (4)
पता—खैतरवसी ना पाडा, बहिना का उपाश्रय
पाटन (गुज)
- 46 सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री राजुला श्री जी म
आदि ठाणा (6)
पता—बहिना का उपाश्रय बडाचौटा सूरत (गुज)
- 47 महेसाना (गुजरात)
साध्वी श्री नलीन यशा श्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता—महालक्ष्मी माहिनो पाडा, त्रण दरवाजा धासे
महसाना (गुज)
- 48 राधनपुर (गुजरात)
साध्वी श्री गुनीला श्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता—जैन उपाश्रय चितामणो शेरी
राधनपुर जि बनासकाठा (गुज)
- 19 विसनगर (गुजरात)
साध्वी श्री कल्पधरा श्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता—काजी ना उपाश्रय
मु पा विसनगर (गुजरात)
- 50 गोरेगाँव-बम्बई (महा)
साध्वी श्री दिव्यप्रभा श्री जी म
आदि ठाणा (5)
पता—जन उपाश्रय, राड न 5, जवाहर नगर, प्लाट
न ज95 गारगाँव (वेस्ट) बम्बई-62
- 51 मलाड-बम्बई (महा)
साध्वी श्री सुलसा श्री जी म
आदि ठाणा (4)
पता—श्री शान्तीनाथ जैन उपाश्रय, दबचद नगर
हाजी बापू राड, मलाड (वेस्ट) बम्बई-64
- 52 पाटडी (गुज)
साध्वी श्री तरुण श्री जी म
आदि ठाणा (8)
पता—जैन उपाश्रय बाजार म मु पा पाटडी बाया
विरमगाव (गुजरात)
- 53 पिडवाडा (राज)
साध्वी पुण्या श्री जी म
आदि ठाणा (6)
पता—सिंगाना वाम मु पा पडवाडा जि सिरोही (राज)
- 54 कलकत्ता-(प बंगाल)
साध्वी श्री चाहयशा श्री जी म
आदि ठाणा (1)

- पता:—श्री हीरालाल भणसाली, 19 लोअल चित्तपुर रोड
कविराज विर्लिडग कलकत्ता (प. बंगाल)
55. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री किरण माला श्री जी म.
आदि ठाणा (4)
पता:—हरकिशनदास सेठ नी पोल माडवीनी पोल मा
अहमदाबाद
56. पालड़ी-अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री प्रज्ञप्ता श्री जी म.
आदि ठाणा (8)
पता:—जैन सोसायटी प्रीतम नगर ना अखाड़ा पासे
पालड़ी-अहमदाबाद-(गुज.)
57. बम्बई- (गुज.)
साध्वी श्री जयशीला श्री जी म.
आदि ठाणा (3)
पता:—ईश्वर नगर शमाला, जैन भवन जैन उपाश्रय
देना बँक एल. वी. शास्त्री मार्ग, बम्बई-77
58. जोटाणा (गुजरात)
साध्वी श्री निर्मला श्री जी म. सा.
आदि ठाणा (2)
पता:—जैन उपाश्रय मोटा देरासर पासे
मु. पो. जोटाणा ता मेहसाना (गुज.)
59. सिरोही (राज.)
साध्वी श्री किर्ती वर्धना श्री जी. म
आदि ठाणा (3)
पता:—तपागच्छ उपाश्रय मु. पो. सिरोही (राज.)
60. पालीताणा (गुज.)
साध्वी श्री महायशा श्री जी म.
आदि ठाणा (1)
पता:—लुणावा मगल भवन पालीताणा (गुज.)
61. तलाजा-सौराष्ट्र (गुज.)
साध्वी श्री अक्षय प्रभा श्री जी म.
आदि ठाणा (3)
62. जामनगर (गुज.)
साध्वी श्री शुभंकरा श्री जी म.
आदि ठाणा (8)
पताकू-मोरार बाग चादी बाजार (जामनगर (गुज.)
63. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री केवल रत्ना श्री जी म.
आदि ठाणा (2)
पता:—जैन उपाश्रय शाम पानी पोल अहमदाबाद
64. खिवान्दी (राज.)
साध्वी श्री विश्व पूर्णा श्री जी म.
आदि ठाणा (12)
65. खिवान्दी (राज.)
साध्वी श्री विमल प्रभा श्री जी म.
आदि ठाणा (3)
66. खिवान्दी (राज.)
साध्वी श्री अशोक कल्पलता श्री जी म.
आदि ठाणा (2)
67. विसलपुर (राज.)
साध्वी जी मदन प्रभा श्री जी म.
आदि ठाणा (6)
68. सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री महापदमा श्री जी म.
आदि ठाणा (10)
69. नासिक सिटी (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री सुनीयशा श्री जी म.
आदि ठाणा (8)
70. बम्बई (महा.)
साध्वी श्री मुक्ति प्रिया श्री जी म.
आदि ठाणा (2)
71. पालीताणा (गुज.)
साध्वी श्री मोक्षयगा श्री जी म.
आदि ठाणा (2)

- 72 पालीताणा (गुज)
साध्वी श्री हिरण्य श्री जी म
ठाणा (1)
- 73 पालीताणा (गुज)
साध्वी श्री कल्पलता श्री जी म
ठाणा (1)
- 74 तखतगढ़ (राज)
साध्वी श्री कचन श्री जी म
आदि ठाणा (3)
पता—जैन उपाश्रय तलाव ऊपर तखतगढ़ (राज)
- 75 कोशेलाव (राज)
साध्वी श्री माक्षलता श्री जी म
आदि ठाणा (3)
पता—जैन नवी पाटी धमशाला मु पा कोशेलाव
स्टेशन फालना जिला पाली (राज)
- 76 चादूर (राज)
साध्वी श्री सुव्रत गुण श्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता—जैन उपाश्रय मु पो चादूर बाया रायसेन जिला
जालार (राज)
- 77 बाली (राजस्थान)
साध्वी श्री दीपक श्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता—जैन उपाश्रय पाटीना वास मु पो बाली
स्टेशन फालना जिला पाली (राज)
- 78 अहमदाबाद (गुज)
साध्वी श्री पद्मलता श्री जी म
आदि ठाणा (5)
- 79 अहमदाबाद (गुज)
साध्वी श्री अरुण प्रभा श्री जी म
आदि ठाणा (2)
- पता—शत्रुघ्न सासायटी अहमदाबाद (गुज)
- 80 राजस्थान मे (राज)
साध्वी श्री सुयप्रभा जी म
ठाणा (1)
- 81 राजस्थान मे (राज)
साध्वी श्री सुय माला श्री जी म
ठाणा (1)
- 82 राजस्थान मे (राज)
साध्वी श्री आणन्द श्री जी म
आदि ठाणा (2)
- 83 अहमदाबाद (गुज)
साध्वी श्री भुवन श्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता—धीराजी नौ धमशाला, तलाव ऊपर अहमदाबाद
- 84 मारवाड (राज)
साध्वी श्री सजय श्री जी म
आदि ठाणा (3)
- 85 जूना डीसा (गुज)
साध्वी श्री जितेन्द्र श्री जी म
ठाणा (1)
- 86 जूना डीसा (गुज)
साध्वी श्री ललित प्रभाजी म
आदि ठाणा (2)
- 87 अहमदाबाद (गुज)
साध्वी श्री चन्द्रयशाओ श्री जी म
ठाणा (1)
- 88 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री खजना श्री जी म
आदि ठाणा (3)
पता—सौधम निवान पालीताणा (गुज)

89. पालीताणा (गुजरात)

साध्वी श्री मनोताश्री श्री जी म.

ठाणा (1)

पता.—वल्लभ विहार पालीताणा (गुज)

90. कोटवालीयान (राज.)

साध्वी श्री सूर्यप्रभा श्री जी म.

ठाणा (1)

पता—जैन उपाश्रय मु पो. कोट वालीयान
वाया वाली जिला पाली (राज.)

कुल चातुर्मास संतों के	23	कुल संत	60
„ „ साध्वीयो के	67	कुपे साध्वीयाँ	320
	---		---
कुल 90		कुल 380	

कुल चातुर्मास 90, संत 60, साध्वीयाँ 380
कुल ठाणा 380

आचार्य	4
उपाध्याय	---
पन्यास	2
गणि	---
प्रवर्तक	---
मुनि	60
साध्वियाँ	320
कुल ठाणा	380



जैसे विन बादल के विजली, नभ में नही चमक दिखाती है।
त्यो विन विपत्तियाँ सहे आत्मा, प्रकाश गुण नही पाती है ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित -

राजेन्द्र रेडीमेन्ट

एण्ड

क्लोथ स्टोर

माणक चौक, रतलाम (म०प्र०)

सच्ची क्षमता तो सदा से मित्रों, वीर धर्म कहलाती है।
कम जोरो और कायर पुरुषो के, पास फटक नहीं पाती है ॥

समग्र जैन साधु साध्वियों का चातुर्मास हर्षोल्लास
वातावरण में सम्पन्न होने की शुभ मंगल कामनायें
करते हैं हार्दिक अभिनन्दन सहित

रंगलाल रमणलाल

बागरेचा

एदलाबाद

जिला-जलगाँव (महाराष्ट्र)

कविकुल किरीट आचार्य श्री विजयलब्धि सूरेश्वरजी
म. सा. समुदाय

गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री विजय विक्रम सूरेश्वरजी
म सा के आज्ञानुवर्ती सत-सतियाँजी

सत समुदाय

- 1 पालडी-अहमदाबाद (गुजरात)
गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री विजय विक्रम
सूरेश्वर जी म सा
आदि ठाणा (22)
पता -गोरख 31 धरणीघर मोसायटी
पालडी अहमदाबाद-7
- 2 वासणा-अहमदाबाद (गुज)
आचार्य श्री विजय नवीन सूरेश्वर जी म सा
आदि ठाणा (5)
पता -श्री जन उपाध्य,
नामणा अहमदाबाद (गुज)
- 3 हिंगडोन सिटी (राजस्थान)
आचार्य श्री विजय नटरसूरेश्वर जी म सा
आदि ठाणा (6)
पता -श्री जैन उपाध्य, जन मंदिर
हिंगडोन सिटी (राज)
- 4 दादर बम्बई (महा)
आचार्य श्री विजय किर्तीचंद्र सूरेश्वर जी म सा
आदि ठाणा (5)
पता -श्री आचार्य लब्धि सूरेश्वर जी नान मंदिर
दादर-बम्बई (महा)
- 5 कुन्नूर (कर्नाटक)
पत्याम श्री प्रभाक विजयजी म सा
आदि ठाणा (5)
पता -श्री जैन मन्दिर देरासर कुन्नूर (कर्नाटक)
- 6 गोधरा (गुजरात)
पत्याम श्री वारिण विजयजी म सा
आदि ठाणा (6)
पता -श्री जैन उपाध्य,
शातिनगर गाधरा (गुज) 389001
- 7 सायन-बम्बई (महा)
प्रवक्तृ श्री हरिणभद्र विजयजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता -श्री जैन देरासर उपाध्य,
जैन मोसायटी मायन बम्बई (महा)
- 8 ईडर (गुजरात)
श्री कल्पयश विजयजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता -श्री जैन उपाध्य,
मु पा ईडर जि जनामकाठा (गुज)
- 9 पोपनाद (महा)
श्री नयनभद्र विजयजी म सा
आदि ठाणा (1)
पता -श्री जैन उपाध्य
मु पो पोपनाद (कोवण) (महा)
- 10 जूनागढ़ (गुजरात)
श्री गुणभद्र विजयजी म सा
आदि ठाणा (1)

पता.—श्री जैन उपाश्रय, जूनागढ (गुज)

11. पालीताणा (गुजरात)

श्री जयतुभ्यर विजयजी म सा

आदि ठाणा (1)

पता —महाराष्ट्र भुवन, पालीताणा (गुजरात)

साध्वीयाँजी समुदाय

12. साध्वी श्री जयश्रीजी म सा

आदि ठाणा (7)

पता —गोदावरी अहमदाबाद (गुज)

13 साध्वी श्री उमगश्रीजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता —कोठारी वाडो ईडर (गुज)

14. श्री हंसाश्रीजी म सा

आदि ठाणा (7)

पता:—तिलक रोड, मानेगाव (महा.)

15. साध्वी श्री नावण्यश्रीजी म.सा

आदि ठाणा (5)

पता —काशी केणर, पालीताणा (गुज)

16. साध्वी श्री मुवोव्याश्रीजी म सा

आदि ठाणा (5)

पता.—गंगापुर (राजस्थान)

17 साध्वी श्री आत्म प्रभाश्रीजी म.सा

पता —जैन उपाश्रय हिण्डोन (राज)

आदि ठाणा (5)

18. साध्वी श्री मृगनयना श्रीजी म सा

आदि ठाणा (5)

पता —उभोर्ट (गुज)

19 साध्वी श्री सर्वोदयाश्रीजी म.सा

आदि ठाणा (15)

पता:—धरणीदर मोना अहमदाबाद (गुज)

20. साध्वी श्री सुभद्राश्रीजी म सा.

आदि ठाणा (10)

पता —वासणा अहमदाबाद (गुज)

21. साध्वी श्री विरागमालाश्रीजी म.सा.

आदि ठाणा (14)

पता —गोधरा-पचमहाल (गुज)

22 साध्वी श्री गोतमश्रीजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

पता —धुलिया (महा)

23 साध्वी श्री ललिताश्रीजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता.—गोपीपुरा, सूरत (गुज)

24 साध्वी श्री जयलताश्रीजी म सा.

आदि ठाणा (8)

पता.—महाराष्ट्र भुवन, पालीताणा (गुज)

25. साध्वी जितेन्द्रश्रीजी म.सा.

आदि ठाणा (6)

पता:—धधुका (गुजरात)

26 साध्वी श्री जितेन्द्रश्रीजी म सा.

आदि ठाणा (2)

पता.—नवसारी (गुज)

27 साध्वी श्री कमलप्रभा श्रीजी म सा.

पता —कृष्णनगर अहमदाबाद

28 साध्वी श्री रत्नचूलाश्रीजी म सा.

आदि ठाणा (10)

पता.—अहमदाबाद (गुज.)

29. साध्वी श्री सुधाशु यशाश्रीजी म.सा

आदि ठाणा (8)

पता —भरुच (गुज.)

30 साध्वी श्री पदमलता श्रीजी म सा
आदि ठाणा (5)

पता—शांतीनाथ देरासर पायधुनी बम्बई

31 साध्वी श्री तरुण प्रभाश्रीजी म सा
आदि ठाणा (3)

पता—नानमदिर दादर बम्बई

32 साध्वी श्री महेद्रश्रीजी म सा
आदि ठाणा (3)

पता—अहमदाबाद (गुज)

33 साध्वी श्री सूर्यप्रभाश्रीजी म सा
आदि ठाणा (3)

पता—पालीताणा (गुज)

34 साध्वी श्री कल्पलताश्रीजी म सा
आदि ठाणा (2)

पता—कोल्हापुर (महा)

35 साध्वी श्री विनितमाला श्रीजी म सा
आदि ठाणा (4)

पता—अहमदाबाद (गुज)

36 साध्वी श्री चन्द्रशशाश्रीजी म सा
आदि ठाणा (3)

पता—अहमदनगर (गुज)

37 साध्वी श्री विन्दुपूर्णा श्रीजी म सा
आदि ठाणा (2)

पता—अहमदाबाद (गुज)

श्रुपमदव भगवान ने जग म, धम अहिंसा फैलाया।
सकल जीव ज्ञान प्रसित थे, उन्हें सचेतन करवाया ॥

पंच महाव्रतधारी महामहिम सत मती गणों के
चरण कमलों में कोटीश उन्दना ---

शा. चुन्नीलाल धनराज

चौपड़ा

कापड़ाचे व्यापारी

मु पो आलन्वी (देवाची) जिला-पूना (महा)
412105

सच्चा धम वही है जिसमें, मेदभाव का नाम न हो।
प्राणी मात्र की हित चिन्ता, जिसमें द्रगडों का काम न हो ॥

हादिक शुभकामनाओं सहित

शा चम्पालाल खीमराज

एण्ड कम्पनी

अनाज किराणा और फटलरी के व्यापारी

635, पाली रोड, छार (वेस्ट)

बम्बई-400052 (महा)

फोन-546251

कुल चातुर्मास सतों के	11	कुल सत	56
" " साध्वीयों के	26	कुल साध्वीयार्जों	143
कुल	—		—
	37	कुल	199

सत सतों पद तालिका

आचार्य	4
उपाध्याय	नहीं
पन्यास	2
गणि	नहीं
प्रवक्तक	2
मुनिराज	56
साध्वीयार्जों	143
कुल ठाणा	199

तपोनिधी प्रशांतमूर्ति आचार्य प्रवर श्री विजयभक्ति
सूरीश्वरजी म. सा. का समुदाय

आचार्य प्रवर श्री विजय प्रेम सूरीश्वरजी म. सा. के
आज्ञानुवर्ती संत-सतियाँजी म. सा.

संत समुदाय

1. बोरीवली-वम्बई (महा.)

1. आचार्य प्रवर श्री विजय प्रेम सूरीश्वरजी
म. सा. -

2. आचार्य प्रवर श्री विजय सुबोध जी म. सा.
आदि ठाणा (8)

पता:-श्री सभव नाथ स्वामी जैन देरासर, जैन मंदिर
जामली गली, बोरीवली (वेस्ट) वम्बई-400092
(महा)

2. धानेरा (गुजरात)

1. आचार्य श्री विनयचंद्र सूरीजी म. सा.

2 आचार्य श्री कल्प जय सूरीजी म सा.
आदि ठाणा (5)

पता.-जैन उपाश्रय जैन देरासर, धानेरा वाया पालनपुर
जिला वनासकाठा (गुज.)

3. प्रार्थना समाज -वम्बई (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री विजय रूचक चक्रसूरीजी म सा.
आदि ठाणा (2)

पता.-जैन देरासर-186 राजाराम मोहन राय मार्ग
प्रार्थना समाज, वम्बई-400004 (महा.)

4. मेहसाना (गुजरात)

आचार्य श्री विजय प्रमत्तचंद्र सूरीजर जी म. सा.
आदि ठाणा (2)

पता:-जैन उपाश्रय, मेहसाना (गुजरात)

5. बोरीवली-वम्बई (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री विजयलब्धि सूरीश्वर जी म. सा.

आदि ठाणा (5)

पता -श्री सुमतिनाथ जी मंदिर, बोरीवली गीताजली जैन
देरासर, सिपोली फाटा, बोरीवली (वेस्ट)
वम्बई-92

6. अहमदाबाद (गुजरात)

पन्यास श्री महिमा विजयजी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता:-जैन देरासर, गीता मंदिर अहमदाबाद (गुज.)

7. भोवण्डी (महाराष्ट्र)

(कुमार श्रमण)

पन्यास श्री पूर्णानन्द विजय जी म

आदि ठाणा (1)

पता.-जैन देरासर उपाश्रय, भोवण्डी जिला थाना (महा.)

8. पालड़ी-अहमदाबाद (गुजरात)

श्री चन्द्रशेखर विजयजी म.

आदि ठाणा (2)

पता:-परम आनन्द श्वे. मूर्ती पूजक जैन सघ,
वीतराग सोसायटी, पी. टी. , रोड पालड़ी
अहमदाबाद-7 (गुज.)

9. पालीताणा (गुजरात)

श्री नन्दन प्रभ विजय जी म.

आदि ठाणा (1)

38	त्रापज (गुजरात) साध्वी श्री हितनाथजी म पता - श्री जन उपाध्य, दरगा मु पा त्रापज (माराष्ट्र-गुज)	आदि ठाणा 3	50	विरमगाव (गुज) साध्वी श्री तेजप्रभाथीजी म सा	आदि ठाणा 3													
39	पालीताणा (गुज) साध्वी श्री निपुणाथीजी म सा	आदि ठाणा 8	51	बीवण्डी (महाराष्ट्र) साध्वी श्री सूर्यप्रभाथीजी म सा	आदि ठाणा 5													
40	समी जि मेहसाना (गुज) साध्वी श्री जितेन्द्रथीजी म सा	आदि ठाणा 5	52	ऊना (सीराष्ट्र गुजरात) साध्वी श्री सिद्धपूर्णाथीजी म सा	आदि ठाणा 5													
41	विरमगाव (गुज) साध्वी श्री सूर्यप्रभाथीजी म सा	आदि ठाणा 4	53	बगसरा (गुज) साध्वी श्री सूर्यकलाथीजी म सा	आदि ठाणा 3													
42	पाटन (गुज) साध्वी श्री पदमलताथीजी म सा	आदि ठाणा 4	54	साण्डेराव (राजस्थान) साध्वी श्री जमीरसाथीजी म सा	आदि ठाणा 5													
43	जामभाणवड (गुज) साध्वी श्री वीर प्रभाथीजी म सा	आदि ठाणा 4	55	पाटन (गुज) साध्वी श्री शोभागुणाथीजी म सा	आदि ठाणा 7													
44	धानेरा (गुज) साध्वी श्री ललितनाथीजी म सा	आदि ठाणा 6	<table border="1"> <tbody> <tr> <td>कुल चातुर्मास सता के</td> <td>27</td> <td>सत</td> <td>60</td> </tr> <tr> <td>कुल चातुर्मास साध्वियो के</td> <td>28</td> <td>कुल साध्विया</td> <td>163</td> </tr> <tr> <td></td> <td>कुल</td> <td>55</td> <td>कुल</td> <td>223</td> </tr> </tbody> </table>			कुल चातुर्मास सता के	27	सत	60	कुल चातुर्मास साध्वियो के	28	कुल साध्विया	163		कुल	55	कुल	223
कुल चातुर्मास सता के	27	सत	60															
कुल चातुर्मास साध्वियो के	28	कुल साध्विया	163															
	कुल	55	कुल	223														
45	जयपुर (राजस्थान) साध्वी श्री नयप्रभाथीजी म सा	आदि ठाणा 6	<hr/> कुल चातुर्मास 55 सत 60 साध्विया 163 कुल ठाणा 223															
46	जूनागढ़ (गुज) साध्वी श्री सुरताथीजी म सा	आदि ठाणा 6	<hr/> सत-सती पद तालिका															
47	भूलजीनगर-बोरोवली बम्बई साध्वी श्री हेमलताथीजी म सा	आदि ठाणा 7	जाचाय	7														
48	जामलोगली-बोरोवली बम्बई साध्वी श्री हृदयप्रभाथीजी म सा	आदि ठाणा 5	उपाध्याय	-														
49	पालीताणा (गुज) साध्वी श्री कविन्द्रथीजी म सा	आदि ठाणा 7	पन्थास	2														
			गणि	-														
			प्रनतक	-														
			प्रवर्तनिय्या	-														
			सत	60														
			साध्विया	163														
			कुल ठाणा	223														

कच्छ बागड़ देशोद्धारक आचार्य श्री कनक सूरीश्वरजी म. सा.

बागड़ वाला का समुदाय

आचार्य प्रवर श्री कलापूर्ण-सूरीश्वरजी मा. सा. के
आज्ञानुवर्ती संत-सतीयाँजी म. सा.

संत समुदाय

1. मांडवी-कच्छ (गुज.)

1. आचार्य प्रवर श्री कलापूर्ण सूरीश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (8)

पता:-श्री श्वेताम्बर जैन मंदिर,
मु पो. माण्डवी-कच्छ (गुज.)

2. मनफरा (गुजरात)

पन्याम श्री प्रीतिविजयजी म सा

आदि ठाणा (7)

पता:-श्री श्वेताम्बर जैन उपाश्रय,
मु पो मनफरा-कच्छ (गुज.)

3. पलोसवा-कच्छ (गुज.)

श्री दर्शनविजयजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता -श्री श्वेताम्बर जैन उपाश्रय,
मु पो पलोसवा-कच्छ (गुज.)

4. मून्द्रा-कच्छ (गुज.)

श्री किर्तीचन्द्र विजयजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

पता -श्री श्वेताम्बर जैन उपाश्रय,
मु पो. मून्द्रा-कच्छ (गुज.)

5. गागोदर-कच्छ (गुज.)

श्री मुक्तिचन्द्र विजयजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता:-श्री श्वेताम्बर जैन उपाश्रय,
मु पो गागोदर-कच्छ (गुज.)

6. नाकोड़ा (राजस्थान)

श्री कलहस विजयजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

पता -श्री श्वेताम्बर जैन उपाश्रय,
मु पो नाकोडा (राज.)

7. कगारा-कच्छ (गुजरात)

श्री तरुण विजयजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता:-श्री श्वेताम्बर जैन उपाश्रय,
मु पो कगारा-कच्छ (गुज.)

साध्वीयाँजी समुदाय

8. नवाड़ीसा जिला वनासकांठा (गुजरात)

साध्वी श्री नितीश्रीजी म सा.

आदि ठाणा (9)

9. सावरमती-अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री मुन्द्रा-श्रीजी म सा.

आदि ठाणा (10)

10 अहमदाबाद (गुजरात) साध्वी श्री दीलतश्रीजी म सा जादि ठाणा (15)	20 नवाडीसा जिला बनावकाठा (गुज) साध्वी श्री हेमतश्रीजी म सा जादि ठाणा (10)
11 अहमदाबाद (गुजरात) साध्वी श्री लावण्य श्री जी म सा जादि ठाणा (10)	21 नवाडीसा (गुजरात) साध्वी श्री दमयती श्रीजी म सा जादि ठाणा (8)
12 राधनपुर जिला बनावकाठा (गुज) साध्वी श्री कुमुदश्रीजी म सा जादि ठाणा (8)	22 राजकोट (गुजरात) साध्वी श्री नमीचन्द्राश्रीजी म सा जादि ठाणा (12)
13 राधनपुर जिला बनावकाठा (गुज) साध्वी श्री हीरश्रीजी म सा जादि ठाणा (9)	23 मोरवी (सौराष्ट्रगुजरात) साध्वी श्री चदनवालाजी म सा जादि ठाणा (4)
14 राधनपुर (गुजरात) साध्वी श्री भवणश्रीजी म सा जादि ठाणा (5)	24 जहमदाबाद (गुजरात) साध्वी श्री हेमश्रीजी म सा जादि ठाणा (8)
15 राधनपुर (गुजरात) साध्वी श्री जयमद्रा श्रीजी म सा जादि ठाणा (6)	25 छमात जिला खेडा (गुजरात) साध्वी श्री नियधर्मा श्रीजी म सा जादि ठाणा (4)
16 अहमदाबाद (गुजरात) साध्वी श्री चंद्रयाश्रीजी म सा जादि ठाणा (5)	26 पालीताणा जिला सुरेन्द्रनगर (गुज) साध्वी श्री निर्मलाश्रीजी म सा जादि ठाणा (10)
17 अहमदाबाद (गुजरात) साध्वी श्री सुगुणा श्रीजी म सा जादि ठाणा (7)	27 अहमदाबाद (गुजरात) साध्वी श्री नमदा श्रीजी म सा जादि ठाणा (6)
18 अहमदाबाद (गुजरात) साध्वी श्री चंद्रकला श्रीजी म सा जादि ठाणा (9)	28 पालनपुर (गुजरात) साध्वी श्री विद्युत्प्रभाश्रीजी म सा जादि ठाणा (10)
19 जूनागड (सौराष्ट्र गुजरात) साध्वी श्री चंद्राना श्रीजी म सा जादि ठाणा (16)	29 सिन्धुडी जिला सुरेन्द्रनगर (गुज) साध्वी श्री सुलाचना श्रीजी म सा जादि ठाणा (8)

- | | |
|------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------|
| 30. बोरसद (सौराष्ट्र) (गुजरात)
साध्वी श्री प्रफुल्लप्रभाश्रीजी म.सा
आदि ठाणा (9) | 40. गागोदर-कच्छ जिला भुज (गुजरात)
साध्वी श्री विमलश्रीजी म.सा
आदि ठाणा (8) |
| 31. बोटद (गुजरात)
साध्वी श्री चन्द्रगुणश्रीजी म.सा.
- आदि ठाणा (4) | 41. भचाऊ-कच्छ जिला भुज (गुजरात)
साध्वी श्री चन्द्रोदयश्रीजी म सा.
आदि ठाणा (12) |
| 32. राधनपुर जिला बनासकांठा (गुजरात)
साध्वी श्री विजयलताश्रीजी म सा.
आदि ठाणा (5) | 42. आघोई-कच्छ जिला भुज (गुजरात)
साध्वी श्री चन्द्ररेखाश्रीजी म सा.
आदि ठाणा (6) |
| 33. राधनपुर जिला बनासकांठा (गुजरात)
साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी म सा
आदि ठाणा (6) | 43. भरुकीया-कच्छ जिला भुज (गुजरात)
साध्वी श्री नित्योदयश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (2) |
| 34. पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री पुष्पचुलाश्रीजी म.मा.
आदि ठाणा (12) | 44. मांडवी-कच्छ जिला भुज (गुज.)
साध्वी श्री अनुपमाश्रीजी म.मा.
आदि ठाणा (11) |
| 35. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री सुलसाश्रीजी म सा
आदि ठाणा (6) | 45. मांडवी-कच्छ जिला भुज (गुज.)
साध्वी श्री धर्मकलाश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (3) |
| 36. वाव जिला बनासकांठा (गुजरात)
साध्वी श्री भद्रगुणाश्रीजी म सा.
आदि ठाणा (4) | 46. भीमासर-कच्छ जिला भुज (गुज.)
साध्वी श्री यशस्वतीश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (3) |
| 37. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री अहणाश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (10) | 47. अंजार-कच्छ जिला भुज (गुज.)
साध्वी श्री क्षेमंकराश्रीजी म सा.
आदि ठाणा (8) |
| 38. लाकड़िया-कच्छ जिला भुज (गुज.)
साध्वी श्री चारित्रश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (9) | 48. भुजपुर-कच्छ जिला भुज (गुज.)
साध्वी श्री दिवाकरश्रीजी म.मा
आदि ठाणा (3) |
| 39. लाकड़िया-कच्छ (गुजरात)
साध्वी श्री सुशीलगुणश्रीजी म सा
आदि ठाणा (2) | 49. भुज-कच्छ (गुजरात)
साध्वी श्री दिनमणीश्रीजी म सा.
आदि ठाणा (14) |

50	मून्दा-कच्छ जिला भुज (गुज) साध्वी श्री अतिमुक्ताश्रीजी म सा आदि ठाणा (6)	60	वेरावल-सौराष्ट्र (गुजरात) साध्वी श्री नित्यान दाश्रीजी म सा आदि ठाणा (6)												
51	लोडाई-कच्छ जिला भुज (गुजरात) साध्वी श्री सुदक्षाश्रीजी म सा आदि ठाणा (4)	61	हलवद-सौराष्ट्र (गुजरात) साध्वी श्री निवेदगुणाश्रीजी म सा आदि ठाणा (4)												
52	रापर-कच्छ जिला भुज (गुजरात) साध्वी श्री चारुधर्माश्रीजी म सा आदि ठाणा (4)	62	अहमदाबाद जिला अहमदाबाद (गुज) साध्वी श्री निममाश्रीजी म सा आदि ठाणा (4)												
53	सामखियाली कच्छ जिला भुज (गुजरात) साध्वी श्री अनतकिर्तीश्रीजी म सा आदि ठाणा (3)	63	यान जिला सुरे द्रनगर (गुजरात) साध्वी श्री चन्द्रज्योतिश्रीजी म सा आदि ठाणा (5)												
54	घाणोवर-कच्छ जिला भुज (गुज) साध्वी श्री हेमकलाश्रीजी म सा आदि ठाणा (4)	64	नादेज-सौराष्ट्र (गुजरात) साध्वी श्री चन्द्रजिताश्रीजी म सा आदि ठाणा (4)												
55	हलरा-कच्छ जिला भुज (गुजरात) साध्वी श्री सुन दाश्रीजी म सा आदि ठाणा (3)	65	गुजरात मे योग्य स्थल (गुजरात) साध्वी श्री जिनके चातुर्मास के बारे मे सूचनाए नहीं मिल सकी । आदि ठाणा (56)												
56	मनफरा-कच्छ जिला भुज (गुजरात) साध्वी श्री कुवलयाश्रीजी म सा आदि ठाणा (8)	<table border="1"> <tbody> <tr> <td>कुल चातुर्मास सतो के</td> <td>7</td> <td>कुल सत</td> <td>28</td> </tr> <tr> <td>कुल चातुर्मास सतिया के</td> <td>58</td> <td>कुल सतियाँ</td> <td>451</td> </tr> <tr> <td></td> <td>कुल</td> <td>कुल</td> <td>479</td> </tr> </tbody> </table>		कुल चातुर्मास सतो के	7	कुल सत	28	कुल चातुर्मास सतिया के	58	कुल सतियाँ	451		कुल	कुल	479
कुल चातुर्मास सतो के	7	कुल सत	28												
कुल चातुर्मास सतिया के	58	कुल सतियाँ	451												
	कुल	कुल	479												
57	सातलपुर जिला बनासकाठा (गुज) साध्वी श्री चन्द्रकान्ताश्रीजी म सा आदि ठाणा (4)	<table border="1"> <tbody> <tr> <td>कुल चातुर्मास</td> <td>66 सत</td> <td>28 सतियाँ</td> <td>451 कुल ठाणा</td> <td>479</td> </tr> </tbody> </table>		कुल चातुर्मास	66 सत	28 सतियाँ	451 कुल ठाणा	479							
कुल चातुर्मास	66 सत	28 सतियाँ	451 कुल ठाणा	479											
सत सती तालिका															
58	प्रागपुर-कच्छ जिला भुज (गुज) साध्वी श्री पुण्यप्रभाश्रीजी म सा आदि ठाणा (5)	आचाय	1												
		पयस	-												
		गणि	-												
		प्रवतक	-												
59	बड़वाण जिला सुरे द्रनगर (गुज) साध्वी श्री चारुलताश्रीजी म सा आदि ठाणा (6)	मुनि	28												
		साध्विया	451												
		कुल ठाणा	479												

शासन प्रभावक आचार्य प्रवर श्री विजय मोहन सूरीश्वरजी म. सा. का समुदाय

आचार्य प्रवर श्री विजय यशोदेव सूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वीयाँजी

संत समुदाय

1. पालीताणा (गुजरात)

1. आचार्य प्रवर श्री विजय यशोदेव सूरीश्वरजी
म. सा.,

पन्यास श्री वाचस्पति विजयजी म. सा.

आदि ठाणा (4)

पता:—जैन साहित्य मन्दिर,
पालीताणा (सौराष्ट्र-गुजरात)

2. गोवालिया टेंक-वम्बई (महाराष्ट्र)

आचार्य प्रवर श्री जयानन्द सूरीश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा (6)

पता:—87 गोवालिया टेंक, आराधना जैन
देरासर उपाश्रय, वम्बई-36

3. रायपुर (मध्यप्रदेश)

आचार्य प्रवर श्री कनक रत्न सूरीश्वरजी म. सा

आदि ठाणा (7)

पता.—जैन उपाश्रय,
मु. पो. रायपुर (म. प्र)

4. बड़ौदा (गुजरात)

पन्यास श्री महानन्द विजय जी म. सा

आदि ठाणा (6)

पता.—जैन उपाश्रय,

जान शेरी घटियाण पोत, बड़ौदा (गुजरात)

5. बड़ौदा (गुजरात)

पन्यास श्री सूर्योदय विजय जी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता:—जैन देरासर उपाश्रय,

रावपुरा, कोठी पोल, बड़ौदा (गुजरात)

6. मरीन ड्राईव-वम्बई (महाराष्ट्र)

गणि श्री पद्मानन्द विजय जी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता.—जैन उपाश्रय, पाटन जैन मंडप,

मरीन ड्राईव वम्बई-20

7. बड़ौदा (गुजरात)

गणि श्री पूर्णानन्द विजय जी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता—आराधना भुवन, जैन उपाश्रय,

कारेली वाग, बड़ौदा (गुजरात)

8. अंधेरी-वम्बई (महाराष्ट्र)

श्री सुबोध विजय जी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता:—पार्श्व दर्शन, विन्डिंग, जैन देरासर,

जूना नागरदास रोड, अंधेरी (पूर्व), वम्बई-69

9. मकड़ा-कच्छ (गुजरात)

श्री माणिक विजय जी म. सा.

आदि ठाणा

पता—जैन उपाश्रय,

मकड़ा-कच्छ (गुजरात)

- पता —श्रीमाली बागो, जैन उपाश्रय,
मु पो उमोई जिला बडोदा (गुज)
- 35 बडोदा (गुजरात)
साध्वी श्री मगे द्रश्रीजी म
जादि ठाणा (18)
- पता —जैन उपाश्रय, मामानी पाल,
रावपुरा, बडादा (गुजरात)
- 36 ओरगाबाद (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री सुलक्षणाश्रीजी म
जादि ठाणा (4)
- पता —जैन उपाश्रय, जाहरीबाग,
ओरगाबाद (महाराष्ट्र)
- 37 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री कुमुदप्रभा श्रीजी म
जादि ठाणा (13)
- पता —कुमुद कल्प स्वाध्याय मंदिर,
फतेहपुरा, अहमदाबाद (गुज)
- 38 गुजरात मे योग्य स्थल (गुजरात)
साध्वी श्री मनारमाश्रीजी म
जादि ठाणा (3)
- 39 गोवालिया टैंक-बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री प्रियवदाश्रीजी म
जादि ठाणा (13)
- पता —मासल अपाटमटस,
3 माला, गावालिया टैंक, बम्बई-36
- 40 पूना (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री पदमयशा श्री जी म
जादि ठाणा (3)
- पता —महिला उपाश्रय, गार्दाजी जैन मंदिर,
111 मुहसार पठ, पूना (महा)-411 002
- 41 भावनगर (गुजरात)
साध्वी श्री धमप्रभा श्री जी म
जादि ठाणा (1)
- पता —दादा साहब जैन देरासर,
काला नाका, भावनगर (गुज)
- 42 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री विमला श्री जी म
जादि ठाणा (3)
- पता —हजारो निवाम,
तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात)
- 43 पचपादरा (गुजरात)
साध्वी श्री पदमयशा श्री जी म
जादि ठाणा (4)
- श्वे त्रिया भवन, पदरा सीटी, मु पचपादरा,
पास्ट बालातरा जिला वाडमेर (राज)
- 44 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री पुष्पयशा श्री जी म
जादि ठाणा (4)
- पता —आनन्द भवन, तलेटी राड, पालीताणा,
जिला भावनगर (गुजरात)
- 45 बडोदा (गुजरात)
साध्वी श्री ललितागयशा श्री जी म
जादि ठाणा (2)
- पता —जन उपाश्रय, आत्माराम पाक,
कारली भाग, बडोदा (गुजरात)
- 46 राजकोट (गुजरात)
साध्वी श्री सुयशा श्री जी म
ठाणा (1)
- 47 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री चद्रा श्री जी म
जादि ठाणा (1)
- पता —मार्ताशा नी पडी, पानीताणा (गुजरात)
- 48 चूडा (गुजरात)
साध्वी श्री दमयती श्री जी म
जादि ठाणा (6)

पता—जैन उपाश्रय,
मु पो चूडा-सौराष्ट्र (गुजरात)

55. पालीताणा (गुजरात) :
साध्वी श्री हीरा श्री जी म.

ठाणा (1)

49. जैतपुर (गुजरात) :
साध्वी श्री कनक प्रभा श्री जी म

पता—हट्ठीभाई नी मंडेर,
पालीताणा (गुजरात)

आदि ठाणा (3)

पता:—उजडया जैन उपाश्रय,
जैतपुर (गुजरात)

50. पालीताणा (गुजरात) :
साध्वी श्री कनक प्रभा श्री जी म

कुल चातुर्मास संतों के	11	कुल संत	40
कुल चातुर्मास साध्वियों के	44	कुल साध्वियाँ	179
	—		—
कुल	55	कुल	219

ठाणा (1)

पता—श्रमणी विहार, पालीताणा
(गुजरात)

कुल चातुर्मास 55 संत 40 साध्वियाँ 179
कुल ठाणा 219

51. तलोद (गुजरात) :
साध्वी श्री तत्वगुणा श्री जी म.

ठाणा (1)

संत-सती पद तालिका

पता—जैन उपाश्रय,
मु पो तलोद (उत्तर-गुजरात)

52. पालीताणा (गुजरात) :
साध्वी श्री तत्व श्री जी म

ठाणा (1)

आचार्य	3
उपाध्याय	—
पन्याम	3
गणि	3
प्रवर्तक	—
प्रवर्तिनयां	1
मुनि	40
साध्वियां	179
कुल ठाणा	219

53. दहीसर-वम्बई (महाराष्ट्र) :
साध्वी श्री कुमुम श्री जी म (खेडा वाला)

ठाणा (1)

पता—जैन देरासर पेढी,
स्टेशन सामने, दहीसर, वम्बई-68

54. अहमदाबाद (गुजरात) :
साध्वी श्री दिव्ययशा जी म.

आदि ठाणा (2)

पता—किर्ती सोसायटी, धनेश्वर,
बगला न. 3, सावरमती,
अहमदाबाद (गुज)



योग्य निष्ठ आचार्य प्रवर श्री विजयकेशर
सूरिस्वरजी म. सा. का समुदाय

गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री विजय भुवनरत्न सूरिस्वरजी
म सा के आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वियाँजी

सत समुदाय

- 1 पालढो-अहमदाबाद (गुजरात) जादि ठाणा (2)
गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री विजय भुवन
रत्न सूरिस्वरजी म सा
गणि—श्री यगो विजयजी म सा
जादि ठाणा (3)
पता—जैन नगर उपाश्रय,
नवा शारदा मंदिर राड,
पालढो-अहमदाबाद (गुज) 380007
- 2 पालीताणा (गुजरात) जादि ठाणा (2)
आचार्य प्रवर श्री विजय स्वयंप्रभ सूरिस्वरजी म सा
जादि ठाणा (2)
पता—गिरि विहार, तलेटी राड,
पालीताणा (गुज) मोराष्ट्र
- 3 हैदराबाद (आंध्रप्रदेश) जादि ठाणा (4)
पन्थाम श्री हमप्रभ विजयजी म सा
जादि ठाणा (4)
पता—श्री महावीर स्वामी जैन दरामर, जैन उपाश्रय,
फौनधाना, हैदराबाद (आंध्रप्रदेश)
- 4 अहमदाबाद (गुजरात) जादि ठाणा (2)
श्री विभाकर विजयजी म सा
जादि ठाणा (2)
पता—श्री जैन उपाश्रय, जीवराज पाक,
अहमदाबाद (गुजरात)
- 5 जामनगर (गुजरात) जादि ठाणा (2)
श्री नाम्कर विजयजी म सा
पता—श्री मोहन विजय जैन पाठशाला,
जामनगर (साराष्ट्र)
- 6 अहमदाबाद (गुज) जादि ठाणा (2)
श्री जाणद विजयजी म सा
पता
जादि ठाणा (2)
- 7 सुरेद्रनगर (सौराष्ट्र) जादि ठाणा (2)
श्री हसप्रभ विजयजी म सा
जादि ठाणा (2)
पता—श्री जाणन्दजी कल्याणजी पट्टी जैन उपाश्रय,
मुनि बोमण माण, सुरेद्रनगर (गुज)
- 8 पालीताणा (गुजरात) जादि ठाणा (2)
श्री हरिभद्र विजयजी म सा
जादि ठाणा (2)
पता—गिरि विहार, तलेटी राड,
पालीताणा (मोराष्ट्र)

महासतियाँजी समुदाय

- 9 बीलीमोरा (गुजरात) जादि ठाणा (8)
प्रवर्तिनी माध्वी श्री नेमश्रीजी म
जादि ठाणा (8)

- पता:—जैन उपाश्रय, देरासर
त्रिलीमोरा (गुज.) जिला वलसाड
10. पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री ज्ञानश्रीजी म
आदि ठाणा (8)
पता:—गिरि विहार, तलेटी रोड,
पालीताणा (सौराष्ट्र)
11. शाहपुर-अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री वल्लभश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
पता:—मंगल पारेखनो खाचो, जैन उपाश्रय,
शाहपुर-अहमदाबाद (गुज.)
12. सुरेन्द्रनगर (गुजरात)
साध्वी श्री हस्तीश्रीजी म
आदि ठाणा (9)
पता:—उपरोक्त
13. पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री प्रभाश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
पता:—गिरि विहार, तलेटी रोड,
पालीताणा (सौराष्ट्र)
14. भावनगर (गुजरात)
साध्वी श्री विनिताश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता:—जैन देरामर उपाश्रय, वडवा,
भावनगर (गुजरात)
15. मुत्तुण्ड-बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री मधुकान्ताश्रीजी म
आदि ठाणा (11)
पता:—श्री वासुपूज्य स्वामी जैन देरासर,
जवेर रोड, मुत्तुण्ड (वेस्ट) बम्बई-80
16. पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री राजेन्द्रश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता—उपरोक्त
17. सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री चपकश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता:—गोपीपुरा, सूरत (गुज.)
18. पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री रमणीकश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता:—उपरोक्त
19. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री विनयप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता:—विजयचन्द्र सूरि जैन ज्ञान मंदिर,
नवरंग कालोनी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-9
20. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री प्रशांतश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता:—शेठनो उपाश्रय, वाघण पोल,
जवेरी रोड, अहमदाबाद-1
21. सावरमती-अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री पदमप्रभाश्रीजी म.
आदि ठाणा (5)
पता.—जैन उपाश्रय, आम्रकुज सोमायटी, रामगनगर
सावरमती, अहमदाबाद (गुजरात)
22. हेंदराबाद (आन्ध्रप्रदेश)
साध्वी श्री कुमुमश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता:—उपरोक्त क्रमांक 3

- 23 घाटकोपर-बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री हुसाश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता -श्री पार्वनाथ पंढी, सपाणी इस्टेट,
13, साईनगर, एलशवी शास्त्री मार्ग,
घाटकोपर (वेस्ट) बम्बई-8
- 24 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री निमलप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता -जैन उपाश्रय, सदर बाजार केम्प,
चार रास्ता, अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
- 25 काविवली बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री श्रेयशकरश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता -श्री मुनिसुवत स्वामी जैन देरासर,
मुलाभाई दसाई रोड,
काविवली (पश्चिम) बम्बई-67
- 26 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री चंद्रशेखरश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
पता -गिरी विहार, तलेटी रोड,
पालीताणा (सीराष्ट्र)
- 27 सावरमती अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री अनंतप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
पता -गंजी वहिल का उपाश्रय,
रामनगर, धरसीडानी चाल,
सावरमती, अहमदाबाद (गुज)
- 28 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री विश्वप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता -हट्टीभाईनी वाडी, अहमदाबाद (गुज)
- 29 सुलजानपुर (गुजरात)
साध्वी श्री प्रियदशनाश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
- 30 अमरेली (गुजरात)
साध्वी श्री कल्पगुणाश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता -श्री मभवनाथ जैन देरासर,
जूनी बाजार, अमरेली (गुजरात)
- 31 जवलपुर (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री महाप्रज्ञाश्रीजी म
आदि ठाणा (5)
पता -जैन देरासर सराफा बाजार,
मु पो जवलपुर (मध्यप्रदेश)
- 32 अंधेरी-बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री ज्योतिप्रज्ञाश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता -जैन उपाश्रय, पारस नगर,
अंधेरी (पूर्व) बम्बई (महा)
- 33 जामनगर (गुजरात)
साध्वी श्री विश्वज्योतिश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता -जैन देरासर, जामनगर (सीराष्ट्र)
- 34 पालनपुर (गुजरात)
साध्वी श्री मजुलाश्रीजी म
आदि ठाणा (5)
पता -श्री खरतरगच्छ उपाश्रय, हनुमान शेरी,
मु पो पालनपुर जिला बनासकाठा (गुज)
- 35 पालनपुर (गुजरात)
साध्वी श्री वमन्तप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता -काजीभाई उपाश्रय, मोटा देरामर पारि,
मु पो पालनपुर जिला बनासकाठा (गुज)

36. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री उदयप्रभाश्रीजी म.

आदि ठाणा (6)

पता—जैन उपाश्रय, जैन नगर,
नवा सरदार मंदिर रोड,
पालड़ी-अहमदाबाद (गुजरात)

37. नन्दूरवार (गुजरात)

साध्वी श्री नयपूर्णाश्रीजी म

आदि ठाणा (2)

पता:—जैन देरासर, मु.पो. नन्दूरवार(खानदेश)
जिला धुलिया (महाराष्ट्र)

38. शान्ताक्रुझ-बम्बई (महाराष्ट्र)

साध्वी श्री ब्रजसेनाश्रीजी म.

आदि ठाणा (18)

पता—श्री सभवनाथ जैन देरासर, एन्ड्रेजा रोड,
शान्ताक्रुझ (वेस्ट) बम्बई-54

39. नवसारी (गुजरात)

साध्वी श्री मेरुशीलाश्रीजी म.

आदि ठाणा (7)

पता:—मधुमति, मु.पो. नवसारी
जिला वलसाड़ (गुज.)

40. होसपेट (कर्नाटक)

साध्वी श्री कल्पगुणाश्रीजी म.

आदि ठाणा (5)

पता:—जैन देरासर उपाश्रय,
मु.पो. होसपेट (कर्नाटक)

41. बेल्लारी (कर्नाटक)

साध्वी श्री विनयरत्नाश्रीजी म.

आदि ठाणा (3)

पता—जैन देरासर मु.पो. बेल्लारी,
जिला रायचूर (कर्नाटक)

42. गारीयाधर (गुजरात)

साध्वी श्री निरंजनाश्रीजी म

आदि ठाणा (2)

पता.—जैन देरासर, मु.पो. गारीयाधर,
जिला भावनगर (सौराष्ट्र)

43. बोरीवली-बम्बई (महाराष्ट्र)

साध्वी श्री सूर्यप्रभाश्रीजी म

(7)

आदि ठाणा,

पता.—बहिनी का उपाश्रय,
दौलतनगर रोड नं. 7
बोरीवली (पूर्व) बम्बई-66

कुल चातुर्मास संतो के	8	कुल संत	19
कुल चातुर्मास साध्वियों के	35	कुल साध्वियाँ	155
कुल	43	कुल	174

कुल चातुर्मास 43 संत 19 सतिाय 155

कुल ठाणा 174

संत सती पद तालिका

आचार्य	2
पन्यास	1
गणि	1
प्रवर्तक	नही
प्रवर्तिनी	1
मुनि	19
साध्विया	155
कुल ठाणा	174



श्री मोहनलालजी म. सा. का समुदाय
आचार्य प्रवर श्री चिदानन्द सूरेश्वरजी म सा. के
आज्ञानुवर्ती सत-सतियाँजी म. सा.

सत समुदाय

1 नन्दूरबार (महाराष्ट्र)

आचार्य प्रवर श्री चिदानन्द सूरेश्वरजी
म सा

जादि ठाणा (3)

पता - श्री श्वे मूर्तिपूजक जैन सघ, जैन उपाध्य,
श्री अजीतनाथ का मन्दिर, मु पो न दूरबार,
जिला धुलिया (महाराष्ट्र) 425412

2 सूरत (गुजरात)

श्री भक्ति मुनिजी म सा

जादि ठाणा (3)

पता - श्री माहनमुनिजी जन उपाध्य,
गोपीपुरा, मेनराड, सूरत (गुज)

3 सुमेरपुर (राजस्थान)

श्री हरिऔष मुनिजी म सा

जादि ठाणा (2)

पता - श्री जन उपाध्य,
मु पो सुमेरपुर (राजस्थान)

4 पाली-भारवाड (राजस्थान)

विद्वदय श्री सुयश मुनिजा म सा

जादि ठाणा (6)

पता - शठ नवलचंद सुप्रतचंद जन पडी,
गुजराती बटला पाली-भारवाड
(राज) 307101

5 अहमदाबाद (गुजरात)

श्री चंद्रशेखर मुनिजी म सा

जादि ठाणा (3)

पता - अकुर सामायटी, वारणपुरा,
अहमदाबाद (गुज) 380001

6 इंदौर (मध्यप्रदेश)

श्री प्रियदशन मुनिजी म सा

जादि ठाणा (2)

पता - श्री लाल मन्दिर, पीपली बाजार,
इंदौर-452002 (म प्र)

महासतियाँजी समुदाय

7 पालीताणा (गुजरात)

साध्वी श्री जम्बूश्रीजी म

जादि ठाणा (6)

8 पाली-भारवाड (राजस्थान)

साध्वी श्री विनयश्रीजी म

जादि ठाणा (3)

पता - उपराक्त

"

9 मालवाडा (राजस्थान)

साध्वी श्री कमलश्रीजी म

जादि ठाणा (3)

पता:—जैन उपाश्रय,
मु.पो. मालवाडा (राजस्थान)

18. पीपंवाड़ा (राजस्थान)
साध्वी श्री दयाश्रीजी म

आदि ठाणा

10. शिवगंज (राजस्थान)

साध्वी श्री कविन्द्रश्रीजी म.

आदि ठाणा (3)

11. शिवगंज (राजस्थान)

साध्वी श्री हेमलताश्रीजी म.

आदि ठाणा

12. सादड़ी (राजस्थान)

साध्वी श्री प्रेमलताश्रीजी म.

आदि ठाणा (3)

13. पालड़ी-अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री जयतीश्रीजी म

आदि ठाणा

14. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री सुमगलाश्रीजी म.

आदि ठाणा

पता:—हट्ठीभाईनी वाडी,
अहमदाबाद (गुज.)

15. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री किर्तीप्रभाजी म.

आदि ठाणा

16. देसुरी (राजस्थान)

साध्वी श्री गयमश्रीजी म

आदि ठाणा

17. वावाई (राजस्थान)

साध्वी श्री जयाश्रीजी म

आदि ठाणा

कुल चातुर्मास संतों के	6	कुल संत	18
कुल चातुर्मास साध्वियों के	12	कुल साध्वियाँ	40
	---		---
कुल	18	कुल	58
	---		---

कुल चातुर्मास 18 संत 18 साध्वियाँ 40
कुल ठाणा 58

संत-सती पद तालिका

आचार्य	1
सत	18
साध्वियाँ	40
कुल ठाणा	58



आचार्य श्री विजय सिद्धी सूरिश्वरजी (बापजी)
म. सा का समुदाय

आचार्य श्री विजय भद्रकर सूरिश्वरजी म सा. के
आज्ञा. सत-सतियाँजी म सा

1 आचार्य श्री विजय भद्रकर सूरिश्वरजी
म सा

आदि ठाणा
पता - जपेरा मामायटी जैन उपाश्रय,
पालडी जहमदावाद-7

कुल चातुर्मास	10
कुल सत	25
कुल साध्वियाजी	300
कुल ठाणा	325

2 आचार्य श्री विजय विद्युधरम सूरिश्वरजी म सा
आदि ठाणा

नाट - चातुर्मास प्रारंभ हान क 21 दिन बाद भी सूचियाँ
प्राप्त नहऱ हा मकी अत यहा जो सख्या दी है वह
अनुमान म हो लियी ह । विवशता क लिए क्षमा करें ।

3 आचार्य श्री विजय जिनचंद्र सूरिश्वरजी म सा
आदि ठाणा

—मम्मादक

॥ श्री नाकाढा भेरैवाय नम ॥

हार्दिक शुभकामनाओ सहित—

कान्ति ट्रेडिंग मिल्स

□ रगीन व प्रिन्टेड वॉयल व रूबिया के निर्माता एव विक्रेता □

जन मार्केट के अन्दर, पाली-नारवाड 306401

□

Shop 21576

Rest 22758

उत्तमचन्द्र शान्तिलाल नाबरिया

कपडे के थोक व्यापारी

सोजत सीटी (राज)

आचार्य श्री विजयभद्र सूरेश्वरजी म.सा. का समुदाय

आचार्य श्री ऊँकार सूरेश्वरजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती
संत-सतियाँजी म.सा.

1. जूना डीसा (गुजरात)

आचार्य श्री ऊँकार सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा . . .

पता—जैन उपाश्रय, जूना डीसा वाया पालनपुर
जिला वनासकाठा (गुज)

3 सांचौर (राजस्थान)

श्री जिनचन्द्र विजयजी म सा आदि ठाणा . . .

पता—जैन उपाश्रय, सांचौर जिला जालौर (राज.)

कुल चातुर्मास 40 संत 23 साध्वियों 140 कुल ठाणा
163

2. राजपुर (गुजरात)

पत्यास श्री अरविन्द विजयजी म सा.

आदि ठाणा

पता—जैन उपाश्रय, राजपुर वाया पालनपुर
जिला वनासकाठा (गुज)

नोट—इस सम्प्रदाय की भी पूरी सूची प्राप्त नहीं हो सकी
अतः सभी ठाणाओ के नाम, चातुर्मास स्थल का पता
आदि नहीं दे सके, क्षमा करे। कुल ठाणाओं का टोटल
लगा दिया है।

With best compliments from :

Phone } 555
777

Jain Industries

E-1, Industrial Estate, Ratlam-457001 (INDIA)

Manufacturers of :

Bright Steel Bars & Shafting

M.S. En8. En9. Etc.

हादिक सुभकामनायो महित :

Parasmull Bumb

S. Kanhayalal Parasmull

10 Polliyyar Koil Street
Ashok Nagar Shooliy BANGALORE-560025 (Karnataka)
Tel No 572024

* अचलगच्छ समुदाय

स्वामीजी, जन्मदिन पर शुभकामनाओं सहित—
 श्रीगुरुदेवकी कृपासे सुख-समृद्धि-सहित रहें।

हादिक शुभकामनाओं सहित—



Ridhakaran Betala

51, North Boag Road

MADRAS-600 017

Phone 115177

**शासन सम्राट, तपोनिधि, भारत दिवाकर, श्री अचल
गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री गुण सागर
सूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्तों
साधु-साधिव्यांजी म. सा.**

मुनिराज समुदाय

1. शान्ताकुञ्ज-वम्बई (महा.)
शासन सम्राट, तपोनिधि भारत दिवाकर
अचल गच्छाधिपति आचार्य श्री गुणसागर
सूरीश्वरजी म. सा.
आदि ठाणा (7)
पता.—श्री कलिकुण्ड पार्श्वनाथ जैन मंदिर,
नेहरू रोड़, रूपटाकीज पीछे
शाताकुञ्ज (पूर्व) वम्बई-55
2. गुणनगर-कच्छ (गुज.)
आचार्य श्री गुणोदय सागर सूरीश्वरजी म सा.
आदि ठाणा (4)
पता —य. व. 72 जिनालय तीर्थ, मु गुणनगर
पो तलवाण ता. माडवी कच्छ
(गुज) 370465
3. घाटकोपर-वम्बई (महा.)
गणिवर्य श्री कलाप्रभ सागरजी म सा
आदि ठाणा (7)
पता —श्री जीरावल्लि पार्श्वनाथ जैन देरामर,
देरामर लेन, घाटकोपर (पूर्व) वम्बई-77
4. नरेडी-कच्छ (गुज.)
श्री वीर भद्र सागरजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता —जैन उपाश्रय,
मु पो. नरेडी ता. अग्रगामा-कच्छ (गुज.)
5. नाला सोपारा-वम्बई (महा.)
श्री महोदय सागरजी म सा
आदि ठाणा (3)
पता.—वर्तक ऐनेक्स, तुलीज रोड, नालासोपारा (पूर्व)
जि ठाणा (महा) 401203
6. भुजपुर-कच्छ (गुज.)
श्री महाभद्र सागरजी म सा
आदि ठाणा (3)
पता.—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय,
मु. पो भुजपुर ता. मून्द्रा-कच्छ (गुज)
7. थाणा-वम्बई (महा.)
श्री हरिभद्र सागरजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता —श्री अचल गच्छ जैन उपाश्रय, गांतम लव्धि विल्डिग
वीर सावरकर रोड़, थाणा (महा) 400601
8. डीग्रस (महा.)
श्री पुण्योदय सागरजी म सा
आदि ठाणा (3)
पता —श्री अचल गच्छ जैनमध मार्फत सजयकिराणा स्टोमं,
मु पो डीग्रस जिला यवतमाल (महा.) 145203
9. गोरगाव-वम्बई (महा.)
श्री गवोदय सागरजी म सा
आदि ठाणा (1)
पता —श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय,
राजेन्द्र पार्क 1 माना, स्टेशन रोड़,
गोरगाव (वेस्ट) वम्बई-62

- 10 देवपुर कच्छ (गुज)
श्री मलयसागरजी म सा
आदि ठाणा (3)
पता—श्री जन उपाश्रय,
मु पा देवपुर (गढवाली) त्रया मुज
त माडवी-कच्छ (गुज)
-
- साध्वीयाँजी समुदाय**
- 11 माडवी-कच्छ (गुजरात)
प्रमुख साध्वी श्री दशन त्रीजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री जचलगच्छ जन महिला उपाश्रय,
रञ्जुदाशो ना घर, माम, छापरा शेरी, र टी मा
राड माण्डवी-कच्छ (गुज) 370465
- 12 पालीताणा (गुज)
साध्वी श्री हरप्रश्रीजी म सा
आदि ठाणा (3)
पता—लालगण जन सामायटी, जामवाल क पाम,
दाडिधा निवास तेटी राड,
पालीताणा (माराट्र) 364270
- 13 साभराई कच्छ (गुज)
साध्वी श्री गिरीनर त्रीजी म सा
आदि ठाणा (3)
पता—श्री जन दरामर, मु पा साभराई
ता माण्डवी-कच्छ (गुज)
- 14 जन आश्रम नागलपुर (गुज)
साध्वी श्री हम श्रीजी म सा
साध्वी श्री जयत श्रीजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री जन दरामर, जन आश्रम,
मु पा नागलपुर ता माण्डवी-कच्छ (गुज)
- 15 मुथरी-कच्छ (गुज)
साध्वी श्री नरद्रश्रीजी म सा
आदि ठाणा (6)
पता—श्री जन दरामर
मु पा मुथरी ता जयदामा-कच्छ (गुज)
- 16 पालीताणा (गुज) क
साध्वी श्री हमलता त्रीजी म सा
आदि ठाणा (4)
पता—श्री नरती नाथा धमशाला
मु पा पालीताणा (माराट्र)
(गुज) 361270
- 17 पालीताणा (गुज)
साध्वी श्री चंद्रप्रभा त्रीजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—राजेद्र भवन, तनटी राड, पालीताणा
(माराट्र) (गुज) 364270
- 18 शेरडी-कच्छ (गुज)
साध्वी श्री सुययनाश्रीजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री जन दरामर,
मु पा शेरडी ता माण्डवी-कच्छ (गुज)
- 19 मारसीम (राजस्थान)
साध्वी श्री प्रियवदाश्री जी म सा
आदि ठाणा (3)
पता—श्री जचलगच्छ जन मदिह
मु पा मारसीम जिला जालौर
(राज)
- 20 हातापुर-कच्छ (गुज)
साध्वी श्री सुलदाण श्रीजा म सा
आदि ठाणा (1)
पता—श्री जन दरामर
मु पा हातापुर ता माण्डवी-कच्छ (गुज)
- 21 माण्डुप बम्बई (महा)
साध्वी श्री निरजनाश्रीजी म सा
आदि ठाणा (3)

- पता—श्री क वी ओ अचलगच्छ जैन उपाश्रय,
शक्ति विल्डिग-वी, आर्कोड 1 माला
एल. वी मार्ग मगल फटेवर
भाण्डुप (पश्चिम) वम्बई-78
22. कोटडा-कच्छ (गुज.)
साध्वी श्री अमरेन्द्रश्रीजी म सा
आदि ठाणा (3)
पता—श्री जैन देरासर
मु पो कोटडा (रोहा) वाया भुज-कच्छ (गुज)
23. काडागरा (गुज.)
साध्वी श्री खीर भद्रा श्रीजी म सा
आदि ठाणा (4)
पता—श्री जैन देरासर
मु. पो काडागरा. मून्द्रा-कच्छ (गुज)
24. कोडाय-कच्छ (गुजरात)
साध्वी श्री हीरप्रभा श्री जी म सा
आदि ठाणा (3)
पता—श्री जैन देरामर
मु पो कोडाय ता माण्डवी-कच्छ (गुज)
25. वडाला-वम्बई (महा.)
साध्वी श्री पुण्योदयश्रीजी म सा
आदि ठाणा (6)
पता.—श्री अचलगच्छ जैन देरामर, श्रीपमा लेवोरेटरी
के पीछे, आर ए किदवई रोड, वडाला वम्बई-31
25. चीचबन्दर-वम्बई (महा.)
साध्वी श्री चारुलताश्रीजी म सा.
आदि ठाणा (1)
पता.—श्री क वी ओ दगावामी जैन,
नवी महाजन वाडी चिचबन्दर वम्बई-9
27. कोठारा-कच्छ (गुज.)
साध्वी श्री वमन्तप्रभाश्रीजी म सा.
आदि ठाणा (3)
- पता—श्री जैन देरासर मु. पो. कोठारा ता अवडासा
जि भुज-कच्छ (गुज)
28. चेम्बूर-वम्बई (महा.)
साध्वी श्री अरुणोदयश्रीजी म सा
आदि ठाणा (3)
पता—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय,
त्रिधुश्री विल्डिग,
15 वा रोड, चेम्बूर वम्बई-71
29. भीनमाल (राजस्थान)
साध्वी श्री कनकप्रभाश्रीजी म सा
आदि ठाणा (1)
पता—श्री टीकुजी धर्मशाला, गणेश चौक
मु पो भीनमाल (राज)
30. पालीताणा (गुज.)
साध्वी श्री अनुपमाश्रीजी म सा
आदि ठाणा (1)
पता—श्री देवसी पूना
मु पो पालीताणा (सौराष्ट्र) (गुज.)
31. मोटा आसंबीया (गुज.)
साध्वी श्री कल्याणोदयश्री म सा
आदि ठाणा (3)
पता—श्री जैन देरामर
मु पो मोटा आसंबीया भुज-कच्छ (गुज)
32. तलवाणा-कच्छ (गुजरात)
साध्वी श्री विज्वोदयश्री
आदि ठाणा (2)
पता—श्री अचलगच्छ नूतन जैन उपाश्रय,
तलवाणा ता माण्डवी-कच्छ (गुज)
33. पालीताणा (गुज.)
साध्वी श्री नित्यानन्दश्रीजी म सा
आदि ठाणा (1)
पता—उपरोक्त

- पता - श्री जैन देगमर,
मु पा ग्गपुर जि जामनगर हानार (मोगाष्ट)
(गुजरात)
- 61 बाडमेर (राजस्थान)
माध्वी श्री महाप्रज्ञा श्री जी म सा
जादि ठाणा (6)
पता - श्री जुहारमलजी जोगीदाम गण्ड क,
वध्मा बाजार बाडमेर (राज) 344001
- 62 मलाड बम्बई (महाराष्ट्र)
माध्वी श्री तत्वप्रना श्री जी म सा
जादि ठाणा (3)
पता - श्री जवलगच्छ जैन उपाश्रय मनाठ शापीग
मटर, घोडवन्दर गाड, मनाड (वेस्ट) बम्बई-64
- 63 मुलुण्ड-बम्बई (महाराष्ट्र)
माध्वी श्री मौम्यगुणा श्री जी म सा
जादि ठाणा (2)
पता - श्री जवलगच्छ जैन देगमर, गणेश टाकीजि पति,
मुनुण्ड (पूर्व) बम्बई-81
- 64 रायण कच्छ (गुज)
माध्वी श्री नदीवधना श्री जी म सा
जादि ठाणा (3)
पता - श्री अचलगच्छ जन दरसर, वीरा मोपीग सेंटर,
डावीवनी जि धाणा (महा) 421201
- 65 घाटकोपर बम्बई (महा)
माध्वी श्री किर्ती गुणा श्री जी म सा
म सा (1)
पता - श्री अचलगच्छ जन दरसर, पारम विल्डिंग,
गानीगार रोड, जगडुशानगार
घाटकोपर (वेस्ट) बम्बई-400086
- 66 वली-बम्बई (महा)
माध्वी श्री रत्न धना श्री जी म सा
जादि ठाणा (2)
पता - श्री जवलगच्छ जन उपाश्रय-मा-पकज मेन्शन,
डा ए वी राड वला, बम्बई 18
- 67 माटूगा-बम्बई (महा)
माध्वी श्री हिरण्य गुणा श्री जी म सा
आदि ठाणा (3)
पता - श्री महेश्वरफण पाशवनाथ जैन देगमर, किम्म सबल,
महेश्वरी उद्यान, माटूगा, (CR) बम्बई-19
- 68 अकलेश्वर (गुजरात)
माध्वी श्री अमीपूर्णा श्री जी म सा
जादि ठाणा (3)
पता - श्री प्रवेश इनि प्रा लि, 178 जी आई डी सी,
जकेश्वर जिमरुव (गुज) 393002
- 69 नगलपुर-वॉड (गुज)
माध्वी श्री चारुधम श्री जी म सा
जादि ठाणा (2)
पता - उपरोक्त
- 70 कुर्ला-बम्बई (महा)
माध्वी श्री जय पदम गुणा श्री जी म सा
जादि ठाणा (2)
पता - श्री व जी जो जैन सवा समाज,
जा पी पी पी आ आशा राड, कुर्ला (W) बम्बई-70
- 71 जन आश्रम-नागसपुर (गुज)
माध्वी श्री मनाना श्री जी म सा
ठाणा (1)
पता - उपरोक्त
- 72 नाना आसबीया-कच्छ (गुज)
माध्वी श्री जयधमा श्री जी म सा
ठाणा (1)
पता - श्री जैन देगमर, मु पा नाना आसबीया वाया
भुज-कच्छ (गुज)
- 73 पात्तीताणा (गुजरात)
माध्वी श्री गुणमाला श्री जी म सा
जादि ठाणा (2)
पता - उपरोक्त अनुसार

74. मेराऊ-कच्छ (गुजरात)

माध्वी श्री विरागपूर्णा श्री जी म सा

ठाणा (1)

पता—श्री जैन देरामर मु पो. वाढ

ता माण्डवी-कच्छ

(गुजरात)

पता—श्री जैन श्राविका विद्यापीठ, मु पो मेराऊ ता
माण्डवी कच्छ (गुजरात)

कुल चातुर्मास 75, मुनिराज 38, साध्वीयाँजी 159
कुल 207

75. वांढ-कच्छ (गुजरात)

माध्वी श्री अर्हत्कारणाश्री जी म सा

आदि ठाणा (4)



आचार्य श्री दानसागर सूरेश्वरजी म. सा. का समुदाय

संत समुदाय

1. जामनगर (गुजरात)

मुनिराज श्री लक्ष्मि मागर जी म सा.

आदि ठाणा (2)

पता—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, आणनन्द वावा
चकला, जामनगर माराष्ट्र (गुज)

पता—श्री महर्षिफण पार्श्वनाथ देरामर, माहेश्वरी उद्यान
पामे, माटूगा वम्बई-19

5. डूमरा-कच्छ (गुजरात)

माध्वी श्री रत्न प्रभाश्री जी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—श्री जैन देरामर, मु पो डूमरा
वाया माण्डवी-कच्छ
(गुजरात)

साध्वीयाँजी समुदाय

2. भुज-कच्छ (गुजरात)

माध्वी श्री केशर श्री जी म सा

आदि ठाणा (5)

पता—श्री अचलगच्छ महिला उपाश्रय, वाणियावाद
डेलो-भुज, कच्छ (गुज)

6. पालीताणा (गुजरात)

माध्वी श्री जयानन्द श्री जी म सा

ठाणा (1)

पता—मगत मोदी धर्मशाला, पालीताणा
माराष्ट्र (गुजरात)

3. जामनगर (गुजरात)

माध्वी श्री वसंत श्री जी म सा

ठाणा (1)

पता—श्री अचलगच्छ महिला उपाश्रय,
ताजी वावा चकला, जामनगर (गुज)

7. वाडीया-कच्छ (गुजरात)

माध्वी श्री चन्द्रयगा श्री जी म सा

आदि ठाणा (2)

4. डूमरा-कच्छ (गुजरात)

माध्वी श्री धर्मानन्द श्री जी म सा

ठाणा (1)

पता—श्री जैन देरामर मु पो वाटिया
ता अवडामा-कच्छ
(गुजरात)

8 रामाणीया-कच्छ (गुजरात)

माध्वी श्री विश्वलता श्री जी म मा

जादि ठाणा (3)

पता—श्री: जन देरामर, मु पो रामणीया
ता म्द्रा-कच्छ (गुज)

गहन कहना सहज विन्तु, दुलभ भक्ति वा मिलना है।
सबन हितैषी समदर्शी, निर्दोष बह दश हमारा है॥

हादिक शभनगमनाजो सहित-

श्री मातव केसरी श्री सौभाग्यमलजी म सा की जय

कुल चातुर्मास 8, सत 2, साध्वीयाजी 15, कुल ठाणा 17।

अवलगच्छ (विधिपक्ष) के (दोनो के)

कुल चातुर्मास सतो के	11	कुल सत	40
कुल चातुर्मास साध्वीयो के	71	कुल साध्वीयाजी	184
कुल	83	कुल	224

महावीर केप एंड रेडिमेड

क्लाथ स्टोर

फर्नीचर, होजियरी, केप, एड रेडिमेड कपडे के

थोक व्यापारी

माणकचौक, रतलाम (म प्र)

कुल चातुर्मास 83, सत 40 साध्वीयाजी 184

कुल ठाणा 224

सत-सती पद-तालिका

आचाय	2
उपाध्याय	—
पन्थाय	—
गणि	1
प्रवक्त	—
प्रवर्तिनी	—
मत	40
साध्वीयाजी	184
कुल ठाणा	224

जानी वन सतसग विया, तजा न मन अहकार ।

तो वनवारे बल वन, गया जन्म ब्रकार ॥

‘समथ प्रकाश’ ग्रथ तीस रुपये का मनीआर्डर भेजकर
मँगवा सकते है । पृष्ठ सख्या 900 पक्की बार्डिंग,
रजिन् वन का वनर श्रद्धि पत्र डाक खर्च सहित सिफ तीस
रुपये मे

घीसूलाल पितलिया

सिरियारी-306027,

जिला पाली (राज)



* खरतरगच्छ समुदाय

सचमुच ही वह मानव जग में, महापुरुष कहलाता है ।
सुख दुख में जो कमल, सर्वदा सम रस पी मुस्कराता है ॥

With best compliments from .



M/s. Arman Electronics Pvt. Ltd.

4, Market Road, BANGALORE-560004
(Karnataka)

श्री श्वे. मूर्तिपूजक खरतरगच्छ के साधु-साध्वियों के चातुर्मास

1. पावापुरी (बिहार)
परम पूज्य आचार्य श्री जिन उदयसागरजी
म सा.
आदि ठाणा (4)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तीर्थ,
मु पो पावापुरी,
जिला-नालन्दा (बिहार)
2. महिदपुर (मध्यप्रदेश)
1 मुनि श्री जयानन्द जी म सा
2 मुनि श्री राजेन्द्रजी म सा
आदि ठाणा (3)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
अमोढी वाली गली
मु पो महिदपुर
जिला-उज्जैन (मध्यप्रदेश)
3. फलोदी (राजस्थान)
मुनि श्री कल्याण सागर जी म सा
ठाणा (1)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
बडी धर्मशाला
मु पो फलोदी
जिला-जोधपुर (राज)-312301
साधन—जोधपुर, पोकरण, जैमलमेर, लाउन पर
रेल्वे स्टेशन ह, जोधपुर से हर
घंटे बस जाती ह।
4. भाडरवा (राजस्थान)
मुनि श्री कल्याण सागर जी म सा
ठाणा (1)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
मु पो भाडरवा
जिला-वाडमेर (राज)
5. चौहटन (वाडमेर (राजस्थान)
मुनि श्री कैलाश सागर जी म सा
(ठाणा (1)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
मु पो चौहटन,
जिला-वाडमेर (राज)
6. मिण्ट स्ट्रीट मद्रास (तमिलनाडु)
मुनि श्री महिमा प्रभमागर जी म सा
आदि ठाणा (3)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
चन्द्र प्रभ जूना जैन मन्दिर,
3-15, मिण्ट स्ट्रीट-मद्राम (तमिलनाडु) 600007
साधन—बम्बई, मद्राम, दिल्ली, भोपाल, मद्रास,
वैगलौर, कलकत्ता में सीधी ट्रेन जाती ह।
7. पादरु (राजस्थान)
मुनि श्री मणि प्रभ मागर जी म सा
आदि ठाणा (1)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
मु पो पादरु
जिला-वाडमेर (राजस्थान)
8. कल्याणपुरा (राजस्थान)
मुनि श्री धर्मनागर जी म सा,
ठाणा (1)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
मु पो कल्याणपुरा
जिला-वाडमेर (राज.)

- 9 देवलासी कम्प (महाराष्ट्र)
मुनि श्री चंद्रमागरजी म सा
जादि ठाणा (1)
पता - श्री बद्धमान सवा बंद, 350 मुंगर वाग,
मु पा देवलासी कम्प जिला नामिक
(महाराष्ट्र) 422101
महासतियांजी समुदाय
- 10 सिवाना (राजस्थान)
आयाध्यक्षा ब्यावडा श्री चम्पा श्री जी म सा
जादि ठाणा (२)
पता - श्री खरतरगच्छ का
उपाश्रय, तुलसा जी की
अमशाला, नयापुग
मु पा सिवाना,
जिला-बाडमेर (राज) 343044
- 11 जामलनेर (महाराष्ट्र)
प्रजतनी श्री जिन श्री जी म सा
जादि ठाणा (10)
पता - श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, जैन श्व
दादावाडी न्य प्लाट
मु पा जामलनेर
जिला जनगाव (महाराष्ट्र) 425101
साधन - जलगाव, भुसावल, पाचारा, चालामगाव स
बने जाती है।
- 12 जयपुर (राजस्थान)
प्रजान पद विभक्ति था अविचन श्री जी म सा
जादि ठाणा (7)
पता - श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, विचक्षण भवन,
मानी सिंह भासिय का रास्ता, जाहरी बाजार
जयपुर (राजस्थान) 302003
साधन - दिल्ली, जहमदावाद मन लाइन पर रत्न
स्टेशन है। दिल्ली, अलवर, अजमेर त्वात्र
जहमदावाद उदयपुर मवाइ माधापुर, बीवानर,
आगरा, जादि स्वाना
- 13 जयपुर (राजस्थान)
प्रवर्तिनी श्री गज्जन श्रीजी म सा
जादि ठाणा (7)
पता -
साधन - उपराक्त श्रमाके के अनुसार
- 14 मलाड (वेस्ट) बम्बई (महाराष्ट्र) --
साध्वी श्री तिलक श्री जी म सा
जादि ठाणा (4)
पता - श्री बामुपुज्य स्वामी, जन मंदिर, मामलदार
राडी, राड न 5, दिल्ली एपाटमट, दूमरामाला
मलाड (वेस्ट) बम्बई (महाराष्ट्र) 6400064
साधन - पर क चक गेट - बारावली लावल ट्रेन स
मलाड उतरें।
- 15 आगामी थाणा (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री भाग्य यशा श्री जी म सा
जादि ठाणा (3)
पता - श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, चालपठ,
जैन दरामर
मु पा आगामी
जिला-थाणा (महाराष्ट्र)
- 16 बीकानेर (राजस्थान)
साध्वी श्री चंद्रप्रभा श्री जी म सा
जादि ठाणा (16)
पता - कृपाचंद मूरि जैन उपाश्रय,
मु पा रागडी चाव
बीकानेर (राज) 334001
साधन - जयपुर, आगरा, जहमदावाद, पीपा
मडता राड, नागार, जाधपुर, मवाइ
माधापुर दिल्ली म सीधी ट्रेन जाती है।
- 17 पायधूनी-बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री मनाहरश्रीजी म सा
जादि ठाणा (6)
पता - श्री महावार स्वामी, जन दरारसर,
पायधूनी, बम्बई-3
साधन - उपराक्त

8. लशकर (म.प्र.) ग्वालियर

माध्वी श्री चन्द्रकलाश्रीजी म मा
आदि ठाणा (5)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
जैन श्वेताम्बर मन्दिर, सराफा बाजार,
लशकर-ग्वालियर (म.प्र.) 474001

19. पाली मारवाड़ (राजस्थान)

माध्वी श्री अनुभवश्रीजी म मा
आदि ठाणा (5)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
गुजराती कटला, नारोलियो का पोल,
पाली मारवाड़ (राज) 306301

माधन.—मारवाड़ जक्शन, जोधपुर मेडता रोड, नागौर
(उ.रे.) रूट पर स्टेशन है।

20. नागौर (राज.)

माध्वी श्री मनोहरश्रीजी म मा
आदि ठाणा (5)

पता—श्री काली पोल का उपाश्रय,
मु.पो. नागौर (राज) 341001

माधन.—जयपुर, मेडता रोड, फूलैरा, पाली-, पीपाड,
मारवाड़, बीकानेर, जोधपुर, अहमदाबाद, आगरा
में सीधी ट्रेन जाती है।

21. नागौर (राज.)

माध्वी श्री चचलश्रीजी म मा
आदि ठाणा (2)

पता-माधन—उपरोक्त कमारू के अनुसार

22. लोहाव. (राज.)

माध्वी श्री चरणप्रभाश्रीजी म मा
आदि ठाणा (3)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
मु.पो. लोहावट जिला जोधपुर (राज) 342102

23. व्यावर (राज.)

माध्वी श्री तरुणप्रभाश्रीजी म मा.
आदि ठाणा (3)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, चरखी ताली गली
मु.पो. व्यावर-305901
जिला अजमेर (राज)

माधन—परे के दिल्ली, अहमदाबाद में लाइन पर
रेल्वे स्टेशन है। सभी ट्रेन रुकती है। राजस्थान में
हर बड़े 2 जहरो से बसे उपलब्ध है।

24. किशनगढ़ (राजस्थान)

माध्वी श्री मनोरजनश्रीजी म मा.
आदि ठाणा (2)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, श्री सम्भवनाथ
जैन मंदिर ओसवालो का मोहल्ला
मु.पो. किशनगढ़
जिला अजमेर (राज) 305801

माधन—जयपुर, अजमेर के बीच में दिल्ली-अहमदाबाद
में लाइन पर स्टेशन है। जयपुर, व्यावर, अजमेर,
पाली, जोधपुर, भीलवाड़ा, उदयपुर, विजयनगर
में सीधी बसे उपलब्ध।

25. झुंझनू (राज.) :

माध्वी श्री प्रियकणश्रीजी म.मा
आदि ठाणा (2)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
जैन श्वे. दादावाडी,
मु.पो. झुंझनू (राज) 333001

26. महारोली (दिल्ली)

माध्वी श्री मुनक्षणश्रीजी म मा
आदि ठाणा (2)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
बड़ी दासीवाडी,
मु.पो. महारोली (दिल्ली)-30

- 27 **मालीवाडा (दिल्ली)**
माध्वी श्री विद्युत्प्रभा श्रीजी म मा
जादि ठाणा (3)
पता —श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
केजर आफ धमघाना घर्मीटामल केमरी चंद
971 गली भाजपुरा
मु पा मानीवाण (दिल्ली-6)
- 28 **नई दिल्ली**
माध्वी श्री तत्वदगनाश्रीजी म मा
जादि ठाणा (3)
पता —श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय
श्रीगुशन मुरी दादा जैन डाडो, महिजद माठ
माउण एममेटेशन पाट-2
छाटी दादावाडी, नड दिल्ली-110049
माधन —दश के हर कान मे हवाई मांग तथा रेनमा का
माधन उपनगर।
- 29 **जोधपुर (राजस्थान)**
माध्वी श्री मुरजनाश्रीजी म मा
जादि ठाणा (3)
पता —श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय
श्री पाश्वनाथ जैन श्व मन्दिर
12 शान्तीनगर रेजीडेन्सी राउ
मु पा जावपुर (राज) 342003
माधन —जटमदासाद, जयपुर उकानर, पाला, जाण
दिल्ली मीरमाना रनताम इन्डर खण्डवा मूह
मे मीधी ट्रेन।
- 30 **पालीताना (गुजरात)**
माध्वी श्री त्रिपुणाश्रीजी म मा
जादि ठाणा (2)
पता —श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, जिन हरेविहार
जमशाला तलेटी राड
मु पा पानीताना (गुजरात)
- 31 **साधोर (राज)**
माध्वी श्री निरजनाश्रीजी म मा
जादि ठाणा (3)
- पता —श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, मुनारा का राम
मु पा नाचर
जिला जालौर (राज) 343041
माधन —वाडमर, निगाही, जालाण, राणीवाडा, माकलमर
म माध्वी त्रिने त्राली ह।
- 32 **फलोदी (राजस्थान)**
माध्वी श्री जमश्रीजी म मा
जादि ठाणा (2)
पता —श्री गौनलनाथ जी का उपाश्रय,
मु पा फलोदी जिला जाधपुर (राज) 342301
माधन —उपरकन (3) के अनुमार
- 33 **धमतरी (म प्र)**
माध्वी श्री रभाश्रीजी म मा
जादि ठाणा (2)
पता —श्री खरतरगच्छ श्वे मन्दिर, मंदरवाजार
मु पा धमतरी (म प्र) 493773
- 34 **महासमुंद (म प्र)**
माध्वी श्री कुमुमश्रीजी म मा
जादि ठाणा (1)
पता —श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय मेघ भवन गांधी चौक
मु पा महासमुन्द जिला रायपुर 493445 (म प्र)
- 35 **मुगेली (म प्र)**
माध्वी श्री त्रिपुणाश्रीजी म मा
जादि ठाणा (9)
पता —श्री खरतरगच्छ जैन श्वे मन्दिर,
मु पा मुगेली जिला त्रिनामपुर 495334 (म प्र)
- 36 **तलोदा (महा)**
माध्वी श्री हमश्रीजी म मा
जादि ठाणा (4)
पता —श्री खरतरगच्छ जैन श्वे मन्दिर
मु पा तलादा जिला वृत्तिया 25413 (महा)
- 37 **बडोदा (गुजरात)**
माध्वी श्री दिव्यप्रभाश्रीजी म मा
जादि ठाणा (5)

- पता—श्री मूलचन्द जैन, धर्मशाला, नवा बाजार
मु.पो. वडीदा (गुज.) 390001
- साधन—बम्बई-दिल्ली, बम्बई-अहमदाबाद मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है। सभी गाडियाँ ठहरती हैं।
38. समदड़ी (राजस्थान)
साध्वी श्री सूर्यप्रभाश्रीजी म.मा
आदि ठाणा (4)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
प्रतापजी लूनावत की धर्मशाला
मु.पो. समदड़ी जिला वाडमेर (राज.) 344001
साधन—अहमदाबाद, जोधपुर वाया भीलडी व वाडमेर-जोधपुर रेल लाइन पर स्टेशन है। लुणी जंक्शन बालोतरा, पीपाड रोड, पाली, नागौर, उदयपुर, जोधपुर, भीलडी, वाडमेर ट्रेन का साधन। वसे भी जाती हैं।
39. मेवानगर (राज.)
साध्वी श्री विजवेन्द्रश्रीजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
श्री जैन श्वे नकोडा जी तीर्थ
मु.पो. मेवानगर जिला वाडमेर (राज) 344025
40. पादरु (राज.)
साध्वी श्री प्रकाशश्रीजी म मा.
आदि ठाणा (4)
पता—श्री खरतरगच्छ जैन धर्मशाला,
मु.पो पादरु (राज) 341801
41. सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री कमलप्रभाश्रीजी म मा.
आदि ठाणा (2)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, धोमवान मोहल्ला
मु.पो. सूरत-365003 (गुज)
साधन—प.रे. के बम्बई-अहमदाबाद मेन लाइन पर स्टेशन है।
42. शोलापुर (महा.)
साध्वी श्री सुलोचनाश्रीजी म सा.
आदि ठाणा (9)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर मन्दिर, 4336 जोड भावी पेठ
मु.पो. शोलापुर (महा.) 413002
43. मन्दसौर (म.प्र.)
साध्वी श्री कमलश्रीजी म सा.
आदि ठाणा (2)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, नयापुरा
मु.पो मन्दसौर-458001 (म.प्र.)
साधन—अजमेर, काचीगुडा, खण्डवा मेन लाइन पर स्टेशन है।
44. रूनीजा (म.प्र.)
साध्वी श्री महेन्द्रश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (2)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, मु.पो. रूनीजा
जिला मन्दसौर (म.प्र) 456776
45. महिदपुर (म.प्र.)
साध्वी श्री महेन्द्रश्रीजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
कुगल मार्केट,
मु.पो महिदपुर (म.प्र) 456443
46. अहमदाबाद (गु.)
साध्वी श्री मुक्तिश्रीजी म.मा.
आदि ठाणा (2)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
दादा साहवनी पोल,
स्वामी नारायण मंदिर रोड
मु.पो. अहमदाबाद-380004 (गुज.)
साधन—अहमदाबाद रेल्वे स्टेशन वम स्टेशन से रिक्शा, मिटी वन द्वारा दादा साहवनी पोल उतरें, वहाँ नमोप ही खरतरगच्छ का उपाश्रय है।

- 47 अहमदाबाद (गुज)
साध्वी श्री पुष्पाश्रीजी म सा
जादि ठाणा (2)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, जवेरीबाड,
मु पो अहमदाबाद (गुज) 380004
- 48 पाली राज)
साध्वी श्री कुञ्जलश्रीजी म सा
जादि ठाणा (1)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, नारेल पोल,
मु पो पाली मारवाड (राज) 306401
- 49 जोधपुर (राज)
साध्वी श्री जकलश्रीजी म सा
जादि ठाणा (2)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
वेशारियाजी की धमशाला,
मु पो जोधपुर-342002 (राज)
- 50 वाडमेर (राज)
साध्वी श्री हेमप्रभाश्रीजी म सा
जादि ठाणा (4)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
जैन न्याति नोहरा,
मु पो वाडमेर (राज) 314001
- 51 फलोदी (राज)
1 साध्वी श्री कमलाश्रीजी म सा (सकारण)
2 साध्वी श्री विकासश्रीजी म सा
जादि ठाणा (4)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
कुशल जैन धमशाला, मु पो फलोदी,
जिला जाधपुर (राज) 342301
- 52 फलोदी (राज)
साध्वी श्री बामलश्रीजी म सा
जादि ठाणा (2)
- पता—श्री फूलचन्द जैन धमशाला,
मु पो फलोदी जिला जोधपुर
(राज) 342301
- 53 मोकलसर (राज)
साध्वी श्री विमलश्रीजी म सा
जादि ठाणा (4)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
मु पा मावलमर 344043
जिला नटमेरा (राज)
- 54 बीकानेर (राज)
साध्वी श्री मुक्तिश्रीजी म सा
जादि ठाणा (2)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, बोरा की खेरी
रगडी चौक,
मु पो बीकानेर-334001 (राज)
- 55 बीकानेर (राज)
साध्वी श्री सुन्दरश्रीजी म सा
जादि ठाणा (1)
पता—श्री सुगन्धी का उपाश्रय,
मु पो बीकानेर-334001 (राज)
- 56 पालीताना (गुज)
साध्वी श्री मोहनश्रीजी म सा
जादि ठाणा (4)
पता—उपरोक्त प्रमाक (29) के
अनुसार।
- 57 पालीताना (गुज)
1 साध्वी श्री प्रमोदश्रीजी म सा (सकारण)
2 साध्वी श्री जयाप्रभाश्रीजी म सा (सकारण)
जादि ठाणा (2)

- पता:-माधवलालजी की धर्मशाला,
मु.पो. पालीताना (गुज.) 364270
58. पालीताना (राज.)
साध्वी श्री मेघश्रीजी म.सा
ठाणा (1)
- पता:-श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
महिमा कुटीर,
मु.पो. पालीताना (गुज.) 3642470
59. खड़गपुर (बंगाल)
साध्वी श्री दिव्यश्रीजी म.सा.
ठाणा (1)
- पता:-श्री जैन श्वेताम्बर मन्दिर,
36 पारा खरीदा फाटक, वापू बाजार
मु.पो. खड़गपुर जिला मिदनापुर
721301 (बंगाल)
60. दादी (म.प्र.)
साध्वी श्रीदेवेन्द्र श्री जी म.सा.
ठाणा (1)
- पता:-श्री जैन श्वे. मन्दिर गाधी चौक
मु. पो. दादी जिला राजनांद गाँव
(म.प्र.)
61. माँडवी कच्छ (गुज.)
साध्वी श्री रतन श्रीजी म.सा. (1)
पता:-श्री धर्मनाथ जैन श्वे. मन्दिर
के.टी. शाह रोड,
मु.पो. माँडवी कच्छ (गुज.) 370465
62. पाली (राज.)
साध्वी श्री मिलाप श्री जी म.सा.
आदि ठाणा (2)
- पता:-खरतरगच्छ उपाश्रय, गुजराती कटता
नारेलपोल,
म.पो. पाली-306401
63. सिवाना (रज.)
साध्वी श्री हेस प्रभा श्री जी म.सा.
ठाणा (1)
- पता-तुलसा जी की धर्मशाला नयापुरा
मु.पो. सिवाना जिला वाडमेर (राज.)
64. भानपुरा (म.प्र.)
साध्वी श्री विनोद श्री म.सा
ठाणा (1)
- पता-श्री जैन श्वेताम्बर मन्दिर
मु.पो. भानपुर जिला मन्दसौर 458775 (म.प्र.)
65. महिदपुर (म.प्र.)
साध्वी श्री सतोप श्री म.सा.
ठाणा (1)
- पता-श्री जैन श्वेताम्बर मन्दिर
मु.पो. महिदपुर जिला उज्जैन 456443 (म.प्र.)

कुल चातुर्मास संतो का	9	कुल मुनिराज	19
कुल चातुर्मास सतियाँजी का	56	कुल सतियाँजी	193
	65		212

कुल चातुर्मास 65 संत 19 सतियाँजी 193
कुल ठाणा 212



नोध जोर अहकार को जीतने वाला पुरुष महान
नोध विजयी पुरुष ही लोकप्रिय बन सकता है

समग्र जैन समुदाय के सभी सत सतियों का 1986 वर्ष का चातुर्मास हर्षोल्लास वातावरण
में ज्ञान, दर्शन, चारित तप की प्रवृत्तियों से ओत-प्रोत सफल बने
ऐसी मुभ मगल कामनाएं करते हैं—

हार्दिक शुभकामनाओ सहित



N. Sugalchand Jain

SUGAL LOTTERY AGENCY

Distributors Govt Authorised Lotteries

Triplicane High Road
MADRAS-600 005
Phone 841066 845694

* पार्श्वचन्द्र गच्छ समुदाय

जिमि सूर्य की किरणें शीशं पर, अग्नि वन वस्त्र जलाती ह ।
त्यो मन एकाग्र बनने से, अद्भुत शक्ति प्रकटाती हे ॥

“जयगुरुहस्ती”

हार्दिक शुभकामनाओ सहित

बजरंगलाल महावीरप्रसाद जैन, सराफ

चांदी, जेवर एव सोने के व्यापारी
सराफा बाजार, सवाई माधोपुर (राज)

दुकान 362
फोन {
निवास 297

सन्वन्धित प्रतिष्ठान

❀ बजरंगलाल हेमन्तकुमार जैन

अधिकृत विक्रेता —

- ❖ हीरो मेजेस्टिक मोपेट,
- ❖ क्राउन एव वेस्टन टी वी
- ❖ गोंदरेज एव कॅमिनीनेटर रेफ्रिजरेटर
- ❖ खेतान कूलर, पखे एव कूलनेस कूलर

❖ केवसन्स गेस लेम्प

शाप न 2-3, गौतम आश्रम विल्डिंग, स्टेशन, बजरिया
सवाई माधोपुर (राज) फोन शोरूम 611

❖ बजरंग भवन

शादी विवाह समारोह एव पार्टियों समारोह एव सभी कार्यक्रमों के लिए
एवमात्र खुला हुआ सर्व सुविधायुक्त स्थान
कोतवाली के पास, Opp आदर्श स्कूल
सवाई माधोपुर सिटी 322021

(राजस्थान)

फोन 440

श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ के संत-सतियाँजी म. सा.

संत समुदाय

1. रायपुर-अहमदाबाद (गुजरात)
पं. रत्न मुनि श्री रासचन्द्रजी म. सा.
आदि ठाणा (2)
पता.—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ, उपाश्रय भैयानी वारी
शामलानी पोल, रायपुर अहमदाबाद 380001
(गजरात)
2. चेम्बूर-वम्बई (महा.)
श्री मुक्तिचन्द्रजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता —श्री पार्श्वचन्द्र सूरी जान मंदिर,
10 वा रास्ता
चेम्बूर वम्बई-400071
3. खंभात (गुजरात)
श्री सुयशचन्द्रजी म सा
आदि ठाणा (4)
पता:—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ उपाश्रय,
घोर पीपलो, खंभात-388620 (गज.)
4. नाना भाड़ीया (गुज.)
श्री भुवनचन्द्रजी म मा.
आदि ठाणा (2)
पता.—श्री जैन उपाश्रय, नानाभाड़ीया
ता. माडवी-कच्छ (गज) 370155
5. नागौर (राजस्थान)
श्री त्रिलोकचन्द्रजी म सा
आदि ठाणा (1)
पता.—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ उपाश्रय
भुजराती पोल के पास नागौर
(गज.) 311001

साध्वीयाँजी समुदाय

6. खंभात (गुज.)
साध्वी श्री महोदय श्री जी म सा.
आदि ठाणा (5),
पता —श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ जैन उपाश्रय,
माणेक चौक पोपट नगीननी खडकी,
खंभात-388620 गुज)
7. टुण्डा-कच्छ (गुज.)
साध्वी श्री सुधाकरश्रीजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता —श्री जैन उपाश्रय,
मु पो टुण्डा ता. मून्द्रा-कच्छ
(गुज) 370435
8. नानी खाखर (गुज.)
साध्वीश्री मंजूश्रीजी म मा
आदि ठाणा (3)
पता.—श्री जैन उपाश्रय मु पो खाखर
ता माडवी-कच्छ (गुज) 370435
9. वीदडा-कच्छ (गुज.)
साध्वी श्री उद्योतप्रभाश्रीजी म मा
साध्वी श्री चन्द्रोदयश्रीजी म मा
आदि ठाणा (4)
पता.—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ उपाश्रय जैन धर्मशाला
मु पो. वीदडा ता. कच्छ जिजा-भुज (गुज.)
10. रायपुर अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री सुजीलाश्रीजी म मा
साध्वी श्रीअनुभव श्री जी म सा.
आदि ठाणा (1)
पता.—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ उपाश्रय, ओ. पी पी
महावीर स्वामी मंदिर, सामन्दाजी की पोल,
रायपुर अहमदाबाद 380001 (गुज.)

- 11 बीकानेर (राजस्थान)
माधवी श्री सुनन्दा त्रीजी म मा
आदि ठाणा (7)
पता—श्री पाश्वचन्द्र गच्छ सूर्ये ज्ञान मंदिर
रामपुरिया स्ट्रीट बीकानेर
(राज) 334001
- 12 मोटो घाबर (गुज)
साध्वी श्री वसंतप्रभाश्रीजी म मा
आदि ठाणा (4)
पता—श्री पाश्वचन्द्र गच्छ उपाश्रय,
माटी घाबर ता मून्दा-कच्छ
(गुज) 370460
- 13 याणा-वम्बई (महा)
साध्वी श्री ऊकारश्रीजी म मा
आदि ठाणा (7)
पता—श्री जैन दरामर, याणा वम्बई (महा)
- 14 ध्रागध्रा (गुज)
माध्वी श्री सूरतताश्रीजी म मा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री पाश्वचन्द्र गच्छ जैन उपाश्रय
नीम्बडी वासा घाचा, नानी वाजार,
ध्रागध्रा-363310 (गुजरात)
- 15 माण्डल (गुज)
साध्वीश्री स्वयंप्रभाश्रीजी म मा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री पाश्वचन्द्र गच्छ उपाश्रय, माण्डली चौक
माण्डल वाया विरमगाव (गुज)
- 16 विरमगाव (गुज)
साध्वी श्री सुवप्रभाश्रीजी म मा
आदि ठाणा
पता—श्री पाश्वचन्द्र गच्छ उपाश्रय,
माटा भटवाडी, विरमगाव (गुज) 150382
- 17 पालीताणा (गुज)
माध्वी श्री सुवप्रभाश्रीजी म मा
श्रीआदिठाणा (3)
पता—श्री रणसी देवराज धर्मशाला, (खावला)
पालीताणा (सौराष्ट्र) (गुज)
- 18 देशलपुर (गुज)
साध्वी श्री जातमगुणश्रीजी म मा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री जैन उपाश्रय पा देशलपुर
ता मूडा (गुज)
- 19 मुलुण्ड-वम्बई (महा)
साध्वी श्री पक्कश्रीजी म मा
आदि ठाणा (3)
पता—श्री पाश्वचन्द्र सूर्ये ज्ञान मंदिर जवेर रोड
मुलुण्ड (वेस्ट) वम्बई-408080
- 20 नाता सोपारा-वम्बई (महा)
साध्वी श्री तत्वानन्द श्रीजी म मा
आदि ठाणा (4)
पता—श्री पाश्वचन्द्र गच्छ उपाश्रय, महावीर ज्योत
विल्डिंग ओपीपी रेल्वे स्टेशन नाता सोपारा (इ)
ता वसई जि थाणा (महा)
- 21 दुर्गापुर-कच्छ (गुज)
साध्वी श्री निजानन्दश्रीजी म मा
आदि ठाणा (4)
पता—श्री जैन उपाश्रय,
मु पो नवावास दुर्गापुर ता माण्डली कच्छ (गुज)
- 22 जनावा (गुज)
साध्वी श्री पूर्णकलाश्रीजी म मा
आदि ठाणा (3)
पता—श्री पाश्वचन्द्र गच्छ उपाश्रय,
जैन दरामर के वाजू मे जनावा (मीरा दातार)
स्टे ऊझा (गुज)

23. चेम्बुर-बम्बई-(महा.)

साध्वी श्री अमृतश्रीजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—श्री पार्श्वचन्द्र सूरी ज्ञान मंदिर

10 मो रास्तो, चेम्बुर बम्बई-71

रुडिवादियों ने मानव, छुआ छुत फ़ैलाया है ।
धर्म शरणमे लेकर उनको, समता पाठ पढाया है ॥

Phone 11

सुभाष चन्द अशोक कुमार गादिया

धनलक्ष्मी एन्ड कम्पनी

**Dhanlakshmi &
Company**

Rluk Office Road

TURVVEKERE-572227

(Dist Tumkwi) Karanataka

कुल चातुर्मास संतों के	5	कुल संत	11
” ” साध्वियों के	18	कुल साध्वियां	67
कुल	23	कुल	78

कुल चातुर्मास 23 संत 11 साध्वियां 67 कुल ठाणा 78

पर-धर्म मे पडकर आत्मा ने, अपना स्वधर्म विसगया है ।
पर-धर्म स्वधर्म की व्याख्या को, वि गुरु न कोई पाया है ॥

“पतझड़ में मन मोहक पावन, सुरमित सुमन खिला करता है,
ऐसी ही संतों से जग को नव-ग्रालोक मिला करता है ।”
“जन्म से कोई नीच नहीं, जन्म से कोई महान् नहीं, ।
कर्म से बढ़कर किसी मनुष्य की, और कोई पहचान नहीं ॥”
“ससार द्वेष की याग मे जलना रहा, पर संत अपनी मस्ती मे
चलता रहा । सन विष को निगल कर के भी सदा, समार
के लिए अमृत उगलता रहा ”

Phone : 74408 Resi · 73197

S. Hastimal Munot

**JEWELLERS &
BANKERS**

7-2-832, POT MARKET,

SECUNDERABAD-500 003



समग्र जैन समुदाय के सभी पूज्य मुनिवरों एवं महासतीयाँजी म सा का 1986 वर्ष का
चातुर्मास हर्षोल्लास वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चरित्र तप की प्रवृत्तियों से
जोत-प्रोत सफल बने ऐसी शुभ मंगल कामनाएँ करते हैं—

हादिक शुभ कामनाओं सहित—

BAFNA GROUP OF INDUSTRIES

- THE B M POWER CABLES PVT LTD
- AURANGABAD INVESTMENT PVT LTD
- SANGAVI TIME INDUSTRIES PVT LTD
- KAILASH SERVICE INDUSTRIES
- SUNDEEP METAL WORKS
- HIND WIRE INDUSTRIES, KARAD
- KAILSH MOTORS
- AHL.SUNDEEP AGENCIES

Bombay H O

C-72, Mittal Tower Nariman Point,
Bombay-400021

Phone Off 241075, 223181, 230426

Res 8220171, 8124216

Cable BAFNOCABLE,

Telex 011 6888 BMPC IN

Aurangabad Offices

Plot No A/7/1 MIDC Industrial Area,
Chikalhana, Aurangabad-431210 & Jalna Road,
Aurangabad-431001

Phone Off, 8529, 8314, 4692, 4364, 4222

Res, 8527, Sangavi 8501

Cable LUCKY & KAILASH

Telex 0755 272 BMPC IN

जय गुरु नाना

समता विभूती धर्मपाल प्रतिबोधक समीक्षण ध्यान योगी परम पूज्य

गुरुदेव आचार्य प्रवर श्री नाना लाल जी म सा आदि ठाणा

8 एव महासती जी श्री भेंवर कवर जी म सा आदि

ठाणा 9 का 1986 जलगांव मे चातुर्मास हर्षोल्लास

वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चारित्र, तप की

प्रवृत्तियो से ओत-प्रोत सफल बने

ऐसी शुभ मंगल कामनाएं

करते है -

With best compliments from :

Sipani Group of Industries

No 3, BANNERGHATTA ROAD

BANGALORE-560029

(KARNATAKA)

Tel No Off 41296 40582

Gram "SIPANA"

**Manufacturers of : HDPE WOVEN SACKS
& WOODEN PACKING CASES**

OUR CONCERNS —

1. Sipani Fibres
2. Sipani Automobiles Ltd.
3. Sipani Enterprises
4. United Chemicals & Industries
5. Klene Paks Pvt. Ltd
6. Vardhman Plastics

आचार्य श्री विजय आनन्द विमल सूरीजी म. सा.
का समुदाय

आचार्य प्रवर श्री रवि विमल सूरीश्वरजी म.सा. के
आज्ञा. संत-सतियाँजी म.सा.

1	अन्य संत-सतियाँजी	कुल चातुर्मास	10
	आचार्य प्रवर श्री रवि विमल सुरीश्वरजी	कुल संत	11
	म.सा.	कुल साध्वियाँजी	68
	आदि ठाणा	कुल ठाणा	121

पता.—श्री विमल गच्छ नो उपाश्रय,
देवसानो पासो, स्वामी मंदिर रोड,
अहमदाबाद (गुज.)

नोट — चातुर्मास प्रारंभ होने के 21 दिन बाद भी सूचियाँ
कहीं से भी प्राप्त नहीं हो सकी अतः आदि ठाणाओं
की कुल सख्या अनुमान से ही लिखी गई है। गत वर्षों
की सूचियों द्वारा अतः क्षमा करें।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

आपकी सेवा में—

ताराचंद जुहारमल राठौड

क्लॉथ कमीशन एजेन्ट

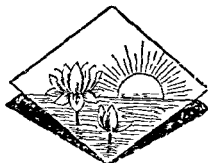
7, चोपड़ा मार्केट (न्यू क्लॉथ मार्केट) रतलाम (M.P.) 457001

आणन्द एण्ड कम्पनी

39, रामगढ़, ब्राह्मणों की गली, रतलाम (म.प्र.)

सुखी रहूँ सब जीव जगत के, कोई कभी न घबरावे ।
बंद, पाप, अभिमान, छोड़ जग, नित्य नये मंगल गाये ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :--



श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ

अशोक नगर, शूले बैंगलौर 560025 (कर्नाटक)

सम्पतराज मरलेचा ।

अध्यक्ष

शान्तीलाल चौपड़ा

मंत्री

* त्रिस्तुती गच्छ समुदाय

जिस प्रकार सुमेरु पर्वत विविध प्रकार की विध्य चमत्कारो औषधियों से परिपूर्ण है, उन्से दीप्त है और सभी पर्वतो में महान है, उसी प्रकार विविध ज्ञानादि विध्य गुणो से परिमण्डित बहुश्रुत भ्रमण साधुओं में श्रेष्ठ है।

—भगवान महावीर

With Best Compliments From :



D. Shantilal Chaudhary

MANAGING DIRECTOR

Chaudhary Finance Private Ltd.

Registered Office

No 24 (2nd Floor), Veerappan Street,
Sowcarpet, Madras-600 079

Phone Nos 28563, 31790, 28857, 34783

Administrative Office .

No 177, Bazaar Street,
Tirupati 517 501 (A-P)

Phone 2661

Grams 'FINANCIER'

श्री त्रिस्तुतिक गच्छ सम्प्रदाय

1. मोहनखेड़ा (मध्यप्रदेश)

आचार्य श्री विजय हेमन्द्र सूरेश्वरजी
म. सा.

आदि ठाणा

पता:—श्री श्वेताम्बर जैन उपाश्रय मंदिर,
मु.पो. मोहनखेड़ा जिला
रायगढ़ (म.प्र.)

2. पारा (मध्यप्रदेश)

आचार्य प्रवर श्री जयंत विजय सूरेश्वरजी म सा
“मधुकर” आदि ठाणा

पता:—श्री श्वेताम्बर जैन मन्दिर,
मु.पो. पारा (मध्यप्रदेश)

कुल चातुर्मास	18
कुल संत	35
कुल साध्वीयाँजी	86

कुल ठाणा 121

नोट— चातुर्मास प्रारंभ होने के 29 दिन बाद भी सूची प्राप्त नहीं हो सकी अतः हम पूरी सूची यहाँ नहीं दे पा रहे हैं। परन्तु कुल ठाणाओं की संख्या गत वर्षों के अनुमानों से ही यहाँ दी जा रही है। घटती बढ़ती हो तो सुधार कर पढ़े हम विवश है क्षमा करें।

—सम्पादक

ज्ञानी फल ज्ञान का, विरती धर्म बतलाय ।

जगत पूज्य है वह पुरुष, वन्दनीय कहलाय ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

बापूलाल बोथरा

48, नीमचौक, रतलाम-457001 (मध्यप्रदेश)

फोन नं. 771

बुद्धन्ते इदिए पच राग-दोस-परगमे ।
कुम्मो विच अगाइ सए देहिम्म साहरे ॥

राग, द्वेष वे वश विषयों में प्रवृत्त पाचों इन्द्रियाँ दुर्दान्त होती हैं । सकट की आशका
होते ही जैसे कूर्म अपने जगों को अपने शरीर में सकोच लेता, वैसेही
साधक विषयों की ओर जाती हुई इन्द्रियों को उनसे हटा ले ।

हादिक शुभकामनाओ सहित

सम्पतराज स्वारीवाल

Laxmi Electricals

Dealers in

Electricals Goods

57, Netaji Subhash Chandra Bose Road,
MADRAS-600 079

Phones Off 33731
Res 517632

* अन्य समुदाय

Pick a PINKY
and let your writing sparkle

LION
Pinky
the prettiest pencil in town



Now from LION PENCIL here's another novelty

The Pearl finished LION PINKY Pencil a pretty pencil to be hold superbin looks, Super smooth in writing with its HB Lead Strongly bonded to give you unbreakable points

Also available with rubber tip and hexagonal other popular brands of LION PENCILS are

Lion Moto, Lion Turbo, Lion Sweety, Lion Concord, Lion Executive and Lion Geomatic, Drawing pencils

Lion Pencils Pvt. Ltd.

Parijat, 95, Marine Drive, Bombay-400 002

श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदायों के अन्य संत-सतियाँजी म. सा.

1. घाणेराव (राजस्थान)

आचार्य प्रवर श्री विजय हिमाचल सूरीश्वरजी
म. सा.

आदि ठाणा (5)

पता:-श्री किर्ती स्तंभ कार्यालय, मु.पो घाणेराव
स्टेशन फालना जिला पाली (राज)

कुल चातुर्मास	20
कुल मुनिराज	26
कुल साध्वियाँजी	85
कुल ठाणा	111

नोट.- बहुत कोशिश करने के बाद भी आपकी सूची प्राप्त नहीं हो सकी अतः सभी साधु-साध्वियाँजी म.सा. के कुल ठाणा की संख्या ही यहाँ दी जा रही है। क्षमा करें।

2. मलाड बम्बई (महा.)

आचार्य श्री विजय आनन्दधन सूरीश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता.-श्री श्वेताम्बर जैन उपाश्रय,
मामलतदार बाड़ी, मलाड (वेस्ट)
बम्बई-64

अन्य संत-सतियाँजी

3. बोरडी (गुजरात)

गणेश श्री ललितशेखरजी म. ना.

गणेश श्री राजशेखरजी म. ना.

आदि ठाणा (4)

4. सिरोही (राजस्थान)

श्री महायश विजयजी म. सा.

ठाणा (2)

5. देवलाली-नासिक

श्री चन्द्रसागरजी म.सा.

श्री अमरेन्द्र विजयजी म. सा.

आदि ठाणा

नोट - इसके अलावा भी कई संत-सतियाँजी म.सा. ओर भी हो सकते हैं। पूरी जानकारी मालूम नहीं होने के कारण यहाँ उनकी सूची नहीं दे सका हूँ सभी पूज्य मुनिराजों/महासतियाँजी म.सा. से नम्र निवेदन है कि वे भविष्य में अपने-अपने चातुर्मासों की सूचियाँ अवश्य भिजवाने की कृपा करावे।

श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदाय के कुल अन्य
संत सतियाँजी

कुल चातुर्मास	23
कुल संत	35
कुल सतियाँजी	85
कुल ठाणा	120

श्री श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदायों के कुल

कुल चातुर्मास	1182	कुल मुनिराज	1330
		कुल साध्वियाँजी	4360
कुल चातुर्मास	1182	संत	1330
		साध्वियाँजी	1360
		कुल ठाणा	5690

स्वर्गीय पूज्य पिता श्री मोहनलाल जी मेड़तावाला को हमारी
हादिक श्रद्धाजली अर्पित करते हैं।

हादिक शुभकामनाओं सहित—



मेड़तिया दूध भण्डार

खौड का वास के बाहर, अनिशचर मन्दिर के सामने, बस स्टेशन रोड []
पाली-मारवाड-306401 (राज)

हमारे यहाँ पर विवाह शादी पार्टियों में दूध के आर्डर लिए जाते हैं।
और बाहर गावों में भी सप्लाय किया जाता है।

निम्न स्थानों पर भी हमारी शाखाओं में दूध मिलता है—

प्यार बाँक,

श्रीमनाथ मन्दिर

मिर्ची कालीनी

मेरुवाट

विलक नगर

प्रो. भंवरलाल मेड़तावाला

भाग—पंचम्

* दिगम्बर सम्प्रदाय

* सदगुरु की महिमा *

जह दीवा दीवसय, पईप्पए सो य दीप्पए दीवो ।
दीवसभा आयरिया, अप्प च पर च दीवति ॥

जिस प्रकार 'दीपक' स्वय प्रकाशमान होता हुआ अपने स्पर्श से अन्य सैकड़ों दीपक जला देता है, उसी प्रकार सदगुरु-आचार्य स्वय ज्ञान ज्योति से प्रकाशित होते हैं एव दूसरों को भी प्रकाशमान करते हैं ।

हार्दिक शुभकामनाओ सहित



R. PARSANCHAND CHORDIA

—FINANCIER—

52, Kalathi Pillai Street MADRAS-600079

Phone *Off* 34643
Res 31470

"Roop Villa", 91, Mandoor Road, Paota,
JODHPUR 342002 (Raj)

Phone 24377

श्री दिगम्बर सम्प्रदायो के साधु-साधिव्यों के चातुर्मास

संत समुदाय

1. सुजानगढ़ (राज.)

आचार्य श्री धर्म सागरजी म. सा

आदि ठाणा (40)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु.पो. सुजानगढ़ (राज)

2. फिरोजाबाद (उ.प्र.)

आचार्य श्री विमलसागरजी म सा

आदि ठाणा (30)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु.पो. फिरोजाबाद (उ.प्र)

3. हिम्मतनगर (गुजरात)

आचार्य श्री निर्मलसागरजी म.सा

आदि ठाणा (15)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु.पो. हिम्मतनगर (गुजरात)

4. अहारजी (म. प्र.)

आचार्य श्री विद्यासागरजी म सा

आदि ठाणा (10)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, अतिगय क्षेत्र
मु.पो. अहारजी जिला टीकमगढ़ (म.प्र)

5. आरा (बिहार)

आचार्य श्री रामधरसागरजी म.सा.

आदि ठाणा (11)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु.पो. आरा (बिहार)

6. अजमेर (राज.)

आचार्य श्री सुधर्मसागरजी म.सा,

आदि ठाणा (1)

पता:—छोटे धडे की नसिया श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु.पो. अजमेर (राज.)

7. देहरादून (यू.पी.)

आचार्य श्री सुवाहुसागरजी म.सा.

आदि ठाणा (13)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,

मु.पो. देहरादून (यू.पी.)

8. शेडवाल (कर्नाटक)

आचार्य श्री सुवलसागरजी म सा.

आदि ठाणा (14)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,

मु.पो. शेडवाल (कर्नाटक)

9. रत्नत्रयपुरी शेडवाल (कर्नाटक)

आचार्य श्री देवभूषणजी म.सा

आदि ठाणा (9)

पता—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,

मु.पो. रत्नत्रयपुरी जिला शेडवाल (कर्नाटक)

10. मधुवन शिखरजी (बिहार)

आचार्य श्री मन्मतिसागरजी म सा.

आदि ठाणा (7)

पता—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,

मु.पो. मधुवन शिखरजी (बिहार)

11. उदयपुर (राज.)

आचार्य श्री नमनसागरजी म.सा.

आदि ठाणा (5)

- पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु पो उदयपुर (राज)
- 12 उज्जैन (म प्र)
जाचाय श्री दर्शनसागरजी म मा
जादि ठाणा (4)
- पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु पा उज्जैन (म प्र)
- 13 उज्जैन (म प्र)
1 जाचाय श्री दर्शनसागरजी म मा
2 बुल्लक श्री महावीरकाचिजी म मा
जादि ठाणा (6)
- पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
नमक मण्डा, उज्जैन (म प्र)
- 14 मधुवन साधरजी (विहार)
1 मुनि श्री म मातिसागरजी म सा
2 गेनर श्री निद्धसागरजी म सा
जादि ठाणा (1)
- पता —उपरसक
- 15 नासिक (महा)
मुनि उलय श्री श्रेयासागरजी म सा
जादि ठाणा (4)
- पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
गणपचा, नासिक (महा)
- 16 कोयली (कनाटक)
मुनि श्री देजमुपपाती म मा
जादि ठाणा (3)
- पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु पा कायना (कनाटक)
- 17 पपाराजी (टोकमगढ़)
मुनि श्री विद्यासागरजी म सा
जादि ठाणा (5)
- पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु पो पपाराजी (टोकमगढ़)
- 18 प्रतापगड (राजस्थान)
मुनि श्री नन्मतिमागरजी म मा
जादि ठाणा (4)
- पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु पा प्रतापगड (राज)
- 19 नागपुर (महाराष्ट्र)
मुनि श्री अजितमागरजी म मा
जादि ठाणा (6)
- पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
नाडपुरा, इतवारी, नागपुर (महाराष्ट्र)
- 20 बाहुवली (महा)
मुनि श्री नमन्तमद्र म मा
जादि ठाणा (4)
- पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु पो कुम्भोज बाहुवली (महा)
- 21 मुजफ्फरनगर (उ प्र)
मुनि श्री ज्ञानिसागरजी म मा
जादि ठाणा (4)
- पता —श्री जैन धमशाला,
नई मण्डी, मुजफ्फरनगर (उ प्र)
- 22 बनानी (राज)
मुनि श्रीपति सागर जी म मा
जादि ठाणा (5)
- पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु पो बनानी (राज)
- 23 शिवपुरी (म प्र)
मुनि श्री वीर सागर जी म मा
जादि ठाणा (2)
- पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर
मु पा शिवपुरी (म प्र)

24. बंडा (म. प्र.)

मुनि श्री योगसागर व साधु सागरजी म. सा.
ऐलक करुणा सागरजी म. सा. (आ. विद्या सागर
जी म. के शिष्य)

आदि ठाणा (3)

मु. पो. बडा जिला सागर (म. प्र.)

25. नैनवा (राज.)

1. मुनिश्री सभव सागर जी म. सा
(आ. धर्म सागर जी म. के शिष्य)
2. मुनि सुरदेव सागरजी म. सा.

आदि ठाणा (6)

पता.—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु. पो. नैनवा जिला बूँदी (राज.)

26. इन्दौर-(मल्हारगंज)

1. मुनि श्री पुष्पदन्त सागर जी म. सा
2. मुनि श्री पुष्पदन्त धर्म सागर म. सा.
3. मुनि श्री पुष्पदन्त विद्या सागर जी म. सा.

(10)

पता.—इतवारिया बाजार, इंदौर

27. मधुवन शिखरजी (विहार)

मुनि श्री कल्याण सागर जी म. सा.

आदि ठाणा (4)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर
मु. पो, मधुवन शिखर जी (विहार)

28. कोटा (राजस्थान)

ब्रान्नाचार्य मुनि श्री योगेन्द्र सागरजी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु. पो. रामगज मण्डी कोटा (राज.)

29. गोम्मटगिरी इन्दौर (म. प्र.)

गुनाचार्य श्री पुष्पदन्त सागर जी म. सा.

आदि ठाणा (15)

पता.—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु. पो. गोम्मटगिरी-इन्दौर (म. प्र.)

30. नई दिल्ली

एलाचार्य मुनि श्री विद्यानन्द जी म. सा.

आदि ठाणा (5)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु. पो. नई दिल्ली

31. एलोरा (महा.)

मुनि श्री आर्यनिन्दजी म. सा

आदि ठाणा (4)

पता.—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु. पो. एलोरा (महा.)

32. डूंगरपुर (राज.)

उपाध्याय मुनि श्री अजित सागरजी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर ,
मु. पो. डूंगरपुर (राज)

33. कोटा (राज.)

मुनि श्री श्रुत सागर जी म. सा.

आदि ठाणा (4)

पता —श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, चैत्यालय
(पालीवाल कम्पाउण्ड के सामने)
मु. पो. छावनी कोटा (राज.)

34. कोटा (राज.)

मुनि श्री ज्ञान भूषण श्री महाराज सा.

आदि ठाणा (5)

पता:—बडा दिगम्बर जैन मन्दिर रामपुरा कोटा (राज.)

35. सिवनी (म. प्र.)

मुनि श्री ज्योति भूषण जी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर मु. पो. सिवनी (म. प्र.)

36. गांधी नगर (गुज.)

मुनि श्री मित्रान्न नागर जी म. सा.

आदि ठाणा (3)

49. निवाई (राज.)
क्षुल्लक मणि शीतल सागरगी म. सा
आदि ठाणा (2)
पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु. पो. निवाई
जिला—टोक (राज.)
50. रत्न त्रयपुरी (कर्नाटक)
गणधराचार्य श्री कुन्थु सागरजी म. सा
आदि ठाणा (4)
पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु. पो. रत्नत्रयपुरी, शेडेवाल (कर्नाटक)
51. शिवपुरी (म. प्र.)
क्षुल्लक रत्न श्री गुण सागर जी म. सा
आदि ठाणा (5)
पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु. पो. शिवपुरी (म. प्र.)
-
- साध्वीयाँजी समुदाय**
52. पाँडिचरी
आर्यिका श्री विजयमती माताजी म. सा. आदि
आदि ठाणा (4)
पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु. पो. पाँडिचरी
53. हस्तिनापुर (उ. प्र.)
आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी म. सा
आदि ठाणा (2)
पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु. पो. हस्तिनापुर जिला मेरठ (उत्तर प्रदेश)
54. विजयनगर (गुज.)
1. आर्यिका श्री सुप्रभामती माता जी म. सा
2. आर्यिका श्री नुभूपणमती जी म. सा
आदि ठाणा (3)
- पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु. पो. विजयनगर (गुज.)
55. गाजियाबाद (उ. प्र.)
ब्र. कु. कौशल जी म. सा.
आदि ठाणा (5)
पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु. पो. गाजियाबाद (उ. प्र.)
56. कूण (राज.)
आर्यिका विशुद्धमती माता जी,
आदि ठाणा (5)
पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु. पो. कूण
त.—धारियाबाद जिला उदयपुर (राज.)
57. निमाज (राज.)
1. आर्यिका श्री गुण मती जी म. सा
2. आर्यिका श्री निसगमती जी म. सा.
3. आर्यिका श्री क्षुल्लिका जी म. सा
आदि ठाणा (3)
पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु. पो. निमाज,
जिला धाली (राज.)
58. मदनगंज (राज.)
आर्यिका विशालमती माता जी म. सा.
आदि ठाणा (7)
(न्व आ. कला विवेक मागर जी म. सा. की शिष्या)
पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु. पो. मदनगंज (राज.)
59. वडोत (उत्तर प्रदेश)
1. आर्यिका जिन मती जी म. सा
2. आर्यिका ज्ञानमती जी म. सा
आदि ठाणा (2)
पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु. पो. वडोत जिला मेरठ (उ. प्र.)

60 अजमेर (राज)

आयिका श्री विशाल मती माताजी ससध

आदि ठाणा (6) जय भिक्षु जय महावीर जय तुलसी

पता—श्री दिगम्बर जन मन्दिर,
अजमेर (राजस्थान)

हादिक शुभकामनाओ सहित—

61 श्री महावीरजी (राज)

गणिनी आयिका रत्न श्री विशुद्धमती माता जी ससध

आदि ठाणा (5)

पता—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
श्री महावीर जी (राजस्थान)

विनय सेव भण्डार

श्रेष्ठ नमकीन के निर्माता एव विक्रेता

62 हस्तिनापुर (मेरठ)

आयिका श्री जयमती माताजी

आदि ठाणा (6)

पता—श्री दिगम्बर जन मन्दिर,
हस्तिनापुर क्षेत्र जिला (मेरठ)

107 सुभाष भाग (रामगज) इन्दौर

प्रो० हरकचन्द जैन
पीपल वाडा वाला

कुल चातुर्मास सतो के	51	कुल मुनिराज	₹ 18
कुल चातुर्मास सतियों के	11	कुल सतियाजी	18
	—		—
कुल	62	कुल	366
	—		—

कुल चातुर्मास 62, सत 318, सतियाजी 48, कुल ठाणा ₹ 66

With best compliments from



Sampatlal and Bros Sampat Saree Emporium Sampatlal and Company

Azad Chowk, Gorakhpur Bazar
Jabalpur-482002

Phone Shop 24079 Res: 21859

ण जलद्वु उ साउग्रदृण सरोर स्मुवचयदुठ तज टठ ।
णाणटठ सजमटठ चाणटठ चव नुजजा ॥

साधक बल के लिए, आयु के लिए, स्वाद के लिए,
शरीर को पुष्टि के लिए, आहार नहीं करते, किंतु वे पान
के लिए, समय (साधना) के लिए और ध्यान के लिए आहार
ग्रहण करते हैं ।

With Best Compliments From :

Hindustan

MARBLE & MINERAL INDUSTRIES

Mines & Factory Owners

○ Manufacturers ○ Suppliers ○ Exporters ○ Building Contractors

OF

- **White Marble Blocks** □ **White Marble Slabes**
- **Coloured Marble Slabes**
- **Marble Tiles**

OUR SPECIALITIES—

- Availability of Ready Marble Stock in Bulk.
- Marble Supplying and Fitting at Hotel, Cinema, Kothi and Building.

FACTORIES—

**Industrial Area, Pasoond Morchawa & Mokhampura,
Tehsil Rajsamand (Udaipur) (Raj.)**

Phone : 162, 117, 129

ASSOCIATES—

- Mars Enterprises, Pasoond.
- Shri Mahalakshmi Marble & Stones Co Kankroli.
- Ashoka Marble Co. Kankroli (Raj.)
- Arihant Marble & Iranite Pvt. Ltd. Bombay Branch, Kankroli.
- Shri Lakshmi Marble & Tiles Co., Mokhampura (Raj.)

सिंहाना अमर बनने को हमें, शुभ मुक्ति साफ दिखलाता है ।
मरना नहीं बल्कि मृत्यु को, मारना हमें सिखलाता है ॥

॥ जय महावीर ॥

आचार्य सम्राट 1008 श्री आनन्द ऋषि जी म सा की 87 जन्म
जयन्ति के एव मधुर वक्ता प र मूल मुनि जी म सा के
धुलिया चातुर्मास उपलक्ष में हार्दिक अभिनन्दन—

फोन न 60357

महेन्द्र सेव भण्डार

सभी प्रकार के श्रेष्ठनमकीन के लिये विश्वसनीय स्थान

प्रो. गंगाधर भंवर लाल जैन

63, मालगज चोराहा इन्दौर 452002 (म प्र)

सहयोगी प्रतिष्ठान—

महेन्द्र सेव भण्डार

177/8 वैष्णव स्टेडियम मार्केट, लावरिया भेरु,
घार वस स्टेण्ड, इन्दौर 452002 (म प्र)

भाग-षष्ठम्

* अन्य जानकारीयाँ

॥ त्रयं गुरुं तामा ॥

समता विमूर्ती धर्मपान प्रनित्रोधरु समीक्षा ध्यान यागी पूज्य गुरुदेव आचार्य प्रवर श्री 1008
श्री नानालाल जी म ना आदि ठाणा 9 व एन महामतीजी श्री नवरकुन्डर जी म या आदि
ठाणा 8 का जलगांव त्रातुर्मास जान दशन त्रिग्न एन तप री आराधना मे मोल्नास
पूर्ण वातावरण मे सम्पत्त हाने की शुभ मान सामनाओ रे नाथ—

हार्दिक शुभकामनाओ सहित—



माणकचन्द साँखला

जेठाणा वाले

अजमेर (राज०)

रतनलाल साँखला

कमल साँखला

वालकेश्वर-बम्बई (महा)

PIN 400 006

अ. भा. स्थानकवासी जैन पत्र-पत्रिकाएँ

क्र.स	पत्रिका का नाम व पता	वर्ष	भाषा	वार्षिक शुल्क
(अ) मासिक पत्रिकाएँ				
1.	जिनवाणी :-- सम्पादक :-श्री नरेन्द्र भानावत सम्यग् ज्ञान प्रचारक मण्डल दुकान न. 181-82 के ऊपर वापू बाजार, जयपुर 302003 (राज.) फोन न. 75997-67954	43	हिन्दी	21-00
2.	आत्म रश्मि : सम्पादक :-श्री तिलकधर शास्त्री आत्म रश्मि कार्यालय जैन स्थानक, लुलियाना-141008 (पंजाब) फोन नं. 28797	16	हिन्दी	21-00
3.	सम्यग दर्शन:- सम्पादक-श्री माणक चन्द जैन वकील, अ. भा. साधुमार्गी जैन सस्कृति रक्षक संघ मु. पो. सैलाना-457550 जिला-रतलाम (म. प्र)	37	हिन्दी	20-00
4.	अमर भारती :- सम्पादक-श्री कुण्जानन्द शास्त्री विरायतन कार्यालय मु. पो. राजगृही-803116 जिला नालंदा (बिहार) फोन नं 49	23	हिन्दी	20-00
5.	जैन सौरभ : सम्पादक-श्री रामफिरकान एम. मेड उपा- प्रिन्टरी, माणवा चौक नरेशिया कुमा रोड, राजकोट-360001 (गुजरात)	9	गुजराती	20-00

क्र.सं. पत्रिका का नाम व पता	पृ.सं.	भाषा	शोधित शू.क्र.
6 स्थापकवासी जन सम्पादक—श्री जीवनलाल सपयी स्थानकवासी जैन कायालय, पंच भाईती पान, अहमदाबाद (गुजरात) 380001	51	गुजराती	15-00
7 जन जागृति सम्पादक—श्री कान्तिनाथ चौराडिया 146 नानापठ, पूना-411002 (महा) फोन नं 35583	17	मराठी	25-00
8 श्रमण संपादक—डा. श्री सागरमल जन श्री पास्वनाथ विद्याश्रम गोध सभ्याल जैन इन्स्टिट्यूट, आइ टी आर रोड वाराणसी-221005 (उ.प्र.)	37	हिन्दी	15-00
9 सुधम प्रवचन संपादक—प. श्री महेशचन्द्र जन सिटी पुलिस जाधपुर (राज.) 342001	9	हिन्दी	15-00
10 सुधर्मा संपादक—प. श्री चंद्रमूषण मणि त्रिपाठी सुधर्मा कार्यालय बहडगांव रोड अहमदनगर-414001 (महा.)	27	हिन्दी	15-00
11 धम ज्योति संपादक—श्री उम.तीलाल जैन वरील फध्वारा सरक भोलवाडा (राज.) 311001	18	हिन्दी	15-00
12 अहिंसा बगन अ. भा. अहिंसा प्रचार सघ 412ए तीसरा ब्लॉक त्यागराजनगर बैंगलोर-560028 (कर्नाटक)	7	हिन्दी	21-00

क्र.सं.	पत्रिका का नाम व पता	वर्ष	भाषा	वार्षिक शुल्क
13.	जय गूजार : अ. भा. जय गुजार प्रकाशन समिति श्रुताचार्य चौथी स्मृति भवन 39 विनोदनगर, व्यावर-305901 जिला-अजमेर (राज.)	7	हिन्दी	25-00
14.	वीर उपासिका : संपादक--श्रीमती लीला सुराना वकील अ. भा. महावीर जैन श्राविका समिति 128 मिन्ट स्ट्रीट, मद्रास--600079 (तमिलनाडु)	13	हिन्दी	निःशुल्क
15.	झालावाड़ स्थानकवासी जैन : झालावाड़ जैन पत्रिका मासिक 47 डॉ. एम.वी.केलकर स्ट्रीट, 1 माला कालवा देवी रोड़-400002 (महा.)		गुजराती	20-00
16.	झालावाड़ दशा श्रीमाली स्था. पत्र : श्री शान्तीनाल चिमनलाल सेठ रायपुर दरवाजा बाहर, आश्रम विल्डिंग अहमदाबाद-380022 (गुज.)		गुजराती	25-00
17.	जीत की भेरी : संपादक--श्री जीतमल चौपड़ा प्रधान कार्यालय 42/225 शान्ती कुज रामनगर, पुष्कर रोड़, अजमेर-305001 राज आफिस-- जीत की भेरी कार्यालय, 3/12 नन्देज भवन श्री महाराणा प्रताप रोड़, भाईन्दर (वेन्ट) 101101 जिला ठाणा (महा.)	4	हिन्दी	10-00
18.	जोसवाल हितेषी : जोसवाल हितेषी कार्यालय त्रिपोलिया बाजार अंधपुर (राज.) 312001	13	हिन्दी	25-00

उपयुक्त

क्र.सं.	पत्रिका का नाम व पता	वर्ष	भाषा	वार्षिक मूल्य
19	तपोधन तपोधन मासिक कामालय संपादक-मधोकर घटकर राजस्थानी धीतिल स्वाध्याप नवन काशीपुरा-मोलवाडा-311001 (राज)	5	हिन्दी	20-00
20	नूतन जन पत्रिका सम्पादक-श्री राजेन्द्रपाल छावरा बी VIII H N 426 नया मोहल्ला लूधियाना-141008 (पंजाब)	3	हिन्दी	20-00
21	आनन्द दीप आनन्द दीप कार्यालय 2285 जाडल बाजार जहमदनगर-414031 (महाराष्ट्र)	6	हिन्दी	15-00
22	न्यूज लेटर अहम फाउंडेशन, अहिंसा विहार, पी. जा. बांस 3834 नई दिल्ली-110049	5	हिन्दी	नि:शुल्क
23	श्रमण महावीर संपादक-श्री राजकुमार जन 'राजन' राकेट प्रकाशन आकोला-312205 जिला चित्तौड़गढ़ (राज)	3	हिन्दी	15-00
24	धर्म प्रगति कलकत्ता जैन मुक्क मण्डल संपादक-जयन्तीभाई सघवी सर्की प्रेस, 119 लावर चौतपुर राड नाज सिनमा के पास कलकत्ता-700073	10	गुजराती	30-00 (द्वि-वार्षिक)
25	पोरवाना समाज दूषण संपादक-श्री जयचन्द्र कुमार गुप्ता, C-78A-सिवाड एरिया, बापू बाजार 302003 जयपुर-(राज)	5	हिन्दी	10-00

क्र.सं.	पत्रिका का नाम व पता	वर्ष	भाषा	वार्षिक शुल्क
26.	जैन परम्परा : संपादक—श्री फूलचन्द कटारिया, 469. अजना हाउसिंग सोसायटी, ब्लॉक न. 14, गुल टेकडी पुणे-411001 (महा.)	7	हिन्दी-मराठी (संयुक्त)	30-00
27.	आगम आलोक : प्रकाशक—आगम अनुयोग ट्रस्ट (अहमदाबाद) प्राप्ति स्थल—वर्धमान महावीर केन्द्र आवू पर्वत 307501 (राज.)	3	हिन्दी	निःशुल्क

(ब) त्रैमासिक :

1.	भ्रातसभा पत्रिका : भ्रात सभा पत्रिका श्री काशीराम स्मृति जैन अहिंसा भवन 15-ए रोड़, खार (वेस्ट) बंबई 400052 फोन-562509	2	हिन्दी	15-00 (आजीवन)
2.	ओसवाल जगत : ओसवाल जगत—स श्री वमन्तीलाल कुचेरिया, 59, जाली मेकर, चेम्बर्स न. 2, नरीमन पोस्ट, बंबई-100021 (महा.)	6	हिन्दी	151-00 (आजीवन)

(स) पाक्षिक पत्रिकाएं :

1.	जैन प्रकाश संपादक—श्री जतिनराज गुराजा ज. भा. रं. जैन कान्ठेस्त, जैन नगर, 12 गरीब भगवान् महाराज, नई दिल्ली-110001 फोन नं. 313729 (दूर) जैन प्रकाश	73	हिन्दी	20-00
----	-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	----	--------	-------

क्र.सं.	पत्रिका का नाम व पता	पृ.सं.	भाषा	वार्षिक शुल्क
2	जन प्रकाश संपादक—श्री एम जे दत्ता जे भा इव जैन कॉम्प्लेक्स, 1, विजय वल्लभ चाव, त्रिभुवन विन्डिंग, ए बी एन बक व ऊपर, 4 माला, पापघुनी बंबई 400003 (महा) फोन नं 322927 तार जैन सघ	71	गुजराती	20-00
3	धर्मशोषासक संपादक—श्री जूगराज मठिया जे भा माधुमार्गी जन सघ, समता भवन, रामपुरिया सडक बीकानेर-334001 (राज) फोन नं 5027 तार—माधुमार्गी	21	हिंदी	20-00
4	जन क्रांति संपादक—श्री रवींद्र लाल पारख 31/36 करणपुरा, राजफाट-360001 (गुज)	5	गुजराती	20-00
5	जन ज्योति संपादक—श्री प्रकाश चापडा जैन ज्योति कार्यालय नया बाजार, अजमेर-305001 (राज) फोन 22135	10	हिंदी	20-00
6	मुनिघाष संपादक—श्री माहन कुमार पुनमिया, मुनिघाष कार्यालय मु पो सादडीमारवाड-306702 जिला पाला (राज) फोन नं 9	6	हिन्दी	25-00

क्र.स	पत्रिका का नाम व पता	वर्ष	भाषा	वार्षिक शुल्क
7.	समता युवा सन्देश : सचिव श्री मणिलाल घोटा अ. भा. माधुमार्गी जैन समता युवा संघ, 2 चीमुखी पुल रतलाम-457001 (म.प्र.)	3	हिन्दी	निःशुल्क
8.	महावीर मिशन : संपादक-श्री जे. डी जैन दिल्ली प्रदेशीय श्री व.स्था. जैन महासंघ जैन स्थानक 10326 मोतीया खान, नईदिल्ली-110055	13	हिन्दी	31-00
(द) साप्ताहिक पत्र :				
1.	तरुण जैन : संपादक-श्री फतहसिंह जैन तरुण जैन कार्यालय त्रिपोनिया बाजार जोधपुर (राज.) 342001	34	हिन्दी	50-00
2.	जैन तपस्या : जैन तपस्या कार्यालय रविवार पेठ-जुन्नर-120502 जिला पूना (महा.)	5	मराठी	25-00
3.	दिवाकर दिप्ती . संपादक-श्री मोतीलाल बाफना 33 नीम चौक, रतलाम-457001 (म.प्र.)	2	हिन्दी	25-00

क्र स	पत्रिका का नाम व पता	पृष्ठ	भाषा	वार्षिक शुल्क
-------	----------------------	-------	------	---------------

(इ) दैनिक जैन पत्र

1	जैन समाज	5	हिन्दी	125-00 वार्षिक
---	----------	---	--------	-------------------

जैन समाज हिन्दी दैनिक

संपादक—श्री जिनेन्द्रकुमार जैन,

2073 घोवाला का रास्ता

जौहरी बाजार, जयपुर-302003

(राज) फोन 40582

(नोट—जैन समाज पत्र—समग्र जन समाज का

एक मात्र हिन्दी दैनिक पत्र है।)

(एफ) वार्षिक जैन पत्र

1	श्री समग्र जैन चातुर्मास सूची	8	हिन्दी	10-00
---	-------------------------------	---	--------	-------

संपादक—श्री बाबूलाल जैन 'उज्ज्वल'

अ भा समग्र जन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्

तिरुपति थपाटमटस, ब्लॉक न 105,

आकूर्ली कास रोड न 1

कादिवली (पुव)

धवर्द-400101 (महा) फोन न 681278

कुल स्थानकवासी जैन पत्र-पत्रिकाए 42

मासिक	त्रैमासिक	पाक्षिक
27	2	8
साप्ताहिक	दैनिक	वार्षिक
3	1	1



अन्य जैन पत्र-पत्रिकाएँ

दिगम्बर---तेरापथी एवं मूर्तिपूजक सम्प्रदाय

1. जैन गजट (हिन्दी साप्ताहिक)
भा. दिगम्बर जैन महासभा
रगमहल अजमेर (राजस्थान)
2. अणुव्रत (हिन्दी पाक्षिक)
अ. भा. अणुव्रत समिति
210, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग,
नई दिल्ली-110 001
3. अनेकान्त (हिन्दी त्रैमासिक)
वीर सेवा मन्दिर, 21, दरियागंज
नई दिल्ली-110 002
4. अरिहंत (हिन्दी मासिक)
अरिहंत प्रकाशन मन्दिर
मोतीचौक, जोधपुर (राजस्थान)
5. आगमपथ (हिन्दी मासिक)
3023, बहादुरगढ़ मार्ग,
नई दिल्ली-1100 06
6. आत्मधर्म (हिन्दी मासिक)
टोडरमल स्मारक भवन
ए-4 वापूनगर
जयपुर-30200 1 (राज.)
7. जैन जर्नल (इंग्लिश त्रैमासिक)
जैन भवन पी 25 कलाकार स्ट्रीट
कलकत्ता-700 006
8. जैन जागरण (हिन्दी मासाहिक)
रायपुर न. दिगम्बर जैन,
गोलापूर्व नभा, नदर बाजार रायपुर
9. जैन दर्पण (हिन्दी मासिक)
नारदा भवन के नामसे
नयाई-भारत-रोड जयपुर 30 2003
10. जैन दर्शन (हिन्दी मासिक)
भा. दिगम्बर जैन सिद्धान्त संरक्षिणी सभा
30/12 ए/. रामनगर स्ट्रीट 5
गांधीनगर, दिल्ली,
11. जैन भारती (हिन्दी साप्ताहिक)
श्री जैन श्वे. तेरापथी महासभा
3, पोर्तूगीज चर्च गेट
कलकत्ता-700 001
12. जैन पथ प्रदर्शक (हिन्दी मासिक)
सुभाष पथ, विदिशा 464001 (म. प्र.)
13. जैन मित्र (साप्ताहिक)
दिगम्बर जैन प्रातिक सभा,
खपाटिया चकला,
गांधी चौक सूरत-3 (गुजरात)
14. जैन संस्कृति (हिन्दी मासिक)
दिगम्बर जैन संस्कृति सेवक ममान
चौरानी, मथुरा (उ. प्र.)
15. जैन संदेश (हिन्दी मासाहिक)
भा. दिगम्बर जैन मध
चौरानी मथुरा (उ. प्र.)
16. जैन संदेश (हिन्दी मासाहिक)
जैन सेवा मध रामकोट एन गाँव
हैदराबाद (आंध्रप्रदेश)
17. तिर्यकर (हिन्दी मासिक)
55 पथकार लानोनी, रनाटिया मार्ग,
इन्दौर-15200 1 (म. प्र.)
18. तुलसी प्रज्ञा (हिन्दी त्रैमासिक)
अ. भा. तेरापथी सभा
जैन विद्या भारती वाडू (राज.)

- 19 तेरापथी (हिन्दी मासिक)
दिनी प्रदा श्रमा उष,
4482, ग्वा गदान, पहाडाघात
दिनी 110006
- 20 तेरापथ भारती (हिन्दी मासिक)
अ मा तेरापथा मनात्र
266-368 सान कान
32 अथर म्हाड,
कनता 700 001
- 21 दिगम्बर जन (हिन्दी मासिक)
दिगम्बर जन पत्रिक
मेठाना, जागा (उ प्र)
- 22 दिगम्बर जन (हिन्दी मासिक)
त्रमाटियाकना गाथा चार
नून-3 (गुजरात)
- 23 दिगम्बर जन महासमिति (कुलेटिन) (हिन्दी मासिक)
वा 45/47 दिनीय मजिन,
कनाट पनेम नर दिना-
- 24 दिगम्बर (हिन्दी मासिक)
566 जागी भजन ए मानन
मनिहारा वा गन्ना, जयपुर-3(रा.)
- 25 महावीर मदेश (हिन्दी मासिक)
दिगम्बर जन अविगथ तेर
मी महावीरजी रा (गन्धवान)
- 26 महावीर सदेश (हिन्दी मासिक)
दिगम्बर जन तान मदिन,
चादनी चौक, दिल्ली-1100 06
- 27 मगत ज्योति (हिन्दी मासिक)
श्री दिगम्बर जन केरगन
2, नर हरियाम गानन रा म्हाड
कनता-700 007
- 28 चल्लम सदेश (हिन्दी मासिक)
गाड मनन उमरा भा
मी नीम जयपुर 30 2002 (रा.)
- 29 वीर (हिन्दी मासाहिका)
अ भा दिगम्बर जन पत्रिक
मेठ (उ प्र)
- 30 वीरवाणी (हिन्दी मासिक)
मनिहारा वा गन्ना
जयपुर 30-003 (गन्धवान)
- 31 सारथ धम (हिन्दी मासिक)
अ मा था गनेत्र जा युवक पत्रिक
मन्तार (म प्र)
- 32 खेनाम्बर जन (हिन्दी मासाहिका)
माती रदता गाय (उ प्र)
- 33 धमण (गन्धवा मासिक)
जन मन पी-25 कनागर म्हाड
कनता-700 007
- 34 समति सदेश (हिन्दी मासिक)
435 गाधी नगर, दिनी 110 031
- 35 गमनिवाणी (हिन्दी मासिक)
श्री दिगम्बर जन मानवा प्रातिक मभा,
गा मन्तार र हुडुमनद भा,
मन्तार-452 002 (म प्र)
- 36 सम्बजान (हिन्दी मासिक)
दिगम्बर जन विचार गाप मन्तार
शनिवापुर (मठ उ प्र)
- 37 धमण भारती (हिन्दी मासिक)
उमा गना लाडा, बाग मुजकन गान,
ए ए टी कम्पाउण्ड
गारा-2, 282002
- 38 मरुत्य (हिन्दी मासिक) मूर्ति पुजक
मपादक श्री प्रवीण जे लालन,
मु पा काडाय त मीडवी कच्छ (गुज)
- 39 अ विश्व जन मिशन (मासिक)
श्री तारावन्द जन धमणी,
कना मन नू बालानी जयपुर-302003

41. बालस्मृति (गुजराती मासिक)

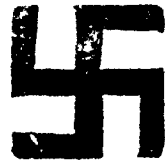
मयूर पब्लिसिटी, 16 मर्कता मेन्शन न 1
सहार रोड, अधेरी (पूर्व) बम्बई-400 068
फोन नं. -634 4027

सम्प्रदायों की देने का हमारा विचार था लेकिन सभी पत्र-पत्रिकाओं के बारे में हमारे पास उपलब्ध जानकारी नहीं होने के कारण हम सिर्फ उपयुक्त सक्षिप्त सूची ही दे पाये हैं एवं सभी पत्र-पत्रिकाओं के माननीय सम्पादकों से नम्र निवेदन है कि वे अपने अपने पत्र की एक प्रति हमें अवश्य भिजवाने की कृपा करें ताकि भविष्य में सभी की जानकारियों व्यवस्थित ढंग से आपके सम्मुख प्रस्तुत कर सकें।

आशा है आप अवगत ध्यान देने की कृपा करेंगे।
इसी आशा के साथ।

नोट - इसके जलावा भी कई जैन पत्र-पत्रिकाएँ प्रकाशित होती हैं जिसे तरह स्थानकवासी पत्र पत्रिकाओं की व्यवस्थित सूची हमने यहाँ दी है उसी तरह की अलग-अलग सूची सभी

—बालूबालू जैन 'उज्जवल'
सम्पादक,



हार्दिक शुभकामनाओं सहित

फोन : 22693
21097

निधी टेक्सटाइल्स

19, घो का झण्डा, पाली-मारवाड़ (राज०)

306401

सम्बन्धित फर्म—

सूरज इन्डस्ट्रीज

1-22, SA मटिया रोड, पाली-मारवाड़ (राज.) 306401

श्रीमान् लाल, श्रीमान् ए. प्रमोद, श्रीमान् ए. मणिसिंह के निवास पर 1/27/71

—मेघराज केवलचन्द्र गुरोच्छ्रा—

समेतियों की पार्टी, पाली मारवाड़ (राज.) 306401

सुख की अभिलाषा रख करके जो दूषित कम कमाते हैं
वे मधुर आम्र खाने के हित, वो कर बबूल हर्षते हैं ॥

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ :

मारवाड़ के प्रसिद्ध पापड़
श्री वर्धमान पापड़ भण्डार

14, महावीर गली, गुन्दोचिया वास,
पाली-मारवाड़-306401 (राजस्थान)

स्टाकिस्ट

नानजी खिमजी

2 रा भाईवाडा (पापड़ वाला)
भूलेश्वर, वम्बई 400002
फोन-367477

एम. शान्तिलाल एण्ड क,

101, मामूल पेट,
बंगलोर 560002 (कर्नाटक)
फोन-74347

चिमनलाल भीखाभाई

मोरिया पारसनाथ की खिडकी, पाजरा पोल,
रिलिफ रोड, अहमदाबाद-380001 (गुज)

अखिल भारतवर्षीय स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघों की सूची

जिन-जिन क्षेत्रों में पूज्य सत-सतियों जी म.सा. का चातुर्मास नहीं हुआ हो वे क्षेत्र पर्यूपण पर्व में शास्त्र वाचन व्याख्यान प्रतिक्रमण आदि धार्मिक, प्रवृत्तियाँ कराने हेतु निम्नलिखित स्वाध्याय संघ में पत्र व्यवहार कर स्वाध्यायीयों को नि.गुल्क बुला सकते हैं। पत्र व्यवहार करते समय क्षेत्र में पहुंचने का मार्ग व जैन घरों की कुल संख्या का उल्लेख अवश्य करें। लीजिये आपके सामने उन सभी स्वाध्याय संघों के नाम पता, आदि का विवरण यहाँ प्रस्तुत किया जा रहा है।

क्र.सं. स्वाध्याय संघों के नाम व पता

क्र.सं. स्वाध्याय संघों के नाम व पता

(क) आचार्य प्रवर श्री हस्तीमल जी म.सा. की प्रेरणा से:-

1. स्वाध्याय संघ-जोधपुर (राज.)
संयोजक -श्री सम्पतराज डोशी
स्वाध्याय संघ, घोडो का चौक,
जोधपुर (राज.) 342001
2. स्वाध्याय संघ-शाखा-सवाई माधोपुर (राज.)
संयोजक:-श्री रूपचन्द जैन
श्री श्वे. स्था जैन स्वाध्याय संघ,
स्टेशन बजरिया, जादश नगर रोड़,
सवाई माधोपुर (राज.) 322001
3. कर्नाटक स्वाध्याय संघ-बंगलोर
संयोजक.-श्री ज्ञानराज जी मेहता,
कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ,
21/25, एम. पी. लेन, चिक्केपेट काम,
बंगलोर (कर्नाटक) 560053
1. महाराष्ट्र स्वाध्याय संघ-जलगाव
संयोजक.-श्री प्रकाश चन्द जैन
महाराष्ट्र जैन स्वाध्याय संघ,
नवजीवन मंगल कार्यालय,
अधिकारन बाग, जलगाव-125001(महारा.)
5. मध्यप्रदेश स्वाध्याय संघ-उन्नीर -
संयोजक -श्री फकीर चन्द मेहता
मध्यप्रदेश जैन स्वाध्याय संघ,
महाराष्ट्र भवन, उन्नीर बाजार
उन्नीर-132 001 (म.प्र.)

6. महाराष्ट्र विदर्भ स्वाध्याय संघ-नागपुर
संयोजक -श्री मोहनलाल कटारिया
महाराष्ट्र विदर्भ स्वाध्याय संघ,
इतवारी अनाज बाजार,
नागपुर-440 002 (महारा.)
7. तमिलनाडु स्वाध्याय संघ शाखा
संयोजक -श्री गजराज मेहता
तमिलनाडु स्वाध्याय संघ,
संयोजक श्री उमराव मल मुराना
1, कलाथी पिलार्ट स्ट्रीट
मद्रास-600 001 (तमिलनाडु)
8. पल्लीवाल क्षेत्र स्वाध्याय संघ-शाखा
संयोजक.-श्री मूरजमलजी मेहता -
पल्लीवाल क्षेत्र स्वाध्याय संघ,
मु. पो अलवर (राजस्थान)

(ख) प्रवर्तक श्री कुन्दनमलजी म.सा. की प्रेरणा से-

9. स्वाध्याय संघ-गुलावपुरा
संयोजक -श्री श्वे. स्था. जैन स्वाध्याय संघ,
गुलावपुरा-311 021
जिला-बीकानेर (राज.)

(ग) सुधर्म प्रचार मण्डल द्वारा-

10. सुधर्म प्रचार मण्डल-जोधपुर
संयोजक -श्री नर्मोत्तम दास,
श्री सुधर्म प्रचार मण्डल,
मिर्ठी पुरास के सामने
जोधपुर (राज.) 312 001

क्र स	स्वाध्याय सघों के नाम व पता	क्र स	स्वाध्याय सघों के नाम व पता	
11	सुधम प्रचार मण्डल-गुजरात शाखा संयोजक—श्री प्रदीप कुमार सठ रुद्रमणी भवन, मुद्रा चाक, मीठा घली जहमदाबाद-380 006 (गुज) प्रमुख—श्री जमवंत लाल एम शाह वायक्विम फार्मा इन्स्टीट्यूट, पा जा वासम न 2217 1 वार्डो तालाव, उम्बई-400 002	19	अ भा स्या जन स्वाध्याय सघ शाखा-सवाई माधपुर संयोजक—श्रीमानक चंद जन जध्यापक श्री अ भा स्या जैन स्वाध्याय सघ जानन्द भवन, जैन म्यानक सवाई माधपुर (राज) -322 021	
12	सुधम प्रचार मण्डल-छत्तीसगढ़-शाखा संयोजक—श्री नरिंक चन्द पाठिया, सुधम प्रचार मण्डल, राज लाइन, राजनान्दगाव-491 441 (म प्र)	(च) अ श्री नानालालचार्यजी म सा को प्रेरणा से—	20	ममता प्रचार सघ-उदयपुर संयोजक—श्री गणेशलाल बया, श्री ममता प्रचार सघ 48, नुषानपुरा उदयपुर (राज) 313001
13	सुधम प्रचार मण्डल, मेवाड़-शाखा संयोजक—श्री नाथूलाल बाफना, सुधम प्रचार मण्डल, भापाल मागर, उदयपुर (राज)	21	समता प्रचार सघ शाखा सवाई माधपुर क्षेत्र संयोजक—श्री पदम बाबू जैन, ईएम जाई हार्मिटेज के सामने राजूरिया, रेल्व स्टेशन, सवाई माधपुर (राज) -322 001	
14	सुधम प्रचार मण्डल, महाराष्ट्र शाखा, संयोजक—श्री सुधम प्रचार मण्डल, मु पा यवला जिना नासिक (महा)	22	समता प्रचार सघ शाखा-मालवा क्षेत्र संयोजक—श्री शान्तीलाल मुणात ममता भवन, 81 तालाडपुरा खलाम-457 001 (म प्र)	
15	सुधम प्रचार मण्डल, झालावाड शाखा संयोजक—श्री मार्गलाल जैन, सुधम प्रचार मण्डल मु पा डग जिना चालामाड (राज)	23	जाध्या जन स्वाध्याय सघ संयोजक—श्री शान्तीलाल गूदचा 2-2-1167/2 ई-तिलक नगर हैदराबाद-500 041 (जान्ध प्रदल)	
16	सुधम प्रचार मण्डल, मालवा शाखा संयोजक—श्री शान्तीलाल सुराना सुधम प्रचार मण्डल, 124 तिलक नगर इन्दौर-452 001 (म प्र)	(छ) उपाध्याय श्री पुष्कर मुनि जी म सा को प्रेरणा से—	24	दक्षिण भारत जन स्वाध्याय सघ-मद्रास ममी—श्री मैवरलाल गाठी, श्री दक्षिण भारत जज्ञ स्वाध्याय सघ, 348, मीन्ट स्ट्रीट मद्रास-600 079 (तमिनाडू)
17	सुधम प्रचार मण्डल पाली शाखा संयोजक—श्री पनालाल बठिया, सुधम प्रचार मण्डल, मु पो पाली मारवाड (राज)	25	वधमान जन स्वाध्याय सघ-सायरा संयोजक—श्री वधमान जैन स्वाध्याय सघ, मु पा सायरा-313 701 जि उदयपुर (राज)	
(घ) आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषि जी म सा को प्रेरणा से—	18	अ भा स्या जन स्वाध्याय सघ जहमद नगर संयोजक—अ भा स्या जैन स्वाध्याय सघ बण्ड गाव राड जहमदनगर (महा)-414 001	26	श्री जन दिवाकर स्वाध्याय सघ संयोजक—श्री वधमान जैन स्वाध्याय सघ नयावात ममदडी (मडमेर) 314 021
			27	संयोजक—श्री जैन दिवाकर स्वाध्याय सघ, यरवडा-पूना-411 006 (महाराष्ट्र) शाखा-अहिमा नगर चित्तौडाड़ (राज)

अ. भा. स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड सूची

1. श्री त्रिलोक रत्न स्था. जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड
पता—श्री त्रिलोक रत्न स्था. जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड
बहड़ गाँव रोड, अहमदनगर,
(महाराष्ट्र)-114 001
2. श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड
पता:—श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड,
समता भवन, रामपुरिया मडक
वीकानेर (राज)-334 001
फोन न. 1527 ग्राम-“साधुमार्गी”
3. श्री विराणी शिक्षण संघ धार्मिक परीक्षा बोर्ड
पता:—श्री विराणी शिक्षण संघ धार्मिक परीक्षा बोर्ड,
6 दीवानपुरा, राजकोट-360 001 (गुज.)
4. श्री पार्वती बाई महासती जो सिद्धान्त शाला
पता—श्री लक्ष्मीचन्द्र जवेरचन्द्र स्था जैन उपाध्यय,
4, स्थानकवासी जैन सोमायटी
नारायणपुरा क्रोमिंग के पास,
अहमदाबाद-380 013 (गुज)
5. श्री श्रमणी विद्यापीठ-भचाऊ
पता—श्री स्थानकवासी जैन श्रमणी विद्या पीठ,
गु पी भचाऊ-360 110 (रुच्छ)
जिला भुज (गुज)
6. श्री श्रमणी विद्यापीठ, घाटकोपर-बम्बई
पता—श्री श्रमणी विद्यापीठ,
श्रीम शाला जैन, घाटकोपर (पूर्व)
बम्बई-400 077 (म.ग.)
7. श्री त्रिनाथिका सिद्धान्त शाला
पता—श्री त्रिनाथिका सिद्धान्त शाला,
त्रिनाथिका सिद्धान्त शाला
अहमदनगर (राज)
8. श्री जैन सिद्धान्त शिक्षण संस्थान
पता—श्री कन्हैयालाल लोढा 'अधिष्ठाता'
साधना भवन, 9-ए, महावीर उद्यान पथ,
बजाज नगर, जयपुर-302017 (राज)
9. महावीर जैन स्वाध्याय विद्यापीठ
पता—प्राचार्य-श्री महावीर जैन स्वाध्याय विद्यापीठ,
महेश हाऊसिंग सोमायटी,
आकाशवाणी के मामले, जनगाँव-455 001
(महा)
10. श्री सुधर्म प्रशिक्षण संस्थान
पता:—प्राचार्य—सुधर्म प्रशिक्षण संस्थान,
जैन पाठशाला भवन,
मिटी पुलिम, जोधपुर
(राज) 342 001
11. श्री श्वे. स्था. जयमल जैन शिक्षण संस्थान
पता—श्री श्रुताचार्य चौध न्मृति भवन,
39 विनोद नगर,
व्यावर-305901
जिला अजमेर (राज)
12. श्री अ. भा. विद्वत् परिषद् जयपुर
पता—श्री 235 ए, दयानन्द मार्ग
निलक नगर-जयपुर-302001 (राज)
फोन न 67951
13. श्री ज. ना. गजेन्द्र जैन स्वाध्याय पीठ
10-11 यशवन्त निवास राड,
उदोरा-152 001
14. श्री ज्ञानन्द मन्हुन प्रायत प्राच्य विद्यापीठ
बहड़ गाँव राड, अहमदनगर
(म.ग.)-114 001

- 15 श्री बधमान जन सिद्धान्त शाला
पता—श्री व स्था जैन श्रानक मय
शान्ती भवन,
भूपानाज, भीलवाडा (राज)-311 001
- 16 श्री मालवमणि श्रमणी नानपीठ
श्रीकृष्ण स्मृति भवन, राजमौहल्ला
द्वार-152 001 (म प्र)
- 17 श्री पुष्कर विद्यापीठ
तारक गुरु जन ग्रहालय,
शान्ती सक्ल, उदयपुर (राज)

नाट—इनके अनावा श्वे मति पूजक, श्वे तरापी एव दिगम्बर नम्रदाय म भी कई उगह धार्मिक परीक्षा जोड बने हुए है नेकिन हमारे पाम मही जानकारिया उपलब्ध नहीं हानि के कारण सिफ हम इतना ही द पा रह ह । सभी पूज्य साधु-माध्विया, महानुभावा, व्यवस्थापका से नम्र निवेदन है कि वे अपन अपने क्षेत्रा की जानकारिया हमे भिजवात रहे ताकि भविष्य मे सभी की जानकारिया दन की काशिग करें ।

—नम्पादक,



विश्व शान्ति के लिए

आचाय श्री नानेश जो की अमूल्य देन

समता दर्शन

- समता सिद्धांत दर्शन
- समता जीवन दर्शन
- समता ग्राम दर्शन
- समता पंचात्मदर्शन
- समता समाज रचना

हार्दिक शुभकामनाओं महित—

फोन दुकान 37993
निवास 36066

अनूपचन्द कमलचन्द कोठारी

आदर्शतिया एव कमोशन एजेन्ड

42 नई अनाजमण्डी, सयोगितागज

इन्दौर-452002 (म प्र)

हार्दिक शुभकामनाओं महित—

फोन न दुकान 22639
निवास 23096

कटारिया सेल्स एजेन्सी

7/1, महारानी रोड, सियागज इन्दौर,
452001 (म प्र)

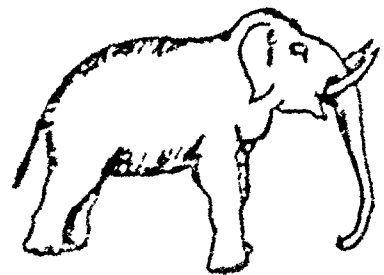
अधिकृत विक्रेता—जे के सिमेंट, डायमंड सिमेंट,
चेतक सिमेंट-सतना सीमेंट

अ. भा. स्थानकवासी जैन छात्रालयों की सूची

- 1 श्री एस.एस. महधर केशरी जैन छात्रावास
मु.पो. जेतारण
जिला-पाली मारवाड़ (राज.)
- 2 श्री जैन छात्रावास,
मु.पो. कुचेरा, जिला-नागौर (राज.)
- 3 श्री जैन रत्न छात्रालय,
मु.पो. भोपालगढ (राज.)
- 4 श्री जैन दिवाकर छात्रावास स्मारक,
सागोद रोड, मु.पो. रतलाम (म.प्र.)
- 5 श्री व. स्था. जैन छात्रावास स्मारक,
मु.पो. राणावास, जिला-पाली (राज.)
- 6 श्री कानजी शिवजी ओसवाल जैन वोटिंग,
जिला-पेठ जलगाव (महा.)
- 7 श्री आनन्द यशजैन छात्रावास,
मु.पो. फूतिया कला, जिला-भीलवाडा (राज.)
- 8 श्री श्वे. स्था. जैन छात्रावास,
श्री चादमलजी वी. नाहर, मानदमयी,
मु.पो. छोटी मादडी, (राज.) 312604
- 9 श्री पारम मन मिनाथ चंद्र जैन सेवा ट्रस्ट, छात्रावास,
नवानक, चादीहान
जोधपुर (राज.) 31001
- 10 श्री श्रीस्वान जैन छात्रावास,
नगौरक श्री न.प्र.स्वतमन पटवारी
निर्नाड़गड़-(राज.)
- 11 श्री नानिनाथ जैन सेवा छात्रावास,
राणा राम-नारनाथ
निर्नाथगड़ (राज.)
- 12 श्री जैन ज्ञान छात्रालय,
कपड़ा मार्केट, जोधपुर (राज.)
13. श्री सयुक्त जैन विद्यार्थी गृह,
प्लॉट नं. 64, डॉ. गडे होस्पिटल के पीछे,
सायन (वेस्ट) वम्बई-400052
14. श्री लोकाशाह जैन गुरुकुल,
सादडी-मारवाड, जिला-पाली (राज.)
- 15 श्री तलमाणिया अजमशी ओधवजी स्थानक जैन
विद्यार्थी गृह, स्टेशन रोड, मु.पो. लिम्बडी
लिम्बडी (सीराट्ट) 363421.
- 16 श्री स्थानकवासी जैन वोटिंग,
बडवाड रोड, सुरेन्द्रनगर-360001 (गुज.)
17. श्री दशा श्री माली स्थानक जैन वोटिंग, सुरेन्द्रनगर
18. श्री खजीलालजी छावठा बीशा ओसवाल जैन वोटिंग
भचाऊ-कच्छ (गुज.) 370140.

इनके अलावा सैकड़ों जगह स्था. एवं अन्य जैन छात्रावास बने हुये हैं लेकिन हमारे पास कोई सूचना नहीं होने से हम आपके नामों प्रस्तुत नहीं कर सके हैं, क्षमा करें।

सम्पादक



जैसे जल के बाहर मछली, पानी के हेतु तडपती है ।
तैसे दुख द्वन्द्व मलिन आत्मा, आनन्द ढूँढती फिरती है।।

हार्दिक शुभकामनाओ सहित

सुरेश एम० तालेरा

Talera Hoteliers Pvt. Ltd.

**13, Wilson Garden,
Motilal Talera Marg
POONA-411001 (Mh.)**

Tel No 61414
61616

अ. भा. शिक्षा—छात्र वृत्तियां देने वाली जैन संस्थाएँ

1. सेठ हीराचन्द गुलाब चन्द स्कॉलरशिप ट्रस्ट,
148, लेमिंग्टन रोड-बम्बई-7
2. जैन श्वेताम्बर काफ्रेस गौडीजी बिल्डिंग,
20, पायधुनी, बम्बई-2.
3. महावीर जैन विद्यालय, गोवलिया टैंक, अगस्त
क्रान्ति मार्ग, बम्बई-26.
4. बालचन्द चेरिटी कन्स्ट्रक्शन हाऊस, बम्बई-1
5. श्री घोषारी वीसा ओसवाल शुभच्छुक मण्डल,
76, सुतार चाल, बम्बई.
6. श्री विजय केशरमूरि स्मारक स्कॉलरशिप ट्रस्ट,
फण्ड कान्तिलाल नर्गनदास झवेरी,
44/46, धनजी स्ट्रीट, बम्बई-3.
7. वर्धमान जैन सेवा सदन,
21, गौडीजी की चाल दूसरा माला बम्बई-2.
8. वर्धमान स्थानक वासी जैन श्रावक सघ,
170, कांदावाड़ी, बम्बई-4
9. धेमचन्द वीरा शिष्य वृत्ति अ.भा. स्थानक,
वासी जैन काफ्रेस पायधुनी, बम्बई-2
10. जालावाड़ स्थानक वासी जैन सभा, कोल भाट
लेन' बम्बई-2
11. श्री नौराष्ट्र दशा श्री गान्धी सेवा सघ दूसरा माला,
शमोलकर बाड़ी, कालवा देवी, बम्बई-2
12. श्री जैन कॉलेजियम मण्डल, 11, मजंधान रोड,
बम्बई-1
13. गणेश्वराना नान प्यार रान एजुकेशन फण्ड,
31, नाली कोठ, देहली-6
14. श्री मुत्ताना विद्या कण्डु ट्रस्ट,
1298, नाली चौक देहली-6.
15. श्री जिन दत्त सूरि मण्डल, दादावाडी, अजमेर,
16. श्री जैन गुरुकुल शिक्षण सघ व्यावर (राजस्थान)
17. सी.पी. एण्ड, वेरा ओसवाल शिक्षक संस्था,
सुराना भवन नागपुर-1 (महाराष्ट्र)
18. खानदेश ओसवाल शिक्षण संस्था, जामनेर,
जामनेर, (महाराष्ट्र)
19. अ.भा. श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन काफ्रेस,
12, लेडी हार्डिंग रोड, नई दिल्ली.
20. अचल जैन सेवा ट्रस्ट, 32, भागवती देवी जैन,
मार्ग सदर, आगरा-1.
21. श्रीमती बनारसी देवी ओसवाल पब्लिक चेरिटेबल
ट्रस्ट.
22. वर्धमान स्पनिंग एण्ड जनरल मिल्स लि. लुधियाना
चण्डीगढ़ रोड, जमालपुर,
(पंजाब) 141111.
23. श्री सूरजमल श्री माल मेमोरियल ट्रस्ट
4ए-2 (ए) कोर्ट चैम्बर,
35, न्यू मेरिन लार्ज, बम्बई-20.

नोट:—उपरोक्त प्रस्ताव भी कई संस्थाएँ हैं लेकिन यहाँ के बारे में पूर्ण जानकारी नहीं होने के कारण यहाँ यहाँ के नाम नहीं दे पा रहे हैं। यहाँ मजानुभासी के नाम लिखे हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जानकारीवाला पत्र लिखकर भी पूरा करेंगे।

—संस्थाएँ



धन प्राण ग्यारहवा जग में, प्राणो से भी प्यारा है।
 धन तो नित्य रहे तिजोरी में, अह्प्राण बने रखवारा है।

हार्दिक शुभकामनाओ सहित :



तार-‘पापडवाला’

फोन 21597

श्री जैन उद्योग पापड़ भण्डार

असली कगन, सज्जी व उच्चकोटि की दालो द्वारा निर्मित स्वादिष्ट
 व जायकेदार पापड़ के निर्माता एव निर्यातक

गुन्दोचिया वास, पाली-मारवाड-306401 (राज)

राजस्थान के दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र

राजस्थान न तो कोई सिद्ध क्षेत्र है और न ही कोई कल्याणक क्षेत्र ही। यहाँ अतिशय क्षेत्र हैं। राज्य के प्रमुख और प्रसिद्ध दिगम्बर अतिशय क्षेत्रों के नाम स्थान एवं जिलों का विवरण इस प्रकार है।

क्र.स.	नाम	स्थल	जिला
1.	श्री ऋषभ देव केशरिया जी	धुलेव	उदयपुर
2.	श्री नागफली पार्श्वनाथजी	वीछीवाडा	डूंगरपुर
3.	श्री आदेश्वर पार्श्वनाथ जी	कुशलगढ,	वासवाडा
5.	श्री शातिनाथजी	वामोतर	चित्तौडगढ़
6.	श्री पार्श्वनाथजी	विजोलिया	भीलवाडा
7.	श्री चम्बलेश्वर पार्श्वनाथजी	पारौली	भीलवाडा
8.	श्री पद्मप्रभुजी	पुद्मपुरा	जयपुर
9.	श्री चूलगिरी पार्श्वनाथजी	जयपुर	जयपुर
10.	श्री महावीरजी	श्रीमहावीरजी	सवाई माधोपुर
11.	श्री चमत्कारजी	आलनपुर	सवाई माधोपुर
12.	श्री चन्द्रप्रभुजी	तिजारा	अलवर
12.	श्री शाति नाथजी	वघेरा	अजमेर
13.	श्री मुनि सुव्रतनाथजी	केशवराय पाटन	बून्दी
14.	श्री ऋषभ देवजी	चादखेड़ी	झालावाड
15.	श्री शातिनाथजी	पाटन	झालावाड

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

फोन—21677

के. एम. टेक्सटाइल्स मिल्स

ई--5 मण्डिया रोड़, पाली मारवाड़ (राज) 306401

शाह उमगराज गुणवन्तराज

एम. डी. फैब्रिक्स

रंगीन व प्रिण्ट वायलों व साड़ियों के विक्रेता

विड़लो का वास, पाली-मारवाड़ (राज)

फोन—6516

जव हाकिम से मिलने के लिए, बढिया पोशाक सजाते हों ।
तो मालिक से मिलने के लिए, क्यों रह न पाक बनाते हों ।

With Best Compliments From :

Jain Provision Stores

“ Jain Buildings ”

129 Usman Road

T. Nagar, MADRAS-600 017. (T.N.)

PH • 441479



S. Mahaveerchand

PARTNER

BINNY

Approved Show Room Jain Buildings,

129, Usman Road, Madras-600 017

Tel 441479 442626 Gram SUGAN

अ. भा. समग्र जैन आचार्यों, पन्थास गणि
प्रवर्तक आदि की सूची—

(1) श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन सम्प्रदाय के आचार्य

1. श्रमण संघ के श्री आनन्द ऋषिजी म.सा	7. कच्छ आठ कोटी छोटा पक्ष सम्प्रदाय के श्री रामजी स्वामी म सा
2. रत्नवंश सम्प्रदाय के श्री हस्तीमल जी म. सा	8. खंभात सम्प्रदाय के श्री काती ऋषिजी म सा
3. जयमल सम्प्रदाय के श्री जीतमलजी म.सा.	9. वरवाला सम्प्रदाय के श्री चम्पक मुनिजी म सा
4. साधुमार्गी सम्प्रदाय के श्री नानालालजी म.सा.	
5. दरियापुरी सम्प्रदाय के श्री शान्तिनानलजी म सा	कुल आचार्य 9
6. कच्छ आठकोटी मोटा पक्ष सम्प्रदाय के श्री छोटानानल जी म.सा	श्वे. स्थानकवासी जैन सम्प्रदाय के कुल आचार्य 9



With Best Compliments From :

M/s. Moolchand Mehta

37, Ghee-Ka-Zanda, PALI-Marwar (Raj.) 306401

Phone : 21191

Phone : 21191

M/s. Morning Centre

M/s. Morning Dyeing

Mandia Road, PALI Marwar (Raj.)

(2) श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन सम्प्रदाय के आचार्य

(1) तपागच्छ समुदाय

1 आचार्यश्री विजय प्रेम सूरिस्वरजी म सा का समुदाय

- 1 आचार्य श्री विजय रामचन्द्र सूरिस्वरजी म सा
- 2 " श्री विजय वर्तमान सूरिस्वरजी म सा
- 3 " श्री विजय भुवन सूरिस्वरजी म सा
- 4 " श्री विजय सुदशन सूरिस्वरजी म सा
- 5 " श्री विजय जयत शेखर सूरिस्वरजी म सा
- 6 " श्री विजय रेवत सूरिस्वरजी म सा
- 7 " श्री विजय हिमाणु सूरिस्वरजी म सा
- 8 " श्री विजय नवरत्न सूरिस्वरजी म सा
- 9 " श्री विजय राजतिलक सूरिस्वरजी म सा
- 10 " श्री विजय महोदय सूरिस्वरजी म सा
- 11 " श्री विजय भुवनभानु सूरिस्वरजी म सा
- 12 " श्री विजय मानतु सूरिस्वरजी म सा
- 13 " श्री विजय रा सूरिस्वरजी म सा
- 14 " श्री विजय गुणानन्द सूरिस्वरजी म सा
- 15 " श्री विजय प्रधातन सूरिस्वरजी म सा
- 16 " श्री विजय मित्रानन्द सूरिस्वरजी म सा
- 17 " श्री विजय धनपान सूरिस्वरजी म सा
- 18 " श्री विजय त्रयधाप सूरिस्वरजी म सा

कुल आचार्य 18

- 9 आचार्य श्री विजय प्रसाध चन्द्र सूरिस्वर जी म सा
- 10 आचार्य श्री विजय चन्द्रादय सूरिस्वर जी म सा
- 11 आचार्य श्री विजय कीर्तिचन्द्र सूरिस्वर जी म सा
- 12 आचार्य श्री विजय महिमा प्रभ सूरिस्वरजी म सा
- 13 आचार्य श्री विजय सूर्योदय सूरिस्वर जी म सा
- 14 आचार्य श्री विजय हर्मचन्द्र सूरिस्वर जी म सा
- 15 आचार्य श्री विजय जगन्नाथचन्द्र सूरिस्वर जी म सा
- 16 आचार्य श्री विजय विशालनेन सूरिस्वर जी म सा
- 17 आचार्य श्री विजयनय प्रभ सूरिस्वर जी म सा
- 18 आचार्य श्री विजय जयचन्द्र सूरिस्वर जी म सा
- 19 आचार्य श्री विजय नन्दगुण सूरिस्वर जी म सा

कुल आचार्य 19

3 आचार्य श्री आनन्द सागर सूरिस्वर जी म सा का समुदाय

- 1 आचार्य प्रवर श्री देवेन्द्र सागर सूरिस्वर जी म सा
- 2 आचार्य श्री दर्शन सागर सूरिस्वर जी म सा
- 3 आचार्य श्री चितानन्द सागर सूरिस्वरजी म सा
- 4 आचार्य श्री कचन सागर सूरिस्वरजी म सा
- 5 आचार्य श्री सूर्योदयसागर सूरिस्वरजी म सा

कुल आचार्य 5

4 पन्चास श्री धर्मविजय जी म सा (डेहलावाला) का समुदाय

2 आचार्य श्री विजय नेमिसूरिस्वरजी म सा का समुदाय

- 1 आचार्य श्री विजय मन् प्रभ सूरिस्वरजी म सा
- 2 आचार्य श्री विजयदत्त सूरिस्वर जी म सा
- 3 आचार्य श्री विजयदेव सूरिस्वर जी म सा
- 4 आचार्य श्री विजय नुशील सूरिस्वर जी म सा
- 5 आचार्य श्री विजय जयानन्द सूरिस्वर जी म सा
- 6 आचार्य श्री विजय प्रियकर सूरिस्वर जी म सा
- 7 आचार्य श्री शुभकर सूरिस्वर जी म सा
- 8 आचार्य श्री विजय कुमुद चन्द्र सूरिस्वर जी म सा

- 1 आचार्य श्री विजयराम सूरिस्वरजी म सा
- 2 आचार्य श्री विजय जगन्नाथ चन्द्र सूरिस्वरजी म सा
- 3 आचार्य श्री विजय मद्रसन सूरिस्वर जी म सा
- 4 आचार्य श्री विजय महानन्द सूरिस्वरजी म सा
- 5 आचार्य श्री विजय जयदेव सूरिस्वर जी म सा
- 6 आचार्य श्री यशोवन्त सूरिस्वर जी म सा
- 7 आचार्य श्री विजय अभयचन्द्र सूरिस्वर जी म सा

कुल आचार्य 7

5. आचार्य श्री विजय वल्लभ सुरीश्वरजी म.सा. का समुदाय

1. आचार्य श्री विजय इन्द्र दिन्न सूरिष्वर जी म सा
2. " श्री विजय जनकचन्द्र सूरिष्वर जी म सा
3. " श्री विजय हीकार सूरिष्वर जी म सा

कुल आचार्य 3

6. आचार्य श्री बुद्धि सागर सूरिष्वर जी म.सा. का समुदाय

1. आचार्य श्री सुबोध सागर सूरिष्वर जी म सा.
2. आचार्य श्री दुर्लभ सागर सूरिष्वर जी म सा
3. आचार्य श्री मनोहर सागर सूरिष्वर जी म सा
4. आचार्य श्री कल्याण सागर सूरिष्वर जी म सा
5. आचार्य श्री पद्मसागर सूरिष्वर जी म सा
6. आचार्य श्री भद्र सागर सूरिष्वर जी म.सा

कुल आचार्य 6

7. आचार्य श्री विजय निती सूरिष्वर जी म.सा. का समुदाय

1. आचार्य श्री विजय अरिहंत मिश्र सूरिष्वर जी म सा
2. आचार्य श्री विजय भानुचन्द्र सूरिष्वर जी म सा
3. आचार्य श्री विजय रामरत्न सूरिष्वर जी म सा
1. आचार्य श्री विजय पदम सूरिष्वर जी म सा

कुल आचार्य 4

8. आचार्य श्री विजय लब्धि सूरिष्वर जी म.सा. का समुदाय

1. आचार्य श्री विजय विक्रम सूरिष्वर जी म सा
2. आचार्य श्री विजय हीनि चन्द्र सूरिष्वर जी म सा
3. आचार्य श्री विजय नवीन सूरिष्वर जी म सा
1. आचार्य श्री विजय नद्र हर सूरिष्वर जी म सा

कुल आचार्य 4

9. आचार्य श्री विजय नक्ति सूरिष्वर जी म.सा. का समुदाय

1. आचार्य श्री विजय नक्ति सूरिष्वर जी म सा

2. आचार्य श्री विजय सुबोध सूरिष्वर जी म सा.

3. आचार्य श्री विजय विनय चन्द्र सूरिष्वर जी म.सा
4. आचार्य श्री विजय चक्र चन्द्र सूरिष्वर जी म सा
5. आचार्य श्री विजय प्रसन्नचन्द्र सूरिष्वर जी म सा.
6. आचार्य श्री विजय लब्धि सूरिष्वर जी म सा.
7. आचार्य श्री विजय कल्पंजय सूरिष्वर जी म सा.

कुल आचार्य 7

10. आचार्य श्री विजय सिद्धि सूरिष्वर जी (वापजी) म.सा. का समुदाय

1. आचार्य श्री विजय भद्रकर सूरिष्वर जी म सा.
2. आचार्य श्री विजय कलापूर्ण सूरिष्वर जी म सा.
3. आचार्य श्री विजय ऊँकार सूरिष्वर जी म सा
4. आचार्य श्री विजय विबुध प्रभ सूरिष्वर जी म सा.
5. आचार्य श्री विजय जिनचन्द्र सूरिष्वर जी म.सा

कुल आचार्य 5

11. आचार्य श्री विजय शांतीचन्द्र सूरिष्वर जी म.सा. का समुदाय

1. आचार्य श्री विजय कनकप्रभ सूरिष्वर जी म सा
2. आचार्य श्री विजय भुवन मेगार सूरिष्वर जी म सा
3. आचार्य श्री विजय मोनचन्द्र सूरिष्वर जी म सा
1. आचार्य श्री विजय राजेन्द्र सूरिष्वर जी म सा

कुल आचार्य 4

12. आचार्य श्री विजय मोहन सूरिष्वर जी म.सा. का समुदाय

1. आचार्य श्री विजय मनोहर सूरिष्वर जी म सा
2. आचार्य श्री विजय नवीन सूरिष्वर जी म सा
3. आचार्य श्री विजय नन्दरत्न सूरिष्वर जी म सा

कुल आचार्य 3

13 आचार्य श्री विजय जम्त सूरीस्वर जी म ना 'का
समुदाय

1 आचार्य श्री विजय विनन्द सूरीस्वर जी म ना

कुल आचार्य 1

14 आचार्य श्री विजय केशर सूरीस्वर जी म ना का
समुदाय

1 आचार्य श्री विजय मुनन रत्न सूरीस्वर जी म ना

2 आचार्य श्री विजय स्वयं प्रभ सूरीस्वर जी म ना

कुल आचार्य 2

15 श्री मोहनलालजी म ना का समुदाय

1 आचार्य श्री चिदानन्द सूरीस्वर जी म ना

कुल आचार्य 1

श्वे मूर्ति पूजन तपागच्छ के कुल आचार्य 89

(2) जचलगच्छ समुदाय

श्री जचल गच्छ सम्प्रदाय के आचार्य

1 आचार्य श्री गुन मातर सूरीस्वर जी म ना

2 आचार्य श्री गुणदाय मातर सूरीस्वर जी म ना

कुल आचार्य 2

(3) धरतरगच्छ समुदाय

श्री धरतरगच्छ सम्प्रदाय के आचार्य

1 आचार्य श्री जिन उदय शार 'सूरीस्वर' जी म ना

कुल आचार्य 1

(4) पार्वचन्द्रगच्छ समुदाय

एक भी आचार्य नहीं है।

(5) विमलगच्छ समुदाय

विमलगच्छ सम्प्रदाय के आचार्य

1 आचार्य श्री रम विमल सूरीस्वर जी म ना

कुल आचार्य 1

(6) त्रिस्तुतीगच्छ समुदाय

त्रिस्तुती गच्छ सम्प्रदाय के आचार्य

1 आचार्य श्री हृमन्त सूरीस्वर जी म ना

2 आचार्य श्री जयन्त विजय जी म ना 'मयुकर'

कुल आचार्य 2

(7) अन्यगच्छ समुदाय

अन्य गच्छ सम्प्रदाय के आचार्य

1 आचार्य श्री विजय हिमाचल सूरीस्वर जी म ना

2 आचार्य श्री विजय आनन्दधन सूरीस्वर जी म ना

कुल आचार्य 2

श्वेताम्बर मूर्तिपूजक सम्प्रदाय के कुल आचार्य

1 श्री तपागच्छ सम्प्रदाय 89

2 श्री जचल गच्छ सम्प्रदाय 2

3 श्री धरतरगच्छ सम्प्रदाय 1

4 श्री पार्वचन्द्र गच्छ सम्प्रदाय 1

5 श्री विमल गच्छ सम्प्रदाय 1

6 श्री त्रिस्तुती गच्छ सम्प्रदाय 2

7 अन्य गच्छ सम्प्रदाय 2

कुल आचार्य 97

(3) श्री श्वेताम्बर तेरापंथी जैन सम्प्रदाय के आचार्य

1. श्री श्वेताम्बर तेरापंथी सम्प्रदाय

युगप्रधान आचार्य श्री तुलसीजी म.सा.

2. श्री श्वेताम्बर नव तेरापंथी सम्प्रदाय

कोई आचार्य नहीं है।

कुल आचार्य 1

कुल आचार्य -

(4) श्री दिगम्बर जैन सम्प्रदाय के आचार्य

1. आचार्य श्री धर्मसागरजी म सा
2. " श्री विमलसागरजी म.सा
3. " श्री निर्मलसागरजी म सा
4. " श्री विद्यासागरजी म सा
5. " श्री सीमंधरसागरजी म.सा.
6. " श्री सुधर्मसागरजी म.सा.
7. " श्री सुवाहसागरजी म.सा.
8. " श्री सुव्रलसागरजी म.सा.

9. आचार्य श्री देणभूपणजी म सा
10. " श्री सन्मतिसागरजी म सा
11. " श्री सभवसागरजी म सा
12. " श्री दर्शनसागरजी म सा
13. " श्री सन्मतिमागरजी म.सा

कुल आचार्य 13

अ. भा. समग्र जैन सम्प्रदाय के कुल आचार्य तालिका 1986

क्रम मन्थ्या	सम्प्रदाय का नाम	कुल आचार्य
1.	श्वेताम्बर मूर्तिपूजक सम्प्रदाय	97
2.	श्वेताम्बर स्वयंभूवानी सम्प्रदाय	9
3.	श्वेताम्बर तेरापंथी सम्प्रदाय	1
4.	दिगम्बर सम्प्रदाय	13
कुल आचार्य		120

अ. भा स्थानकवासी जैन सम्प्रदाय की उपप्रवर्तिनीयो की सूची

1 धमण सघ

- 1 महा श्री सज्जन कुवरजी म सा
- 2 महा श्री नानुकुवरजी म सा
- 3 महा श्री प्रेमकुवरजी म सा
- 4 महा श्री कमलावतीजी म सा
- 5 महा श्री मानकुवरजी म सा
- 6 महा श्री सत्यावतीजी म सा
- 7 महा श्री कैलाशवतीजी म सा
- 8 महा श्री कौशल्याजी म सा
- 9 महा श्री सुभापवतीजी म सा
- 10 महा श्री केशरदेवीजी म सा
- 11 महा श्री जगदीशमतीजी म सा
- 12 महा श्री स्वणकाताजी म सा
- 13 महा श्री शशीकालाजी म सा
- 14 महा श्री सुदरदबीजा म सा
- 15 महा श्री सीताजी म सा
- 16 महा श्री मगनश्रीजी म सा

- 17 महा श्री जाज्ञावतीजी म सा
- 18 महा श्री सुशीलाकुमारीजी म सा
- 19 महा श्री भागवन्तीजी म सा
- 20 महा श्री अमयकुमारीजी म सा
- 21 महा श्री सरिताजी म सा

कुल उप प्रवर्तिनिया 21

2 स्वतंत्र सम्प्रदाय

- 1 महा श्री वदनकुवरजी म सा

कुल उप प्रवर्तिनीयां 1

3 बृहद गुजरात सम्प्रदाय

एक भी उपप्रवर्तिनी नहीं है

कुल उपप्रवर्तिनीया 22

॥ श्री वीतरागाय नम ॥



फोन { 20333
22062
20222
22330

हार्दिक शुभकामनाओ सहित—

महावीर टेक्सटाईल मिल्स

पाँवरलूम वस्त्रो के निर्माता एव विक्रेता

सुराणा मार्केट पाली-मारवाड (राजस्थान) 306101

अ. भा. श्वेताम्बर मूर्तिपूजक सम्प्रदाय के उपाध्याय, पन्थास, गणि प्रवर्तक, प्रवर्तिनियों, की सूची

श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदाय के उपाध्याय

कुल उपाध्याय—6

नोट—पूरी सूची प्राप्त नहीं हो सकी

श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदाय के पन्थास

कुल पन्थास—51

नोट—पूरी सूची प्राप्त नहीं हो सकी

श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदाय के गणि

कुल गणि—27

नोट—पूरी सूची प्राप्त नहीं हो सकी

श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदाय के प्रवर्तक

कुल प्रवर्तक—3

नोट—पूरी जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी

श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदाय की प्रवर्तिनीयां

कुल प्रवर्तिनीयां 6

नोट—पूरी सूची प्राप्त नहीं हो सकी



अ. भा. स्थानऋवासी सम्प्रदाय के वर्तमान गादीपती एवं आचार्यों कीतालिका

क्रम संख्या सम्प्रदाय का नाम

वर्तमान आचार्य का नाम/चातुर्मान स्थान

1. श्रमणस्र्घ के प्रथम आचार्य श्री आत्मा रामजी म.सा के पट्टधर
2. आचार्य श्री रत्नचंद्रजी म. सा. की सम्प्रदाय के
3. आचार्य श्री जयमलजी म. सा. की सम्प्रदाय के
4. आचार्य श्री हृत्कमीचन्द्रजी म. सा. की सम्प्रदाय के
5. निम्बजी मोटा पत्र सम्प्रदाय के
6. दरियापुरी जाठ कोटी सम्प्रदाय के
7. कच्छ जाठ कोटी मोटा पत्र सम्प्रदाय के
8. कच्छ जाठ कोटी छोटा पत्र सम्प्रदाय के
9. चणाल सम्प्रदाय के
10. परमानन्द सम्प्रदाय के
11. श्री गान कच्छ सम्प्रदाय के

- आचार्य मन्नाट श्री आनन्द ऋषिजी म. सा. (पुना)
- आचार्य श्री हस्तीमनजी म. सा. (पिणाट)
- आचार्य श्री जीतमलजी म. सा. (नागोर)
- आचार्य श्री नानालालजी म. सा. (जलगाव)
- गादीपति श्री चुन्नीलालजी म. सा. (विनापुर)
- आचार्य श्री गान्धिवानजी म. सा. (अहमदाबाद)
- आचार्य श्री छोटाचानजी म. सा. (नवसागर-कच्छ)
- आचार्य श्री रामजी स्वामी म. सा. (रजवा-कच्छ)
- आचार्य श्री लालि ऋषिजी म. सा. (सदर (सदर))
- आचार्य श्री चन्द्रक मुनिजी म. सा. (अहमदाबाद)
- गच्छाधिपति तपस्वी राज श्री चणालजी म. सा. (विनापुर)

श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन सम्प्रदाय में राजस्थान के सरक्षण आचार्य और प्रमुख सत

क्रम सं	शाखाएँ	भूतपूर्व सरक्षण	वर्तमान सरक्षण आचार्य और प्रमुख सत
1	आचार्य श्री तुषलचंदजी म सा के	स्व आचार्य श्री शोभाचंदजी म सा	आचार्य श्री हस्तीमलजी म सा
2	" श्री रघुतायजी न सा के	" प्रवक्त मरु के श्री मिश्रीमलजी म सा	प्रवक्त श्री रूपचंद जी म सा 'रजत'
3	" श्री जयमलजी म सा के	" युवाचार्य श्री मणुकर मुनिजी म सा	युवाकवि श्री विनय मुनिजी म सा 'मीम'
4	गच्छा० श्री ज्ञानचंदजी म मा के	" बहुश्रुत श्री समयमलजी म सा	गच्छाधिपति त० श्री चणालालजी म सा
5	आचार्य श्री अमरसिंहजी म सा के	" प्रवक्त श्री ताराचंदजी म सा	उपाध्याय श्री पुंकर मुनिजी म सा
6	" श्री स्वामीदासजी म सा के	" प्रवक्त श्री फतेहराजजी म सा	अनुयाग प्रवक्त श्री कर्हैयालालजी म सा 'कमल
7	" श्री शीतलदासजी म सा के	" आचार्य श्री इजीडीलालजी म सा	: प्रवक्त मे के श्री मोहनलालजी म सा
8	" श्री पृथ्वीराजजी म मा के	" आचार्य श्री एकलिंगदासजी म सा	प्रवक्त मे श शि श्री अदालालजी म सा
9	" श्री नानकरामजी म सा के	" प्रवक्त श्री पतालालजी म सा)	प्रवक्त आसुबवि श्री साहनलालजी म सा
10	" श्री मन्नालालजी म सा के	" " " हणामीलालजी म सा)	उपाध्याय कवि श्री देवल मुनिजी म सा
		" जैन दिवाकर चौमलजी म सा	

अ. भा. स्थानकवासी जैन नई दीक्षा सूची 1986

दि. 1-8-85 से 31-7-86 तक

1. श्रमण संघ

1. आचार्य सघाट श्री आनन्द ऋषि जी म मा के
नेश्राय मे-

मत	-
मतियांजी	8
कुल	8

2. उपाध्याय श्री केवल मुनिजी म.मा. के नेश्राय मे-

मत	2
मतियांजी	5
कुल	7

मेवाड मघ शिरो प्रवर्तक -

3. मे. सं. शि. प्रवर्तक श्री अम्बालाल जो. म मा
के नेश्राय मे-

मत	1
मतियांजी	-
कुल	1

6 प रत्न प्रवर्तक श्री उमेश मुनिजी म सा के नेश्राय मे-

मत	1
मतियांजी	1
कुल	2

7 दक्षिण केशरी श्री मिश्रीलालजी म सा 'धृदरधारी
के नेश्राय मे-

मत	-
मतियांजी	1
कुल	1

श्रमण संघ मे कुल नई दीक्षाएं

मत	10
मतियांजी	38
कुल	48

2. स्वतंत्र सम्प्रदायें

1. उभा. प्रवर्तक श्री पदम चन्द्रजी म मा के नेश्राय मे-

मत	6
मतियांजी	21
कुल	27

2. मेवाड केशरी प्रवर्तक श्री मोहनलालजी म मा. के
नेश्राय मे-

मत	-
मतियांजी	2
कुल	2

1. आचार्य प्रवर श्री हृन्नीमन जी म मा की नेश्राय मे-

मत	-
मतियांजी	2
कुल	2

2. आचार्य प्रवर श्री नानकदास जी म मा. के नेश्राय मे-

मत	-
मतियांजी	6
कुल	6

अ. भा. स्थानकवासी जैन नई-दीक्षा-संक्षिप्त-तालिका

क्र. न	सम्प्रदाये	1986			1985	1984	1983	1982	1981
		संत	सतियाजी	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल
1.	श्रमण संघ	10	38	48	35	42	21	41	40
2.	स्वतंत्र संप्रदायों	9	21	30	24	55	24	41	19
3.	वृहद् गुजरात संप्रदायों	3	27	30	42	45	43	45	42
कुल—		22	86	108	101	142	98	127	101

नोट:—गरिपद के सभी सदस्यों की ओर से—सभी नव-दीक्षित श्रमण श्रमणियों का संयमी जीवन ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य एवं तप की उन्नति कर जैन शासन की शोभा बढ़ाता रहे, प्रभु महावीर स्वामी का संदेश दुनिया में पहुंचाते रहे। यही अभिलाषा एवं मंगल कामना करता है।

—सम्पादक



अ. भा. श्वे. तेरापंथी सम्प्रदाय नई दीक्षा सूची 1986

कुल नई दीक्षा	
श्रमण	1
श्रमणी	9
	<hr/>
	10
समवादी दीक्षा	2
	<hr/>
कुल दीक्षाएँ	12

नोट:—श्री श्वे. मूर्ति पूजक सम्प्रदाय एवं श्री दिगम्बर सम्प्रदाय की नई दीक्षाओं की सूची हम प्राप्त नहीं कर सके अतः हम यहाँ पर कुछ भी जानकारी नहीं दे पाये हैं। दुःखी बनना करें। आप सभी से मध्य निवेदन है कि जब भी कोई नई दीक्षा का कार्यक्रम हो कम से कम एक परिवार हमें भी निमंत्रण ही दिया करायें या सूचना मित्राचार्यों को न भो अन्य से कुछ जानकारी प्राप्त करके सम्मुख प्रस्तुत कर सकें। सम्प्रदायाध्यक्ष एवं समाचार के कारण यहाँ नई दीक्षा की का जानकारी नहीं दे पाये हैं। सभी के नाम अनुमाने रखे हैं।

सम्पादक

। जय गुरु हस्ती ।

इतिहास मार्तण्ड, सामायिक न्वाध्याय के प्रेरक, महामहिम पूज्य गुरुदेव, आचार्य प्रवर श्री 1008 श्री हस्तीमलजी म सा आदि ठाणा एव महासतीर्या जी म सा श्री शान्ता कुवर जी म सा आदि ठाणाओ का 1986 वर्ष का चातुर्मास पिपाड सिटी मे हर्षोल्लास वातावरण में ज्ञान, दर्शन चारित्र्य तप की प्रवृत्तियो से ओत-प्रोत सफल बने ऐसी शुभ मंगल कामनाए करते हैं--

गुरु हस्ती के दो फरमान ।
सामायिक स्वाध्याय महान ॥

Umraomal Surana

FINANCIERS

Jain Constructions, Hyderabad
Umraomal Surana & Sons

'Surana Castle' 1 Kalathipillar Street,
MADRAS 600 079 South India

Cable, SURANA

Tel. 37822, 34748, 34049

**अ.भा. स्थानकवासी जैन संत सतियों जी म.सा. महाप्रयाण
(कालधर्म) सूची 1986**

दिनांक 1-8-85 से 31-7-86 तक

क्र.सं.	सत सतियों के नाम	स्थल	सम्प्रदाय	तारीख
संत समुदाय				
1.	श्री नूतनचंद जी म. सा	जोधपुर	स्वतंत्र सम्प्रदाय	9-9-85
2.	श्री गणेश मुनि जी म. सा.	चित्तौड़गढ़	श्रमण संघ	29-9-85
3.	उपा. श्री कस्तूरचन्दजी म. सा.	रतलाम	श्रमण संघ	22-10-85
4.	श्री प्रेममुनिजी म. सा.	अहमदाबाद	गोंडल मोटा सम्प्रदाय	30-5-86
5.	श्री सुमेरमुनिजी म. सा.	गोहाटी	श्रमण संघ	6-7-86
6.	श्री प्रेममुनिजी म. सा	रतलाम	श्रमण संघ	दिसम्बर-85
महासतियोंजी समुदाय				
7.	महा. श्री हीर कुंवरजी म. सा.	बड़ी सादड़ी	श्रमण संघ	जनवरी-85
8.	" " नगीनाकुंवरजी म. सा.	व्यावर	साधुमार्गी संघ	अगस्त-85
9.	" " कंचनकुंवरजी म. सा.	बम्बई	गोंडल सम्प्रदाय	29-9-85
10.	" " तुलसीजी म. सा	दिल्ली	श्रमण संघ	10-11-85
11.	" " चतरकुंवरजी म. सा.	किशनगढ़	श्रमण संघ	23-12-85
12.	महा. श्री सत्यावतीजी म. सा.	अम्बाला-छावनी	श्रमण संघ	12-1-86
13.	" " मणीवाई म. सा. (95 वर्ष)	भुणपुर कच्छ	आठ कोटी मोटापक्ष	28-2-86
14.	" " ललिताबाई म. सा	शाहपुर-अहमदाबाद	दरियापुरी सम्प्रदाय	28-2-86
15.	" " जडावकुंवरजी म. सा.	विजय नगर	स्वतंत्र सम्प्रदाय	10-3-86
16.	" " शारदाबाई म. सा.	बम्बई	पभात सम्प्रदाय	14-3-86
17.	" " शहरीबाई म. सा.	अहमदाबाद	दरियापुरी सम्प्रदाय	15-3-86
18.	" " दीक्षिताबाई म. सा.	समाघोषा कच्छ	लिम्बड़ी मोटापक्ष	16-3-86
17.	" " विनादकुंवरजी म. सा.	देवलाही	श्रमण संघ	3-4-86
18.	महा. श्री सुन्दरकुंवरजी म. सा.	जोधपुर	स्वतंत्र सम्प्रदाय	7-4-86
19.	महा. श्री बल्लभवतीजी म. सा.	दिल्ली	श्रमण संघ	9-4-86
20.	मुमनकुंवरजी म. सा.	पाचरोद	श्रमण संघ	23-1-86
21.	" " नोनायकुंवरजी म. सा.	उदयपुर	श्रमण संघ	5-5-86
22.	महा. श्री विमलकुंवरजी म. सा.	जाधपुर	कच्छ सम्प्रदाय	10-5-86
23.	" " प्रभापकुंवरजी म. सा.	रावपुर-मारवाड़	श्रमण संघ	17-5-86
24.	" " श्यामकुंवरजी म. सा.	इतनाह	कच्छ सम्प्रदाय	17-6-86
25.	" " गृमानकुंवरजी म. सा.	जाधपुर	"	18-6-86
26.	" " रामा कुंवरजी म. सा.	इतनाह	"	22-6-86
27.	" " बलकुंवरजी म. सा.	सादरी कच्छ	कच्छ मोटापक्ष	24-6-86
पृ 1 (11)		पृ 2 (21)		पृ 3 (31)

अ. भा. श्वेताम्बर जैन तेरापथ सम्प्रदाय महाप्रयाण (कालधर्म) सूची / 1986

(दिनांक 1-8-85 से 31-7-86 तक)

ध्रमण ध्रमणिया के नाम	कालधर्म स्थल	दिनांक
1 मनि-त्री मानमलजी (अग्रणी)	आसाहोली (भीलवाडा) राजस्थान	15-9-85
2 मुनिश्री गगारामजी (तपस्वी)	गगाशहर (वीकानेर) (राज)	25-10-85
3 मुनि-त्री जसकरणजी	छोटी घाट (नागीर) राजस्थान	6-1-86
4 मुनिश्री अजुनलालजी (तपस्वी)	कुठवा (उदयपुर) राजस्थान	21-3-86
5 शासन स्तम्भ मुनि-त्री नयमलजी	सुजानगढ (चूरु) राजस्थान	24-4-86
6 मुनिश्री चारित्रप्रकाशजी	श्रीडूंगरगढ़ (चूरु) राजस्थान	20-6-86
7 साध्वी श्री केशरजी (अग्रगण्या)	आमेट (उदयपुर) राजस्थान	15-8-85
8 साध्वी श्री मुदशनाजी	देशनोक (वीकानेर) राजस्थान	19-9-85
9 साध्वी श्री झमकूजी (अग्रगण्या)	देशनाक (वानानेर) राजस्थान	27-12-85
10 साध्वी श्री गणेशजी ()	राजलदेसर-सेवा केन्द्र (चूरु)	7-1-86
11 साध्वी श्री लिछमाजी	लाडनू सवा केन्द्र (नागार) राजस्थान	8-1-86
12 साध्वी श्री हुलासाजी	वीदासर समाधि केन्द्र (चूरु) राजस्थान	2-5-86
13 साध्वी श्री किस्तूराजी (अग्रगण्या)	सुजानगढ (चूरु) राजस्थान	17-6-86

कुल ध्रमण 6 ध्रमणिया 7 कुल 13

नोट—श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक सम्प्रदाय एवं दिगम्बर सम्प्रदाय में कितने सत सनियाँ कालधर्म प्राप्त हुए इसकी हमें कोई सूचनाएँ आदि नहीं मिल सके अतः हम यहाँ कुछ भी जानकारीया प्रस्तुत नहीं कर सके। हमें क्षमा करे। जाय सभी से नम्र निवेदन है कि भविष्य में हमें पूरी जानकारीया सूचनाएँ भिजवाने की कृपा करे ताकि भविष्य में आपके सम्मुख सूची प्रस्तुत कर सकें।

—सम्पादक

नोट—परिषद् व सभी सदस्यों की ओर से दिवंगत सभी पूज्य मुनिवरा महासतियाजी में सा के प्रति हार्दिक शोक श्रद्धाजली अर्पित कर वीर प्रभु से प्रायना करता है कि सभी पूज्यवरा को चिर शान्ती प्रदान करें एवं इस समाज वा इस वष जा अपूर्णीय क्षति हुई है उसकी पूर्ती शीघ्र करें।

—परिषद् के सभी सदस्य गण

चातुर्मास सूची 1985 पर प्राप्त अभिमत

पूज्य संत-सतीगण की ओर से

अ.भा. स्थानकवासी जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् बम्बई की ओर से प्रकाशित "श्री स्थानकवासी जैन चातुर्मास सूची 1985" नामक पुस्तक एवं चार्ट का गत वर्ष भी प्रकाशन किया गया था। कई पूज्य मुनिराजो/पूज्या महा-सतिया जी म.सा की ओर से चातुर्मास सूची के बारे में शुभ मन्देश, बधाई सन्देश, अमूल्य-मुझाव, शिकायतें आदि प्राप्त हुए हैं। सभी पूज्य मुनिराजो/महासतियां जी म.सा एवं धर्म प्रेमी बंधुओं ने पुस्तक को काफी मराहा है। सभी ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की है। मुझाव भेजे हैं इन्हीं के मुझावों को ध्यान में रखकर जसमें ज्यादा से ज्यादा निगार लाने का प्रयत्न किया गया है। हमारे पास काफी तादाद में पत्र-सन्देश-मुझाव आदि प्राप्त हुए हैं जिनमें मुख्य—आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषि जी म.सा (अहमदनगर) आचार्य श्री क्रांति ऋषि जी म.सा (बम्बई) आचार्य श्री छोटा लाल जी म.सा. (बाकी) आचार्य श्री चपक मुनिजी म.सा (अहमदाबाद) उपाध्याय श्री केवल मुनिजी म.सा. उपाध्याय श्री पुष्कर मुनि जी म.सा. उ.भा. प्रवर्तक श्री पदमचन्द्र जी म.सा., प्रवर्तक श्री रमेश मुनिजी म.सा. सचिव डॉ. श्री शिव मुनि जी म.सा. सचिव श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. "शान्धी" मर रख प्रवर्तक श्री रूपचन्द्र जी म.सा "रजत" उपप्रवर्तक कवि चक्र चूडामणि कवि रख श्री चन्दन मुनिजी म.सा (पंजाबी) श्री भास्कर मुनि जी म.सा. श्री निरिण मुनि जी म.सा (शिव्नी) श्री नृसिंह मुनिजी म.सा श्री नरीन ऋषिजी म.सा श्री रामनि शंभ जी म.सा श्री गणेश मुनिजी म.सा 'शान्धी' महामनीजी रुमन्दायनी जी म.सा., महामनीजी श्री भानु हर जी म.सा महामनीजी श्री प्रेमवती जी म.सा. महामनीजी श्री प्रीति मृधात्री म.सा. महामनी जी श्री कमर हुमासी जी म.सा. महामनीजी श्री उमराव दुर्गात्री

वह भी समयाभाव से नहीं कर पा रहा हूँ। आशा है आपका इसी तरह का हार्दिक सहयोग भविष्य में भी हमें मिलता रहेगा। इसी आशा के साथ उपप्रवर्तक कवि चक्र चूडामणि कवि सम्राट श्री चन्दन मुनि जी म.सा (पंजाबी) ने गिदड़वाहा (पंजाब) से एक अभिमत भेजा है जिसमें परिषद् के सभी सदस्यों का साहम बढ़ाने की कविता लिख कर भेजी है। अतः परिषद् के सदस्यों का साहम बढ़ाने के लिए यहाँ उस कविता को प्रस्तुत किया जा रहा है—

कविचक्र चूडामणि, कवि सम्राट, उपप्रवर्तक श्री चन्दन मुनि जी म.सा. (गिदड़वाहा)

1. चौमामों की सूची सब में
मुन्दर यही निकाली है।
ऐसी सूची जसमें पहले
देखी है न भानी है ॥
2. जितने भी पंचामी मन में
जहा-जहा चौमान हूँ।
नई तर्ज ने दर्ज मनी है
जसमें है सोल्लान हूँ ॥
3. सपोजक भी-सम्पादक भी
उनके "उज्ज्वल सङ्ग्रह"।
मनमूच उनको सूज-वृज है
अजब निगारी और रमान ॥
4. पता नहीं वह रहा-रहा में
केने है सब श्रान्थना।
पाठरगण को मारी-मारी
बानें जैसे खून रना ॥
5. परदे को है परदे ने भी,
रुज रस महार-प्रभार।
नून-नदन जो रसक है
दिलना सिया रस रिसार ॥

- 6 ग्रन्थ रूप यह सूची है जो।
या कह दें इनको इतिहास।
बड़े प्रेम से नदान-नवदा
खना टमका पाठ। पाप
- 7 चामामा का चाटर भी इक
छपा अलग से इसके साथ।
लगता है दीवारा पर वह
क्या पूछा उनको बात ॥
- 8 एक नजर में सब चीमामे
हा जात है घट मालम।
टमोलिय सूची में उमरी
राइ नमती कुछ न धूम ॥
- 9 उज्ज्वलजी' ही नहीं जवने
माधुवाद के अधिकारी।
साथ 'प्रकाशन परिपद' भी है
नगर बम्बई की सारी ॥
- 10 'बाठारी मुखलाल सरोखे
मुनने जिनके हैं अध्याप।
उनकी 'सूची परिपद' का है
मुन्दर मंत्र के काम समक्ष ॥
- 11 उपाध्यक्ष है 'गण महता'
बबरगाल वेताला जी'।
कहिय कैसे न फिर हाता
ऐसा काय निगना जी ॥
- 12 मन्त्री अमृत कावटियाजी'
बुद्धि बिलक्षण व' भण्डार।
राधा मुन्नालाल 'मनन' जी
महा नचिव है गुण-आगार ॥
- 13 श्री प्रताप भाई जी' डमक
कापाध्यक्ष बटे है नक।
मम्मति-दाता 'जे० देसाई'
मरन 'गुराना' लीजे देख ॥
- 14 'हरिचन्द्र' बजरगलाल जी'
'नानराजजी' 'मठ फकीर'।
'डामा' 'दूगड' 'बेलावत' की
मुन्दर साथ छपी तस्वीर ॥
- 15 'बबानीजी' नेमनाथ जी'
'कण्ठकान्त' 'कन्हैयालाल'

'श्री मुणोत जी' 'फूलचन्द्रा'
'शादीनाल' सदस्य बमाल।

16 चन्दन मुनि 'पञ्चावी' कहता
सब है बहुत प्रसता या
उक्त सभीका सूची में है
नचमुच बड़ा बहुत सहयाग।

पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादकों की ओर से

सना पत्र-पत्रिकाओं के धर्मप्रेमा माननीय सम्पादकों का ता हम उतना हादिक सहयाग प्राप्त हुआ है कि हम उनका यणन ही नहीं कर सकन। आप सभी सम्पादकों की जितना प्रगना कर्ने उतना ही कम है क्योंकि आपके सहयाग के बिना हमारी गाडी चलता ता दूर हिल भी नहा सवती है एव यह सूची पुस्तक इतनी मात्र-मज्जा के साथ ठाम मामधी पूरा नहा बन पाती।

अपकी ओर से व्यक्तित रूप में भी आर पत्र-पत्रिकाओं में भी "चातुर्मास सूची 1985" के बारे में काफी समीक्षाएं नमी न बहुत ही मुदर ढंग से समीक्षाएँ प्रकाशित का है एव हमारा काफी उत्साह बढाया है। पत्र-पत्रिकाओं में जो समाधाएँ प्रकाशित हुई हैं वह आप सबन पदों हा हागी समयाभाव एव स्थानाभाव से जिन जिन का नाम यहा नहा ब पाया उन सभी माननीय सम्पादकों में मैं धमा चाहता हूँ। सभी माननीय सम्पादकों का जाभार प्रगट करना हुआ आशा करता हूँ कि भविष्य में भी इसी तरह का हादिक सहयाग प्रदान करन रहने की कृपा करने रहेंगे।

श्री सधो एव श्रावक-श्राविका की ओर से

प्रिय धर्मप्रेमी बधुजा आपकी ओर में भी मैं प्रिय महानु भावा के लगभग 1781 पत्र हम प्राप्त हुए हैं। सभी का बहुत-बहुत प्यार-आशीष, धन्यवाद, साधुवाद, मंगल आशीष, मुझाव, गन्तियाँ जादि बहुमूल्य सुखाव प्राप्त हुए हैं।

बलम तो रूदन की तैयारी में तैयार है लेकिन समयानाव, स्थानाभाव के कारण सभी को स्थान नहीं दे पा रहा हूँ। जत आप सबस धमा चाहता हूँ। आप मन में यह विचार न करें कि चाह। हमारा ता नाम लिखा ही नहीं हम आपका विश्वास दिलात है कि भविष्य में आप नमी का भी स्थान दन की कोशि करेंगे।

अन्त में सभी पूज्य मुनिराजा/महासतियाँजी में सा, सभी सम्पादकों, प्रिय पाठकगण, धर्मप्रेमी बधुजा का हृदय से बहुत 2 जाभार प्रगट करता हुआ आशा करता हूँ कि भविष्य में भी आप इसी तरह का हादिक सहयाग इसी आशा के साथ हम प्रदान करत रहने की कृपा करें। —बाबूलाल जैन 'उज्ज्वल (सम्पादक)

नया साहित्य समीक्षा

<p>श्रमण ज्योति सम्पादक— श्री सुब्रत मुनिजी 'गाम्भी' प्रकाशक— श्री व. स्वा. जैन श्रावक मण, अम्बाला गहर (हरियाणा)</p>	<p>(हिन्दी) पृष्ठ 115 मूल्य 10/-</p>	<p>समर्थ प्रकाश लेखक— श्री घोंसूनाल पीतलिया प्राप्ति स्थान—श्री जैन ज्ञान पाठशाला भवन मिठी पृथिम, जोधपुर (राज)</p>	<p>(हिन्दी) मूल्य 25/- पृष्ठ 912</p>
<p>मोक्ष-पुरुषार्थ (हिन्दी)</p>			
<p>महासती मयणरेहानी सज्जाय डाल (गुजराती) मदन रेखा चरित्र जैन सौरभ कार्यालय से सप्रेम भेंट प्रकाशक—उमरशी केशवजी, धनाणी बडाला बम्बई (महा.)</p>	<p>लेखक—श्री उमेश मुनि जी म सा 'अणु' प्रकाशक—(1) श्री धर्मदाम जैन मित्र मडल 80 नीलार्शपुरा, रतनाम (म प्र) फोन नं 157 001 2. श्री पूज्य नंद जैन साहित्य समिति थान्दला पिन—157 777 (म. प्र.)</p>		
<p>गुरुदेव योगीराज की कहानियां (हिन्दी)</p>			
<p>चिराम ओर आराम (हिन्दी) सम्पादक— श्री मोतीलाल सुराना प्रकाशक—नेतीक जीवन ग्रन्थमाला 17/3 3 न्यू पनासिया एनडी-450002</p>	<p>लेखक—श्री सुभद्र मुनिजी म ना प्रकाशक—श्री योगीराज जैन ग्रन्थालय दिल्ली पृष्ठ—201 मूल्य 10-00</p>		
<p>आत्म साधना के सोपान (हिन्दी)</p>			
<p>आत्म साधना के सोपान (हिन्दी) सम्पादक—बदन बाई बोस्विया प्रकाशक—गाह श्री तेजबचद मोहनलाल बोटवा एनडी के व्यापारी रायपुर (कनॉट प्लेस)</p>	<p>आगम दर्पण (हिन्दी) लेखक—श्री कपिल भाई कोटडिया प्रकाशक—कपिल भाई कोटडिया पृष्ठ 322 मूल्य 10-00</p>		
<p>गन्ध और मोन (हिन्दी)</p>			
<p>गन्ध और मोन (हिन्दी) लेखक— श्री मोतीलाल सुराना प्रकाशक—नेतीक जीवन ग्रन्थमाला 17/3 3 न्यू पनासिया</p>	<p>विश्रांतिलो बडलो (गुजराती) लेखक—महा. श्री नीलाचली बाई म. ना. प्रकाशक—श्री अश्वी धारणी स्वा भाई स्वा जैन मण मणसी व्यापक, छात्रापुरा नारडी—1001121 (गुजरात)</p>		
<p>भक्तामर स्तौन (मूल) गुटरा (गुजराती)</p>			
<p>लेखक—श्री नार नंद म. ना प्रकाशक—श्री नर नंद म. ना नार पृष्ठ 321 पर डे</p>			

ज्वर रुकता औषधि सेवन मे, जन्वर की क्रिया न जानता हे ।
 यो वधते कमं न दिखते हे, परिणाम देख पहिचानता हे ॥

हार्दिक शुभ कामनाओं सहित—

भँवरलाल सियाल

H. Nemichand Electric Stores

359, Chickpet, P B No 7947, BANGALORE-560053

Phones Offi 24895
 258989

Resi 24895
 258989

DEALERS IN —

Electrical Products

ORIENT Fans

BACKER Red Rings

THEETA COOKING COILS

- H T Materials
- Lightning arrestors
- G O S , D O L O Cut Outs
- Testing Instruments
- SIEMENS, LT, LK
- ENGLISH ELECTRIC,
- CUTTLER HAMMER
- Starters Switches,
- Contractors' Kits etc
- BHEL KWH Meters

SYLVANIA Lamps Tubes Fixtures

Cables, Nichrome and Eufrekha Wires and Up to End Products

50 से अधिक वर्षों तक आचार्य पद पर सुशोभित रहने वाले आचार्यों की सूची एवं अन्य जानकारियाँ

ममग्र जैन समुदाय में वर्तमान में 120 आचार्य विराजमान हैं जिनमें श्वे. मूर्तिपूजक में 97 आचार्य, श्वे. स्थानकवासी में 9 आचार्य, श्वे. तेरापथी में 1 आचार्य एवं दिगम्बर समुदाय में 13 आचार्य हैं। इन 120 आचार्यों में सबसे दीर्घायु आचार्य निम्न लिखित हैं जो आज जिन ज्ञान की शान बढ़ाने में अपना पूरा योगदान दे रहे हैं। आइये आपको इन आचार्यों के बारे में कुछ नई जानकारियाँ दें, ज्यादा जानकारियाँ तो मेरे पास उपलब्ध नहीं हैं कारण मैं इतने वर्षों तक सिर्फ स्थानकवासी सम्प्रदाय से सम्बन्धित था और अब विशाल समुदाय के बीच में आ गया हूँ यानि अब ममग्र जैन समुदाय से सम्बन्ध जुड़ गया है। श्वे. मूर्तिपूजक, श्वे. तेरापथी एवं दिगम्बर समुदाय के आचार्यों साधु-साध्वियों के बारे में मुझे बिल्कुल भी ज्ञान नहीं है यहाँ तक कि दो महीने पहले तक मैं यह भी नहीं जानता था कि आचार्य के बाद उपाध्याय फिर पन्यास गणि होते हैं फिर प्रवर्तक होते हैं या आचार्यों के नाम के आगे ही सिर्फ सूर्यस्वरजी लगाते हैं अन्य किमी के आगे नहीं। तो यह ज्ञान भी मुझे बिल्कुल नहीं है अब बोग बोग प्रयत्न कर रहा हूँ। हा तो मैं आपको आचार्यों के बारे में कुछ जानकारियाँ देने जा रहा था वह यहाँ प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहा हूँ जितनी जानकारियाँ उपलब्ध होंगी है वह यहाँ दी जा रही है सभी पूज्य आचार्यों नमस्कार / महासत्निर्वाणी म. मा. मे नम्र निवेदन है कि वे भी अपनी जानकारियाँ हमें जो ब्र भिन्न-भिन्न की कृपा करें ताकि मैं आपको अधिक से अधिक जानकारियाँ देने का प्रयत्न कर सकूँ।

जिनमें आपके सम्बन्ध छत्रोम गुण धारक परम श्रेष्ठ आचार्यों की कुछ जानकारियाँ प्रस्तुत कर रहा हूँ — तीर्थ गंभीर रूप से दीर्घायु तथा करेण्यो जानकारियाँ देने का मैं मेरा प्रथम प्रयत्न है।

1. आचार्य पद के 50 वर्ष

वर्तमान में ममग्र जैन समाज में कुल 120 आचार्य हैं जिनमें से 50 वर्षों से अधिक ममग्र जैन आचार्य पद प्राप्त करने वाले आचार्य निम्न हैं—

श्वे. स्थानकवासी समुदाय में रत्न वंशीय आचार्य श्री हस्तीमलजी म. मा. ही एकमात्र प्रथम आचार्य आज ममग्र जैन समाज में हैं जिनका वर्तमान में आज आचार्य पद प्राप्ति का 59 वाँ वर्ष चल रहा है। उनको आचार्य की पदवी 19 वर्ष की अत्यायु में प्रदान किया गया है और वे आज 78 वर्ष के आचार्य हैं जिनका चातुर्मास इस वर्ष अपनी जन्मभूमि पीपाड (राजस्थान) में है। आपका ममग्र जैन समाज एवं स्थानकवासी समुदाय में आचार्य पद प्राप्ति में प्रथम क्रमांक है।

इसके बाद ममग्र जैन समुदाय में 50 वर्ष आचार्य पद प्राप्ति का दूसरा क्रमांक श्वे. तेरापथी के आचार्य श्री तुलसीजी म. मा. का आता है आपको भी आचार्य पद प्राप्ति का 51 वाँ वर्ष चल रहा है। तेरापथी सम्प्रदाय में आप ही एक आचार्य हैं जिनकी नेत्राय में आज 699 साधु-साध्वियाँ विचरण करते हैं। आपका चातुर्मास इस वर्ष अपनी जन्मभूमि लाडन (राज.) में है।

उसके बाद ममग्र जैन समुदाय में 50 वर्ष आचार्य पद प्राप्ति का तृतीय क्रमांक श्वे. मूर्तिपूजक तपागच्छ के गच्छाधिपति आचार्य श्रीमद् विजय रामचन्द्रसूर्यस्वरजी म. मा. का आता है आप आचार्य पद के 50 वर्ष पूर्ण कर 51 वें वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं, एवं ममग्र मूर्ति पूजक समुदाय में आप ही एक ऐसे आचार्य हैं जो अपने दिव्यो ने 50 वर्ष आचार्य पद प्राप्ति करने वाले एकमात्र आचार्य हैं।

2. आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वियाँ

ममग्र जैन समाज में लगभग 10,000 पण्डितों का सम्बन्ध है जो म. मा. हैं। इनमें से 100 से अधिक पण्डितों का सम्बन्ध आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वियों से है। इनमें से 100 से अधिक पण्डितों का सम्बन्ध है।

2 श्व मूर्तिपूजक तपान्छ समुदाय मे गच्छाधिपति आचाय श्री गमचद्र मूरीश्वरजी म सा के कुल (806) जानानुवर्ती साधु-साध्विया ह ।

3 श्वे तैरापथ सम्प्रदाय मे युगप्रधान आचाय श्री तुलसी जी म ना के कुल (699) जानानुवर्ती सत मतिथी जी म ना ह उनके बाद फिर कई समुदाया म विज्ञान सख्या मे जानानुवर्ती साधु-साध्विया विद्यमान ह अधिक जानकारी के लिए आप प्रारम म जनी तालिकाके देखिये वहां आपका कुल टाणाजा की मख्या व प्रज्ञ टेज (टका-वारी%) जादि की जानकारीया मिल जावेगी ।

3 आचार्या के सानिध्य मे सर्वाधिक नई दिक्षाएँ होना -
समग्र जैन समुदाय म वसे ता हर वष कई आचार्यों के सानिध्य न प्राय म नई दीक्षाएँ हाती हैं परन्तु—

समग्र जन समुदाय मे एक माय 10 या 10 म अधिक मख्या म भागवती दीक्षाएँ कहा नब सम्भट हुद उमकी जान-वारी यहाँ दी जा रही ह ।

(1) श्वे स्थानकवासी सम्प्रदाय -

(1) समता विनूति आचाय श्री नानालालजी म सा के नेथाय मे—

(सन्-सवत् वि)	दीक्षा स्थल एव सख्या
(1) सन् 1972-(2029)	मीनामर (राज) 12
(2) सन् 1979-(2036)	व्यावर (राज) 15
(3) सन् 1981-(2039)	अहमदाबाद (गुज) 15
(4) सन् 1984-(2041)	खलाम (मप्र) 25

(2) श्वे तैरापथी सम्प्रदाय -

(1) आचाय श्री तुलसीजी म सा के नेथाय मे—

सन्—(वि सवत्)	दीक्षा स्थल एव सख्या
(1) — (सवत् 1994)	वीकानर (राज) 31
(2) — (सवत् 1998)	राजदेशपुर (राज) 27
(3) — (सवत् 1999)	चूरू (राज) 28

नाट—श्वनाम्बर मूर्तिपूजक सम्प्रदाय एव दिगम्बर जन सम्प्रदाय की पूरा जानकारी मालूम नहीं हा सकी । जिनका जानकारी मालूम हा कृपया सूचना निजवान की कृपा कराये ।

4 सबसे कम उम्र मे आचाय पद प्राप्त होना

समग्र जैन समुदाय म वसे ता कुल 120 आचा ह उनम मे यदि सवम कम उम्र मे आचाय पद किया आचाय श्री का प्रदान किया गया हो ता वे ह श्व स्थानकवासी सम्प्रदाय मे रत्न वशीय आचाय श्री हस्तीमलजी म सा जिनकी दीक्षा 10 वष मे पूज्य माताजी के साथ हु एव 19 वष की अत्यायु म आचाय पद पर सुशाभित हुय ऐस कम उम्र म आचाय पदवा वाने समग्र जैन समुदाय म एकमात्र आचार्य ह ।

(5) गच्छाधिपति आचाय की आज्ञा मे सर्वाधिक आचार्य—

समग्र जन समुदाय मे 120 आचाय ह स्थानकवासी सम्प्रदाय मे ता अपनी अपनी जो सम्प्रदाय हे उनम एक हा आचार्य हाते ह परन्तु मूर्तिपूजक सम्प्रदाय म जला जना ममुदाया म जिस सम्प्रदाय मे एक आचाय है उनके माय मा कई आचाय विद्यमान हैं अधिक जानकारी के लिए आप आज्ञा सूची देखिय फिर भी मव साधारण की जानकारी क लिए यहाँ मे सानिप्त हों विवरण दना चाहता हूँ हा ता सवाल यह है कि एक सम्प्रदाय म एक आचाय क माय जार कितन आचाय ह । इसका जवाब यह ह कि—

मूर्तिपूजक सम्प्रदाय म सवम सर्वाधिक आचार्य शान्त सम्राट आचाय श्री विजय नेमी मूरीश्वरजी म ना के समुगार मे (19) आचाय श्री विजय प्रेम मूरीश्वरजी म सा के समुगार म (18) आचाय विद्यमान हैं फिर -4 5-7 ता कई ममुदाया मे है ।

(पृष्ठ 34 का शेष)

नाट—हमने गत वष स्थानकवासी जन साहित्य न पत्र पत्रिकाया की ममीक्षा पुस्तक म प्रकाशित की था इस वष मे समीक्षा देने का विचार था ममीक्षा भी तैयार कर ता थी लेकिन समयभाव के कारण यहा निक सभ्य पुस्तक क नाम सम्पादक नाम मूल्य एव प्राप्ति स्थल के बारे म हा यहाँ जानकारीया दी गयी ह । कृपया क्षमा करें सभी पूज्य मुनि राजा/माध्वीयाजी म ना/श्री मवा, साहित्य मस्त्राज क सम्पादना एव महानुभावा स नम्र निवेदन ह कि वे जप जपन साहित्य की दा दा प्रतियाँ परिपद के पत पर निवेदान की कृपा करें ताकि भविष्य म हम सभी की समाक्षा दन का प्रयास करेंगे

—सम्पाक

प्रश्नोत्तरी

हम विगत पाँच वर्षों से एक नया अध्याय प्रश्नोत्तरी का प्रस्तुत करते आ रहे हैं जिसमें सम्पूर्ण साधु-माध्वियों एवं समाज की सभी गतिविधियों की जानकारियाँ संक्षिप्त में सभी को ज्ञात हो सके। इस प्रश्नोत्तरी को समाज के हर वर्ग ने खूब सराहा है एवं इस वर्ष भी हमसे अनुरोध किया है कि यह विभाग इस वर्ष भी यथावत अवश्य चालू रखे। समन्वयभाव व स्थानाभाव के कारण हम इसे बन्द कर रहे थे परन्तु समाज के प्रिय पाठकों का आग्रह था कि विस्तृत नहीं तो संक्षिप्त में ही सही लेकिन कुछ न कुछ प्रस्तुत अवश्य करें। जो जानकारियाँ हम विगत वर्षों में आपके सन्मुख प्रस्तुत कर चुके हैं वे जानकारियाँ दुबारा यहाँ नहीं दी जा रही हैं जो नयी 2 जानकारियाँ हे उन्हीं को यहाँ प्रस्तुत किया गया है। आशा है आपको हमारा यह प्रयास काफी अच्छा लगा होगा आपके सुझाव, अभिमत, शिकायतें, गलतियाँ, प्रश्न आदि हमें अवश्य भिजवाने की कृपा करें। यह अध्याय धार्मिक स्कूल की पढाई में भी आप काम में ले सकते हैं ताकि धार्मिक ज्ञान के साथ समाज व साधु-माध्वियों के बारे में भी छात्रों को कुछ ज्ञान मिल सके। तो लीजिये आपके सन्मुख प्रस्तुत कर रहे हैं प्रश्नोत्तरी—

प्रश्न . वर्तमान में समग्र जैन समुदाय में कितने 2 सम्प्रदाय में कितने 2 आचार्य हैं ?

उत्तर . वर्तमान में समग्र जैन सम्प्रदाय में निम्नलिखित आचार्य हैं—

श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदाय में 97, श्वे. स्थानकवासी सम्प्रदाय में 9, श्वे. तैरापथी सम्प्रदाय में 1, एवं दिम्बर सम्प्रदाय में 13, इस तरह कुल 120 आचार्य विराजमान हैं। विस्तृत विवरण अन्यत्र देखें—

प्रश्न —उन सभी सम्प्रदायों के आचार्यों के नाम बताओ ?

उत्तर . समग्र जैन सम्प्रदायों में कुल 120 आचार्य विद्यमान हैं। उन सभी आचार्यों के नाम 'आचार्य' की सूची में पुस्तक में क्रमशः दिये गये हैं। वहाँ देखें।

प्रश्न . सबसे ज्यादा आचार्य किस सम्प्रदाय में हैं ?

उत्तर . सबसे ज्यादा आचार्य श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदाय में 97 आचार्य हैं एवं उस समुदाय में आचार्य श्री विजय प्रेम सूरेश्वरजी म.मा के समुदाय में 18 एवं आचार्य श्री नेमि सूरेश्वरजी म.मा के समुदाय में 19 आचार्य विद्यमान हैं।

प्रश्न : समग्र जैन समुदाय में क्या कोई ऐसा आचार्य है जो वय में सबसे ज्यादा उम्र का है ?

उत्तर . समग्र जैन समुदाय में वर्तमान में सबसे ज्यादा वय के यदि कोई आचार्य है तो वह मूर्तिपूजक तपागच्छ में आचार्य श्री विजय रामचन्द्र सूरेश्वर जी म.मा ही हैं जिनकी आयु 94 वर्ष की है।

प्रश्न . क्या समग्र जैन सम्प्रदाय में ऐसा कोई आचार्य है जो सबसे अधिक वर्षों तक आचार्य पद पर श्रुपांभित रहा है। उनके नाम बताओ ?

उत्तर : समग्र जैन समाज में वर्तमान में कुल 120 आचार्य हैं। प्रायः करीब सभी वर्षावृद्ध आचार्य हैं जो कि प्रश्न यह है कि सबसे ज्यादा लम्बी आचार्य पदवी वाले कौन 2 ने आचार्य हैं तो वर्तमान में समग्र जैन सम्प्रदायों में श्वे. स्थानकवासी सम्प्रदाय में आचार्य प्रवर श्री हनुमानजी म.मा ही एक मात्र ऐसे आचार्य हैं जिनकी आचार्य पदवी 59 वर्ष की है। उनमें लम्बी पदवी वाला तब ही आचार्य वर्तमान में समग्र जैन समाज में नहीं है।

प्रश्न . हमने तो बम्बई समाचारपत्र (एम्बई) में पढ़ा है कि विगत 300 वर्षों के जैन इतिहास में आचार्य श्री विजय रामचन्द्रसूरेश्वर जी म.मा एक मात्र ऐसे आचार्य हैं जो 50 वर्षों तक लगातार आचार्य पद पर श्रुपांभित रहे। क्या यह बात सत्य है ?

उत्तर . सत्य ही बात है कि समग्र जैन समाज में 300 वर्षों तक आचार्य पदवी वाले जो सभी आचार्य हैं, उनमें से एक आचार्य 59 वर्षों तक प्रथम पदाधीन रहे। उनमें से एक आचार्य 59 वर्षों तक प्रथम पदाधीन रहे। उनमें से एक आचार्य 59 वर्षों तक प्रथम पदाधीन रहे। उनमें से एक आचार्य 59 वर्षों तक प्रथम पदाधीन रहे।

जाता है मूर्तिपूजक तपागच्छ सम्प्रदाय के आचार्य श्री विजय रामचन्द्र मुरीश्वर जी म सा का लेकिन यदि सम्पूर्ण मूर्ति पूजक सम्प्रदाय में देखा जावे तो आचार्य श्री विजय रामचन्द्र मुरीश्वरजी म सा का प्रथम क्रमांक आता है। यह 300 वर्षों की बात मिक मूर्तिपूजक सम्प्रदाय में ही लागू होती है। नमग्र जैन सम्प्रदाय में नहीं।

प्रश्न क्या नमग्र जैन समाज के 2500 वर्षों में कोई ऐसा आचार्य ही हुए हैं जिनका मिक 20 वर्ष में कम जायु म ही आचार्य पद प्रदान किया गया हो। यदि हा तो उनके नाम बताओ ?

उत्तर नमग्र जैन सम्प्रदाय में विगत 2500 वर्षों में यदि किसी आचार्य का मिक 20 वर्ष से कम जायु में ही आचार्य पद प्रदान किया है ऐसा पहले तो कभी सुना नहीं है। परन्तु उतमान में श्व स्थानकवासी सम्प्रदाय में आचार्य श्री हूलमलजी म सा ही एकमात्र ऐसा आचार्य हैं जिनका मिक 19 वर्ष में ही आचार्य पद प्रदान किया गया है। जीर जाज 59 वर्षों तक रहे हैं। इस वर्ष उनका चातुर्मास पिपाट सिटी (राज) में है। इसके अलावा आर. ए. में कोई भी दूसरे आचार्य नहीं हैं।

प्रश्न नमग्र जैन समुदाय में ऐसे काल 2 से आचार्य हैं जिनके समय ज्यादा आज्ञाकारी सत-सतिया हैं।

उत्तर उतमान में नमग्र जैन समुदाय में सबसे ज्यादा आज्ञाकारी सत-सतियाजी जिनकी आज्ञा में विचरण कर रहे हैं वे निम्नलिखित हैं—

1 स्थानकवासी सम्प्रदाय में धर्मण संधीय आचार्य श्री आनन्द ऋषिजी म सा (कुल 11 समुदाय) के कुल ठागा 926

2 मूर्तिपूजक तपागच्छ समुदाय में आचार्य श्री विजय रामचन्द्र मुरीश्वरजी म सा के कुल ठागा 807

3 मूर्तिपूजक तपागच्छ सम्प्रदाय में आचार्य श्री देवदर सागर मुरीश्वरजी म सा के कुल ठागा 688

4 मूर्तिपूजक तपागच्छ सम्प्रदाय में आचार्य श्री विजय मधुसूदन मुरीश्वरजी म सा के कुल ठागा 501 आदि।

प्रश्न क्या नमग्र जैन समुदाय में ऐसा भी कोई क्षेत्र है जहाँ इस वर्ष किसी एक स्थान पर दो आचार्यों का चातुर्मास

एक साथ है आर वे दोनों ठागा ही आचार्य हैं, बताइये ?

उत्तर नमग्र जैन समाज में मूर्तिपूजक सम्प्रदाय में जून-आगस्ट में ऐसा चातुर्मास है जहाँ मिक दो ही ठागा हैं आर वे दोनों ही आचार्य हैं।

प्रश्न क्या नमग्र जैन समाज में इस वर्ष किसी कानून आचार्य पद प्रदान किया गया है ? यदि हा तो उनके नाम बताइये ?

उत्तर नमग्र जैन समाज में इस वर्ष किसी का भी नया आचार्य पद प्रदान नहीं किया है खामकर-स्थानकवासी व तरापथी सम्प्रदाय में मूर्तिपूजक व दिगम्बर सम्प्रदाय के वार में हम कोई जानकारी नहीं मिली है।

प्रश्न नमग्र जैन सम्प्रदाय में कितने युवाचार्य हैं उनके नाम बताइये ?

उत्तर नमग्र जैन समाज में कुल (1) ही युवाचार्य हैं आर वह तरापथी सम्प्रदाय में हैं उनका नाम है— युवाचार्य श्री महाप्रज्ञ जी म सा इन्होंने अलावा जागे किसी भी सम्प्रदाय में कोई युवाचार्य नहीं हैं।

प्रश्न हमने सुना है कि स्थानकवासी सम्प्रदाय में नया युवाचार्य बना दिया गया है। क्या यह बात सच है। यदि हा तो उनका नाम भी बताइये ?

उत्तर स्थानकवासी सम्प्रदाय में अभी तक किसी को भी युवाचार्य नहीं बनाया है। हागत वर्ष इस वार में अवश्य बात चली थी लेकिन मामला सुलझा नहीं आर युवाचार्य व चयन का मामला आगे के लिए सुरक्षित रखते हुए धर्मण संध में 4 मन्त्रिण नियुक्त कर दिये, भविष्य में इन विचारों में एक का युवाचार्य बनाया जावेगा।

प्रश्न हमने पत्र-पत्रिकाओं में पढ़ा है कि जैन स्थानकवासी सम्प्रदाय में स्वतंत्र सम्प्रदाय के तपस्वीराज श्री चण्डालालजी म सा के आगे आचार्य पद लगाने लगे हैं सो क्या यह बात सही है उनका आचार्य पद क्या आर कहाँ प्रदान किया ? बताइये ?

उत्तर श्रीमानजी यह तो हमने भी कई पत्र-पत्रिकाओं में एव हमार पास जा पत्र आता है उन सभी में लिखा हुआ जाता है कि उनके नाम के आगे आचार्य पद लगा हुआ है।

हम भोपालगढ़ गये तो वहाँ जैन स्थानक में भी ब्रेकेट में लिखा हुआ है कि आचार्य लेकिन वह वान एक दम गलत है कि उनको आचार्य पद प्रदान कर दिया गया। हाँ वे गच्छाधिपति मंघ संचालक जरूर हैं लेकिन आचार्य पद कहीं पर कभी प्रदान नहीं किया। लेकिन उस पद के बराबर पदवी अवश्य मिली होने के कारण ही आचार्य के समान अवश्य है।

प्रश्न : समग्र जैन सम्प्रदायो में कितने उपाध्याय हैं ? उनके नाम बतावें ?

उत्तर : समग्र जैन सम्प्रदायो में वर्तमान में 12 उपाध्याय हैं उन सभी के नाम आप अन्यत्र देखें।

प्रश्न : समग्र जैन समुदायो में कितने पन्यास गणि प्रवर्तक प्रवर्तिनिर्या, उपप्रवर्तिनिर्या हैं ? सभी के नाम बतावें ?

उत्तर : समग्र जैन समुदायो में वर्तमान में 51 पन्यास, 13 प्रवर्तक 27 गणी, 11 उपप्रवर्तक एवं 22 उपप्रवर्तिनिर्या हैं। सभी के नाम आप अन्यत्र देखें।

प्रश्न : हमने सुना है कि समग्र जैन सम्प्रदायो में उस वर्ष काफी मात्रा में नये प्रवर्तक बनाये गये हैं। जगह 2 चादर महोत्सव मनाये जा रहे थे, तो हमें भी उनके नाम तो बतावें ?

उत्तर : समग्र जैन समाज में उस वर्ष भी कई नये प्रवर्तक बनाये गये हैं। हमें सिर्फ स्वानकवासी सम्प्रदाय की ही जानकारी मानम है उस वर्ष पञ्जाब में भण्डारी श्री पदमचंदजी म सा. ही, उत्तर में श्री रमेश मुनि जी म सा, श्री उमेश मुनि जी म सा आदि तो उन वर्ष प्रवर्तक पद की चादर प्रदान की गई है।

प्रश्न : क्या भारत में ऐसा कोई क्षेत्र है जहाँ के लोग न्याय देव स्थानक मंदिर में जाकर किसी मत-मतियों के प्रति न्याय स्वयं हुए स्थाप करते हैं। कोई उदाहरणों में नये बताते हैं ? ऐसा क्षेत्र कौन सा ?

उत्तर : समग्र जैन भारत में मध्यप्रदेश प्रांत में अहमदनगर जिले में जिन सोरी ग्राम श्री स्वानकवासी अमरावती नाम के ग्राम श्री स्वानकवासी नाम के ग्राम में ही एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ के लोग स्वयं ही न्याय देव स्थानक मंदिर में जाकर किसी मत-मतियों के प्रति न्याय स्वयं हुए स्थाप करते हैं।

प्रश्न : क्या सम्पूर्ण देश-विदेश में ऐसा कोई क्षेत्र है जो भगवान महावीर के अहिंसा मन्देश पर किनी गली, सडक, मार्ग का नाम अहिंसा पर हो ?

उत्तर : भगवान् महावीर स्वामी के अहिंसा के मन्देश पर सम्पूर्ण भारत में किसी रोड, गली, सडक का नाम कहीं पर है तो वह बम्बई के खार रोड में ही है जहाँ 11-ए-रोड का नाम अहिंसा रोड पडा है। यह सम्पूर्ण विश्व में प्रथम नाम है।

प्रश्न : सम्पूर्ण भारत में वर्तमान में सभी सम्प्रदायो में सबसे बयोवृद्ध मत-सती कौन से है ?

उत्तर : सम्पूर्ण भारत में सभी जैन सम्प्रदायो में सबसे बयोवृद्ध मत-सती स्वानकवासी सम्प्रदाय में बृहद् गुजरात सम्प्रदाय में गोडल मोटा पक्ष सम्प्रदाय की महामतीजी श्री रतनबाई म सा. ही हैं जिनकी उम्र इस वर्ष 99 वर्ष की है आगामी वर्ष जिनकी शताब्दी वर्ष मनायी जावेगी। उनमें छोटे फिर मूर्तिपूजक तथागच्छ सम्प्रदाय में आचार्य प्रवर श्री रामचन्द्र सुरीश्वरजी म सा हैं जिनकी आयु 91 वर्ष है।

प्रश्न : समग्र जैन सम्प्रदायो में ऐसे कोई मत-मतिया हैं जिनमें सम्पूर्ण भारत के चारों कोनों में विहार भी किया है और चातुर्मास भी ? उनके नाम बतावें ?

उत्तर : समग्र जैन सम्प्रदायो में ऐसे तो कई मत-मतिया हैं जिन्होंने देश में एक छोर में दूसरे छोर तक भ्रमर किया है। हमारे पास अधिक जानकारी भी नहीं है परन्तु स्वानकवासी सम्प्रदाय में ऐसे एक मत अमर है जिन्होंने मद्रास में जम्मू-काश्मीर और अहमदाबाद में स्वकना और चारों कोनों में भ्रमर भी किया है और चातुर्मास भी और देश अमरावती उपाध्याय श्री केशव मुनि जी म सा

प्रश्न : क्या स्वानकवासी सम्प्रदाय में उस वर्ष किसी तो नया उपाध्याय बनाया गया है ? यदि जी नहीं है तो कौनसे नाम बतावें ?

उत्तर : स्वानकवासी सम्प्रदाय में उस वर्ष तीन नये उपाध्याय बनार गये हैं उनके नाम—श्री स्वानकवासी म सा श्री मनीष मुनिजी म सा एवं श्री स्वानकवासी म सा श्री देवकी अमरावती म सा ।

प्रश्न ममग्र जैन समुदाय मे डम उय ममग्र ज्यादा चातुर्मास किन जाह ह ।

उत्तर ममग्र जैन समुदाय मे सबसे ज्यादा चातुर्मास महाराष्ट्र मे सम्बद्ध अहर म ह जहाँ लगभग 1800 माधु-माध्विया विराजमान ह एव चारा ही सम्प्रदाया के माधु-माध्विया विराजमान ह ।

प्रश्न भारत मे डम वय ममग्र जन समुदाय मे एक ही स्थल पर ज्यादा न ज्यादा कितने ठाणाजा ना चातुर्मास ह उन स्थाना के नाम बताओ ?

उत्तर भारत मे डम वय नभम 2100 स्थाना पर लगभग 10 हजार जैन माधु-माध्विया के चातुर्मास ह । उन ही स्थल पर ज्यादा न ज्यादा ठाणाजा ना यदि कहीं पर चातुर्मास है ता प्रथम मन्वर तरापय मन्प्रदाय मे जाचाय धीतुतमी ना मे मा का लाटून का जाता है जहाँ एक जगह 66 श्रमणी 33 धमण कुल ठाणा 99 विराजमान ह । यह पूर भारत मे सर्वाधिक ठाणाजा का नाम कीर्तिमान ह । दूसरा क्रमाव मुनिपूजक तथागच्छ सम्प्रदाय मे जाचाय श्री रामचन्द्र मूर्तिरर श्री मे मा का बम्बई ताल बाग ना आता है । जहाँ 49 मुनिराज एव ही जाह विराजमान है । माध्विया की मध्या अभी जलम है । वैम स्थानकवासी सम्प्रदाया मे यह मध्या 18 को पाग नहीं कर गयी है ।

प्रश्न -वतमान मे स्थानकवासी सम्प्रदाय मे फेम कान मे सत-सतिया ह जिनका 2 महीने न अधिक का मथारा पूण हुआ है ?

उत्तर -स्थानकवासी सम्प्रदाय मे कई सत सतिया के 1-1- माह के मथारा पूण हुए ह लेकिन उमम नी ज्यादा दिन ना मथारा नत वय माधुमासी सम्प्रदाय की महा श्री बल्लभ दुर्गर जी मे मा का बीतानम मे 73 दिन का मथारा पूण हुआ था ।

प्रश्न -ममग्र जैन सम्प्रदाय मे आज तक ममग्र ज्यादा जैन क्याए किन 2 मत-सतिया न तिथी है ? वह भी चार भाषाजा मे ?

उत्तर -ममग्र जन सम्प्रदाय मे आज तक ममग्र ज्यादा जन क्याए स्थानकवासी सम्प्रदाय व श्रमण सर्वाय उपाध्याय श्री पुष्करमुनि जी मे मा ना तही 108 भाग लिखी है जिनका अनुवाद हिन्दी, गुजराती, मराठी एव संस्कृति मे है ।

प्रश्न क्या ममग्र जैन समुदाय मे ऐसा काइ माधु-सर्वे हैं ना विदेशी हा जर यहाँ जरूर जैन मुनि बना हा जो अपनी माधना मे उपाध्याय पद तक पहुँचा हा ता उनका नाम बताओ ?

उत्तर ममग्र जन ममाज मे उनमान मे ऐसे एक हा सत ह जो विदेशी ह यानी नेपाल के रहन वाल ह व हैं स्थानकवासी सम्प्रदाय मे श्रमण सर्वाय उपाध्याय था विशाल मुनि जी मे मा ही है उन्हें ही ममग्र श्रमण सष का उपाध्याय बनाया गया ह । गाकी जोर काई मत-सतिया विदेश नहीं है ।

प्रश्न -क्या आप बता सकत ह कि स्थानकवासी सम्प्रदाय मे उम्र एव वय मे ममग्र कम आयु के कोई मत-सतिया हैं उनका नाम बताओ ?

उत्तर मूर्तिपूजक सम्प्रदाय मे तो ममग्र कम आयु के कई सत-सतिया मिल जाणेंगे लेकिन स्थानकवासी सम्प्रदाय मे ऐसे सत-सतिया कम ही मिलेंगे फिर भी सम्पूर्ण स्थानकवासी सम्प्रदाय मे सबसे कम उम्र के सत-सतिया यदि बार्द है ता वह है जाचाय श्री हस्तीमलजी मे मा का जाता महासताजी श्री मुक्ति प्रभाजी मे मा तिनकी उम्र लगभग 12 वय की है जिनका वय लगभग 4 फुट के लगभग ना ह । इसमे कम आयु एव कद के और काई सत-सतिया स्थानकवासी सम्प्रदाय मे नहीं है । मूर्तिपूजक सम्प्रदाय मे सबसे कम उम्र के सत बहुत मिलेंगे जो 6-7-8 वय की उम्र के ह । पूरी जानकारी प्राप्त हाने ही सूचित कर दिया जावेगा ।

प्रश्न क्या आप बता सकत हैं कि ममग्र जैन सम्प्रदाया मे 2500 वर्षों के इतिहास मे ऐसा काई सत-सतिया हुआ था जो उच्च शिक्षा प्राप्त किया हुआ हो एव सम्पूर्ण भारत मे सा ए की परीक्षा मे प्रथम डिबीजन मे प्रथम स्थान पर आया हा एव आत्म कल्याण हेतु सभी को छाहकर सत-सतिया बनने का रास्ता चुना हा ?

उत्तर ममग्र जैन सम्प्रदाया मे वित्त 2500 वर्षों के जैन इतिहास मे देखा जावे ता तेमा एक भी सत-सतिया नहीं है जिनमे उच्च शिक्षा प्राप्त की हो सिर्फ एक सत जम्बर है और वह है स्थानकवासी सम्प्रदाय मे जाचाय श्री हस्तीमलजी मे सा के सुमिष्य श्रीप्रमाद मुनिजी मे सा जो सी ए चाटइएकॉर्टेंट की परीक्षा मे सम्पूर्ण भारत मे प्रथम डिबीजन मे प्रथम स्थान मे उत्तीर्ण हुए एव आत्म कल्याण हेतु 1983 मे जयपुर मे

दीक्षा ग्रहण कर मुनि बने ह । और इतिहास में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है ।

प्रश्न - क्या आप बता सकते हैं कि गत वर्ष सवतसरी का प्रतिक्रमण बिना माडक में सम्पन्न हुआ हो एव उम श्री मघ का 50 वर्षों का रिकार्ड टूटा हो ? उम क्षेत्र का नाम बताओ ?

उत्तर - वैसे तो कई श्री मघो में बिना माडक के ही प्रतिक्रमण होता है । आप राजस्थान में जाकर देखो वहाँ बिना माडक के ही प्रतिक्रमण होता है लेकिन प्रश्न ऐतिहासिक रिकार्ड टूटने का हो तो ऐसी ही घटना गतवर्ष स्थानकवामी सम्प्रदाय में बम्बई के घाटकोपर श्री सघ में घटित हुई वहाँ साधुमार्गी जैन संघ के आचार्य श्री नानालालजी म सा का गत वर्ष चातुर्मास था वहाँ विगत 50 वर्षों से सवतसरी का प्रतिक्रमण माडक से ही होना चला आ रहा है । लेकिन गत वर्ष आचार्य श्रीजी के आह्वान पर बिना प्रतिक्रमण माडक से सवतसरी का हुआ है । लगभग 12 हजार श्रावक श्राविकाओं ने बिना माडक के प्रतिक्रमण शांति में किया और एक नया रिकार्ड स्थापित हुआ है । अब यह बात अलग है कि वहाँ उम वर्ष फिर माडक चालू हो जावे या नहीं भी होवे ।

प्रश्न - क्या समग्र जैन समाज में ऐसा कोई क्षेत्र है जहाँ पर चारों सम्प्रदायों के श्रावक श्राविकाएँ एक ही धर्म स्थान पर आकर धर्मध्यान करें और नया ऐतिहासिक रिकार्ड स्थापित करें ।

उत्तर : समग्र जैन सम्प्रदाय में नागौर ही एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ गत वर्ष चारों जैन सम्प्रदायों के श्रावक श्राविकाओं ने एक ही धर्म स्थानक में आकर धर्म ध्यान किया हो वहाँ गत वर्ष आचार्य श्री हस्तीमनजी म सा के मुनिपुत्र श्री शुभेन्द्र मुनिजी म सा का चातुर्मास था । वहाँ पर चातुर्मास में सभी सम्प्रदाय के श्रावक-श्राविकाओं की ओर से लगभग 1000 सामूहिक अष्टाष्टयों का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जो एक ऐतिहासिक रिकार्ड है । चारों सम्प्रदायों को एक मंच पर एक साथ रख दिया जाकर यह बात भी सम्पन्न है ।

प्रश्न - क्या आप बता सकते हैं कि इस वर्ष सवतसरी का प्रतिक्रमण में सबसे ज्यादा दीक्षाएँ किस ही नेत्राय में हुईं ?

उत्तर - इस वर्ष समग्र जैन सम्प्रदाय में कई नई दीक्षाएँ सम्पन्न हुईं हैं । मुनिपुत्र पर दिगम्बर सम्प्रदाय की दीक्षा

सूची हमें उपलब्ध नहीं हुई फिर भी स्थानकवामी सम्प्रदाय की जो सूची प्राप्त हुई है उसके मुताबिक उम वर्ष सबसे ज्यादा नई दीक्षाएँ श्रमण संघीय उत्तर भारतीय प्रवर्तक श्री पदम चंदजी म सा, भण्डारी की नेत्राय में 27 नई दीक्षाएँ सम्पन्न हुईं हैं । उसके बाद तपस्वीराजश्री चणालालजी म सा की नेत्राय में नई दीक्षाएँ हुई हैं ।

प्रश्न - स्थानकवामी सम्प्रदाय में आचार्य श्री नानालाल जी म सा के पास तो काफी नई दीक्षाएँ होती रहती हैं । आप सूची में अपनी मर्जी से उनकी दीक्षाओं की खबरे जान-बूझकर नहीं देते हो क्योंकि यह हो ही नहीं सकता कि विगत दो वर्षों में उनके पास नई दीक्षाएँ नहीं हुई हो मच बात क्या है बताओ ?

उत्तर - आपने फर्माया वैसी कोई बात नहीं है । यहाँ हमारी परिपद में किसी तरह का साम्प्रदायिकता का काम नहीं है । हम सभी को एक निगाह में देखते हैं । यहाँ नारा कार्य असांख्यिकता में होता है । यह बात सही है कि आचार्य श्री नानालाल जी म सा के पास एकदूसरी दीक्षाएँ काफी होनी रहती हैं । 25-25 दीक्षाएँ जिनके नेत्राय में हो चुकी हैं । लेकिन विगत 2 वर्षों में उनकी नेत्राय में ज्यादा नई दीक्षाएँ नहीं हुई हैं । अब, जब नई दीक्षाएँ ही नहीं हुई हैं तो हम झूठी खबरें थोड़े ही लिखेंगे ।

प्रश्न : उम वर्ष समग्र जैन सम्प्रदाय में कितनी नई दीक्षाएँ हुई हैं ?

उत्तर - उम वर्ष समग्र जैन सम्प्रदाय में काफी मात्रा में नई दीक्षाएँ हुई हैं । अन्य सम्प्रदायों की तो हमें जानकारी नहीं मिली लेकिन स्थानकवामी एवं नेत्रायी सम्प्रदाय की जानकारी हमें जम्बर मिली है । स्थानकवामी सम्प्रदाय में 108 एवं नेत्रायी सम्प्रदाय में नई 12 दीक्षाएँ हुई हैं ।

प्रश्न - समग्र जैन सम्प्रदायों में अब क्या दिखने से नया-नया धर्म या आचार्य ?

उत्तर - समग्र जैन सम्प्रदायों की पूरी जानकारी तो हमारे पास उपलब्ध नहीं है लेकिन गत वर्षों में सम्प्रदाय में 27 नेत्रायी सम्प्रदाय में 13 नए-नए तो नए धर्म या आचार्य ?

प्रश्न - क्या आप बता सकते हैं कि विगत 2 वर्षों में स्थानकवामी सम्प्रदाय में कितनी नई दीक्षाएँ हुई हैं ?

उत्तर—स्थानकवासी सम्प्रदाय में विगत 5 वर्षों में निम्न निश्चित नई दीक्षाएँ हुई हैं।

सम्प्रदाय	1986			1985 कुल	1984 कुल	1983 कुल	1982 कुल	1981 कुल
	सत	मतिया	कुल					
श्रमण सघ	10	38	48	35	42	21	41	40
स्वतन्त्र सम्प्रदाय	9	21	30	24	55	24	41	19
बृहद गुजरात सम्प्रदाय	3	27	30	42	45	43	45	42
कुल	22	86	108	101	142	98	127	101

प्रश्न—क्या आप बता सकते हैं कि विगत 6 वर्षों में स्थानकवासी सम्प्रदायों में कितने सत-मतिया कालधर्म प्राप्त हुए हैं ?
उत्तर—स्थानकवासी सम्प्रदाय में विगत 5 वर्षों में निम्न मत-मतियाँ कालधर्म प्राप्त हुए।

सम्प्रदाय	1986			1985 कुल	1984 कुल	1983 कुल	1982 कुल
	सत	मतियाँ	कुल				
1 श्रमण सघ	5	7	12	11	21	15	10
2 स्वतन्त्र सम्प्रदाय	—	7	7	9	5	11	6
3 बृहद गुजरात सम्प्रदाय	1	7	8	3	7	7	9
कुल	6	21	27	23	33	33	25

प्रश्न—क्या ममग्र जन समुदाय में देश की रक्षा के लिए किसी साधु-साध्विवा या जैन धर्म प्रचारक को कोई राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। यदि हाँ तो किसे।

उत्तर—पंजाब समस्या के हल के लिए स्थानकवासी सम्प्रदाय के अहत सघ के जाचार्य एवं जैन धर्म प्रचारक श्री गुपील कुमारजी ने जो भारत सरकार की ओर से लागावान पुरस्कार मिला है।

प्रश्न—गत वर्ष ममग्र जैन समाज में सबसे ज्यादा तपस्या किस 2 सत-मतिया या श्रावक-श्राविका ने कीं और कितनी ?

उत्तर—गत वर्ष मम्पूण जैन समाज में सबसे ज्यादा तपस्या स्थानकवासी सम्प्रदाय में श्रमण सघीय श्री सहज मुनिजी ने मा. ने दिल्ली में 104 दिन की तपस्या की है।

प्रश्न—क्या आप बता सकते हैं कि ममग्र जन समुदाय में भावान महावीर भ्रामी के शासन से आज तक 2500 वर्षों में कितना सत-मतिया या श्रावक-श्राविका ने कीं और कितनी ?
उत्तर—गत वर्ष मम्पूण जैन समाज में सबसे ज्यादा तपस्या किस 2 सत-मतिया या श्रावक-श्राविका ने कीं और कितनी ?
उत्तर—गत वर्ष मम्पूण जैन समाज में सबसे ज्यादा तपस्या किस 2 सत-मतिया या श्रावक-श्राविका ने कीं और कितनी ?

उत्तर—ममग्र जैन सम्प्रदाय में हर वर्ष काफी सख्या में तपस्याएँ होती रहती हैं लेकिन सवाल यह है कि सबसे लम्बी तपस्या वह भी 2500 वर्षों के रिकार्ड में तो जहाँ तक मरा स्याल है। भगवान महावीर भ्रामी के शासन के बाद यदि किसी ने सबसे लम्बी तपस्या की है तो सबसे प्रथम जमाव स्थानकवासी सम्प्रदाय की जयपुर की श्रीमती इचरज बाई लुणावत का आता है जिन्होंने 1975 में 165 दिन की तपस्या की थी जिसके पूरे की अध्यक्षता भूतपूर्व कृषि मंत्री स्व. श्री जगजीवनराम ने जयपुर में की थी। उसके बाद बैंगलौर की श्रीमती गालेछा जी का आता है जिन्होंने 121-151 दिन का तपस्या की है एवं तृतीय जमाव मूर्तिपूजक सम्प्रदाय में एक मुनि जी ने 108 की तपस्या महरू (गुजरात) में की थी तथा चौथा जमाव स्थानकवासी सम्प्रदाय के श्रमण सघीय श्री सहज मुनिजी ने मा. का 104 उपवास की तपस्या का आता है फिर उसके बाद तो बाकी तपस्याएँ हा चुकी हैं।

प्रश्न—क्या स्थानकवासी सम्प्रदाय में कोई ऐसी समुदाय है जहाँ पर केवल साधुजा की ही दीक्षित किया जाता है। सतिया

को नहीं एव जिनमें आचार्य, उपाध्याय प्रवर्तक आदि कोई पद नहीं होते।

उत्तर.—स्थानकवासी सम्प्रदाय में प्रायः सभी सम्प्रदायों में सत सातियों को दीक्षित किया जाता है परन्तु एक सम्प्रदाय ऐसा भाह जहाँ केवल साधुओं को ही दीक्षा दी जाती है और वह सम्प्रदाय है श्री सुदर्शन मुनिजी म सा. की सम्प्रदाय जहाँ केवल सतों को ही ही दीक्षित किया जाता है एव उस सम्प्रदाय में काउ पद आदि भा नहीं होते ह।

प्रश्न.—क्या समग्र जैन समुदाय में ऐसी धार्मिक पाठशाला है जो सुबह से रात तक धार्मिक पराक्षा चालू हो रहता है?

उत्तर.—समग्र जैन समुदाय में ऐसे तो सभी जगह धार्मिक स्कूल हैं जहाँ राज पढ़ाई होता रहता है लेकिन (सफ 1-2-3 घट बस) याना सुबह से शाम तक (नरुत्तर धार्मिक पढ़ाई ही चल एसा सम्पूर्ण भारतवप में एक ही स्थान है और वह है बंगलौर का स्थानकवासी समाज का धार्मिक पाठशाला जहाँ सुबह से रात तक धार्मिक पढ़ाई होता रहता है याना बच्चे बूढ़े जवान बालकाए गृहाणया जब भा वक्त मिले पढ़ाई करने पाठशाला जात है जहाँ अध्यापक पूरे दिन धार्मिक पढ़ाई पढ़ाते रहते ह। एसा अनूठा स्कूल हमने पूरे भारत में कहा नहीं देखा जत्र जायों तत्र प्रातक्रमण सामायक आदि की बलासे चलती हा रहती है।

प्रश्न.—क्या समग्र जैन समाज में ऐसा कोई क्षेत्र है जहाँ लगभग 1200 छात्र एक साथ बैठकर धार्मिक पढ़ाई करते हैं?

उत्तर.—बंगलौर चिकपेट जैन मंदिर बंगलौर में एक ऐसी धार्मिक पाठशाला है जहाँ एक साथ लगभग 1200 विद्यार्थी बैठकर धार्मिक पढ़ाई करते हैं।

प्रश्न.—स्थानकवासी सम्प्रदाय में ऐसी कौनसी पत्र-पत्रिका है जिसमें 1000 से अधिक पत्रों का प्रकाशन होता है?

उत्तर.—स्थानकवासी सम्प्रदाय में कउ पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन होता है। कउ पत्र-पत्रिकाओं के बाकी सम्प्रदायों में जो भी पत्र-पत्रिका का प्रकाशन होता है उसका प्रकाशन मात्र 1000 से अधिक पत्रों का प्रकाशन होता है।

प्रिय महानुभावों इसके अलावा भी लगभग 68 तरह की प्रश्नोत्तरी और प्रकाशित करने का विचार था लेकिन स्थानाभाव समयाभाव के कारण कलम को विश्राम देना उचित समझा। सोचता हूँ कि प्रश्नोत्तरी की एक अलग से ही प्रकाशित करवा दू कारण पुस्तक का शाराश इसमें आ जाता लेकिन विवश हूँ। विवशता के लिए क्षमा करें एव आपको विश्र्वास दिलाता हूँ कि भविष्य में पूरी प्रश्नोत्तरी देने का पूरा प्रयत्न करने की कोशिश करूँगा।

—सम्पादक

मुनि नाथूलाल जैन साहित्य विभाग द्वारा प्रकाशित साहित्य

दिवाकर देन भाग 1 से 6 तक
 दिवाकर पर्व चिन्तन
 महकते गीत-धिरकते स्वर
 चन्दन भजनावली
 त्रय चरित्र
 यशवन्त चरित्र
 पदम कुमार चरित्र
 एक आलोक पुज जैन दिवाकर
 स्वप्न और ससार (धार्मिक उपन्यास)
 संकल्प और सिद्धि (" ")
 राही हका नहीं (" ")
 सबक (नामाजिक नाटक)
 जैन मन्त्रुति परिचय पृष्ठ 1 से 10 तक
 शरीया
 गुलदस्ता
 स्वर बानि
 16 मनी चानिना
 गौतम चानिना
 आचार्य ऋषीमन्त्रु चानिना (प्रेम में)
 मोक्ष मार्ग (प्रेम में)
 आदर्श समाज
 प्राप्ति स्थान
 मुनि नाथूलाल जैन साहित्य विभाग,
 प्रश्नोत्तरी मंडल, कोला सिटी,
 जिनानन्दर (म.प्र.)

नीम्बू इमली का नाम लेने से, मुह में पानी भर आता है।
 तपोही प्रभु का स्मरण करने से, तब पाप कर्म टल जाता है ॥

हार्दिक शुभकामनाओ सहित



मद्रास शहर में 47 वर्ष से व्यापार करने वाला पुराना और सुप्रसिद्ध

फर्म

हिन्द बोटल स्टोर्स

हर प्रकार की बोतलें, कार्क, लेबल, पीपी, फेप च फेप की हर
 तरह की शीलिंग मशीनों के प्रसिद्ध विक्रेता

115, नाइतप्पा नाइक स्ट्रीट, पो टी

मद्रास—600003 (तमिलनाडु)

फोन

{ कार्यालय—31227

{ निवाग—38906

बाबूलाल मेहता सादड़ी वाला

मेहता मवन, 14, रगुनाडकन स्ट्रीट, मद्रास-3 (तमिलनाडु)

प्राणायामादिक क्रिया से भी मन, श्रेष्ठ नहीं बन पाता है ।
जो आत्म रूप का मनन करे, वह जीवन मुक्त कहलाता है ॥

॥ जय गुरु आनन्द ॥

आचार्य सम्राट पूज्य गुरुदेव श्री आनन्द ऋषिजी म.सा. की 87वीं जन्म जयन्ती के शुभ अवसर पर एवं मधुरवक्ता प रत्न श्री मूलचदजी म.सा. के धूलिया चातुर्मास की मंगल कामना करते हुए—

पोरवाल सेव भण्डार

47, मौलाना आजाद मार्ग (लोहार पट्टी)

इन्दौर-452002 (म.प्र.)

1/2, सीतला माता बाजार, गोरकुण्ड चौराहा, इन्दौर-452002 (म.प्र.)

फोन : 32103

नोट:—शुद्ध मृगफलनी तैल से तैयार किया हुआ—स्पेशल रत्नलामी सेव, लोंग की सेव, कन्तूरी सेव, दान मोठ स्पेशल मिक्सचर, आलू चिबड़ा आलू पपड़ी तथा श्रेष्ठ नमकीन के निर्माता एवं विक्रेता ।

प्रोप्राईटर-बदरीलाल जैन (पोरवाल)

इन्दौर

वाणी सयम रसना सयम, निद्रा-सयम अद्भुत है ।
फमल तुल्य निलेप हृदय है, श्रुत-सेवा में अनिरत है ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—



फूलचन्द लुणिया
जे० किशनलाल फूलचंद

न 19-डो० एस० लेन, चिकपेट,

बंगलौर-560053

(कर्नाटक)

फोन न -72609

दीक्षा ग्रहण कर मुनि बने हैं । और इतिहास में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है ।

प्रश्न - क्या आप बता सकते हैं कि गत वर्ष सवत्सरी का प्रतिक्रमण बिना माइक से सम्पन्न हुआ हो एवं उस श्री सघ का 50 वर्षों का रिकार्ड टूटा हो ? उस क्षेत्र का नाम बताओ ?

उत्तर - वैसे तो कई श्री संघों में बिना माइक के ही प्रतिक्रमण होता है । आप राजस्थान में जाकर देखो वहाँ बिना माइक के ही प्रतिक्रमण होता है लेकिन प्रश्न ऐतिहासिक रिकार्ड टूटने का हो तो ऐसी ही घटना गतवर्ष स्थानकवासी सम्प्रदाय में बम्बई के घाटकोपर श्री सघ में घटित हुई वहाँ साधुमार्गी जैन संघ के आचार्य श्री नानालालजी म सा का गत वर्ष चातुर्मास था वहाँ विगत 50 वर्षों से सवत्सरी का प्रतिक्रमण माइक से ही होता चला आ रहा है । लेकिन गत वर्ष आचार्य श्रीजी के आन्हान पर बिना प्रतिक्रमण माइक से सवत्सरी का हुआ है । लगभग 12 हजार श्रावक श्राविकाओं ने बिना माइक के प्रतिक्रमण गाति से किया और एक नया रिकार्ड स्थापित हुआ है । अब यह बात अलग है कि वहाँ 3म वर्ष फिर माइक चालू हो जावे या नहीं भी होवे ।

प्रश्न - क्या समग्र जैन समाज में ऐसा कोई क्षेत्र है जहाँ पर चारों सम्प्रदायों के श्रावक श्राविकाएँ एक ही धर्म स्थान पर आकर धर्मध्यान करे और नया ऐतिहासिक रिकार्ड स्थापित करे ।

उत्तर - समग्र जैन सम्प्रदाय में नार्गार ही एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ गत वर्ष चारों जैन सम्प्रदायों के श्रावक श्राविकाओं ने एक ही धर्म स्थानक में आकर धर्म ध्यान किया हो वहाँ गत गत वर्ष आचार्य श्री हर्न्तीमलजी म सा के मुजिव्य श्री सुभेद्र मुनिजी म सा का चातुर्मास था । वहाँ पर चातुर्मास में सभी सम्प्रदाय के श्रावक-श्राविकाओं की ओर से लगभग 1000 सांस्कृतिक अठार्यों का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जो एक ऐतिहासिक रिकार्ड है । चारों सम्प्रदायों की एक सच पर भाव्य कर्तव्य और पर आज भी कायम है ।

प्रश्न - क्या आप बता सकते हैं कि इन वर्ष स्थानकवासी सम्प्रदायों में सबसे ज्यादा दीक्षाएँ किसने नशान में हुईं ?

उत्तर - इन वर्ष समग्र जैन सम्प्रदाय में कई नई दीक्षाएँ सम्पन्न हुईं हैं । सर्वाधिक संख्या में स्थानकवासी सम्प्रदाय की दीक्षा

सूची हमें उपलब्ध नहीं हुई फिर भी स्थानकवासी सम्प्रदाय की जो सूची प्राप्त हुई है उसके मुताबिक इस वर्ष सबसे ज्यादा नई दीक्षाएँ श्रमण संघीय उत्तर भारतीय प्रवर्तक श्री पदम चंदजी म.सा भण्डारी की नेश्राय में 27 नई दीक्षाएँ सम्पन्न हुई हैं । उसके बाद तपस्वीराजश्री चंपालालजी म सा की नेश्राय में नई दीक्षाएँ हुई हैं ।

प्रश्न - स्थानकवासी सम्प्रदाय में आचार्य श्री नानालाल जी म सा के पास तो काफी नई दीक्षाएँ होती रहती हैं । आप सूची में अपनी मर्जी में उनकी दीक्षाओं की खबरे जान-बूझकर नहीं देते हो क्योंकि यह हो ही नहीं सकता कि विगत दो वर्षों में उनके पास नई दीक्षाएँ नहीं हुई हो मच बात क्या है बताओ ?

उत्तर - आपने फर्माया वैसी कोई बात नहीं है । यहाँ हमारी परिपद में किसी तरह का साम्प्रदायिकता का काम नहीं है । हम सभी को एक निगाह में देखते हैं । यहाँ सारा कार्य अमास्रदायिकता में होता है । यह बात नहीं है कि आचार्य श्री नानालाल जी म.सा. के पास उरुठ्ठी दीक्षाएँ काफी होती रहती हैं । 25-25 दीक्षाएँ उनके नेश्राय में हो चुकी हैं । लेकिन विगत 2 वर्षों में उनकी नेश्राय में ज्यादा नई दीक्षाएँ नहीं हुई हैं । अब जब नई दीक्षाएँ ही नहीं हुई हैं तो हम झूठी खबरे बोटे ही निगेंगे ।

प्रश्न : इस वर्ष समग्र जैन सम्प्रदाय में कितनी नई दीक्षाएँ हुई हैं ।

उत्तर - इस वर्ष समग्र जैन सम्प्रदाय में काफी मात्रा में नई दीक्षाएँ हुई हैं । अन्य सम्प्रदायों की तो हमें जानकारी नहीं मिली लेकिन स्थानकवासी एवं नेश्रायों सम्प्रदाय की जानकारी हमें जबर मिली है । स्थानकवासी सम्प्रदाय में 108 एवं नेश्रायों सम्प्रदाय में नई 12 दीक्षाएँ हुई हैं ।

प्रश्न - समग्र जैन सम्प्रदायों में इस वर्ष कितने 2 सप्त-सप्तियाँ काल धर्म प्राप्त हुए ।

उत्तर - समग्र जैन सम्प्रदायों की पूर्ण जानकारी तो हमारे पास उपलब्ध नहीं है लेकिन समग्र जैन सम्प्रदाय में 27 नेश्रायों सम्प्रदाय में 1 सप्त-सप्तियाँ काल धर्म प्राप्त हुए हैं ।

प्रश्न - क्या आप बता सकते हैं कि विगत 2 वर्षों में स्थानकवासी सम्प्रदाय में कितनी नई दीक्षाएँ हुई हैं ?

उत्तर—स्थानकवासी सम्प्रदाय में बिगत 5 वर्षों में निम्न विहित नई दोक्षाएँ हुई हैं।

सम्प्रदाय	1986			1985 कुल	1984 कुल	1983 कुल	1982 कुल	1981 कुल
	मन	सतियाँ	कुल					
श्रमण मध	10	38	48	35	42	21	41	40
स्वतंत्र सम्प्रदाय	9	21	30	24	55	24	41	19
बृहद गुजरात सम्प्रदाय	1	27	30	42	45	43	45	42
कुल	22	86	108	101	142	98	127	101

प्रश्न—क्या आप बता सकते हैं कि विगत 6 वर्षों में स्थानकवासी सम्प्रदाय में कितने सत-सतिया कालधर्म प्राप्त हुए हैं ?

उत्तर—स्थानकवासी सम्प्रदाय में बिगत 5 वर्षों में निम्न सत-सतिया काल धर्म प्राप्त हुए।

सम्प्रदाय	1986			1985 कुल	1984 कुल	1983 कुल	1982 कुल
	सत	सतिया	कुल				
1 श्रमण मध	5	7	12	11	21	15	10
2 स्वतंत्र सम्प्रदाय	—	7	7	9	5	11	6
3 बृहद गुजरात सम्प्रदाय	1	7	8	3	7	7	9
कुल	6	21	27	23	33	33	25

प्रश्न—क्या समग्र जन समुदाय में देश की रक्षा के लिए किन्ना माधु-माधिया या जैन धर्म प्रचारक को कोई राष्ट्रीय सम्मान मिला है। यदि हाँ तो किन्ने।

उत्तर—पञ्जाब समुदाय में हाल में लिए स्थानकवासी सम्प्रदाय के जगत मध के आचार्य एव जैन धर्म प्रचारक श्री मुनील कुमारजी में का भारत सरकार की ओर मलावाल सम्मान मिला है।

प्रश्न—गत वर्ष समग्र जन समुदाय में कितने ज्योतिष तपस्या बिना 2 न सतिया या श्रावण-श्राविका में की जा रही कितनी ?

उत्तर—गत वर्ष समग्र जन समुदाय में जैन धर्म प्रचारक श्री मुनील कुमारजी में का भारत सरकार की ओर मलावाल सम्मान मिला है।

प्रश्न—क्या आप बता सकते हैं कि समग्र जन समुदाय में भाग्यमान महावीर स्वामी के शासन में आज तक 2500 वर्षों के रिवाज में सबसे ज्यादा लम्बी तपस्या बिना 2 न की है।

उत्तर—नाम एव तपस्या के उदाहरणों की सूची यहाँ दी है।

उत्तर—समग्र जन समुदाय में हर वर्ष काफी लम्बी तपस्याएँ होती रहती हैं लेकिन सवाल यह है कि सबसे लम्बी तपस्या वह भी 2500 वर्षों के रिवाज में ता जहाँ तक मर स्याल है। भगवान महावीर स्वामी के शासन के बाद यदि किन्ना ने सबसे लम्बी तपस्या की है ता सबसे प्रथम तमाक स्थानकवासी सम्प्रदाय की जयपुर की श्रीमती इचरज बाई लुणावत का जाता है जिन्होंने 1975 में 165 दिन की तपस्या की थी जिसके पूरे की अध्यक्षता भूतपूर्व कृषि मंत्री स्व. श्री जगजीवनराम ने जयपुर में की थी। उनके बाद वैगनौर की श्रीमती गलेछा जी का जाता है जिन्होंने 121-151 दिन की तपस्या की है एव तृतीय तमाक मूर्तिपूजक सम्प्रदाय में एक मुनि जी ने 108 की तपस्या मही (गुजरात) में की थी तथा चौथा तमाक स्थानकवासी सम्प्रदाय के श्रमण सधाय श्री सहज मुनिजी में का 104 उपवास की तपस्या का जाता है। फर उसके बाद ता काफी तपस्याएँ हा चुकी हैं।

प्रश्न—क्या स्थानकवासी सम्प्रदाय में कोई ऐसी समुदाय है जहाँ पर केवल साधुजी का ही दीक्षित किया जाता है। सतिया

को नहीं एव जिनमें आचार्य, उपाध्याय प्रवर्तक आदि कोई पद नहीं होते।

उत्तर—स्थानकवासी सम्प्रदाय में प्रायः सभी सम्प्रदायों में सत सातधों को दीक्षित किया जाता है परन्तु एक सम्प्रदाय ऐसा भी है जहाँ केवल साधुओं को ही दीक्षा दी जाती है और वह सम्प्रदाय है श्री सुदर्शन मुनिजा म.सा. की सम्प्रदाय जहाँ केवल सतों को ही दीक्षित किया जाता है एवं उस सम्प्रदाय में काइ पद आदि भी नहीं होते हैं।

प्रश्न.—क्या समग्र जैन समुदाय में ऐसी धार्मिक पाठशाला है जो सुबह से रात तक धार्मिक पढ़ाई चालू रहती है?

उत्तर.—समग्र जैन समुदाय में ऐसे तो सभी जगह धार्मिक स्कूल हैं जहाँ रात्रि पढ़ाई होता रहता है लेकिन सिर्फ 1-2-3 घण्टे तक यानि सुबह से शाम तक अनन्तर धार्मिक पढ़ाई ही चलती है। ऐसा सम्पूर्ण भारतवर्ष में एक ही स्थान है और वह है बंगलौर का स्थानकवासी समाज का धार्मिक पाठशाला जहाँ सुबह से रात तक धार्मिक पढ़ाई होता रहता है यानि बच्चे बड़े जवान बालिकाएँ गृहणीया जव भी वक्त मिले पढ़ाई करने पाठशाला जाते हैं जहाँ अध्यापक पूर्णदिन धार्मिक पढ़ाई पढ़ाते रहते हैं। ऐसा अनुष्ठा स्कूल हमने पूरे भारत में कहा नहीं देखा जव जावा तब प्रातःक्रमण सामायिक आदि को मिलाकर चलता ही रहता है।

प्रश्न.—क्या समग्र जैन समाज में ऐसा कोई क्षेत्र है जहाँ लगभग 1200 छात्र एक साथ बैठकर धार्मिक पढ़ाई करते हैं?

उत्तर.—बंगलौर चिकपेट जैन मंदिर बंगलौर में एक ऐसी धार्मिक पाठशाला है जहाँ एक साथ लगभग 1200 विद्यार्थी बैठकर धार्मिक पढ़ाई करते हैं।

प्रश्न.—स्थानकवासी सम्प्रदाय में ऐसी कानसी पध-पाठशालाएँ हैं जिनमें 1000 से अधिक छात्रों का भरण रहता है?

उत्तर.—स्थानकवासी सम्प्रदाय में कई पध-पाठशालाएँ प्रचलित हैं। जिनमें से एक पध-पाठशाला है जहाँ 1000 से अधिक छात्रों का भरण रहता है।

प्रिय महानुभावों इसके अलावा भी लगभग 68 तरह की प्रश्नोत्तरी और प्रकाशित करने का विचार था लेकिन स्थानाभाव समयभाव के कारण कलम को विश्राम देना उचित समझा। सोचता हूँ कि प्रश्नोत्तरी की एक अलग से ही प्रकाशित करवा दूँ कारण पुस्तक का शाराण इसमें आ जाता लेकिन विवश हूँ। विवशता के लिए क्षमा करें एवं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि भविष्य में पूरी प्रश्नोत्तरी देने का पूरा प्रयत्न करने की कोशिश करूँगा।

—सम्पादक

मुनि नाथूलाल जैन साहित्य विभाग द्वारा प्रकाशित साहित्य

दिवाकर देन भाग 1 से 6 तक
 दिवाकर पर्व चिन्तन
 महकते गीत-दिरकते स्वर
 चन्दन भजनावली
 त्रय चरित्र
 यशवन्त चरित्र
 पदम कुमार चरित्र
 एक आलोक पुत्र जैन दिवाकर
 स्वप्न और ससार (धार्मिक उपन्यास)
 संकल्प और मिद्धि (" ")
 राही हूँ नहीं (" ")
 मन्त्रक (नामाजिक नाटक)
 जैन संस्कृति परिचय पुष्प 1 में 10 तक
 जरीया
 गुणदस्ता
 स्वर बोले
 16 नवी चानिमा
 गीतम चानिमा
 आचार्य हृत्कीर्ति चानिमा (प्रेम में)
 मोक्ष मार्ग (प्रेम में)
 आदर्श रामायण
 प्राप्ति स्थान
 मुनि नाथूलाल जैन साहित्य विभाग,
 चोडरी साहित्य, बल्लारि चोडरी,
 जयपुर-बल्लारि (रा. प्र.)

इनसे सीखो

(1) श्री जयपुर स्या जन श्री सध—जयपुर से

(1) जहाँ न श्रावक श्राविकाएँ किनी भी धम गुरु का मानना हुआ लेकिनना भी मत मतीया वहाँ जात है उनको वहाँ मर्चा प्रदा म सेवा करते है ।

(2) जहाँ के सध का नाम—श्री वधमान स्थानकवासी जन श्रावक मध (रजि) है ।

(3) चाह मन मताया किना भी सम्प्रदाय व हा चाह छोटे हा या बड़े मभी का चातुमान प्रारी-बारी म हर वष करिया जाता है ।

(1) वहाँ दो स्थानक है जहाँ एक म साधुजी एव दूसरे म माध्वियाजी विराजत है । जा वभी जदना बदली नहा हान यानी राह गणगार स्थानक म साधुया ही विराजेंगी वहाँ माधु नहा विराजेंगे चाह खाली पडा हा तंग हा नान नवन म सत विराजेंगे चाह माध्विया क ध्यान्मान अवश्य हागे पर व विराजेंगी नहा ।

(5) वहाँ मधपति व मत्री का चुनाव सर्व सम्मति स निवि-गध मन्त्र हात जा रहे है ।

नाट —चातुर्मास म बारिया का प्रचलन अज भी चलू है ।

(2) श्री स्थानकवासी जन श्री सध बंगलौर से—

बंगलौर म लगभग 8 स्थाना पर जन स्थानक वन हुए है । जहाँ पर चातुर्मास वाल म प्रत्येक रविवार का विचार गोष्ठा का आयक्रम रखा जाता है । काद एक नियम चुन लिया जाता है जहाँ मनी म मच पर बड़े हाकर बुलाया जाता है । स्थान एक एक जाह हा बारा-बारा म चुना जाता है । 33 शान धम वृद्धि की जाता है ।

(3) श्री पदमावता पोरवाल जन समान तवाई माधापुर से—

राजस्थान राज्य म सबसे माधापुर, बाटा एव उन्दार मभाग म जिन मा पदावती पात्रात जैन परिवार है व

मभी शाम का खाना सूर्यास्त के आधा घटे पहले कर लेते हैं । उनके घरों में मुरान्त के बाद रमाई में ताले लग जाते हैं । यह प्रम कई पीढ़ियों से चला जा रहा है । एव मभी का अनिवाय अंग बना हुआ है एव यह क्रम 12 महिना हावसता है कभा किसी क जीमण जादि भी होता है ता सूर्यास्त पहले-पहल पूरा खाना खा लेते हैं ।

(4) श्री स्या जन श्रीसध बंगलौर (चिकपेट) से

श्री व स्या जन श्रावक सध चिकपेट बंगलौर द्वारा संचालित जन पाठशाला का जा सुबह में लेकर रात तक चलता है । बीच म वभी बन्द नहीं होती जहाँ सामायिक प्रतिभमण पच्चीस साल आदि का कोस पढाया जाता है । वच्चे बूढ़े जवान युवक-युवतिया गृहणियाँ मन चाह जब टाइम मिल पाठशाला म पढाई हतु चले जाते है । जितना चाह उतना पढकर वापिस काम म लग जाते है । ऐसी पाठशाला भारत म कहीं भी नहीं है ।

(5) गुजरात प्रात से—

गुजरात के अकाल पीडित क्षेत्रा में भगवान महावार कल्याण क्षेत्र, बम्बई न प्रारम्भ म साराष्ट्र कच्छ की 64 पाजगपाना एव पशु कम्पा का सात लाख रुपया का महया दिया । उसके बाद भरुच जिल के 22 ग्रामा के 250 किमाना क जता म 1240 एकड जमीन म हरा घाम पदा किया गया । इनसे तीन महाता तक सौराष्ट्र, कच्छ जादि अकाल पीडित क्षेत्रा म एक हजार दा टुक कम दामा म तथा 102 टुक मुफ्त घास वितरण किया गया ।

(6) श्री बृहद बम्बई जन महा सध-बम्बई से

बम्बई म जितन भी 12 स्थानक है वहाँ स्थानक नवन पर एव ही नाम निखा हुआ है—श्री वधमान स्थानकवाना जन श्रावक मध—फिर उपनगर का पता यानी स्थानक पर किसी गच्छ या सम्प्रदाय का नाम नहीं होता है । मिक वध-मान म आरम्भ होता है । जबकि बलग 2 तैना म जात्र मन्प्रदाय गच्छ म उपाश्रय का नाम जुडा हुआ वरुन वा मिनगा ।

—सम्पादक

अधिक लालच की भावना के साथ मुक्ति का मार्ग प्रशस्त कर पाना
कठिन ही नहीं पूर्णतः दुष्कर है

समग्र जैन समुदाय के सभी पूज्य मुनिवरों एवं महासतीयाँजी म.सा. का 1986 वर्ष का चातुर्मास
हर्षोल्लास वातावरण मे ज्ञान, दर्शन, चारित्र, तप की प्रवृत्तियों से ओत प्रोत सफल बने
ऐसी शुभकामनाएँ करते हुए--

With best compliments from :

Grams : 'BHUMISONS'

Phone { Offi 76320
71568
Resi. 366534

Sha Bhuthaji Misrimal & Sons

Manufacturers & Wholesale Dealers of :

SUMAN BRAND STAINLESS STEEL WARES

No 169, Avenue Road, BANGALORE-560 002
(KARNATKA)

Shah Parasmall Bagrecha

नीम्बू इमली का नाम लेने से, मुह में पानी भर आता है।
 त्योही प्रभु का स्मरण करने से, सब पाप कर्म टल जाता है ॥

हार्दिक शुभकामनाओ सहित



मद्रास शहर में 47 वर्ष से व्यापार करने वाली पुरानी और सुप्रसिद्ध

फर्म

हिन्द बोटल स्टोर्स

हर प्रकार की बोटलें, कार्क, लेवल, पीपी, केप व केप की हर
 तरह की शीलिंग मशीनों के प्रसिद्ध विक्रेता

115, नाइनप्पा नाइक स्ट्रीट, पी टी

मद्रास—600003 (तमिलनाडू)

फोन

{ कार्यालय— 31227

{ निवास— 38906

बाबूलाल मेहता, सादड़ी वाला

मेहता मवन, 14, रगुनाइकन स्ट्रीट, मद्रास—3 (तमिलनाडू)

प्राणायामादिक क्रिया से भी मन, श्रेष्ठ नहीं बन पाता है ।
जो आत्म रूप का मनन करे, वह जीवन मुक्त कहलाता है ॥

॥ जय गुरु आनन्द ॥

आचार्य सम्राट् पूज्य गुरुदेव श्री आनन्द ऋषिजी म. सा. की 87वीं जन्म जयन्ती के शुभ अवसर पर एवं मधुरवक्ता प. रत्न श्री मूलचदजी म. सा. के धुलिया चातुर्मास की मंगल कामना करते हुए—

पोरवाल सेव भण्डार

47, मौलाना आजाद मार्ग (लोहार पट्टी)

इन्दौर-452002 (म.प्र.)

1/2, मीनला माता बाजार, गोरकुण्ड चौराहा, इन्दौर-452002 (म.प्र.)

फोन 32103

नोटः—शुद्ध मुगफली तेल से तैयार किया हुआ—स्पेशल रत्नामी सेव, लोह की सेव, कन्तूरी सेव, दान मोठ स्पेजल मिक्सचर, आलू चिबडा आलू पपड़ी तथा श्रेष्ठ नमकीन के निर्माता एवं विक्रेता ।

प्रोप्राईटर-बदरीलाल जैन (पोरवाल)

इन्दौर

वाणी सयम रसना सयम, निद्रा-सयम अद्भुत है ।
कमल तुल्य निर्लेप हृदय है, श्रुत-सेवा में अभिरत है ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—



फूलचन्द लुणिया
जे० किशनलाल फूलचंद

न 19-डी० एस० लेन, चिकपेट,

बेंगलूर-560053

(कर्नाटक)

फोन न -72609

जो खुद अपना सहन करके, औरो की विपद मिटाता है ।
वह अपना हित करता है, जग मे अनुपम सुयश कमाता है॥

With Best Compliments From :

P D R

VIDEOTRONICS (INDIA) PVT. LTD.

99, Old Prabhadevi Road
BOMBAY-400 025

Cable : Sagarexpo

Phone : 42264949 4226536, 4223565,
 Factory : 681681

Pukhraj Lunkad
D. P. Lunkad
R. P. Lunkad

भय्य बीज पलटें नही, जावे जुग अनन्त ।
 ऊँच कुल गृहे अवतरे, अन्त सन्त को सन्त ॥

समग्र जैन समाज के सभी पूज्य मुनिराजो महासतियोजी म सा का वर्ष 1986 का
 चातुर्मासि हर्षोल्लास वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य तप की
 प्रवृत्तियों से ओत-प्रोत बने ऐसी शुभ मंगल
 कामनाएँ करते हैं ।

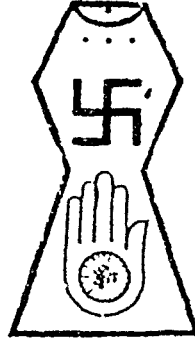
**कामदार मीठालाल, नेमीचन्द,
 सुगनराज तालेड़ा
 (चावण्डिया-राजस्थान वाले)**

M. M. TEXTILES CORPORATION
 5/6 B V K IYENGAR ROAD, OPP ABHINAV TALKIES
 BANGALORE-560053 (KARNATAKA)

Tel OFF 29016
 Resi 222475

जो रूप ही रूप को भजता है, तो फेर रूप को जाता है ।
जो रूपापीत का ध्यान करें, तो रूपापीत हो जाता है ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित....



परस्परपक्षी जीवनाम

चन्दनमल बोहरा

Ms. Chandan Engineering Industries,

Manufacturers of : ALL KINDS OF STEEL FURNITURES,

2,2, MALLIKARJUNA TEMPLE STREET, B. V. K. Iyengar Road Cross,
Bangalore-500 053 (KARNATAKA)

Tel. No. Off. 72539, 74223
Res. 220161

अज्ञानी जैन शास्त्र को निशि दिन, नास्तिक कृत बतलाते हैं ।
जैन धर्म तो जास्तिक है, अज्ञान भेद नहीं पाते हैं ॥

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ :

भँवर लाल गोटावत

गोटावत सिल्क एम्पोरियम

14, राजा मार्केट, चिकपेट,
बंगलौर—560002
(कर्नाटक)



गोटावत इलेक्ट्रीकलस

जैन धर्मशाला भवन, बैकु, सहजी लेन, चिकपेट—बंगलौर-560 053

समग्र जैन सम्प्रदाय एक नजर में

प्रिय महानुभावो आप विगत 7 वर्षों से सिर्फ स्थानक-वासी सम्प्रदाय की ही सूची पुस्तक पढते चले आये है इस वर्ष हमने समग्र जैन सम्प्रदायों की एक बृहद् सूची, पुस्तिका रूप में प्रकाशित की है आप सोचते होंगे कि जैन सम्प्रदायों में साधु-साध्वियों के कौन-2 से पद होते हैं, कितने गच्छ हैं, क्या 2 उनकी गतिविधियाँ है किस 2 सम्प्रदाय में कितने आचार्य पन्थास गणि शुल्लक, शुल्लिकाएँ श्रमण श्रमणियाँ हैं। आचार्य के आगे पीछे कौन सा सम्मानिय पद बोला जाता है। सूरेश्वर किसके आगे लगता है श्रीमद् विजय सागर आदि किसके साथ लगाया जाता है आदि ये अनेक बातें हैं जो हर किसी के ध्यान में नहीं है। एक सम्प्रदाय के लोगो को दूसरे सम्प्रदाय के संत सतीयो के बारे में थोडा सा भी ज्ञान हो तो वे उनके सम्पर्क में आने की ज्यादा नहीं तो कुछ तो तैयारी अवश्य करेंगे ही क्योंकि वे उनके पास जाने से घबराते हैं। सोचते है। वे साधु-साध्वी हम में कुछ सवाल पृष्ठ न लेवे वन्दना करना भी नहीं आवे कौन से सम्प्रदाय में कैसे 2 वन्दना करते है आदि 2 बातें तो बहुत है। लेकिन इन मारी बातों का मुझे भी ज्ञान नहीं है आज में 4 माह पूर्व मेरा भी यही हाल था जैसा पहली कक्षा के विद्यार्थी का मत्र का पहला दिन होना है फिर भी विगत 4 माहों से मैं मनी सम्प्रदायों के, संत मतियों के सम्पर्क में आया हूँ बहुत कुछ बातें सीखी है जानी है, देखा है, सुनी है। मनी बातों का उल्लेख तो समय-भार रवानाभाव के कारण नहीं कर सकता हूँ फिर भी मनीप में आप मनी को एक दूसरे सम्प्रदाय के बारे में कुछ जान-कारियाँ प्रस्तुत करने का यत्न है उनमें भी हो सकता है। बहुत सी बातें यह गूँ हो परन्तु मेरे पहले वर्ष का पहला प्रयास समझकर आप समझ लें। एवं नियोजन है कि उन बारे में कुछ सुझाव मतलियाँ हो तो अवश्य सूचित करें। आप के ध्यान अधिकांश मतलियाँ हो तो यह भी नियोजन है कि कौन-कौन से मतलियाँ अधिकांश मतलियाँ साहित्य सम्प्रदाय में हैं। वे मतलियाँ अपने मतलियाँ मने परस प्रस्तुत

स्थानकवासी सम्प्रदाय की कुछ जानकारियाँ—

(1) स्थानकवासी सम्प्रदाय—

स्थानकवासी सम्प्रदाय में कुल तीन सम्प्रदाय हैं (1) श्रमण सध (2) स्वतंत्र सम्प्रदाय (3) बृहद् गुजरात सम्प्रदाय। श्रमणसध में एक ही आचार्य मघ्राट है। स्वतंत्र सम्प्रदाय 3 आचार्य एवं बृहद् गुज. सम्प्रदाय में 5 आचार्य विराजमान है। श्रमण सध में (926) ठाणा, स्वतंत्र सम्प्रदाय में (730) ठाणा एवं बृहद् गुजरात सम्प्रदाय में (987) ठाणा उन तरह कुल ठाणा (2649) हैं जो समग्र जैन सम्प्रदाय का (28% है। इस सम्प्रदाय में पद इस तरह होते हैं आचार्य, यूवाचार्य उपाध्याय, प्रवर्तक, उपप्रवर्तक, प्रवर्तिनी, उप प्रवर्तिनी मन मतियाँ आदि। मनी पदों की सूची आप अन्यत्र देख सकते हैं

(2) श्वेताम्बर मूर्तिपूजक सम्प्रदाय—

श्वे मूर्ति पूजक सम्प्रदाय में वर्तमान में लगभग (5700) साधु साध्वियाँ विद्यमान है जो समग्र जैन सम्प्रदाय का (60)% है यह बहुत ही विज्ञान साधु-साध्वियों का सम्प्रदाय है। इस सम्प्रदाय में 7 गच्छ हैं जिनके नाम इस प्रकार हैं (1) तपागच्छ (2) अचलगच्छ (3) चरनगच्छ (4) पार्श्वचन्द्रगच्छ (5) विमलगच्छ (6) विम्बुलीगच्छ (7) अन्य गच्छ उनमें भी तपागच्छ मत्र में विज्ञान गच्छ जो सम्पूर्ण मूर्तिपूजक सम्प्रदाय का (85)% है एवं तपागच्छ सम्प्रदाय में भी लगभग (15) सम्प्रदाय हैं। इन

जाता है। बाकी के जाने मुनि ही लगाया जाता है। विजय तपागच्छ सम्प्रदाय म भी सब स ज्यादा आचाय नी विजय प्रेम सूरेश्वरजी म सा एव श्री विजय नमि सूरेश्वरजी म सा के समुदाय म तमश 18 एव (19) आचाय विद्यमान है। सभी आचार्यों के नाम इयना चाहो ता आचार्यों की सूची म पुस्तक म अन्यत्र देखें।

मूर्ति पूजक सम्प्रदाय मे मन सतिर्था इम प्रकार है।

- (1) तपागच्छ सम्प्रदाय कुल ठाणा (4859) 85%
- (2) अन्नल गच्छ कुल ठाणा (224) 4%
- (3) खरतरगच्छ कुल ठाणा (212) 4%
- (4) पाश्वचद्र गच्छ (78) 1%
- (5) विमल गच्छ कुल ठाणा (76) 1%
- (6) त्रिस्तुती गच्छ आदि कुल ठाणा (121) 2%

3 श्वे तेरापथी सम्प्रदाय

यह सम्प्रदाय जव दा भागा म विभक्त हो चुना ह त्रिमम प्रमुख भाग आचाय श्री तुलसीजी म सा का ह त्रिमम कुल ठाणा (699) ह जो समग्र तेरापथी सम्प्रदाय का 97% हाता है। एव दूसरा भाग मध प्रमुद्य श्री चन्दन मलजी म सा का नव तेरापथी सम्प्रदाय है जिसकी स्थापना लगभग 8 10 वष पहले हुई है त्रिमम कुल ठाणा (22) है जा सम्पूण तेरापथी समुदाय का 3% ह।

इस सम्प्रदाय म पद इम प्रकार हाते हैं—आचाय, युवा-चाय, उपाध्याय, प्रवक्त श्रमण, त्रमणी समण ममणी जादि। यह सम्प्रदाय स्थाननरागी सम्प्रदाय मे मिलता जुलता है इमम मुहपती चौडाई की अपघा तम्बाई म ज्यादा होती है जब कि स्थानकरागी सम्प्रदाय म मुहपती जितनी चौडाई म हागी उतनी ही लम्बाई म भी तम्बी हाती ह।

4 विगम्बर सम्प्रदाय

इम सम्प्रदाय म वतमान म कुल (13) आचाय ह। एव कुल ठाणा (366) के लगभग है त्रिमम नान मुनिराज ता निफ (97) के त्राम पाम ही हागे। इतम पद इम प्रकार हात है आचाय युवाचाय उपाध्याय, प्रवक्त प्रवर्तिनी, शुल्लक, एलक, आर्याती, शुल्लिकार्यै ब्रह्मचारी, ब्रह्मचारिणीयाँ जदि।

ममग्र जैन सम्प्रदाय का 1% भाग साधु गाध्वीयाँ इम मनु दाय म ह इमम भी कई गच्छ विद्यमान है पूण जानकारी नविद्य म दी जावगी।

नोट—प्रिय पाठना हम जैन सम्प्रदाया के वार म अधिच तानरागिया का पान नही ह यह ता कुछ स्परखा आपने तामन इमलिए एर दी ह तानि जा सम्प्रदाय एव दूसरे क गारे म कुछ नी नही ममये वह इमे पदकर ज्यादा नही ता कुछ ता ग्रहण कर मक हम पूण जानकारी प्राप्त करन की पूरी काशिश कर रह ह यह मरा प्रयाम नी ता पहला ही ह ममयाभात्र स्थानाभात्र से आगे कलम भी तो नहा बछाना चाह रहा हूँ स्याचि बोदा वाडा करल 2 भी कित्ता मीटर 600 पार कर ही गया अत इम जानरागी म कित्ती तरह की वाई रात विखन मे छूट गई हा पूण नही लिखी हा या गतत विच दी गयी हा ता मेरा पहला प्रयाम ममज्ञ कर मुये अमा कर दवें एव जाना करता हूँ कि आप मुये इस वार म अपन बहुमूल्य मुजाव जानकारीयाँ जवश्य भिजवान की टपा करें।

—आपका

बाबूलाल जैन 'उज्जवल'

—मम्पादक

समग्र जैन सप्रदायों में 50 से अधिक वर्षों तक आचार्य पद शुपोभित करने वाल आचार्य

- (1) स्थाननवासी सम्प्रदाय के आचाय प्रवर श्री हस्तीमलजी मसा का आचाय पद प्राप्ति वष का यह (59)वा वष ह।
- (2) तेरापथी सम्प्रदाय के आचाय प्रवर श्री तुलसीजी मसा का आचाय पद प्राप्ति का यह (51)वा वष है।
- (3) मूर्तिपूजक तपागच्छ सम्प्रदाय के आचाय प्रवर श्रीमद् विजय रामचन्द्र सूरेश्वरजी मसा का आचाय पद प्राप्ति का यह (50)वा वष है।

शुद्ध नय से आत्म विज्ञान एक, द्रव्य नाम कई जाता है ।
सर्वांग लखी निज ध्यान करे, वह सिद्ध स्वरूप हो जाता है ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :-

तेजराज पन्नालाल सुराना

आटो फाइनेन्सियर्स

सुराना टायर्स

सुराना भवन, 17, कन्दप्पा मुदाली स्ट्रीट,

साहूकार पंठ, मद्रास-600079

(तमिलनाडू)

फोन नं. 34790-37310

जे स्वल्प समझ्या विना, भटक्यो काल अनन्त ।
ते सद्गुरू ना चरण माँ, बन्दन चार अनन्त ॥

With best compliments from .

SURENDRA M MEHTA
(Trustee)

BAPALAL & CO.
(Jewellers)
(Govt Approved Valuers)

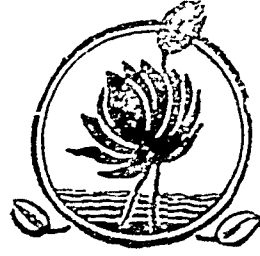
- Diamonds Merchant
- Jewellers
 - Goldsmiths and Silversmiths Dealers in Precious
 - & Semi Precious Stones

Exporters & Importers

29, RATAN BAZAR,
MADRAS-600003 (T N) INDIA

Tel No 564397-564398
GRAM-BAPALALCO-MADRAS

हार्दिक शुभकामनाओं सहित--



भोपाल चन्द पगारिया
एस० भोपाल चन्द

इलेक्ट्रीकल्स सामान के निर्माता एवं विक्रेता

9, वी . वी . के . अयंगर रोड़,
बैंगलोर-560053 (कर्नाटक)

फोन नं. ऑफिस : 71503
घर : 29475

भोपालचंद पगारिया
पगारिया मार्केट, माम्ब पेठ, बैंगलोर-560033 (कर्नाटक)



स्व सेठ श्री प्रेमराजजी श्री श्रीमाल
(दुर्ग-म. प्र.)
जीवन परिचय

आपका जन्म स 1961 बागव मुदी 3 मा गजस्थान क जाधपुर बिले क मुप्रतिद्व ग्राम तीवरा म हुआ, आपके पिताजी का नाम था राजतमल जी एव माताजी का नाम श्रीमती धातूबाई बा। आपका विवाह जाधपुर म तावरी ग्राम क ही पारव परिवार में भावराज जी कानमल जी क यहीं श्रीमती जयमती बाई स हुआ ।

आ (म प्र) की वर्तमान स्थाननवासी जन भावक सघ, दुा क अध्यक्ष श्री भवरलाल जी श्री श्रीमाल दुा नराफा क प्रमुख व्यवसायी श्री माहनलाल जी श्री श्रीमाल एव दुा जिला भारतीय जनता पार्टी क अध्यक्ष श्री ताराचंद जी श्री श्रीमाल क पूज्य पिताजी धमनिष्ठ मुधावक श्री प्रमराज जी श्री श्रीमाल का 81 वष की आयु म दिनांक 13-1-86 क दिन म 10.15 बजे स्वाध्याय मुनत-मुनत हृदयगति रुक जात न देहावमान हु। गया । आपक निधन का समाचार मुनत ही सबत शोक की लहर छा गई, नगर क कौन-कौन स अंतिम दशन क लिए अपार जन समूह उमड पडा । समस्त सराफा बाजार एव समाज की दुःखान व शिष्यण सस्थान बढ हु। गयो ।

जम भूमि तीवरी ग्राम क प्रति आपक हृदय म आाध प्रम या, वहाँ की हाइस्कूल न्यायाला, गांशाला, स्थानन एव अस्पताल आदि म आपका प्रमुख सहयोग रहा है ।

अंतिम समय म आपक बहुते ही उच्च भाव न, स्वाध्याय धवण उरत करत अत पच्छवाण म प्रहयतीन हु। गय । स्वर्गीय धावक जा का पुण्य स्मृति म परिवार क नभी सदस्यों क मानस म समाजो-पयोगी कदमून काय करत की शुभ भावना है । आप अपन पीछ तीन पुत्र एव अग पूरा धममय पत्रिवाए छाउरन स्वण मि। गर । आपक पात्र में मन् जन मध्यप्रदेश युनक उाप्रस न ममुक्त नविय व पुग नगर निगम क स्थायी नमिति क अग्रज न ह ।

एस धमनिष्ठ उदारमना समाज नवा आत्मा भावक जी क निधन स समाज की अग्ररूपोप-नति हु, ह जिनकी प्रति हाना मुश्किल है । जिनपर दब से प्राथना हु कि, स्वगस्थ धात्मा को अ तय शानि पंगन उर आक सतप परिवार का उनक गहन दुःख सहन कउन की शक्ति दें ।



स्व. श्रीमती मोहनबाई मेहता (बम्बई) जीवन परिचय

बम्बई—अ भा साधुमार्गी जैन सघ के उदीयमान अध्यक्ष श्रेष्ठीवर्य श्री. चुन्नीलाल जी एच मेहता की धर्मपत्नि सुश्राविका श्रीमती मोहनबाई मेहता का 57 वर्ष की आयु में दिनांक 10-12-1985 दिन मंगलवार को साय 5-00 बजे हृदयगति रूक जाने से असामायिक देहावसान हो गया। आपके स्वर्गस्थ होने के समाचारों को सुनते ही सर्वत्र शोक की लहर छा गयी। देश के कोने कोने से अग्निम दर्शन के लिए अपार जन समूह उमड़ पड़ा।

आप बहुत ही समाजसेवी, दयालु एवं उदारमना थी। किसी भी व्यक्ति को किसी भी स्थान पर आपके सहयोग की आवश्यकता होती तो आप सदैव उदार हृदय में सहयोग करती थी। जीवदया में आपकी विशेष रुचि थी। परिवार से सभी सदस्यों के लिए आप धर्मगुरु के रूप में मार्गदर्शक थी। आप धार्मिक एवं नैतिक सस्कारों पर विशेष बल देती थी। आपकी मद्प्रेरणा में ही श्रीमान् मेहता नाहव के व्यस्त व्यवसायी जीवन में धार्मिक जागृति आई एवं पूरे परिवार में धार्मिक वातावरण बन गया।

आप बहुत ही लग्नशील और कर्मठ कार्यकर्ता थी। आपकी लगन, धार्मिक निष्ठा एवं सेवाभक्ति बहुत ही अनुकरणीय थी। परम श्रेष्ठ आचार्य प्रवर श्री 1008 श्री नानानाजी न ना. के वीरचित्वा एवं घाटकोपर चातुर्मास में आपका अविस्मरणीय योगदान रहा है। आपके ही मद्प्रयासों में घाटकोपर में 6 बहिनों की ऐतिहासिक दीक्षाओं का भव्य आयोजन हो पाया।

आप अपने पीछे दो सुपुत्र एवं तीन सुपुत्रियों का जरा पूरा परिवार छोड़ गईं।

ऐसी धर्मनिष्ठ, नमाजनेवी, नद्गृहिणी, उदारमना, आदर्श सुश्राविका के देहावसान में समाज की परंपरागत क्षति हुई है। आपके देहावसान पर देश के अनेक गणमान्य नेताओं, राज्यों के मुख्यमंत्रियों, मानस, विद्वानों, चरिष्ठ प्रवृत्तियों, नमाज के प्रभुओं, अनेक नमाजनेवी स्त्रियों, नानानाजी के शिष्यों व कई महान् नातों ने भी तादिक दुःख व्यक्त किया है।



स्व श्री पुखराजजी कावडिया [सादडी-ब्रम्बई]

जीवन परिचय

आप सादडी मारवाड के मूल निवासी थे। आप श्री वर्तमान स्थानकवासी जन श्रावक सभ, सादडी (मारवाड) एवं जन गुरुकुल सादडी (मारवाड) के सभो भी रह चुके थे। आप ब्रम्बई में मेमम न्यू राजमणि ट्रेनिंग पाठशाला के नाम से ट्रेनिंग पाठ का व्यवसाय करते थे। आपकी ममत्र गजस्थान, गुजरात में रुड़ जाह ग्राह अस्ति है। आप बहुत ही मृदुभाषी, हसमुख मिलन, कमठ ममाज नेवो कार्यकर्ता हैं। सामाजिक कामों में मदद अग्रसर रहते थे। आपके गानिध में सादडी मारवाड में शल्य चिकित्सा में शिविर में लगभग 350 से अधिक आपरेजन भी मफलतापूर्वक सम्पन्न हुए हैं। आप अपने पीछे 3 सुपुत्र, 4 सुपुत्रिया एवं 100 वर्षीया गनीजी एवं भने-पूरे परिवार को छोड़कर स्वा प्यारे हैं। इस वष आपक सुपुत्रों ने आपका पगल पर लगभग 200 चत्ता प्रायश्चित्त आनिया का भी आयोजन करवाया है।

आपकी आत्मा का विर गानि मिने रही प्रार्थना है।

— विनीत —

अमृतलाल कावडिया

सम्पत राज कावडिया

एवं ममस्त परिवार एवं न्यू राजमणि ट्रेनिंग पाठशाला के कमचारी सदस्य

भाग सप्तम्

विज्ञापन

समन्वय सगठन और एकता जैन शासन की
त्रिवेणी है।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ
खार, बम्बई

3रा रास्ता, रेल्वे स्टेशन के सामने, खार रोड,
बम्बई-400052 (महाराष्ट्र)



सुखलाल कोठारी
अध्यक्ष

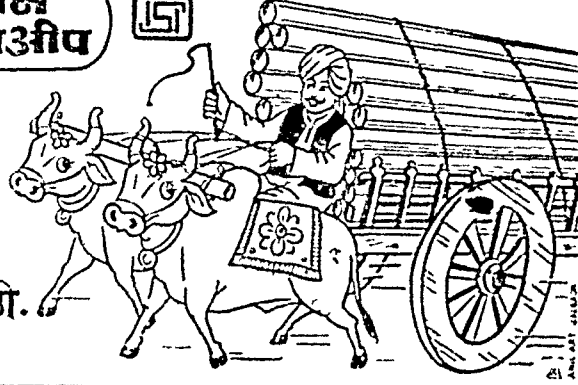
रमणीकलाल देसाई
मंत्री

पायापाय श्रीकदम्ब

4 रिजिड पी.व्ही.सी > 40 वर्षाहून अधिक गॅरंटी असलेले-



शेतात किंवा
नागरी व
ग्रामीण
पाणी पुरवठ्यासाठी.



जैन पाओप मॅन्युफॅक्चरिंग कंपनी
उत्पादक - जैन ओव्हर प्राइझस
जैन फार्म अँड कॅम्पेसिज

पो. वा. नं. 20, फोन 3209
जलगांव 425002

भारतात सर्वप्रथम

- ❖ रिफाईन्ड पेपेनचे अग्रगण्य उत्पादक 100 टक्के पाश्चिमात्य देशात निर्यात करणारी व कृषि प्रधान सह व्यवसायी संस्था
- ❖ देशाला परकीय चलन मिलवून देवून देशाचा आर्थिक विकासाला हातभार

उत्पादक — जैन प्लॅस्ट्रीक अँड केमीकल प्रा० लि० जलगांव
152, पोलन पेठ, पो. वां. न. 20, जलगांव-125002 (महा.)

उत्तम गुणवत्ता आणी मन पसत स्वाद याचा मुखेख सगम ! उत्तम गुणवत्तेच्या फ्रुट कॅंजीचे उत्पादक

जैन फुड्स

152, पोलन पेठ, पो. वा. नं. 20,
जलगांव-425002 (महा.)
फोन : 3209-5, फॅक्टरी-3132

ट्राक्टर जगातील चमत्कार 1977-78 पासून भारताम सर्वाधिक विक्री जाणवने जत्याधुनिक सुधारीत व आकर्षक एस्काटं ट्रेक्टरचे नविल मॉडेल अधिक माहिती घालीन पत्तावर भेटा—

- ❖ फिटक नाशके
 - ❖ रासायनिक खते
 - ❖ सुधारीत वियाणे
 - ❖ ले लॅंड ट्रॅक्टर
 - ❖ मोटर सायकल या वस्तुचे अधिक विक्री करणारी जैन ब्रदर्स व त्याचे व्यवसायी संस्था
- अधिक माहिती करीता भेटा—

जैन ब्रदर्स, जलगांव

152, पोलन पेठ, पो. वां. न. 20, जलगांव-125002 (महा.)

चाहे चन्द्र से आग बरसने लगे और पृथ्वी जलट जाय, किन्तु सत्य पुरुष झूठ कदापि नहीं कह सकते ।

With best compliments from :

卐

Phone 27581

A. R. POWERLOOM TEXTILES

HAND LOOM & POWER LOOM CLOTH MERCHANTS

No 21-A Mohan Market, 1st floor
GAUHATI-781 001 (ASSAM)

॥ श्री ॥

एक अहिंसावादी मर नले ही जाय पर अन्यायपूर्वक किसी का प्राण या धन हरण नहीं करता ।
चातुर्मास्यं विराजमान सभी सत सतियों को वन्दना अर्ज है हादिक शुभकामनाओ सहित-

शशीकांत पूनावाला

श्री रामदेव कोकोनट सप्लायर्स

नारियल तथा साबुदाना व्यापार के लिए एकमेव विश्वसनीय स्थान
67, देवागम पल्लियार कार्डल स्ट्रीट, सेबा पेठ, सेलम (SALEM)-636 002
(S Rly) (तमिलनाडू)

(पता अंग्रेजी म हो लिखें)

फोन 50941, 50764

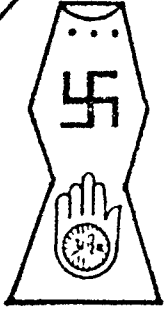
सम्बन्धित फ़म—

तार "SUYOG"

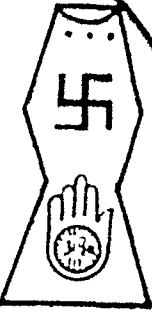
कनकमल चुन्नीलाल गुगलिया

373-A शनिवार पेठ,
कन्याशाला प्लेग्राउण्ड के पास,
पूना-411 030 (महाराष्ट्र) फोन 30569

श्री महावीराय नमः



गणेश



नमकीन मंडार

न
म
की
न

मि
न
ड
यां



नित्यप्रेक्षित

वजन १ किलो

उत्तम सामग्री से निर्मित

निर्माता व विक्रेता :- जमनालाल कस्तूरचन्द जैन

२८, बडा सराफा, इन्दौर

खांच :- ८, सोवसतीगली, (भांग चोटे के सामने, इन्दौर)

हार्दिक अभिनन्दन—

मेवाड़ भूषण प्रतापमुनि श्रमण सेवा समिति
उदयपुर (राजस्थान)

कन्हैयालाल नागोरी
अध्यक्ष

इन्द्रासह बाबेल
मन्त्री

हार्दिक शुभकामनाओ सहित—

संगीत पेलिस

165, जेलरोड इंदौर

बी सी पी , बेल टेक , बी सी आर, केसेटस् इलेक्ट्रानिक गस, लायटर, एव,
इलेक्ट्रानिक जायटम के प्रमुख विक्रेता

सहयोगी प्रतिष्ठान

जैन सेव भण्डार

13, सुभाष माग, (चिमन बाग)-इंदौर

श्रेष्ठ नमकीन के निर्माता एव विक्रेता

प्रो तेजमल मुलचन्द जैन

आचार्य प्रवर परम पूज्य गुरुदेव श्री 1108 श्री जीतमलजी म. सा. आदि
ठाणा का चातुर्मास नागोर में हर्षोल्लास वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चारित्र,
तप की प्रवृत्तियों से ओत-प्रोत सफल बने ऐसी शुभमंगल कामनाएं करते हैं:-

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

F. Pukhraj Jain
Pukhraj Gyanchand
Munot

301/-D, Velechery Road, Tambaram (East) Madras-600059 (IN)

Tel 48407

श्रमणापासक घन्य व, जो देते शुभ दान
दयालुता को दे दिया, जिमने ऊँचा स्थान ।

हादिक शुभकामनाओं सहित

मोतीचन्द चौरड़िया

फायनेन्सियर्स

१

79, जनरल मुखिया मुदलई स्ट्रीट, साहूकार पेठ
मद्रास -9600079 (तमिलनाडू)

फान आफिम-33270 निवास 33279

श्रमण सुधीय प रत्न महान सवामावी शात-नूर्ती श्री रूपन्द्र मुनिजी म मा प्रवक्तक प रत्न श्री उमेश
मुनि जा म मा 'अणु' जदि ठाणा का मघनगर (मध्यप्रदेश) म 1986 चालुमाम पान दशन
चारिन तप की धार्मिक प्रवृत्तिया से सम्पन्न हा ऐसी मगल कामनाओं क साथ—

हादिक शुभकामनाओं सहित—

रमेशचन्द तलेसरा

चौपडा मेहरू रोड,
कुशलगढ़ (म प्र)

रमेश चन्द्र तलेसरा
C/o किशन कृपि मथालय
कुशलगढ़ (म प्र)

उपप्रवर्तिनी पंजाब सिंहनी परम विदुषी महासती जी श्री केशर देवी जी म. सा.
आदि ठाणाओं का 1986 वर्ष का चातुर्मास खार बम्बई में सभी
धार्मिक प्रवृत्तियों के साथ सौल्लासपूर्ण वातावरण में
सम्पन्न होने की मंगलकामनाएं करते हुए

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

पंजाब जैन भ्रातृ सभा

काशीराम स्मृति भवन,
अहिंसा भवन, अहिंसा मार्ग
खार रोड़ (वेस्ट)
बम्बई--400052 (महाराष्ट्र)

फोन : 542509

समग्र जैन समाज के पूज्य मुनिराजों महासतीयां जी
म सा के मंगलमय चातुर्मास की
हार्दिक सफलताओं की मंगल
कामना करते हुए -
हार्दिक शुभकामनाओं सहित -

फोन — 26276

रेडीमेट क्लॉथ स्टोर

कपड़े के थोक विक्रेता

36, मोहन मार्केट गुवाहाटी (आसाम) 781001

संस्थापक — रिषिकरण भुरट

पठित रत्न पूज्य गुरुदेव श्री विनोद मुनिजी म सा
का 1986 का चातुर्मास गुवाहाटी नगर
में होने एवं उनके स्वास्थ्य की
मंगल कामना करते हुए -

हार्दिक शुभकामनाओं सहित -

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ

गुवाहाटी (आसाम)

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन भवन
ए वी राड गुवाहाटी (आसाम) 781001

उपाश्रय ँदले

आध्यात्म ज्ञान नो भंडार छे ।
रिद्धि-सिद्धि नो अंवार छे ।
शुभ ध्यान नो शृंगार छे ।
शान्ति रसनो शृंगार छे ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

भीखालाल वृजलाल दोशी
मनसुखलाल वृजलाल दोशी

86, व्रंक्क भुवन

भाऊ दाजी स्ट्रीट

किंग्स सर्कल

वम्बई-400019 (महाराष्ट्र)

“जय गुरुदेव नाना”

नमना विभक्ति, समीक्षण, ध्यानयोग, धर्मपात्र प्रतिवाचक, शान्ति प्रवचनकारा परम उपकारी, श्रद्धा पूज्य गुरुदेव
श्री नानालालजी म ना जादि टागा 8 एव परम विदुषी महामनी श्री भवर कुँवरजी म मा
जादि टागा 9 वाइस वप का चानुर्मास 1986 जनगाव (महा) म ज्ञान दशन चारित्र,
तप की जाराधना म परिपूर्ण ज्ञान की मान कामना करते हुए —

हार्दिक शुभकामनाओं सहित —

राजमल खटोड

प्रमाणिक स्टोर्स

बनाज, किराना, सूखे मेवे के थोक व्यापारी

203/4, शान्ति निम्नन, पश्चिम स्टेशन के पास कुर्ता (वेस्ट)

बम्बई—400070 (महा) फोन न 5/29108

मेघ की तरह दानो भी चार प्रकार के होते ह —

कुछ बोलते ह, देते नहीं । कुछ देते हैं, कभी बोलत नहीं ।

कुछ बोलत भी है और देत भी ह । और कुछ न बोलते हैं, न देत हैं ।

With Best Compliments From :

Kamal Chand Jain & Co.

Motor financiers & commission agents

Chand Market (2nd floor) A T GUWAHATI-781001 (Assam)

□ Gram shreekamal Phone 32783

1

पुन. लौट नहीं आ सकती जी, बीत चुकी स्वर्णिम घड़ियाँ ।
टहनी से जो टूट चुकी है, खिल नहीं सकती वे कलियाँ"॥

With Best Compliments From :



Grams : JAINMEDICO

Phone : Off. 258749 Res. 223649

Mercury Agencies

13, B.V.K. Iyengar Road, 1st Floor Mahaveer Mansion,
P. B. No. 7639 BANGALORE-560 053

इतिहास मातृङ्ग, सामायिक स्वाध्याय प्रणेता प रत्न महामहिम आचार्य प्रवर पूज्य श्री हस्तीमलजी
 म सा की सुशिष्याएँ परम विदुषी कोकिल कठी प्रभावी व्याख्याणी महासतीजी श्री मैना सुन्दरीजी
 म सा आदि ठाणा 6 का इस वष रायचूर चातुर्मास ज्ञान दर्शन चारित्र्य
 तप की आराधना से परिपूण सोल्लास वातावरण से सम्पन्न होने
 की मंगल कामना करते हुए -

हार्दिक शुभकामनाओ सहित —

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ

जैन स्थानक, महावीर चौक,
 रायचूर—584101 (कर्नाटक)

सधपति
 पोरचन्द वोहरा

फोन 8055

“जय गुरु हस्ती”

सामाजिक स्वाध्याय के प्रणेता, आचार्य प्रवर श्री हस्तीमल जी म सा आदि ठाणा 10 एव विदुषी
 महासती श्री शांती कुवरजी म सा ठाणा 7 पीपाड सिटी में चातुर्मास इस वष
 1986 में ज्ञान, दर्शन चारित्र्य, तप की आराधना से परिपूण होने
 की मंगल कामना करते हुए—

हार्दिक शुभकामनाओ सहित—

भूरालाल रामदयाल सराफ

सराफा बाजार, opp नगर पालिका

सवाई माधोपुर—(राज) 322021 (राज) फोन न 407

सम्बन्धित फर्म—

- ❖ जैन अम्ब्रेला फैक्ट्री—सवाई माधोपुर
- ❖ नमोकार ट्रेडर्स वजरिया स्टेशन सवाई माधोपुर
- ❖ भूरालाल रामदयाल जैन, सवाई माधोपुर

ते गुरु मेरे मन बसो, जे भव जलधि जहाज ।
आप तिरे पर तारहिं, ऐसे श्री मुनिराज ॥



हार्दिक शुभ कामनाओं सहित

गजराज मेहता

शाह चम्पालाल गजराज मेहता

बैंकर्स

46, एगमोर हाई रोड,
मद्रास-600008 (तमिलनाडू)

फोन नं. 567782

युग प्रधान आचार्य प्रवर श्री तुलसीजी म सा एव युवाचार्य श्री महाप्रज्ञजी म. सा
आदि ठाणाओ का लाडनू (राज) में 1986 चातुर्मास हर्षोल्लास वातावरण
में ज्ञान, दर्शन, चारित्र, तप की प्रवृत्तियो से ओत-प्रोत सफल बने ऐसी शुभ
मंगल कामनाएँ करते है ।

हार्दिक शुभकामनाओ सहित---

Phone 76667 Res 73956, 74152

Tulsi Corporation

Pharmaceutical Distributors

Mohan Dhariwal

P B No 7922, 2nd Floor,
Mahavir Mansion,
13, B V K Iyengar Road,
Bangalore-560 053 (Karnataka)

मेवाड संघ शिरोमणी प्रवर्तक पूज्य गुरुदेव श्री अम्बालाल जी म.सा. प्रवचन भूषण, थमण
संघीय सचिव श्री सौभाग्य मुनि जी म.सा. कुमुद आदि ठाणाओं का चातुर्मास
भादसौड़ा (राज.) एवं राजस्थान सिंहनी विदुषी महासती जी श्री प्रेमवतीजी
म.सा. आदि ठाणाओं का उदयपुर चातुर्मास ज्ञान दर्शन चारित्र्य तप
एवं साधना से ओत-प्रोत रहे ऐसी मंगल कामनाएँ करते हुए

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

प्यारेलाल जैन शाह आर. पी. जैन

डीलर्स—तांबा, पीतल, स्टील; हिण्डालियम, एल्युमिनियम, युटिनसील्स, प्रेसर
कूकर, एवं गृहोपयोगी वस्तुओं का एक मात्र विश्वसनीय स्थान (प्रेसर
कूकर, एवं मिक्सर स्पेयर पार्ट्स एवं रिपेयर्स)

न्यू शान्ती भुवन, स्टेशन रोड़,
कांदिवली (वेस्ट)
बम्बई-400067 (महा.)
फोन-697367

With best compliments from :

ALPA TEX

Cotton Sarees Merchant

26/28, Old Hanuman Galli
Kalbadevi Road
Bombay-400 002

त्रिनका मन श्रुत-मेवा लीन, प्रता प्रतिभा-प्रघर प्रवीण ।
इन्द्रिय-सयम, निद्रा त्याग, उन चरण मे धर अनुराग ॥

Ph 73009

Shri Nakoda Trading Co. Mahaveer Textile Agencies

Whole Sale Cloth Merchant

3-3-431 2nd Floor
Opp Mahakali Temple
Secunderabad-500003

Textile Indenting Agents

3-3-431, 2nd Floor
Opp Mahakali Temple
Secunderabad-500003

Surana Agencies

Textile Indenting Agent

3 3-431, 2nd Floor Opp Mahakali Temple
Secunderabad-500003

卐 "श्रमण भगवान महावीर का अमर संदेश" 卐

जिओ और जीने दो

--भगवान महावीर

LIVE AND LET LIVE

—Bhagavan Mahaveer

पिछले 44 वर्षों से लगातार राष्ट्रीय प्रगति के पथ पर

हम पिछले 44 वर्षों से देश के एक कोने से दूसरे कोने तक जन जीवन की मूल आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु सक्रिय हैं। आम जनता के साथ-साथ हम राष्ट्र सेवा में भी रत हैं। हम लम्बे समय से गतिशील हैं.....

44 वर्षों तक के कठिन परिश्रम से हमने अपनी उपलब्धियों का कीर्तिमान स्थापित किया है।

आज देश भर में हमारे 351 कार्यालय हैं।

सदैव, दिन और रात, सवानी ट्रान्सपोर्ट के ट्रक निरन्तर अपने पथ पर गतिशील हैं। हमें मीलो लम्बा पथ तय करना है. . . .

लक्ष्य प्राप्त हेतु, और अपने राष्ट्र की उन्नति के लिए आने वाले वर्षों तक, सवानी ट्रान्सपोर्ट अनवरत उस पथ पर अग्रसर होता रहेगा।



★ शीघ्र एवं सुरक्षित व्यवस्था से डिलीवरी करने वाली एकमात्र विश्वसनीय कम्पनी ★

सवानी ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड

Savani Transport Private Limited

प्रशासकीय एवं प्रधान कार्यालय :

त्राडवे शॉपिंग सेन्टर, दूसरी मजिल

डां. अम्बेडकर रोड

दादर, बम्बई-400014

फोन . 8825610-41



क्षेत्रीय कार्यालय :

66, यम्बुचेट्टी स्ट्रीट

मद्रास-600001 (तमिळनाडू)

फोन : $\begin{cases} 514123 \\ 511111 \\ 510830 \end{cases}$

ग्राहक-"LUGGAGE"

एस.एम.एस. जैन

जोन्ल मेम्बर, तमिळनाडू

पूरे भारत में माल की बुकिंग हेतु आज ही हमारे से सम्पर्क कीजिए ग्राहकों की इच्छा पूरी करना ही हमारा उद्देश्य है।

—सवानी ट्रान्सपोर्ट

With best compliments from

Shantil Chhotalal & Co

Stationers, Printers & Paper Merchant

32, BOMBAY SAMACHAR MARG, FORT, BOMBAY-1

Tel 271906 / 272515

AND

Associates Concern

C. K. Steel Traders

Iron & Steel Merchant

254, S T Road, Iron Market, Bombay-9

Tel 343427 326278

With best compliments from



Quick Clearing Agency

Clearing & Forwarding Agents

Custom House Agent Lic No 11/145

211, Shahid Bhagatsingh Road, Fort, Bombay-400 038

Telephones 260434 261766

Gram QUICKAGENT

समग्र जैन समाज के सभी पूज्य मुनिवरों, महासतियाँजी म. सा. के चातुर्मास हर्षोल्लास वातावरण
में ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य, तप की प्रवृत्तियों से ओत-प्रोत सफल वने ऐसी शुभ
मंगल कामनाएँ करते हैं ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

PRINCE PLASTICS



**Mfrs. & Exporters of Plastic Household,
Gift, School & Stationary Item**

Factory :

Prince House, 51 (3), Marol Co-op. Industrial Estate,
M V. Road Andheri (E), Bombay-400 059 INDIA.

Phones : 632 38 87/632 38 88

Gram : HOUSEWARE-400 059

Office : 312, Churchgate Chambers, 5, New Marine Lines, Churchgate
Bombay-400 020 (India)

Phones : 29 49 33/25 56 72

Gram : HOUSEWARE-400 020

Telex : 011 6332 PEXO IN

With best compliments from .

Panchratna Printing Press

29, Ghanshyam Industrial Estate, Veera Desai Road, Andheri (West)

BOMBAY 400 058

Tel Off 620204, 629863 Res: 576177

Pan. Progress Printing Press

34, Cawasji Patel Street, 1st Floor, Fort, Bombay 400001

Off 252740 Res: 576177

With Best Compliments From :

Phone Off 591496 Res: 5126566

Ramniklal Brothers

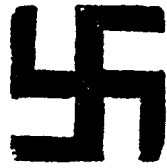
Dealers, Stockists & Suppliers of

Super, Enamelled, D C C, S C C Coper Wires, Leatheroid, Presphan
Papers Insulating Varnish, Empire Cloth Tape, Sleeving All Types
of Capacitors & Ball Bearings

Pahilaj Kunj, Lohar Ali, Station Road, THANE (Mh)

परशंसक हो बहुत पर, निन्दक एक न होय ।
वह मनुष्य संसार में, गफलत में रहे सीय ॥

With best compliments from :



N. J. Shah & Bros.

66, Vaju Kotak Street,
Room No. 25, 2nd Floor
Fort
Bombay-400 001

With best compliments from :

Hello 313287



New India Optical Co

Sun-n-Spects Boutique & Contact Lens Clinic

416, Kalbadevi Road, Opp Vasantwadi, BOMBAY-400 002

With best compliments from .

Tele Office 322918, 336644 Res 474194

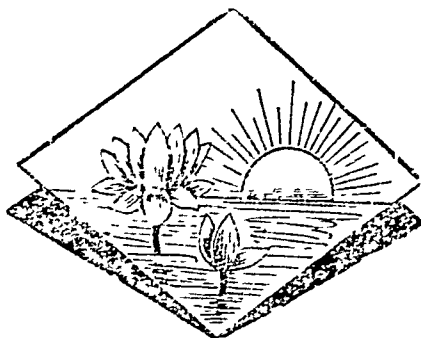
MAHAVIR ENTERPRISES

Stockist & Suppliers

Iron * Steel * Hardware * Pipes

254, Sant Tukaram Road, Carnac Bunder,
Iron Market BOMBAY-400 009

With best compliments from :



Parag Print Process

36, Western India House, Sir P.M. Road, Fort
BOMBAY 400 001

Specialised in :

**Printing of Annual Reports, Share Certificates,
Dividend Warrants, Continuous Stationery
and other corporate jobs.**

4

With best compliments from :

Phone 253008

CHHAGANLAL KESHAVJEE

Stationery & Drawing Materials

22-A, S A Brelvi Rd Bombay 400 001

With best compliments from :

NIYATI ELECTRICALS

DEALERS IN

Electrical Goods & Electronics Equipments

Ranveer Building, Samaldas Gandhi Marg, Bombay-400 002

Tel C/o 31 71 93

With Best Compliments From :



Coelho Refrigeration Services

- **Airconditioning** □ **Refrigeration**
- **Engineers**

Work Shop—Spray Painting

Thukral Mansion, Plot No, 18 Adarsh Society, Ramchandra Lane
Malad (West) BOMBAY-400 064

Tel. : 364869 c/o. 695446

जो साधक गुरु के समक्ष अपने दोषों को स्पष्ट रूप से बता और उनकी आलोचना
तथा प्रायश्चित्त लेकर शुद्ध हो जायेगा वही ध्यान के क्षेत्र में प्रगति कर सकेगा।

With Best Compliments From :

I. KAMDAR & CO.

126/128, Nagdevi Street Bombay-400 003
(INDIA)

With best compliments from

Ashwin Shah
DHARMESH ENTERPRISES

Dealers in Chemical Plant & machinery

Hari Om Apts, C 3 Bldg 2nd Floor, Block No 210 S V Road,
Borivli (W), Bombay-400 092

Tele 8727231 892459

समग्र जैन समुदाय के पूज्य मुनिराजो एवं महासतीयांजी म. सा. के 1986 वर्ष के
चातुर्मास हर्षोल्लास वातावरण में ज्ञान दर्शन चारित्र्य तप की प्रवृत्तियाँ से
ओत-प्रोत सफल बने ऐसी शुभ मंगल कामनाएँ करते हैं

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

J. Roopchand Vardia
SILVER-SHOP

(JEWELLERS)

235, Triplicane High Road.
Madras-600 005 (T.N.)

Tel. Phone. 845519



संबंधित फर्म--

फकीरचंद रूपचंद वरडिया

हर प्रकार के वर्तनों के व्यापारी

चौ का मण्डा, पाली-मारवाड (राज.) 306401

Tel. P.P. 6792

With best compliments from :

Tel 254631

M/S. ASIAN ENTERPRISE

Siemens & L T / L K Switchgears

Sales Offices

52/54 Papatwadi,
Saroj Bhuvan, 2nd Floor,
Bombay-400 002

Residence

12, Kirtivihar 2nd Floor,
L B Shastri Marg,
Near Sarvoday Hospital,
Ghatkopar, Bombay-86

With best compliments from

Phone 313475
Res: 623654

SHROFF & COMPANY B R H BROTHERS

Specialist For

Spring Steel Strips, Band Saw Blades, Circular Saws,
Emery Wheels & Engineering Tools
95/A, Dhurubhai Parikh Marg, (Old Hanuman Lane), Bombay-400 002

अहम्

श्री वर्धमान महावीर बाल निकेतन

आबू पर्वत (राजस्थान)

आप अपने प्यारे नन्हे मुन्ने के जीवन को उन्नत एवं आधुनिक बनाना चाहते हैं तो इंग्लिश के अध्ययन के साथ-साथ नैतिक तथा धार्मिक शिक्षण प्राप्त कराने के लिए 'श्री वर्धमान महावीर बाल निकेतन' में ही प्रवेश दिलवावे

यहाँ पर यही एकमात्र जेन बच्चों का छात्रावास (होस्टल) है जहाँ विनय विवेक का प्रशिक्षण दिया जाता है.

- ❖ इंग्लिश का शुद्ध एवं शीघ्र उच्चारण तथा लेखन.
- ❖ आरोग्यवर्धक शुद्ध व सात्त्विक भोजन.
- ❖ रहने की उत्तम व्यवस्था.
- ❖ खेल एवं मनोरंजन के आधुनिक सभी साधन.

प्रवेश पत्र के लिए सम्पर्क करें ---

व्यवस्थापक,

श्री वर्धमान महावीर बाल निकेतन

"श्री वर्धमान निकेतन", देलवाड़ा रोड, आबू पर्वत (राजस्थान)

पिन कोड--307 501

फोन न. 58

हादिक शुभकामनाओ सहित — ॥ जयमहावीर ॥

महावीर के नमकीन

नमकीन के नायक

विक्रय केंद्र

महावीर सेव भण्डार

विदवद माग (बढवालो चौकी) इंदौर 452 002

महावीर नमकीन सेटर

मरवटे बस स्टैंड मेन गेट सामने, इन्दौर

प्रो० राजमल रामनिवास जैन

हादिक अभिनन्दन

सुन्दरम् विअर

रेडिमेड वस्त्रों के थोक एव खरवी यापारी

22, मुभाप चौक, इन्दौर-2 (म प्र)

प्रो० सुनील द्विगावत

सहयोगी प्रतिष्ठान — अरिहन्त इन्टरप्राइजेसेस

केशर दीप मार्केट, इमली बाजार, इन्दौर 452002 (म प्र)

हादिक शुभकामनाएँ—

फोन दुकान-260872

घर-266270

माणकचन्द जैन गोटे वाले

2045, मिनारी बाजार दिल्ली-110006

“जयभिक्षु”

“जय तुलसी”

युग प्रधान आचार्य प्रवर श्री तुलसीजी म. सा., युवाचार्य श्री महाप्रज्ञ जी म. सा. आदि ठाणाओं एवं महासतीयों जी म. सा. आदि ठाणाओं का इस वर्ष 1986 का लाडन् (राज.) में चातुर्मास हर्षोल्लास वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चारित्र तप की प्रवृत्तियों से ओत-प्रोत सफल बने ऐसी शुभ मंगल कामनाएं करते हैं

हादिक शुभकामनाओं सहित

A. Parasmal, Shantilal Jain Dhariwal

2-B police Station Road
Pallavaram, Madras-600043

(T N.)

Phone . 467111

हादिक शुभकामनाय-

जैन श्वेताम्बर सेव भण्डार

श्रेष्ठ नमकीन के निर्माता एव विन्नेता

15, छत्रीपुय मेन राड, इंदौर-452002

प्रो० सरजमल तिलोक चन्द जैन

Jai Bhiksu

Jai Tidis

With Best Compliments From —

Kamal Sev Bhandar

BEST NAMKIN MANUFACTURES AND SCALES

266, Jawahar Marg (Raj Mohalla) Indore, (M P)

Phone No 38287 P P

PR—Kanhya Lal Jain

संदेब याद रजिए -

फोन नं 30725



कामल सेव प्रिन्टर्स

विगपताएँ — • बहूगुणी एगम कृत्रिमक छपाई का एफमान रथान • विलबुक • लेटरपड • ननपत्रिका

• निमत्रण काड • विनिर्दिता काड एवम समस्त प्रकार की छपाई की ताता है

6/1, नार्थ राजमोहल्ला, इंदौर 452002

हादिक शुभ कामनाय-

सवेरा टाफी

216, जवाहर मार्ग, (राजमोहल्ला) इंदौर 452002

उच्चतम क्वालिटी के गोली विस्कुट के विन्नेता

प्रो० रूपम कुमार जन

With best compliments from :

Marudhar Electricals

50, Lawyers Chamber, 3rd Floor, 26, Picket Road,
BOMBAY-400 002

Phone : 256507

Dealers For :

Everything in Electricals

Specialist For :

PVC. Wires, Cables & Fluorescent Lighting Fixtures

Authorised Stockists :

"POLYCAB" Submersible Cables "MONARCH" Lighting
Fixtures "KING COBRA" PVC Wires & Cables

Sole Distributors for Karnataka & Goa—

POLYCAB

P.V C. Power &
Control Cables
Multicore Fixible
& Submersible
Cable

SOLAY

Electrical
Accessories

MONARCH

Luminaires

काम चाहे छोटा हो, चाहे बड़ा हो, उसकी सिद्धि के लिए सध श्रवित की परमावश्यकता है
 अगर आपके पास धन है ता उसे परापकार मे लगाया
 धन आपके साथ जाने वाला नहीं है धन के माह मे मनपडो

With best compliments from :

HANSRAJ RAJENDRAKUMAR

19 A, Mohan Market, GUWAHATI-781001

Phone 28682

Mukesh Trading Co.

Hand Loom Cloth Merchants and Commission Agents

Krishna Talkies Road, ERODE 638003 (T N)

Phone 72078

तमे थाम एगे जाई

जाई थाम एगे तमे

-सगवान महावीर

कभी-कभी अ धकार (अगानी मनुष्य) में भी ज्योति सदाचार का प्रकाश जल उठती है ।
 और कभी-कभी ज्योति (ज्ञाना हृदय पर) भी अन्धकार (असदाचार) हावी हो जाता है ।

With best compliments from :

BHANWARLAL GOTHI

GHOTI GEMS

Financier & Diamond Merchant

161, Mint Street, (first floor) Sowcarpet,

Madras-600 079 (T N)

Phone Off 36425 Res1 31154

॥ जय गुरु हस्ती ॥

इतिहास मार्तण्ड सामायिक स्वाध्याय के प्रणेता परम पूज्य गुरुदेव श्री 1008
श्री हस्तीमलजी म. सा. आदि ठाणाओ का पिपाड सिटी (राज.) 1986 वर्ष
का चातुर्मास ज्ञान दर्शन चारित्र तप की साधना से सोल्लासमय वातावरण
में सम्पन्न होने की मंगल कामना करता हुआ

गुरु हस्ती [के दो फरमान ।
सामायिक स्वाध्याय महान ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :



नेमीचन्द बोथरा

34, गार्डन बिल्डिंग, 16 नेपियन रोड, बालकेश्वर बम्बई 400006

फोन-Resi-8125615

हादिक शुभकामनाएँ—

आनन्द सेव भण्डार

श्रेष्ठ नमकीन के निर्माता एव विक्रेता
393, महात्मा गांधी मार्ग
बडा गणपति चौराहा, इबौर (म प्र)
प्रो लड्डुलल सजय कुमार जैन

हादिक अभिनन्दन—

पारस नमकीन केन्द्र

श्रेष्ठ नमकीन के विक्रेता
801, जल राड, इबौर
प्रो कमलेश चन्द नेमोचन्द जैन
सहयोगी प्रतिष्ठान
पारस नमकीन सेटर
सातलामाता बाजार (मलिया बाघल) इबौर (म प्र)

हादिक शुभकामनाएँ—

फोन नं. दुकान — 39038 पी पा
निवास — 22789

चोरड़िया पेटीकोट हाऊस

जनक डिजाइना एव हजारा मचिंग रंगा मे होल सेल निमाना एव विक्रेता
पेटीकोट के जधिकृत थोक एव खेरची विक्रेता
45/1, शककर बाजार (सराफा थान के पास)
इबौर—452002 (म प्र)

हादिक शुभकामनाएँ—

फोन नं 63343

सत्कार टेन्ट हाऊस

पलावर डेकोरेटर्स
199, जवाहर मार्ग (मानगज) इबौर 452002 (म प्र)
= किराये स लीजिये =

शादा एव पार्टी म लगन वाले समस्त सामान टेन्ट बनात दरी गादी सट स्टील सट बुर्सी टवल
नाकरी बतन साफे एव फूला का साज-सज्जा के साथ

卐 ॐ श्री जैन दिवाकराय नमः 卐

संघ सेवाभावी तपस्वी मुनि श्री मोहनलालजी म०सा० आदि ठाणाओं
का उज्जैन चातुर्मासि ज्ञानदर्शन, चारित्र एवं तप की साधना
से सौल्लासपूर्ण वातावरण में सफल बने ऐसी
हार्दिक मंगल कामनाएं करते हुए

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

श्री मोहन भक्त मंडल

जैन दिवाकर स्मारक, सांगोद रोड,
रतलाम (मध्यप्रदेश) 457001

टेलीफोन नम्बर 1993

द्वारा संचालित

- (१) श्री जैन दिवाकर छात्रावास आवास व भोजन की समुचित व्यवस्था
- (२) श्री जैन दिवाकर चिकित्सालय (निशुल्क)
- (३) श्री जैन दिवाकर बाल मंदिर
- (४) श्री जैन दिवाकर पुस्तकालय

अध्यक्ष

हीरालाल मेहता

कीर्षाध्यक्ष

शांतीलाल रांका

मंत्री

मांगीलाल कटारिया

हादिक शुभकामनाएँ—

फोन नं दुकान — 35558-22249
निवाभ — 64392

दलाल जादव जी एण्ड कम्पनी

केवासोंग एजेंट
15, मयोगिताग 7, इदोर—452001 (म प्र)
बाम्बे ○ नोमच ○ इदोर

हादिक शुभकामनाएँ—

इदोर के सुप्रसिद्ध मसाल क थाक एव खेरची विनेता

श्री अरिहन्त ट्रेडर्स

विशेषताएँ — हल्दी, मिर्ची, धनिया, नमक, शक्कर, काली, मिर्ची मिलने का एक मात्र स्थान
प्रो नरेन्द्र कुमार हरकचन्द पटवारी श्यामपुरा वाले
187, जनता कालानी (दुबेजी का मकान) सुभाष माग, इदोर (म प्र)

हादिक अभिनन्दन—

फोन नं 39168

रमेश नमकीन भण्डार

54, इमली बाजार, इदोर (म प्र)
श्रेष्ठ नमकीन एव मिठाई के निर्माता एव विक्रेता
नोट—हमार यहा पर शुद्ध ताजा नमकीन एव मिठाइया और साथ ही ताजा गरमा गरम इमरती
एव जलेबी हर वक्त तयार मिलती हैं ।
प्रो लक्ष्मी नारायण जैन

हादिक शुभकामनाबा सहित—

फोन नं दुकान 39186 P P
निवाभ 61724

अरिहन्त फर्निचर्स

जालमारा, चयर, पन्ग, साफामट, टेबलरखम स्टाल एव बुडन फर्निचर र निर्माता एव विक्रेता
प्रो सुरेश जैन
209/14 जवाहर माग राजमाहल्ला
परसराम पुरिया स्टुल, इन्वीर 452002 (म प्र)

With best compliments from :

Mandot Corporation

Distributors for: **Worsted Suitings for South India**

B 11-12, 1st Floor, S. P. market, A. m. Lane, Chickpet Cross,
BANGALORE-560 053

Phone 72891, 77726



Mandot Distributors

Distributor for : **Vimal Suitings & Shirtings**

No. 7, Gowraih Market, D K Lane, Chickpet Cross.
BANGALORE-460 053

Phone 77726, 72891

हार्दिक शुभकामनाओ सहित -

Phone 35296

C. Jabarchand Bokdia
FINANCIER

24, Chandrappa Mudali St Sowcarpet
MADRAS-600 079 (T N)

With best compliments from

Amrish Shah
H. Jagmohandas & Co.

176, Lohar Chawl, Bombay 400002

Phone 319832 297572

Gram BLOCK WOOD

With best compliments from :

Tel 563675

G. Bhikamchand Jugraj Jain

67/2, Polyar Kolu Street,
Ashok Nagar Shoolay,
Bangalore 560025 Karnatka

With best compliments from

Phones Office 33270
Resi 33279

MOTICHAND CHORDIA

Financiers

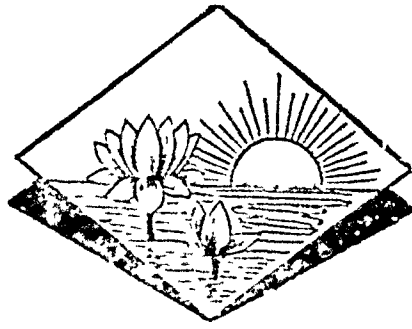
49, General Muthia Mudali Street,

Sowcarpet,

MADRAS-600 079 (T N)

मानव की पूजा कौन करें, मानवता पूजी जाती है,
साधक की पूजा कौन करे, साधकता पूजी जाती है !

हार्दिक शुभकामनाओं सहित



शाह रतनचन्द इलीचन्द सराफ

सोने चाँदी आभूषणों के व्यापारी

406, रविवार पेठ, पुना 400003 (महाराष्ट्र)

जल अग्नि न सुख दुख के दाता, सेवन से ही इनको पाता ।
त्यो ही प्रभु भवित तथापमान हे, अशुभ तथा शुभ फलदाता ॥

With best compliments from



CHANDRAKANT GOSALIA

Architect & Consulting Engineer

R D Building
Station Road Malad (W)
BOMBAY 400064

Tel Office 68 20 46
Residence 69 21 56

M.L.A. Maharashtra Bombay

अमृत जल विन्दु सर्प मुख में पड़ते ही विष बन जाता है।
सीपी में मुक्ता में दूध, यह पुष्प-भेद दिखलाता है ॥

‘जय गुरु नाना’

कुशल कुम्भकार मिट्टी से कुम्भ बना देते हैं
कुशल शिल्पी, इंट-पत्थर से भव्य भवन बना देते हैं
तप-तेज से शोभित है जीवन जिसका, ऐसे
समता योगी नास्तिणु को भी आस्तिणु बना देते हैं ॥

वन्दन शत-शत, वन्दन ॥

सुन्दरलाल संपतलाल तातेड़

दस्मानियों का चौक, व्रीकानेर 334001 (राजस्थान)

खा-पीकर के हम पडे रहें, यह जीवन का हँ सार नहीं ।
बस जीव दया के तुल्य जगत में, अन्य धर्म व्यापार नहीं ॥

‘जा गुरु नाना’

अकुरण के लिये बोज में मिट्टी में मिलना जरूरी ह
मूल्य पाने के लिये पानी को दूध में मिलना जरूरी ह
ज्ञान को पाने के लिये अस्तित्व को, नव्यो
गुरु चरणों में विलीन करना जरूरी ह ॥

वन्दन, शत, शत, वन्दन,

भँवरलाल नथमल तातेड़

C/o. आस करण कन्हैयालाल तातेड़

कपड़े के व्यापारी

एम एम रोड, करीमगज (आसाम)

जो लोग शत्रुता करते हैं, वह खुद को नीच बनाते हैं ।
इसके समान नहीं अन्य पाप, यह बात न ध्यान में लाते हैं ॥

With Best Compliments From :



P.D. Builders
P.D. Construction
ENGINEERS & CONTRACTORS

Bharat Apartments, Juhu Lane, Andheri (West)

Bombay-400 058

62 91 42

Phone : Offi :

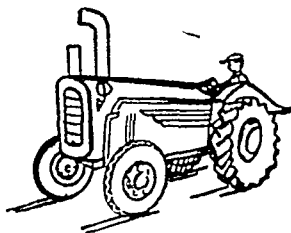
62 83 06

लेने ही लेने में खुश हो, देने में जो घबराता है ।
बिन दिये नहीं पावोगे, तुम जो देता है सो पाता है ॥

॥ श्री महावीराय नम ॥

हादिस शुभकामनाया सहित-

रतलाम अम्ब्रेला फेक्ट्री



उच्च कोटि के 'ट्रैक्टर छाप' छातों के निर्माता
दोलतगज, रतलाम (म प्र) 457001

चाँदमल मुणोत

फोन 683

समग्र जैन सम्प्रदायों के सभी पूज्य मुनिवरों महासतीयाँजी म.सा.का.इस वर्ष 1986 का
चातुर्मास हर्षोल्लास वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य तप की प्रवृत्तियों से ओत-प्रोत
सफल वने ऐसी शुभमंगल कामनाएँ करते हैं

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :-

चम्पालाल प्रेम चन्द भयानी (बापा)

दौंड-413801 जिला पूना (महा.)
(C.RLY)

With Best Compliments From :

Phone : 25571

SAMPAT FINANCE CORPORATION

(MOTOR FINANCIER)

JAIN GALI, KEDAR ROAD, GUWAHATI-781001 (ASSAM)

1. M/S HIRALAL DINESH KUMAR
P.O. BAHARIHAT, Dist-BARPETA (ASSAM)
2. M/S SURESH & COMPANY
B-10 NEW KRISHI MANDI, P O NAGAUR (RAJ.)
3. LUNAWAT AUTO FINANCE LTD.
KEDAR ROAD, GUWAHATI (ASSAM)

कल्पना से मन की भूत बनें, जिससे रोता चिल्लाता है ।
मनकी कल्पना से नरक मिलें, मन से ही स्वर्ग में जाता है ॥

With best compliments from



Sudhir S. Shah

FAVOURITE ELECTIRCALS

Bombay Mutual Building, above City Bank, 59, 1st Floor,
Sir P M Road, Fort,
BOMBAY-400001

Phones 25 19 50
29 92 59
25 65 16

Resi 54 18 59

॥ जय महावीर ॥

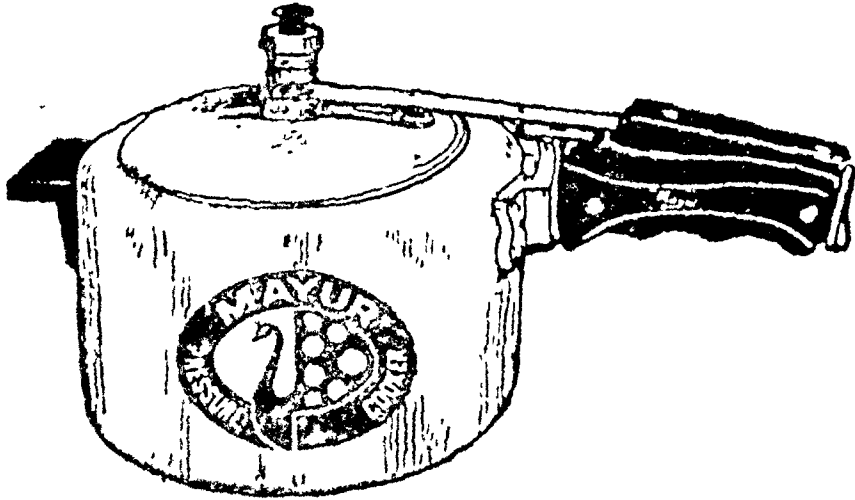
हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

एम. डी. ए. इण्डिया

नई दिल्ली

निर्माता

मयूर प्रेशर कुकर एवं गैस तंदूर



10 वर्ष की गारन्टी के साथ

विपणक

राधेश्वर किशनलाल माहेश्वरी

(कुडाना वाला)

1- कनैया बाजार इन्डोर (म.प्र.) 452002

17 जग
 { 32310 कुडान
 { 45179 मियाग

आगम अनुयोग प्रवर्तक प रत्न श्री कन्हैयालालजी म स 'कमल'
 आदि ठागाओ का धानेरा (गुजरात) मे 1986 का चातुर्मास
 हर्षोल्लास वातावरण मे ज्ञान, दर्शन, चारित्र तप
 की प्रवृत्तियो से ओत-प्रोत सफल बनें ऐसी
 शुभ मंगल कामनाएं करते है -

With Best Compliments From :



**KEWALCHAND PHOOLCHAND
 MANOHAR PHARMA
 PHARMACEUTICAL DISTRIBUTORS**

BRD 3RD FLOOR, MAHAVEER MANSION,
 P B NO 7129, 13, B V K IYENGAR
 ROAD, BANGALORE-560053
 Phone 77681

पारस वह कैसा पारस जो, लोहे को नहीं पारस कर दें ।
यह शक्ति है उस भगवान में, जो आत्मा को परमात्मा कर दें ॥

With Best Compliments From :

SHANTILAL M. SHAH & SONS

**Clearing, Forwarding, Shipping &
Air Cargo Agents**

12, Sethi Mansion (Aloo Mansion),
2nd Floor, Room No. 13,
Kumptha Street,
Bombay-400038.

Tele. Off : 260150
Resi. : 594705

Niranjan Shah

नित खाओ पित्रो ओर भोज करो, तो भी तो शांति नही मिलती है ।
जिमि बर्फ का सेवन ठडा ह, पर अन्त में गर्मी ही बढ़ती है ॥

With Best Compliments From .

WOOD PACKERS

जे. के. वूडर्स

80, Bombay Timber Market Ltd
Signal Hill Avenue, Reay Road,
BOMBAY-400 010

PHONE 8723146
8720392
GRAM JITKIT

चाहे तो जमाना पलट जाए, पर धर्म नहीं पलटता है।
जो पलट जाय वह धर्म नहीं है, धर्म तो ध्रुव कहलाता है ॥

With best compliments from :

ESTD. 1919

**CHHOTALAL
KESHAVJEE
& CO.**

**IRON STEEL & GENERAL
METAL MERCHANTS**

254, Sant Tukaram Road
Iron Market, Carnac Bunder
BOMBAY-400 099.

Phones : 323767 337895.
Grams : IRONBARS (Mandi)
Telex : CKSN-11-5431

हादिक शुभकामनाओं सहित—

प्रेमराज भँवरलाल श्री श्रीमाल

दुग (म प्र) 491001

भवरलाल प्रवीण कुमार

श्री श्रीमाल निवास, गवलीपारा दुग (म प्र) 191001

फोन—Rest 3051 p p दूरान 2489/12

सम्बन्धित—सस्यान

प्रेम एण्ड कम्पनी

चादी एच चादी आभूषणा व
विनेता, जवाहर चौक, दुग

प्रकाश एण्ड कम्पनी

चादी एच चादी जेवर के
विनेता, गांधी चौक, दुग

प्रवीण ज्वेलर्स

आधुनिक आभूषणाके विनेता
जवाहर चौक, दुग

“पकज”

आधुनिक वस्त्रा का एक मात्र केन्द्र
जवाहर चौक, दुग

प्रदीप एण्ड कम्पनी

वस्त्रा वा मुरम्ब स्वग
जवाहर चाक, दुग

सहेली

वस्त्रा वा मुरम्ब स्वा
महावीर चाक, दुग

जय ज्वेलर्स

100 टन चादी जेवर के विनेता
गवलीपारा, दुग

जय ट्रेडर्स

पेना वस्त्रा व विनेता
गवलीपारा, दुग

प्रेमराज श्री श्रीमाल

दुग (म प्र) द्वारा संचालित धार्मिक सस्याएं

श्री प्रेम जयमाला ट्रस्ट, दुग (रजि)

श्री प्रेम पुन्याथ फड, दुग

श्री आयम्बिल एकासना ट्रस्ट, दुग

श्री आयम्बिल वर्षगाठ निधि ट्रस्ट, दुग

श्री निव्ही तप निधी ट्रस्ट, दुग

श्री प्रेम जयमाला ज्ञान भवन, दुग

श्री प्रेम जयमाला होमियोपैथिक

जोषधालय, दुग (रजि)

जाचार्य श्री जयमल जैन

वाचनालय एव ग्रथालय, दुग

श्री सार्वजनिक प्याऊ राम मन्दिर

गांधी चौक, दुग

भवरलाल श्रीश्रीमाल

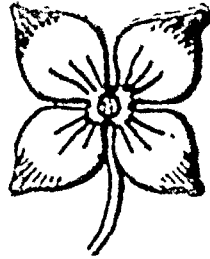
अध्यक्ष

श्री यद्यमान स्थानकवासी जैन धावक सघ दुग (म प्र) 491001

यों गुरु जगत में बहुत मिलें, पर गुरुन मन का पाया है।
जब मन का गुरु मिलेगा तब तो, आप में आप सभाया है ॥

आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषि जी म. सा. 2043 के पूना चातुर्मास
में धर्म, ध्यान, त्याग, तपस्या का पूर्ण ठाठ रहे इस हेतु हमारी-

हार्दिक शुभकामनाएँ-



एल. केवल चन्द धनराज जैन

पान ब्रोकर न. 201, ट्रीपली केन हाई रोड

मद्रास-600005 (तामिलनाडु)

० श्री गुन्देवायनम ०

हार्दिक शुभकामनाओ सहित

टेलीफोन न 288

कटारिया मिश्रीमल मांगीलाल

193/, पेलेस रोड, रतलाम (मध्यप्रदेश) 457001

सम्बन्धित प्रतिष्ठान

□ फ्रेन्ड्स आटोमोबाइल्स

इंडियन आईल पेट्रोल पंप

महू राट, सासाखेडी जिना, रतलाम टेलीफोन न 443

□ श्री शक्ति आटोमोबाइल्स

अधिकत विक्रेता -इण्डो सुजिकी मोटर साईकिल एच टी बी एस मोपेड
आधुनिक मशीनो एच कम्पनी द्वारा प्रशिक्षित मेकेनिक द्वारा रिपेरींग व सर्विस
एम्पावायर काम्पनेवम महू रोड रतलाम 457001 टेलीफोन न 2281

□ दिवाकर मोटर्स

न्यू रोड, रतलाम (टेलीफोन न 750)

□ श्री महावीर आटोमोबाइल्स

इंडियन पेट्रोल पम्प, वदनावर जिना धार टेलीफोन न 62

शुभेच्छुक

मांगीलाल कटारिया

अहम्

श्री वर्धमान ध्यान साधना केन्द्र, आबू पर्वत

(जैन धर्म स्थानक— उपाश्रय)

आबू पर्वत पर मुनिराजो महासतियाजी का एवं साधको का आवागमन होता ही रहता है प्रतिवर्ष चैत्र मास में आयम्बिल ओली तप का भव्य आयोजन होता है। अनेक साधक भी साधना हेतु आते हैं वर्तमान में भी जामनगर के एक साधक आए हुए हैं जो मोन के साथ अठम (तेला) तप का वर्षी तप कर रहे हैं। वह पूरे स्वाध्याय आदि प्रवृत्ति ही रहते हैं। साधक हेतु एकान्त आवश्यक है। प्राचिनकाल में भी महापुरुषो ने प्रवर्तीय स्थलो पर ही साधनाएँ कि हैं।

श्री महावीर केन्द्र में भी जो स्वाध्याय सदन वह छोटा पड़ता है। व केन्द्र में आवागमन बहुत रहता है अतः साधक को स्वाध्याय या ध्यान की प्रवृत्ति करनी होती तो शांति नही रहती है। इस दृष्टिकोण को लक्ष रखकर "वर्धमान ध्यान साधन केन्द्र" का ट्रस्ट बना हुआ है। केन्द्र के समीप ही जमीन ले ली गई है, नक्शा बन चुका है अब शीघ्र ही ध्यान केन्द्र का कार्य होनेवाला है उसमें निम्न आयोजन है—

1. श्री वर्धमान ध्यान साधना केन्द्र
2. श्री वर्धमान ज्ञान भण्डार
3. श्रमणसूर्य श्री मरुधरकेसरी-प्रवचन हॉल
4. युवाचार्य श्री मधुकर मुनि स्मृति स्वाध्याय सदन
5. महासती श्री माणिककुंवरजी स्मृति अण्ड प्रवचन माता सदन

उपाश्रय एवं ध्यान केन्द्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य आत्मसाधना की सभी प्रकार की प्रवृत्तियों में अधिक सहयोग करना तथा साधको को साधना के उपयुक्त स्थान आदि की सुविधा प्रदान करना है।

धर्म साधना के लिए स्थान दान करना या इसमें सहयोगी बनना महान् पुण्योपाजन का कार्य है।

आबू पर्वत पर बननेवाले साधना स्थल का अखिल भारतीय महत्व है यहाँ अनेक प्रान्तो से साधना करने के दृष्टिक साधक आते रहते हैं, साम्प्रदायिक भेदभाव विना सेवा सुश्रूपा की जाती है।

ध्यान केन्द्र के आप सहयोगी बनें आपका सहयोग प्राप्त होने पर ही हम आगे प्रगति कर सकेंगे। ध्यान केन्द्र निर्माण पर लगभग 15,00,000/रु. (पन्द्रह लाख रुपये) की आवश्यकता रहेगी ऐसा अनुमान है यह विशाल कार्य आप सभी के सहयोग से सम्भव है कम से कम 1111/-रु. प्रदान कर अपना नाम बोर्ड पर अंकित करावे। हमारे आदि पर भी नाम देने की योजना है।

उदार धर्म प्रेमी महानुभावो ने निवेदन है कि इस कार्य में अधिक से अधिक सहयोग प्रदान कर योजना को सम्पन्न करने में सहयोगी बनें।

विशेष जानकारी के लिए सम्पर्क करें—

गोपालसिंह जैन (नवी)

आपका सहयोगी

ट्रस्टी मरुधर

भारतीय नारी भण्डार, नरही बेल,
आबू पर्वत—307 501 (राजस्थान)

श्री वर्धमान ध्यान साधना केन्द्र,

आबू पर्वत 307 501

या टेलीमन श्री मरुधरकेसरी नारसिंवा
या. पी. ओ. धान न. 105 के नामसे,
रस्तार मार्ग, वरवी, अम्बई—13

अहंम्

श्री वर्धमान महावीर केन्द्र

सब्जी मण्डी के सामने, जाबू पर्वत-307501 (राज)

- जाबू पर्वत सारे विश्व का पयटन केन्द्र है
- यहां अहिंसा में जटल आस्था रखनेवाले सभी वर्गों के भाई बहन हजारों की तादाद में प्रति वर्ष आत रहते हैं। उनके आवास एवं शुद्ध व सात्विक भोजन आदि की व्यवस्था के लिए सर्वोत्तम यो एक केन्द्र है।
- यहां पर आदिनायक भोजनालय, वर्धमान ज्ञान भण्डार, हार्म्योपेथिक औषधालय, प्रतिवर्ष मेला, जाली, नेत्र शिविर व मानव राहत की बहुत सी प्रवृत्तियां चलती हैं।
- गुजरात व राजस्थान से भी मुनिराज महासतिबाजी पधारते ही रहते हैं जैन स्यानक ध्यान केन्द्र का निर्माण प्रारम्भ हो ही रहा है।
- आप जब भी जाबू पर्वत पधारें तब केन्द्र में अवश्य पधारें। सस्था को इन्कम टैक्स माफ़ी का प्रमाण पत्र प्राप्त है।

सहयोग के सोपान -

- 1 2500/-₹ प्रदान करने वाले का भोजन शाला हाल में फोटो
 - 2 1100/-₹ भोजन शाला में जाजीवन कायमी तिथी
 - 3 1000/-₹ भवन निर्माण के बोर्ड पर नाम
 - 4 251/-₹ प्रदान करने वाले का हार्म्योपेथिक औषधालय के बोर्ड पर नाम।
- 201/-₹ वैवाचक, साधारण, जीवदया, मानव राहत, गम पाठ, प्याउ आदि प्रत्येक की जाजीवन कायमी तिथि।

केन्द्र में पधारिये, कल्याणकारी प्रवृत्तियां में सहयोग दीजिए।

बम्बई में सम्पर्क सूत्र -

हस्तीमल जुहारमलजी साकरिया
(मन्त्री)

वी डी डी चालन 105 के सामने,

अमदावार मार्ग,

बरली बम्बई-13

फोन नं 4927437

विनीत-

ट्रस्टी मण्डल

श्री वर्धमान महावीर केन्द्र

अहंम्

आगम अनुयोग ट्रस्ट,

15, स्थानकवासी सोसायटी, नारणपुरा क्रॉसिंग
अहमदाबाद—380 013

शुभ-सूचना

योगीराज श्री आनन्दधनजी ने ठीक ही कहा था—

“अवसर वेर वेर नहीं आवे”

अतः आप भी याद रखिये, धर्मकथानुयोग एवं गणितानुयोग सानुवाद प्रकाशित हो गये हे आपने प्राप्त कर लिए होंगे। आपको यह ज्ञात हो कि—गणधर गीतमस्वामी की 2500 वीं निर्वाण शताब्दी के उपलक्ष में अनुयोग का पूरा सेट जो कि 1200/-रु में भी प्राप्त होना मुश्किल है वह प्रचार की दृष्टि से एव सधारण व्यक्ति भी स्वाध्याय लाभ उठा सके इसी दृष्टिकोण से अनुयोग का सेट घर बैठे 500/-रु. में ही प्राप्त कर सकते हैं।

हजारों वर्षों से जिस कार्य के लिए प्रयत्न किया जा रहा था वह महान् कार्य अनुयोग प्रवर्तक प. मुनि श्री कन्हैयालालजी “कमत” ने उठाया, लगभग वे 50 वरस से निरंतर इसी कार्य में सलग्न हैं। जैनगमों को विपयानुक्रम से संकलन करना बहुत ही श्रमसाध्य कार्य है। कुछ वर्षों से स्वास्थ्य अनुकूल नहीं चल रहा है फिर भी वे प्रयत्नशील हैं। उनकी भावना को मूर्तरूप देने के लिए विदुषी महासतीजी महाराष्ट्र श्रमणी रत्न श्री मुक्तिप्रभाजी, प्रवचनसिंहणी श्री दिव्यप्रभाजी भी अपनी सुयोग्य शिष्याओं के साथ लगे हुए हैं। इस वर्ष मुनि श्री के सान्निध्य में चरणानुयोग का कार्य कर रही है चरणानुयोग का प्रकाशन म. प्र. वीर ज्ञाति तक हो जायेगा ऐसी सम्भावना है। निम्न अनुयोग प्रकाशित हो चुके हैं।

धर्मकथानुयोग (भाग— 1-2)

दोनों भागों के पृष्ठ संख्या 1800 मूल्य 300/-रु.

जैनगमों में वर्णित समस्त धर्मकथाओं का मूलपाठ एवं सरल मूलानुलदी हिन्दी अनुवाद के साथ संकलन। प्रसिद्ध साहित्यकार श्री देवेन्द्रमुनिजी शास्त्री की विशाल भूमि तथा डॉ. प्रेमसुमन जैन की भूमिका शब्दकोश आदि परिशिष्टों में युक्त महापुरुषों के जीवन चरित्र।

गणितानुयोग (सम्पूर्ण) मूल्य 200/-रु. पृष्ठ संख्या 1100

जैनगमों में वर्णित, अधोलोक, मध्यलोक, ज्योतिष, चन्द्र, नक्षत्र आदि भूगोल चंगोल संबंधी समस्त विषयों का मूल एवं अनुवाद के साथ विपयानुक्रम से संकलन अनेक रंगीन चित्रों के साथ युक्त डॉ. लक्ष्मीचंदजी जैन एवं श्रीरामलालजी शास्त्री विशाल भूमिका, शब्दकोष आदि परिशिष्टों से युक्त।

ऐसा जैनमाल ग्रन्थ प्राप्त होना बहुत कठिन होता है अतः श्री तयो ने एवं स्वाध्याय प्रेमीयों से निवेदन है कि ऐना जैनमाल ग्रन्थ को मंगवाकर ज्ञान भंडार में रखें मुनिराज महासतियाजी को प्रदान करें। क्योंकि प्राचीन ग्रन्थों में लिखा है कि— “जिनगमों की पुस्तक का दान करता है वह सार्वविद होता।”

पुस्तक कि ऐना भी अनुयोग के सेट मंगवाकर देश-विदेश में प्रचार-प्रसार करने के अमूल्य योगदान दें। 500/-रु. कल्पे ही याचना शीघ्रतया पर्यंत तक ही है। जन. शीघ्र आगम अनुयोग ट्रस्ट अहमदाबाद के नाम पर डा. प्रो. जे. ए. ए. पर डे. नारी अनुयोग प्राप्त करें।

जयंतिलाल चन्दुलाल संघवी
(भ. प्र.)

वलदेवभाई डोसाभाई पटेल
(अध्यक्ष)

आगम अनुयोग ट्रस्ट—अहमदाबाद

अहम्

श्री वर्धमान महावीर बाल निकेतन

आबू पर्वत (राजस्थान)

आप अपने प्यारे नन्हे मुन्ने के जीवन को उन्नत एव आधुनिक बनाना चाहते हैं तो इंग्लिश के साथ-नैतिक तथा धार्मिक शिक्षण प्राप्त कराने के लिए 'श्री वर्धमान महावीर बाल निकेतन' में ही प्रवेश दिलावें

यहाँ पर एकमात्र जैन बच्चों का छात्रावास (होम्टल) है यहाँ विनय विवेक का प्रशिक्षण दिया जाता है।

- ❖ इंग्लिश का शुद्ध एव शीघ्र उच्चारण तथा लेखन
- ❖ आरोग्यवर्धक शुद्ध व सात्विक भोजन
- ❖ रहने की उत्तम व्यवस्था
- ❖ खेल एव मनोरंजन के आधुनिक सभी साधन प्रवेश पत्र एव विशेष जानकारी के लिए सम्पर्क करें—

कृष्णकांतभाई एच. मेहता

(अध्यक्ष)

श्री वर्धमान निकेतन चैरीटेबल ट्रस्ट
1002 प्रसाद चैम्बर्स, आँसू हाउस,
बम्बई-400004

गोपालसिंह जैन

(कार्याध्यक्ष)

श्री वर्धमान निकेतन,
दलवाण रोड
आबू पर्वत (राजस्थान)
पिन कोड नं 307 501
फोन नं 58

अहम्

श्री वर्धमान महावीर सेवा केन्द्र

देवलाली, जिला नासिक (महाराष्ट्र)



यही हमारा प्यारा नारा ।
सेवा करना धर्म हमारा ॥
सेवा से असीम पुण्योपार्जन होता है ।

- स्वास्थ्य सुधारने के लिए महाराष्ट्र में नासिक रोड़ के समीप "देवलाली" सर्वोत्तम स्थान है। यहां अनेक "स्वास्थ्य सुधार केन्द्र" हैं।
- अ.प्र. मुनी श्री कन्हैयालालजी "कमल" तथा श्री विनय मुनी जी (वागीश) की प्रबल प्रेरणा में "श्री वर्धमान महावीर सेवा केन्द्र" स्थापित है।
- इसमें अतिवृद्ध, अपंग, अशक्त, अन्धे, असाध्य रोग ग्रस्त अकेले साधु-साध्वी चाहे वे स्थानकवासी हों या श्रेयः मूर्तिपूजक हों, उन्हें यहां भेजने की व्यवस्था करें।
- अथवा केन्द्र को नूतन करें—केन्द्र के कार्यकर्ता आपसे वहां पहुंचकर योग्य कार्यवाही कर लेंगे।

विनीत :

प्रबन्धक,

श्री वर्धमान महावीर सेवा केन्द्र

देवलाली रोड १२२१०१ जिला-नासिक (म.प्र.)

जितने ऊँचे पद पर चढ़ते, चरित्र ने उतने गिरते है ।
मन्कार के फल भोगन हिय, लखचौरामी फिरते है ॥

हार्दिक शुभकामनाओ सहित

लिफाफो के अग्रणी निर्माता अन्तर्देशीय पत्रो के निर्माता
एसोसिएटेड मेन्यूपेक्चरर्स पेपर कन्वर्टर्स एण्ड प्रिन्टर्स



रवर की मोहरो का बड़ा कारखाना
लग्न पत्रिका, निमन्त्रण कार्ड, व्हिजिटिंग कार्ड के
निर्माता एव प्रिन्टर्स

रीगल इन्डस्ट्रीज

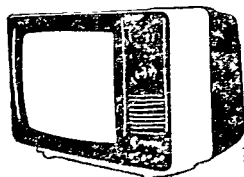
37/1 नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर-452002 (म प्र)

फोन न 36534



सैफायर
टेलीविजन्स

एक उत्तम टेलीविजन
एक बेहतरीन टेलीविजन
कीमत में कम
एरियल की आवश्यकता नहीं
कहीं भी रखकर देखिये



सैफायर इलेक्ट्रोविजन प्रा० लि०

1/ नार्थ इन्डौर इन्दौर टना 371

समग्र जैन समाज के पूज्य मुनिराजों/महासतीयाँजी म. सा. के मंगलमय
चातुर्मासों की हार्दिक सफलताओं की
मंगल कामना करते हुए

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

सभी संत संतियों के चातुर्मास की हार्दिक सफलता चाहते हैं

Shri Keshariaji Dyeing Works

An Equipped Process house known for Quality

Manufacturers of

Fast Colour Dyed Rubia

Jalori Darwaja, PALI-MARWAR-306401
(Rajasthan)

Phone Office 20711
Resi 22021

With Best Compliments From :

Tel No 70

Gadia Hirachand Jadaochand

18 Kasara Bazar RATLAM-457001 (M P)

Gadia Metal Industries

Manufacturers of CIRCLES UTENSILS & DECORATIVE ARTICLES

5, Sunar Baodi Marg, RATLAM 457001 (M. P)India

Phone Works 376

Res 70

Gadia Wires

**Mers of Super Enamelled Copper Wire
Wire Drawing Machines & Enamelling Plants**

5/8 AMRITSAGAR TALAB, TRIPOLIA GATE,

RATLAM 457001 (INDIA)

Phone Works 770, Res 70

V. D. M Wire Industries

Manufacturers of Super Enamelled Copper Wires

AMRITSAGAR TALAB, TRIPOLIA GATE, RATLAM 457001 (M P)

Phone Works 740, Res 70

With best compliments from :

**Pavan Fabrics
&
Pavan Industries**

Powerloom Cloth Dealers

456 Veer Durgadas Nagar, Pavankunj,
PALI-MARWAR 306401 (Raj)

Tel No 20527

Head Office ·

1368 Lale Plot, Pavankunj, Sangli (Mah)
Phone No : 4379

SISTER CONCERN ·

Subhash Fabrics

R. K. Brothers

Powerloom Bleached Dhoti Malls Wholesale
Cloth Merchant

Raviwar Peth, Madhavnagar
Dist. Sangli (Maharashtra)

समग्र जन समुदाय के प्रति मुनिगाता।

महामन्त्रीद्वारा म मा का 1950 उप आनुनाम

प्राप्त होने के लिए एवं तब से माध्यामिक मोनो-कमपन

सहायता के अन्तर्गत प्राप्त का मात कामकाज के लिए—

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

मनोहर ब्रदर्स

स्टोरिंग—ए सी सी मिनेट

90, मियागन, इन्दौर 452002 (म प्र)

फोन नं 31671

प्रो. शातिलाल धाकड़

महामन्त्रीद्वारा प्राप्त का अन्तर्गत मा मा का प्रत्येक 'प' विभिन्न होने के उपलक्ष्य,

Kanthed Textiles

Dyed Printed Voils & Rubia merchant

Jun market (1st Floor)

PALI MARWAR 306411 (Rajasthan)

22454 P P

Shree Prem Fabrics

Proctan Saree Manufacturers

Sumerpur Road PALI MARWAR (Raj) 06401

Phone 22484

दलाल चम्पालालजी काठेड़

सोना चांदी व हीराणा के दलाल

81 आन्ध्र गेट (सामन्ती) पाली-महाराष्ट्र 306401 (राजस्थान)

Office 22484
Phone Resi 20014

卐 आ महावाग्य नम 卐

With best compliments from :

Phone 21633 Office
20633 Rest

Shah Manakchand Inderchand

95, Udaipuria Bazar,
PALI-MARWAR 306 401 (Rajasthan)

Trusted Name For Quality Rubia

Our Concern :

M. B. Textiles

M. B. Textile Mills

PALI-Marwar (Raj.)

WITH BEST COMPLIMENTS FROM

Gram BOHARA

Phone Offi 22180 Rest 22183

BOHARA COTTON MILLS

Mfg & Dealers - Coloured, Printed, Voiles & Rubia
17 Guljar Chok PALI MARWAR 306 401 (Rajasthan)

CHUNNILAL SOHANLAL

Mfg & Dealers Dyed Rubia & Printed Sarces

97 Udaipuria Bazar PALI MARWAR 306401 (Raj)

Phone Offi 20728
Rest 22183

हार्दिक अनुकामनाया उद्दिष्ट-

Phone 21421
21674

शाह सीरेमल एण्ड कम्पनी

कपडा व आडत के व्यापरी

25, उदयपुरिया बाजार, पाली-मारवाड 306401 (राज)

सम्बन्धित फर्म—

दिलीप ट्रेडिंग कम्पनी

जयलक्ष्मी टेक्सटाईल

रगीन रुबिया, पोपलीन व केसमेन्ट के निर्माता एव विक्रेता

25, उदयपुरिया बाजार, पाली-मारवाड

306 101 (राजस्थान)

श्री महावीरायनम

सच्चे सरल सुशील हो, करुणा वन्त विनित ।
वनकर "चन्दन" लीजीये, जीवन वाजी जीत ॥

समग्र जैन चातुर्मास सूची को हार्दिक अभिनन्दन--

श्री. अशोककुमार लखमीचन्द

"अशोक ड्रेसेस" के निर्माता

हर प्रकार के रेडीमेड वस्त्रों के थोक विक्रेता

बोड़ना मार्केट (सराफा कार्नर), इन्दौर-452002 (म प्र)

सम्बन्धित प्रतिष्ठान

सम्बन्धित प्रतिष्ठान

श्री. अशु गारभेन्ट्स

श्री. शीलम गारभेन्ट्स

बोड़ना मार्केट, इन्दौर- 452002 (म प्र)

बोड़ना मार्केट, इन्दौर (म प्र.)-452002

मन अगर क्रुपथ में जावे तो, तनको काबू में रखना तुम ।
मन सत्पथ में जावेगा ही, अभ्यास एक यह रखना तुम ॥

मेवाड सिहनी, भारत कोठिला, अहिंसा की उतासिका जिन गामक चन्द्रिका
परम विदुषी महासतीजी श्री जसकुंवरजी स गा आदि ठाणा 8 का
डूगला (राज.) में 1986 वर्ष का चानुमगि ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य,
एव तप की आश्रयना से मौल्यार हर्ष वानावरण में सम्पन्न
होने की मंगल कामना करते हूँ—

हादिक शुभ कामनाओं सहित—

ओम शास्त्री जीजीजन एण्ड
जनरल स्टोर्स

प्रेम नगर नं. 2, नोप नं 6, मंडेकर रोड, बोरीवली (पश्चिम)

बम्बई-400092(महा) फोन न 661673

३ सनेच्छक ३६

पूनमचन्द दुगड

शास्त्री ज्ञान दुगड

नामी बनाता नर दाना नरक ममान।
नामी जन ममता रहे जन करे जीमान ॥

हादिक शुभकामनाओ सहित

ॐ 286

इन्दरमल समरथमल

ॐ रग सामान के व्यापारी ॐ

चादनी चौक, रागाम (म प्र) 457001

दुगावतारी महापुरुष थद्वेय महा भगवन्त पूज्य गृहदेव आचार्य प्रवर श्री 1008
श्री हस्तीमल जी म ना आदि ठाणाओ का इन वर्ष का पीपाट शहर का
चातुर्मास सानद सकल हो—

शा. राजमल गौतमचन्द औस्तवाल

नया बास, भोपालगढ-342603 (राजस्थान)

नर निन्दु

नर आत्मा पर निन्दाम नही, परमात्मा पर नर नारागे ।
ना ही ममताना बने नर कर, भय निन्दु म गान बाजागे ॥

जप सुनना

हादिक शुभकामनाओ सहित —

MAHAVIR AUTO PARTS

Mahavir Bhawan SILIGURI-(WEST BENGAL) 734401

श्री मध्य प्रदेश जैन स्वाध्याय संघ

कार्यालय

महावीर भवन, इमली बाजार, इन्दौर-452001 (म. प्र.)

उद्देश्य

1. संत सतियोंजी महाराज के चातुर्मास लाभ से वंचित क्षेत्रों में पर्युपण पर्वाराधना हेतु स्वाध्यायियों को भेजना ।
2. आध्यात्मिक शिक्षण शिविरों का आयोजन करना ।
3. विभिन्न क्षेत्रों में स्वाध्याय संघ एवं सामायिक संघ की स्थापना करना ।
4. विभिन्न क्षेत्रों में स्वाध्याय शालाओं की स्थापना करना ।
5. नैतिक व धार्मिक जागृति के लिए मासिक पत्रिका एवं अन्य पत्रिकाओं का प्रकाशन करना ।

- विनम्र अनुरोध:-
1. यदि आपके यहाँ संत सतियोंजी म. सा. का चातुर्मास न हो तो कृपया उपरोक्त पते पर एक माह पूर्व सम्पर्क कर स्वाध्यायी आमन्त्रित कीजिए ।
 2. यदि आप पर्युपण पर्वाराधन हेतु अपनी सेवाएं प्रदान करना चाहते हैं तो उपरोक्त पते पर सम्पर्क कीजिये ।

सम्पर्क सूत्र

वाटल चन्द मेहता
अध्यक्ष

अशोक मण्डलिक
प्रबन्ध मंत्री

फतीरचन्द मेहता
महामंत्री

नवरत्नमल जैन

प्रबन्धक

कूप खने मिट्टी मिले, पुनी पानी वह पाय
धर्म करे जघनाश है, आतम सुख प्रकटाय



हार्दिक शुभकामनाओ सहित--

याद रखिये

राजेन्द्र होटल

सूरज पोल, पाली मारवाड (राज) 306401

Tale Rajendra Hotel Phone 21349 PP
21907

आधुनिक, स्वच्छ एव आराम दायक कमरे ठहरने के लिए

नोट वारात ठहराने की व्यवस्था भी हे।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित--

श्री मगन मुनि जैन ज्ञानाचार प्रचार समिति

कंचन विहार, न्यू पलासिया, इन्दौर द्वारा संचालित

जैन दिवाकर फाउंडेशन

प्रेरक--स्वर्गीय कवि श्री अशोक मुनि जी महाराज

उद्देश्य--

- (1) समाज के बालकों को स्थानकवासी श्रद्धानुसार ज्ञान एवं आचार-चरित्र का शिक्षण देना तथा संस्कृत एवं प्राकृत के पण्डित तैयार करना ।
- (2) समाज में चरित्रवान व्यक्ति तैयार करना जो देश विदेशों में जाकर धर्म का प्रचार करे ।
- (3) चतुर्विध सव की सेवा सुश्रुपा करना ।
- (4) दर्शन, ज्ञान, चरित्र के प्रसार के लिए साहित्य एवं पत्र का प्रकाशन करना ।
- (5) स्थानकवासियों को अधिक सहयोग देना
- (6) कोई श्रावक या श्राविका दीक्षा लेना चाहे तो उसकी दीक्षा की व्यवस्था करना एवं दीक्षा के पूर्व उसके शिक्षण सहायता करना ।
- (7) उपरोक्त कार्यों के लिए भवन आदि बनाना, क्रय-विक्रय करना और उसकी समुचित व्यवस्था करना ।

फकीरचंद मेहता

अध्यक्ष

शिरोमणि चन्द जैन

सचिव

सागरमल बेताला

उपाध्यक्ष

बापू लाल बोधरा

महामंत्री

शान्ति लाल धाकड़

सहायक

जैन धर्म दिवाकर, राष्ट्र सत्त, श्रमग सध के हित्तीय पट्टधर, महामहिम आचार्य सन्नार, पूज्य
श्री आनन्द, ऋषि म सा आदि ठाणा 13 का चातुर्मास पूना (महा) में एव
प रत्न श्री मुलमुनिजी म सा का धूलिया में चातुर्मास ज्ञान, दर्शन,
चारित्र तप की आराधना से परिपूर्ण होने की मगल कामना करते हुए ।

हार्दिक शुभकामनाओ सहित --

अरिहन्त नमकीन सेन्टर

रानी सराय, बस स्टेण्ड, इन्दौर (म प्र) 452002

- दाल मोट लोग की सेव चिवडा
 स्पेशल मिक्चर ए-वन मसाले की सेव

हमारी विशेषताएँ

अरिहन्त के नमकीन उत्तम खाद्य सामग्री से निर्मित

प्रो. -- राधेश्याम धूलीलाल जैन

नमकीन के निर्माता एवं विक्रेता

37, नील कठ कालोनी, इन्दौर (म प्र) 452002

दया रूप अमृत को तजकर, क्रोध जहर को खाता है।
फिर भी सुख की इच्छा रखता, तरस इसी पर आता है ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

सु
फ
स्व
ल
स्व
स्व

आधुनिक वस्त्रों का केन्द्र

प्रोपराइटर—श्रेणिक लाल अभय कुमार चाणोदिया

42, नोलाईपुरा, धनजी भाई का नोहरा, रतलाम (म.प्र.) 457001

सम्बन्धित फर्म

मेसर्स मोतीलाल बागमल

कपड़े के व्यापारी

म.पां. पेटनावद, स्टेशन सामन्तिया 157773 (W R.)

त्रिना—शावुजा (म.प्र.)

चाँदी की आलम मे विश्वसनीय नाम

Silver House

चाँदी के प्रजेन्टेशन आर्टीकल, कलात्मक, नक्शादार कृतियों
का एकमात्र भव्य शो रूम

शुभ प्रसंगों के अवसर पर स्नेही जनो को भेंट स्वरूप देने के लिए एव घर में बसाने के लिए चांदी के ए-वन नम्बर कलात्मक नक्शादार कृतियों के 100% टच चाँदी के बर्तन, फेन्सी अलकारो शुद्ध 999 टच चाँदी के तथा लगडियो 51 भगवान के सिक्के 5-10-15-20-25-40-50 100 ग्राम में तयार मिलते हैं।

पुराना सोना, चाँदी, बाज्यों भाव से खरीदा जाता है। चाँदी के बर्तन सिर्फ मजदूरी से बनाकर देने की व्यवस्था है।

Anything & Every Thing in Silver

प्रताप एण्ड ब्रदर्स चाँदी वाला

जवेरी बाजार, बम्बई 400002 (महा)

फोन नं आफिस 330833, 324066
निवास 8228511, 8121491

प्रो प्रतापभाई चाँदीवाला एण्ड ब्रदर्स

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

मानमल घीसुलाल चौपड़ा

पो वा.नं. 18, चुडी बाजार, पाली-मारवाड़ (राज.) 306 401

पोलीथीलीन टियूब, शीट, बेगस व वंगड़ी के निर्माता व विक्रेता

सम्बन्धित फर्म :-

जितेन्द्र इन्डस्ट्रीज

F-207, मंडियारोड, पाली-मारवाड़ (राज.)

फोन न. 20302

प्रयूर प्लास्टीक्स

पोलीथीलीन पाइप के निर्माता व विक्रेता

10-11, IV, M, Block, राजाजी नगर, राजकुमार मिल्स के पीछे

बंगलोर-560010 (कर्नाटक)

फोन Loc 453635 Resi 354679

आगम अनुयोग प्रवर्तक प रत्न, जागम रत्नाकर, पूज्य गुरुदेव श्री कन्हैयालालजी
 म सा "कमल" ादि ठाणाओं एव महासतीयांजी श्री दिव्यप्रनाजी
 म सा श्री मुक्ति प्रनाजी म सा आदि ठाणाओ का 1986 का
 चातुर्मास धानेरा (गुज) में पूर्ण होने एव पूज्य गुरुदेव के
 स्वास्थ्य की मंगल कामना करते हुए—

हादिक शुभकामनाओं सहित—

कुन्दनमल मूलचन्द साकरिया
 (साण्डेराव वाले)

पी. के. प्लास्टिक्स

प्लास्टिक सामान के थोक विक्रेता एव वितरक

5, खातीपुरा, इन्दौर- 452001 (मध्यप्रदेश)

फोन न निवास 35451

मध्यप्रदेश के वितरक

(1) भारवल प्लास्टिक्स प्रा लि

(2) ब्राईट ब्रदर्स लि

(3) कूल किंग-आइस बोक्स

TRANSPORT YOUR GOODS FROM BOMBAY TO RAJASTHAN & GUJARAT STATES



JAIPUR - TEL: 65155
JODHPUR - TEL: 25990
UDAIPUR - TEL: 24180
BALOTRA - TEL: 476
PALI-MARWAR - TEL: 7020
AHMEDABAD - TEL: 52394.

NEW
RAJUMANI
TRANSPORT
CORPORATION

DAILY CHETAK SPEED PARCEL SERVICE. PHONES: 32 89 69. 34 77 09.
 Telegraph: "NEWRAJAMAN"

HEAD OFFICE AND BOOKING

DHOBLE BHAVAN,
 14 CARNAC ROAD,
 BOMBAY-400 003.

THANE BOOKING OFFICE

SOLANKI PLOTS,
 LEWIS WADI,
 THANE 400602.
 PHONE: 503095 501163

BHIWANDI BOOKING OFFICE

GODOWN NO B/41,
 B G T A GODOWN, RAHNAL
 VILLAGE, ANJUR PHATA,
 BHIWANDI. DIST THANA.